लघुसिद्धान्तकौमुदी

श्रीधरमुखोल्लासिनी हिन्दी व्याख्या सहित

व्याख्याकारः - गोविन्दाचार्यः

इस व्याख्या की विशेषता यह है कि सभी सूत्रों का पदच्छेद और समास दिखया गया है। अष्टाध्यायीक्रम से सूत्रनिर्देश सहित अनुवृत्तिक्रम दिखाई गयी है। सूत्र एवं प्रक्रिया के विषय में प्रायः सभी शंकाओं का समाधान किया गया है तथा सूत्र एवं प्रक्रिया के विषय में उदाहरणों की पूरी प्रक्रिया दिखयी गयी है। षड्लिंगो में प्रायः सभी लकारों के रूप दिये गये हैं। ण्यन्त, सन्नन्त, यङन्त और यङ्लुगन्त में बहुत से धातुओं की प्रयोगसिद्धि के साथ उनके संक्षिप्त रूप दिये गये हैं। कारक, समास व तद्धितों में विशेष भावस्फोरण सहित अतिरिक्त अदाहरण दिये गये हैं। लघुसिद्धान्तकौमुदी के समग्रज्ञान और परीक्षाओं में निश्चित सफलता के लिये सबसे जयादा पढ़ी जाने वाली यह सर्वोत्कृष्ट व्याख्या है।

चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन-वाराणसी

ब्रह्मानन्द त्रिपाठी

रूपचन्द्रिका

(शब्द एवं धातुरूपों का बृहत्संग्रह)



चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला-208

रूपचन्द्रिका

RUP-CANDRIKA

(शब्द एवं धातुरूपों का बृहत्संग्रह)



सम्पादक : ब्रह्मानन्द त्रिपाठी

dhatu list - 13
2-4 ganas - 15
5-7 ganas - 16
8-10 ganas 17

॥ श्रीः ॥

चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला
२०८

रूपचन्द्रिका

(शब्द एवं धातुरूपों का बृहत्संग्रह)

सम्पादक
डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी
साहित्य - आयुर्वेद - आचार्य
एम्.ए., पी-एच्.डी., डी.एस-सी.ए.

प्रकाशक
चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
वाराणसी

प्रकाशक
चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
(भारतीय संस्कृति एवं साहित्य के प्रकाशक तथा वितरक)
के. 37/117 गोपालमन्दिर लेन, पो. बा. नं. 1129
वाराणसी 221001 • दूरभाष : 2335263
ई-मेल : csp_naveen@yahoo.co.in

पुर्नमुद्रित संस्करण 2012
मूल्य : 95.00

अन्य प्राप्तिस्थान
चौखम्बा पब्लिशिंग हाउस
4697/2, भू-तल (ग्राउण्ड फ्लोर)
गली नं. 21-ए, अंसारी रोड
दरियागंज, नई दिल्ली 110002 • दूरभाष : 23286537

चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान
38 यू. ए, बंगलो रोड, जवाहर नगर
पो. बा. नं. 2113
दिल्ली 110007 • दूरभाष : 23856391

चौखम्बा विद्याभवन
चौक (बैंक ऑफ बड़ोदा भवन के पीछे)
पो. बा. नं. 1069, वाराणसी 221001 • दूरभाष: 2420404

मुद्रक
डीलक्स ऑफसेट प्रिंटर्स, दिल्ली-110027

THE
CHAUKHAMBA SURBHARATI GRANTHAMALA
208

RUP-CANDRIKA

(A Collection of the Forms of Sanskrit Words and Roots)

Edited by

Dr. Brahmanand Tripathi
Sahitya - Ayurveda - Acharya
M.A., Ph.D., D.Sc.A.

Published by

CHAUKHAMBA SURBHARATI PRAKASHAN
VARANASI

CHAUKHAMBA SURBHARATI PRAKASHAN
(Oriental Publishers & Distributers)
K 37/117, Gopal Mandir Lane
P. Box No. 1129
VARANASI 221001

Also Can be had of
CHOWKHAMBA VIDYA BHAWAN
Chowk (Benares State Bank Building)
P. Box No. 1069
VARANASI 221001

दो शब्द

प्राचीन परम्परा के अनुसार आरम्भ में बालक-बालिकाओं को शब्द तथा धातुरूपों का अभ्यास कराना संस्कृत शिक्षण की यह एक सुगम विधि रही है। अतएव माता-पिता या गुरुजन बचपन से ही इन्हें शब्द एवं धातुरूपों का अभ्यास कराया करते थे। जिससे ये सरलता से सीख लेते थे। फिर उन शब्दों के साथ धातुरूपों (क्रिया पदों) को जोड़नेकी विधि सिखला दी जाती थी, जिसके फलस्वरूप ये नन्हे-मुन्ने 'रामः गच्छति', 'बालकाः पठन्ति' 'इयं मम माता', 'अयं मम पिता', 'इदं मम गृहम्' इत्यादि वाक्यों को बिना किसी प्रयास के बोल लेते हैं, बोल सकते हैं, केवल थोड़ा संकेत करने की आवश्यकता होती है।

ध्यान रहे, छोटे बालक-बालिकाओं को घर का भूगोल पढ़ाना, सिखाना नहीं पड़ता। यह शिक्षा पहले उन्हें गोद में लेकर बाहर-भीतर लाने, ले जाने के रूप में माता-पिता, पास-पड़ोसी, संगी-साथी देते हैं, फिर वे स्वयं ठुमुक-ठुमुक चलकर सीख जाते हैं। ऐसे ही संस्कृत का उपदेश उन्हें अनायास माता-पिता, भाई-बहन चाहें तो दे सकते हैं। इसके लिये संस्कृत प्रेमी अभिभावकों को तदनुरूप वातावरण तैयार करने कराने की

आवश्यकता पड़ती है। हम विश्वास के साथ कह सकते हैं कि इस प्रकार अभ्यास कर लेने के बाद इससे सरल कोई भाषा धरती पर है ही नहीं।

संस्कृत विरोधी कुछ तत्वों ने बुद्धि पूर्वक संस्कृत भाषा के विपरीत घिनौना वातावरण तैयार किया है, जिसमें उन्होंने बहुत दूर तक सफलता पायी है, जिसके फलस्वरूप आज वे परिवार भी अपने बच्चों को संस्कृत पढ़ने से दूर रख रहे हैं, जो उसी की कमायी खा रहे हैं, उसी के भरोसे युग-युगों से जी रहे हैं, आगे भी उसके बिना कोई चारा नहीं है। वे भी ऐसे कुतर्क प्रस्तुत करते हैं, जिनको सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। सबसे जहरीली बात वे यह कहते हैं, कि इसमें शब्द तथा धातुरूप रटने पड़ते हैं, हम उनसे पूछते हैं, क्या दूसरी सभी भाषाएँ बिना रटे, पढ़े ऐसे ही सीख ली जाती हैं? अस्तु।

अब आप सुनें, संस्कृत भाषा कठिन नहीं है, यही एक ऐसी भाषा है, जिसमें जैसा बोला जाता है, ठीक वैसा ही लिखा भी जाता है, इसमें याद करना या रटना तो नहीं पड़ता, परन्तु समझना अवश्य पड़ता है। ध्यान दें! एक शब्द रूप या धातु रूप सीख कर उसके समान अन्य अनेक रूपों का सरलतापूर्वक ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। इस तथ्य का सुख आपको इस 'रूपचन्द्रिका' का अध्ययन करने से प्राप्त होगा।

आपको अनुवाद में सफलता प्राप्त करने के लिये अनेक शब्द रूपों तथा धातु रूपों से परिचित होना पड़ेगा। जब आप उन शब्दों तथा धातुरूपों का बार-बार प्रयोग करेंगे तो आपका सहज प्रेम क्रमशः उन शब्द तथा धातु रूपों से बढ़ता जायेगा। आपको अनुभव होने लगेगा कि सचमुच ये शब्द तथा धातुरूप कठिन नहीं हैं, रटने का विषय न होकर अभ्यास का विषय है। उसके बाद तो आप अच्छे लेखक एवं कुशल वक्ता के रूप में अपने को पायेंगे।

ध्यान दें, 'सुप्तिङन्तचयो वाक्यम्' प्रत्येक वाक्य में सुबन्त – राम, सीता, वन, पर्वत आदि शब्द होते हैं।शब्दों को ही 'सुबन्त' कहते है, क्योंकि उनके अन्त में सु आदि इक्कीस प्रत्यय आवश्यकतानुसार जुड़े होते हैं, या जोड़े जाते हैं। तिङन्त – पठति, भवति, चलति आदि क्रिया रूपों को तिङन्त कहते हैं, क्योंकि इनके अन्त में 'ति' आदि नौ प्रत्यय प्रयुक्त किये जाते हैं, अतः इन्हें तिङन्त या धातु रूप भी कहते हैं। 'क्रिया वा कार–कान्विता' कारक से युक्त क्रिया वाक्य का रूप धारण कर लेती है।

संस्कृत भाषा तथा साहित्य भारतवर्ष की अमूल्य निधि है, उसे प्राप्त करने का यह 'रूपचन्द्रिका' प्रथम सोपान है।आप भारतीय होने के कारण उसके उत्तराधिकारी हैं। सीखिये, पढ़िये

और अगली पीढ़ी को सिखाइये तथा पढ़ाइये। इसके अभाव में मानवता फीकी पड़ जायेगी, फलतः आप अपने को इसके अभाव में भारतीय कहते समय हिचकने तथा सकुचाने लगेंगे।

ग्रन्थ की विशेषता– प्रस्तुत 'रूपचन्द्रिका' में कुछ विशिष्ट शब्द रूप तथा धातु रूप दिये गये हैं, जिन्हें हम अपनी 'अनुवादचन्द्रिका' में नहीं दे पाये थे, उनकी रहस्यमयता इसमें देखें। इस ग्रन्थ में कुछ ऐसे भी धातुओं के रूप दिये हैं, जो अति संक्षिप्त हैं। उनकी उतनी ही उपयोगिता समझी गयी और 'प्रक्रिया-प्रकरण' के प्रमुख धातु रूपों का भी इसके अन्त में समावेश कर दिया गया है।

संस्कृत की सभी परीक्षाओं में पूर्ण सफलता पाने के लिये शब्द तथा धातुरूपों का ज्ञान होना परम आवश्यक है। वैज्ञानिक ढंग से संजोयी गयी इस पुस्तक में अधिकाधिक शब्दरूपों तथा धातुरूपों का संग्रह किया गया है। जो संस्कृत में प्रवेश लेने के अनन्तर प्रगति करने के इच्छुक हों, उन सभी का यह सदैव पूर्णरूप से हित करेगी, ऐसा मेरा पूर्ण विश्वास है।

चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, इसके प्रकाशन रूप महत्वपूर्ण कार्य के लिये साधुवादार्ह है।

-- **ब्रह्मानन्द त्रिपाठी**

शब्द-सूची

धातु-सूची
(प्रकरणानुसार)

1st cl.

भ्वादिप्रकरणम्

——— ★ ———

धातु-सूची

(अकारादि-क्रमानुसार)

—— * ——

॥ श्रीः ॥

रूपचन्द्रिका

शब्दरूपपरेशस्य साम्बस्य गणपस्य च ।
संस्मृत्य चरणाम्भोजं तन्वेहं रूपचन्द्रिकाम् ॥

अजन्तपुल्लिङ्गप्रकरणम्

(१) राम = दशरथ का पुत्र या भगवान्

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	रामः	रामौ	रामाः
द्वितीया	रामम्	रामौ	रामान्
तृतीया	रामेण	रामाभ्याम्	रामैः
चतुर्थी	रामाय	रामाभ्याम्	रामेभ्यः
पञ्चमी	रामात्	रामाभ्याम्	रामेभ्यः
षष्ठी	रामस्य	रामयोः	रामाणाम्
सप्तमी	रामे	रामयोः	रामेषु
सम्बोधनम्	हे राम	हे रामौ	हे रामाः

आम्र = आम का वृक्ष । वृक्ष = पेड़ । नर = मनुष्य । छात्र = शिष्य । पुत्र = बेटा । देह = शरीर । नापित = नाई । रजक = धोबी । धीवर

= मल्लाह या मछुआ। विडाल = बिल्ली। मूषक = चूहा। अश्व = घोड़ा। सर्प = साँप। शुक = तोता। दास = नौकर। चौर = चोर। विनोद = खेल। विवाह = शादी। भ्रम = भूल। संशय = सन्देह। प्रश्न = सवाल। क्रोध = गुस्सा। ज्वर = बुखार। रोग = बीमारी। हस्त = हाथ। पाद = पैर।

सर्वनाम

(२) सर्व=सब, सम्पूर्ण

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	सर्वः	सर्वौ	सर्वे
द्वि०	सर्वम्	सर्वौ	सर्वान्
तृ०	सर्वेण	सर्वाभ्याम्	सर्वैः
च०	सर्वस्मै	सर्वाभ्याम्	सर्वेभ्यः
पं०	सर्वस्मात्	सर्वाभ्याम्	सर्वेभ्यः
ष०	सर्वस्य	सर्वयोः	सर्वेषाम्
स०	सर्वस्मिन्	सर्वयोः	सर्वेषु
सं०	हे सर्व	हे सर्वौ	हे सर्वे

सम = सब। समान अर्थ वाले 'सम' शब्द के रूप 'बालक' शब्द की भांति होते हैं।

(३) विश्व = संसार, या सब

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	विश्वः	विश्वौ	विश्वे
द्वि०	विश्वम्	विश्वौ	विश्वान्
तृ०	विश्वेन	विश्वाभ्याम्	विश्वैः
च०	विश्वस्मै	विश्वाभ्याम्	विश्वेभ्यः
पं०	विश्वस्मात्	विश्वाभ्याम्	विश्वेभ्यः
ष०	विश्वस्य	विश्वयोः	विश्वेषाम्
स०	विश्वस्मिन्	विश्वयोः	विश्वेषु
सं०	हे विश्व	हे विश्वौ	हे विश्वे

(४) उभ = दो (५) कति = कितने

विभक्ति	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	उभौ	कति
द्वि०	उभौ	कति
तृ०	उभाभ्याम्	कतिभिः
च०	उभाभ्याम्	कतिभ्यः
पं०	उभाभ्याम्	कतिभ्यः
ष०	उभयोः	कतीनाम्
स०	उभयोः	कतिषु
सं०	हे उभौ	हे कति

कति या यति = जितने, तति = उतने शब्दों के रूप तीनों लिंगों में समान और नित्य बहुवचनान्त ही होते हैं।

(६) उभय = दोनों

विभक्ति	एकवचन	बहुवचन
प्र०	उभयः	उभये
द्वि०	उभयम्	उभयान्
तृ०	उभयेन	उभयैः
च०	उभयस्मै	उभयेभ्यः
पं०	उभयस्मात्	उभयेभ्यः
ष०	उभयस्य	उभयेषाम्
स०	उभयस्मिन्	उभयेषु
सं०	हे उभय	हे उभये

'उभय' शब्द का द्विवचन नहीं होता, अतः एकवचन और बहुवचन के रूप ही दिये गये हैं।

(७) नेम = आधा

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	नेमः	नेमौ	नेमाः
द्वि०	नेमम्	नेमौ	नेमान्
तृ०	नेमेन	नेमाभ्याम्	नेमैः
च०	नेमस्मै	नेमाभ्याम्	नेमेभ्यः
पं०	नेमस्मात्	नेमाभ्याम्	नेमेभ्यः
ष०	नेमस्य	नेमयोः	नेमेषाम्
स०	नेमस्मिन्	नेमयोः	नेमेषु
सं०	हे नेम	हे नेमौ	हे नेमाः

पूर्व = पहिला। स्व = अपना। विशेष -- जहाँ 'स्व' शब्द का अर्थ बन्धु अथवा धन होगा, वहाँ इसके रूप 'राम' शब्द के समान होंगे। अन्तर शब्द के बाह्य अथवा परिधानीय अर्थ हैं, इसके अतिरिक्त 'अवकाश' आदि अर्थों में इसके रूप 'राम' की भांति होंगे। पर = श्रेष्ठ अथवा शत्रु। अवर = छोटा। दक्षिण = दाहिना। उत्तर = श्रेष्ठ अथवा ऊपर। दिशा वाचक उत्तर शब्द का प्रयोग केवल स्त्रीलिङ्ग में ही होता है। अपर = अन्य। अधर = नीचे। प्रथम = पहिला। चरम = अन्तिम।

(८) द्वितय = दो अवयवों वाला

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	द्वितयः	द्वितयौ	द्वितये
द्वि०	द्वितयम्	द्वितयौ	द्वितयान्
तृ०	द्वितयेन	द्वितयाभ्याम्	द्वितयैः
च०	द्वितयाय	द्वितयाभ्याम्	द्वितयेभ्यः
पं०	द्वितयात्	द्वितयाभ्याम्	द्वितयेभ्यः
ष०	द्वितयस्य	द्वितययोः	द्वितयानाम्
स०	द्वितये	द्वितययोः	द्वितयेषु
सं०	हे द्वितय	हे द्वितयौ	हे द्वितये

इसी प्रकार - त्रितय, चतुष्टय, पञ्चतय, षट्तय, सप्ततय, अष्टतय, नवतय, दशतय शब्दों के रूप तथा शब्दों के अनुसार अर्थ भी होंगे।

(९) द्वितीय = दूसरा

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	द्वितीयः	द्वितीयौ	द्वितीयाः
द्वि०	द्वितीयम्	द्वितीयौ	द्वितीयान्
तृ०	द्वितीयेन	द्वितीयाभ्याम्	द्वितीयैः
च०	द्वितीयस्मै	द्वितीयाभ्याम्	द्वितीयेभ्यः
पं०	द्वितीयस्मात्	द्वितीयाभ्याम्	द्वितीयेभ्यः
ष०	द्वितीयस्य	द्वितीययोः	द्वितीयानाम्
स०	द्वितीयस्मिन्	द्वितीययोः	द्वितीयेषु
सं०	हे द्वितीय	हे द्वितीयौ	हे द्वितीयाः

तृतय = तीसरा।

(१०) निर्जर = देवता

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	निर्ज्ञरः,	निर्जरसौ, निर्जरौ	निर्जरसः निर्जराः
द्वि०	नि र्ज्ञरम्, निर्जरस म्	निर्जरौ, निर्जरसौ	निर्जरान्
तृ०	निर्जरेण निर्जरसा	निर्जराभ्याम्	निर्जरैः
च०	निर्जराय निर्जरसे	निर्जराभ्याम्	निर्जरेभ्यः
पं०	निर्जरसः निर्जरात्	निर्जराभ्याम्	निर्जरेभ्यः
ष०	निर्जरसः निर्जरस्य	निर्जरयोः निर्जरसोः	निर्जराणाम् निर्जरसाम्
स०	निर्जरसि निर्जरे	निर्जरयोः निर्जरसोः	निर्जरेषु
सं०	हे निर्जर	हे निर्जरसौ हे निर्जरौ	हे निर्जरसः हे निर्जराः

(११) विश्वपा = संसार का रक्षक

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	विश्वपाः	विश्वपौ	विश्वपाः
द्वि०	विश्वपाम्	विश्वपौ	विश्वपः
तृ०	विश्वपा	विश्वपाभ्याम्	विश्वपाभिः
च०	विश्वपे	विश्वपाभ्याम्	विश्वपाभ्यः
पं०	विश्वपः	विश्वपाभ्याम्	विश्वपाभ्यः

ष०	विश्वपः	विश्वपोः	विश्वपाम्
स०	विश्वपि	विश्वपोः	विश्वपासु
सं०	हे विश्वपाः	हे विश्वपौ	हे विश्वपाः

सोमपा = सोमरस पीने वाला। गोपा = गायों का रक्षक। धूमपा = धुआँ (तमाखू) पीने वाला, शङ्खध्मा = शंख बजाने वाला। बलदा = बल देने वाला।

(१२) हाहा = गन्धर्व का नाम

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	हाहाः	हाहौ	हाहाः
द्वि०	हाहाम्	हाहौ	हाहान्
तृ०	हाहा	हाहाभ्याम्	हाहाभिः
च०	हाहै	हाहाभ्याम्	हाहाभ्यः
पं०	हाहाः	हाहाभ्याम्	हाहाभ्यः
ष०	हाहाः	हाहौः	हाहाम्
स०	हाहे	हाहौः	हाहासु
सं०	हे हाहाः	हे हाहौ	हे हाहाः

(१३) हरि = नारायण

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	हरिः	हरी	हरयः
द्वि०	हरिम्	हरी	हरीन्

तृ०	हरिणा	हरिभ्याम्	हरिभिः
च०	हरये	हरिभ्याम्	हरिभ्यः
पं०	हरेः	हरिभ्याम्	हरिभ्यः
ष०	हरेः	हर्योः	हरीणाम्
स०	हरौ	हर्योः	हरिषु
सं०	हे हरे	हे हरी	हे हरयः

कवि = कवि, अग्नि = आग, गिरि = पहाड़। अरि = शत्रु। रवि = सूर्य। अवि = भेड़। असि = तलवार। निधि = कोश। कपि = बन्दर। पाणि = हाथ। सारथि = गाड़ीवान्। अद्रि = पर्वत। मुनि = योगी। विधि = ब्रह्मा या भाग्य। भूपति = राजा। अतिथि = पाहुन। रश्मि = किरण। जलधि = समुद्र। तिथि = प्रतिपदा आदि। असि = तलवार। प्रियत्त्रि = तीन वस्तुओं का प्रेमी।

(१४) सखि = मित्र

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	सखा	सखायौ	सखायः
द्वि०	सखायम्	सखायौ	सखीन्
तृ०	सख्या	सखिभ्याम्	सखिभिः
च०	सख्ये	सखिभ्याम्	सखिभ्यः
पं०	सख्युः	सखिभ्याम्	सखिभ्यः
ष०	सख्युः	सख्योः	सखीनाम्

स०	सख्यौ	सख्योः	सखिषु
सं०	हे सखे	हे सखायौ	हे सखायः

सुसखि, परमसखि शब्दों के रूप प्रथमा के तीन वचनों तथा द्वितीया के एक एवं द्विवचन में 'सखि' शब्द की भांति शेष विभक्तियों एवं वचनों में 'हरि' शब्द के समान होते हैं। स्त्रीलिङ्ग में सखि शब्द के रूप 'नदी' शब्द के समान होते हैं।

(१५) पति = भर्ता, स्वामी

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	पतिः	पती	पतयः
द्वि०	पतिम्	पती	पतीन्
तृ०	पत्या	पतिभ्याम्	पतिभिः
च०	पत्ये	पतिभ्याम्	पतिभ्यः
पं०	पत्युः	पतिभ्याम्	पतिभ्यः
ष०	पत्युः	पत्योः	पतीनाम्
स०	पत्यौ	पत्योः	पतिषु
सं०	हे पते	हे पती	हे पतयः

(१६, १७, १८) द्वि = दो

विभक्ति	द्विवचन (पु.)	द्विवचन (स्त्री.)	द्विवचन (नपुं.)
प्र०	द्वौ	द्वे	द्वे
द्वि०	द्वौ	द्वे	द्वे
तृ०	द्वाभ्याम्	द्वाभ्याम्	द्वाभ्याम्
च०	द्वाभ्याम्	द्वाभ्याम्	द्वाभ्याम्
पं०	द्वाभ्याम्	द्वाभ्याम्	द्वाभ्याम्
ष०	द्वयोः	द्वयोः	द्वयोः
स०	द्वयोः	द्वयोः	द्वयोः

द्वि शब्द सभी लिंगों में नित्य द्विवचनान्त होता है।

(१९) पपी = सूर्य

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	पपीः	पप्यौ	पप्यः
द्वि०	पपीम्	पप्यौ	पपीन्
तृ०	पप्या	पपीभ्याम्	पपीभिः
च०	पप्ये	पपीभ्याम्	पपीभ्यः
पं०	पप्यः	पपीभ्याम्	पपीभ्यः
ष०	पप्यः	पप्योः	पप्याम्
स०	पपी	पप्योः	पपीषु
सं०	हे पपीः	हे पप्यौ	हे पप्यः

वातप्रमी = हवा के समान तेज दोड़ने वाला सींग रहित मृग। ययी = मार्ग।

(२०) बहुश्रेयसी = बहुत सी कल्याण करने वाली स्त्रियों वाला

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	बहुश्रेयसी	बहुश्रेयस्यौ	बहुश्रेयस्यः
द्वि०	बहुश्रेयसीम्	बहुश्रेयस्यौ	बहुश्रेयसीन्
तृ०	बहुश्रेयस्या	बहुश्रेयसीभ्याम्	बहुश्रेयसीभिः
च०	बहुश्रेयस्यै	बहुश्रेयसीभ्याम्	बहुश्रेयसीभ्यः
पं०	बहुश्रेयस्याः	बहुश्रेयसीभ्याम्	बहुश्रेयसीभ्यः
ष०	बहुश्रेयस्याः	बहुश्रेयस्योः	बहुश्रेयसीनाम्
स०	बहुश्रेयस्याम्	बहुंश्रेयस्योः	बहुश्रेयसीषु
सं०	हे बहुश्रेयसि	हे बहुश्रेयस्यौ	हे बहुश्रेयस्यः

अतिलक्ष्मी = विशेष लक्ष्मी वाला।

(२१) प्रधी = बुद्धिमान्

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	प्रधीः	प्रध्यौ	प्रध्यः
द्वि०	प्रध्यम्	प्रध्यौ	प्रध्यः
तृ०	प्रध्या	प्रधीभ्याम्	प्रधीभिः
च०	प्रध्ये	प्रधीभ्याम्	प्रधीभ्यः
पं०	प्रध्यः	प्रधीभ्याम्	प्रधीभ्यः
ष०	प्रध्यः	प्रध्योः	प्रध्याम्
स०	प्रध्यि	प्रध्योः	प्रधीषु
सं०	हे प्रधीः	हे प्रध्यौ	हे प्रध्यः

इसी प्रकार नी = ले जाने वाला शब्द के रूप भी होते हैं, केवल इनके सप्तमी एकवचन में नियाम् रूप होता है।

(२२) ग्रामणी = गाँव का मुखिया

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	ग्रामणीः	ग्रामण्यौ	ग्रामण्यः
द्वि०	ग्रामण्यम्	ग्रामण्यौ	ग्रामण्यः
तृ०	ग्रामण्या	ग्रामणीभ्याम्	ग्रामणीभिः
च०	ग्रामण्ये	ग्रामणीभ्याम्	ग्रामणीभ्यः
पं०	ग्रामण्यः	ग्रामणीभ्याम्	ग्रामणीभ्यः
ष०	ग्रामण्यः	ग्रामण्योः	ग्रामण्याम्
स०	ग्रामण्याम्	ग्रामण्योः	ग्रामणीषु
सं०	हे ग्रामणीः	हे ग्रामण्यौ	हे ग्रामण्यः

(२३) सुश्री=सुन्दर शोभावाला

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	सुश्रीः	सुश्रियौ	सुश्रियः
द्वि०	सुश्रियम्	सुश्रियौ	सुश्रियः
तृ०	सुश्रिया	सुश्रीभ्याम्	सुश्रीभिः
च०	सुश्रिये	सुश्रीभ्याम्	सुश्रीभ्यः

पं०	सुश्रियः	सुश्रीभ्याम्	सुश्रीभ्यः
ष०	सुश्रियः	सुश्रियोः	सुश्रियाम्
स०	सुश्रियि	सुश्रियोः	सुश्रीषु
सं०	हे सुश्रीः	हे सुश्रियौ	हे सुश्रियः

यवक्री= जौ खरीदने वाला। शुद्धधी = पवित्र बुद्धि वाला। सुधी=विद्वान्।

(२४) सुखी= सुख चाहने वाला

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	सुखीः	सुख्यौः	सुख्यः
द्वि०	सुख्यम्	सुख्यौ	सुख्यः
तृ०	सुख्या	सुखीभ्याम्	सुखीभिः
च०	सुख्ये	सुखीभ्याम्	सुखीभ्यः
पं०	सुख्युः	सुखीभ्याम्	सुखीभ्यः
ष०	सुख्युः	सुख्योः	सुख्याम्
स०	सुख्यि	सुख्योः	सुखीषु
सं०	हे सुखीः	हे सुख्यौ	हे सुख्यः

सुती= पुत्र चाहने वाला।

(२५) शम्भु= शिव

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	शम्भुः	शम्भू	शम्भवः
द्वि०	शम्भुम्	शम्भू	शम्भून्
तृ०	शम्भुना	शम्भुभ्याम्	शम्भुभिः
च०	शम्भवे	शम्भुभ्याम्	शम्भुभ्यः
पं०	शम्भोः	शम्भुभ्याम्	शम्भुभ्यः
ष०	शम्भोः	शम्भ्वोः	शम्भूनाम्
स०	शम्भौ	शम्भ्वोः	शम्भुषु
सं०	हे शम्भो	हे शम्भू	हे शम्भवः

भानु= सूर्य। जानु= घुटना। सूनु=पुत्र। विष्णु = भगवान। वायु = हवा। प्रभु = स्वामी। जह्नु = नाम, व्यक्ति विशेष का। गुरु =आचार्य। मन्यु=क्रोध। बाहु=बाँह। तरु=वृक्ष। सेतु=पुल। पशु=जानवर। हेतु=कारण। बिन्दु=बूँद। शिशु=बच्चा। ऋतु=मौसम। इषु=बाण। विधु, सुधांशु, शुभ्रांशु=चन्द्रमा। इक्षु=गन्ना। साधु=भला। बन्धु=भाई या रिश्तेदार। शत्रु=दुश्मन। तन्तु=धागा। मृत्यु=मौत।

(२६) क्रोष्टु=सियार

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	क्रोष्टा	क्रोष्टारौ	क्रोष्टारः
द्वि०	क्रोष्टारम्	क्रोष्टारौ	क्रोष्टून्
तृ०	क्रोष्ट्रा	क्रोष्टुभ्याम्	क्रोष्टुभिः
च०	क्रोष्ट्रे	क्रोष्टुभ्याम्	क्रोष्टुभ्यः
पं०	क्रोष्टुः	क्रोष्टुभ्याम्	क्रोष्टुभ्यः

ष०	क्रोष्टुः	क्रोष्ट्वोः	क्रोष्टूनाम्
स०	क्रोष्टरि	क्रोष्ट्वोः	क्रोष्टुषु
सं०	हे क्रोष्टो	हे क्रोष्टारौ	हे क्रोष्टारः

क्रोष्टु शब्द के तृ० एकव० में क्रोष्टुना, च० एकव० क्रोष्टवे, पं० और षष्ठी एक व० में क्रोष्टोः, षष्ठी और स० द्विव० में क्रोष्ट्रोः तथा स० एक व० में क्रोष्ट्रौ रूप अतिरिक्त बनते हैं।

(२७) हूहू= गन्धर्व

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	हूहूः	हूह्वौ	हूह्वः
द्वि०	हूहूम्	हूह्वौ	हूहून्
तृ०	हूह्वा	हूहूभ्याम्	हूहूभिः
च०	हूह्वे	हूहूभ्याम्	हूहूभ्यः
पं०	हूह्वः	हूहूभ्याम्	हूहूभ्यः
ष०	हूह्वः	हूह्वौ	हूह्वाम्
स०	हूह्वि	हूह्वौ	हूहूषु
सं०	हे हूहूः	हे हूह्वौ	हे हूह्वः

खलपू=खलिहान को साफ करने वाला। स्वभू= ब्रह्मा। वर्षाभू=मेढक। दृन्भू=वृक्ष, सर्प अथवा बन्दर। करभू=नाखून।

(२८) सुलू= अच्छा काटने वाला पुरुष

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	सुलूः	सुल्वौ	सुल्वः
द्वि०	सुल्वम्	सुल्वौ	सुल्वः
तृ०	सुल्वा	सुलूभ्याम्	सुलूभिः
च०	सुल्वे	सुलूभ्याम्	सुलूभ्यः
पं०	सुल्वः	सुलूभ्याम्	सुलूभ्यः
ष०	सुल्वः	सुल्वोः	सुल्वाम्
स०	सुल्वि	सुल्वोः	सुलूषु
सं०	हे सुलूः	हे सुल्वौ	हे सुल्वः

(२९) स्वयम्भू=ब्रह्मा

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	स्वयम्भूः	स्वयम्भुवौ	स्वयम्भुवः
द्वि०	स्यम्भुवम्	स्वयम्भुवौ	स्वयम्भुवः
तृ०	स्वयम्भुवा	स्वयम्भूभ्याम्	स्वयम्भूभिः
च०	स्वयम्भुवे	स्वयम्भूभ्याम्	स्वयम्भूभ्यः
पं०	स्वयम्भुवः	स्वयम्भूभ्याम्	स्वयम्भूभ्यः
ष०	स्वयम्भुवः	स्वयम्भुवोः	स्वयम्भुवाम्
स०	स्वयम्भुवि	स्वयम्भुवोः	स्वयम्भूषु
सं०	हे स्वयम्भूः	हे स्वयम्भुवौ	हे स्वयम्भुवः

(३०) अतिचमू=सेना को जीतने वाला

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	अतिचमूः	अतिचम्वौ	अतिचम्वः
द्वि०	अतिचमूम्	अतिचम्वौ	अतिचमून्
तृ०	अतिचम्वा	अतिचमूभ्याम्	अतिचमूभिः
च०	अतिचम्वै	अतिचमूभ्याम्	अतिचमूभ्यः
पं०	अतिचम्वाः	अतिचमूभ्यांम्	अतिचमूभ्यः
ष०	अतिचम्वाः	अतिचम्वोः	अतिचमूनाम्
स०	अतिचम्वाम्	अतिचम्वोः	अतिचमूषु
सं०	हे अतिचमु	हे अतिचम्वौ	हे अतिचम्वः

(३१) धातृ = ब्रह्मा

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	धाता	धातारौ	धातारः
द्वि०	धातारम्	धातारौ	धातॄन्
तृ०	धात्रा	धातृभ्याम्	धातृभिः
च०	धात्रे	धातृभ्याम्	धातृभ्यः
पं०	धातुः	धातृभ्याम्	धातृभ्यः
ष०	धातुः	धात्रोः	धातॄणाम्
स०	धातरि	धात्रोः	धातृषु
सं०	हे धातः	हे धातारौ	हे धातारः

नप्तृ = नाती। नेष्टृ = सोलह यज्ञ करने वालों में से कोई एक। त्वष्टृ = बढई। क्षतृ = मिस्त्री, नौकर, दरवान, सारथी, शूद्र, क्षत्राणी की संतान, दासीपुत्र, ब्रह्मा अथवा मत्स्य विशेष। होतृ = यज्ञ करावनहार। पोतृ = पोता। प्रशास्तृ = शासन कर्ता। कर्तृ = करने वाला। भर्तृ = स्वामी। वक्तृ = बोलने वाला। गोप्तृ = रक्षा करने वाला।

(३२) पितृ = पिता

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	पिता	पितरौ	पितरः
द्वि०	पितरम्	पितरौ	पितॄन्
तृ०	पित्रा	पितृभ्याम्	पितृभिः
च०	पित्रे	पितृभ्याम्	पितृभ्यः
पं०	पितुः	पितृभ्याम्	पितृभ्यः
ष०	पितुः	पित्रोः	पितॄणाम्
स०	पितरि	पित्रोः	पितृषु
सं०	हे पितः	हे पितरौ	हे पितरः

जामातृ = लड़की का पति अर्थात् 'दामाद'। भ्रातृ = भाई। देवृ = देवर। शंस्तृ = प्रशंसा करने वाला।

(३३) नृ = मनुष्य

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	ना	नरौ	नरः

द्वि०	नरम्	नरौ	नॄन्
तृ०	न्रा	नृभ्याम्	नृभिः
च०		नृभ्याम्	नृभ्यः
पं०	नुः	नृभ्याम्	नृभ्यः
ष०	नुः	न्रोः	नृणाम्, नॄणाम्
स०	नरि	न्रोः	नृषु
सं०	हे नः	हे नरौ	हे नरः

(३४) गो = गाय

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	गौः	गावौ	गावः
द्वि०	गाम्	गावौ	गाः
तृ०	गवा	गोभ्याम्	गोभिः
च०	गवे	गोभ्याम्	गोभ्यः
पं०	गोः	गोभ्याम्	गोभ्यः
ष०	गोः	गवोः	गवाम्
स०	गवि	गवोः	गोषु
सं०	हे गौः	हे गावौ	हे गावः

(३५) रै = सभी प्रकार का धन

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	राः	रायौ	रायः
द्वि०	रायम्	रायौ	रायः
तृ०	राया	राभ्याम्	राभिः
च०	राये	राभ्याम्	राभ्यः
पं०	रायः	राभ्याम्	राभ्यः
ष०	रायः	रायोः	रायाम्
स०	रायि	रायोः	रासु
सं०	हे राः	हे रायौ	हे रायः

(३६) ग्लौ = चन्द्रमा

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	ग्लौः	ग्लावौ	ग्लावः
द्वि०	ग्लावम्	ग्लावौ	ग्लावः
तृ०	ग्लावा	ग्लौभ्याम्	ग्लौभिः
च०	ग्लावे	ग्लौभ्याम्	ग्लौभ्यः
पं०	ग्लावः	ग्लौभ्याम्	ग्लौभ्यः
ष०	ग्लावः	ग्लावोः	ग्लावाम्
स०	ग्लावि	ग्लावोः	ग्लौषु
सं०	हे ग्लौः	हे ग्लावौ	हे ग्लावः

इति अजन्तपुल्लिङ्गप्रकरणम्

*

अजन्तस्त्रीलिङ्गप्रकरणम्

(३७) रमा = लक्ष्मी

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	रमा	रमे	रमाः
द्वि०	रमाम्	रमे	रमाः
तृ०	रमया	रमाभ्याम्	रमाभिः
च०	रमायै	रमाभ्याम्	रमाभ्यः
पं०	रमायाः	रमाभ्याम्	रमाभ्यः
ष०	रमायाः	रमयोः	रमाणाम्
स०	रमायाम्	रमयोः	रमासु
सं०	हे रमे	हे रमे	हे रमाः

दुर्गा = पार्वती। अम्बिका = दुर्गा। विद्या, दया, कृपा, गङ्गा, नर्मदा, इन्दिरा, चण्डिका। अम्बा, अक्का, अल्ला ये तीनों शब्द माता के पर्याय हैं। गोपा = गायों की रक्षा करने वाली। कन्या = लड़की। लज्जा = लाज। छाया = छाँह। कथा = कहानी। तृष्णा = प्यास। आज्ञा = आज्ञा। क्रीडा = खेल। चिन्ता = सोच। कान्ता = स्त्री। निशा = रात। आशा = उम्मीद। परीक्षा। शोभा = सौन्दर्य। वार्ता = बात। सन्ध्या = सायंकाल।

(३८) सर्वा = सम्पूर्ण

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	सर्वा	सर्वे	सर्वाः
द्वि०	सर्वाम्	सर्वे	सर्वाः
तृ०	सर्वया	सर्वाभ्याम्	सर्वाभिः
च०	सर्वस्यै	सर्वाभ्याम्	सर्वाभ्यः
पं०	सर्वस्याः	सर्वाभ्याम्	सर्वाभ्यः
ष०	सर्वस्याः	सर्वयोः	सर्वासाम्
स०	सर्वस्याम्	सर्वयोः	सर्वासु
सं०	हे सर्वे	हे सर्वे	हे सर्वाः

विश्वा=सम्पूर्ण।

(३९) उत्तरपूर्वा=उत्तर को पूर्व समझने वाली

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	उत्तरपूर्वा	उत्तरपूर्वे	उत्तरपूर्वाः
द्वि०	उत्तरपूर्वाम्	उत्तरपूर्वे	उत्तरपूर्वाः
तृ०	उत्तरपूर्वया	उत्तरपूर्वाभ्याम्	उत्तरपूर्वाभिः
च०	[उत्तरपूर्वस्यै / उत्तरपूर्वायै	उत्तरपूर्वाभ्याभ्	उत्तरपूर्वाभ्यः
पं०	[उत्तरपूर्वस्याः / उत्तरपूर्वायाः	उत्तरपूर्वाभ्याम्	उत्तरपूर्वाभ्यः
ष०	[उत्तरपूर्वस्याः / उत्तरपूर्वायाः	उत्तरपूर्वयोः	उत्तरपूर्वासाम्

स०	उत्तरपूर्वस्याम् उत्तरपूर्वायाम्	उत्तरपूर्वयोः	उत्तरपूर्वासु
सं०	हे उत्तरपूर्वे	हे उत्तरपूर्वे	हे उत्तरपूर्वाः

द्वितीया = दूसरी। तृतीया = तीसरी।

(४०) जरा = बुढ़ापा

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	जरा	जरे, जरसौ	जराः जरसः
द्वि०	जराम्, जरसम्	जरे, जरसौ	जराः जरसः
तृ०	जरया, जरसा	जराभ्याम्	जराभिः
च०	जरसे, जरायै	जराभ्याम्	जराभ्यः
पं०	जरायाः, जरसः	जराभ्याम्	जराभ्यः
ष०	जरायाः, जरसः	जरयोः, जरसोः	जराणाम् जरसाम्
स०	जरायाम्, जरसि	जरयोः जरसोः	जरासु

सं०	हे जरे	हे जरे हे जरसौ	हे जराः हे जरसः

(४१) मति = बुद्धि

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	मतिः	मती	मतयः
द्वि०	मतिम्	मती	मतीः
तृ०	मत्या	मतिभ्याम्	मतिभिः
च०	मत्यै, मतये	मतिभ्याम्	मतिभ्यः
पं०	मत्याः, मतेः	मतिभ्याम्	मतिभ्यः
ष०	मत्याः, मतेः	मत्योः	मतीनाम्
स०	मत्याम्, मतौ	मत्योः	मतिषु
सं०	हे मते	हे मती	हे मतयः

बुद्धि = मति। मूर्ति = मूरत। भक्ति = भक्ति। प्रीति = प्यार। स्तुति = बड़ाई। श्रुति = वेद। धृति = धैर्य। स्मृति = याद। कीर्ति = यश। कान्ति = शोभा। जाति = जात। मुक्ति = छूट। रात्रि = रात। भूमि = जमीन। शक्ति = ताकत। रीति = रिवाज। आकृति = शकल। हानि = नुकसान। रुचि = इच्छा। दृष्टि = नजर। वृष्टि = वर्षा। सृष्टि = दुनिया। वीचि = लहर।

(४२, ४३, ४४) त्रि=तीन

विभक्ति	बहुवचन पुं०	बहुवचन स्त्री०	बहुवचन नपु०
प्र०	त्रयः	तिस्रः	त्रीणि
द्वि०	त्रीन्	तिस्रः	त्रीणि
तृ०	त्रिभिः	तिसृभिः	त्रिभ्यः
च०	त्रिभ्यः	तिसृभ्यः	त्रिभ्यः
पं०	त्रिभ्यः	तिसृभ्यः	त्रिभ्यः
ष०	त्रयाणाम्	तिसृणाम्	त्रयाणाम्
स०	त्रिषु	तिसृषु	त्रिषु
सं०	हे त्रयः	हे तिस्रः	हे त्रीणि

(४५) नदी=नदी

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	नदी	नद्यौ	नद्यः
द्वि०	नदीम्	नद्यौ	नदीः
तृ०	नद्या	नदीभ्याम्	नदीभिः
च०	नद्यै	नदीभ्याम्	नदीभ्यः
पं०	नद्याः	नदीभ्याम्	नदीभ्यः
ष०	नद्याः	नद्योः	नदीनाम्
स०	नद्याम्	नद्योः	नदीषु
सं०	हे नदि	हे नद्यौ	हे नद्यः

गौरी, पार्वती, काली, भवानी, रुद्राणी, लक्ष्मी, तरी=नाव। तन्त्री=सितार। कुमारी=कुँवारी। नारी=स्त्री। जननी=माता। दासी=नौकरानी। नगरी=शहर। पत्नी=स्त्री। वल्ली=बेल। महिषी=रानी। पृथ्वी=भूमि। श्रेणी=कतार। मैत्री=मित्रता। पुत्री=बेटी। धात्री=धाय। वापी=तालाब।

(४६) स्त्री=नारी

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	स्त्रीः	स्त्रियौ	स्त्रियः
द्वि०	[स्त्रीम्, स्त्रियम्	स्त्रियौ	[स्त्रीः स्त्रियः
तृ०	स्त्रिया	स्त्रीभ्याम्	स्त्रीभिः
च०	स्त्रियै	स्त्रीभ्याम्	स्त्रीभ्यः
पं०	स्त्रियाः	स्त्रीभ्याम्	स्त्रीभ्यः
ष०	स्त्रियाः	स्त्रियोः	स्त्रीणाम्
स०	स्त्रियाम्	स्त्रियोः	स्त्रीषु
सं०	हे स्त्रि	हे स्त्रियौ	हे स्त्रियः

श्री=लक्ष्मी।

(४७) धी=बुद्धि

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	धीः	धियौ	धियः
द्वि०	धियम्	धियौ	धियः

तृ०	धिया	धीभ्याम्	धीभिः
च०	धिये	धीभ्याम्	धीभ्यः
पं०	धियः	धीभ्याम्	धीभ्यः
ष०	धियः	धियोः	धियाम्
स०	धियि	धियोः	धीषु
सं०	हे धि	हे धियौ	हे धियः

(४८) धेनु=गाय

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	धेनुः	धेनू	धेनवः
द्वि०	धेनुम्	धेनू	धेनूः
तृ०	धेन्वा	धेनुभ्याम्	धेनुभिः
च०	[धेन्वै, धेनवे	धेनुभ्याम्	धेनुभ्यः
पं०	[धेनोः, धेन्वाः	धेनुभ्याम्	धेनुभ्यः
ष०	[धेनोः, धेन्वाः	धेन्वोः	धेनूनाम्
स०	[धेनौ, धेन्वाम्	धेन्वोः	धेनुषु
सं०	हे धेनो	हे धेनू	हे धेनवः

(४९) भ्रू=भौंह (बरौनी)

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	भ्रूः	भ्रुवौ	भ्रुवः
द्वि०	भ्रुवम्	भ्रुवौ	भ्रुवः
तृ०	भ्रुवा	भ्रूभ्याम्	भ्रूभिः
च०	[भ्रुवे, भ्रुवै	भ्रूभ्याम्	भ्रूभ्यः
पं०	[भ्रुवाः, भ्रुवः	भ्रूभ्याम्	भ्रूभ्यः
ष०	[भ्रुवः, भ्रुवाः	भ्रुवोः	[भ्रूणाम्, भ्रुवाम्
स०	[भ्रुवि, भ्रुवाम्	भ्रुवोः	भ्रूषु
सं०	हे भ्रुः	हे भ्रुवौ	हे भ्रुवः

(५०) स्वसृ=भगिनी

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	स्वसा	स्वसारौ	स्वसारः
द्वि०	स्वसारम्	स्वसारौ	स्वसॄः
तृ०	स्वस्रा	स्वसृभ्याम्	स्वसृभिः
च०	स्वस्रे	स्वसृभ्याम्	स्वसृभ्यः

पं०	स्वसुः	स्वसृभ्याम्	स्वसृभ्यः
ष०	स्वसुः	स्वस्रोः	स्वसृणाम्
स०	स्वसरि	स्वस्रोः	स्वसृषु
सं०	हे स्वसः	हे स्वसारौ	हे स्वसारः

ननान्दृ=ननद। दुहितृ=लड़की। यातृ=देवरानी या जेठानी। मातृ=माता।

(५१) द्यो=स्वर्ग

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	द्यौः	द्यावौ	द्यावः
द्वि०	द्याम्	द्यावौ	द्याः
तृ०	द्यवा	द्योभ्याम्	द्योभिः
च०	द्यवे	द्योभ्याम्	द्योभ्यः
पं०	द्योः	द्योभ्याम्	द्योभ्यः
ष०	द्योः	द्यवोः	द्यवाम्
स०	द्यवि	द्यवोः	द्योषु
सं०	हे द्यौः	हे द्यावौ	हे द्यावः

(५२) नौ=नाव

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	नौः	नावौ	नावः
द्वि०	नावम्	नावौ	नावः

तृ०	नावा	नौभ्याम्	नौभिः
च०	नावे	नौभ्याम्	नौभ्यः
पं०	नावः	नौभ्याम्	नौभ्यः
ष०	नावः	नावोः	नावाम्
स०	नावि	नावोः	नौषु
सं०	हे नौः	हे नावौ	हे नावः

इति अजन्तस्त्रीलिङ्गप्रकरणम्।

———— * ————

अजन्तनपुंसकलिङ्गप्रकरणम्

(५३) ज्ञान=बुद्धि

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	ज्ञानम्	ज्ञाने	ज्ञानानि
द्वि०	ज्ञानम्	ज्ञाने	ज्ञानानि
तृ०	ज्ञानेन	ज्ञानाभ्याम्	ज्ञानैः
च०	ज्ञानाय	ज्ञानाभ्याम्	ज्ञानेभ्यः
पं०	ज्ञानात्	ज्ञानाभ्याम्	ज्ञानेभ्यः
ष०	ज्ञानस्य	ज्ञानयोः	ज्ञानानाम्
स०	ज्ञाने	ज्ञानयोः	ज्ञानेषु
सं०	हे ज्ञान	हे ज्ञाने	हे ज्ञानानि

धन = धन। वन = वन। फल = फल। पुस्तक = किताब। जल = पानी। द्वार = दरवाजा। मित्र = दोस्त। शरीर = देह। वस्त्र = कपड़ा। पद्य = कविता। गद्य = गद्य। लवण = नमक। छत्र = छाता। आम्र = आम का फल। गृह= घर। अन्न = अनाज। सत्य = सच। अनृत = झूठ। रूप = सौन्दर्य। युद्ध = लड़ाई। भय = डर। उद्यान = बगीचा। पुष्प = फूल। यन्त्र = यन्त्र। भूषण = जेवर। सुख = आराम। दुःख = कष्ट। नगर = शहर। नेत्र = आँख। मुख = मुँह। श्रोत्र = कान। चिबुक = ठोठी। उदर = पेट। नेपथ्य = वेषरचना। केयूर = बाजूबन्द।

(५४) कतर=कौन (वस्तु)

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	कतरत्	कतरे	कतराणि
द्वि०	कतरत्	कतरे	कतराणि
तृ०	कतरेण	कतराभ्याम्	कतरैः
च०	कतरस्मै	कतराभ्याम्	कतरेभ्यः
पं०	कतरस्मात्	कतराभ्याम्	कतरेभ्यः
ष०	कतरस्य	कतरयोः	कतरेषाम्
स०	कतरस्मिन्	कतरयोः	कतरेषु
सं०	हे कतरत्	हे कतरे	हे कतराणि

दो वस्तुओं के बीच में किसी एक को कहना हो तो 'कतर' शब्द का और जब अनेक वस्तुओं में से किसी एक को कहना हो तो 'कतम' शब्द का प्रयोग होता है। इतर = अन्य। अन्य = इतर। अन्यतर = भिन्न।

(५५) अन्यतम=बहुतों में एक

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	अन्यतमम्	अन्यतमे	अन्यतमानि
द्वि०	अन्यतमम्	अन्यतमे	अन्यतमानि
तृ०	अन्यतमेन	अन्यतमाभ्याम्	अन्यतमैः
च०	अन्यतमाय	अन्यतमाभ्याम्	अन्यतमेभ्यः
पं०	अन्यतमात्	अन्यतमाभ्याम्	अन्यतमेभ्यः

ष०	अन्यतमस्य	अन्यतमयोः	अन्यतमानाम्
स०	अन्यतमे	अन्यतमयोः	अन्यतमेषु
सं०	हे अन्यतम	हे अन्यतमे	हे अन्यतमानि

(५६) एकतर= एक तरफ (एक पक्ष)

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	एकतरम्	एकतरे	एकतराणि
द्वि०	एकतरम्	एकतरे	एकतराणि
तृ०	एकतरेण	एकतराभ्याम्	एकतरैः
च०	एकतरस्मै	एकतराभ्याम्	एकतरेभ्यः
पं०	एकतरस्मात्	एकतराभ्याम्	एकतरेभ्यः
ष०	एकतरस्य	एकतरयोः	एकतरेषाम्
स०	एकतरस्मिन्	एकतरयोः	एकतरेषु
सं०	हे एकतर	हे एकतरे	हे एकतराणि

(५७) श्रीपा=लक्ष्मी रक्षक कुल

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	श्रीपम्	श्रीपे	श्रीपाणि
द्वि०	श्रीपम्	श्रीपे	श्रीपाणि
तृ०	श्रीपेण	श्रीपाभ्याम्	श्रीपैः
च०	श्रीपाय	श्रीपाभ्याम्	श्रीपेभ्यः
पं०	श्रीपात्	श्रीपाभ्याम्	श्रीपेभ्यः

ष०	श्रीपस्य	श्रीपयोः	श्रीपाणाम्
स०	श्रीपे	श्रीपयोः	श्रीपेषु
सं०	हे श्रीप	हे श्रीपे	हे श्रीपाणि

(५८) वारि=जल

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	वारि	वारिणी	वारीणि
द्वि०	वारि	वारिणी	वारीणि
तृ०	वारिणा	वारिभ्याम्	वारिभिः
च०	वारिणे	वारिभ्याम्	वारिभ्यः
पं०	वारिणः	वारिभ्याम्	वारिभ्यः
ष०	वारिणः	वारिणोः	वारीणाम्
स०	वारिणि	वारिणोः	वारिषु
सं०	[हे वारि, हे वारे	हे वारिणी	हे वारीणि

अस्थि = हड्डी। दधि = दही। सक्थि = जानु का ऊपरी भाग। अक्षि = आँख।

(५९) सुधी = अच्छा ध्यान करने वाला कुल

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	सुधि	सुधिनी	सुधीनि
द्वि०	सुधि	सुधिनी	सुधीनि

तृ०	सुधिया, सुधिना	सुधिभ्याम्	सुधीभिः
च०	सुधिये, सुधिने	सुधिभ्याम्	सुधिभ्यः
पं०	सुधियः, सुधिनः	सुधिभ्याम्	सुधिभ्यः
ष०	सुधियः, सुधिनः	सुधियोः, सुधिनोः,	सुधियाम् सुधीनाम्
स०	सुधियि, सुधिनि	सुधियोः, सुधिनोः	सुधिषु
सं०	हे सुधि, हे सुधे	हे सुधिनी	हे सुधीनि

(६०) मधु=मद्य (शराब)

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	मधु	मधुनी	मधूनि
द्वि०	मधु	मधुनी	मधूनि
तृ०	मधुना	मधुभ्याम्	मधुभिः
च०	मधुने	मधुभ्याम्	मधुभ्यः
पं०	मधुनः	मधुभ्याम्	मधुभ्यः
ष०	मधुनः	मधुनोः	मधूनाम्
स०	मधुनि	मधुनोः	मधुषु
सं०	हे मधो हे मधु	हे मधुनी	हे मधूनि

(६१) सुलू=अच्छा काटने वाला हथियार

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	सुलु	सुलुनी	सुलूनि
द्वि०	सुलु	सुलुनी	सुलूनि
तृ०	सुल्वा, सुलुना	सुलुभ्याम्	सुलुभिः
च०	सुल्वे, सुलुने	सुलुभ्याम्	सुलुभ्यः
पं०	सुल्वः, सुलुनः	सुलुभ्याम्	सुलुभ्यः
ष०	सुलुनः, सुल्वः	सुलुनोः, सुल्वोः	सुलुनाम्, सुल्वाम्
स०	सुल्वि, सुलुनि	सुल्वोः, सुलुनोः	सुलुषु
सं०	हे सुलु, हे सुलो	हे सुलुनी	हे सुलूनि

(६२) धातृ=धारण करने वाला कुल

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	धातृ	धातृणी	धातॄणि
द्वि०	धातृ	धातृणी	धातॄणि
तृ०	धात्रा, धातृणा	धातृभ्याम्	धातृभिः
च०	धात्रे, धातृणे	धातृभ्याम्	धातृभ्यः
पं०	धातुः, धातृणः	धातृभ्याम्	धातृभ्यः
ष०	धातुः, धातृणः	धात्रोः, धातृणोः	धातॄणाम्
स०	धातरि, धातृणि	धात्रोः, धातृणोः	धातृषु
सं०	हे धातृ, हे धातः	हे धातृणी	हे धातॄणि

ज्ञातृ = जानने वाला कुल।

(६३) प्रद्यो= स्वच्छ आकाश वाला

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	प्रद्यु	प्रद्युनी	प्रद्यूनि
द्वि०	प्रद्यु	प्रद्युनी	प्रद्यूनि
तृ०	प्रद्युना	प्रद्युभ्याम्	प्रद्युभिः
च०	प्रद्युने	प्रद्युभ्याम्	प्रद्युभ्यः
पं०	प्रद्युनः	प्रद्युभ्याम्	प्रद्युभ्यः
ष०	प्रद्युनः	प्रद्युनोः	प्रद्युनाम्
स०	प्रद्युनि	प्रद्युनोः	प्रद्युषु
सं०	हे प्रद्यु, हे प्रद्यो	हे प्रद्युनी	हे प्रद्यूनि

(६४) प्ररै=अधिक धन वाला कुल

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	प्ररि	प्ररिणी	प्ररीणि
द्वि०	प्ररि	प्ररिणी	प्ररीणि
तृ०	प्ररिणा	प्रराभ्याम्	प्रराभिः
च०	प्ररिणे	प्रराभ्याम्	प्रराभ्यः
पं०	प्ररिणः	प्रराभ्याम्	प्रराभ्यः
ष०	प्ररिणः	प्ररिणोः	प्ररीणाम्
स०	प्ररिणि	प्ररिणोः	प्ररासु
सं०	हे प्ररे, हे प्ररि	हे प्ररिणी	हे प्ररीणि

(६५) सुनौ=सुन्दर नाव वाला

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	सुनु	सुनुनी	सुनूनि

द्वि०	सुनु	सुनुनी	सुनूनि
तृ०	सुनुना	सुनुभ्याम्	सुनुभिः
च०	सुनुने	सुनुभ्याम्	सुनुभ्यः
पं०	सुनुनः	सुनुभ्याम्	सुनुभ्यः
ष०	सुनुनः	सुनुनोः	सुनूनाम्
स०	सुनुनि	सुनुनोः	सुनुषु
सं०	हे सुनु	हे सुनुनी	हे सुनूनि

इति अजन्तनपुंसकलिङ्गप्रकरणम् ।

*

हलन्तपुल्लिङ्गप्रकरणम्

(६६) लिह्=चाटनेवाला

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	[लिट्, लिड्	लिहौ	लिहः
द्वि०	लिहम्	लिहौ	लिहः
तृ०	लिहा	लिड्भ्याम्	लिड्भिः
च०	लिहे	लिड्भ्याम्	लिड्भिः
पं०	लिहः	लिड्भ्याम्	लिड्भ्यः
ष०	लिहः	लिहोः	लिहाम्
स०	लिहि	लिहोः	[लिट्सु लिट्त्सु
सं०	[हे लिट् हे लिड्	हे लिहौ	हे लिहः

(६७) दुह्=दुहने वाला

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	[धुक्, धुग्	दुहौ	दुहः
द्वि०	दुहम्	दुहौ	दुहः
तृ०	दुहा	धुग्भ्याम्	धुग्भिः

च०	दुहे	धुग्भ्याम्	धुग्भ्यः
पं०	दुहः	धुग्भ्याम्	धुग्भ्यः
ष०	दुहः	दुहोः	दुहाम्
स०	दुहि	दुहोः	धुक्षु
सं०	हे धुक्, हे धुग्	हे दुहौ	हे दुहः

(६८) द्रुह्=द्रोह करने वाला

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	धुट्, धुड्, धुक्, धुग्	द्रुहौ	द्रुहः
द्वि०	द्रुहम्	द्रुहौ	द्रुहः
तृ०	द्रुहा	धुग्भ्याम्, धुड्भ्याम्	धुग्भिः, धुड्भिः,
च०	द्रुहे	धुग्भ्याम्, धुड्भ्याम्	धुग्भ्यः, धुड्भ्यः
पं०	द्रुहः	धुग्भ्याम्, धुड्भ्याम्	धुग्भ्यः, धुड्भ्यः
ष०	द्रुहः	द्रुहोः	द्रुहाम्
स०	द्रुहि	द्रुहोः	धुक्षु, धुट्सु, धुट्त्सु

सं०	हे धुक, हे धुग्, हे धुट्, हे धुड्	हे द्रुहौ	हे द्रुहः

मुह् = मोह करना। ष्णुह् = उगलने वाला। ष्णिह् = स्नेह करने वाला।

(६९) विश्ववाह्=संसार को धारण करने वाला

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	विश्ववाट्, ड्	विश्ववाहौ	विश्ववाहः
द्वि०	विश्ववाहम्	विश्ववाहौ	विश्वौहः
तृ०	विश्वौहा	विश्ववाड्भ्याम्	विश्ववाड्भिः
च०	विश्वौहे	विश्ववाड्भ्याम्	विश्ववाड्भ्यः
पं०	विश्वौहः	विश्ववाड्भ्याम्	विश्ववाड्भ्यः
ष०	विश्वौहः	विश्वौहोः	विश्वौहाम्
स०	विश्वौहि	विश्वौहोः	विश्ववाट्त्सु, विश्ववाट्सु
सं०	हे विश्वाट्, ड्	हे विश्ववाहौ	हे विश्ववाहः

तुराषाह् = इन्द्र।

(७०) अनडुह्=साँड

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	अनड्वान्	अनड्वाहौ	अनड्वाहः
द्वि०	अनड्वाहम्	अनड्वाहौ	अनुडुहः

तृ०	अनडुहा	अनडुद्भ्याम्	अनडुद्भिः
च०	अनडुहे	अनडुद्भ्याम्	अनडुद्भ्यः
पं०	अनुडुहः	अनडुद्भ्याम्	अनडुद्भ्यः
ष०	अनडुहः	अनडुहोः	अनडुहाम्
स०	अनडुहि	अनडुहोः	अनडुद्त्सु
सं०	हे अनड्वन्	हे अनड्वाहौ	हे अनड्वाहः

(७१) सुदिव्=निर्मल आकाश वाला दिन

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	सुद्यौः	सुदिवौ	सुदिवः
द्वि०	सुदिवम्	सुदिवौ	सुदिवः
तृ०	सुदिवा	सुद्युभ्याम्	सुद्युभिः
च०	सुदिवे	सुद्युभ्याम्	सुद्युभ्यः
पं०	सुदिवः	सुद्युभ्याम्	सुद्युभ्यः
ष०	सुदिवः	सुदिवोः	सुदिवाम्
स०	सुदिवि	सुदिवोः	सुद्युषु
सं०	हे सुद्यौः	हे सुदिवौ	हे सुदिवः

(७२, ७३, ७४) 'चतुर'=चार, 'पञ्चन्'=पाँच,
'षष्'=छः

विभक्ति	बहुवचन	बहुवचन	बहुवचन
प्र०	चत्वारः	पञ्च	षट्
द्वि०	चतुरः	पञ्च	षट्
तृ०	चतुर्भिः	पञ्चभिः	षड्भिः
च०	चतुर्भ्यः	पञ्चभ्यः	षड्भ्यः
पं०	चतुर्भ्यः	पञ्चभ्यः	षड्भ्यः
ष०	चतुर्णाम्	पञ्चानाम्	षण्णाम्
स०	चर्तुषु	पञ्चसु	षट्सु
सं०	हे चत्वारः	हे पञ्च	हे षट्

(७५) प्रशाम्=अत्यन्त शान्त

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	प्रशान्	प्रशामौ	प्रशामः
द्वि०	प्रशामम्	प्रशामौ	प्रशामः
तृ०	प्रशामा	प्रशान्भ्याम्	प्रशान्भिः
च०	प्रशामे	प्रशान्भ्याम्	प्रशान्भ्यः
पं०	प्रशामः	प्रशान्भ्याम्	प्रशान्भ्यः
ष०	प्रशामः	प्रशामोः	प्रशामाम्
स०	प्रशामि	प्रशामोः	प्रशान्सु
सं०	हे प्रशान्	हे प्रशामौ	हे प्रशामः

(७६) किम्=कौन

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	कः	कौ	के

द्वि०	कम्	कौ	कान्
तृ०	केन	काभ्याम्	कैः
च०	कस्मै	काभ्याम्	केभ्यः
पं०	कस्मात्	काभ्याम्	केभ्यः
ष०	कस्य	कयोः	केषाम्
स०	कस्मिन्	कयोः	केषु

(७७) इदम्=यह

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	अयम्	इमौ	इमे
द्वि०	इमम्	इमौ	इमान्
तृ०	अनेन	आभ्याम्	एभिः
च०	अस्मै	आभ्याम्	एभ्यः
पं०	अस्मात्	आभ्याम्	एभ्यः
ष०	अस्य	अनयोः	एषाम्
स०	अस्मिन्	अनयोः	एषु

विशेष — एकार्थवाची इदम् आदि शब्दों के अर्थों का प्रयोग की दृष्टि से समाधान —

इदमस्तु सन्निकृष्टं समीपतरवर्ति चैतदो रूपम् ।
अदसस्तु विप्रकृष्टं तदिति परोक्षे विजानीयात् ।।

इदम् शब्द का प्रयोग निकटवर्ती, एतद् शब्द इससे भी समीपस्थ

के लिए, अदस् दूर के लिए और तत् शब्द भूतकाल के लिए होता है।

(७८) राजन्=राजा

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	राजा	राजानौ	राजानः
द्वि०	राजानम्	राजानौ	राज्ञः
तृ०	राज्ञा	राजभ्याम्	राजभिः
च०	राज्ञे	राजभ्याम्	राजभ्यः
पं०	राज्ञः	राजभ्याम्	राजभ्यः
ष०	राज्ञः	राज्ञोः	राज्ञाम्
स०	राज्ञि	राज्ञोः	राजसु
सं०	हे राजन्	हे राजानौ	हे राजानः

यज्वन् = विधिपूर्वक यज्ञ करने वाला। ब्रह्मन् = ब्रह्मा।

(७९) वृत्रहन्=इन्द्र

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	वृत्रहा	वृत्रहणौ	वृत्रहणः
द्वि०	वृत्रहणम्	वृत्रहणौ	वृत्रघ्नः
तृ०	वृत्रघ्ना	वृत्रहभ्याम्	वृत्रहभिः
च०	वृत्रघ्ने	वृत्रहभ्याम्	वृत्रहभ्यः
पं०	वृत्रघ्नः	वृत्रहभ्याम्	वृत्रहभ्यः

ष०	वृत्रघ्नः	वृत्रघ्नोः	वृत्रघ्नाम्
स०	[वृत्रघ्नि, वृत्रहणि	वृत्रघ्नोः	वृत्रहसु
सं०	हे वृत्रहन्	हे वृत्रहणौ	हे वृत्रहणः

अर्यमन् = सूर्य

(८०) करिन्=हाथी

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	करी	करिणौ	करिणः
द्वि०	करिणम्	करिणौ	करिणः
तृ०	करिणा	करिभ्याम्	करिभिः
च०	करिणे	करिभ्याम्	करिभ्यः
पं०	करिणः	करिभ्याम्	करिभ्यः
ष०	करिणः	करिणोः	करीणाम्
स०	करिणि	करिणोः	करिषु
सं०	हे करिन्	हे करिणौ	हे करिणः

(८१) शार्ङ्गिन् = श्रीकृष्ण

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	शार्ङ्गी	शार्ङ्गिणौ	शार्ङ्गिणः
द्वि०	शार्ङ्गिणम्	शार्ङ्गिणौ	शार्ङ्गिणः
तृ०	शार्ङ्गिणा	शार्ङ्गिभ्याम्	शार्ङ्गिभिः

च०	शार्ङ्गिणे	शार्ङ्गिभ्याम्	शार्ङ्गिभ्यः
पं०	शार्ङ्गिणः	शार्ङ्गिभ्याम्	शार्ङ्गिभ्यः
ष०	शार्ङ्गिणः	शार्ङ्गिणोः	शार्ङ्गिणाम्
स०	शार्ङ्गिणि	शार्ङ्गिणोः	शार्ङ्गिषु
सं०	हे शार्ङ्गिन्	हे शार्ङ्गिणौ	शार्ङ्गिणः

यशस्विन् = कीर्तिमान्

(८२) आत्मन् = आत्मा

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	आत्मा	आत्मानौ	आत्मानः
द्वि०	आत्मानम्	आत्मानौ	आत्मनः
तृ०	आत्मना	आत्मभ्याम्	आत्मभिः
च०	आत्मने	आत्मभ्याम्	आत्मभ्यः
पं०	आत्मनः	आत्मभ्याम्	आत्मभ्यः
ष०	आत्मनः	आत्मनोः	आत्मनाम्
स०	आत्मनि	आत्मनोः	आत्मसु
सं०	हे आत्मन्	हे आत्मानौ	हे आत्मानः

(८३) पूषन्=सूर्य

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	पूषा	पूषणौ	पूषणः
द्वि०	पूषणम्	पूषणौ	पूषणः

तृ०	पूष्णा	पूषभ्याम्	पूषभिः
च०	पूष्णे	पूषभ्याम्	पूषभ्यः
पं०	पूष्णः	पूषभ्याम्	पूषभ्यः
ष०	पूष्णः	पूष्णोः	पूष्णाम्
स०	पूष्णि	पूष्णोः	पूषसु
सं०	हे पूषन्	हे पूषणौ	हे पूषणः

(८४) मघवन्=इन्द्र

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	मघवान्	मघवन्तौ	मघवन्तः
द्वि०	मघवन्तम्	मघवन्तौ	मघवतः
तृ०	मघवता	मघवद्भ्याम्	मघवद्भिः
च०	मघवते	मघवद्भ्याम्	मघवद्भ्यः
पं०	मघवतः	मघवद्भ्याम्	मघवद्भ्यः
ष०	मघवतः	मघवतोः	मघवताम्
स०	मघवति	मघवतोः	मघवत्सु
सं०	हे मघवन्	हे मघवन्तौ	हे मघवन्तः

(८५) तृत्व के न होने पर

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	मघवा	मघवानौ	मघवानः
द्वि०	मघवानम्	मघवानौ	मघोनः

तृ०	मघोना	मघवभ्याम्	मघवभिः
च०	मघोने	मघवभ्याम्	मघवभ्यः
पं०	मघोनः	मघवभ्याम्	मघवभ्यः
ष०	मघोनः	मघोनोः	मघोनाम्
स०	मघोनि	मघोनोः	मघवसु
सं०	हे मघवन्	हे मघवानौ	हे मघवानः

(८६) श्वन्=कुत्ता

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	श्वा	श्वानौ	श्वानः
द्वि०	श्वानम्	श्वानौ	शुनः
तृ०	शुना	श्वभ्याम्	श्वभिः
च०	शुने	श्वभ्याम्	श्वभ्यः
प०	शुनः	श्वभ्याम्	श्वभ्यः
ष०	शुनः	शुनोः	शुनाम्
स०	शुनि	शुनोः	श्वसु
सं०	हे श्वन्	हे श्वानौ	हे श्वानः

युवन्=जवान।

(८७) अर्वन्=घोड़ा

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	अर्वा	अर्वन्तौ	अर्वन्तः

द्वि०	अर्वन्तम्	अर्वन्तौ	अर्वतः
तृ०	अर्वता	अर्वद्भ्याम्	अर्वद्भिः
च०	अर्वते	अर्वद्भ्याम्	अर्वद्भ्यः
पं०	अर्वतः	अर्वद्भ्याम्	अर्वद्भ्यः
ष०	अर्वतः	अर्वतोः	अर्वताम्
स०	अर्वति	अर्वतोः	अर्वत्सु
सं०	हे अर्वन्	हे अर्वन्तौ	हे अर्वन्तः

(८८) पथिन्=मार्ग

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	पन्थाः	पन्थानौ	पन्थानः
द्वि०	पन्थानम्	पन्थानौ	पथः
तृ०	पथा	पथिभ्याम्	पथिभिः
च०	पथे	पथिभ्याम्	पथिभ्यः
पं०	पथः	पथिभ्याम्	पथिभ्यः
ष०	पथः	पथोः	पथाम्
स०	पथि	पथोः	पथिषु
सं०	हे पन्थाः	हे पन्थानौ	हे पन्थानः

(८९) मथिन्=मथने का डंडा

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	मन्थाः	मन्थानौ	मन्थानः
द्वि०	मन्थानम्	मन्थानौ	मथः

तृ०	मथा	मथिभ्याम्	मथिभिः
च०	मथे	मथिभ्याम्	मथिभ्यः
पं०	मथः	मथिभ्याम्	मथिभ्यः
ष०	मथः	मथोः	मथाम्
स०	मथि	मथोः	मथिषु
सं०	हे मन्थाः	हे मन्थानौ	हे मन्थानः

ऋभुक्षिन् = इन्द्र ।

(९०, ९१) अष्टन्=आठ (आत्व के अभावे में)

विभक्ति	बहुवचन	बहुवचन
प्र०	अष्टौ	अष्ट
द्वि०	अष्टौ	अष्ट
तृ०	अष्टाभिः	अष्टभिः
च०	अष्टाभ्यः	अष्टभ्यः
पं०	अष्टाभ्यः	अष्टभ्यः
ष०	अष्टानाम्	अष्टानाम्
स०	अष्टासु	अष्टसु

(९२) ऋत्विज्=हवन करने वाला

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	ऋत्विक्, ग्	ऋत्विजौ	ऋत्विजः

द्वि०	ऋत्विजम्	ऋत्विजौ	ऋत्विजः
तृ०	ऋत्विजा	ऋत्विग्भ्याम्	ऋत्विग्भिः
च०	ऋत्विजे	ऋत्विग्भ्याम्	ऋत्विग्भ्यः
पं०	ऋत्विजः	ऋत्विग्भ्याम्	ऋत्विग्भ्यः
ष०	ऋत्विजः	ऋत्विजोः	ऋत्विजाम्
स०	ऋत्विजि	ऋत्विजोः	ऋत्विक्षु
सं०	हे ऋत्विक्, ग्	हे ऋत्विजौ	हे ऋत्विजः

सुयुक् = अच्छी तरह युक्त होने वाला।

(९३) युज्=युक्त होने वाला

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	युङ्	युञ्जौ	युञ्जः
द्वि०	युञ्जम्	युञ्जौ	युजः
तृ०	युजा	युग्भ्याम्	युग्भिः
च०	युजे	युग्भ्याम्	युग्भ्यः
पं०	युजः	युग्भ्याम्	युग्भ्यः
ष०	युजः	युजोः	युजाम्
स०	युजि	युजोः	युक्षु
सं०	हे युङ्	हे युञ्जौ	हे युञ्जः

(९४) खञ्ज्=खोड़ा

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	खन्	खञ्जौ	खञ्जः
द्वि०	खञ्जम्	खञ्जौ	खञ्जः
तृ०	खञ्जा	खन्भ्याम्	खन्भिः
च०	खञ्जे	खन्भ्याम्	खन्भ्यः
पं०	खञ्जः	खन्भ्याम्	खन्भ्यः
ष०	खञ्जः	खञ्जोः	खञ्जाम्
स०	खञ्जि	खञ्जोः	खन्सु
सं०	हे खन्	हे खञ्जौ	हे खञ्जः

(९५) राज्=राजा

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	[राट्, राड्	राजौ	राजः
द्वि०	राजम्	राजौ	राजः
तृ०	राजा	राड्भ्याम्	राड्भिः
च०	राजे	राड्भ्याम्	राड्भ्यः
पं०	राजः	राड्भ्याम्	राड्भ्यः
ष०	राजः	राजोः	राजाम्
स०	राजि	राजोः	राट्त्सु
सं०	[हे राट्, हे राड्	हे राजौ	हे राजः

विभ्राट् = अतिशय शोभा वाला। परिव्राट् = संन्यासी।

(९६) देवेज्=पुजारी

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	देवेट्	देवेजौ	देवेजः
द्वि०	देवेजम्	देवेजौ	देवेजः
तृ०	देवेजा	देवेड्भ्याम्	देवेड्भिः
च०	देवेजे	देवेड्भ्याम्	देवेड्भ्यः
पं०	देवेजः	देवेड्भ्याम्	देवेड्भ्यः
ष०	देवेजः	देवेजोः	देवेजाम्
स०	देवेजि	देवेजोः	देवेट्सु
सं०	हे देवेट्	हे देवेजौ	हे देवेजः

(९७) विश्वसृज्=ब्रह्मा

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	विश्वसृट्, ड्	विश्वसृजौ	विश्वसृजः
द्वि०	विश्वसृजम्	विश्वसृजौ	विश्वसृजः
तृ०	विश्वसृजा	विश्वसृड्भ्याम्	विश्वसृड्भिः
च०	विश्वसृजे	विश्वसृड्भ्याम्	विश्वसृड्भ्यः
पं०	विश्वसृजः	विश्वसृड्भ्याम्	विश्वसृड्भ्यः
ष०	विश्वसृजः	विश्वसृजोः	विश्वसृजाम्
स०	विश्वसृजि	विश्वसृजोः	विश्वसृट्सु
सं०	हे विश्वसृट्, ड्	हे विश्वसृजौ	हे विश्वसृजः

(९८) भृस्ज्=पकाने वाला

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	भृट्, ड्	भृज्जौ	भृज्जः
द्वि०	भृज्जम्	भृज्जौ	भृज्जः
तृ०	भृज्जा	भृड्भ्याम्	भृड्भिः
च०	भृज्जे	भृड्भ्याम्	भृड्भ्यः
पं०	भृज्जः	भृड्भ्याम्	भृड्भ्यः
ष०	भृज्जः	भृज्जोः	भृज्जाम्
स०	भृज्जि	भृज्जोः	[भृट्सु, भृट्त्सु
सं०	हे भृट्, ड्	हे भृज्जौ	हे भृज्जः

(९९) त्यद्=वह

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	त्यः	त्यौ	त्ये
द्वि०	त्यम्	त्यौ	त्यान्
तृ०	त्येन	त्याभ्याम्	त्यैः
च०	त्यस्मै	त्याभ्याम्	त्येभ्यः
पं०	त्यस्माद्	त्याभ्याम्	त्येभ्यः
ष०	त्यस्य	त्ययोः	त्येषाम्
स०	त्यस्मिन्	त्ययोः	त्येषु

(१००) तत्=वह

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	सः	तौ	ते
द्वि०	तम्	तौ	तान्
तृ०	तेन	ताभ्याम्	तैः
च०	तस्मै	ताभ्याम्	तेभ्यः
पं०	तस्मात्	ताभ्याम्	तेभ्यः
ष०	तस्य	तयोः	तेषाम्
स०	तस्मिन्	तयोः	तेषु

यत् = जो।

(१०१) एतद्=यह

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	एषः	एतौ	एते
द्वि०	एतम्	एतौ	एतान्
तृ०	एतेन	एताभ्याम्	एतैः
च०	एतस्मै	एताभ्याम्	एतेभ्यः
पं०	एतस्मात्	एताभ्याम्	एतेभ्यः
ष०	एतस्य	एतयोः	एतेषाम्
स०	एतस्मिन्	एतयोः	एतेषु

(१०२) युष्मद् = तू

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	त्वम्	युवाम्	यूयम्
द्वि०	[त्वाम्, त्वा	[युवाम् वां	[युष्मान् वः
तृ०	त्वया	युवाभ्याम्	युष्माभिः
च०	[तुभ्यम् ते	[युवाभ्याम् वां	[युष्मभ्यम् वः
पं०	त्वत्	युवाभ्याम्	युष्मत्
ष०	[तव, ते	[युवयोः वां	[युष्माकम् वः
स०	त्वयि	युवयोः	युष्मासु

युष्मद् तथा अस्मद् शब्दों के रूप तीनों लिङ्गों में समान होते हैं।

(१०३) अस्मद् = मैं

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	अहम्	आवाम्	वयम्
द्वि	[माम् मा	[आवाम् नौ	[अस्मान् नः
तृ०	मया	आवाभ्याम्	अस्माभिः
च०	[मह्यम् मे	[आवाभ्याम् नौ	[अस्मभ्यम् नः

पं०	मत्	आवाभ्याम्	अस्मत्
ष०	[मम मे	[आवयोः नौ	[अस्माकम् नः
स०	मयि	आवयोः	अस्मासु

(१०४) सुपाद् = सुन्दर पैर वाला

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	सुपात्, द्	सुपादौ	सुपादः
द्वि०	सुपादम्	सुपादौ	सुपदः
तृ०	सुपदा	सुपाद्भ्याम्	सुपाद्भिः
च०	सुपदे	सुपाद्भ्याम्	सुपाद्भ्यः
पं०	सुपदः	सुपाद्भ्याम्	सुपाद्भ्यः
ष०	सुपदः	सुपदोः	सुपदाम्
स०	सुपदि	सुपदोः	सुपात्सु
सं०	हे सुपात्, द्	हे सुपादौ	हे सुपादः

(१०५) अग्निमथ्= अग्निमन्थन करनेवाला

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	अग्निमत्, द्	अग्निमथौ	अग्निमथः
द्वि०	अग्निमथम्	अग्निमथौ	अग्निमथः
तृ०	अग्निमथा	अग्निमद्भ्याम्	अग्निमद्भिः
च०	अग्निमथे	अग्निमद्भ्याम्	अग्निमद्भ्यः
पं०	अग्निमथः	अग्निमद्भ्याम्	अग्निमद्भ्यः
ष०	अग्निमथः	अग्निमथोः	अग्निमथाम्
स०	अग्निमथि	अग्निमथोः	अग्निमत्सु
सं०	हे अग्निमत्-द्	हे अग्निमथौ	हे अग्निमथः

(१०६) प्राञ्च् = पूर्व

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	प्राङ्	प्राञ्चौ	प्राञ्चः
द्वि०	प्राञ्चम्	प्राञ्चौ	प्राचः
तृ०	प्राचा	प्राग्भ्याम्	प्राग्भिः
च०	प्राचे	प्राग्भ्याम्	प्राग्भ्यः
पं०	प्राचः	प्राग्भ्याम्	प्राग्भ्यः
ष०	प्राचः	प्राचोः	प्राचाम्
स०	प्राचि	प्राचोः	प्राक्षु
सं०	हे प्राङ्	हे प्राञ्चौ	हे प्राञ्चः

प्रत्यङ्=पश्चिम। सम्यङ्=ठीक। सध्र्यङ् =सखा। तिर्यङ् = पशु-पक्षी।

(१०७) उदञ्च् = उत्तर

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	उदङ्	उदञ्चौ	उदञ्चः
द्वि०	उदञ्चम्	उदञ्चौ	उदीचः

तृ०	उदीचा	उदग्भ्याम्	उदग्भिः
च०	उदीचे	उदग्भ्याम्	उदग्भ्यः
पं०	उदीचः	उदग्भ्याम्	उदग्भ्यः
ष०	उदीचः	उदीचोः	उदीचाम्
स०	उदीचि	उदीचोः	उदक्षु
सं०	हे उदङ्	हे उदञ्चौ	हे उदञ्चः

(१०८) पयोमुच्= मेघ

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	पयोमुक्, ग्	पयोमुचौ	पयोमुचः
द्वि०	पयोमुचम्	पयोमुचौ	पयोमुचः
तृ०	पयोमुचा	पयोमुग्भ्याम्	पयोमुग्भिः
च०	पयोमुचे	पयोमुग्भ्याम्	पयोमुग्भ्यः
पं०	पयोमुचः	पयोमुग्भ्याम्	पयोमुग्भ्यः
ष०	पयोमुचः	पयोमुचोः	पयोमुचाम्
स०	पयोमुचि	पयोमुचोः	पयोमुक्षु
सं०	हे पयोमुक्, ग्	हे पयोमुचौ	हे पयोमुचः

(१०९) महत् = श्रेष्ठ

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	महान्	महान्तौ	महान्तः
द्वि०	महान्तम्	महान्तौ	महतः

तृ०	महता	महद्भ्याम्	महद्भिः
च०	महते	महद्भ्याम्	महद्भ्यः
पं०	महतः	महद्भ्याम्	महद्भ्यः
ष०	महतः	महतोः	महताम्
स०	महति	महतोः	महत्सु
सं०	हे महन्	हे महान्तौ	हे महान्तः

(११०) भवत् =आप

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	भवान्	भवन्तौ	भवन्तः
द्वि०	भवन्तम्	भवन्तौ	भवतः
तृ०	भवता	भवद्भ्याम्	भवद्भिः
च०	भवते	भवद्भ्याम्	भवद्भ्यः
पं०	भवतः	भवद्भ्याम्	भवद्भ्यः
ष०	भवतः	भवतोः	भवताम्
स०	भवति	भवतोः	भवत्सु
सं०	हे भवन्	हे भवन्तौ	हे भवन्तः

धीमान् = बुद्धिमान्।

(१११) भगवत् = ईश्वर

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	भगवान्	भगवन्तौ	भगवन्तः

द्वि०	भगवन्तम्	भगवन्तौ	भगवतः
तृ०	भगवता	भगवद्भ्याम्	भगवद्भिः
च०	भगवते	भगवद्भ्याम्	भगवद्भ्यः
पं०	भगवतः	भगवद्भ्याम्	भगवद्भ्यः
ष०	भगवतः	भगवतोः	भगवताम्
स०	भगवति	भगवतोः	भगवत्सु
सं०	हे भगवन्	हे भगवन्तौ	हे भगवन्तः

(११२) भूभृत्= राजा

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	भूभृत्	भूभृतौ	भूभृतः
द्वि०	भूभृतम्	भूभृतौ	भूभृतः
तृ०	भूभृता	भूभृद्भ्याम्	भूभृद्भिः
च०	भूभृते	भूभृदभ्याम्	भूभृद्भ्यः
पं०	भूभृत	भूभृद्भ्याम्	भूभृद्भ्यः
ष०	भूभृतः	भूभृतोः	भूभृताम्
स०	भूभृति	भूभृतोः	भूभृत्सु
सं०	हे भूभृत्	हे भूभृतौ	हे भूभृतः

(११३) ददत् =देता हुआ

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	ददत्, द्	ददतौ	ददतः

द्वि०	ददतम्	ददतौ	ददतः
तृ०	ददता	ददद्भ्याम्	ददद्भिः
च०	ददते	ददद्भ्याम्	ददद्भ्यः
पं०	ददतः	ददद्भ्याम्	ददद्भ्यः
ष०	ददतः	ददतोः	ददताम्
स०	ददति	ददतोः	ददत्सु
सं०	हे ददत्, द्	हे ददतौ	हे ददतः

जाग्रत्=जागता हुआ । दरिद्रत् = दरिद्र होता हुआ। शासत् = शासन करता हुआ। चकासत् = चमकता हुआ। उपर्युक्त शतृप्रत्ययान्त शब्दों में नुम् नहीं होता है।

(११४) जक्षत् = (खाता हुआ)

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	जक्षत्–द्	जक्षतौ	जक्षतः
द्वि०	जक्षतम्	जक्षतौ	जक्षतः
तृ०	जक्षता	जक्षद्भ्याम्	जक्षद्भिः
च०	जक्षते	जक्षद्भ्याम्	जक्षद्भ्यः
पं०	जक्षतः	जक्षद्भ्याम्	जक्षद्भ्यः
ष०	जक्षतः	जक्षतोः	जक्षताम्
स०	जक्षति	जक्षतोः	जक्षत्सु
सं०	हे जक्षत्, द्	हे जक्षतौ	हे जक्षतः

(११५) गुप् =रक्षा करने वाला

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	गुप्, गुब्	गुपौ	गुपः
द्वि०	गुपम्	गुपौ	गुपः
तृ०	गुपा	गुब्भ्याम्	गुब्भिः
च०	गुपे	गुब्भ्याम्	गुब्भ्यः
पं०	गुपः	गुब्भ्याम्	गुब्भ्यः
ष०	गुपः	गुपोः	गुपाम्
स०	गुपि	गुपोः	गुप्सु
सं०	हे गुप्, हे गुब्	हे गुपौ	हे गुपः

(११६) तादृश् = वैसा

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	तादृक्, ग्	तादृशौ	तादृशः
द्वि०	तादृशम्	तादृशौ	तादृशः
तृ०	तादृशा	तादृग्भ्याम्	तादृग्भिः
च०	तादृशे	तादृग्भ्याम्	तादृग्भ्यः
पं०	तादृशः	तादृग्भ्याम्	तादृग्भ्यः
ष०	तादृशः	तादृशोः	तादृशाम्
स०	तादृशि	तादृशोः	तादृक्षु
सं०	हे तादृक्, ग्	हे तादृशौ	हे तादृशः

नश् = नष्ट होने वाला। घृतस्पृश् = घी को स्पर्श करने वाला। दधृष् = प्रगल्भ या ढीठ। यादृश् = जैसा। मादृश् = मुझ जैसा। कीदृश् =कैसा। भवादृश् = आप जैसा। तादृश् = उसके जैसा। त्वादृश् = तुम्हारे जैसा। एतादृश् =इसके जैसा। ये ही शब्द अकारान्त पुल्लिङ्ग राम की भांति भी होते हैं। यथा-- भवादृश, त्वादृश, मादृश आदि। अर्थ में कोई परिवर्तन नहीं होता है।

(११७) विश् = वैश्य

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	विट्, ड्	विशौ	विशः
द्वि०	विशम्	विशौ	विशः
तृ०	विशा	विड्भ्याम्	विड्भिः
च०	विशे	विड्भ्याम्	विड्भ्यः
पं०	विशः	विड्भ्याम्	विड्भ्यः
ष०	विशः	विशोः	विशाम्
स०	विशि	विशोः	विक्षु
सं०	हे विट्, ड्	हे विशौ	हे विशः

(११८) रत्नमुष्=रत्न चुराने वाला

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	रत्नमुट्, ड्	रत्नमुषौ	रत्नमुषः

द्वि०	रत्नमुषम्	रत्नमुषौ	रत्नमुषः
तृ०	रत्नमुषा	रत्नमुड्भ्याम्	रत्नमुड्भिः
च०	रत्नमुषे	रत्नमुड्भ्याम्	रत्नमुड्भ्यः
पं०	रत्नमुषः	रत्नमुड्भ्याम्	रत्नमुड्भ्यः
ष०	रत्नमुषः	रत्नमुषोः	रत्नमुषाम्
स०	रत्नमुषि	रत्नमुषोः	[रत्नमुट्त्सु / रत्नमुट्सु
सं०	हे रत्नमुट्, ड्	हे रत्नमुषौ	हे रत्नमुषः

(११९) पिपठिष् = पढ़ने का इच्छुक

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	पिपठीः	पिपठिषौ	पिपठिषः
द्वि०	पिपठिषम्	पिपठिषौ	पिपठिषः
तृ०	पिपठिषा	पिपठीर्भ्याम्	पिपठीर्भिः
च०	पिपठिषे	पिपठीर्भ्याम्	पिपठीर्भ्यः
पं०	पिपठिषः	पिपठीर्भ्याम्	पिपठीर्भ्यः
ष०	पिपठिषः	पिपठिषोः	पिपठिषाम्
स०	पिपठिषि	पिपठिषोः	पिपठीष्षु
सं०	हे पिपठीः	हे पिपठिषौ	हे पिपठिषः

(१२०) चिकीर्ष्=करने का इच्छुक

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	चिकीः	चिकीर्षौ	चिकीर्षः

द्वि०	चिकीर्षम्	चिकीर्षौ	चिकीर्षः
तृ०	चिकीर्षा	चिकीर्भ्याम्	चिकीर्भिः
च०	चिकीर्षे	चिकीर्भ्याम्	चिकीर्भ्यः
पं०	चिकीर्षः	चिकीर्भ्याम्	चिकीर्भ्यः
ष०	चिकीर्षः	चिकीर्षोः	चिकीर्षाम्
स०	चिकीर्षि	चिकीर्षोः	चिकीर्षु
सं०	हे चिकीः	हे चिकीर्षौ	हे चिकीर्षः

(१२१) तस्थिवस्=खड़ा रहने वाला

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	तस्थिवान्	तस्थिवांसौ	तस्थिवांसः
द्वि०	तस्थिवांसम्	तस्थिवांसौ	तस्थुषः
तृ०	तस्थुषा	तस्थिवद्भ्याम्	तस्थिवद्भिः
च०	तस्थुषे	तस्थिवद्भ्याम्	तस्थिवद्भ्यः
पं०	तस्थुषः	तस्थिवद्भ्याम्	तस्थिवद्भ्यः
ष०	तस्थुषः	तस्थुषोः	तस्थुषाम्
स०	तस्थुषि	तस्थुषोः	तस्थिवत्सु
सं०	हे तस्थिवान्	हे तस्थिवांसौ	हे तस्थिवांसः

(१२२) चन्द्रमस्=चाँद

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	चन्द्रमाः	चन्द्रमसौ	चन्द्रमसः

द्वि०	चन्द्रमसम्	चन्द्रमसौ	चन्द्रमसः
तृ०	चन्द्रमसा	चन्द्रमोभ्याम्	चन्द्रमोभिः
च०	चन्द्रमसे	चन्द्रमोभ्याम्	चन्द्रमोभ्यः
पं०	चन्द्रमसः	चन्द्रमोभ्याम्	चन्द्रमोभ्यः
ष०	चन्द्रमसः	चन्द्रमसोः	चन्द्रमसाम्
स०	चन्द्रमसि	चन्द्रमसोः	चन्द्रमः सु
सं०	हे चन्द्रमः	हे चन्द्रमसौ	हे चन्द्रमसः

महौजस्=महान् तेजस्वी। प्रचेतस्=वरुण। दुर्वासस्= गन्दे वस्त्रोंवालाअथवाऋषिविशेष।दिवौकस् =देवता।सुमनस्=सहृदय। महायशस्=महान्यशस्वी।वनौकस्=वनवासी।

(१२३) दोस्=भुजा

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	दोः	दोषौ	दोषः
द्वि०	दोः	दोषौ	दोषः, दोष्णः
तृ०	दोषा, दोष्णा	दोर्भ्याम्, दोषभ्याम्	दोर्भिः, दोषभिः
च०	दोषे, दोष्णे	दोर्भ्याम्, दोषभ्याम्	दोर्भ्यः, दोषभ्यः
पं०	दोषः, दोष्णः	दोर्भ्याम्, दोषभ्याम्	दोर्भ्यः, दोषभ्यः
ष०	दोषः, दोष्णः	दोषोः, दोष्णोः	दोषाम्, दोष्णाम्
स०	दोष्णि, दोषणि	दोषोः, दोष्णोः	दोष्षु, दोः षु, दोषषु
सं०	हे दोः	हे दोषौ	हे दोषः

(१२४) विद्वस्=पण्डित

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	विद्वान्	विद्वांसौ	विद्वांसः
द्वि०	विद्वांसम्	विद्वांसौ	विदुषः
तृ०	विदुषा	विद्वद्भ्याम्	विद्वद्भिः
च०	विदुषे	विद्वद्भ्याम्	विद्वद्भ्यः
पं०	विदुषः	विद्वद्भ्याम्	विद्वद्भ्यः
ष०	विदुषः	विदुषोः	विदुषाम्
स०	विदुषि	विदुषोः	विद्वत्सु
सं०	हे विद्वन्	हे विद्वांसौ	हे विद्वांसः

(१२५) पुम्स् = पुरुष

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	पुमान्	पुमांसौ	पुमांसः
द्वि०	पुमांसम्	पुमांसौ	पुंसः
तृ०	पुंसा	पुम्भ्याम्	पुम्भिः
च०	पुंसे	पुम्भ्याम्	पुम्भ्यः
प०	पुंसः	पुम्भ्याम्	पुम्भ्यः
ष०	पुंसः	पुंसोः	पुंसाम्
स०	पुंसि	पुंसोः	पुंसु
सं०	हे पुमन्	हे पुमांसौ	हे पुमांसः

(१२६) उशनस्=शुक्र

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	उशनाः	उशनसौ	उशनसः
द्वि०	उशनसम्	उशनसौ	उशनसः
तृ०	उशनसा	उशनोभ्याम्	उशनोभिः
च०	उशनसे	उशनोभ्याम्	उशनोभ्यः
पं०	उशनसः	उशनोभ्याम्	उशनोभ्यः
ष०	उशनसः	उशनसोः	उशनसाम्
स०	उशनसि	उशनसोः	उशनस्सु
सं०	[हे उशनन्, हे उशनः	हे उशनसौ	हे उशनसः

अनेहस्=काल। वेधस्=ब्रह्मा।

(१२७) अदस्=वह

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	असौ	अमू	अमी
द्वि०	अमुम्	अमू	अमून्
तृ०	अमुना	अमूभ्याम्	अमीभिः
च०	अमुष्मै	अमूभ्याम्	अमीभ्यः
पं०	अमुष्मात्	अमूभ्याम्	अमीभ्यः
ष०	अमुष्य	अमुयोः	अमीषाम्
स०	अमुष्मिन्	अमुयोः	अमीषु

(१२८) दत्=दाँत

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
द्वि०	—	–	दतः
तृ०	दता	दद्भ्याम्	दद्भिः
च०	दते	दद्भ्याम्	दद्भ्यः
पं०	दतः	दद्भ्याम्	दद्भ्यः
ष०	दतः	दतोः	दताम्
स०	दति	दतोः	दत्सु

निर्देश -- दत् शब्द के प्रथम पाँच रूप संस्कृत में नहीं देखे जाते, अतः वहाँ 'दन्त' शब्द रूपों का प्रयोग करें।

(१२९) निश्=रात

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
द्वि०	---	—	निशः
तृ०	निशा	[निज्भ्याम्, निड्भ्याम्	[निज्भिः, निड्भिः
च०	निशे	[निज्भ्याम् निड्भ्याम्	[निज्भ्यः निड्भ्यः
पं०	निशः	[निज्भ्याम् निड्भ्याम्	[निज्भ्यः निड्भ्यः
ष०	निशः	निशोः	निशाम्
स०	निशि	निशोः	[निच्सु, निट्सु, निट्त्सु

निर्देश-- निश् शब्द के प्रथम पाँच रूप नहीं देखे जाते।

(१३०) मास्=महीना

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
द्वि०			मासः
तृ०	मासा	माभ्याम्	माभिः
च०	मासे	माभ्याम्	माभ्यः
पं०	मासः	माभ्याम्	माभ्यः
ष०	मासः	मासोः	मासाम्
स०	मासि	मासोः	[माःसु, मास्सु

निर्देश-- मास् शब्द के भी प्रथम पाँच रूप नहीं देखे जाते। उनके स्थान पर अकारान्त मास शब्द के रूपों का प्रयोग कार्यनिर्वाह की दृष्टि से किया जाता है।

(१३१) लाजा=लावा या खील (१३२) दारा=स्त्री (१३३) गृह=घर

विभक्ति	बहुवचन	बहुवचन	बहुवचन
प्र०	लाजाः	दाराः	गृहाः
द्वि०	लाजान्	दारान्	गृहान्
तृ०	लाजाभिः	दाराभिः	गृहैः
च०	लाजाभ्यः	दाराभ्यः	गृहेभ्यः
पं०	लाजाभ्यः	दाराभ्यः	गृहेभ्यः
ष०	लाजानाम्	दाराणाम्	गृहाणाम्
स०	लाजासु	दारासु	गृहेषु

निर्देश - - लाजा, दारा तथा गृह शब्द नित्य बहुवचनान्त ही प्रयुक्त होते हैं। नपुंसकलिंग में प्रयुक्त 'गृह' शब्द के रूप सभी वचनों में चलते हैं।

इति हलन्तपुल्लिङ्गप्रकरणम्।

——— * ———

हलन्तस्त्रीलिङ्गप्रकरणम्

(१३४) उपानह्=जूता

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	उपानत्, द्	उपानहौ	उपानहः
द्वि०	उपानहम्	उपानहौ	उपानहः
तृ०	उपानहा	उपानद्भ्याम्	उपानद्भिः
च०	उपानहे	उपानद्भ्याम्	उपानद्भ्यः
पं०	उपानहः	उपानद्भ्याम्	उपानद्भ्यः
ष०	उपानहः	उपानहोः	उपानहाम्
स०	उपानहि	उपानहोः	उपानत्सु
सं०	हे उपानत्, द्	हे उपानहौ	हे उपानहः

(१३५) शरत्=शरदृतु

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	शरत्	शरदौ	शरदः
द्वि०	शरदम्	शरदौ	शरदः
तृ०	शरदा	शरद्भ्याम्	शरद्भिः
च०	शरदे	शरद्भ्याम्	शरद्भ्यः
पं०	शरदः	शरद्भ्याम्	शरद्भ्यः
ष०	शरदः	शरदोः	शरदाम्

स०	शरदि	शरदोः	शरत्सु
सं०	हे शरत्	हे शरदौ	हे शरदः

(१३६) सरित्=नदी

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	सरित्	सरितौ	सरितः
द्वि०	सरितम्	सरितौ	सरितः
तृ०	सरिता	सरिद्भ्याम्	सरिद्भिः
च०	सरिते	सरिद्भ्याम्	सरिद्भ्यः
पं०	सरितः	सरिद्भ्याम्	सरिद्भ्यः
ष०	सरितः	सरितोः	सरिताम्
स०	सरिति	सरितोः	सरित्सु
सं०	हे सरित्	हे सरितौ	हे सरितः

विद्युत्=बिजली। हरित्=दिशा। योषित्=स्त्री।

(१३७) क्षुत्=भूख

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	क्षुत्, द्	क्षुधौ	क्षुधः
द्वि०	क्षुधम्	क्षुधौ	क्षुधः
तृ०	क्षुधा	क्षुद्भ्याम्	क्षुद्भिः
च०	क्षुधे	क्षुद्भ्याम्	क्षुद्भ्यः
पं०	क्षुधः	क्षुद्भ्याम्	क्षुद्भ्यः

ष०	क्षुधः	क्षुधोः	क्षुधाम्
स०	क्षुधि	क्षुधोः	क्षुत्सु
सं०	हे क्षुत्, द्	हे क्षुधौ	हे क्षुधः

(१३८) उष्णिह्= छन्द

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	उष्णिक्, ग्	उष्णिहौ	उष्णिहः
द्वि०	उष्णिहम्	उष्णिहौ	उष्णिहः
तृ०	उष्णिहा	उष्णिग्भ्याम्	उष्णिग्भिः
च०	उष्णिहे	उष्णिग्भ्याम्	उष्णिग्भ्यः
पं०	उष्णिहः	उष्णिग्भ्याम्	उष्णिग्भ्यः
ष०	उष्णिहः	उष्णिहोः	उष्णिहाम्
स०	उष्णिहि	उष्णिहोः	उष्णिक्षु
सं०	हे उष्णिक्, ग्	हे उष्णिहौ	हे उष्णिहः

(१३९) दिव्=स्वर्ग

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	द्यौः	दिवौ	दिवः
द्वि०	दिवम्	दिवौ	दिवः
तृ०	दिवा	द्युभ्याम्	द्युभिः
च०	दिवे	द्युभ्याम्	द्युभ्यः
पं०	दिवः	द्युभ्याम्	द्युभ्यः
ष०	दिवः	दिवोः	दिवाम्

स०	दिवि	दिवोः	द्युषु
सं०	हे द्यौ	हे दिवौ	हे दिवः

(१४०) गिर्=वाणी

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	गीः	गिरौ	गिरः
द्वि०	गिरम्	गिरौ	गिरः
तृ०	गिरा	गीर्भ्याम्	गीर्भिः
च०	गिरे	गीर्भ्याम्	गीर्भ्यः
पं०	गिरः	गीर्भ्याम्	गीर्भ्यः
ष०	गिरः	गिरोः	गिराम्
स०	गिरि	गिरोः	गीर्षु
सं०	हे गीः	हे गिरौ	हे गिरः

(१४१) पुर् = नगरी

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	पूः	पुरौ	पुरः
द्वि०	पुरम्	पुरौ	पुरः
तृ०	पुरा	पूर्भ्याम्	पूर्भिः
च०	पुरे	पूर्भ्याम्	पूर्भ्यः
पं०	पुरः	पूर्भ्याम्	पूर्भ्यः
ष०	पुरः	पुरोः	पुराम्

स०	पुरि	पुरोः	पूर्षु
सं०	हे पूः	हे पुरौ	हे पुरः

(१४२) अप् = पानी (१४३) चतुर् = चार

विभक्ति	बहुवचन	बहुवचन
प्र०	आपः	चतस्रः
द्वि०	अपः	चतस्रः
तृ०	अद्भिः	चतसृभिः
च०	अद्भ्यः	चतसृभ्यः
पं०	अद्भ्यः	चतसृभ्यः
ष०	अपाम्	चतसृणाम्
स०	अप्सु	चतसृषु
सं०	हे आपः	हे चतस्रः

विशेष – अप् तथा चतुर् शब्द के रूप नित्य बहुवचनान्त होते हैं।

(१४४) किम् = कौन

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	का	के	काः
द्वि०	काम्	के	काः
तृ०	कया	काभ्याम्	काभिः
च०	कस्यै	काभ्याम्	काभ्यः
पं०	कस्याः	काभ्याम्	काभ्यः
ष०	कस्याः	कयोः	कासाम्
स०	कस्याम्	कयोः	कासु

(१४५) इदम् = यह

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	इयम्	इमे	इमाः
द्वि०	[इमाम् / एनाम्	[इमे / एने	[इमाः / एनाः
तृ०	[अनया / एनया	आभ्याम्	आभिः
च०	अस्यै	आभ्याम्	आभ्यः
पं०	अस्याः	आभ्याम्	आभ्यः
ष०	अस्याः	[अनयोः / एनयोः	आसाम्
स०	अस्याम्	[अनयोः / एनयोः	आसु

(१४६) त्यद् = वह

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	त्या	त्ये	त्याः
द्वि०	त्याम्	त्ये	त्याः

तृ०	त्यया	त्याभ्याम्	त्याभिः
च०	त्यस्यै	त्याभ्याम्	त्याभ्यः
पं०	त्यस्याः	त्याभ्याम्	त्याभ्यः
ष०	त्यस्याः	त्ययोः	त्यासाम्
स०	त्यस्याम्	त्ययोः	त्यासु

(१४७) तद् = वह

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	सा	ते	ताः
द्वि०	ताम्	ते	ताः
तृ०	तया	ताभ्याम्	ताभिः
च०	तस्यै	ताभ्याम्	ताभ्यः
पं०	तस्याः	ताभ्याम्	ताभ्यः
ष०	तस्याः	तयोः	तासाम्
स०	तस्याम्	तयोः	तासु

(१४८) एतद् = यह

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	एषा	एते	एताः
द्वि०	[एताम्, एनाम्	[एते, एने	[एताः, एनाः
तृ०	[एतया, एनया	एताभ्याम्	एताभिः

च०	एतस्यै	एताभ्याम्	एताभ्यः
पं०	एतस्याः	एताभ्याम्	एताभ्यः
ष०	एतस्याः	[एतयोः, एनयोः	एतासाम्
स०	एतस्याम्	[एतयोः, एनयोः	एतासु

(१४९) वाच्=वाणी

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	वाक्, ग्	वाचौ	वाचः
द्वि०	वाचम्	वाचौ	वाचः
तृ०	वाचा	वाग्भ्याम्	वाग्भिः
च०	वाचे	वाग्भ्याम्	वाग्भ्यः
पं०	वाचः	वाग्भ्याम्	वाग्भ्यः
ष०	वाचः	वाचोः	वाचाम्
स०	वाचि	वाचोः	वाक्षु
सं०	हे वाक्, ग्	हे वाचौ	हे वाचः

(१५०) दिश्=दिशा

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	दिक्, ग्	दिशौ	दिशः
द्वि०	दिशम्	दिशौ	दिशः

तृ०	दिशा	दिग्भ्याम्	दिग्भिः
च०	दिशे	दिग्भ्याम्	दिग्भ्यः
पं०	दिशः	दिग्भ्याम्	दिग्भ्यः
ष०	दिशः	दिशोः	दिशाम्
स०	दिशि	दिशोः	दिक्षु
सं०	हे दिक्, ग्	हे दिशौ	हे दिशः

(१५१) दृश्=आँख

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	दृक्-ग्	दृशौ	दृशः
द्वि०	दृशम्	दृशौ	दृशः
तृ०	दृशा	दृग्भ्याम्	दृग्भिः
च०	दृशे	दृग्भ्याम्	दृग्भ्यः
पं०	दृशः	दृग्भ्याम्	दृग्भ्यः
ष०	दृशः	दृशोः	दृशाम्
स०	दृशि	दृशोः	दृक्षु
सं०	हे दृक्-ग्	हे दृशौ	हे दृशः

(१५२) त्विट्=कान्ति

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	त्विट्, ड्	त्विषौ	त्विषः
द्वि०	त्विषम्	त्विषौ	त्विषः
तृ०	त्विषा	त्विड्भ्याम्	त्विड्भिः

च०	त्विषे	त्विड्भ्याम्	त्विड्भ्यः
पं०	त्विषः	त्विड्भ्याम्	त्विड्भ्यः
ष०	त्विषः	त्विषोः	त्विषाम्
स०	त्विषि	त्विषोः	[त्विट्सु त्विट्त्सु
सं०	हे त्विट्, ड्	हे त्विषौ	हे त्विषः

(१५३) सजुष्=सखी

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	सजूः	सजुषौ	सजुषः
द्वि०	सजुषम्	सजुषौ	सजुषः
तृ०	सजुषा	सजूर्भ्याम्	सजूर्भिः
च०	सजुषे	सजूर्भ्याम्	सजूर्भ्यः
पं०	सजुषः	सजूर्भ्याम्	सजूर्भ्यः
ष०	सजुषः	सजुषोः	सजुषाम्
स०	सजुषि	सजुषोः	[सजूःषु सजूष्षु
सं०	हे सजूः	हे सजुषौ	हे सजुषः

(१५४) प्रावृष्=वर्षा

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	प्रावृट्	प्रावृषौ	प्रावृषः
द्वि०	प्रावृषम्	प्रावृषौ	प्रावृषः

तृ०	प्रावृषा	प्रावृड्भ्याम्	प्रावृड्भिः
च०	प्रावृषे	प्रावृड्भ्याम्	प्रावृड्भ्यः
पं०	प्रावृषः	प्रावृड्भ्याम्	प्रावृड्भ्यः
ष०	प्रावृषः	प्रावृषोः	प्रावृषाम्
स०	प्रावृषि	प्रावृषोः	प्रावृट्सु
सं०	हे प्रावृट्	हे प्रावृषौ	हे प्रावृषः

(१५५) आशिष्=आशीर्वाद

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	आशीः	आशिषौ	आशिषः
द्वि०	आशिषम्	आशिषौ	आशिषः
तृ०	आशिषा	आशीर्भ्याम्	आशीर्भिः
च०	आशिषे	आशीर्भ्याम्	आशीर्भ्यः
पं०	आशिषः	आशीर्भ्याम्	आशीर्भ्यः
ष०	आशिषः	आशिषोः	आशिषाम्
स०	आशिषि	आशिषोः	आशीष्षु
सं०	हे आशीः	हे आशिषौ	हे आशिषः

(१५६) अदस्=वह

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	असौ	अमू	अमूः
द्वि०	अमुम्	अमू	अमूः
तृ०	अमुया	अमूभ्याम्	अमूभिः

च०	अमुष्यै	अमूभ्याम्	अमूभ्यः
पं०	अमुष्याः	अमूभ्याम्	अमूभ्यः
ष०	अमुष्याः	अमुयोः	अमूषाम्
स०	अमुष्याम्	अमुयोः	अमूषु

इति हलन्तस्त्रीलिङ्गप्रकरणम्।

*

हलन्तनपुंसकलिङ्गप्रकरणम्

(१५७) स्वनडुह्=अच्छे बैलों वाला कुल

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	स्वनडुत्, द्	स्वनडुही	स्वनड्वांहि
द्वि०	स्वनडुत्, द्	स्वनडुही	स्वनड्वांहि
तृ०	स्वनडुहा	स्वनडुद्भ्याम्	स्वनडुद्भिः
च०	स्वनडुहे	स्वनडुद्भ्याम्	स्वनडुदभ्यः
पं०	स्वनडुहः	स्वनडुद्भ्याम्	स्वनडुदभ्यः
ष०	स्वनडुहः	स्वनडुहोः	स्वनडुहाम्
स०	स्वनडुहि	स्वनडुहोः	स्वनडुत्सु
सं०	हे स्वनडुत्, द्	हे स्वनडुही	हे स्वनड्वांहि

(१५८) 'वार्' =जल

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	वाः	वारी	वारि
द्वि०	वाः	वारी	वारि
तृ०	वारा	वार्भ्याम्	वार्भिः
च०	वारे	वार्भ्याम्	वार्भ्यः
पं०	वारः	वार्भ्याम्	वार्भ्यः
ष०	वारः	वारोः	वाराम्
स०	वारि	वारोः	वार्षु
सं०	हे वाः	हे वारी	हे वारि

(१५९) त्रि=तीन (१६०) चतुर्=चार

विभक्ति	बहुवचन	बहुवचन
प्र०	त्रीणि	चत्वारि
द्वि०	त्रीणि	चत्वारि
तृ०	त्रिभिः	चतुर्भिः
च०	त्रिभ्यः	चतुर्भ्यः
पं०	त्रिभ्यः	चतुर्भ्यः
ष०	त्रयाणाम्	चतुर्णाम्
स०	त्रिषु	चतुर्षु
सं०	हे त्रीणि	हे चत्वारि

(१६१) किम्=कौन

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	किम्	के	कानि
द्वि०	किम्	के	कानि
तृ०	केन	काभ्याम्	कैः
च०	कस्मै	काभ्याम्	केभ्यः
पं०	कस्मात्, द्	काभ्याम्	केभ्यः

ष०	कस्य	कयोः	केषाम्
स०	कस्मिन्	कयोः	केषु

(१६२) इदम्=यह

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	इदम्	इमे	इमानि
द्वि०	[इदम् / एनत्, द्	[इमे / एने	[इमानि / एनानि
तृ०	[अनेन / एनेन	आभ्याम्	एभिः
च०	अस्मै	आभ्याम्	एभ्यः
पं०	अस्मात्	आभ्याम्	एभ्यः
ष०	अस्य	[अनयोः / एनयोः	एषाम्
स०	अस्मिन्	[अनयोः / एनयोः	एषु

(१६३) अहन्=दिन

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	अहः	[अहनी / अह्नी	अहानि
द्वि०	अहः	[अहनी / अह्नी	अहानि
तृ०	अह्ना	अहोभ्याम्	अहोभिः
च०	अह्ने	अहोभ्याम्	अहोभ्यः
पं०	अह्नः	अहोभ्याम्	अहोभ्यः
ष०	अह्नः	अह्नोः	अह्नाम्
स०	[अह्नि / अहनि	अह्नोः	[अहःसु / अहस्सु
सं०	हे अहः	[हे अह्नी / हे अहनी	हे अहानि

(१६४) दण्डिन्=दण्ड देने वाला कुल

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	दण्डि	दण्डिनी	दण्डीनि
द्वि०	दण्डि	दण्डिनी	दण्डीनि
तृ०	दण्डिना	दण्डिभ्याम्	दण्डिभिः
च०	दण्डिने	दण्डिभ्याम्	दण्डिभ्यः
पं०	दण्डिनः	दण्डिभ्याम्	दण्डिभ्यः
ष०	दण्डिनः	दण्डिनोः	दण्डिनाम्
स०	दण्डिनि	दण्डिनोः	दण्डिषु
सं०	हे दण्डिन्	हे दण्डिनी	हे दण्डीनि

(१६५) नामन्=नाम

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	नाम	नामनी	नामानि

द्वि०	नाम	नामनी	नामानि
तृ०	नाम्ना	नामभ्याम्	नामभिः
च०	नाम्ने	नामभ्याम्	नामभ्यः
पं०	नाम्नः	नामभ्याम्	नामभ्यः
ष०	नाम्नः	नाम्नोः	नाम्नाम्
स०	नाम्नि	नाम्नोः	नामसु
सं०	हे नामन्	हे नामनी	हे नामानि

(१६६) मनोहारिन्=मन को हरने वाला

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	मनोहारि	मनोहारिणी	मनोहारीणि
द्वि०	मनोहारि	मनोहारिणी	मनोहारीणि
तृ०	मनोहारिणा	मनोहारिभ्याम्	मनोहारिभिः
च०	मनोहारिणे	मनोहारिभ्याम्	मनोहारिभ्यः
पं०	मनोहारिणः	मनोहारिभ्याम्	मनोहारिभ्यः
ष०	मनोहारिणः	मनोहारिणोः	मनोहारिणाम्
स०	मनोहारिणि	मनोहारिणोः	मनोहारिषु
सं०	हे मनोहारिन्	हे मनोहारिणी	हे मनोहारीणि

(१६७) वर्मन्=कवच

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	वर्म	वर्मणी	वर्माणि

द्वि०	वर्म	वर्मणी	वर्माणि
तृ०	वर्मणा	वर्मभ्याम्	वर्मभिः
च०	वर्मणे	वर्मभ्याम्	वर्मभ्यः
पं०	वर्मणः	वर्मभ्याम्	वर्मभ्यः
ष०	वर्मणः	वर्मणोः	वर्मणाम्
स०	वर्मणि	वर्मणोः	वर्मसु
सं०	हे वर्मन्	हे वर्मणी	हे वर्माणि

(१६८) ब्रह्म = परब्रह्म

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	ब्रह्म	ब्रह्मणी	ब्रह्माणि
द्वि०	ब्रह्म	ब्रह्मणी	ब्रह्माणि
तृ०	ब्रह्मणा	ब्रह्मभ्याम्	ब्रह्मभिः
च०	ब्रह्मणे	ब्रह्मभ्याम्	ब्रह्मभ्यः
पं०	ब्रह्मणः	ब्रह्मभ्याम्	बह्मभ्यः
ष०	ब्रह्मणः	ब्रह्मणोः	ब्रह्मणाम्
स०	ब्रह्मणि	ब्रह्मणोः	ब्रह्मसु
सं०	हे ब्रह्मन्	हे ब्रह्मणी	हे ब्रह्माणि

(१६९) सुपथिन् = अच्छे मार्ग वाला

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	सुपथि	सुपथी	सुपन्थानि

द्वि०	सुपथि	सुपथी	सुपन्थानि
तृ०	सुपथा	सुपथिभ्याम्	सुपथिभिः
च०	सुपथे	सुपथिभ्याम्	सुपथिभ्यः
पं०	सुपथः	सुपथिभ्याम्	सुपथिभ्यः
ष०	सुपथः	सुपथोः	सुपथाम्
स०	सुपथि	सुपथोः	सुपथिषु
सं०	हे सुपथिन्	हे सुपथी	हे सुपन्थानि

(१७०) ऊर्ज् = बल अथवा तेज

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	ऊर्क्, ग्	ऊर्जी	ऊर्न्जि
द्वि०	ऊर्क्, ग्	ऊर्जी	ऊर्न्जि
तृ०	ऊर्जा	ऊर्ग्भ्याम्	ऊर्ग्भिः
च०	ऊर्जे	ऊर्ग्भ्याम्	ऊर्ग्भ्यः
पं०	ऊर्जः	ऊर्ग्भ्याम्	ऊर्ग्भ्यः
ष०	ऊर्जः	ऊर्जोः	ऊर्जाम्
स०	ऊर्जि	ऊर्जोः	ऊर्क्षु
सं०	हे ऊर्क, ग्	हे ऊर्जी	हे ऊर्न्जि

(१७१) तद् = वह

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	तत्, द्	ते	तानि
द्वि०	तत्, द्	ते	तानि
तृ०	तेन	ताभ्याम्	तैः
च०	तस्मै	ताभ्याम्	तेभ्यः
पं०	तस्मात्	ताभ्याम्	तेभ्यः
ष०	तस्य	तयोः	तेषाम्
स०	तस्मिन्	तयोः	तेषु

(१७२) यद् = जो

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	यत्, द्	ये	यानि
द्वि०	यत्, द्	ये	यानि
तृ०	येन	याभ्याम्	यैः
च०	यस्मै	याभ्याम्	येभ्यः
पं०	यस्मात्	याभ्याम्	येभ्यः
ष०	यस्य	ययोः	येषाम्
स०	यस्मिन्	ययोः	येषु

(१७३) एतद् = यह

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	एतत्, द्	एते	एतानि
द्वि०	[एतत्, द् एनत्, द्	[एते, एने	[एतानि, एनानि

तृ०	[एतेन, एनेन	एताभ्याम्	एतैः
च०	एतस्मै	एताभ्याम्	एतेभ्यः
पं०	एतस्मात्	एताभ्याम्	एतेभ्यः
ष०	एतस्य	[एतयोः, एनयोः	एतेषाम्
स०	एतस्मिन्	[एतयोः, एनयोः	एतेषु

(१७४) गवाच्=गोपूजक या गाय का अनुगामी

प्रथमा

एक० [गवाक्-गवाग्-गोअक्-गोअग्-गोऽक्-गोऽग्,
गवाङ्-गोअङ्-गोऽङ् (९)

द्वि० गोची-गवाश्ची-गोअश्ची-गोऽश्ची (४)

बहु० गवाञ्चि-गोअञ्चि-गोऽञ्चि (३)

द्वितीया

एक० [गवाक्-गवाग्-गोअक्-गोअग्-गोऽक्-गोऽग्,
गवाङ्-गोअङ्-गोऽङ् (९)

द्वि० गोची-गवाश्ची-गोअश्ची गोऽश्ची (४)

बहु० गवाञ्चि- गोअञ्चि- गोऽञ्चि (३)

तृतीया

एक० गोचा-गवाश्चा-गोअश्चा- गोऽश्चा (४)

द्वि० [गवाग्भ्याम्-गोअग्भ्याम्-गोऽग्भ्याम्,
गवाङ्भ्याम्-गोअङ्भ्याम्-गोऽङ्भ्याम् (६)

बहु० [गवाग्भिः-गोअग्भिः गोऽग्भिः
गवाङ्भिः-गोअङ्भिः-गोऽङ्भिः (६)

चतुर्थी

एक० गोचे-गवाश्चे-गोअश्चे-गोऽश्चे (४)

द्वि० [गवाग्भ्याम्-गोअग्भ्याम्-गोऽग्भ्याम्
गवाङ्भ्याम्-गोअङ्भ्याम्-गोऽङ्भ्याम् (६)

बहु० [गवाग्भ्यः-गोअग्भ्यः-गोऽग्भ्यः
गवाङ्भ्यः-गोअङ्भ्यः गोऽङ्भ्यः (६)

पञ्चमी

एक० गोचः-गवाश्चः-गोअश्चः-गोऽश्चः (४)

द्वि० [गवाग्भ्याम्-गोअग्भ्याम्-गोऽग्भ्याम्
गवाङ्भ्याम्-गोअङ्भ्याम्-गोऽङ्भ्याम् (६)

बहु० [गवाग्भ्यः-गोअग्भ्यः-गोऽग्भ्यः
गवाङ्भ्यः-गोअङ्भ्यः-गोऽङ्भ्यः (६)

षष्ठी

एक० गोचः-गवाश्चः-गोअश्चः-गोऽश्चः (४)
द्वि० गोचोः-गवाश्चोः-गोअश्चोः-गोऽश्चोः (४)
बहु० गोचाम्-गवाश्चाम्-गोअश्चाम्-गोऽश्चाम् (४)

सप्तमी

एक० गोचि-गवाश्चि-गोअश्चि-गोऽश्चि (४)
द्वि० गोचोः-गवाश्चोः-गोअश्चोः-गोऽश्चोः (४)
बहु० [गवाक्षु–गोअक्षु–गोऽक्षु–गवाङ्क्षु–गोअङ्क्षु
गोऽङ्क्षु–गवाङ्षु–ओअङ्षु–गोऽङ्षु (९)

सम्बोधन

एक० [हे गवाक्-गवाग्-गोअक्-गोअग्-गोऽक्-गोऽग्,
गवाङ्-गोअङ्-गोऽङ् (९)
द्वि० हे गोची-गवाश्ची-गोअश्ची-गोऽश्ची (४)
बहु० हे गवाश्चि-गोअश्चि-गोऽश्चि (३)

(१७५) शकृत्=मल अथवा पुरीष

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	शकृत्, द्	शकृती	शकृन्ति
द्वि०	शकृत्, द्	शकृती	शकृन्ति
तृ०	शकृता	शकृद्भ्याम्	शकृद्भिः
च०	शकृते	शकृद्भ्याम्	शकृद्भ्यः
पं०	शकृतः	शकृद्भ्याम्	शकृद्भ्यः
ष०	शकृतः	शकृतोः	शकृताम्
स०	शकृति	शकृतोः	शकृत्सु
सं०	हे शकृत्, द्	हे शकृती	हे शकृन्ति

(१७६) जगत्=संसार

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	जगत्	जगती	जगन्ति
द्वि०	जगत्	जगती	जगन्ति
तृ०	जगता	जगद्भ्याम्	जगद्भिः
च०	जगते	जगद्भ्याम्	जगद्भ्यः
पं०	जगतः	जगद्भ्याम्	जगद्भ्यः
ष०	जगतः	जगतोः	जगताम्
स०	जगति	जगतोः	जगत्सु
सं०	हे जगत्	हे जगती	हे जगन्ति

(१७७) तुदत्=दुःख देता हुआ

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	तुदत्, द्	तुदती, न्ती	तुदन्ति
द्वि०	तुदत्, द्	तुदती, न्ती	तुदन्ति
तृ०	तुदता	तुदद्भ्याम्	तुदद्भिः
च०	तुदते	तुदद्भ्याम्	तुदद्भ्यः

पं०	तुदतः	तुदद्भ्याम्	तुदद्भ्यः
ष०	तुदतः	तुदतोः	तुदताम्
स०	तुदति	तुदतोः	तुदत्सु
सं०	हे तुदत्, द्	हे तुदती, न्ती	हे तुदन्ति

विशेष -- ददत्=देता हुआ, इस शब्द के रूप उक्त 'तुदत्' शब्द के सदृश होते हैं, केवल प्रथमा, द्वितीया के द्विवचन में 'ददती' रूप बनेगा। इसी प्रकार पचत्=पकाता हुआ और दीव्यत्=खेलता हुआ, के रूप भी चलेंगे। अन्तर-- इनके प्रथमा, द्वितीया के द्विवचन में पचन्ती, दीव्यन्ती रूप होंगे।

(१७८) धनुष्=धनुष

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	धनुः	धनुषी	धनूंषि
द्वि०	धनुः	धनुषी	धनूंषि
तृ०	धनुषा	धनुर्भ्याम्	धनुर्भिः
च०	धनुषे	धनुर्भ्याम्	धनुर्भ्यः
पं०	धनुषः	धनुर्भ्याम्	धनुर्भ्यः
ष०	धनुषः	धनुषोः	धनुषाम्
स०	धनुषि	धनुषोः	धनुःषु
सं०	हे धनुः	हे धनुषी	हे धनूंषि

चक्षुष् = आँख।

(१७९) हविष्=घी

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	हविः	हविषी	हवींषि
द्वि०	हविः	हविषी	हवींषि
तृ०	हविषा	हविर्भ्याम्	हविर्भिः
च०	हविषे	हविर्भ्याम्	हविर्भ्यः
पं०	हविषः	हविर्भ्याम्	हविर्भ्यः
ष०	हविषः	हविषोः	हविषाम्
स०	हविषि	हविषोः	हविःषु
सं०	हे हविः	हे हविषी	हे हवींषि

(१८०) पयस्=दूध या पानी

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	पयः	पयसी	पयांसि
द्वि०	पयः	पयसी	पयांसि
तृ०	पयसा	पयोभ्याम्	पयोभिः
च०	पयसे	पयोभ्याम्	पयोभ्यः
पं०	पयसः	पयोभ्याम्	पयोभ्यः
ष०	पयसः	पयसोः	पयसाम्
स०	पयसि	पयसोः	पयःसु
सं०	हे पयः	हे पयसी	हे पयांसि

(१८१) सुपुम्स्=अच्छे पुरुषों वाला कुल

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	सुपुम्	सुपुंसी	सुपुमांसि
द्वि०	सुपुम्	सुपुंसी	सुपुमांसि
तृ०	सुपुंसा	सुपुम्भ्याम्	सुपुम्भ्यः
च०	सुपुंसे	सुपुम्भ्याम्	सुपुम्भ्यः
पं०	सुपुंसः	सुपुम्भ्याम्	सुपुम्भ्यः
ष०	सुपुंसः	सुपुंसोः	सुपुंसाम्
स०	सुपुंसि	सुपुंसोः	सुपुंसु
सं०	हे सुपुम्	हे सुपुंसी	हे सुपुमांसि

(१८२) अदस्=वह

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र०	अदः	अमू	अमूनि
द्वि०	अदः	अमू	अमूनि
तृ०	अमुना	अमूभ्याम्	अमीभिः
च०	अमुष्मै	अमूभ्याम्	अमीभ्यः
पं०	अमुष्मात्, द्	अमूभ्याम्	अमीभ्यः
ष०	अमुष्य	अमुयोः	अमीषाम्
स०	अमुष्मिन्	अमुयोः	अमीषु

इति हलन्तनपुंसकलिङ्ग प्रकरणम्।

―――― * ――――

अथ भ्वादिप्रकरणम्

सरस्वत्या हृदम्भोजे सदासीनं सनातनम्।।
धातूरूपं चिरं ध्यात्वा कुर्वेऽहं रूपचन्द्रिकाम्।।

(१) भू सत्तायाम्= होना (परस्मैपदी)

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन	पुरुष
(लट्)	भवति	भवतः	भवन्ति	प्र०
	भवसि	भवथः	भवथ	म०
	भवामि	भवावः	भवामः	उ०
(लिट्)	बभूव	बभूवतुः	बभूवुः	प्र०
	बभूविथ	बभूवथुः	बभूव	म०
	बभूव	बभूविव	बभूविम	उ०
(लुट्)	भविता	भवितारौ	भवितारः	प्र०
	भवितासि	भवितास्थः	भवितास्थ	म०
	भवितास्मि	भवितास्वः	भवितास्मः	उ०
(लृट्)	भविष्यति	भविष्यतः	भविष्यन्ति	प्र०
	भविष्यसि	भविष्यथः	भविष्यथ	म०
	भविष्यामि	भविष्यावः	भविष्यामः	उ०
(लोट्)	भवतु, भवतात्	भवताम्	भवन्तु	प्र०
	भव, भवतात्	भवतम्	भवत	म०
	भवानि	भवाव	भवाम	उ०

(लङ्)	अभवत्	अभवताम्	अभवन्	प्र०
	अभवः	अभवतम्	अभवत	म०
	अभवम्	अभवाव	अभवाम	उ०
(वि.लि.)	भवेत्	भवेताम्	भवेयुः	प्र०
	भवेः	भवेतम्	भवेत	म०
	भवेयम्	भवेव	भवेम	उ०
(आ.लि.)	भूयात्	भूयास्ताम्	भूयासुः	प्र०
	भूयाः	भूयास्तम्	भूयास्त	म०
	भूयासम्	भूयास्व	भूयास्म	उ०
(लुङ्)	अभूत्	अभूताम्	अभूवन्	प्र०
	अभूः	अभूतम्	अभूत	म०
	अभूवम्	अभूव	अभूम	उ०
(लृङ्)	अभविष्यत्	अभविष्यताम्	अभविष्यन्	प्र०
	अभविष्यः	अभविष्यतम्	अभविष्यत	म०
	अभविष्यम्	अभविष्याव	अभविष्याम	उ०

(२) अत =निरन्तर चलना (परस्मैपदी)

(लट्)	अतति	अततः	अतन्ति	प्र०
	अतसि	अतथः	अतथ	म०
	अतामि	अतावः	अतामः	उ०
(लिट्)	आत	आततुः	आतुः	प्र०
	आतिथ	आतथुः	आत	म०
	आत	आतिव	आतिम	उ०

(लुट्)	अतिता	अतितारौ	अतितारः	प्र०
	अतितासि	अतितास्थः	अतितास्थ	म०
	अतितास्मि	अतितास्वः	अतितास्मः	उ०
(लृट्)	अतिष्यति	अतिष्यतः	अतिष्यन्ति	प्र०
	अतिष्यसि	अतिष्यथः	अतिष्यथ	म०
	अतिष्यामि	अतिष्यावः	अतिष्यामः	उ०
(लोट्)	अततु, अततात्	अतताम्	अतन्तु	प्र०
	अत, अततात्	अततम्	अतत	म०
	अतानि	अताव	अताम	उ०
(लङ्)	आतत्	आतताम्	आतन्	प्र०
	आतः	आततम्	आतत	म०
	आतम्	आताव	आताम	उ०
(वि.लि.)	अतेत्	अतेताम्	अतेयुः	प्र०
	अतेः	अतेतम्	अतेत	म०
	अतेयम्	अतेव	अतेम	उ०
(आ.लि.)	अत्यात्	अत्यास्ताम्	अत्यासुः	प्र०
	अत्याः	अत्यास्तम्	अत्यास्त	म०
	अत्यासम्	अत्यास्व	अत्यास्म	उ०
(लुङ्)	आतीत्	आतिष्टाम्	आतिषुः	प्र०
	आतीः	आतिष्टम्	आतिष्ट	म०
	आतिषम्	आतिष्व	आतिष्म	उ०

(लृङ्)	आतिष्यत्	आतिष्यताम्	आतिष्यन्	प्र०
	आतिष्यः	आतिष्यतम्	आतिष्यत	म०
	आतिष्यम्	आतिष्याव	आतिष्याम	उ०

(३) अय= जाना (आत्मनेपदी)

(लट्)	अयते	अयेते	अयन्ते	प्र०
	अयसे	अयेथे	अयध्वे	म०
	अये	अयावहे	अयामहे	उ०
(लिट्)	अयाञ्चक्रे	अयाञ्चक्राते	अयाञ्चक्रिरे	प्र०
	अयाञ्चकृषे	अयाञ्चक्राथे	अयाञ्चकृढ्वे	म०
	अयाञ्चक्रे	अयाञ्चकृवहे	अयाञ्चकृमहे	उ०
(लुट्)	अयिता	अयितारौ	अयितारः	प्र०
	अयितासे	अयितासाथे	अयिताध्वे	म०
	अयिताहे	अयितास्वहे	अयितास्महे	उ०
(लृट्)	अयिष्यते	अयिष्येते	अयिष्यन्ते	प्र०
	अयिष्यसे	अयिष्येथे	अयिष्यध्वे	म०
	अयिष्ये	अयिष्यावहे	अयिष्यामहे	उ०
(लोट्)	अयताम्	अयेताम्	अयन्ताम्	प्र०
	अयस्व	अयेथाम्	अयध्वम्	म०
	अयै	अयावहै	अयामहै	उ०
(लङ्)	आयत	आयेताम्	आयन्त	प्र०
	आयथाः	आयेथाम्	आयध्वम्	म०
	आये	आयावहि	आयामहि	उ०

(वि. लि.)	अयेत	अयेयाताम्	अयेरन्	प्र०
	अयेथाः	अयेयाथाम्	अयेध्वम्	म०
	अयेय	अयेवहि	अयेमहि	उ०
(आ. लि.)	अयिषीष्ट	अयिषीयास्ताम्	अयिषीरन्	प्र०
	अयिषीष्ठाः	अयिषीयास्थाम्	[अयिषीढ्वम् / अयिषीध्वम्	म०
	अयिषीय	अयिषीवहि	अयिषीमहि	उ०
(लुङ्)	आयिष्ट	आयिषाताम्	आयिषत	प्र०
	आयिष्ठाः	आयिषाथाम्	आयिढ्वं, ध्वम्	म०
	आयिषि	आयिष्वहि	आयिष्महि	उ०
(लृङ्)	आयिष्यत	आयिष्येताम्	आयिष्यन्त	प्र०
	आयिष्यथाः	आयिष्येथाम्	आयिष्यध्वम्	म०
	आयिष्ये	आयिष्यावहि	आयिष्यामहि	उ०

(४) अर्च =पूजा करना (परस्मैपदी)

(लट्)	अर्चति	अर्चतः	अर्चन्ति	प्र०
	अर्चसि	अर्चथः	अर्चथ	म०
	अर्चामि	अर्चावः	अर्चामः	उ०
(लिट्)	आनर्च	आनर्चतुः	आनर्चुः	प्र०
	आनर्चिथ	आनर्चथुः	आनर्च	म०
	आनर्च	आनर्चिव	आनर्चिम	उ०
(लुट्)	अर्चिता	अर्चितारौ	अर्चितारः	प्र०
	अर्चितासि	अर्चितास्थः	अर्चितास्थ	म०
	अर्चितास्मि	अर्चितास्वः	अर्चितास्मः	उ०

(लृट्)	अर्चिष्यति	अर्चिष्यतः	अर्चिष्यन्ति	प्र०
	अर्चिष्यसि	अर्चिष्यथः	अर्चिष्यथ	म०
	अर्चिष्यामि	अर्चिष्यावः	अर्चिष्यामः	उ०
(लोट्)	अर्चतु, तात्	अर्चताम्	अर्चन्तु	प्र०
	अर्च, तात्	अर्चतम्	अर्चत	म०
	अर्चानि	अर्चाव	अर्चाम	उ०
(लङ्)	आर्चत्	आर्चताम्	आर्चन्	प्र०
	आर्चः	आर्चतम्	आर्चत	म०
	आर्चम्	आर्चाव	आर्चाम	उ०
(वि. लि.)	अर्चेत्	अर्चेताम्	अर्चेयुः	प्र०
	अर्चेः	अर्चेतम्	अर्चेत	म०
	अर्चेयम्	अर्चेव	अर्चेम	उ०
(आ. लि.)	अर्च्यात्	अर्च्यास्ताम्	अर्च्यासुः	प्र०
	अर्च्याः	अर्च्यास्तम्	अर्च्यास्त	म०
	अर्च्यासम्	अर्च्यास्व	अर्च्यास्म	उ०
(लुङ्)	आर्चीत्	आर्चिष्टाम्	आर्चिषुः	प्र०
	आर्चीः	आर्चिष्टम्	आर्चिष्ट	म०
	आर्चिषम्	आर्चिष्व	आर्चिष्म	उ०
(लृङ्)	आर्चिष्यत्	आर्चिष्यताम्	आर्चिष्यन्	प्र०
	आर्चिष्यः	आर्चिष्यतम्	आर्चिष्यत	म०
	आर्चिष्यम्	आर्चिष्याव	आर्चिष्याम	उ०

(५) एध = बढ़ना (आत्मनेपदी)

(लट्)	एधते	एधेते	एधन्ते	प्र०
	एधसे	एधेथे	एधध्वे	म०
	एधे	एधावहे	एधामहे	उ०
(लिट्)	एधाञ्चक्रे	एधाञ्चक्राते	एधाञ्चक्रिरे	प्र०
	एधाञ्चकृषे	एधाञ्चक्राथे	एधाञ्चकृढ्वे	म०
	एधाञ्चक्रे	एधाञ्चकृवहे	एधाञ्चकृमहे	उ०

इसी प्रकार 'एधामास' 'एधाम्बभूव' इत्यादि ।

(लुट्)	एधिता	एधितारौ	एधितारः	प्र०
	एधितासे	एधितासाथे	एधिताध्वे	म०
	एधिताहे	एधितास्वहे	एधितास्महे	उ०
(लृट्)	एधिष्यते	एधिष्येते	एधिष्यन्ते	प्र०
	एधिष्यसे	एधिष्येथे	एधिष्यध्वे	म०
	एधिष्ये	एधिष्यावहे	एधिष्यामहे	उ०
(लोट्)	एधताम्	एधेताम्	एधन्ताम्	प्र०
	एधस्व	एधेथाम्	एधध्वम्	म०
	एधै	एधावहै	एधामहै	उ०
(लङ्)	ऐधत	ऐधेताम्	ऐधन्त	प्र०
	ऐधथाः	ऐधेथाम्	ऐधध्वम्	म०
	ऐधे	ऐधावहि	ऐधामहि	उ०
(वि. लि.)	एधेत	एधेयाताम्	एधेरन्	प्र०
	एधेथाः	एधेयाथाम्	एधेध्वम्	म०
	एधेय	एधेवहि	एधेमहि	उ०

(आ.लि.)	एधिषीष्ट	एधिषीयास्ताम्	एधिषीरन्	प्र०
	एधिषीष्ठाः	एधिषीयास्थाम्	एधिषीध्वम्	म०
	एधिषीय	एधिषीवहि	एधिषीमहि	उ०
(लुङ्)	ऐधिष्ट	ऐधिषाताम्	ऐधिषत	प्र०
	ऐधिष्ठाः	ऐधिषाथाम्	ऐधिढ्वम्	म०
	ऐधिषि	ऐधिष्वहि	ऐधिष्महि	उ०
(लृङ्)	ऐधिष्यत	ऐधिष्येताम्	ऐधिष्यन्त	प्र०
	ऐधिष्यथाः	ऐधिष्येथाम्	ऐधिष्यध्वम्	म०
	ऐधिष्ये	ऐधिष्यावहि	ऐधिष्यामहि	उ०

(६) कट=बरसना (परस्मैपदी)

(लट्)	कटति	कटतः	कटन्ति	प्र०
	कटसि	कटथः	कटथ	म०
	कटामि	कटावः	कटामः	उ०
(लिट्)	चकाट	चकटतुः	चकटुः	प्र०
	चकटिथ	चकटथुः	चकट	म०
	चकाट-चकट	चकटिव	चकटिम	उ०
(लुट्)	कटिता	कटितारौ	कटितारः	प्र०
	कटितासि	कटितास्थः	कटितास्थ	म०
	कटितास्मि	कटितास्वः	कटितास्मः	उ०
(लृट्)	कटिष्यति	कटिष्यतः	कटिष्यन्ति	प्र०
	कटिष्यसि	कटिष्यथः	कटिष्यथ	म०
	कटिष्यामि	कटिष्यावः	कटिष्यामः	उ०

(लोट्)	कटतु, तात्	कटताम्	कटन्तु	प्र०
	कट, तात्	कटतम्	कटत	म०
	कटानि	कटाव	कटाम	उ०
(लङ्)	अकटत्	अकटताम्	अकटन्	प्र०
	अकटः	अकटतम्	अकटत	म०
	अकटम्	अकटाव	अकटाम	उ०
(वि.लि.)	कटेत्	कटेताम्	कटेयुः	प्र०
	कटेः	कटेतम्	कटेत	म०
	कटेयम्	कटेव	कटेम	उ०
(आ.लि.)	कट्यात्	कट्यास्ताम्	कट्यासुः	प्र०
	कट्याः	कट्यास्तम्	कट्यास्त	म०
	कट्यासम्	कट्यास्व	कट्यास्म	उ०
(लुङ्)	अकटीत्	अकटिष्टाम्	अकटिषुः	प्र०
	अकटीः	अकटिष्टम्	अकटिष्ट	म०
	अकटिषम्	अकटिष्व	अकटिष्म	उ०
(लृङ्)	अकटिष्यत्	अकटिष्यताम्	अकटिष्यन्	प्र०
	अकटिष्यः	अकटिष्यतम्	अकटिष्यत	म०
	अकटिष्यम्	अकटिष्याव	अकटिष्याम	उ०

(७) कमु= इच्छा करना (आत्मनेपदी)

(लट्)	कामयते	कामयेते	कामयन्ते	प्र०
	कामयसे	कामयेथे	कामयध्वे	म०
	कामये	कामयावहे	कामयामहे	उ०

(लिट्)	कामयाञ्चक्रे	कामयाञ्चक्राते	कामयाञ्चक्रिरे	प्र०
	कामयाञ्चकृषे	कामयाञ्चक्राथे	कामयाञ्चकृढ्वे	म०
	कामयाञ्चक्रे	कामयाञ्चकृवहे	कामयाञ्चकृमहे	उ०
		अथवा		
	चकमे	चकमाते	चकमिरे	प्र०
	चकमिषे	चकमाथे	चकमिध्वे	म०
	चकमे	चकमिवहे	चकमिमहे	उ०
(लुट्)	कामयिता	कामयितारौ	कामयितारः	प्र०
	कामयितासे	कामयितासाथे	कामयिताध्वे	म०
	कामयिताहे	कामयितास्वहे	कामयितास्महे	उ०
		अथवा		
	कमिता	कमितारौ	कमितारः	प्र०
	कमितासे	कमितासाथे	कमिताध्वे	म०
	कमिताहे	कमितास्वहे	कमितास्महे	उ०
(लृट्)	कामयिष्यते	कामयिष्येते	कामयिष्यन्ते	प्र०
	कामयिष्यसे	कामयिष्येथे	कामयिष्यध्वे	म०
	कामयिष्ये	कामयिष्यावहे	कामयिष्यामहे	उ०
		अथवा		
	कमिष्यते	कमिष्येते	कमिष्यन्ते	प्र०
	कमिष्यसे	कमिष्येथे	कमिष्यध्वे	म०
	कमिष्ये	कमिष्यावहे	कमिष्यामहे	उ०

(लोट्)	कामयताम्	कामयेताम्	कामयन्ताम्	प्र०
	कामयस्व	कामयेथाम्	कामयध्वम्	म०
	कामये	कामयावहै	कामयामहै	उ०
(लङ्)	अकामयत	अकामयेताम्	अकामयन्त	प्र०
	अकामयथाः	अकामयेथाम्	अकामयध्वम्	म०
	अकामये	अकामयावहि	अकामयामहि	उ०
(वि. लि.)	कामयेत	कामयेयाताम्	कामयेरन्	प्र०
	कामयेथाः	कामयेयाथाम्	कामयेध्वम्	म०
	कामयेय	कामयेवहि	कामयेमहि	उ०
(आ. लि.)	कामयिषीष्ट	कामयिषीयास्ताम्	कामयिषीरन्	प्र०
	कामयिषीष्ठाः	कामयिषीयास्थाम्	कामयिषीढ्वम्	म०
	कामयिषीय	कामयिषीवहि	कामयिषीमहि	उ०
		अथवा		
	कमिषीष्ट	कमिषीयास्ताम्	कमिषीरन्	प्र०
	कमिषीष्ठाः	कमिषीयास्थाम्	कमिषीध्वम्	म०
	कमिषीय	कमिषीवहि	कमिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अचीकमत	अचीकमेताम्	अचीकमन्त	प्र०
	अचीकमथाः	अचीकमेथाम्	अचीकमध्वम्	म०
	अचीकमे	अचीकमावहि	अचीकमामहि	उ०
		अथवा		
	अचकमत	अचकमेताम्	अचकमन्त	प्र०
	अचकमथाः	अचकमेथाम्	अचकमध्वम्	म०
	अचकमे	अचकमावहि	अचकमामहि	उ०

(लृङ्)	अकामयिष्यत	अकामयिष्येताम्	अकामयिष्यन्त	प्र०
	अकामयिष्यथाः	अकामयिष्येथाम्	अकामयिष्यध्वम्	म०
	अकामयिष्ये	अकामयिष्यावहि	अकामयिष्यामहि	उ०

अथवा

	अकमिष्यत	अकमिष्येताम्	अकमिष्यन्त	प्र०
	अकमिष्यथाः	अकमिष्येथाम्	अकमिष्यध्वम्	म०
	अकमिष्ये	अकमिष्यावहि	अकमिष्यामहि	उ०

(८) कम्प=काँपना (आत्मनेपदी)

(लट्)	कम्पते	कम्पेते	कम्पन्ते	प्र०
	कम्पसे	कम्पेथे	कम्पध्वे	म०
	कम्पे	कम्पावहे	कम्पामहे	उ०
(लिट्)	चकम्पे	चकम्पाते	चकम्पिरे	प्र०
	चकम्पिषे	चकम्पाथे	चकम्पिध्वे	म०
	चकम्पे	चकम्पिवहे	चकम्पिमहे	उ०
(लुट्)	कम्पिता	कम्पितारौ	कम्पितारः	प्र०
	कम्पितासे	कम्पितासाथे	कम्पिताध्वे	म०
	कम्पिताहे	कम्पितास्वहे	कम्पितास्महे	उ०
(लृट्)	कम्पिष्यते	कम्पिष्येते	कम्पिष्यन्ते	प्र०
	कम्पिष्यसे	कम्पिष्येथे	कम्पिष्यध्वे	म०
	कम्पिष्ये	कम्पिष्यावहे	कम्पिष्यामहे	उ०
(लोट्)	कम्पताम्	कम्पेताम्	कम्पन्ताम्	प्र०
	कम्पस्व	कम्पेथाम्	कम्पध्वम्	म०
	कम्पै	कम्पावहै	कम्पामहै	उ०

(लङ्)	अकम्पत	अकम्पेताम्	अकम्पन्त	प्र०
	अकम्पथाः	अकम्पेथाम्	अकम्पध्वम्	म०
	अकम्पे	अकम्पावहि	अकम्पामहि	उ०
(वि. लि.)	कम्पेत	कम्पेयाताम्	कम्पेरन्	प्र०
	कम्पेथाः	कम्पेयाथाम्	कम्पेध्वम्	म०
	कम्पेय	कम्पेवहि	कम्पेमहि	उ०
(आ. लि.)	कम्पिषीष्ट	कम्पिषीयास्ताम्	कम्पिषीरन्	प्र०
	कम्पिषीष्ठाः	कम्पिषीयास्थाम्	कम्पिषीध्वम्	म०
	कम्पिषीय	कम्पिषीवहि	कम्पिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अकम्पिष्ट	अकम्पिषाताम्	अकम्पिषत	प्र०
	अकम्पिष्ठाः	अकम्पिषाथाम्	अकम्पिध्वम्	म०
	अकम्पिषि	अकम्पिष्वहि	अकम्पिष्महि	उ०
(लृङ्)	अकम्पिष्यत	अकम्पिष्येताम्	अकम्पिष्यन्त	प्र०
	अकयम्पिष्यथाः	अकम्पिष्येथाम्	अकम्पिध्वम्	म०
	अकम्पिष्ये	अकम्पिष्यावहि	अकम्पिष्यामहि	उ०

(९) काङ्क्ष=इच्छा करना (परस्मैपदी)

(लट्)	काङ्क्षति	काङ्क्षतः	काङ्क्षन्ति	प्र०
	काङ्क्षसि	काङ्क्षथः	काङ्क्षथ	म०
	काङ्क्षामि	काङ्क्षावः	काङ्क्षामः	उ०
(लिट्)	चकाङ्क्ष	चकाङ्क्षतुः	चकाङ्क्षुः	प्र०
	चकाङ्क्षिथ	चकाङ्क्षथुः	चकाङ्क्ष	म०
	चकाङ्क्ष	चकाङ्क्षिव	चकाङ्क्षिम	उ०

(लुट्)	काङ्क्षिता	काङ्क्षितारौ	काङ्क्षितारः	प्र०
	काङ्क्षितासि	काङ्क्षितास्थः	काङ्क्षितास्थ	म०
	काङ्क्षितास्मि	काङ्क्षितास्वः	काङ्क्षितास्मः	उ०
(लृट्)	काङ्क्षिष्यति	काङ्क्षिष्यतः	काङ्क्षिष्यन्ति	प्र०
	काङ्क्षिष्यसि	काङ्क्षिष्यथः	काङ्क्षिष्यथ	म०
	काङ्क्षिष्यामि	काङ्क्षिष्यावः	काङ्क्षिष्यामः	उ०
(लोट्)	काङ्क्षतु, तात्	काङ्क्षताम्	काङ्क्षन्तु	प्र०
	काङ्क्ष, तात्	काङ्क्षतम्	काङ्क्षत	म०
	काङ्क्षानि	काङ्क्षाव	काङ्क्षाम	उ०
(लङ्)	अकाङ्क्षत्	अकाङ्क्षताम्	अकाङ्क्षन्	प्र०
	अकाङ्क्षः	अकाङ्क्षतम्	अकाङ्क्षत	म०
	अकाङ्क्षम्	अकाङ्क्षाव	अकाङ्क्षाम	उ०
(वि. लि.)	काङ्क्षेत्	काङ्क्षेताम्	काङ्क्षेयुः	प्र०
	काङ्क्षेः	काङ्क्षेतम्	काङ्क्षेत	म०
	काङ्क्षेयम्	काङ्क्षेव	काङ्क्षेम	उ०
(आ. लि.)	काङ्क्ष्यात्	काङ्क्ष्यास्ताम्	काङ्क्ष्यासुः	प्र०
	काङ्क्ष्याः	काङ्क्ष्यास्तम्	काङ्क्ष्यास्त	म०
	काङ्क्ष्याम्	काङ्क्ष्याव	काङ्क्ष्याम	उ०
(लुङ्)	अकाङ्क्षीत्	अकाङ्क्षिष्टाम्	अकाङ्क्षिषुः	प्र०
	अकाङ्क्षीः	अकाङ्क्षिष्टम्	अकाङ्क्षिष्ट	म०
	अकाङ्क्षिषम्	अकाङ्क्षिष्व	अकाङ्क्षिष्म	उ०

(लृङ्)	अकाङ्क्षिष्यत्	अकाङ्क्षिष्यताम्	अकाङ्क्षिष्यन्	प्र०
	अकाङ्क्षिष्यः	अकाङ्क्षिष्यतम्	अकाङ्क्षिष्यत	म०
	अकाङ्क्षिष्यम्	अकाङ्क्षिष्याव	अकाङ्क्षिष्याम	उ०

(१०) काश्=चमकना (आत्मनेपदी)

(लट्)	काशते	काशेते	काशन्ते	
(लिट्)	चकाशे	चकाशाते	चकाशिरे	प्र०
	चकाशिषे	चकाशाथे	चकाशिध्वे	म०
	चकाशे	चकाशिवहे	चकाशिमहे	उ०
(लुट्)	काशिता	काशितारौ	काशितारः	
(लृट्)	काशिष्यते	काशिष्येते	काशिष्यन्ते	
(आ. लि.)	काशिषीष्ट	काशिषीयास्ताम्	काशिषीरन्	
(लुङ्)	अकाशिष्ट	अकाशिषाताम्	अकाशिषत	प्र०
	अकाशिष्ठाः	अकाशिषाथाम्	अकाशिढ्वम्	म०
	अकाशिषि	अकाशिष्वहि	अकाशिष्महि	उ०
(लृङ्)	अकाशिष्यत	अकाशिष्येताम्	अकाशिष्यन्त	

(११) कास्=खाँसना (आत्मनेपदी)

(लट्)	कासते	कासेते	कासन्ते	
(लिट्)	चकासे	चकासाते	चकासिरे	प्र०
	चकासिषे	चकासाथे	चकासिध्वे	म०
	चकासे	चकासिवहे	चकासिमहे	उ०
(लुट्)	कासिता	कासितारौ	कासितारः	

(लृट्)	कासिष्यते	कासिष्येते	कासिष्यन्ते	
(आ. लि.)	कासिषीष्ट	कासिषीयास्ताम्	कासिषीरन्	
(लुङ्)	अकासिष्ट	अकासिषाताम्	अकासिषत	
(लृङ्)	अकासिष्यत	अकासिष्येताम्	अकासिष्यन्त	

(१२) क्रन्द=रोना (परस्मैपदी)

(लट्)	क्रन्दति	क्रन्दतः	क्रन्दन्ति	
(लिट्)	चक्रन्द	चक्रन्दतुः	चक्रन्दुः	
(लुट्)	क्रन्दिता	क्रन्दितारौ	क्रन्दितारः	
(लृट्)	क्रन्दिष्यति	क्रन्दिष्यतः	क्रन्दिष्यन्ति	
(लोट्)	क्रन्दतु, तात्	क्रन्दताम्	क्रन्दतु	
(आ. लि.)	क्रन्द्यात्	क्रन्द्यास्ताम्	•क्रन्द्यासुः	
(लुङ्)	अक्रन्दीत्	अक्रन्दिष्टाम्	अक्रन्दिषुः	प्र०
	अक्रन्दीः	अक्रन्दिष्टम्	अक्रन्दिष्ट	म०
	अक्रन्दिषम्	अक्रन्दिष्व	अक्रन्दिष्म	उ०
(लृङ्)	अक्रन्दिष्यत्	अक्रन्दिष्यताम्	अक्रन्दिष्यन्	

(१३) क्रम=चलना (परस्मैपदी)

(लट्)	क्राम्यति	क्राम्यतः	क्राम्यन्ति	प्र०
	क्राम्यसि	क्राम्यथः	क्राम्यथ	म०
	क्राम्यामि	क्राम्यावः	क्राम्यामः	उ०

अथवा

	क्रामति	क्रामतः	क्रामन्ति	प्र०
	क्रामसि	क्रामथः	क्रामथ	म०
	क्रामामि	क्रामावः	क्रामामः	उ०

(लिट्)	चक्राम	चक्रमतुः	चक्रमुः	प्र०
	चक्रमिथ	चक्रमथुः	चक्रम	म०
	चक्राम, चक्रम	चक्रमिव	चक्रमिम	उ०
(लुट्)	क्रमिता	क्रमितारौ	क्रमितारः	प्र०
	क्रमितासि	क्रमितास्थः	क्रमितास्थ	म०
	क्रमितास्मि	क्रमितास्वः	क्रमितास्मः	उ०
(लृट्)	क्रमिष्यति	क्रमिष्यतः	क्रमिष्यन्ति	प्र०
	क्रमिष्यसि	क्रमिष्यथः	क्रमिष्यथ	म०
	क्रमिष्यामि	क्रमिष्यावः	क्रमिष्यामः	उ०
(लोट्)	क्राम्यतु, तात्	क्राम्यताम्	क्राम्यन्तु	प्र०
	क्राम्य, तात्	क्राम्यतम्	क्राम्यत	म०
	क्राम्याणि	क्राम्याव	क्राम्याम	उ०

अथवा

	क्रामतु, तात्	क्रामताम्	क्रामन्तु	प्र०
	क्राम, तात्	क्रामतम्	क्रामत	म०
	क्रामाणि	क्रामाव	क्रामाम	उ०
(लङ्)	अक्राम्यत्	अक्राम्यताम्	अक्राम्यन्	प्र०
	अक्राम्यः	अक्राम्यतम्	अक्राम्यत	म०
	अक्राम्यम्	अक्राम्याव	अक्राम्याम	उ०

अथवा

	अक्रामत्	अक्रामताम्	अक्रामन्	प्र०
	अक्रामः	अक्रामतम्	अक्रामत	म०
	अक्रामम्	अक्रामाव	अक्रामाम	उ०
(वि.लि.)	क्राम्येत्	क्राम्येताम्	क्राम्येयुः	प्र०
	क्राम्येः	क्राम्येतम्	क्राम्येत	म०
	क्राम्येयम्	क्राम्येव	क्राम्येम	उ०

अथवा

	क्रामेत्	क्रामेताम्	क्रामेयुः	प्र०
	क्रामेः	क्रामेतम्	क्रामेत	म०
	क्रामेयम्	क्रामेव	क्रामेम	उ०
(आ.लि.)	क्रम्यात्	क्रम्यास्ताम्	क्रम्यासुः	प्र०
	क्रम्याः	क्रम्यास्तम्	क्रम्यास्त	म०
	क्रम्यासम्	क्रम्यास्व	क्रम्यास्म	उ०
(लुङ्)	अक्रमीत्	अक्रमिष्टाम्	अक्रमिषुः	प्र०
	अक्रमीः	अक्रमिष्टम्	अक्रमिष्ट	म०
	अक्रमिषम्	अक्रमिष्व	अक्रमिष्म	उ०
(लृङ्)	अक्रमिष्यत्	अक्रमिष्यताम्	अक्रमिष्यन्	प्र०
	अक्रमिष्यः	अक्रमिष्यतम्	अक्रमिष्यत	म०
	अक्रमिष्यम्	अक्रमिष्याव	अक्रमिष्याम	उ०

(१४) क्रीड्=खेलना (परस्मैपदी)

(लट्)	क्रीडति	क्रीडतः	क्रीडन्ति	प्र०
	क्रीडसि	क्रीडथः	क्रीडथ	म०
	क्रीडामि	क्रीडावः	क्रीडामः	उ०
(लिट्)	चिक्रीड	चिक्रीडतुः	चिक्रीडुः	प्र०
	चिक्रीडिथ	चिक्रीडथुः	चिक्रीड	म०
	चिक्रीड	चिक्रीडिव	चिक्रीडिम	उ०
(लुट्)	क्रीडिता	क्रीडितारौ	क्रीडितारः	प्र०
	क्रीडितासि	क्रीडितास्थः	क्रीडितास्थ	म०
	क्रीडितास्मि	क्रीडितास्वः	क्रीडितास्मः	उ०
(लृट्)	क्रीडिष्यति	क्रीडिष्यतः	क्रीडिष्यन्ति	प्र०
	क्रीडिष्यसि	क्रीडिष्यथः	क्रीडिष्यथ	म०
	क्रीडिष्यामि	क्रीडिष्यावः	क्रीडिष्यामः	उ०
(लोट्)	क्रीडतु, तात्	क्रीडताम्	क्रीडन्तु	प्र०
	क्रीड, तात्	क्रीडतम्	क्रीडत	म०
	क्रीडानि	क्रीडाव	क्रीडाम	उ०
(लङ्)	अक्रीडत्	अक्रीडताम्	अक्रीडन्	प्र०
	अक्रीडः	अक्रीडतम्	अक्रीडत	म०
	अक्रीडम्	अक्रीडाव	अक्रीडाम	उ०
(वि.लि.)	क्रीडेत्	क्रीडेताम्	क्रीडेयुः	प्र०
	क्रीडेः	क्रीडेतम्	क्रीडेत	म०
	क्रीडेयम्	क्रीडेव	क्रीडेम	उ०

(आ. लि.)	क्रीड्यात्	क्रीड्यास्ताम्	क्रीड्यासुः	प्र०
	क्रीडेयाः	क्रीड्यास्तम्	क्रीड्यास्त	म०
	क्रीड्यासम्	क्रीड्यास्व	क्रीड्यास्म	उ०
(लुङ्)	अक्रीडीत्	अक्रीडिष्टाम्	अक्रीडिषुः	प्र०
	अक्रीडीः	अक्रीडिष्टम्	अक्रीडिष्ट	म०
	अक्रीडिषम्	अक्रीडिष्व	अक्रीडिष्म	उ०
(लृङ्)	अक्रीडिष्यत्	अक्रीडिष्यताम्	अक्रीडिष्यन्	प्र०
	अक्रीडिष्यः	अक्रीडिष्यतम्	अक्रीडिष्यत	म०
	अक्रीडिष्यम्	अक्रीडिष्याव	अक्रीडिष्याम	उ०

(१५) क्रुश्=चिल्लाना, रोना (परस्मैपदी)

(लट्)	क्रोशति	क्रोशतः	क्रोशन्ति	
(लिट्)	चुक्रोश	चुक्रुशतुः	चुक्रुशुः	प्र०
	चुक्रोशिथ	चुक्रुशथुः	चुक्रुश	म०
	चुक्रोश	चुक्रुशिव	चुक्रुशिम	उ०
(लुट्)	क्रोष्टा	क्रोष्टारौ	क्रोष्टारः	
(लृट्)	क्रोक्ष्यति	क्रोक्ष्यतः	क्रोक्ष्यन्ति	
(लोट्)	क्रोशतु	क्रोशताम्	क्रोशन्तु	
(लङ्)	अक्रोशत्	अक्रोशताम्	अक्रोशन्	
(वि. लि.)	क्रोशेत्	क्रोशेताम्	क्रोशेयुः	
(आ. लि.)	क्रुश्यात्	क्रुश्यास्ताम्	क्रुश्यासुः	

(लुङ्)	अक्रुशत्	अक्रुशताम्	अक्रुशन्	प्र०
	अक्रुशः	अक्रुशतम्	अक्रुशत	म०
	अक्रुशम्	अक्रुशाव	अक्रुशाम	उ०
(लृङ्)	अक्रोक्ष्यत्	अक्रोक्ष्यताम्	अक्रोक्ष्यन्	

(१६) क्षम्=क्षमा करना (आत्मनेपदी)

(लट्)	क्षमते	क्षमेते	क्षमन्ते	
(लिट्)	चक्षमे	चक्षमाते	चक्षमिरे	प्र०
	[चक्षमिषे, चक्षसे	चक्षमाथे	[चक्षमिध्वे, चक्षन्ध्वे	म०
	चक्षमे	[चक्षमिवहे, चक्षण्वहे	[चक्षमिमहे, चक्षण्महे	उ०

क्षम् = क्षमा करना (परस्मैपदी)

(लट्)	क्षाम्यति	क्षाम्यतः	क्षाम्यन्ति	प्र०
	क्षाम्यसि	क्षाम्यथः	क्षाम्यथ	म०
	क्षाम्यामि	क्षाम्यावः	क्षाम्यामः	उ०
(लिट्)	चक्षाम	चक्षमतुः	चक्षमुः	प्र०
	चक्षमिथ, चक्षन्थ	चक्षमथुः	चक्षम	म०
	[चक्षाम चक्षम	[चक्षमिव चक्षण्व	[चक्षमिम चक्षण्म	उ०

(लुट्)	क्षमिता, क्षन्ता	क्षमितारौ	क्षमितारः	प्र०
	क्षमितासि	क्षमितास्थः	क्षमितास्थ	म०
	क्षमितास्मि	क्षमितास्वः	क्षमितास्मः	उ०
(लृट्)	क्षमिष्यति	क्षमिष्यतः	क्षमिष्यन्ति	प्र०
	क्षमिष्यसि	क्षमिष्यथः	क्षमिष्यथ	म०
	क्षमिष्यामि	क्षमिष्यावः	क्षमिष्यामः	उ०

अथवा

	क्षंस्यति	क्षंस्यतः	क्षंस्यन्ति	प्र०
	क्षंस्यसि	क्षंस्यथः	क्षंस्यथ	म०
	क्षंस्यामि	क्षंस्यावः	क्षंस्यामः	उ०
(लोट्)	क्षाम्यतु, तात्	क्षाम्यताम्	क्षाम्यन्तु	प्र०
	क्षाम्य, तात्	क्षाम्यतम्	क्षाम्यत	म०
	क्षाम्यानि	क्षाम्याव	क्षाम्याम	उ०
(लङ्)	अक्षाम्यत्	अक्षाम्यताम्	अक्षाम्यन्	प्र०
	अक्षाम्यः	अक्षाम्यतम्	अक्षाम्यत	म०
	अक्षाम्यम्	अक्षाम्याव	अक्षाम्याम	उ०
(वि. लि.)	क्षाम्येत्	क्षाम्येताम्	क्षाम्येयुः	प्र०
	क्षाम्येः	क्षाम्येतम्	क्षाम्येत	म०
	क्षाम्येयम्	क्षाम्येव	क्षाम्येम	उ०
(आ. लि.)	क्षम्यात्	क्षम्यास्ताम्	क्षम्यासुः	प्र०
	क्षम्याः	क्षम्यास्तम्	क्षम्यास्त	म०
	क्षम्यासम्	क्षम्यास्व	क्षम्यास्म	उ०

(लुङ्)	अक्षमत्	अक्षमताम्	अक्षमन्	प्र०
	अक्षमः	अक्षमतम्	अक्षमत	म०
	अक्षमम्	अक्षमाव	अक्षमाम	उ०
(लृङ्)	अक्षमिष्यत्	अक्षमिष्यताम्	अक्षमिष्यन्	प्र०
	अक्षमिष्यः	अक्षमिष्यतम्	अक्षमिष्यत	म०
	अक्षमिष्यम्	अक्षमिष्याव	अक्षमिष्याम	उ०

अथवा

	अक्षंस्यत्	अक्षंस्यताम्	अक्षंस्यन्	प्र०
	अक्षंस्यः	अक्षंस्यतम्	अक्षंस्यत	म०
	अक्षंस्यम्	अक्षंस्याव	अक्षंस्याम	उ०

(१७) क्षि=नष्ट होना (परस्मैपदी)

(लट्)	क्षयति	क्षयतः	क्षयन्ति	प्र०
	क्षयसि	क्षयथः	क्षयथ	म०
	क्षयामि	क्षयावः	क्षयामः	उ०
(लिट्)	चिक्षाय	चिक्षियतुः	चिक्षियुः	प्र०
	चिक्षियिथ, चिक्षेथ	चिक्षियथुः	चिक्षिय	म०
	चिक्षाय, चिक्षय	चिक्षियिव	चिक्षियिम	उ०
(लुट्)	क्षेता	क्षेतारौ	क्षेतारः	प्र०
	क्षेतासि	क्षेतास्थः	क्षेतास्थ	म०
	क्षेतास्मि	क्षेतास्वः	क्षेतास्मः	उ०

(लृट्)	क्षेष्यति	क्षेष्यतः	क्षेष्यन्ति	प्र०
	क्षेष्यसि	क्षेष्यथः	क्षेष्यथ	म०
	क्षेष्यामि	क्षेष्यावः	क्षेष्यामः	उ०
(लोट्)	क्षयतु, तात्	क्षयताम्	क्षयन्तु	प्र०
	क्षय, तात्	क्षयतम्	क्षयत	म०
	क्षयाणि	क्षयाव	क्षयाम	उ०
(लङ्)	अक्षयत्	अक्षयताम्	अक्षयन्	प्र०
	अक्षयः	अक्षयतम्	अक्षयत	म०
	अक्षयम्	अक्षयाव	अक्षयाम	उ०
(वि. लि.)	क्षयेत्	क्षयेताम्	क्षयेयुः	प्र०
	क्षयेः	क्षयेतम्	क्षयेत	म०
	क्षयेयम्	क्षयेव	क्षयेम	उ०
(आ. लि.)	क्षीयात्	क्षीयास्ताम्	क्षीयासुः	प्र०
	क्षीयाः	क्षीयास्तम्	क्षीयास्त	म०
	क्षीयासम्	क्षीयास्व	क्षीयास्म	उ०
(लुङ्)	अक्षैषीत्	अक्षैष्टाम्	अक्षैषुः	प्र०
	अक्षैषीः	अक्षैष्टम्	अक्षैष्ट	म०
	अक्षैषम्	अक्षैष्व	अक्षैष्म	उ०
(लृङ्)	अक्षेष्यत्	अक्षेष्यताम्	अक्षेष्यन्	प्र०
	अक्षेष्यः	अक्षेष्यतम्	अक्षेष्यत	म०
	अक्षेष्यम्	अक्षेष्याव	अक्षेष्याम	उ०

(१८) क्षुभ=घबडाना (आत्मनेपदी)

(लट्)	क्षोभते	क्षोभेते	क्षोभन्ते	प्र०
	क्षोभसे	क्षोभेथे	क्षोभध्वे	म०
	क्षोभे	क्षोभावहे	क्षोभामहे	उ०
(लिट्)	चुक्षुभे	चुक्षुभाते	चुक्षुभिरे	प्र०
	चुक्षुभिषे	चुक्षुभाथे	चुक्षुभिध्वे	म०
	चुक्षुभे	चुक्षुभिवहे	चुक्षुभिमहे	उ०
(लुट्)	क्षोभिता	क्षोभितारौ	क्षोभितारः	प्र०
	क्षोभितासे	क्षोभितासाथे	क्षोभिताध्वे	म०
	क्षोभिताहे	क्षोभितास्वहे	क्षोभितास्महे	उ०
(लृट्)	क्षोभिष्यते	क्षोभिष्येते	क्षोभिष्यन्ते	प्र०
	क्षोभिष्यसे	क्षोभिष्येथे	क्षोभिष्यध्वे	म०
	क्षोभिष्ये	क्षोभिष्यावहे	क्षोभिष्यामहे	उ०
(लोट्)	क्षोभताम्	क्षोभेताम्	क्षोभन्ताम्	प्र०
	क्षोभस्व	क्षोभेथाम्	क्षोभध्वम्	म०
	क्षोभै	क्षोभावहै	क्षोभामहै	उ०
(लङ्)	अक्षोभत	अक्षोभेताम्	अक्षोभन्त	प्र०
	अक्षोभथाः	अक्षोभेथाम्	अक्षोभध्वम्	म०
	अक्षोभे	अक्षोभावहि	अक्षोभामहि	उ०
(वि. लि.)	क्षोभेत	क्षोभेयाताम्	क्षोभेरन्	प्र०
	क्षोभेथाः	क्षोभेयाथाम्	क्षोभेध्वम्	म०
	क्षोभेय	क्षोभेवहि	क्षोभेमहि	उ०

(आ. लि.)	क्षोभिषीष्ट	क्षोभिषीयास्ताम्	क्षोभिषीरन्	प्र०
	क्षोभिषीष्ठाः	क्षोभिषीयास्थाम्	क्षोभिषीध्वम्	म०
	क्षोभिषीय	क्षोभिषीवहि	क्षोभिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अक्षुभत्	अक्षुभताम्	अक्षुभन्	प्र०
	अक्षुभः	अक्षुभतम्	अक्षुभत	म०
	अक्षुभम्	अक्षुभाव	अक्षुभाम	उ०

अथवा

	अक्षोभिष्ट	अक्षोभिषाताम्	अक्षोभिषत	प्र०
	अक्षोभिष्ठाः	अक्षोभिषाथाम्	अक्षोभिढ्वम्	म०
	अक्षोभिषि	अक्षोभिष्वहि	अक्षोभिष्महि	उ०
(लृङ्)	अक्षोभिष्यत	अक्षोभिष्येताम्	अक्षोभिष्यन्त	प्र०
	अक्षोभिष्यथाः	अक्षोभिष्येथाम्	अक्षोभिष्यध्वम्	म०
	अक्षोभिष्ये	अक्षोभिष्यावहि	अक्षोभिष्यामहि	उ०

(१९) खन्=खोदना (परस्मैपदी)

(लट्)	खनति	खनतः	खनन्ति	
(लिट्)	चखान	चख्नतुः	चख्नुः	प्र०
	चखनिथ	चख्नथुः	चख्न	म०
	चखान, चखन	चख्निव	चख्निम	उ०
(लुट्)	खनिता	खनितारौ	खनितारः	
(लृट्)	खनिष्यति	खनिष्यतः	खनिष्यन्ति	
(लोट्)	खनतु, तात्	खनताम्	खनन्तु	

(आ. लि.)	खायात्	खायाताम्	खायुः	प्र०
	खन्यात्	खन्याताम्	खन्युः	म०
(लुङ्)	अखनीत्,	अखनिष्टाम्	अखनिषुः,	
	अखानीत्	अखानिष्टाम्	अखानिषुः	
(लृङ्)	अखनिष्यत्	अखनिष्यताम्	अखनिष्यन्	

खन्=खोदना (आत्मनेपदी)

(लट्)	खनते	खनेते	खनन्ते	
(लिट्)	चख्ने	चख्नाते	चख्निरे	प्र०
	चख्निषे	चख्नाथे	चख्निध्वे	म०
	चख्ने	चख्निवहे	चख्निमहे	उ०
(लृट्)	खनिष्यते	खनिष्येते	खनिष्यन्ते	
(आ. लि.)	खनिषीष्ट	खनिषीयास्ताम्	खनिषीरन्	
(लुङ्)	अखनिष्ट	अखनिषाताम्	अखनिषत	
(लृङ्)	अखनिष्यत	अखनिष्येताम्	अखनिष्यन्त	

(२०) गद=स्पष्ट बोलना (परस्मैपदी)

(लट्)	गदति	गदतः	गदन्ति	प्र०
	गदसि	गदथः	गदथ	म०
	गदामि	गदावः	गदामः	उ०
(लिट्)	जगाद	जगदतुः	जगदुः	प्र०
	जगदिथ	जगदथुः	जगद	म०
	जगाद-जगद	जगदिव	जगदिम	उ०
(लुट्)	गदिता	गदितारौ	गदितारः	प्र०
	गदितासि	गदितास्थः	गदितास्थ	म०
	गदितास्मि	गदितास्वः	गदितास्मः	उ०

(लृट्)	गदिष्यति	गदिष्यतः	गदिष्यन्ति	प्र०
	गदिष्यसि	गदिष्यथः	गदिष्यथ	म०
	गदिष्यामि	गदिष्यावः	गदिष्यामः	उ०
(लोट्)	गदतु, तात्	गदताम्	गदन्तु	प्र०
	गद, तात्	गदतम्	गदत	म०
	गदानि	गदाव	गदाम	उ०
(लङ्)	अगदत्	अगदताम्	अगदन्	प्र०
	अगदः	अगदतम्	अगदत	म०
	अगदम्	अगदाव	अगदाम	उ०
(वि. लि.)	गदेत्	गदेताम्	गदेयुः	प्र०
	गदेः	गदेतम्	गदेत	म०
	गदेयम्	गदेव	गदेम	उ०
(आ. लि.)	गद्यात्	गद्यास्ताम्	गद्यासुः	प्र०
	गद्याः	गद्यास्तम्	गद्यास्त	म०
	गद्यासम्	गद्यास्व	गद्यास्म	उ०
(लुङ्)	अगादीत्	अगादिष्टाम्	अगादिषुः	प्र०
	अगादीः	अगादिष्टम्	अगादिष्ट	म०
	अगादिषम्	अगादिष्व	अगादिष्म	उ०
		अथवा		
	अगदीत्	अगदिष्टाम्	अगदिषुः	प्र०
	अगदीः	अगदिष्टम्	अगदिष्ट	म०
	अगदिषम्	अगदिष्व	अगदिष्म	उ०

(लृङ्)	अगदिष्यत्	अगदिष्यताम्	अगदिष्यन्	प्र०
	अगदिष्यः	अगदिष्यतम्	अगदिष्यत	म०
	अगदिष्यम्	अगदिष्याव	अगदिष्याम	उ०

(२१) गम्=जाना (परस्मैपदी)

(लट्)	गच्छति	गच्छतः	गच्छन्ति	प्र०
	गच्छसि	गच्छथः	गच्छथ	म०
	गच्छामि	गच्छावः	गच्छामः	उ०
(लिट्)	जगाम	जग्मतुः	जग्मुः	प्र०
	जगमिथ, जगन्थ	जग्मथुः	जग्म	म०
	जगाम, जगम	जग्मिव	जग्मिम	उ०
(लुट्)	गन्ता	गन्तारौ	गन्तारः	प्र०
	गन्तासि	गन्तास्थः	गन्तास्थ	म०
	गन्तास्मि	गन्तास्वः	गन्तास्मः	उ०
(लृट्)	गमिष्यति	गमिष्यतः	गमिष्यन्ति	प्र०
	गमिष्यसि	गमिष्यथः	गमिष्यथ	म०
	गमिष्यामि	गमिष्यावः	गमिष्यामः	उ०
(लोट्)	गच्छतु, तात्	गच्छताम्	गच्छन्तु	प्र०
	गच्छ, तात्	गच्छतम्	गच्छत	म०
	गच्छानि	गच्छाव	गच्छाम	उ०
(लङ्)	अगच्छत्	अगच्छताम्	अगच्छन्	प्र०
	अगच्छः	अगच्छतम्	अगच्छत	म०
	अगच्छम्	अगच्छाव	अगच्छाम	उ०

(वि.लि.)	गच्छेत्	गच्छेताम्	गच्छेयुः	प्र०
	गच्छेः	गच्छेतम्	गच्छेत	म०
	गच्छेयम्	गच्छेव	गच्छेम	उ०
(आ.लि.)	गम्यात्	गम्यास्ताम्	गम्यासुः	प्र०
	गम्याः	गम्यास्तम्	गम्यास्त	म०
	गम्यासम्	गम्यास्व	गम्यास्म	उ०
(लुङ्)	अगमत्	अगमताम्	अगमन्	प्र०
	अगमः	अगमतम्	अगमत	म०
	अगमम्	अगमाव	अगमाम	उ०
(लृङ्)	अगमिष्यत्	अगमिष्यताम्	अगमिष्यन्	प्र०
	अगमिष्यः	अगमिष्यतम्	अगमिष्यत	म०
	अगमिष्यम्	अगमिष्याव	अगमिष्याम	उ०

(२२) गुप्=रक्षा करना (परस्मैपदी)

(लट्)	गोपायति	गोपायतः	गोपायन्ति	प्र०
	गोपायसि	गोपायथः	गोपायथ	म०
	गोपायामि	गोपायावः	गोपायामः	उ०
(लिट्)	गोपायाञ्चकार	गोपायाञ्चक्रतुः	गोपायाञ्चक्रुः	प्र०
	गोपायाञ्चकर्थ	गोपायाञ्चक्रथुः	गोपायाञ्चक्र	म०
	[गोपायाञ्चकार, गोपायाञ्चकर	गोपायाञ्चकृव	गोपायाञ्चकृम	उ०

इसी प्रकार-गोपायामास-गोपायाम्बभूव। अथवा

	जुगोप	जुगुपतुः	जुगुपुः	प्र०
	जुगोपिथ-जुगोप्थ	जुगुपथुः	जुगुप	म०
	जुगोप	जुगुपिव-जुगुप्व	जुगुपिम-जुगुप्म	उ०
(लुट्)	गोपायिता	गोपायितारौ	गोपायितारः	प्र०
	गोपयितासि	गोपायितास्थः	गोपायितास्थ	म०
	गोपायितास्मि	गोपायितास्वः	गोपायितास्मः	उ०

अथवा

गोपिता	गोपितारौ	गोपितारः	प्र०
गोपितासि	गोपितास्थः	गोपितास्थ	म०
गोपितास्मि	गोपितास्वः	गोपितास्मः	उ०

अथवा

	गोप्ता	गोप्तारौ	गोप्तारः	प्र०
	गोप्तासि	गोप्तास्थः	गोप्तास्थ	म०
	गोप्तास्मि	गोप्तास्वः	गोप्तास्मः	उ०
(लृट्)	गोपायिष्यति	गोपायिष्यतः	गोपायिष्यन्ति	प्र०
	गोपायिष्यसि	गोपायिष्यथः	गोपायिष्यथ	म०
	गोपायिष्यामि	गोपायिष्यावः	गोपायिष्यामः	उ०

अथवा

गोपिष्यति	गोपिष्यतः	गोपिष्यन्ति	प्र०
गोपिष्यसि	गोपिष्यथः	गोपिष्यथ	म०
गोपिष्यामि	गोपिष्यावः	गोपिष्यामः	उ०

अथवा

	गोप्स्यति	गोप्स्यतः	गोप्स्यन्ति	प्र०
	गोप्स्यसि	गोप्स्यथः	गोप्स्यथ	म०
	गोप्स्यामि	गोप्स्यावः	गोप्स्यामः	उ०
(लोट्)	गोपायतु, तात्	गोपायताम्	गोपायन्तु	प्र०
	गोपाय, तात्	गोपायतम्	गोपायत	म०
	गोपायानि	गोपायाव	गोपायाम	उ०
(लङ्)	अगोपायत्	अगोपायताम्	अगोपायन्	प्र०
	अगोपायः	अगोपायतम्	अगोपायत	म०
	अगोपायम्	अगोपायाव	अगोपायाम	उ०
(वि. लि.)	गोपायेत्	गोपायेताम्	गोपायेयुः	प्र०
	गोपायेः	गोपायेतम्	गोपायेत	म०
	गोपायेयम्	गोपायेव	गोपायेम	उ०
(आ. लि.)	गोपाय्यात्	गोपाय्यास्ताम्	गोपाय्यासुः	प्र०
	गोपाय्याः	गोपाय्यास्तम्	गोपाय्यास्त	म०
	गोपाय्यासम्	गोपाय्यास्व	गोपाय्यास्म	उ०

अथवा

गुप्यात्	गुप्यास्ताम्	गुप्यासुः	प्र०
गुप्याः	गुप्यास्तम्	गुप्यास्त	म०
गुप्यासम्	गुप्यास्व	गुप्यास्म	उ०

(लुङ्)	अगोपायीत्	अगोपायिष्टाम्	अगोपायिषुः	प्र०
	अगोपायीः	अगोपायिष्टम्	अगोपायिष्ट	म०
	अगोपायिषम्	अगोपायिष्व	अगोपायिष्म	उ०

अथवा

अगोपीत्	अगोपिष्टाम्	अगोपिषुः	प्र०
अगोपीः	अगोपिष्टम्	अगोपिष्ट	म०
अगोपिषम्	अगोपिष्व	अगोपिष्म	उ०

अथवा

अगौप्सीत्	अगौप्ताम्	अगौप्सुः	प्र०
अगौप्सीः	अगौप्तम्	अगौप्त	म०
अगौप्सम्	अगौप्स्व	अगौप्स्म	उ०

(लृङ्)	अगोपायिष्यत्	अगोपायिष्यताम्	अगोपायिष्यन्	प्र०
	अगोपायिष्यः	अगोपायिष्यतम्	अगोपायिष्यत	म०
	अगोपायिष्यम्	अगोपायिष्याव	अगोपायिष्याम	उ०

अथवा

अगोपिष्यत्	अगोपिष्यताम्	अगोपिष्यन्	प्र०
अगोपिष्यः	अगोपापिष्यतम्	अगोपिष्यत	म०
अगोपिष्यम्	अगोपिष्याव	अगोपिष्याम	उ०

अथवा

अगोप्स्यत्	अगोप्स्यताम्	अगोप्स्यन्	प्र०
अगोप्स्यः	अगोप्स्यतम्	अगोप्स्यत	म०
अगोप्स्यम्	अगोप्स्याव	अगोप्स्याम	उ०

(२३) ग्लै=उदास होना (परस्मैपदी)

(लट्)	ग्लायति	ग्लायतः	ग्लायन्ति	प्र०
	ग्लायसि	ग्लायथः	ग्लायथ	म०
	ग्लायामि	ग्लायावः	ग्लायामः	उ०
(लिट्)	जग्लौ	जग्लतुः	जग्लुः	प्र०
	जग्लिथ, जग्लाथ	जग्लथुः	जग्ल	म०
	जग्लौ	जग्लिव	जग्लिम	उ०
(लुट्)	ग्लाता	ग्लातारौ	ग्लातारः	प्र०
	ग्लातासि	ग्लातास्थः	ग्लातास्थ	म०
	ग्लातास्मि	ग्लातास्वः	ग्लातास्मः	उ०
(लृट्)	ग्लास्यति	ग्लास्यतः	ग्लास्यन्ति	प्र०
	ग्लास्यसि	ग्लास्यथः	ग्लास्यथ	म०
	ग्लास्यामि	ग्लास्यावः	ग्लास्यामः	उ०
(लोट्)	ग्लायतु, तात्	ग्लायताम्	ग्लायन्तु	प्र०
	ग्लाय, तात्	ग्लायतम्	ग्लायत	म०
	ग्लायानि	ग्लायाव	ग्लायाम	उ०
(लङ्)	अग्लायत्	अग्लायताम्	अग्लायन्	प्र०
	अग्लायः	अग्लायतम्	अग्लायत	म०
	अग्लायम्	अग्लायाव	अग्लायाम	उ०
(वि.लि.)	ग्लायेत्	ग्लायेताम्	ग्लायेयुः	प्र०
	ग्लायेः	ग्लायेतम्	ग्लायेत	म०
	ग्लायेयम्	ग्लायेव	ग्लायेम	उ०

(आ.लि.)	ग्लेयात्	ग्लेयास्ताम्	ग्लेयासुः	प्र०
	ग्लेयाः	ग्लेयास्तम्	ग्लेयास्त	म०
	ग्लेयासम्	ग्लायास्व	ग्लेयास्म	उ०
		अथवा		
	ग्लायात्	ग्लायास्ताम्	ग्लायासुः	प्र०
	ग्लायाः	ग्लायास्ताम्	ग्लायास्त	म०
	ग्लायासम्	ग्लायास्व	ग्लायास्म	उ०
(लुङ्)	अग्लासीत्	अग्लासिष्टाम्	अग्लासिषुः	प्र०
	अग्लासीः	अग्लासिष्टम्	अग्लासिष्ट	म०
	अग्लासिषम्	अग्लासिष्व	अग्लासिष्म	उ०
(लृङ्)	अग्लास्यत्	अग्लास्यताम्	अग्लास्यन्	प्र०
	अग्लास्यः	अग्लास्यतम्	अग्लास्यत	म०
	अग्लास्यम्	अग्लास्याव	अग्लास्याम	उ०

(२४) घुट=घोटना (आत्मनेपदी)

(लट्)	घोटते	घोटेते	घोटन्ते	प्र०
	घोटसे	घोटेथे	घोटध्वे	म०
	घोटे	घोटावहे	घोटामहे	उ०
(लिट्)	जुघुटे	जुघुटाते	जुघुटिरे	प्र०
	जुघुटिषे	जुघुटाथे	जुघुटिध्वे	म०
	जुघुटे	जुघुटिवहे	जुघुटिमहे	उ०

(लुट्)	घोटिता	घोटितारौ	घोटितारः	प्र०
	घोटितासे	घोटितासाथे	घोटिताध्वे	म०
	घोटिताहे	घोटितास्वहे	घोटितास्महे	उ०
(लृट्)	घोटिष्यते	घोटिष्येते	घोटिष्यन्ते	प्र०
	घोटिष्यसे	घोटिष्येथे	घोटिष्यध्वे	म०
	घोटिष्ये	घोटिष्यावहे	घोटिष्यामहे	उ०
(लोट्)	घोटताम्	घोटेताम्	घोटन्ताम्	प्र०
	घोटस्व	घोटेथाम्	घोटध्वम्	म०
	घोटै	घोटावहै	घोटामहै	उ०
(लङ्)	अघोटत	अघोटेताम्	अघोटन्त	प्र०
	अघोटथाः	अघोटेथाम्	अघोटध्वम्	म०
	अघोटे	अघोटावहि	अघोटामहि	उ०
(वि. लि.)	घोटेत	घोटेयाताम्	घोटेरन्	प्र०
	घोटेथाः	घोटेयाथाम्	घोटेध्वम्	म०
	घोटेय	घोटेवहि	घोटेमहि	उ०
(आ. लि.)	घोटिषीष्ट	घोटिषीयास्ताम्	घोटिषीरन्	प्र०
	घोटिषीष्ठाः	घोटिषीयास्थाम्	घोटिषीध्वम्	म०
	घोटिषीय	घोटिषीवहि	घोटिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अघुटत्	अघुटताम्	अघुटन्	प्र०
	अघुटः	अघुटतम्	अघुटत	म०
	अघुटम्	अघुटाव	अघुटाम	उ०

अथवा

	अघोटिष्ट	अघोटिषाताम्	अघोटिषत	प्र०
	अघोटिष्ठाः	अघोटिषाथाम्	अघोटिढ्वम्	म०
	अघोटिषि	अघोटिष्वहि	अघोटिष्महि	उ०
(लृङ्)	अघोटिष्यत	अघोटिष्येताम्	अघोटिष्यन्त	प्र०
	अघोटिष्यथाः	अघोटिष्येथाम्	अघोटिष्यध्वम्	म०
	अघोटिष्ये	अघोटिष्यावहि	अघोटिष्यामहि	उ०

(२५) चल्=चलना (परस्मैपदी)

(लट्)	चलति	चलतः	चलन्ति	
(लिट्)	चचाल	चेलतुः	चेलुः	प्र०
	चेलिथ	चेलथुः	चेल	म०
	चचाल, चचल	चेलिव	चेलिम	उ०
(लुट्)	चलिता	चलितारौ	चलितारः	
(लृट)	चलिष्यति	चलिष्यतः	चलिष्यन्ति	
(लोट्)	चलतु, तात्	चलताम्	चलन्तु	
(लङ्)	अचलत्	अचलताम्	अचलन्	
(वि. लि.)	चलेत्	चलेताम्	चलेयुः	
(आ. लि)	चल्यात्	चल्याताम्	चल्यासुः	
(लुङ्)	अचालीत्	अचालिष्टाम्	अचालिषुः	
(लृङ्)	अचलिष्यत्	अचलिष्यताम्	अचलिष्यन्	

(२६) चित्=समझना (परस्मैपदी)

(लट्)	चेतति	चेततः	चेतन्ति	प्र०
	चेतसि	चेतथः	चेतथ	म०
	चेतामि	चेतावः	चेतामः	उ०
(लिट्)	चिचेत	चिचिततुः	चिचितुः	प्र०
	चिचेतिथ	चिचितथुः	चिचित	म०
	चिचेत	चिचितिव	चिचितिम	उ०
(लुट्)	चेतिता	चेतितारौ	चेतितारः	प्र०
	चेतितासि	चेतितास्थः	चेतितास्थ	म०
	चेतितास्मि	चेतितास्वः	चेतितास्मः	उ०
(लृट्)	चेतिष्यति	चेतिष्यतः	चेतिष्यन्ति	प्र०
	चेतिष्यसि	चेतिष्यथः	चेतिष्यथ	म०
	चेतिष्यामि	चेतिष्यावः	चेतिष्यामः	उ०
(लोट्)	चेततु, तात्	चेतताम्	चेतन्तु	प्र०
	चेत, तात्	चेततम्	चेतत	म०
	चेतानि	चेताव	चेताम	उ०
(लङ्)	अचेतत्	अचेतताम्	अचेतन्	प्र०
	अचेतः	अचेततम्	अचेतत	म०
	अचेतम्	अचेताव	अचेताम	उ०
(वि. लि.)	चेतेत्	चेतेताम्	चेतेयुः	प्र०
	चेतेः	चेतेतम्	चेतेत	म०
	चेतेयम्	चेतेव	चेतेम	उ०

(आ. लि.)	चित्यात्	चित्यास्ताम्	चित्यासुः	प्र०
	चित्याः	चित्यास्तम्	चित्यास्त	म०
	चित्यासम्	चित्यास्व	चित्यास्म	उ०
(लुङ्)	अचेतीत्	अचेतिष्टाम्	अचेतिषुः	प्र०
	अचेतीः	अचेतिष्टम्	अचेतिष्ट	म०
	अचेतिषम्	अचेतिष्व	अचेतिष्म	उ०
(लृङ्)	अचेतिष्यत्	अचेतिष्यताम्	अचेतिष्यन्	प्र०
	अचेतिष्यः	अचेतिष्यतम्	अचेतिष्यत	म०
	अचेतिष्यम्	अचेतिष्याव	अचेतिष्याम	उ०

(२७) जि=जीतना (परस्मैपदी)

(लट्)	जयति	जयतः	जयन्ति	प्र०
	जयसि	जयथः	जयथ	म०
	जयामि	जयावः	जयामः	उ०
(लिट्)	जिगाय	जिग्यतुः	जिग्युः	प्र०
	जिगयिथ, जिगेथ	जिग्यथुः	जिग्य	म०
	जिगाय, जिगय	जिग्यिव	जिग्यिम	उ०
(लुट्)	जेता	जेतारौ	जेतारः	प्र०
	जेतासि	जेतास्थः	जेतास्थ	म०
	जेतास्मि	जेतास्वः	जेतास्मः	उ०
(लृट्)	जेष्यति	जेष्यतः	जेष्यन्ति	प्र०
	जेष्यसि	जेष्यथः	जेष्यथ	म०
	जेष्यामि	जेष्यावः	जेष्यामः	उ०

(लोट्)	जयतु, तात्	जयताम्	जयन्तु	प्र०
	जय, तात्	जयतम्	जयत	म०
	जयानि	जयाव	जयाम	उ०
(लङ्)	अजयत्	अजयताम्	अजयन्	प्र०
	अजयः	अजयतम्	अजयत	म०
	अजयम्	अजयाव	अजयाम	उ०
(वि.लि.)	जयेत्	जयेताम्	जयेयुः	प्र०
	जयेः	जयेतम्	जयेत	म०
	जयेयम्	जयेव	जयेम	उ०
(आ.लि.)	जीयात्	जीयास्ताम्	जीयासुः	प्र०
	जीयाः	जीयास्तम्	जीयास्त	म०
	जीयासम्	जीयास्व	जीयास्म	उ०
(लुङ्)	अजैषीत्	अजैष्टाम्	अजैषुः	प्र०
	अजैषीः	अजैष्टम्	अजैष्ट	म०
	अजैषम्	अजैष्व	अजैष्म	उ०
(लृङ्)	अजेष्यत्	अजेष्यताम्	अजेष्यन्	प्र०
	अजेष्यः	अजेष्यतम्	अजेष्यत	म०
	अजेष्यम्	अजेष्याव	अजेष्याम	उ०

(२८) ज्वल्=जलना (परस्मैपदी)

(लट्)	ज्वलति	ज्वलतः	ज्वलन्ति	

(लिट्)	जज्वाल	जज्वलतुः	जज्वलुः	प्र०
	जज्वलिथ	जज्वलथुः	जज्वल	म०
	जज्वाल, जज्वल	जज्वलिव	जज्वलिम	उ०
(लृट्)	ज्वलिष्यति	ज्वलिष्यतः	ज्वलिष्यन्ति	
(आ.लि.)	ज्वल्यात्	ज्वल्यास्ताम्	ज्वल्यासुः	
(लुङ्)	अज्वालीत्	अज्वालिष्टाम्	अज्वालिषुः	
(लृङ्)	अज्वलिष्यत्	अज्वलिष्यताम्	अज्वलिष्यन्	

(२९) तप=दुःखी होना (परस्मैपदी)

(लट्)	तपति	तपतः	तपन्ति	प्र०
	तपसि	तपथः	तपथ	म०
	तपामि	तपावः	तपामः	उ०
(लिट्)	तताप	तेपतुः	तेपुः	प्र०
	तेपिथ, ततप्थ	तेपथुः	तेप	म०
	तताप, ततप	तेपिव	तेपिम	उ०
(लुट्)	तप्ता	तप्तारौ	तप्तारः	प्र०
	तप्तासि	तप्तास्थः	तप्तास्थ	म०
	तप्तास्मि	तप्तास्वः	तप्तास्मः	उ०
(लृट्)	तप्स्यति	तप्स्यतः	तप्स्यन्ति	प्र०
	तप्स्यसि	तप्स्यथः	तप्स्यथ	म०
	तप्स्यामि	तप्स्यावः	तप्स्यामः	उ०

(लोट्)	तपतु, तात्	तपताम्	तपन्तु	प्र०
	तप, तात्	तपतम्	तपत	म०
	तपानि	तपाव	तपाम	उ०
(लङ्)	अतपत्	अतपताम्	अतपन्	प्र०
	अतपः	अतपतम्	अतपत	म०
	अतपम्	अतपाव	अतपाम	उ०
(वि.लि.)	तपेत्	तपेताम्	तपेयुः	प्र०
	तपेः	तपेतम्	तपेत	म०
	तपेयम्	तपेव	तपेम	उ०
(आ.लि.)	तप्यात्	तप्यास्ताम्	तप्यासुः	प्र०
	तप्याः	तप्यास्तम्	तप्यास्त	म०
	तप्यासम्	तप्यास्व	तप्यास्म	उ०
(लुङ्)	अताप्सीत्	अताप्ताम्	अताप्सुः	प्र०
	अताप्सीः	अताप्तम्	अताप्त	म०
	अताप्सम्	अताप्स्व	अताप्स्म	उ०
(लृङ्)	अतप्स्यत्	अतप्स्यताम्	अतप्स्यन्	प्र०
	अतप्स्यः	अतप्स्यतम्	अतप्स्यत	म०
	अतप्स्यम्	अतप्स्याव	अतप्स्याम	उ०

(३०) तुभ=मारना (आत्मनेपदी)

(लट्)	तोभते	तोभेते	तोभन्ते	प्र०
	तोभसे	तोभेथे	तोभध्वे	म०
	तोभे	तोभावहे	तोभामहे	उ०

(लिट्)	तुतुभे	तुतुभाते	तुतुभिरे	प्र०
	तुतुभिषे	तुतुभाथे	तुतुभिध्वे	म०
	तुतुभे	तुतुभिवहे	तुतुभिमहे	उ०
(लुट्)	तोभिता	तोभितारौ	तोभितारः	प्र०
	तोभितासे	तोभितासाथे	तोभिताध्वे	म०
	तोभिताहे	तोभितास्वहे	तोभितास्महे	उ०
(लृट्)	तोभिष्यते	तोभिष्येते	तोभिष्यन्ते	प्र०
	तोभिष्यसे	तोभिष्येथे	तोभिष्यध्वे	म०
	तोभिष्ये	तोभिष्यावहे	तोभिष्यामहे	उ०
(लोट्)	तोभताम्	तोभेताम्	तोभन्ताम्	प्र०
	तोभस्व	तोभेथाम्	तोभध्वम्	म०
	तोभै	तोभावहै	तोभामहै	उ०
(लङ्)	अतोभत	अतोभेताम्	अतोभन्त	प्र०
	अतोभथाः	अतोभेथाम्	अतोभध्वम्	म०
	अतोभे	अतोभावहि	अतोभामहि	उ०
(वि.लि.)	तोभेत	तोभेयाताम्	तोभेरन्	प्र०
	तोभेथाः	तोभेयाथाम्	तोभेध्वम्	म०
	तोभेय	तोभेवहि	तोभेमहि	उ०
(आ.लि.)	तोभिषीष्ट	तोभिषीयास्ताम्	तोभिषीरन्	प्र०
	तोभिषीष्ठाः	तोभिषीयास्थाम्	तोभिषीध्वम्	म०
	तोभिषीय	तोभिषीवहि	तोभषीमहि	उ०

(लुङ्)	अतुभत्	अतुभताम्	अतुभन्	प्र०
	अतुभः	अतुभतम्	अतुभत	म०
	अतुभम्	अतुभाव	अतुभाम	उ०

अथवा

	अतोभिष्ट	अतोभिषाताम्	अतोभिषत	प्र०
	अतोभिष्ठाः	अतोभिषाथाम्	अतोभिढ्वम्	म०
	अतोभिषि	अतोभिष्वहि	अतोभिष्महि	उ०
(लृङ्)	अतोभिष्यत	अतोभिष्येताम्	अतोभिष्यन्त	प्र०
	अतोभिष्यथाः	अतोभिष्येथाम्	अतोभिष्यध्वम्	म०
	अतोभिष्ये	अतोभिष्यावहि	अतोभिष्यामहि	उ०

(३१) त्यज्=छोड़ना (परस्मैपदी)

(लट्)	त्यजति	त्यजतः	त्यजन्ति	प्र०
	त्यजसि	त्यजथः	त्यजथ	म०
	त्यजामि	त्यजावः	त्यजामः	उ०
(लिट्)	तत्याज	तत्यजतुः	तत्यजुः	प्र०
	तत्यजिथ, तत्यक्थ	तत्यजथुः	तत्यज	म०
	तत्याज, तत्यज	तत्यजिव	तत्यजिम	उ०
(लुट्)	त्यक्ता	त्यक्तारौ	त्यक्तारः	प्र०
	त्यक्तासि	त्यक्तास्थः	त्यक्तास्थ	म०
	त्यक्तास्मि	त्यक्तास्वः	त्यक्तास्मः	उ०
(लृट्)	त्यक्ष्यति	त्यक्ष्यतः	त्यक्ष्यन्ति	प्र०
	त्यक्ष्यसि	त्यक्ष्यथः	त्यक्ष्यथ	म०
	त्यक्ष्यामि	त्यक्ष्यावः	त्यक्ष्यामः	उ०

(लोट्)	त्यजतु, तात्	त्यजताम्	त्यजन्तु	प्र०
	त्यज, तात्	त्यजतम्	त्यजत	म०
	त्यजानि	त्यजाव	त्यजाम	उ०
(लङ्)	अत्यजत्	अत्यजताम्	अत्यजन्	प्र०
	अत्यजः	अत्यजतम्	अत्यजत	म०
	अत्यजम्	अत्यजाव	अत्यजाम	उ०
(वि.लि.)	त्यजेत्	त्यजेताम्	त्यजेयुः	प्र०
	त्यजेः	त्यजेतम्	त्यजेत	म०
	त्यजेयम्	त्यजेव	त्यजेम	उ०
(आ.लि.)	त्यज्यात्	त्यज्यास्ताम्	त्यज्यासुः	प्र०
	त्यज्याः	त्यज्यास्तम्	त्यज्यास्त	म०
	त्यज्यासम्	त्यज्यास्व	त्यज्यास्म	उ०
(लुङ्)	अत्याक्षीत्	अत्याष्टाम्	अत्याक्षुः	प्र०
	अत्याक्षीः	अत्याष्टम्	अत्याष्ट	म०
	अत्याक्षम्	अत्याक्ष्व	अत्याक्ष्म	उ०
(लृङ्)	अत्यक्षत्	अत्यक्ष्येताम्	अत्यक्षन्	प्र०
	अत्यक्ष्यः	अत्यक्ष्यतम्	अत्यक्षत	म०
	अत्यक्षम्	अत्यक्ष्याव	अत्यक्ष्याम	उ०

(३२) त्रपूष्=लज्जा करना (आत्मनेपदी)

(लट्)	त्रपते	त्रपेते	त्रपन्ते	प्र०
	त्रपसे	त्रपेथे	त्रपध्वे	म०
	त्रपे	त्रपावहे	त्रपामहे	उ०

(लिट्)	त्रेपे	त्रेपाते	त्रेपिरे	प्र०
	त्रेपिषे, त्रेप्से	त्रेपाथे	त्रेपिध्वे, त्रेब्ध्वे	म०
	त्रेपे	त्रेपिवहे, त्रेप्वहे	त्रेपिमहे, त्रेप्महे	उ०
(लुट्)	त्रपिता	त्रपितारौ	त्रपितारः	प्र०
	त्रपितासे	त्रपितासाथे	त्रपिताध्वे	म०
	त्रपिताहे	त्रपितास्वहे	त्रपितास्महे	उ०
		अथवा		
	त्रप्ता	त्रप्तारौ	त्रप्तारः	प्र०
	त्रप्तासे	त्रप्तासाथे	त्रप्ताध्वे	म०
	त्रप्ताहे	त्रप्तास्वहे	त्रप्तास्महे	उ०
(लृट्)	त्रपिष्यते	त्रपिष्येते	त्रपिष्यन्ते	प्र०
	त्रपिष्यसे	त्रपिष्येथे	त्रपिष्यध्वे	म०
	त्रपिष्ये	त्रपिष्यावहे	त्रपिष्यामहे	उ०
		अथवा		
	त्रप्स्यते	त्रप्स्येते	त्रप्स्यन्ते	प्र०
	त्रप्स्यसे	त्रप्स्येथे	त्रप्स्यध्वे	म०
	त्रंप्स्ये	त्रप्स्यावहे	त्रप्स्यामहे	उ०
(लोट्)	त्रपताम्	त्रपेताम्	त्रपन्ताम्	प्र०
	त्रपस्व	त्रपेथाम्	त्रपध्वम्	म०
	त्रपै	त्रपावहै	त्रपामहै	उ०

(लङ्)	अत्रपत	अत्रपेताम्	अत्रपन्त	प्र०
	अत्रपथाः	अत्रपेथाम्	अत्रपध्वम्	म०
	अत्रपे	अत्रपावहि	अत्रपामहि	उ०
(वि. लि.)	त्रपेत	त्रपेयाताम्	त्रपेरन्	प्र०
	त्रपेथाः	त्रपेयाथाम्	त्रपेध्वम्	म०
	त्रपेय	त्रपेवहि	त्रपेमहि	उ०
(आ. लि.)	त्रपिषीष्ट	त्रपिषीयास्ताम्	त्रपिषीरन्	प्र०
	त्रपिषीष्ठाः	त्रपिषीयास्थाम्	त्रपिषीढ्वम्	म०
	त्रपिषीय	त्रपिषीवहि	त्रपिषीमहि	उ०
		अथवा		
	त्रप्सीष्ट	त्रप्सीयास्ताम्	त्रप्सीरन्	प्र०
	त्रप्सीष्ठाः	त्रप्सीयास्थाम्	त्रप्सीध्वम्	म०
	त्रप्सीय	त्रप्सीवहि	त्रप्सीमहि	उ०
(लुङ्)	अत्रपिष्ट	अत्रपिषाताम्	अत्रपिषत	प्र०
	अत्रपिष्ठाः	अत्रपिषाथाम्	अत्रपिढ्वम्	म०
	अत्रपिषि	अत्रपिष्वहि	अत्रपिष्महि	उ०
		अथवा		
	अत्रप्त	अत्रप्साताम्	अत्रप्सत	प्र०
	अत्रप्थाः	अत्रप्साथाम्	अत्रब्ध्वम्	म०
	अत्रप्सि	अत्रप्स्वहि	अत्रप्स्महि	उ०
(लृङ्)	अत्रपिष्यत	अत्रपिष्येताम्	अत्रपिष्यन्त	प्र०
	अत्रपिष्यथाः	अत्रपिष्येथाम्	अत्रपिष्यध्वम्	म०
	अत्रपिष्ये	अत्रपिष्यावहि	अत्रपिष्यामहि	उ०

अथवा

	अत्रप्स्यत	अत्रप्स्येताम्	अत्रप्स्यन्त	प्र०
	अत्रप्स्यथाः	अत्रप्स्येथाम्	अत्रप्स्यध्वम्	म०
	अत्रप्स्ये	अत्रप्स्यावहि	अत्रप्स्यामहि	उ०

(३३) दद=देना (आत्मनेपदी)

(लट्)	ददते	ददेते	ददन्ते	प्र०
	ददसे	ददेथे	ददध्वे	म०
	ददे	ददावहे	ददामहे	उ०
(लिट्)	ददde	दददाते	दददिरे	प्र०
	दददिषे	दददाथे	दददिध्वे	म०
	ददde	दददिवहे	दददिमहे	उ०
(लुट्)	ददिता	ददितारौ	ददितारः	प्र०
	ददितासे	ददितासाथे	ददिताध्वे	म०
	ददिताहे	ददितास्वहे	ददितास्महे	उ०
(लृट्)	ददिष्यते	ददिष्येते	ददिष्यन्ते	प्र०
	ददिष्यसे	ददिष्येथे	ददिष्यध्वे	म०
	ददिष्ये	ददिष्यावहे	ददिष्यामहे	उ०
(लोट्)	ददताम्	ददेताम्	ददन्ताम्	प्र०
	ददस्व	ददेथाम्	ददध्वम्	म०
	ददै	ददावहै	ददामहै	उ०
(लङ्)	अददत	अददेताम्	अददन्त	प्र०
	अददथाः	अददेथाम्	अददध्वम्	म०
	अददे	अददावहि	अददामहि	उ०

(वि. लि.)	ददेत	ददेयाताम्	ददेरन्	प्र०
	ददेथाः	ददेयाथाम्	ददेध्वम्	म०
	ददेय	ददेवहि	ददेमहि	उ०
(आ. लि.)	ददिषीष्ट	ददिषीयास्ताम्	ददिषीरन्	प्र०
	ददिषीष्ठाः	ददिषीयास्थाम्	ददिषीध्वम्	म०
	ददिषीय	ददिषीवहि	ददिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अददिष्ट	अददिषाताम्	अददिषत	प्र०
	अददिष्ठाः	अददिषाथाम्	अददिढ्वम्	म०
	अददिषि	अददिष्वहि	अददिष्महि	उ०
(लृङ्)	अददिष्यत	अददिष्येताम्	अददिष्यन्त	प्र०
	अददिष्यथाः	अददिष्येथाम्	अददिष्यध्वम्	म०
	अददिष्ये	अददिष्यावहि	अददिष्यामहि	उ०

(३४) दह=जलना (परस्मैपदी)

(लट्)	दहति	दहतः	दहन्ति	
(लिट्)	ददाह	देहतुः	देहुः	प्र०
	देहिथ, ददग्ध	देहथुः	देह	म०
	ददाह, ददह	देहिव	देहिम	उ०
(लुट्)	दग्धा	दग्धारौ	दग्धारः	
(लृट्)	धक्ष्यति	धक्ष्यतः	धक्ष्यन्ति	
(लोट्)	दहतु, तात्	दहताम्	दहन्तु	
(आ. लि.)	दह्यात्	दह्यास्ताम्	दह्यासुः	

(लुङ्)	अधाक्षीत्	अदाग्धाम्	अधाक्षुः	प्र०
	अधाक्षीः	अदाग्धम्	अदाग्ध	म०
	अधाक्षम्	अधाक्ष्व	अधाक्ष्म	उ०
(लृङ्)	अधक्ष्यत्	अधक्ष्यताम्	अधक्ष्यन्	

(३५) द्युत=चमकना (आत्मनेपदी)

(लट्)	द्योतते	द्योतेते	द्योतन्ते	प्र०
	द्योतसे	द्योतेथे	द्योतध्वे	म०
	द्योते	द्योतावहे	द्योतामहे	उ०
(लिट्)	दिद्युते	दिद्युताते	दिद्युतिरे	प्र०
	दिद्युतिषे	दिद्युताथे	दिद्युतिध्वे	म०
	दिद्युते	दिद्युतिवहे	दिद्युतिमहे	उ०
(लुट्)	द्योतिता	द्योतितारौ	द्योतितारः	प्र०
	द्योतितासे	द्योतितासाथे	द्योतिताध्वे	म०
	द्योतिताहे	द्योतितास्वहे	द्योतितास्महे	उ०
(लृट्)	द्योतिष्यते	द्योतिष्येते	द्योतिष्यन्ते	प्र०
	द्योतिष्यसे	द्योतिष्येथे	द्योतिष्यध्वे	म०
	द्योतिष्ये	द्योतिष्यावहे	द्योतिष्यामहे	उ०
(लोट्)	द्योतताम्	द्योतेताम्	द्योतन्ताम्	प्र०
	द्योतस्व	द्योतेथाम्	द्योतध्वम्	म०
	द्योतै	द्योतावहै	द्योतामहै	उ०
(लङ्)	अद्योतत	अद्योतेताम्	अद्योतन्त	प्र०
	अद्योतथाः	अद्योतेथाम्	अद्योतध्वम्	म०
	अद्योते	अद्योतावहि	अद्योतामहि	उ०

(वि.लि.)	द्योतेत	द्योतेयाताम्	द्योतेरन्	प्र०
	द्योतेथाः	द्योतेयाथाम्	द्योतेध्वम्	म०
	द्योतेय	द्योतेवहि	द्योतेमहि	उ०
(आ.लि.)	द्योतिषीष्ट	द्योतिषीयास्ताम्	द्योतिषीरन्	प्र०
	द्योतिषीष्ठाः	द्योतिषीयास्थाम्	द्योतिषीध्वम्	म०
	द्योतिषीय	द्योतिषीवहि	द्योतिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अद्युतत्	अद्युतताम्	अद्युतन्	प्र०
	अद्युतः	अद्युततम्	अद्युतत	म०
	अद्युतम्	अद्युताव	अद्युताम	उ०

अथवा

	अद्योतिष्ट	अद्योतिषाताम्	अद्योतिषत	प्र०
	अद्योतिष्ठाः	अद्योतिषाथाम्	अद्योतिढ्वम्	म०
	अद्योतिषि	अद्योतिष्वहि	अद्योतिष्महि	उ०
(लृङ्)	अद्योतिष्यत	अद्योतिष्येताम्	अद्योतिष्यन्त	प्र०
	अद्योतिष्यथाः	अद्योतिष्येथाम्	अद्योतिष्यध्वम्	म०
	अद्योतिष्ये	अद्योतिष्यावहि	अद्योतिष्यामहि	उ०

(३६) दृश्=देखना (परस्मैपदी)

(लट्)	पश्यति	पश्यतः	पश्यन्ति	प्र०
	पश्यसि	पश्यथः	पश्यथ	म०
	पश्यामि	पश्यावः	पश्यामः	उ०

(लिट्)	ददर्श	ददृशतुः	ददृशुः	प्र०
	ददर्शिथ	ददृशथुः	ददृश	म०
	ददर्श	ददृशिव	ददृश	उ०
(लुट्)	द्रष्टा	द्रष्टारौ	द्रष्टारः	प्र०
	द्रष्टासि	द्रष्टास्थः	द्रष्टास्थ	म०
	द्रष्टास्मि	द्रष्टास्वः	द्रष्टास्मः	उ०
(लृट्)	द्रक्ष्यति	द्रक्ष्यतः	द्रक्ष्यन्ति	प्र०
	द्रक्ष्यसि	द्रक्ष्यथः	द्रक्ष्यथ	म०
	द्रक्ष्यामि	द्रक्ष्यावः	द्रक्ष्यामः	उ०
(लोट्)	पश्यतु, तात्	पश्यताम्	पश्यन्तु	प्र०
	पश्य, तात्	पश्यतम्	पश्यत	म०
	पश्यानि	पश्याव	पश्याम	उ०
(लङ्)	अपश्यत्	अपश्यताम्	अपश्यन्	प्र०
	अपश्यः	अपश्यतम्	अपश्यत	म०
	अपश्यम्	अपश्याव	अपश्याम	उ०
(वि. लि.)	पश्येत्	पश्येताम्	पश्येयुः	प्र०
	पश्येः	पश्येतम्	पश्येत	म०
	पश्येयम्	पश्येव	पश्येम	उ०
(आ. लि.)	दृश्यात्	दृश्यास्ताम्	दृश्यासुः	प्र०
	दृश्याः	दृश्यास्तम्	दृश्यास्त	म०
	दृश्यासम्	दृश्यास्व	दृश्यास्म	उ०

(लुङ्)	अद्राक्षीत्	अद्राष्टाम्	अद्राक्षुः	प्र०
	अद्राक्षीः	अद्राष्टम्	अद्राष्ट	म०
	अद्राक्षम्	अद्राक्ष्व	अद्राक्ष्म	उ०
(लृङ्)	अद्रक्ष्यत्	अद्रक्ष्यताम्	अद्रक्ष्यन्	प्र०
	अद्रक्ष्यः	अद्रक्ष्यतम्	अद्रक्ष्यत	म०
	अद्रक्ष्यम्	अद्रक्ष्याव	अद्रक्ष्याम	उ०

(३७) धृ = रखना (परस्मैपदी)

(लट्)	धरति	धरतः	धरन्ति	प्र०
	धरसि	धरथः	धरथ	म०
	धरामि	धरावः	धरामः	उ०
(लिट्)	दधार	दध्रतुः	दध्रुः	प्र०
	दधर्थ	दध्रथुः	दध्र	म०
	दधार, दधर	दध्रिव	दध्रिम	उ०
(लुट्)	धर्ता	धर्तारौ	धर्तारः	प्र०
	धर्तासि	धर्तास्थः	धर्तास्थ	म०
	धर्तास्मि	धर्तास्वः	धर्तास्मः	उ०
(लृट्)	धरिष्यति	धरिष्यतः	धरिष्यन्ति	प्र०
	धरिष्यसि	धरिष्यथः	धरिष्यथ	म०
	धरिष्यामि	धरिष्यावः	धरिष्यामः	उ०
(लोट्)	धरतु, तात्	धरताम्	धरन्तु	प्र०
	धर, तात्	धरतम्	धरत	म०
	धराणि	धराव	धराम	उ०

(लङ्)	अधरत्	अधरताम्	अधरन्	प्र०
	अधरः	अधरतम्	अधरत	म०
	अधरम्	अधराव	अधराम	उ०
(वि. लि.)	धरेत्	धरेताम्	धरेयुः	प्र०
	धरेः	धरेतम्	धरेत	म०
	धरेयम्	धरेव	धरेम	उ०
(आ. लि.)	ध्रियात्	ध्रियास्ताम्	ध्रियासुः	प्र०
	ध्रियाः	ध्रियास्तम्	ध्रियास्त	म०
	ध्रियासम्	ध्रियास्व	ध्रियास्म	उ०
(लुङ्)	अधार्षीत्	अधार्ष्टाम्	अधार्षुः	प्र०
	अधार्षीः	अधार्ष्टम्	अधार्ष्ट	म०
	अधार्षम्	अधार्ष्व	अधार्ष्म	उ०
(लृङ्)	अधरिष्यत्	अधरिष्यताम्	अधरिष्यन्	प्र०
	अधरिष्यः	अधरिष्यतम्	अधरिष्यत	म०
	अधरिष्यम्	अधरिष्याव	अधरिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	धरते	धरेते	धरन्ते	प्र०
	धरसे	धरेथे	धरध्वे	म०
	धरे	धरावहे	धरामहे	उ०
(लिट्)	दध्रे	दध्राते	दध्रिरे	प्र०
	दधृषे	दध्राथे	दधृढ्वे	म०
	दध्रे	दधृवहे	दधृमहे	उ०

(लुट्)	धर्ता	धर्तारौ	धर्तारः	प्र०
	धर्तासे	धर्तासाथे	धर्ताध्वे	म०
	धर्ताहे	धर्तास्वहे	धर्तास्महे	उ०
(लृट्)	धरिष्यते	धरिष्येते	धरिष्यन्ते	प्र०
	धरिष्यसे	धरिष्येथे	धरिष्यध्वे	म०
	धरिष्ये	धरिष्यावहे	धरिष्यामहे	उ०
(लोट्)	धरताम्	धरेताम्	धरन्ताम्	प्र०
	धरस्व	धरेथाम्	धरेध्वम्	म०
	धरै	धरावहै	धरामहै	उ०
(लङ्)	अधरत	अधरेताम्	अधरन्त	प्र०
	अधरथाः	अधरेथाम्	अधरध्वम्	म०
	अधरे	अधरावहि	अधरामहि	उ०
(वि. लि.)	धरेत	धरेयाताम्	धरेरन्	प्र०
	धरेथाः	धरेयाथाम्	धरेध्वम्	म०
	धरेय	धरेवहि	धरेमहि	उ०
(आ. लि.)	धृषीष्ट	धृषीयास्ताम्	धृषीरन्	प्र०
	धृषीष्ठाः	धृषीयास्थाम्	धृषीढ्वम्	म०
	धृषीय	धृषीवहि	धृषीमहि	उ०
(लुङ्)	अधृत	अधृषाताम्	अधृषत	प्र०
	अधृथाः	अधृषाथाम्	अधृढ्वम्	म०
	अधृषि	अधृष्वहि	अधृष्महि	उ०

(लृङ्)	अधरिष्यत	अधरिष्येताम्	अधरिष्यन्त	प्र०
	अधरिष्यथाः	अधरिष्येथाम्	अधरिष्यध्वम्	म०
	अधरिष्ये	अधरिष्यावहि	अधरिष्यामहि	उ०

(३८) ध्यै=ध्यान करना (परस्मैपदी)

(लट्)	ध्यायति	ध्यायतः	ध्यायन्ति	
(लिट्)	दध्यौ	दध्यतुः	दध्युः	प्र०
	दध्यिथ, दध्याथ	दध्यथुः	दध्य	म०
	दध्यौ	दध्यिव	दध्यिम	उ०
(लुट्)	ध्याता	ध्यातारौ	ध्यातारः	
(लृट्)	ध्यास्यति	ध्यास्यतः	ध्यास्यन्ति	
(लोट्)	ध्यायतु, तात्	ध्यायताम्	ध्यायन्तु	
(लङ्)	अध्यायत्	अध्यायताम्	अध्यायन्	
(वि.लि.)	ध्यायेत्	ध्यायेताम्	ध्यायेयुः	
(आ.लि.)	ध्येयात्	ध्येयास्ताम्	ध्येयासुः	
(लुङ्)	अध्यासीत्	अध्यासिष्टाम्	अध्यासिषुः	
(लृङ्)	अध्यास्यत्	अध्यास्यताम्	अध्यास्यन्	

(३९) ध्वंस् = नष्ट होना (आत्मनेपदी)

(लट्)	ध्वंसते	ध्वंसेते	ध्वंसन्ते	प्र०
	ध्वंससे	ध्वंसेथे	ध्वंसध्वे	म०
	ध्वंसे	ध्वंसावहे	ध्वंसामहे	उ०

(लिट्)	दध्वंसे	दध्वंसाते	दध्वंसिरे	प्र०
	दध्वंसिषे	दध्वंसाथे	दध्वंसिध्वे	म०
	दध्वंसे	दध्वंसिवहे	दध्वंसिमहे	उ०
(लुट्)	ध्वंसिता	ध्वंसितारौ	ध्वंसितारः	प्र०
	ध्वंसितासे	ध्वंसितासाथे	ध्वंसिताध्वे	म०
	ध्वंसिताहे	ध्वंसितास्वहे	ध्वंसितास्महे	उ०
(लृट्)	ध्वंसिष्यते	ध्वंसिष्येते	ध्वंसिष्यन्ते	प्र०
	ध्वंसिष्यसे	ध्वंसिष्येथे	ध्वंसिष्यध्वे	म०
	ध्वंसिष्ये	ध्वंसिष्यावहे	ध्वंसिष्यामहे	उ०
(लोट्)	ध्वंसताम्	ध्वंसेताम्	ध्वंसन्ताम्	प्र०
	ध्वंसस्व	ध्वंसेथाम्	ध्वंसध्वम्	म०
	ध्वंसै	ध्वंसावहै	ध्वंसामहै	उ०
(लङ्)	अध्वंसत	अध्वंसेताम्	अध्वंसन्त	प्र०
	अध्वंसथाः	अध्वंसेथाम्	अध्वंसध्वम्	म०
	अध्वंसे	अध्वंसावहि	अध्वंसामहि	उ०
(वि.लि.)	ध्वंसेत	ध्वंसेयाताम्	ध्वंसेरन्	प्र०
	ध्वंसेथाः	ध्वंसेयाथाम्	ध्वंसेध्वम्	म०
	ध्वंसेय	ध्वंसेवहि	ध्वंसेमहि	उ०
(आ.लि.)	ध्वंसिषीष्ट	ध्वंसिषीयास्ताम्	ध्वंसिषीरन्	प्र०
	ध्वंसिषीष्ठाः	ध्वंसिषीयास्थाम्	ध्वंसिषीध्वम्	म०
	ध्वंसिषीय	ध्वंसिषीवहि	ध्वंसिषीमहि	उ०

(लुङ्)	अध्वसत्	अध्वसताम्	अध्वसन्	प्र०
	अध्वसः	अध्वसतम्	अध्वसत	म०
	अध्वसम्	अध्वसाव	अध्वसाम	उ०

अथवा

	अध्वंसिष्ट	अध्वंसिषाताम्	अध्वंसिषत	प्र०
	अध्वंसिष्ठाः	अध्वंसिषाथाम्	अध्वंसिध्वम्	म०
	अध्वंसिषि	अध्वंसिष्वहि	अध्वंसिष्महि	उ०
(लृङ्)	अध्वंसिष्यत	अध्वंसिष्येताम्	अध्वंसिष्यन्त	प्र०
	अध्वंसिष्यथाः	अध्वंसिष्येथाम्	अध्वंसिष्यध्वम्	म०
	अध्वंसिष्ये	अध्वंसिष्यावहि	अध्वंसिष्यामहि	उ०

(४०) नद्=अस्फुट बोलना (परस्मैपदी)

(लट्)	नदति	नदतः	नदन्ति	प्र०
	नदसि	नदथः	नदथ	म०
	नदामि	नदावः	नदामः	उ०
(लिट्)	ननाद	नेदतुः	नेदुः	प्र०
	नेदिथ	नेदथुः	नेद	म०
	ननाद, ननद	नेदिव	नेदिम	उ०
(लुट्)	नदिता	नदितारौ	नदितारः	प्र०
	नदितासि	नदितास्थः	नदितास्थ	म०
	नदितास्मि	नदितास्वः	नदितास्मः	उ०

(लृट्)	नदिष्यति	नदिष्यतः	नदिष्यन्ति	प्र०
	नदिष्यसि	नदिष्यथः	नदिष्यथ	म०
	नदिष्यामि	नदिष्यावः	नदिष्यामः	उ०
(लोट्)	नदतु, तात्	नदताम्	नदन्तु	प्र०
	नद, तात्	नदतम्	नदत	म०
	नदानि	नदाव	नदाम	उ०
(लङ्)	अनदत्	अनदताम्	अनदन्	प्र०
	अनदः	अनदतम्	अनदन्	म०
	अनदम्	अनदाव	अनदाम	उ०
(वि. लि.)	नदेत्	नदेताम्	नदेयुः	प्र०
	नदेः	नदेतम्	नदेत	म०
	नदेयम्	नदेव	नदेम	उ०
(आ. लि.)	नद्यात्	नद्यास्ताम्	नद्यासुः	प्र०
	नद्याः	नद्यास्तम्	नद्यास्त	म०
	नद्यासम्	नद्यास्व	नद्यास्म	उ०
(लुङ्)	अनादीत्	अनादिष्टाम्	अनादिषुः	प्र०
	अनादीः	अनादिष्टम्	अनादिष्ट	म०
	अनादिषम्	अनादिष्व	अनादिष्म	उ०

अथवा

	अनदीत्	अनदिष्टाम्	अनदिषुः	प्र०
	अनदीः	अनदिष्टम्	अनदिष्ट	म०
	अनदिषम्	अनदिष्व	अनदिष्म	उ०

(लृङ्)	अनदिष्यत्	अनदिष्यताम्	अनदिष्यन्	प्र०
	अनदिष्यः	अनदिष्यतम्	अनदिष्यत	म०
	अनदिष्यम्	अनदिष्याव	अनदिष्याम	उ०

(४१) नदि=खुश होना (परस्मैपदी)

(लट्)	नन्दति	नन्दतः	नन्दन्ति	प्र०
	नन्दसि	नन्दथः	नन्दथ	म०
	नन्दामि	नन्दावः	नन्दामः	उ०
(लिट्)	ननन्द	ननन्दतुः	ननन्दुः	प्र०
	ननन्दिथ	ननन्दथुः	ननन्द	म०
	ननन्द	ननन्दिव	ननन्दिम	उ०
(लुट्)	नन्दिता	नन्दितारौ	नन्दितारः	प्र०
	नन्दितासि	नन्दितास्थः	नन्दितास्थ	म०
	नन्दितास्मि	नन्दितास्वः	नन्दितास्मः	उ०
(लृट्)	नन्दिष्यति	नन्दिष्यतः	नन्दिष्यन्ति	प्र०
	नन्दिष्यसि	नन्दिष्यथः	नन्दिष्यथ	म०
	नन्दिष्यामि	नन्दिष्यावः	नन्दिष्यामः	उ०
(लोट्)	नन्दतु, तात्	नन्दताम्	नन्दन्तु	प्र०
	नन्द, तात्	नन्दतम्	नन्दत	म०
	नन्दानि	नन्दाव	नन्दाम	उ०
(लङ्)	अनन्दत्	अनन्दताम्	अनन्दन्	प्र०
	अनन्दः	अनन्दतम्	अनन्दत	म०
	अनन्दम्	अनन्दाव	अनन्दाम	उ०

(वि. लि.)	नन्देत्	नन्देताम्	नन्देयुः	प्र०
	नन्देः	नन्देतम्	नन्देत	म०
	नन्देयम्	नन्देव	नन्देम	उ०
(आ. लि.)	नन्द्यात्	नन्द्यास्ताम्	नन्द्यासुः	प्र०
	नन्द्याः	नन्द्यास्तम्	नन्द्यास्त	म०
	नन्द्यासम्	नन्द्यास्व	नन्द्यास्म	उ०
(लुङ्)	अनन्दीत्	अनन्दिष्टाम्	अनन्दिषुः	प्र०
	अनन्दीः	अनन्दिष्टम्	अनन्दिष्ट	म०
	अनन्दिषम्	अनन्दिष्व	अनन्दिष्म	उ०
(लृङ्)	अनन्दिष्यत्	अनन्दिष्यताम्	अनन्दिष्यन्	प्र०
	अनन्दिष्यः	अनन्दिष्यतम्	अनन्दिष्यत	म०
	अनन्दिष्यम्	अनन्दिष्याव	अनन्दिष्याम	उ०

(४२) नभ=मारना (आत्मनेपदी)

(लट्)	नभते	नभेते	नभन्ते	प्र०
	नभसे	नभेथे	नभध्वे	म०
	नभे	नभावहे	नभामहे	उ०
(लिट्)	नेभे	नेभाते	नेभिरे	प्र०
	नेभिषे	नेभाथे	नेभिध्वे	म०
	नेभे	नेभिवहे	नेभिमहे	उ०
(लुट्)	नभिता	नभितारौ	नभितारः	प्र०
	नभितासे	नभितासाथे	नभिताध्वे	म०
	नभिताहे	नभितास्वहे	नभितास्महे	उ०

(लृट्)	नभिष्यते	नभिष्येते	नभिष्यन्ते	प्र०
	नभिष्यसे	नभिष्येथे	नभिष्यध्वे	म०
	नभिष्ये	नभिष्यावहे	नभिष्यामहे	उ०
(लोट्)	नभताम्	नभेताम्	नभन्ताम्	प्र०
	नभस्व	नभेथाम्	नभध्वम्	म०
	नभै	नभावहै	नभामहै	उ०
(लङ्)	अनभत	अनभेताम्	अनभन्त	प्र०
	अनभथाः	अनभेथाम्	अनभध्वम्	म०
	अनभे	अनभावहि	अनभामहि	उ०
(वि. लि)	नभेत	नभेयाताम्	नभेरन्	प्र०
	नभेथाः	नभेयाथाम्	नभेध्वम्	म०
	नभेय	नभेवहि	नभेमहि	उ०
(आ. लि.)	नभिषीष्ट	नभिषीयास्ताम्	नभिषीरन्	प्र०
	नभिषीष्ठाः	नभिषीयास्थाम्	नभिषीध्वम्	म०
	नभिषीय	नभिषीवहि	नभिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अनभत्	अनभताम्	अनभन्	प्र०
	अनभः	अनभतम्	अनभत	म०
	अनभम्	अनभाव	अनभाम	उ०

अथवा

	अनभिष्ट	अनभिषाताम्	अनभिषत	प्र०
	अनभिष्ठाः	अनभिषाथाम्	अनभिढ्वम्	म०
	अनभिषि	अनभिष्वहि	अनभिष्महि	उ०

(लृङ्)	अनभिष्यत	अनभिष्येताम्	अनभिष्यन्त	प्र०
	अनभिष्यथाः	अनभिष्येथाम्	अनभिष्यध्वम्	म०
	अनभिष्ये	अनभिष्यावहि	अनभिष्यामहि	उ०

(४३) नम्=नमस्कार करना, झुकना (परस्मैपदी)

(लट्)	नमति	नमतः	नमन्ति	प्र०
	नमसि	नमथः	नमथ	म०
	नमामि	नमावः	नमामः	उ०
(लिट्)	ननाम	नेमतुः	नेमुः	प्र०
	नेमिथ, ननन्थ	नेमथुः	नेम	म०
	ननाम, ननम	नेमिव	नेमिम	उ०
(लुट्)	नन्ता	नन्तारौ	नन्तारः	प्र०
	नन्तासि	नन्तास्थः	नन्तास्थ	म०
	नन्तास्मि	नन्तास्वः	नन्तास्मः	उ०
(लृट्)	नंस्यति	नंस्यतः	नंस्यन्ति	प्र०
	नंस्यसि	नंस्यथः	नंस्यथ	म०
	नंस्यामि	नंस्यावः	नंस्यामः	उ०
(लोट्)	नमतु, तात्	नमताम्	नमन्तु	प्र०
	नम, तात्	नमतम्	नमत	म०
	नमानि	नमाव	नमाम	उ०
(लङ्)	अनमत्	अनमताम्	अनमन्	प्र०
	अनमः	अनमतम्	अनमत	म०
	अनमम्	अनमाव	अनमाम	उ०

(वि. लि.)	नमेत्	नमेताम्	नमेयुः	प्र०
	नमेः	नमेतम्	नमेत	म०
	नमेयम्	नमेव	नमेम	उ०
(आ. लि.)	नम्यात्	नम्यास्ताम्	नम्यासुः	प्र०
	नम्याः	नम्यास्तम्	नम्यास्त	म०
	नम्यासम्	नम्यास्व	नम्यास्म	उ०
(लुङ्)	अनंसीत्	अनंसिष्टाम्	अनंसिषुः	प्र०
	अनंसीः	अनंसिष्टम्	अनंसिष्ट	म०
	अनंसिषम्	अनंसिष्व	अनंसिष्म	उ०
(लृङ्)	अनंस्यत्	अनंस्यताम्	अनंस्यन्	प्र०
	अनंस्यः	अनंस्यतम्	अनंस्यत	म०
	अनंस्यम्	अनंस्याव	अनंस्याम	

(४४) नी = ले जाना (परस्मैपदी)

(लट्)	नयति	नयतः	नयन्ति	प्र०
	नयसि	नयथः	नयथ	म०
	नयामि	नयावः	नयामः	उ०
(लिट्)	निनाय	निन्यतुः	निन्युः	प्र०
	निनयिथ, निनेथ	निन्यथुः	निन्य	म०
	निनाय, निनय	निन्यिव	निन्यिम	उ०
(लुट्)	नेता	नेतारौ	नेतारः	प्र०
	नेतासि	नेतास्थः	नेतास्थ	म०
	नेतास्मि	नेतास्वः	नेतास्मः	उ०

(लृट्)	नेष्यति	नेष्यतः	नेष्यन्ति	प्र०
	नेष्यसि	नेष्यथः	नेष्यथ	म०
	नेष्यामि	नेष्यावः	नेष्यामः	उ०
(लोट्)	नयतु, तात्	नयताम्	नयन्तु	प्र०
	नय, तात्	नयतम्	नयत	म०
	नयानि	नयाव	नयाम	उ०
(लङ्)	अनयत्	अनयताम्	अनयन्	प्र०
	अनयः	अनयतम्	अनयत	म०
	अनयम्	अनयाव	अनयाम	उ०
(वि. लि.)	नयेत्	नयेताम्	नयेयुः	प्र०
	नयेः	नयेतम्	नयेत	म०
	नयेयम्	नयेव	नयेम	उ०
(आ. लि.)	नीयात्	नीयास्ताम्	नीयासुः	प्र०
	नीयाः	नीयास्तम्	नीयास्त	म०
	नीयासम्	नीयास्व	नीयास्म	उ०
(लुङ्)	अनैषीत्	अनैष्टाम्	अनैषुः	प्र०
	अनैषीः	अनैष्टम्	अनैष्ट	म०
	अनैषम्	अनैष्व	अनैष्म	उ०
(लृङ्)	अनेष्यत्	अनेष्यताम्	अनेष्यन्	प्र०
	अनेष्यः	अनेष्यतम्	अनेष्यत	म०
	अनेष्यम्	अनेष्याव	अनेष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	नयते	नयेते	नयन्ते	प्र०
	नयसे	नयेथे	नयध्वे	म०
	नये	नयावहे	नयामहे	उ०
(लिट्)	निन्ये	निन्याते	निन्यिरे	प्र०
	निन्यिषे	निन्याथे	निन्यिध्वे -ढ्वे	म०
	निन्ये	निन्यिवहे	निन्यिमहे	उ०
(लुट्)	नेता	नेतारौ	नेतारः	प्र०
	नेतासे	नेतासाथे	नेताध्वे	म०
	नेताहे	नेतास्वहे	नेतास्महे	उ०
(लृट्)	नेष्यते	नेष्येते	नेष्यन्ते	प्र०
	नेष्यसे	नेष्येथे	नेष्यध्वे	म०
	नेष्ये	नेष्यावहे	नेष्यामहे	उ०
(लोट्)	नयताम्	नयेताम्	नयन्ताम्	प्र०
	नयस्व	नयेथाम्	नयध्वम्	म०
	नयै	नयावहै	नयामहै	उ०
(लङ्)	अनयत	अनयेताम्	अनयन्त	प्र०
	अनयथाः	अनयेथाम्	अनयध्वम्	म०
	अनये	अनयावहि	अनयामहि	उ०
(वि. लि.)	नयेत	नयेयाताम्	नयेरन्	प्र०
	नयेथाः	नयेयाथाम्	नयेध्वम्	म०
	नयेय	नयेवहि	नयेमहि	उ०

(आ. लि.)	नेषीष्ट	नेषीयास्ताम्	नेषीरन्	प्र०
	नेषीष्ठाः	नेषीयास्थाम्	नेषीढ्वम्	म०
	नेषीय	नेषीवहि	नेषीमहि	उ०
(लुङ्)	अनेष्ट	अनेषाताम्	अनेषत	प्र०
	अनेष्ठाः	अनेषाथाम्	अनेढ्वम्	म०
	अनेषि	अनेष्वहि	अनेष्महि	उ०
(लृङ्)	अनेष्यत	अनेष्येताम्	अनेष्यन्त	प्र०
	अनेष्यथाः	अनेष्येथाम्	अनेष्यध्वम्	म०
	अनेष्ये	अनेष्यावहि	अनेष्यामहि	उ०

(४५) पच=पकाना (परस्मैपदी)

(लट्)	पचति	पचतः	पचन्ति	प्र०
	पचसि	पचथः	पचथ	म०
	पचामि	पचावः	पचामः	उ०
(लिट्)	पपाच	पेचतुः	पेचुः	प्र०
	पेचिथ, पपक्थ	पेचथुः	पेच	म०
	पपाच, पपच	पेचिव	पेचिम	उ०
(लुट्)	पक्ता	पक्तारौ	पक्तारः	प्र०
	पक्तासि	पक्तास्थः	पक्तास्थ	म०
	पक्तास्मि	पक्तास्वः	पक्तास्मः	उ०
(लृट्)	पक्ष्यति	पक्ष्यतः	पक्ष्यन्ति	प्र०
	पक्ष्यसि	पक्ष्यथः	पक्ष्यथ	म०
	पक्ष्यामि	पक्ष्यावः	पक्ष्यामः	उ०

(लोट्)	पचतु, तात्	पचताम्	पचन्तु	प्र०
	पच, तात्	पचतम्	पचत	म०
	पचानि	पचाव	पचाम	उ०
(लङ्)	अपचत्	अपचताम्	अपचन्	प्र०
	अपचः	अपचतम्	अपचत	म०
	अपचम्	अपचाव	अपचाम	उ०
(वि. लि.)	पचेत्	पचेताम्	पचेयुः	प्र०
	पचेः	पचेतम्	पचेत	म०
	पचेयम्	पचेव	पचेम	उ०
(आ. लि.)	पच्यात्	पच्यास्ताम्	पच्यासुः	प्र०
	पच्याः	पच्यास्तम्	पच्यास्त	म०
	पच्यासम्	पच्यास्व	पच्यास्म	उ०
(लुङ्)	अपाक्षीत्	अपाक्ताम्	अपाक्षुः	प्र०
	अपाक्षीः	अपाक्तम्	अपाक्त	म०
	अपाक्षम्	अपाक्ष्व	अपाक्ष्म	उ०
(लृङ्)	अपक्ष्यत्	अपक्ष्यताम्	अपक्ष्यन्	प्र०
	अपक्ष्यः	अपक्ष्यतम्	अपक्ष्यत	म०
	अपक्ष्यम्	अपक्ष्याव	अपक्ष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	पचते	पचेते	पचन्ते	प्र०
	पचसे	पचेथे	पचध्वे	म०
	पचे	पचावहे	पचामहे	उ०

(लिट्)	पेचे	पेचाते	पेचिरे	प्र०
	पेचिषे	पेचाथे	पेचिध्वे	म०
	पेचे	पेचिवहे	पेचिमहे	उ०
(लुट्)	पक्ता	पक्तारौ	पक्तारः	प्र०
	पक्तासे	पक्तासाथे	पक्ताध्वे	म०
	पक्ताहे	पक्तास्वहे	पक्तास्महे	उ०
(लृट्)	पक्ष्यते	पक्ष्येते	पक्ष्यन्ते	प्र०
	पक्ष्यसे	पक्ष्येथे	पक्ष्यध्वे	म०
	पक्ष्ये	पक्ष्यावहे	पक्ष्यामहे	उ०
(लोट्)	पचताम्	पचेताम्	पचन्ताम्	प्र०
	पचस्व	पचेथाम्	पचध्वम्	म०
	पचै	पचावहै	पचामहै	उ०
(लङ्)	अपचत	अपचेताम्	अपचन्त	प्र०
	अपचथाः	अपचेथाम्	अपचध्वम्	म०
	अपचे	अपचावहि	अपचामहि	उ०
(वि. लि.)	पचेत	पचेयाताम्	पचेरन्	प्र०
	पचेथाः	पचेयाथाम्	पचेध्वम्	म०
	पचेय	पचेवहि	पचेमहि	उ०
(आ. लि.)	पक्षीष्ट	पक्षीयास्ताम्	पक्षीरन्	प्र०
	पक्षीष्ठाः	पक्षीयास्थाम्	पक्षीध्वम्	म०
	पक्षीय	पक्षीवहि	पक्षीमहि	उ०

(लुङ्)	अपक्त	अपक्षाताम्	अपक्षत	प्र०
	अपक्थाः	अपक्षाथाम्	अपग्ध्वम्	म०
	अपक्षि	अपक्ष्वहि	अपक्ष्महि	उ०
(लृङ्)	अपक्ष्यत	अपक्ष्येताम्	अपक्ष्यन्त	प्र०
	अपक्ष्यथाः	अपक्ष्येथाम्	अपक्ष्यध्वम्	म०
	अपक्ष्ये	अपक्ष्यावहि	अपक्ष्यामहि	उ०

(४६) पठ्=पढ़ना (परस्मैपदी)

(लट्)	पठति	पठतः	पठन्ति	प्र०
	पठसि	पठथः	पठथ	म०
	पठामि	पठावः	पठामः	उ०
(लिट्)	पपाठ	पेठतुः	पेठुः	प्र०
	पेठिथ	पेठथुः	पेठ	म०
	पपाठ, पपठ	पेठिव	पेठिम	उ०
(लुट्)	पठिता	पठितारौ	पठितारः	प्र०
	पठितासि	पठितास्थः	पठितास्थ	म०
	पठितास्मि	पठितास्वः	पठितास्मः	उ०
(लृट्)	पठिष्यति	पठिष्यतः	पठिष्यन्ति	प्र०
	पठिष्यसि	पठिष्यथः	पठिष्यथ	म०
	पठिष्यामि	पठिष्यावः	पठिष्यामः	उ०
(लोट्)	पठतु, तात्	पठताम्	पठन्तु	प्र०
	पठ, तात्	पठतम्	पठत	म०
	पठानि	पठाव	पठाम	उ०

(लङ्)	अपठत्	अपठताम्	अपठन्	प्र०
	अपठः	अपठतम्	अपठत	म०
	अपठम्	अपठाव	अपठाम	उ०
(वि. लि.)	पठेत्	पठेताम्	पठेयुः	प्र०
	पठेः	पठेतम्	पठेत	म०
	पठेयम्	पठेव	पठेम	उ०
(आ. लि.)	पठ्यात्	पठ्यास्ताम्	पठ्यासुः	प्र०
	पठ्याः	पठ्यास्तम्	पठ्यास्त	म०
	पठ्यासम्	पठ्यास्व	पठ्यास्म	उ०
(लुङ्)	अपाठीत्	अपाठिष्टाम्	अपाठिषुः	प्र०
	अपाठीः	अपाठिष्टम्	अपाठिष्ट	म०
	अपठषम्	अपाठिष्व	अपाठिष्म	उ०
(लृङ्)	अपठिष्यत्	अपठिष्यताम्	अपठिष्यन्	प्र०
	अपठिष्यः	अपठिष्यतम्	अपठिष्यत	म०
	अपठिष्यम्	अपठिष्याव	अपठिष्याम	उ०

(४७) पत्=गिरना (परस्मैपदी)

(लट्)	पतति	पततः	पतन्ति	
(लिट्)	पपात	पेततुः	पेतुः	
(लुट्)	पतिता	पतितारौ	पतितारः	
(लृट्)	पतिष्यति	पतिष्यतः	पतिष्यन्ति	
(लुङ्)	अपप्तत्	अपप्तताम्	अपप्तन्	प्र०
	अपप्तः	अपप्ततम्	अपप्तत	म०
	अपप्तम्	अपप्ताव	अपप्ताम	उ०

(लृङ्)	अपतिष्यत्	अपतिष्यताम्	अपतिष्यन्	

(४८) पा=पीना (परस्मैपदी)

(लट्)	पिबति	पिबतः	पिबन्ति	प्र०
	पिबसि	पिबथः	पिबथ	म०
	पिबामि	पिबावः	पिबामः	उ०
(लिट्)	पपौ	पपतुः	पपुः	प्र०
	पपिथ, पपाथ	पपथुः	पप	म०
	पपौ	पपिव	पपिम	उ०
(लुट्)	पाता	पातारौ	पातारः	प्र०
	पातासि	पातास्थः	पातास्थ	म०
	पातास्मि	पातास्वः	पातास्मः	उ०
(लृट्)	पास्यति	पास्यतः	पास्यन्ति	प्र०
	पास्यसि	पास्यथः	पास्यथ	म०
	पास्यामि	पास्यावः	पास्यामः	उ०
(लोट्)	पिबतु, तात्	पिबताम्	पिबन्तु	प्र०
	पिब, तात्	पिबतम्	पिबत	म०
	पिबानि	पिबाव	पिबाम	उ०
(लङ्)	अपिबत्	अपिबताम्	अपिबन्	प्र०
	अपिबः	अपिबतम्	अपिबत	म०
	अपिबम्	अपिबाव	अपिबाम	उ०

(वि. लि.)	पिबेत्	पिबेताम्	पिबेयुः	प्र०
	पिबेः	पिबेतम्	पिबेत	म०
	पिबेयम्	पिबेव	पिबेम	उ०
(आ. लि.)	पेयात्	पेयास्ताम्	पेयासुः	प्र०
	पेयाः	पेयास्तम्	पेयास्त	म०
	पेयासम्	पेयास्व	पेयास्म	उ०
(लुङ्)	अपात्	अपाताम्	अपुः	प्र०
	अपाः	अपातम्	अपात	म०
	अपाम्	अपाव	अपाम	उ०
(लृङ्)	अपास्यत्	अपास्यताम्	अपास्यन्	प्र०
	अपास्यः	अपास्यतम्	अपास्यत	म०
	अपास्यम्	अपास्याव	अपास्याम	उ०

(४९) फल=फलना (परस्मैपदी)

(लट्)	फलति	फलतः	फलन्ति	
(लिट्)	पफाल	फेलतुः	फेलुः	प्र०
	फेलिथ	फेलथुः	फेल	म०
	पफाल	फेलिव	फेलिम	उ०
(लुट्)	फलिता	फलितारौ	फलितारः	
(लृट्)	फलिष्यति	फलिष्यतः	फलिष्यन्ति	
(लोट्)	फलतु, तात्	फलताम्	फलन्तु	
(लङ्)	अफलत्	अफलताम्	अफलम्	

(वि. लि.)	फलेत्	फलेताम्	फलेयुः
(आ. लि.)	फल्यात्	फल्यास्ताम्	फल्यासुः
(लुङ्)	अफालीत्	अफालिष्टाम्	अफालिषुः
(लृङ्)	अफलिष्यत्	अफलिष्यताम्	अफलिष्यन्

(५०) फुल्ल=फूलना (परस्मैपदी)

(लट्)	फुल्लति	फुल्लतः	फुल्लन्ति
(लिट्)	पुफुल्ल	पुफुल्लतुः	पुफुल्लुः
(लुट्)	फुल्लिता	फुल्लितारौ	फुल्लितारः
(लृट्)	फुल्लिष्यति	फुल्लिष्यतः	फुल्लिष्यन्ति
(लोट्)	फुल्लतु, तात्	फुल्लताम्	फुल्लन्तु
(लङ्)	अफुल्लत्	अफुल्लताम्	अफुल्लन्
(वि. लि.)	फुल्लेत्	फुल्लेताम्	फुल्लेयुः
(आ. लि.)	फुल्यात्	फुल्यास्ताम्	फुल्यासुः
(लुङ्)	अफुल्लीत्	अफुल्लिष्टाम्	अफुल्लिषुः
(लृङ्)	अफुल्लिष्यत्	अफुल्लिष्यताम्	अफुल्लिष्यन्

(५१) बाध्=पीड़ा देना (आत्मनेपदी)

(लट्)	बाधते	बाधेते	बाधन्ते
(लिट्)	बबाधे	बबाधाते	बबाधिरे
(लुट्)	बाधिता	बाधितारौ	बाधितारः
(लृट्)	बाधिष्यते	बाधिष्येते	बाधिष्यन्ते
(लोट्)	बाधताम्	बाधेताम्	बाधन्ताम्

(लुङ्)	अबाधिष्ट	अबाधिषाताम्	अबाधिषत
(लृङ्)	अबाधिष्यत	अबाधिष्यताम्	अबाधिष्यन्त

(५२) बुध्=जानना (परस्मैपदी)

(लट्)	बोधति	बोधतः	बोधन्ति
(लिट्)	बुबोध	बुबुधतुः	बुबुधुः
(लृट्)	बोधिष्यति	बोधिष्यतः	बोधिष्यन्ति
(लोट्)	बोधतु, तात	बोधताम्	बोधन्तक्स
(आ. लि.)	बुध्यात्	बुध्यास्ताम्	बुध्यासुः
(लुङ्)	अबुधत्	अबुधताम्	अबुधन्
	अबोधीत्	अबोधिष्टाम्	अबोधिषुः
(लृङ्)	अबोधिष्यत्	अबोधिष्यताम्	अबोधिष्यन्

(आत्मनेपदी)

(लट्)	बोधते	बोधेते	बोधन्ते
(लिट्)	बुबुधे	बुबुधाते	बुबुधिरे
(लृट्)	बोधिष्यते	बोधिष्येते	बोधिष्यन्ते
(आ. लि.)	बोधिषीष्ट	बोधिषीयास्ताम्	बोधिषीरन्
(लुङ्)	अबोधिष्ट	अबोधिषाताम्	अबोधिषत
(लृङ्)	अबोधिष्यत	अबोधिष्यताम्	अबोधिष्यन्त

(५३) भज्=सेवा करना (परस्मैपदी)

(लट्)	भजति	भजतः	भजन्ति	प्र०
	भजसि	भजथः	भजथ	म०
	भजामि	भजावः	भजामः	उ०

(लिट्)	बभाज	भेजतुः	भेजुः	प्र०
	भेजिथ, बभक्थ	भेजथुः	भेज	म०
	बभाज, बभज	भेजिव	भेजिम	उ०
(लुट्)	भक्ता	भक्तारौ	भक्तारः	प्र०
	भक्तासि	भक्तास्थः	भक्तास्थ	म०
	भक्तास्मि	भक्तास्वः	भक्तास्मः	उ०
(लृट्)	भक्ष्यति	भक्ष्यतः	भक्ष्यन्ति	प्र०
	भक्ष्यसि	भक्ष्यथः	भक्ष्यथ	म०
	भक्ष्यामि	भक्ष्यावः	भक्षयामः	उ०
(लोट्)	भजतु, तात्	भजताम्	भजन्तु	प्र०
	भज, तात्	भजतम्	भजत	म०
	भजानि	भजाव	भजाम	उ०
(लङ्)	अभजत्	अभजताम्	अभजन्	प्र०
	अभजः	अभजतम्	अभजत	म०
	अभजम्	अभजाव	अभजाम	उ०
(वि. लि.)	भजेत्	भजेताम्	भजेयुः	प्र०
	भजेः	भजेतम्	भजेत	म०
	भजेयम्	भजेव	भजेम	उ०
(आ. लि.)	भज्यात्	भज्यास्ताम्	भज्यासुः	प्र०
	भज्याः	भज्यास्तम्	भज्यास्त	म०
	भज्यासम्	भज्यास्व	भज्यास्म	उ०

(लुङ्)	अभाक्षीत्	अभाक्ताम्	अभाक्षुः	प्र०
	अभाक्षीः	अभाक्तम्	अभाक्त	म०
	अभाक्षम्	अभाक्ष्व	अभाक्ष्म	उ०
(लृङ्)	अभक्ष्यत्	अभक्ष्यताम्	अभक्ष्यन्	प्र०
	अभक्ष्यः	अभक्ष्यतम्	अभक्ष्यत	म०
	अभक्ष्यम्	अभक्ष्याव	अभक्ष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	भजते	भजेते	भजन्ते	प्र०
	भजसे	भजेथे	भजध्वे	म०
	भजे	भजावहे	भजामहे	उ०
(लिट्)	भेजे	भेजाते	भेजिरे	प्र०
	भेजिषे	भेजाथे	भेजिध्वे	म०
	भेजे	भेजिवहे	भेजिमहे	उ०
(लुट्)	भक्ता	भक्तारौ	भक्तारः	प्र०
	भक्तासे	भक्तासाथे	भक्ताध्वे	म०
	भक्ताहे	भक्तास्वहे	भक्तास्महे	उ०
(लृट्)	भक्ष्यते	भक्ष्येते	भक्ष्यन्ते	प्र०
	भक्ष्यसे	भक्ष्येथे	भक्ष्यध्वे	म०
	भक्ष्ये	भक्ष्यावहे	भक्ष्यामहे	उ०
(लोट्)	भजताम्	भजेताम्	भजन्ताम्	प्र०
	भजस्व	भजेथाम्	भजध्वम्	म०
	भजै	भजावहै	भजामहै	उ०

(लङ्)	अभजत	अभजेताम्	अभजन्त	प्र०
	अभजथाः	अभजेथाम्	अभजध्वम्	म०
	अभजे	अभजावहि	अभजामहि	उ०
(वि. लि.)	भजेत	भजेयाताम्	भजेरन्	प्र०
	भजेथाः	भजेयाथाम्	भजेध्वम्	म०
	भजेय	भजेवहि	भजेमहि	उ०
(आ. लि.)	भक्षीष्ट	भक्षीयास्ताम्	भक्षीरन्	प्र०
	भक्षीष्ठाः	भक्षीयास्थाम्	भक्षीध्वम्	म०
	भक्षीय	भक्षीवहि	भक्षीमहि	उ०
(लुङ्)	अभक्त	अभक्षाताम्	अभक्षत	प्र०
	अभक्थाः	अभक्षाथाम्	अभग्ध्वम्	म०
	अभक्षि	अभक्ष्वहि	अभक्ष्महि	उ०
(लृङ्)	अभक्ष्यत	अभक्ष्येताम्	अभक्ष्यन्त	प्र०
	अभक्ष्यथाः	अभक्ष्येथाम्	अभक्ष्यध्वम्	म०
	अभक्ष्ये	अभक्ष्यावहि	अभक्ष्यामहि	उ०

(५४) भाष्=बोलना (आत्मनेपदी)

(लट्)	भाषते	भाषेते	भाषन्ते	प्र०
	भाषसे	भाषेथे	भाषध्वे	म०
	भाषे	भाषावहे	भाषामहे	उ०
(लिट्)	बभाषे	बभाषाते	बभाषिरे	प्र०
	बभाषिषे	बभाषाथे	बभाषिध्वे	म०
	बभाषे	बभाषिवहे	बभाषिमहे	उ०

(लुट्)	भाषिता	भाषितारौ	भाषितारः	प्र०
	भाषितासे	भाषितासाथे	भाषिताध्वे	म०
	भाषिताहे	भाषितास्वहे	भाषितास्महे	उ०
(लृट्)	भाषिष्यते	भाषिष्येते	भाषिष्यन्ते	प्र०
	भाषिष्यसे	भाषिष्येथे	भाषिष्यध्वे	म०
	भाषिष्ये	भाषिष्यावहे	भाषिष्यामहे	उ०
(लोट्)	भाषताम्	भाषेताम्	भाषन्ताम्	प्र०
	भाषस्व	भाषेथाम्	भाषध्वम्	म०
	भाषै	भाषावहै	भाषामहै	उ०
(लङ्)	अभाषत	अभाषेताम्	अभाषन्त	प्र०
	अभाषथाः	अभाषेथाम्	अभाषध्वम्	म०
	अभाषे	अभाषावहि	अभाषामहि	उ०
(वि. लि.)	भाषेत	भाषेयाताम्	भाषेरन्	प्र०
	भाषेथाः	भाषेयाथाम्	भाषेध्वम्	म०
	भाषेय	भाषेवहि	भाषेमहि	उ०
(आ. लि.)	भाषिषीष्ट	भाषिषीयास्ताम्	भाषिषीरन्	प्र०
	भाषिषीष्ठाः	भाषिषीयास्थाम्	भाषिषीध्वम्	म०
	भाषिषीय	भाषिषीवहि	भाषिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अभाषिष्ट	अभाषिषाताम्	अभाषिषत	प्र०
	अभाषिष्ठाः	अभाषिषाथाम्	अभाषिध्वम्	म०
	अभाषिषि	अभाषिष्वहि	अभाषिष्महि	उ०

(लृङ्)	अभाषिष्यत	अभाषिष्येताम्	अभाषिष्यन्त	प्र०
	अभाषिष्यथाः	अभाषिष्येथाम्	अभाषिष्यध्वम्	म०
	अभाषिष्ये	अभाषिष्यावहि	अभाषिष्यामहि	उ०

(५५) भिक्ष=भीख माँगना (आत्मनेपदी)

(लट्)	भिक्षते	भिक्षेते	भिक्षन्ते	प्र०
	भिक्षसे	भिक्षेथे	भिक्षध्वे	म०
	भिक्षे	भिक्षावहे	भिक्षामहे	उ०
(लिट्)	बिभिक्षे	बिभिक्षाते	बिभिक्षिरे	प्र०
	बिभिक्षिषे	बिभिक्षाथे	बिभिक्षिध्वे	म०
	बिभिक्षे	बिभिक्षिवहे	बिभिक्षिमहे	उ०
(लुट्)	भिक्षिता	भिक्षितारौ	भिक्षितारः	
(लृट्)	भिक्षिष्यते	भिक्षिष्येते	भिक्षिष्यन्ते	
(लोट्)	भिक्षताम्	भिक्षेताम्	भिक्षन्ताम्	
(आ.लि.)	भिक्षिषीष्ट	भिक्षिषीयास्ताम्	भिक्षिषीरन्	
(लुङ्)	अभिक्षिष्ट	अभिक्षिषाताम्	अभिक्षिषन्	
(लृङ्)	अभिक्षिष्यत	अभिक्षिष्यताम्	अभिक्षिष्यन्त	

(५६) भूष्=सजाना (परस्मैपदी)

(लट्)	भूषति	भूषतः	भूषन्ति
(लिट्)	बुभूष	बुभूषतुः	बुभूषुः
(लुट्)	भूषिता	भूषितारौ	भूषितारः

(लृट्)	भूषिष्यति	भूषिष्यतः	भूषिष्यन्ति
(लोट्)	भूषतु, तात्	भूषताम्	भूषन्तु
(आ.लि.)	भूष्यात्	भूष्यास्ताम्	भूष्यासुः
(लुङ्)	अभूषीत्	अभूषिष्टाम्	अभूषिषुः
(लृङ्)	अभूषिष्यत्	अभूषिष्यताम्	अभूषिष्यन्

(५७) भृञ्=पालन करना (परस्मैपदी)

(लट्)	भरति	भरतः	भरन्ति	प्र०
	भरसि	भरथः	भरथ	म०
	भरामि	भरावः	भरामः	उ०
(लिट्)	बभार	बभ्रतुः	बभ्रुः	प्र०
	बभर्थ	बभ्रथुः	बभ्र	म०
	बभार, बभर	बभृव	बभृम	उ०
(लुट्)	भर्ता	भर्तारौ	भर्तारः	प्र०
	भर्तासि	भर्तास्थः	भर्तास्थ	म०
	भर्तास्मि	भर्तास्वः	भर्तास्मः	उ०
(लृट्)	भरिष्यति	भरिष्यतः	भरिष्यन्ति	प्र०
	भरिष्यसि	भरिष्यथः	भरिष्यथ	म०
	भरिष्यामि	भरिष्यावः	भरिष्यामः	उ०
(लोट्)	भरतु, तात्	भरताम्	भरन्तु	प्र०
	भर, तात्	भरतम्	भरत	म०
	भराणि	भराव	भराम	उ०

(लङ्)	अभरत्	अभरताम्	अभरन्	प्र०
	अभरः	अभरतम्	अभरत	म०
	अभरम्	अभराव	अभराम	उ०
(वि. लि.)	भरेत्	भरेताम्	भरेयुः	प्र०
	भरेः	भरेतम्	भरेत	म०
	भरेयम्	भरेव	भरेम	उ०
(आ. लि.)	भ्रियात्	भ्रियास्ताम्	भ्रियासुः	प्र०
	भ्रियाः	भ्रियास्तम्	भ्रियास्त	म०
	भ्रियासम्	भ्रियास्व	भ्रियास्म	उ०
(लुङ्)	अभार्षीत्	अभार्ष्टाम्	अभार्षुः	प्र०
	अभार्षीः	अभार्ष्टम्	अभार्ष्ट	म०
	अभार्षम्	अभार्ष्व	अभार्ष्म	उ०
(लृङ्)	अभरिष्यत्	अभरिष्यताम्	अभरिष्यन्	प्र०
	अभरिष्यः	अभरिष्यतम्	अभरिष्यत	म०
	अभरिष्यम्	अभरिष्याव	अभरिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	भरते	भरेते	भरन्ते	प्र०
	भरसे	भरेथे	भरध्वे	म०
	भरे	भरावहे	भरामहे	उ०
(लिट्)	बभ्रे	बभ्राते	बभ्रिरे	प्र०
	बभृषे	बभ्राथे	बभृढ्वे	म०
	बभ्रे	बभृवहे	बभृमहे	उ०

(लुट्)	भर्ता	भर्तारौ	भर्तारः	प्र०
	भर्तासे	भर्तासाथे	भर्ताध्वे	म०
	भर्ताहे	भर्तास्वहे	भर्तास्महे	उ०
(लृट्)	भरिष्यते	भरिष्येते	भरिष्यन्ते	प्र०
	भरिष्यसे	भरिष्येथे	भरिष्यध्वे	म०
	भरिष्ये	भरिष्यावहे	भरिष्यामहे	उ०
(लोट्)	भरताम्	भरेताम्	भरन्ताम्	प्र०
	भरस्व	भरेथाम्	भरध्वम्	म०
	भरै	भरावहै	भरामहै	उ०
(लङ्)	अभरत	अभरेताम्	अभरन्त	प्र०
	अभरथाः	अभरेथाम्	अभरध्वम्	म०
	अभरे	अभरावहि	अभरामहि	उ०
(वि. लि.)	भरेत	भरेयाताम्	भरेरन्	प्र०
	भरेथाः	भरेयाथाम्	भरेध्वम्	म०
	भरेय	भरेवहि	भरेमहि	उ०
(आ. लि.)	भृषीष्ट	भृषीयास्ताम्	भृषीरन्	प्र०
	भृषीष्ठाः	भृषीयास्थाम्	भृषीढ्वम्	म०
	भृषीय	भृषीवहि	भृषीमहि	उ०
(लुङ्)	अभृत	अभृषाताम्	अभृषत	प्र०
	अभृथाः	अभृषाथाम्	अभृढ्वम्	म०
	अभृषि	अभृष्वहि	अभृष्महि	उ०

(लृङ्)	अभरिष्यत	अभरिष्येताम्	अभरिष्यन्त	प्र०
	अभरिष्यथाः	अभरिष्येथाम्	अभरिष्यध्वम्	म०
	अभरिष्ये	अभरिष्यावहि	अभरिष्यामहि	उ०

(५८) भ्रम्=भ्रमण करना (परस्मैपदी)

(लट्)	भ्रमति	भ्रमतः	भ्रमन्ति	प्र०
	भ्रमसि	भ्रमथः	भ्रमथ	म०
	भ्रमामि	भ्रमावः	भ्रमामः	उ०
(लिट्)	बभ्राम	भ्रेमतुः	भ्रेमुः	प्र०
	भ्रेमिथ	भ्रेमथुः	भ्रेम	म०
	बभ्राम, बभ्रम	भ्रेमिव	भ्रेमिम	उ०

अथवा

	बभ्राम	बभ्रमतुः	बभ्रमुः	प्र०
	बभ्रमिथ	बभ्रमथुः	बभ्रम	म०
	बभ्राम, बभ्रम	बभ्रमिव	बभ्रमिम	उ०
(लुट्)	भ्रमिता	भ्रमितारौ	भ्रमितारः	प्र०
	भ्रमितासि	भ्रमितास्थः	भ्रमितास्थ	म०
	भ्रमितास्मि	भ्रमितास्वः	भ्रमितास्मः	उ०
(लृट्)	भ्रमिष्यति	भ्रमिष्यतः	भ्रमिष्यन्ति	प्र०
	भ्रमिष्यसि	भ्रमिष्यथः	भ्रमिष्यथ	म०
	भ्रमिष्यामि	भ्रमिष्यावः	भ्रमिष्यामः	उ०
(लोट्)	भ्रमतु, तात्	भ्रमताम्	भ्रमन्तु	प्र०
	भ्रम, तात्	भ्रमतम्	भ्रमत	म०
	भ्रमानि	भ्रमाव	भ्रमाम	उ०

(लङ्)	अभ्रमत्	अभ्रमताम्	अभ्रमन्	प्र०
	अभ्रमः	अभ्रमतम्	अभ्रमत	म०
	अभ्रमम्	अभ्रमाव	अभ्रमाम	उ०
(वि. लि.)	भ्रमेत्	भ्रमेताम्	भ्रमेयुः	प्र०
	भ्रमेः	भ्रमेतम्	भ्रमेत	म०
	भ्रमेयम्	भ्रमेव	भ्रमेम	उ०
(आ. लि.)	भ्रम्यात्	भ्रम्यास्ताम्	भ्रम्यासुः	प्र०
	भ्रम्याः	भ्रम्यास्तम्	भ्रम्यास्त	म०
	भ्रम्यासम्	भ्रम्यास्व	भ्रम्यास्म	उ०
(लुङ्)	अभ्रमीत्	अभ्रमिष्टाम्	अभ्रमिषुः	प्र०
	अभ्रमीः	अभ्रमिष्टम्	अभ्रमिष्ट	म०
	अभ्रमिषम्	अभ्रमिष्व	अभ्रमिष्म	उ०
(लृङ्)	अभ्रमिष्यत्	अभ्रमिष्येताम्	अभ्रमिष्यन्	प्र०
	अभ्रमिष्यः	अभ्रमिष्यतम्	अभ्रमिष्यत	म०
	अभ्रमिष्यम्	अभ्रमिष्याव	अभ्रमिष्याम	उ०

(५९) भ्रंस्=भ्रष्ट होना (आत्मनेपदी)

(लट्)	भ्रंसते	भ्रंसेते	भ्रंसन्ते	प्र०
	भ्रंससे	भ्रंसेथे	भ्रंसध्वे	म०
	भ्रंसे	भ्रंसावहे	भ्रंसामहे	उ०
(लिट्)	बभ्रंसे	बभ्रंसाते	बभ्रंसिरे	प्र०
	बभ्रंसिषे	बभ्रंसाथे	बभ्रंसिध्वे	म०
	बभ्रंसे	बभ्रंसिवहे	बभ्रंसिमहे	उ०

(लुट्)	भ्रंसिता	भ्रंसितारौ	भ्रंसितारः	प्र०
	भ्रंसितासे	भ्रंसितासाथे	भ्रंसिताध्वे	म०
	भ्रंसिताहे	भ्रंसितास्वहे	भ्रंसितास्महे	उ०
(लृट्)	भ्रंसिष्यते	भ्रंसिष्येते	भ्रंसिष्यन्ते	प्र०
	भ्रंसिष्यसे	भ्रंसिष्येथे	भ्रंसिष्यध्वे	म०
	भ्रंसिष्ये	भ्रंसिष्यावहे	भ्रंसिष्यामहे	उ०
(लोट्)	भ्रंसताम्	भ्रंसेताम्	भ्रंसन्ताम्	प्र०
	भ्रंसस्व	भ्रंसेथाम्	भ्रंसध्वम्	म०
	भ्रंसै	भ्रंसावहै	भ्रंसामहै	उ०
(लङ्)	अभ्रंसत	अभ्रंसेताम्	अभ्रंसन्त	प्र०
	अभ्रंसथाः	अभ्रंसेथाम्	अभ्रंसध्वम्	म०
	अभ्रंसे	अभ्रंसावहि	अभ्रंसामहि	उ०
(वि. लि.)	भ्रंसेत	भ्रंसेयाताम्	भ्रंसेरन्	प्र०
	भ्रंसेथाः	भ्रंसेयाथाम्	भ्रंसेध्वम्	म०
	भ्रंसेय	भ्रंसेवहि	भ्रंसेमहि	उ०
(आ. लि.)	भ्रंसिषीष्ट	भ्रंसिषीयास्ताम्	भ्रंसिषीरन्	प्र०
	भ्रंसिषीष्ठाः	भ्रंसिषीयास्थाम्	भ्रंसिषीध्वम्	म०
	भ्रंसिषीय	भ्रंसिषीवहि	भ्रंसिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अभ्रसत्	अभ्रसताम्	अभ्रसन्	प्र०
	अभ्रसः	अभ्रसतम्	अभ्रसत	म०
	अभ्रसम्	अभ्रसाव	अभ्रसाम	उ०

अथवा

	अभ्रंसिष्ट	अभ्रंसिषाताम्	अभ्रंसिषत	प्र०
	अभ्रंसिष्ठाः	अभ्रंसिषाथाम्	अभ्रंसिढ्वम्	म०
	अभ्रंसिषि	अभ्रंसिष्वहि	अभ्रंसिष्महि	उ०
(लृङ्)	अभ्रंसिष्यत	अभ्रंसिष्येताम्	अभ्रंसिष्यन्त	प्र०
	अभ्रंसिष्यथाः	अभ्रंसिष्येथाम्	अभ्रंसिष्यध्वम्	म०
	अभ्रंसिष्ये	अभ्रंसिष्यावहि	अभ्रंसिष्यामहि	उ०

(६०) मथ्=मथना (परस्मैपदी)

(लट्)	मथ्नाति	मथ्नतः	मथ्नन्ति
(लिट्)	ममन्थ	ममन्थतुः	ममन्थुः
(लृट्)	मन्थिष्यति	मन्थिष्यतः	मन्थिष्यन्ति
(लोट्)	मथ्नातु, तात्	मथ्नताम्	मथ्नन्तु
(आ. लि.)	मथ्यात्	मथ्यास्ताम्	मथ्यासुः
(लुङ्)	अमन्थीत्	अमन्थिष्टाम्	अमन्थिषुः
(लृङ्)	अमन्थिष्यत्	अमन्थिष्यताम्	अमन्थिष्यन्

(६१) मिद=चिकना होना (आत्मनेपदी)

(लट्)	मेदते	मेदेते	मेदन्ते	प्र०
	मेदसे	मेदेथे	मेदध्वे	म०
	मेदे	मेदावहे	मेदामहे	उ०
(लिट्)	मिमिदे	मिमिदाते	मिमिदिरे	प्र०
	मिमिदिषे	मिमिदाथे	मिमिदिध्वे	म०
	मिमिदे	मिमिदिवहे	मिमिदिमहे	उ०

(लुट्)	मेदिता	मेदितारौ	मेदितारः	प्र०
	मेदितासे	मेदितासाथे	मेदिताध्वे	म०
	मेदिताहे	मेदितास्वहे	मेदितास्महे	उ०
(लृट्)	मेदिष्यते	मेदिष्येते	मेदिष्यन्ते	प्र०
	मेदिष्यसे	मेदिष्येथे	मेदिष्यध्वे	म०
	मेदिष्ये	मेदिष्यावहे	मेदिष्यामहे	उ०
(लोट्)	मेदताम्	मेदेताम्	मेदन्ताम्	प्र०
	मेदस्व	मेदेथाम्	मेदध्वम्	म०
	मेदै	मेदावहै	मेदामहै	उ०
(लङ्)	अमेदत	अमेदेताम्	अमेदन्त	प्र०
	अमेदथाः	अमेदेथाम्	अमेदध्वम्	म०
	अमेदे	अमेदावहि	अमेदामहि	उ०
(वि. लि.)	मेदेत	मेदेयाताम्	मेदेरन्	प्र०
	मेदेथाः	मेदेयाथाम्	मेदेध्वम्	म०
	मेदेय	मेदेवहि	मेदेमहि	उ०
(आ. लि.)	मेदिषीष्ट	मेदिषीयास्ताम्	मेदिषीरन्	प्र०
	मेदिषीष्ठाः	मेदिषीयास्थाम्	मेदिषीध्वम्	म०
	मेदिषीय	मेदिषीवहि	मेदिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अमिदत्	अमिदताम्	अमिदन्	प्र०
	अमिदः	अमिदतम्	अमिदत	म०
	अमिदम्	अमिदाव	अमिदाम	उ०

अथवा

	अमेदिष्ट	अमेदिषाताम्	अमेदिषत	प्र०
	अमेदिष्ठाः	अमेदिषाथाम्	अमेदिढ्वम्	म०
	अमेदिषि	अमेदिष्वहि	अमेदिष्महि	उ०
(लृङ्)	अमेदिष्यत	अमेदिष्येताम्	अमेदिष्यन्त	प्र०
	अमेदिष्यथाः	अमेदिष्येथाम्	अमेदिष्यध्वम्	म०
	अमेदिष्ये	अमेदिष्यावहि	अमेदिष्यामहि	उ०

(६२) मुद=प्रसन्न होना (आत्मनेपदी)

(लट्)	मोदते	मोदेते	मोदन्ते	प्र०
	मोदसे	मोदेथे	मोदध्वे	म०
	मोदे	मोदावहे	मोदामहे	उ०
(लिट्)	मुमुदे	मुमुदाते	मुमुदिरे	प्र०
	मुमुदिषे	मुमुदाथे	मुमुदिध्वे	म०
	मुमुदे	मुमुदिवहे	मुमुदिमहे	उ०
(लुट्)	मोदिता	मोदितारौ	मोदितारः	प्र०
	मोदितासे	मोदितासाथे	मोदिताध्वे	म०
	मोदिताहे	मोदितास्वहे	मोदितास्महे	उ०
(लृट्)	मोदिष्यते	मोदिष्येते	मोदिष्यन्ते	प्र०
	मोदिष्यसे	मोदिष्येथे	मोदिष्यध्वे	म०
	मोदिष्ये	मोदिष्यावहे	मोदिष्यामहे	उ०
(लोट्)	मोदताम्	मोदेताम्	मोदन्ताम्	प्र०
	मोदस्व	मोदेथाम्	मोदध्वम्	म०
	मोदै	मोदावहै	मोदामहै	उ०

(लङ्)	अमोदत	अमोदेताम्	अमोदन्त	प्र०
	अमोदथाः	अमोदेथाम्	अमोदध्वम्	म०
	अमोदे	अमोदावहि	अमोदामहि	उ०
(वि. लि.)	मोदेत	मोदेयाताम्	मोदेरन्	प्र०
	मोदेथाः	मोदेयाथाम्	मोदेध्वम्	म०
	मोदेय	मोदेवहि	मोदेमहि	उ०
(आ. लि.)	मोदिषीष्ट	मोदिषीयास्ताम्	मोदिषीरन्	प्र०
	मोदिषीष्ठाः	मोदिषीयास्थाम्	मोदिषीध्वम्	म०
	मोदिषीय	मोदिषीवहि	मोदिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अमोदिष्ट	अमोदिषाताम्	अमोदिषत	प्र०
	अमोदिष्ठाः	अमोदिषाथाम्	अमोदिढ्वम्	म०
	अमोदिषि	अमोदिष्वहि	अमोदिष्महि	उ०
(लृङ्)	अमोदिष्यत	अमोदिष्येताम्	अमोदिष्यन्त	प्र०
	अमोदिष्यथाः	अमोदिष्येथाम्	अमोदिष्यध्वम्	म०
	अमोदिष्ये	अमोदिष्यावहि	अमोदिष्यामहि	उ०

(६३) यज्=पूजा वा यज्ञ करना (परस्मैपदी)

(लट्)	यजति	यजतः	यजन्ति	प्र०
	यजसि	यजथः	यजथ	म०
	यजामि	यजावः	यजामः	उ०
(लिट्)	इयाज	ईजतुः	ईजुः	प्र०
	इजजिथ, इयष्ठ	ईजथुः	ईज	म०
	इयाज, इयज	ईजिव	ईजिम	उ०

(लुट्)	यष्टा	यष्टारौ	यष्टारः	प्र०
	यष्टासि	यष्टास्थः	यष्टास्थ	म०
	यष्टास्मि	यष्टास्वः	यष्टास्मः	उ०
(लृट्)	यक्ष्यति	यक्ष्यतः	यक्ष्यन्ति	प्र०
	यक्ष्यसि	यक्ष्यथः	यक्ष्यथ	म०
	यक्ष्यामि	यक्ष्यावः	यक्ष्यामः	उ०
(लोट्)	यजतु, तात्	यजताम्	यजन्तु	प्र०
	यज, तात्	यजतम्	यजत	म०
	यजानि	यजाव	यजाम	उ०
(लङ्)	अयजत्	अयजताम्	अयजन्	प्र०
	अयजः	अयजतम्	अयजत	म०
	अयजम्	अयजाव	अयजाम	उ०
(वि. लि.)	यजेत्	यजेताम्	यजेयुः	प्र०
	यजेः	यजेतम्	यजेत	म०
	यजेयम्	यजेव	यजेम	उ०
(आ. लि.)	इज्यात्	इज्यास्ताम्	इज्यासुः	प्र०
	इज्याः	इज्यास्तम्	इज्यास्त	म०
	इज्यासम्	इज्यास्व	इज्यास्म	उ०
(लुङ्)	अयाक्षीत्	अयाष्टाम्	अयाक्षुः	प्र०
	अयाक्षीः	अयाष्टम्	अयाष्ट	म०
	अयाक्षम्	अयाक्ष्व	अयाक्ष्म	उ०

(लृङ्)	अयक्ष्यत्	अयक्ष्यताम्	अयक्ष्यन्	प्र०
	अयक्ष्यः	अयक्ष्यतम्	अयक्ष्यत	म०
	अयक्ष्यम्	अयक्ष्याव	अयक्ष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	यजते	यजेते	यजन्ते	प्र०
	यजसे	यजेथे	यजध्वे	म०
	यजे	यजावहे	यजामहे	उ०
(लिट्)	ईजे	ईजाते	ईजिरे	प्र०
	ईजिषे	ईजाथे	ईजिध्वे	म०
	ईजे	ईजिवहे	ईजिमहे	उ०
(लुट्)	यष्टा	यष्टारौ	यष्टारः	प्र०
	यष्टासे	यष्टासाथे	यष्टाध्वे	म०
	यष्टाहे	यष्टास्वहे	यष्टास्महे	उ०
(लृट्)	यक्ष्यते	यक्ष्येते	यक्ष्यन्ते	प्र०
	यक्ष्यसे	यक्ष्येथं	यक्ष्यध्वे	म०
	यक्ष्ये	यक्ष्यावहे	यक्ष्यामहे	उ०
(लोट्)	यजताम्	यजेताम्	यजन्ताम्	प्र०
	यजस्व	यजेथाम्	यजध्वम्	म०
	यजै	यजावहै	यजामहै	उ०
(लङ्)	अयजत	अयजेताम्	अयजन्त	प्र०
	अयजथाः	अयजेथाम्	अयजध्वम्	म०
	अयजे	अयजावहि	अयजामहिं	उ०

(वि. लि.)	यजेत	यजेयाताम्	यजेरन्	प्र०
	यजेथाः	यजेयाथाम्	यजेध्वम्	म०
	यजेय	यजेवहि	यजेमहि	उ०
(आ. लि.)	यक्षीष्ट	यक्षीयास्ताम्	यक्षीरन्	प्र०
	यक्षीष्ठाः	यक्षीयास्थाम्	यक्षीढ्वम्	म०
	यक्षीय	यक्षीवहि	यक्षीमहि	उ०
(लुङ्)	अयष्ट	अयक्षाताम्	अयक्षत	प्र०
	अयष्ठाः	अयक्षाथाम्	अयड्ढ्वम्	म०
	अयक्षि	अयक्ष्वहि	अयक्ष्महि	उ०
(लृङ्)	अयक्ष्यत	अयक्ष्येताम्	अयक्ष्यन्त	प्र०
	अयक्ष्यथाः	अयक्ष्येथाम्	अयक्ष्यध्वम्	म०
	अयक्ष्ये	अयक्ष्यावहि	अयक्ष्यामहि	उ०

(६४) यत्=प्रयत्न करना (आत्मनेपदी)

(लट्)	यतते	यतेते	यतन्ते	
(लिट्)	येते	येताते	येतिरे	प्र०
	येतिषे	येताथे	येतिध्वे	म०
	येते	येतिवहे	येतिमहे	उ०
(लृट्)	यतिष्यते	यतिष्येते	यतिष्यन्ते	
(लोट्)	यतताम्	यतेताम्	यतन्ताम्	
(आ. लि.)	यतिषीष्ट	यतिषीयास्ताम्	यतिषीरन्	

(लुङ्)	अयतिष्ट	अयतिषाताम्	अयतिषत	प्र०
	अयतिष्ठाः	अयतिषाथाम्	अयतिध्वम्	म०
	अयतिषि	अयतिष्वहि	अयतिष्महि	उ०
(लृङ्)	अयतिष्यत	अयतिष्यताम्	अयतिष्यन्त	

(६५) याच्=माँगना (परस्मैपदी)

(लट्)	याचति	याचतः	याचन्ति	प्र०
	याचसि	याचथः	याचथ	म०
	याचामि	याचावः	याचामः	उ०
(लिट्)	ययाच	ययाचतुः	ययाचुः	प्र०
	ययाचिथ	ययाचथुः	ययाच	म०
	ययाच	ययाचिव	ययाचिम	उ०
(लुट्)	याचिता	याचितारौ	याचितारः	प्र०
	याचितासि	याचितास्थः	याचितास्थ	म०
	याचितास्मि	याचितास्वः	याचितास्मः	उ०
(लृट्)	याचिष्यति	याचिष्यतः	याचिष्यन्ति	प्र०
	याचिष्यसि	याचिष्यथः	याचिष्यथ	म०
	याचिष्यामि	याचिष्यावः	याचिष्यामः	उ०
(लोट्)	याचतु, तात्	याचताम्	याचन्तु	प्र०
	याच, तात्	याचतम्	याचत	म०
	याचानि	याचाव	याचाम	उ०

(लङ्)	अयाचत्	अयाचताम्	अयाचन्	प्र०
	अयाचः	अयाचतम्	अयाचत	म०
	अयाचम्	अयाचाव	अयाचाम	उ०
(वि. लि.)	याचेत्	याचेताम्	याचेयुः	प्र०
	याचेः	याचेतम्	याचेत	म०
	याचेतम्	याचेव	याचेम	उ०
(आ. लि.)	याच्यात्	याच्यास्ताम्	याच्यासुः	प्र०
	याच्याः	याच्यास्तम्	याच्यास्त	म०
	याच्यासम्	याच्यास्व	याच्यास्म	उ०
(लुङ्)	अयाचीत्	अयाचिष्टाम्	अयाचिषुः	प्र०
	अयाचीः	अयाचिष्टम्	अयाचिष्ट	म०
	अयाचिषम्	अयाचिष्व	अयाचिष्म	उ०
(लृङ्)	अयाचिष्यत्	अयाचिष्यताम्	अयाचिष्यन्	प्र०
	अयाचिष्यः	अयाचिष्यतम्	अयाचिष्यत	म०
	अयाचिष्यम्	अयाचिष्याव	अयाचिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	याचते	याचेते	याचन्ते	प्र०
	याचसे	याचेथे	याचध्वे	म०
	याचे	याचावहे	याचामहे	उ०
(लिट्)	ययाचे	ययाचाते	ययाचिरे	प्र०
	ययाचिषे	ययाचाथे	ययाचिध्वे	म०
	ययाचे	ययाचिवहे	ययाचिमहे	उ०

(लुट्)	याचिता	याचितारौ	याचितारः	प्र०
	याचितासे	याचितासाथे	याचिताध्वे	म०
	याचिताहे	याचितास्वहे	याचितास्महे	उ०
(लृट्)	याचिष्यते	याचिष्येते	याचिष्यन्ते	प्र०
	याचिष्यसे	याचिष्येथे	याचिष्यध्वे	म०
	याचिष्ये	याचिष्यावहे	याचिष्यामहे	उ०
(लोट्)	याचताम्	याचेताम्	याचन्ताम्	प्र०
	याचस्व	याचेथाम्	याचध्वम्	म०
	याचै	याचावहै	याचामहै	उ०
(लङ्)	अयाचत	अयाचेताम्	अयाचन्त	प्र०
	अयाचथाः	अयाचेथाम्	अयाचध्वम्	म०
	अयाचे	अयाचावहि	अयाचामहि	उ०
(वि. लि.)	याचेत	याचेयाताम्	याचेरन्	प्र०
	याचेथाः	याचेयाथाम्	याचेध्वम्	म०
	याचेय	याचेवहि	याचेमहि	उ०
(आ. लि.)	याचिषीष्ट	याचिषीयास्ताम्	याचिषीरन्	प्र०
	याचिषीष्ठाः	याचिषीयास्थाम्	याचिषीध्वम्	म०
	याचिषीय	याचिषीवहि	याचिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अयाचिष्ट	अयाचिषाताम्	अयाचिषत	प्र०
	अयाचिष्ठाः	अयाचिषाथाम्	अयाचिढ्वम्	म०
	अयाचिषि	अयाचिष्वहि	अयाचिष्महि	उ०

(लृङ्)	अयाचिष्यत	अयाचिष्येताम्	अयाचिष्यन्त	प्र०
	अयाचिष्यथाः	अयाचिष्येथाम्	अयाचिध्वम्	म०
	अयाचिष्ये	अयाचिष्यावहि	अयाचिष्यामहि	उ०

(६६) रक्ष्=रक्षा करना (परस्मैपदी)

(लट्)	रक्षति	रक्षतः	रक्षन्ति	प्र०
	रक्षसि	रक्षथः	रक्षथ	म०
	रक्षामि	रक्षावः	रक्षामः	उ०
(लिट्)	ररक्ष	ररक्षतुः	ररक्षुः	प्र०
	ररक्षिथ	ररक्षथुः	ररक्ष	म०
	ररक्ष	ररक्षिव	ररक्षिम	उ०
(लुट्)	रक्षिता	रक्षितारौ	रक्षितारः	प्र०
	रक्षितासि	रक्षितास्थः	रक्षितास्थ	म०
	रक्षितास्मि	रक्षितास्वः	रक्षितास्मः	उ०
(लृट्)	रक्षिष्यति	रक्षिष्यतः	रक्षिष्यन्ति	प्र०
	रक्षिष्यसि	रक्षिष्यथः	रक्षिष्यथ	म०
	रक्षिष्यामि	रक्षिष्यावः	रक्षिष्यामः	उ०
(लोट्)	रक्षतु, तात्	रक्षताम्	रक्षन्तु	प्र०
	रक्ष, तात्	रक्षतम्	रक्षत	म०
	रक्षाणि	रक्षाव	रक्षाम	उ०
(लङ्)	अरक्षत्	अरक्षताम्	अरक्षन्	प्र०
	अरक्षः	अरक्षतम्	अरक्षत	म०
	अरक्षम्	अरक्षाव	अरक्षाम	उ०

(वि. लि.)	रक्षेत्	रक्षेताम्	रक्षेयुः	प्र०
	रक्षेः	रक्षेतम्	रक्षेत	म०
	रक्षेयम्	रक्षेव	रक्षेम	उ०
(आ. लि.)	रक्ष्यात्	रक्ष्यास्ताम्	रक्ष्यासुः	प्र०
	रक्ष्याः	रक्ष्यास्तम्	रक्ष्यास्त	म०
	रक्ष्यासम्	रक्ष्यास्व	रक्ष्यास्म	उ०
(लुङ्)	अरक्षीत्	अरक्षिष्टाम्	अरक्षिषुः	प्र०
	अरक्षीः	अरक्षिष्टम्	अरक्षिष्ट	म०
	अरक्षिषम्	अरक्षिष्व	अरक्षिष्म	उ०
(लृङ्)	अरक्षिष्यत्	अरक्षिष्यताम्	अरक्षिष्यन्	प्र०
	अरक्षिष्यः	अरक्षिष्यतम्	अरक्षिष्यत	म०
	अरक्षिष्यम्	अरक्षिष्याव	अरक्षिष्याम	उ०

(६७) रभ्= प्रारम्भ करना (आत्मनेपदी)

(लट्)	रभते	रभेते	रभन्ते	
(लिट्)	रेभे	रेभाते	रेभिरे	
(लृट्)	रप्स्यते	रप्स्येते	रप्स्यन्ते	
(लोट्)	रभताम्	रभेताम्	रभन्ताम्	
(आ. लि.)	रप्सीष्ट	रप्सीयास्ताम्	रप्सीरन्	प्र०
	रेभिषे	रेभाथे	रेभिध्वे	म०
	रेभे	रेभिवहे	रेभिमहे	उ०

(लुङ्)	अरब्ध	अरप्साताम्	अरप्सत	प्र०
	अरब्धाः	अरप्साथाम्	अरब्ध्वम्	म०
	अरप्सि	अरप्स्वहि	अरप्स्महि	उ०
(लृङ्)	अरप्स्यत	अरप्स्येताम्	अरप्स्यन्त	

(६८) रम्=खेलना (आत्मनेपदी)

(लट्)	रमते	रमेते	रमन्ते	
(लिट्)	रेमे	रेमाते	रेमिरे	
(लृट्)	रंस्यते	रंस्येते	रंस्यन्ते	
(लुङ्)	अरंस्त	अरंसाताम्	अरंसत	प्र०
	अरंस्थाः	अरंसाथाम्	अरंध्वम्	म०
	अरंसि	अरंस्वहि	अरंस्महि	उ०
(लृङ्)	अरंस्यत	अरंस्येताम्	अरंस्यन्त	

(६९) रुच् = चमकना और रुचना (आत्मनेपदी)

(लट्)	रोचते	रोचेते	रोचन्ते	प्र०
	रोचसे	रोचेथे	रोचध्वे	म०
	रोचे	रोचावहे	रोचामहे	उ०
(लिट्)	रुरुचे	रुरुचाते	रुरुचिरे	प्र०
	रुरुचिषे	रुरुचाथे	रुरुचिध्वे	म०
	रुरुचे	रुरुचिवहे	रुरुचिमहे	उ०
(लुट्)	रोचिता	रोचितारौ	रोचितारः	प्र०
	रोचितासे	रोचितासाथे	रोचिताध्वे	म०
	रोचिताहे	रोचितास्वहे	रोचितास्महे	उ०

(लृट्)	रोचिष्यते	रोचिष्येते	रोचिष्यन्ते	प्र०
	रोचिष्यसे	रोचिष्येथे	रोचिष्यध्वे	म०
	रोचिष्ये	रोचिष्यावहे	रोचिष्यामहे	उ०
(लोट्)	रोचताम्	रोचेताम्	रोचन्ताम्	प्र०
	रोचस्व	रोचेथाम्	रोचध्वम्	म०
	रोचै	रोचावहै	रोचामहै	उ०
(लङ्)	अरोचत	अरोचेताम्	अरोचन्त	प्र०
	अरोचथाः	अरोचेथाम्	अरोचध्वम्	म०
	अरोचे	अरोचावहि	अरोचामहि	उ०
(वि.लि.)	रोचेत	रोचेयाताम्	रोचेरन्	प्र०
	रोचेथाः	रोचेयाथाम्	रोचेध्वम्	म०
	रोचेय	रोचेवहि	रोचेमहि	उ०
(आ.लि.)	रोचिषीष्ट	रोचिषीयास्ताम्	रोचिषीरन्	प्र०
	रोचिषीष्ठाः	रोचिषीयास्थाम्	रोचिषीध्वम्	म०
	रोचिषीय	रोचिषीवहि	रोचिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अरोचत	अरोचताम्	अरोचन्	प्र०
	अरोचः	अरोचतम्	अरोचत	म०
	अरोचम्	अरोचाव	अरोचाम	उ०

अथवा

	अरोचिष्ट	अरोचिषाताम्	अरोचिषत	प्र०
	अरोचिष्ठाः	अरोचिषाथाम्	अरोचिढ्वम्	म०
	अरोचिषि	अरोचिष्वहि	अरोचिष्महि	उ०

(लृङ्)	अरोचिष्यत	अरोचिष्येताम्	अरोचिष्यन्त	प्र०
	अरोचिष्यथाः	अरोचिष्येथाम्	अरोचिष्यध्वम्	म०
	अरोचिष्ये	अरोचिष्यावहि	अरोचिष्यामहि	उ०

(७०) रुह्=उगना (परस्मैपदी)

(लट्)	रोहति	रोहतः	रोहन्ति	
(लिट्)	रुरोह	रुरुहतुः	रुरुहुः	प्र०
	रुरोहिथ	रुरुहथुः	रुरुह	म०
	रुरोह	रुरुहिव	रुरुहिम	उ०
(लृट्)	रोक्ष्यति	रोक्ष्यतः	रोक्ष्यन्ति	
(लोट्)	रोहतु, तात्	रोहताम्	रोहन्तु	
(लुङ्)	अरुक्षत्	अरुक्षताम्	अरुक्षन्	प्र०
	अरुक्षः	अरुक्षतम्	अरुक्षत	म०
	अरुक्षम्	अरुक्षाव	अरुक्षाम	उ०
(लृङ्)	अरोक्ष्यत्	अरोक्ष्यताम्	अरोक्ष्यन्	

(७१) लभ्=पाना (आत्मनेपदी)

(लट्)	लभते	लभेते	लभन्ते	प्र०
	लभसे	लभेथे	लभध्वे	म०
	लभे	लभावहे	लभामहे	उ०
(लिट्)	लेभे	लेभाते	लेभिरे	प्र०
	लेभिषे	लेभाथे	लेभिध्वे	म०
	लेभे	लेभिवहे	लेभिमहे	उ०

(लुट्)	लब्धा	लब्धारौ	लब्धारः	प्र०
	लब्धासे	लब्धासाथे	लब्धाध्वे	म०
	लब्धाहे	लब्धास्वहे	लब्धास्महे	उ०
(लृट्)	लप्स्यते	लप्स्येते	लप्स्यन्ते	प्र०
	लप्स्यसे	लप्स्येथे	लप्स्यध्वे	म०
	लप्स्ये	लप्स्यावहे	लप्स्यामहे	उ०
(लोट्)	लभताम्	लभेताम्	लभन्ताम्	प्र०
	लभस्व	लभेथाम्	लभध्वम्	म०
	लभै	लभावहै	लभामहै	उ०
(लङ्)	अलभत	अलभेताम्	अलभन्त	प्र०
	अलभथाः	अलभेथाम्	अलभध्वम्	म०
	अलभे	अलभावहि	अलभामहि	उ०
(वि. लि.)	लभेत	लभेयाताम्	लभेरन्	प्र०
	लभेथाः	लभेयाथाम्	लभेध्वम्	म०
	लभेय	लभेवहि	लभेमहि	उ०
(आ. लि.)	लप्सीष्ट	लप्सीयास्ताम्	लप्सीरन्	प्र०
	लप्सीष्ठाः	लप्सीयास्थाम्	लप्सीध्वम्	म०
	लप्सीय	लप्सीवहि	लप्सीमहि	उ०
(लुङ्)	अलब्ध	अलप्साताम्	अलप्सत	प्र०
	अलब्धाः	अलप्साथाम्	अलब्ध्वम्	म०
	अलप्सि	अलप्स्वहि	अलप्स्महि	उ०

(लृङ्)	अलप्स्यत	अलप्स्येताम्	अलप्स्यन्त	प्र०
	अलप्स्यथाः	अलप्स्येथाम्	अलप्स्यध्वम्	म०
	अलप्स्ये	अलप्स्यावहि	अलप्स्यामहि	उ०

(७२) वद्=कहना (परस्मैपदी)

(लट्)	वदति	वदतः	वदन्ति	प्र०
	वदसि	वदथः	वदथ	म०
	वदामि	वदावः	वदामः	उ०
(लिट्)	उवाद	ऊदतुः	ऊदुः	प्र०
	उवदिथ	ऊदथुः	ऊद	म०
	उवाद, उवद	ऊदिव	ऊदिम	उ०
(लुट्)	वदिता	वदितारौ	वदितारः	प्र०
	वदितासि	वदितास्थः	वदितास्थ	म०
	वदितास्मि	वदितास्वः	वदितास्मः	उ०
(लृट्)	वदिष्यति	वदिष्यतः	वदिष्यन्ति	प्र०
	वदिष्यसि	वदिष्यथः	वदिष्यथ	म०
	वदिष्यामि	वदिष्यावः	वदिष्यामः	उ०
(लोट्)	वदतु, तात्	वदताम्	वदन्तु	प्र०
	वद, तात्	वदतम्	वदत	म०
	वदानि	वदाव	वदाम	उ०
(लङ्)	अवदत्	अवदताम्	अवदन्	प्र०
	अवदः	अवदतम्	अवदत	म०
	अवदम्	अवदाव	अवदाम	उ०

(वि.लि.)	वदेत्	वदेताम्	वदेयुः	प्र०
	वदेः	वदेतम्	वदेत	म०
	वदेयम्	वदेव	वदेम	उ०
(आ.लि.)	उद्यात्	उद्यास्ताम्	उद्यासुः	प्र०
	उद्याः	उद्यास्तम्	उद्यास्त	म०
	उद्यासम्	उद्यास्व	उद्यास्म	उ०
(लुङ्)	अवादीत्	अवादिष्टाम्	अवादिषुः	प्र०
	अवादीः	अवादिष्टम्	अवादिष्ट	म०
	अवादिषम्	अवादिष्व	अवादिष्म	उ०
(लृङ्)	अवदिष्यत्	अवदिष्यताम्	अवदिष्यन्	प्र०
	अवदिष्यः	अवदिष्यतम्	अवदिष्यत	म०
	अवदिष्यम्	अवदिष्याव	अवदिष्याम	उ०

(७३) वन्द्=नमस्कार करना (आत्मनेपदी)

(लट्)	वन्दते	वन्देते	वन्दन्ते
(लिट्)	ववन्दे	ववन्दाते	ववन्दिरे
(लृट्)	वन्दिष्यते	वन्दिष्येते	वन्दिष्यन्ते
(आ.लि.)	वन्दिषीष्ट	वन्दिषीयास्ताम्	वन्दिषीरन्
(लुङ्)	अवन्दिष्ट	अवन्दिषाताम्	अवन्दिषत
(लृङ्)	अवन्दिष्यत	अवन्दिष्येताम्	अवन्दिष्यन्त

(७४) वप्=बोना, कपड़ा बुनना (परस्मैपदी)

(लट्)	वपति	वपतः	वपन्ति	प्र०
	वपसि	वपथः	वपथ	म०
	वपामि	वपावः	वपामः	उ०

(लिट्)	उवाप	ऊपतुः	ऊपुः	प्र०
	उवपिथ, उवाथ	ऊपथुः	ऊप	म०
	उवाप, उवप	ऊपिव	ऊपिम	उ०
(लुट्)	वप्ता	वप्तारौ	वप्तारः	प्र०
	वप्तासि	वप्तास्थः	वप्तास्थ	म०
	वप्तास्मि	वप्तास्वः	वप्तास्मः	उ०
(लृट्)	वप्स्यति	वप्स्यतः	वप्स्यन्ति	प्र०
	वप्स्यसि	वप्स्यथः	वप्स्यथ	म०
	वप्स्यामि	वप्स्यावः	वप्स्यामः	उ०
(लोट्)	वपतु, तात्	वपताम्	वपन्तु	प्र०
	वप, तात्	वपतम्	वपत	म०
	वपानि	वपाव	वपाम	उ०
(लङ्)	अवपत्	अवपताम्	अवपन्	प्र०
	अवपः	अवपतम्	अवपत	म०
	अवपम्	अवपाव	अवपाम	उ०
(वि.लि.)	वपेत्	वपेताम्	वपेयुः	प्र०
	वपेः	वपेतम्	वपेत	म०
	वपेयम्	वपेव	वपेम	उ०
(आ.लि.)	उप्यात्	उप्यास्ताम्	उप्यासुः	प्र०
	उप्याः	उप्यास्तम्	उप्यास्त	म०
	उप्यासम्	उप्यास्व	उप्यास्म	उ०

(लुङ्)	अवाप्सीत्	अवाप्ताम्	अवाप्सुः	प्र०
	अवाप्सीः	अवाप्तम्	अवाप्त	म०
	अवाप्सम्	अवाप्स्व	अवाप्स्म	उ०
(लृङ्)	अवप्स्यत्	अवप्स्यताम्	अवप्स्यन्	प्र०
	अवप्स्यः	अवप्स्यतम्	अवप्स्यत	म०
	अवप्स्यम्	अवप्स्याव	अवप्स्याम	उ०

वप्=बोना, कपड़ा बुनना (आत्मनेपदी)

(लट्)	वपते	वपाते	वपन्ते	प्र०
	वपसे	वपाथे	वपध्वे	म०
	वपे	वपावहे	वपामहे	उ०
(लिट्)	ऊपे	ऊपाते	ऊपिरे	प्र०
	ऊपिषे	ऊपाथे	ऊपिध्वे	म०
	ऊपे	ऊपिवहे	ऊपिमहे	उ०
(लुट्)	वप्ता	वप्तारौ	वप्तारः	प्र०
	वप्तासे	वप्तासाथे	वप्ताध्वे	म०
	वप्ताहे	वप्तास्वहे	वप्तास्महे	उ०
(लृट्)	वप्स्यते	वप्स्येते	वप्स्यन्ते	प्र०
	वप्स्यसे	वप्स्येथे	वप्स्यध्वे	म०
	वप्स्ये	वप्स्यावहे	वप्स्यामहे	उ०
(लोट्)	वपताम्	वपेताम्	वपन्ताम्	प्र०
	वपस्व	वपेथाम्	वपध्वम्	म०
	वपै	वपावहै	वपामहै	उ०

(लङ्)	अवपत	अवपेताम्	अवपन्त	प्र०
	अवपथाः	अवपेथाम्	अवपध्वम्	म०
	अवपे	अवपावहि	अवपामहि	उ०
(वि. लि.)	वपेत	वपेयाताम्	वपेरन्	प्र०
	वपेथाः	वपेयाथाम्	वपेध्वम्	म०
	वपेय	वपेवहि	वपेमहि	उ०
(आ. लि.)	वप्सीष्ट	वप्सीयास्ताम्	वप्सीरन्	प्र०
	वप्सीष्ठाः	वप्सीयास्थाम्	वप्सीध्वम्	म०
	वप्सीय	वप्सीवहि	वप्सीमहि	उ०
(लुङ्)	अवप्त	अवप्साताम्	अवप्सत	प्र०
	अवप्थाः	अवप्साथाम्	अवब्ध्वम्	म०
	अवप्सि	अवप्स्वहि	अवप्स्महि	उ०
(लृङ्)	अवप्स्यत	अवप्स्येताम्	अवप्स्यन्त	प्र०
	अवप्स्यथाः	अवप्स्येथाम्	अवप्स्यध्वम्	म०
	अवप्स्ये	अवप्स्यावहि	अवप्स्यामहि	उ०

(७५) वस् = रहना, समय बिताना (परस्मैपदी)

(लट्)	वसति	वसतः	वसन्ति	प्र०
	वससि	वसथः	वसथ	म०
	वसामि	वसावः	वसामः	उ०
(लिट्)	उवास	ऊषतुः	ऊषुः	प्र०
	उवसिथ, उवस्थ	ऊषथुः	ऊष	म०
	उवास, उवस	ऊषिव	ऊषिम	उ०

(लुट्)	वस्ता	वस्तारौ	वस्तारः	प्र०
	वस्तासि	वस्ताथः	वस्तास्थ	म०
	वस्तास्मि	वस्तास्वः	वस्तास्मः	उ०
(लृट्)	वत्स्यति	वत्स्यतः	वत्स्यन्ति	प्र०
	वत्स्यसि	वत्स्यथः	वत्स्यथ	म०
	वत्स्यामि	वत्स्यावः	वत्स्यामः	उ०
(लोट्)	वसतु, तात्	वसताम्	वसन्तु	प्र०
	वस, तात्	वसतम्	वसत	म०
	वसानि	वसाव	वसाम	उ०
(लङ्)	अवसत्	अवसताम्	अवसन्	प्र०
	अवसः	अवसतम्	अवसत	म०
	अवसम्	अवसाव	अवसाम	उ०
(वि.लि.)	वसेत्	वसेताम्	वसेयुः	प्र०
	वसेः	वसेतम्	वसेत	म०
	वसेयम्	वसेव	वसेम	उ०
(आ.लि.)	वस्यात्	वस्यास्ताम्	वस्यासुः	प्र०
	वस्याः	वस्यास्तम्	वस्यास्त	म०
	वस्यासम्	वस्यास्व	वस्यास्म	उ०
(लुङ्)	अवात्सीत्	अवात्ताम्	अवात्सुः	प्र०
	अवात्सीः	अवात्तम्	अवात्त	म०
	अवात्सम्	अवात्स्व	अवात्स्म	उ०
(लृङ्)	अवत्स्यत्	अवत्स्यताम्	अवत्स्यन्	प्र०
	अवत्स्यः	अवत्स्यतम्	अवत्स्यत	म०
	अवत्स्यम्	अवत्स्याव	अवत्स्याम	उ०

(७६) वह् = बहना, ले जाना (परस्मैपदी)

(लट्)	वहति	वहतः	वहन्ति	प्र०
	वहसि	वहथः	वहथ	म०
	वहामि	वहावः	वहामः	उ०
(लिट्)	उवाह	ऊहतुः	ऊहुः	प्र०
	ऊवहिथ, उवोढ	ऊहथुः	ऊह	म०
	उवाह, उवह	ऊहिव	ऊहिम	उ०
(लुट्)	वोढा	वोढारौ	वोढारः	प्र०
	वोढासि	वोढास्थः	वोढास्थ	म०
	वोढास्मि	वोढास्वः	वोढास्मः	उ०
(लृट्)	वक्ष्यति	वक्ष्यतः	वक्ष्यन्ति	प्र०
	वक्ष्यसि	वक्ष्यथः	वक्ष्यथ	म०
	वक्ष्यामि	वक्ष्यावः	वक्ष्यामः	उ०
(लोट्)	वहतु, तात्	वहताम्	वहन्तु	प्र०
	वह, तात्	वहतम्	वहत	म०
	वहानि	वहाव	वहाम	उ०
(लङ्)	अवहत्	अवहताम्	अवहन्	प्र०
	अवहः	अवहतम्	अवहत	म०
	अवहम्	अवहाव	अवहाम	उ०
(वि.लि.)	वहेत्	वहेताम्	वहेयुः	प्र०
	वहेः	वहेतम्	वहेत	म०
	वहेयम्	वहेव	वहेम	उ०

(आ. लि.)	उह्यात्	उह्यास्ताम्	उह्यासुः	प्र०
	उह्याः	उह्यास्तम्	उह्यास्त	म०
	उह्यासम्	उह्यास्व	उह्यास्म	उ०
(लुङ्)	अवाक्षीत्	अवोढाम्	अवाक्षुः	प्र०
	अवाक्षीः	अवोढम्	अवोढ	म०
	अवाक्षम्	अवाक्ष्व	अवाक्ष्म	उ०
(लृङ्)	अवक्ष्यत्	अवक्ष्यताम्	अवक्ष्यन्	प्र०
	अवक्ष्यः	अवक्ष्यतम्	अवक्ष्यत	म०
	अवक्ष्यम्	अवक्ष्याव	अवक्ष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	वहते	वहेते	वहन्ते	प्र०
	वहसे	वहेथे	वहध्वे	म०
	वहे	वहावहे	वहामहे	उ०
(लिट्)	ऊहे	ऊहाते	ऊहिरे	प्र०
	ऊहिषे	ऊहाथे	ऊहिध्वे, ढ्वे	म०
	ऊहे	ऊहिवहे	ऊहिमहे	उ०
(लुट्)	वोढा	वोढारौ	वोढारः	प्र०
	वोढासे	वोढासाथे	वोढाध्वे	म०
	वोढाहे	वोढास्वहे	वोढास्महे	उ०
(लृट्)	वक्ष्यते	वक्ष्येते	वक्ष्यन्ते	प्र०
	वक्ष्यसे	वक्ष्येथे	वक्ष्यध्वे	म०
	वक्ष्ये	वक्ष्यावहे	वक्ष्यामहे	उ०

(लोट्)	वहताम्	वहेताम्	वहन्ताम्	प्र०
	वहस्व	वहेथाम्	वहध्वम्	म०
	वहै	वहावहै	वहामहै	उ०
(लङ्)	अवहत	अवहेताम्	अवहन्त	प्र०
	अवहथाः	अवहेथाम्	अवहध्वम्	म०
	अवहे	अवहावहि	अवहामहि	उ०
(वि. लि.)	वहेत	वहेयाताम्	वहेरन्	प्र०
	वहेथाः	वहेयाथाम्	वहेध्वम्	म०
	वहेय	वहेवहि	वहेमहि	उ०
(आ. लि.)	वक्षीष्ट	वक्षीयास्ताम्	वक्षीरन्	प्र०
	वक्षीष्ठाः	वक्षीयास्थाम्	वक्षीध्वम्	म०
	वक्षीय	वक्षीवहि	वक्षीमहि	उ०
(लुङ्)	अवोढ	अवक्षाताम्	अवक्षत	प्र०
	अवोढाः	अवक्षाथाम्	अवोढ्वम्	म०
	अवक्षि	अवक्ष्वहि	अवक्ष्महि	उ०
(लृङ्)	अवक्ष्यत	अवक्ष्येताम्	अवक्ष्यन्त	प्र०
	अवक्ष्यथाः	अवक्ष्येथाम्	अवक्ष्यध्वम्	म०
	अवक्ष्ये	अवक्ष्यावहि	अवक्ष्यामहि	उ०

(७७) वाञ्छ=इच्छा करना (परस्मैपदी)

(लट्)	वाञ्छति	वाञ्छतः	वाञ्छन्ति	
(लिट्)	ववाञ्छ	ववाञ्छतुः	ववाञ्छुः	प्र०
	ववाञ्छिथ	ववाञ्छथुः	ववाञ्छ	म०
	ववाञ्छ	ववाञ्छिव	ववाञ्छिम	उ०

(लृट्)	वाञ्छिष्यति	वाञ्छिष्यतः	वाञ्छिष्यन्ति।
(लोट्)	वाञ्छतु, तात्	वाञ्छताम्	वाञ्छन्तु
(आ.लि.)	वाञ्छ्यात्	वाञ्छ्यास्ताम्	वाञ्छ्यासुः
(लुङ्)	अवाञ्छीत्	अवाञ्छिष्टाम्	अवाञ्छिषुः
(लृङ्)	अवाञ्छिष्यत्	अवाञ्छिष्यताम्	अवाञ्छिष्यन्

(७८) वृतु=रहना (आत्मनेपदी)

(लट्)	वर्तते	वर्तेते	वर्तन्ते	प्र०
	वर्तसे	वर्तेथे	वर्तध्वे	म०
	वर्ते	वर्तावहे	वर्तामहे	उ०
(लिट्)	ववृते	ववृताते	ववृतिरे	प्र०
	ववृतिषे	ववृताथे	ववृतिध्वे	म०
	ववृते	ववृतिवहे	ववृतिमहे	उ०
(लुट्)	वर्तिता	वर्तितारौ	वर्तितारः	प्र०
	वर्तितासे	वर्तितासाथे	वर्तिताध्वे	म०
	वर्तिताहे	वर्तितास्वहे	वर्तितास्महे	उ०
		अथवा		
	वर्तिष्यते	वर्तिष्येते	वर्तिष्यन्ते	प्र०
	वर्तिष्यसे	वर्तिष्येथे	वर्तिष्यध्वे	म०
	वर्तिष्ये	वर्तिष्यावहे	वर्तिष्यामहे	उ०
(लृट्)	वर्त्स्यति	वर्त्स्यतः	वर्त्स्यन्ति	प्र०
	वर्त्स्यसि	वर्त्स्यथः	वर्त्स्यथ	म०
	वर्त्स्यामि	वर्त्स्यावः	वर्त्स्यामः	उ०

(लोट्)	वर्तताम्	वर्तेताम्	वर्तन्ताम्	प्र०
	वर्तस्व	वर्तेथाम्	वर्तध्वम्	म०
	वर्तै	वर्तावहै	वर्तामहै	उ०
(लङ्)	अवर्तत	अवर्तेताम्	अवर्तन्त	प्र०
	अवर्तथाः	अवर्तेथाम्	अवर्तध्वम्	म०
	अवर्ते	अवर्तावहि	अवर्तामहि	उ०
(वि.लि.)	वर्तेत	वर्तेयाताम्	वर्तेरन्	प्र०
	वर्तेथाः	वर्तेयाथाम्	वर्तेध्वम्	म०
	वर्तेय	वर्तेवहि	वर्तेमहि	उ०
(आ.लि.)	वर्तिषीष्ट	वर्तिषीयास्ताम्	वर्तिषीरन्	प्र०
	वर्तिषीष्ठाः	वर्तिषीयास्थाम्	वर्तिषीध्वम्	म०
	वर्तिषीय	वर्तिषीवहि	वर्तिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अवृतत्	अवृतताम्	अवृतन्	प्र०
	अवृतः	अवृततम्	अवृतत	म०
	अवृतम्	अवृताव	अवृताम	उ०
		अथवा		
	अवर्तिष्ट	अवर्तिषाताम्	अवर्तिषत	प्र०
	अवर्तिष्ठाः	अवर्तिषाथाम्	अवर्तिढ्वम्	म०
	अवर्तिषि	अवर्तिष्वहि	अवर्तिष्महि	उ०
(लृङ्)	अवर्तिष्यत	अवर्तिष्येताम्	अवर्तिष्यन्त	प्र०
	अवर्तिष्यथाः	अवर्तिष्येथाम्	अवर्तिष्यध्वम्	म०
	अवर्तिष्ये	अवर्तिष्यावहि	अवर्तिष्यामहि	उ०

	अवर्त्स्यत्	अवर्त्स्यताम्	अवर्त्स्यन्	प्र०
	अवर्त्स्यः	अवर्त्स्यतम्	अवर्त्स्यत	म०
	अवर्त्स्यम्	अवर्त्स्याव	अवर्त्स्याम	उ०

(७९) वृध्=बढना (आत्मनेपदी)

(लट्)	वर्धते	वर्धेते	वर्धन्ते	प्र०
	वर्धसे	वर्धेथे	वर्धध्वे	म०
	वर्धे	वर्धावहे	वर्धामहे	उ०
(लिट्)	ववृधे	ववृधाते	ववृधिरे	प्र०
	ववृधिषे	ववृधाथे	ववृधिध्वे	म०
	ववृधे	ववृधिवहे	ववृधिमहे	उ०
(लुट्)	वर्धिता	वर्धितारौ	वर्धितारः	प्र०
	वर्धितासे	वर्धितासाथे	वर्धिताध्वे	म०
	वर्धिताहे	वर्धितास्वहे	वर्धितास्महे	उ०
(लृट्)	वर्धिष्यते	वर्धिष्येते	वर्धिष्यन्ते	प्र०
	वर्धिष्यसे	वर्धिष्येथे	वर्धिष्यध्वे	म०
	वर्धिष्ये	वर्धिष्यावहे	वर्धिष्यामहे	उ०
(लोट्)	वर्धताम्	वर्धेताम्	वर्धन्ताम्	प्र०
	वर्धस्व	वर्धेथाम्	वर्धध्वम्	म०
	वर्धै	वर्धावहै	वर्धामहै	उ०
(लङ्)	अवर्धत	अवर्धेताम्	अवर्धन्त	प्र०
	अवर्धथाः	अवर्धेथाम्	अवर्धध्वम्	म०
	अवर्धे	अवर्धावहि	अवर्धामहि	उ०

(वि. लि.)	वर्धेत	वर्धेयाताम्	वर्धेरन्	प्र०
	वर्धेथाः	वर्धेयाथाम्	वर्धेध्वम्	म०
	वर्धेय	वर्धेवहि	वर्धेमहि	उ०
(आ. लि.)	वर्धिषीष्ट	वर्धिषीयास्थाम्	वर्धिषीरन्	प्र०
	वर्धिषीष्ठाः	वर्धिषीयास्थाम्	वर्धिषीध्वम्	म०
	वर्धिषीय	वर्धिषीवहि	वर्धिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अवर्धिष्ट	अवर्धिषाताम्	अवर्धिषत	प्र०
	अवर्धिष्ठाः	अवर्धिषाथाम्	अवर्धिढ्वम्	म०
	अवर्धिषि	अवर्धिष्वहि	अवर्धिष्महि	उ०
(लृङ्)	अवर्धिष्यत	अवर्धिष्येताम्	अवर्धिष्यन्त	प्र०
	अवर्धिष्यथाः	अवर्धिष्येथाम्	अवर्धिष्यध्वम्	म०
	अवर्धिष्ये	अवर्धिष्यावहि	अवर्धिष्यामहि	उ०

(८०) वृष्=बरसना (परस्मैपदी)

(लट्)	वर्षति	वर्षतः	वर्षन्ति
(लिट्)	ववर्ष	ववर्षतुः	ववर्षुः
(लृट्)	वर्षिष्यति	वर्षिष्यतः	वर्षिष्यन्ति
(लोट्)	वर्षतु, तात्	वर्षताम्	वर्षन्तु
(आ. लि.)	वृष्यात्	वृष्यास्ताम्	वृष्यासुः
(लुङ्)	अवर्षीत्	अवर्षिष्टाम्	अवर्षिषुः
(लृङ्)	अवर्षिष्यत्	अवर्षिष्यताम्	अवर्षिष्यन्

(८१) व्रज=जाना (परस्मैपदी)

(लट्)	व्रजति	व्रजतः	व्रजन्ति	प्र०
	व्रजसि	व्रजथः	व्रजथ	म०
	व्रजामि	व्रजावः	व्रजामः	उ०
(लिट्)	वव्राज	वव्रजतुः	वव्रजुः	प्र०
	वव्रजिथ	वव्रजथुः	वव्रज	म०
	वव्राज-वव्रज	वव्रजिव	वव्रजिम	उ०
(लुट्)	व्रजिता	व्रजितारौ	व्रजितारः	प्र०
	व्रजतासि	व्रजितास्थः	व्रजितास्थ	म०
	व्रजितास्मि	व्रजितास्वः	व्रजितास्मः	उ०
(लृट्)	व्रजिष्यति	व्रजिष्यतः	व्रजिष्यन्ति	प्र०
	व्रजिष्यसि	व्रजिष्यथः	व्रजिष्यथ	म०
	व्रजिष्यामि	व्रजिष्यावः	व्रजिष्यामः	उ०
(लोट्)	व्रजतु, तात्	व्रजताम्	व्रजन्तु	प्र०
	व्रज, तात्	व्रजतम्	व्रजत	म०
	व्रजानि	व्रजाव	व्रजाम	उ०
(लङ्)	अव्रजत्	अव्रजताम्	अव्रजन्	प्र०
	अव्रजः	अव्रजतम्	अव्रजत	म०
	अव्रजम्	अव्रजाव	अव्रजाम	उ०
(वि. लि.)	व्रजेत्	व्रजेताम्	व्रजेयुः	प्र०
	व्रजेः	व्रजेतम्	व्रजेत	म०
	व्रजेयम्	व्रजेव	व्रजेम	उ०

(आ. लि.)	व्रज्यात्	व्रज्यास्ताम्	व्रज्यासुः	प्र०
	व्रज्याः	व्रज्यास्तम्	व्रज्यास्त	म०
	व्रज्यासम्	व्रज्यास्व	व्रज्यास्म	उ०
(लुङ्)	अव्राजीत्	अव्राजिष्टाम्	अव्राजिषुः	प्र०
	अव्राजीः	अव्राजिष्टम्	अव्राजिष्ट	म०
	अव्राजिषम्	अव्राजिष्व	अव्राजिष्म	उ०
(लृङ्)	अव्रजिष्यत्	अव्रजिष्यताम्	अव्रजिष्यन्	प्र०
	अव्रजिष्यः	अव्रजिष्यतम्	अव्रजिष्यत	म०
	अव्रजिष्यम्	अव्रजिष्याव	अव्रजिष्याम	उ०

(८२) शंक=शंका करना (आत्मनेपदी)

(लट्)	शङ्कते	शङ्केते	शङ्कन्ते
(लिट्)	शशङ्के	शशङ्काते	शशङ्किरे
(लुट्)	शङ्किता	शङ्कितारौ	शङ्कितारः
(लृट्)	शङ्किष्यते	शङ्किष्येते	शङ्किष्यन्ते
(लोट्)	शङ्कताम्	शङ्केताम्	शङ्कन्ताम्
(आ. लि.)	शङ्किषीष्ट	शङ्किषीयास्ताम्	शङ्किषीरन्
(लुङ्)	अशङ्किष्ट	अशङ्किषाताम्	अशङ्किषत
(लृङ्)	अशङ्किष्यत	अशङ्किष्यताम्	अशङ्किष्यन्त

(८३) शंस्=प्रशंसा करना (परस्मैपदी)

(लट्)	शंसति	शंसतः	शंसन्ति
(लिट्)	शशंस	शशंसतुः	शशंसुः

(लुट्)	शंसिता	शंसितारौ	शंसितारः
(लृट्)	शंसिष्यति	शंसिष्यतः	शंसिष्यन्ति
(लोट्)	शंसतु, तात्	शंसताम्	शंसन्तु
(आ. लि.)	शस्यात्	शस्यास्ताम्	शस्यासुः
(लुङ्)	अशंसीत्	असंसिष्टाम्	अशंसिषुः
(लृङ्)	अशंसिष्यत्	अशंसिष्यताम्	अशंसिष्यन्

(८४) शिक्ष्=सीखना (आत्मनेपदी)

(लट्)	शिक्षते	शिक्षेते	शिक्षन्ते
(लिट्)	शिशिक्षे	शिशिक्षाते	शिशिक्षिरे
(लुट्)	शिक्षिता	शिक्षितारौ	शिक्षितारः
(लृट्)	शिक्षिष्यते	शिक्षिष्येते	शिक्षिष्यन्ते
(आ. लि.)	शिक्षिषीष्ट	शिक्षिषीयास्ताम्	शिक्षिषीरन्
(लुङ्)	अशिक्षिष्ट	अशिक्षिषाताम्	अशिक्षिषत
(लृङ्)	अशिक्षिष्यत	अशिक्षिष्यताम्	अशिक्षिष्यन्त

(८५) शुच=शोक करना

(लट्)	शोचति	शोचतः	शोचन्ति	प्र०
	शोचसि	शोचथः	शोचथ	म०
	शोचामि	शोचावः	शोचामः	उ०
(लिट्)	शुशोच	शुशुचतुः	शुशुचुः	प्र०
	शुशोचिथ	शुशुचथुः	शुशुच	म०
	शुशोच	शुशुचिव	शुशुचिम	उ०

(लुट्)	शोचिता	शोचितारौ	शोचितारः	प्र०
	शोचितासि	शोचितास्थः	शोचितास्थ	म०
	शोचितास्मि	शोचितास्वः	शोचितास्मः	उ०
(लृट्)	शोचिष्यति	शोचिष्यतः	शोचिष्यन्ति	प्र०
	शोचिष्यसि	शोचिष्यथः	शोचिष्यथ	म०
	शोचिष्यामि	शोचिष्यावः	शोचिष्यामः	उ०
(लोट्)	शोचतु, तात्	शोचताम्	शोचन्तु	प्र०
	शोच, तात्	शोचतम्	शोचत	म०
	शोचानि	शोचाव	शोचाम	उ०
(लङ्)	अशोचत्	अशोचताम्	अशोचन्	प्र०
	अशोचः	अशोचतम्	अशोचत	म०
	अशोचम्	अशोचाव	अशोचाम	उ०
(वि. लि.)	शोचेत्	शोचेताम्	शोचेयुः	प्र०
	शोचेः	शोचेतम्	शोचेत	म०
	शोचेयम्	शोचेव	शोचेम	उ०
(आ. लि.)	शुच्यात्	शुच्यास्ताम्	शुच्यासुः	प्र०
	शुच्याः	शुच्यास्तम्	शुच्यास्त	म०
	शुच्यासम्	शुच्यास्व	शुच्यास्म	उ०
(लुङ्)	अशोचीत्	अशोचिष्टाम्	अशोचिषुः	प्र०
	अशोचीः	अशोचिष्टम्	अशोचिष्ट	म०
	अशोचिषम्	अशोचिष्व	अशोचिष्म	उ०

(लृङ्)	अशोचिष्यत्	अशोचिष्यताम्	अशोचिष्यन्	प्र०
	अशोचिष्यः	अशोचिष्यतम्	अशोचिष्यत	म०
	अशोचिष्यम्	अशोचिष्याव	अशोचिष्याम	उ०

(८६) शुभ=शोभित होना (आत्मनेपदी)

(लट्)	शोभते	शोभेते	शोभन्ते	प्र०
	शोभसे	शोभेथे	शोभध्वे	म०
	शोभे	शोभावहे	शोभामहे	उ०
(लिट्)	शुशुभे	शुशुभाते	शुशुभिरे	प्र०
	शुशुभिषे	शुशुभाथे	शुशुभिध्वे	म०
	शुशुभे	शुशुभिवहे	शुशुभिमहे	उ०
(लुट्)	शोभिता	शोभितारौ	शोभितारः	प्र०
	शोभितासे	शोभितासाथे	शोभिताध्वे	म०
	शोभिताहे	शोभितास्वहे	शोभितास्महे	उ०
(लृट्)	शोभिष्यते	शोभिष्येते	शोभिष्यन्ते	प्र०
	शोभिष्यसे	शोभिष्येथे	शोभिष्यध्वे	म०
	शोभिष्ये	शोभिष्यावहे	शोभिष्यामहे	उ०
(लोट्)	शोभताम्	शोभेताम्	शोभन्ताम्	प्र०
	शोभस्व	शोभेथाम्	शोभध्वम्	म०
	शोभै	शोभावहै	शोभामहै	उ०
(लङ्)	अशोभत	अशोभेताम्	अशोभन्त	प्र०
	अशोभथाः	अशोभेथाम्	अशोभध्वम्	म०
	अशोभे	अशोभावहि	अशोभामहि	उ०

(वि.लि.)	शोभेत	शोभेयाताम्	शोभेरन्	प्र०
	शोभेथाः	शोभेयाथाम्	शोभेध्वम्	म०
	शोभेय	शोभेवहि	शोभेमहि	उ०
(आ.लि.)	शोभिषीष्ट	शोभिषीयास्ताम्	शोभिषीरन्	प्र०
	शोभिषीष्ठाः	शोभिषीयास्थाम्	शोभिषीध्वम्	म०
	शोभिषीय	शोभिषीवहि	शोभिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अशुभत्	अशुभताम्	अशुभन्	प्र०
	अशुभः	अशुभतम्	अशुभत	म०
	अशुभम्	अशुभाव	अशुभाम	उ०

अथवा

	अशोभिष्ट	अशोभिषाताम्	अशोभिषत	प्र०
	अशोभिष्ठाः	अशोभिषाथाम्	अशोभिढ्वम्	म०
	अशोभिषि	अशोभिष्वहि	अशोभिष्महि	उ०
(लृङ्)	अशोभिष्यत	अशोभिष्येताम्	अशोभिष्यन्त	प्र०
	अशोभिष्यथाः	अशोभिष्येथाम्	अशोभिष्यध्वम्	म०
	अशोभिष्ये	अशोभिष्यावहि	अशोभिष्यामहि	उ०

(८७) श्रिञ्=सहारा लेना (परस्मैपदी)

(लट्)	श्रयति	श्रयतः	श्रयन्ति	प्र०
	श्रयसि	श्रयथः	श्रयथ	म०
	श्रयामि	श्रयावः	श्रयामः	उ०

(लिट्)	शिश्राय	शिश्रियतुः	शिश्रियुः	प्र०
	शिश्रयिथ	शिश्रयथुः	शिश्रिय	म०
	शिश्राय, शिश्रय	शिश्रियिव	शिश्रियिम	उ०
(लुट्)	श्रयिता	श्रयितारौ	श्रयितारः	प्र०
	श्रयितासि	श्रयितास्थः	श्रयितास्थ	म०
	श्रयितास्मि	श्रयितास्वः	श्रयितास्मः	उ०
(लृट्)	श्रयिष्यति	श्रयिष्यतः	श्रयिष्यन्ति	प्र०
	श्रयिष्यसि	श्रयिष्यथः	श्रयिष्यथ	म०
	श्रयिष्यामि	श्रयिष्यावः	श्रयिष्यामः	उ०
(लोट्)	श्रयतु, तात्	श्रयताम्	श्रयन्तु	प्र०
	श्रय, तात्	श्रयतम्	श्रयत	म०
	श्रयानि	श्रयाव	श्रयाम	उ०
(लङ्)	अश्रयत्	अश्रयताम्	अश्रयन्	प्र०
	अश्रयः	अश्रयतम्	अश्रयत	म०
	अश्रयम्	अश्रयाव	अश्रयाम	उ०
(वि.लि.)	श्रयेत्	श्रयेताम्	श्रयेयुः	प्र०
	श्रयेः	श्रयेतम्	श्रयेत	म०
	श्रयेयम्	श्रयेव	श्रयेम	उ०
(आ.लि.)	श्रीयात्	श्रीयास्ताम्	श्रीयासुः	प्र०
	श्रीयाः	श्रीयास्तम्	श्रीयास्त	म०
	श्रीयासम्	श्रीयास्व	श्रीयास्म	उ०

(लुङ्)	अशिश्रियत्	अशिश्रियताम्	अशिश्रियन्	प्र०
	अशिश्रियः	अशिश्रियतम्	अशिश्रियत	म०
	अशिश्रियम्	अशिश्रियाव	अशिश्रियाम	उ०
(लृङ्)	अश्रयिष्यत्	अश्रयिष्यताम्	अश्रयिष्यन्	प्र०
	अश्रयिष्यः	अश्रयिष्यतम्	अश्रयिष्यत	म०
	अश्रयिष्यम्	अश्रयिष्याव	अश्रयिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	श्रयते	श्रयेते	श्रयन्ते	प्र०
	श्रयसे	श्रयेथे	श्रयध्वे	म०
	श्रये	श्रयावहे	श्रयामहे	उ०
(लिट्)	शिश्रिये	शिश्रियाते	शिश्रियिरे	प्र०
	शिश्रियिषे	शिश्रियाथे	शिश्रियिध्वे-ढ्वे	म०
	शिश्रिये	शिश्रियिवहे	शिश्रियिमहे	उ०
(लुट्)	श्रयिता	श्रयितारौ	श्रयितारः	प्र०
	श्रयितासे	श्रयितासाथे	श्रयिताध्वे	म०
	श्रयिताहे	श्रयितास्वहे	श्रयितास्महे	उ०
(लृट्)	श्रयिष्यते	श्रयिष्येते	श्रयिष्यन्ते	प्र०
	श्रयिष्यसे	श्रयिष्येथे	श्रयिष्यध्वे	म०
	श्रयिष्ये	श्रयिष्यावहे	श्रयिष्यामहे	उ०
(लोट्)	श्रयताम्	श्रयेताम्	श्रयन्ताम्	प्र०
	श्रयस्व	श्रयेथाम्	श्रयध्वम्	म०
	श्रयै	श्रयावहै	श्रयामहै	उ०

(लङ्)	अश्रयत	अश्रयेताम्	अश्रयन्त	प्र०
	अश्रयथाः	अश्रयेथाम्	अश्रयध्वम्	म०
	अश्रये	अश्रयावहि	अश्रयामहि	उ०
(वि॰लि॰)	श्रयेत	श्रयेयाताम्	श्रयेरन्	प्र०
	श्रयेथाः	श्रयेयाथाम्	श्रयेध्वम्	म०
	श्रयेय	श्रयेवहि	श्रयेमहि	उ०
(आ॰लि॰)	श्रयिषीष्ट	श्रयिषीयास्ताम्	श्रयिषीरन्	प्र०
	श्रयिषीष्ठाः	श्रयिषीयास्थाम्	श्रयिषीध्वम्	म०
	श्रयिषीय	श्रयिषीवहि	श्रयिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अशिश्रियत	अशिश्रियेताम्	अशिश्रियन्त	प्र०
	अशिश्रियथाः	अशिश्रियेथाम्	अशिश्रियध्वम्	म०
	अशिश्रिये	अशिश्रियावहि	अशिश्रियामहि	उ०
(लृङ्)	अश्रयिष्यत	अश्रयिष्येताम्	अश्रयिष्यन्त	प्र०
	अश्रयिष्यथाः	अश्रयिष्येथाम्	अश्रयिष्यध्वम्	म०
	अश्रयिष्ये	अश्रयिष्यावहि	अश्रयिष्यामहि	उ०

(८८) श्रु=सुनना (परस्मैपदी)

(लट्)	शृणोति	शृणुतः	शृण्वन्ति	प्र०
	शृणोषि	शृणुथः	शृणुथ	म०
	शृणोमि	शृणुवः, शृण्वः	शृणुमः, शृण्मः	उ०
(लिट्)	शुश्राव	शुश्रुवतुः	शुश्रुवुः	प्र०
	शुश्रोथ	शुश्रुवथुः	शुश्रुव	म०
	शुश्राव, शुश्रव	शुश्रुव	शुश्रुम	उ०

(लुट्)	श्रोता	श्रोतारौ	श्रोतारः	प्र०
	श्रोतासि	श्रोतास्थः	श्रोतास्थ	म०
	श्रोतास्मि	श्रोतास्वः	श्रोतास्मः	उ०
(लृट्)	श्रोष्यति	श्रोष्यतः	श्रोष्यन्ति	प्र०
	श्रोस्यसि	श्रोष्यथः	श्रोष्यथ	म०
	श्रोष्यामि	श्रोष्यावः	श्रोष्यामः	उ०
(लोट्)	शृणोतु, शृणुतात्	शृणुताम्	शृण्वन्तु	प्र०
	शृणु, शृणुतात्	शृणुतम्	शृणुत	म०
	शृणवानि	शृणवाव	शृणवाम	उ०
(लङ्)	अशृणोत्	अशृणुताम्	अशृण्वन्	प्र०
	अशृणोः	अशृणुतम्	अशृणुत	म०
	अशृणवम्	अशृणुव, अशृण्व	अशृणुम, अशृण्म	उ०
(वि. लि.)	शृणुयात्	शृणुयाताम्	शृणुयुः	प्र०
	शृणुयाः	शृणुयातम्	शृणुयात	म०
	शृणुयाम्	शृणुयाव	शृणुयाम	उ०
(आ. लि.)	श्रूयात्	श्रूयास्ताम्	श्रूयासुः	प्र०
	श्रूयाः	श्रूयास्तम्	श्रूयास्त	म०
	श्रूयासम्	श्रूयास्व	श्रूयास्म	उ०
(लुङ्)	अश्रौषीत्	अश्रौष्टाम्	अश्रौषुः	प्र०
	अश्रौषीः	अश्रौष्टम्	अश्रौष्ट	म०
	अश्रौषम्	अश्रौष्व	अश्रौष्म	उ०

(लृङ्)	अश्रोष्यत्	अश्रोष्यताम्	अश्रोष्यन्	प्र०
	अश्रोष्यः	अश्रोष्यतम्	अश्रोष्यत	म०
	अश्रोष्यम्	अश्रोष्याव	अश्रोष्याम	उ०

(८९) श्विता=सफेद होना (आत्मनेपदी)

(लट्)	श्वेतते	श्वेतेते	श्वेतन्ते	प्र०
	श्वेतसे	श्वेतेथे	श्वेतध्वे	म०
	श्वेते	श्वेतावहे	श्वेतामहे	उ०
(लिट्)	शिश्विते	शिश्विताते	शिश्वितिरे	प्र०
	शिश्वितिषे	शिश्विताथे	शिश्वितिध्वे	म०
	शिश्विते	शिश्वितिवहे	शिश्वितिमहे	उ०
(लुट्)	श्वेतिता	श्वेतितारौ	श्वेतितारः	प्र०
	श्वेतितासे	श्वेतितासाथे	श्वेतिताध्वे	म०
	श्वेतिताहे	श्वेतितास्वहे	श्वेतितास्महे	उ०
(लृट्)	श्वेतिष्यते	श्वेतिष्येते	श्वेतिष्यन्ते	प्र०
	श्वेतिष्यसे	श्वेतिष्येथे	श्वेतिष्यध्वे	म०
	श्वेतिष्ये	श्वेतिष्यावहे	श्वेतिष्यामहे	उ०
(लोट्)	श्वेतताम्	श्वेतेताम्	श्वेतन्ताम्	प्र०
	श्वेतस्व	श्वेतेथाम्	श्वेतध्वम्	म०
	श्वेतै	श्वेतावहै	श्वेतामहै	उ०
(लङ्)	अश्वेतत	अश्वेतेताम्	अश्वेतन्त	प्र०
	अश्वेतथाः	अश्वेतेथाम्	अश्वेतध्वम्	म०
	अश्वेते	अश्वेतावहि	अश्वेतामहि	उ०

(वि. लि.)	श्वेतेत	श्वेतेयाताम्	श्वतेरन्	प्र०
	श्वेतेथाः	श्वेतेयाथाम्	श्वेतेध्वम्	म०
	श्वेतेय	श्वेतेवहि	श्वेतेमहि	उ०
(आ. लि.)	श्वेतिषीष्ट	श्वेतिषीयास्ताम्	श्वेतिषीरन्	प्र०
	श्वेतिषीष्ठाः	श्वेतिषीयास्थाम्	श्वेतिषीध्वम्	म०
	श्वेतिषीय	श्वेतिषीवहि	श्वेतिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अश्वितत्	अश्वितताम्	अश्वितन्	प्र०
	अश्वितः	अश्विततम्	अश्वितत	म०
	अश्वितम्	अश्विताव	अश्विताम	उ०
		अथवा		
	अश्वेतिष्ट	अश्वेतिषाताम्	अश्वेतिषत	प्र०
	अश्वेतिष्ठाः	अश्वेतिषाथाम्	अश्वेतिढ्वम्	म०
	अश्वेतिषि	अश्वेतिष्वहि	अश्वेतिष्महि	उ०
(लृङ्)	अश्वेतिष्यत	अश्वेतिष्येताम्	अश्वेतिष्यन्त	प्र०
	अश्वेतिष्यथाः	अश्वेतिष्येथाम्	अश्वेतिष्यध्वम्	म०
	अश्वेतिष्ये	अश्वेतिष्यावहि	अश्वेतिष्यामहि	उ०

(९०) षिध्=जाना (परस्मैपदी)

(लट्)	सेधति	सेधतः	सेधन्ति	प्र०
	सेधसि	सेधथः	सेधथ	म०
	सेधामि	सेधावः	सेधामः	उ०
(लिट्)	सिषेध	सिषिधतुः	सिषिधुः	प्र०
	सिषेधिथ	सिषिधथुः	सिषिध	म०
	सिषेध	सिषिधिव	सिषिधिम	उ०

(लुट्)	सेधिता	सेधितारौ	सेधितारः	प्र०
	सेधितासि	सेधितास्थः	सेधितास्थ	म०
	सेधितास्मि	सेधितास्वः	सेधितास्मः	उ०
(लृट्)	सेधिष्यति	सेधिष्यतः	सेधिष्यन्ति	प्र०
	सेधिष्यसि	सेधिष्यथः	सेधिष्यथ	म०
	सेधिष्यामि	सेधिष्यावः	सेधिष्यामः	उ०
(लोट्)	सेधतु, सेधतात्	सेधताम्	सेधन्तु	प्र०
	सेध, सेधतात्	सेधतम्	सेधत	म०
	सेधानि	सेधाव	सेधाम	उ०
(लङ्)	असेधत्	असेधताम्	असेधन्	प्र०
	असेधः	असेधतम्	असेधत	म०
	असेधम्	असेधाव	असेधाम	उ०
(वि. लि.)	सेधेत्	सेधेताम्	सेधेयुः	प्र०
	सेधेः	सेधेतम्	सेधेत	म०
	सेधेयम्	सेधेव	सेधेम	उ०
(आ. लि.)	सिध्यात्	सिध्यास्ताम्	सिध्यासुः	प्र०
	सिध्याः	सिध्यास्तम्	सिध्यास्त	म०
	सिध्यासम्	सिध्यास्व	सिध्यास्म	उ०
(लुङ्)	असेधीत्	असेधिष्टाम्	असेधिषुः	प्र०
	असेधीः	असेधिष्टम्	असेधिष्ट	म०
	असेधिषम्	असेधिष्व	असेधिष्म	उ०

(लृङ्)	असेधिष्यत्	असेधिष्यताम्	असेधिष्यन्	प्र०
	असेधिष्यः	असेधिष्यतम्	असेधिष्यत	म०
	असेधिष्यम्	असेधिष्याव	असेधिष्याम	उ०

(९१) सह्=सहन करना (आत्मनेपदी)

(लट्)	सहते	सहेते	सहन्ते	प्र०
	सहसे	सहेथे	सहध्वे	म०
	सहे	सहावहे	सहामहे	उ०
(लिट्)	सेहे	सेहाते	सेहिरे	प्र०
	सेहिषे	सेहाथे	सेहिध्वे	म०
	सेहे	सेहिवहे	सेहिमहे	उ०
(लुट्)	सोढा	सोढारौ	सोढारः	प्र०
	सोढासे	सोढासाथे	सोढाध्वे	म०
	सोढाहे	सोढास्वहे	सोढास्महे	उ०
(लृट्)	सहिष्यते	सहिष्येते	सहिष्यन्ते	प्र०
	सहिष्यसे	सहिष्येथे	सहिष्यध्वे	म०
	सहिष्ये	सहिष्यावहे	सहिष्यामहे	उ०
(लोट्)	सहताम्	सहेताम्	सहन्ताम्	प्र०
	सहस्व	सहेथाम्	सहध्वम्	म०
	सहै	सहावहै	सहामहै	उ०
(लङ्)	असहत	असहेताम्	असहन्त	प्र०
	असहथाः	असहेथाम्	असहध्वम्	म०
	असहे	असहावहि	असहामहि	उ०

(वि. लि.)	सहेत	सहेयाताम्	सहेरन्	प्र०
	सहेथाः	सहेयाथाम्	सहेध्वम्	म०
	सहेय	सहेवहि	सहेमहि	उ०
(आ. लि.)	सहिषीष्ट	सहिषीयास्ताम्	सहिषीरन्	प्र०
	सहिषीष्ठाः	सहिषीयास्थाम्	सहिषीध्वम्	म०
	सहिषीय	सहिषीवहि	सहिषीमहि	उ०
(लुङ्)	असहिष्ट	असहिषाताम्	असहिषत	प्र०
	असहिष्ठाः	असहिषाथाम्	असहिढ्वम्	म०
	असहिषि	असहिष्वहि	असहिष्महि	उ०
(लृङ्)	असहिष्यत	असहिष्येताम्	असहिष्यन्त	प्र०
	असहिष्यथाः	असहिष्येथाम्	असहिष्यध्वम्	म०
	असहिष्ये	असहिष्यावहि	असहिष्यामहि	उ०

(९२) सेव्=सेवा करना (आत्मनेपदी)

(लट्)	सेवते	सेवेते	सेवन्ते	प्र०
	सेवसे	सेवेथे	सेवध्वे	म०
	सेवे	सेवावहे	सेवामहे	उ०
(लिट्)	सिषेवे	सिषेवाते	सिषेविरे	प्र०
	सिषेविषे	सिषेवाथे	सिषेविध्वे	म०
	सिषेवे	सिषेविवहे	सिषेविमहे	उ०
(लुट्)	सेविता	सेवितारौ	सेवितारः	प्र०
	सेवितासे	सेवितासाथे	सेविताध्वे	म०
	सेविताहे	सेवितास्वहे	सेवितास्महे	उ०

(लृट्)	सेविष्यते	सेविष्येते	सेविष्यन्ते	प्र०
	सेविष्यसे	सेविष्येथे	सेविष्यध्वे	म०
	सेविष्ये	सेविष्यावहे	सेविष्यामहे	उ०
(लोट्)	सेवताम्	सेवेताम्	सेवन्ताम्	प्र०
	सेवस्व	सेवेथाम्	सेवध्वम्	म०
	सेवै	सेवावहै	सेवामहै	उ०
(लङ्)	असेवत	असेवेताम्	असेवन्त	प्र०
	असेवथाः	असेवेथाम्	असेवध्वम्	म०
	असेवे	असेवावहि	असेवामहि	उ०
(वि. लि.)	सेवेत	सेवेयाताम्	सेवेरन्	प्र०
	सेवेथाः	सेवेयाथाम्	सेवेध्वम्	म०
	सेवेय	सेवेवहि	सेवेमहि	उ०
(आ. लि.)	मेविषीष्ट	सेविषीयास्ताम्	सेविषीरन्	प्र०
	सेविषीष्ठाः	सेविषीयास्थाम्	सेविषीध्वम्	म०
	सेविषीय	सेविषीवहि	सेविषीमहि	उ०
(लुङ्)	असेविष्ट	असेविषाताम्	असेविषत	प्र०
	असेविष्ठाः	असेविषाथाम्	असेविढ्वम्	म०
	असेविषि	असेविष्वहि	असेविष्महि	उ०
(लृङ्)	असेविष्यत	असेविष्येताम्	असेविष्यन्त	प्र०
	असेविष्यथाः	असेविष्येथाम्	असेविष्यध्वम्	म०
	असेविष्ये	असेविष्यावहि	असेविष्यामहि	उ०

(९३) स्था=ठहरना (परस्मैपदी)

(लट्)	तिष्ठति	तिष्ठतः	तिष्ठन्ति	प्र०
	तिष्ठसि	तिष्ठथः	तिष्ठथ	म०
	तिष्ठामि	तिष्ठावः	तिष्ठामः	उ०
(लिट्)	तस्थौ	तस्थतुः	तस्थुः	प्र०
	तस्थिथ, तस्थाथ	तस्थथुः	तस्थ	म०
	तस्थौ	तस्थिव	तस्थिम	उ०
(लुट्)	स्थाता	स्थातारौ	स्थातारः	प्र०
	स्थातासि	स्थातास्थः	स्थातास्थ	म०
	स्थातास्मि	स्थातास्वः	स्थातास्मः	उ०
(लृट्)	स्थास्यति	स्थास्यतः	स्थास्यन्ति	प्र०
	स्थःस्यसि	स्थास्यथः	स्थास्यथ	म०
	स्थास्यामि	स्थास्यावः	स्थास्यामः	उ०
(लोट्)	तिष्ठतु, तात्	तिष्ठताम्	तिष्ठन्तु	प्र०
	तिष्ठ, तात्	तिष्ठतम्	तिष्ठत	म०
	तिष्ठानि	तिष्ठाव	तिष्ठाम	उ०
(लङ्)	अतिष्ठत्	अतिष्ठताम्	अतिष्ठन्	प्र०
	अतिष्ठः	अतिष्ठतम्	अतिष्ठत	म०
	अतिष्ठम्	अतिष्ठाव	अतिष्ठाम	उ०
(वि. लि.)	तिष्ठेत्	तिष्ठेताम्	तिष्ठेयुः	प्र०
	तिष्ठेः	तिष्ठेतम्	तिष्ठेत	म०
	तिष्ठेयम्	तिष्ठेव	तिष्ठेम	उ०

(आ. लि.)	स्थेयात्	स्थेयास्ताम्	स्थेयासुः	प्र०
	स्थेयाः	स्थेयास्तम्	स्थेयास्त	म०
	स्थेयासम्	स्थेयास्व	स्थेयास्म	उ०
(लुङ्)	अस्थात्	अस्थाताम्	अस्थुः	प्र०
	अस्थाः	अस्थातम्	अस्थात	म०
	अस्थाम्	अस्थाव	अस्थाम	उ०
(लृङ्)	अस्थास्यत्	अस्थास्यताम्	अस्थास्यन्	प्र०
	अस्थास्यः	अस्थास्यतम्	अस्थास्यत	म०
	अस्थास्यम्	अस्थास्याव	अस्थास्याम	उ०

(९४) स्मृ=स्मरण करना (पस्मैपदी)

(लट्)	स्मरति	स्मरतः	स्मरन्ति	प्र०
	स्मरसि	स्मरथः	स्मरथ	म०
	स्मरामि	स्मरावः	स्मरामः	उ०
(लिट्)	सस्मार	सस्मरतुः	सस्मरुः	प्र०
	सस्मर्थ	सस्मरथुः	सस्मर	म०
	सस्मार, सस्मर	सस्मरिव	सस्मरिम	उ०
(लुट्)	स्मर्ता	स्मर्तारौ	स्मर्तारः	प्र०
	स्मर्तासि	स्मर्तास्थः	स्मर्तास्थ	म०
	स्मर्तास्मि	स्मर्तास्वः	स्मर्तास्मः	उ०
(लृट्)	स्मरिष्यति	स्मरिष्यतः	स्मरिष्यन्ति	प्र०
	स्मरिष्यसि	स्मरिष्यथः	स्मरिष्यथ	म०
	स्मरिष्यामि	स्मरिष्यावः	स्मरिष्यामः	उ०

(लोट्)	स्मरतु, तात्	स्मरताम्	स्मरन्तु	प्र०
	स्मर, तात्	स्मरतम्	स्मरत	म०
	स्मराणि	स्मराव	स्मराम	उ०
(लङ्)	अस्मरत्	अस्मरताम्	अस्मरन्	प्र०
	अस्मरः	अस्मरतम्	अस्मरत	म०
	अस्मरम्	अस्मराव	अस्मराम	उ०
(वि. लि.)	स्मरेत्	स्मरेताम्	स्मरेयुः	प्र०
	स्मरेः	स्मरेतम्	स्मरेत	म०
	स्मरेयम्	स्मरेव	स्मरेम	उ०
(आ. लि.)	स्मर्यात्	स्मर्यास्ताम्	स्मर्यासुः	प्र०
	स्मर्याः	स्मर्यास्तम्	स्मर्यास्त	म०
	स्मर्यासम्	स्मर्यास्व	स्मर्यास्म	उ०
(लुङ्)	अस्मार्षीत्	अस्मार्ष्टाम्	अस्मार्षुः	प्र०
	अस्मार्षीः	अस्मार्ष्टम्	अस्मार्ष्ट	म०
	अस्मार्षम्	अस्मार्ष्व	अस्मार्ष्म	उ०
(लृङ्)	अस्मरिष्यत्	अस्मरिष्यताम्	अस्मरिष्यन्	प्र०
	अस्मरिष्यः	अस्मरिष्यतम्	अस्मरिष्यत	म०
	अस्मरिष्यम्	अस्मरिष्याव	अमरिष्याम	उ०

(९५) स्वद्=स्वाद लेना (आत्मनेपदी)

(लट्)	स्वदते	स्वदेते	स्वदन्ते	

(लिट्)	सस्वदे	सस्वदाते	सस्वदिरे	प्र०
	सस्वदिषे	सस्वदाथे	सस्वदिध्वे	म०
	सस्वदे	सस्वदिवहे	सस्वदिमहे	उ०
(लुट्)	स्वदिता	स्वदितारौ	स्वदितारः	
(लृट्)	स्वदिष्यते	स्वदिष्येते	स्वदिष्यन्ते	
(लोट्)	स्वदताम्	स्वदेताम्	स्वदन्ताम्	
(आ. लि.)	स्वदिषीष्ट	स्वदिषीयास्ताम्	स्वदिषीरन्	
(लुङ्)	अस्वदिष्ट	अस्वदिषाताम्	अस्वदिषत	प्र०
	अस्वदिष्ठाः	अस्वदिषाथाम्	अस्वदिध्वम्	म०
	अस्वदिषि	अस्वदिष्वहि	अस्वदिष्महि	उ०
(लृङ्)	अस्वदिष्यत	अस्वदिष्यताम्	अस्वदिष्यन्त	

(९६) स्वाद्=स्वाद लेना (आत्मनेपदी)

(लट्)	स्वादते	स्वादेते	स्वादन्ते	
(लिट्)	सस्वादे	सस्वादाते	सस्वादिरे	प्र०
	सस्वादिषे	सस्वादाथे	सस्वादिध्वे	म०
	सस्वादे, सस्वदे	सस्वादिवहे	सस्वादिमहे	उ०
(लुट्)	स्वादिता	स्वादितारौ	स्वादितारः	
(लृट्)	स्वादिष्यते	स्वादिष्येते	स्वादिष्यन्ते	
(आ. लि.)	स्वादिषीष्ट	स्वादिषीयास्ताम्	स्वादिषीरन्	
(लुङ्)	अस्वादिष्ट	अस्वादिषाताम्	अस्वादिषत	
(लृङ्)	अस्वादिष्यत	अस्वादिष्येताम्	अस्वादिष्यन्त	

(९७) स्रंस् = अधः पतन होना (आत्मनेपदी)

(लट्)	स्रंसते	स्रंसेते	स्रंसन्ते	प्र०
	स्रंससे	स्रंसेथे	स्रंसध्वे	म०
	स्रंसे	स्रंसावहे	स्रंसामहे	उ०
(लिट्)	सस्रंसे	सस्रंसाते	सस्रंसिरे	प्र०
	सस्रंसिषे	सस्रंसाथे	सस्रंसिध्वे	म०
	सस्रंसे	सस्रंसिवहे	सस्रंसिमहे	उ०
(लुट्)	स्रंसिता	स्रंसितारौ	स्रंसितारः	प्र०
	स्रंसितासे	स्रंसितासाथे	स्रंसिताध्वे	म०
	स्रंसिताहे	स्रंसितास्वहे	स्रंसितास्महे	उ०
(लृट्)	स्रंसिष्यते	स्रंसिष्येते	स्रंसिष्यन्ते	प्र०
	स्रंसिष्यथे	स्रंसिष्येथे	स्रंसिष्यध्वे	म०
	स्रंसिष्ये	स्रंसिष्यावहे	स्रंसिष्यामहे	उ०
(लोट्)	स्रंसताम्	स्रंसेताम्	स्रंसन्ताम्	प्र०
	स्रंसस्व	स्रंसेथाम्	स्रंसध्वम्	म०
	स्रंसै	स्रंसावहै	स्रंसामहै	उ०
(लङ्)	अस्रंसत	अस्रंसेताम्	अस्रंसन्त	प्र०
	अस्रंसथाः	अस्रंसेथाम्	अस्रंसध्वम्	म०
	अस्रंसे	अस्रंसेवहि	अस्रंसेमहि	उ०
(वि. लि.)	स्रंसेत	स्रंसेयाताम्	स्रंसेरन्	प्र०
	स्रंसेथाः	स्रंसेयाथाम्	स्रंसेध्वम्	म०
	स्रंसेय	स्रंसेवहि	स्रंसेमहि	उ०

(आ. लि.)	स्रंसिषीष्ट	स्रंसिषीयास्ताम्	स्रंसिषीरन्	प्र०
	स्रंसिषीष्ठाः	स्रंसिषीयास्थाम्	स्रंसिषीध्वम्	म०
	स्रंसिषीय	स्रंसिषीवहि	स्रंसिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अस्रसत्	अस्रसताम्	अस्रसन्	प्र०
	अस्रसः	अस्रसतम्	अस्रसत	म०
	अस्रसम्	अस्रसाव	अस्रसाम	उ०

अथवा

	अस्रंसिष्ट	अस्रंसिषाथाम्	अस्रंसिषत	प्र०
	अस्रंसिष्ठाः	अस्रंसिषाथाम्	अस्रंसिध्वम्	म०
	अस्रंसिषि	अस्रंसिष्वहि	अस्रंसिष्महि	उ०
(लृङ्)	अस्रंसिष्यत	अस्रंसिष्येताम्	अस्रंसिष्यन्त	प्र०
	अस्रंसिष्यथाः	अस्रंसिष्येथाम्	अस्रंसिष्यध्वम्	म०
	अस्रंसिष्ये	अस्रंसिष्यावहि	अस्रंसिष्यामहि	उ०

(९८) हृ=चोरी करना (परस्मैपदी)

(लट्)	हरति	हरतः	हरन्ति	प्र०
	हरसि	हरथः	हरथ	म०
	हरामि	हरावः	हरामः	उ०
(लिट्)	जहार	जह्रतुः	जह्रुः	प्र०
	जहर्थ	जह्रथुः	जह्र	म०
	जहार, जहर	जह्रिव	जह्रिम	उ०

(लुट्)	हर्ता	हर्तारौ	हर्तारः	प्र०
	हर्तासि	हर्तास्थः	हर्तास्थ	म०
	हर्तास्मि	हर्तास्वः	हर्तास्मः	उ०
(लृट्)	हरिष्यति	हरिष्यतः	हरिष्यन्ति	प्र०
	हरिष्यसि	हरिष्यथः	हरिष्यथ	म०
	हरिष्यामि	हरिष्यावः	हरिष्यामः	उ०
(लोट्)	हरतु, तात्	हरताम्	हरन्तु	प्र०
	हर, तात्	हरतम्	हरत	म०
	हराणि	हराव	हराम	उ०
(लङ्)	अहरत्	अहरताम्	अहरन्	प्र०
	अहरः	अहरतम्	अहरत	म०
	अहरम्	अहराव	अहराम	उ०
(वि. लि.)	हरेत्	हरेताम्	हरेयुः	प्र०
	हरेः	हरेतम्	हरेत	म०
	हरेयम्	हरेव	हरेम	उ०
(आ. लि.)	ह्रियात्	ह्रियास्ताम्	ह्रियासुः	प्र०
	ह्रियाः	ह्रियास्तम्	ह्रियास्त	म०
	ह्रियासम्	ह्रियास्व	ह्रियास्म	उ०
(लुङ्)	अहार्षीत्	अहार्ष्टाम्	अहार्षुः	प्र०
	अहार्षीः	अहार्ष्टम्	अहार्ष्ट	म०
	अहार्षम्	अहार्ष्व	अहार्ष्म	उ०

(लृङ्)	अहरिष्यत्	अहरिष्यताम्	अहरिष्यन्	प्र०
	अहरिष्यः	अहरिष्यतम्	अहरिष्यत	म०
	अहरिष्यम्	अहरिष्याव	अहरिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	हरते	हरेते	हरन्ते	प्र०
	हरसे	हरेथे	हरध्वे	म०
	हरे	हरावहे	हरामहे	उ०
(लिट्)	जह्रे	जह्राते	जह्रिरे	प्र०
	जहृषे	जह्राथे	जहृध्वे–ढ्वे	म०
	जह्रे	जहृवहे	जहृमहे	उ०
(लुट्)	हर्ता	हर्तारौ	हर्तारः	प्र०
	हर्तासे	हर्तासाथे	हर्ताध्वे	म०
	हर्ताहे	हर्तास्वहे	हर्तास्महे	उ०
(लृट्)	हरिष्यते	हरिष्येते	हरिष्यन्ते	प्र०
	हरिष्यसे	हरिष्येथे	हरिष्यध्वे	म०
	हरिष्ये	हरिष्यावहे	हरिष्यामहे	उ०
(लोट्)	हरताम्	हरेताम्	हरन्ताम्	प्र०
	हरस्व	हरेथाम्	हरध्वम्	म०
	हरै	हरावहै	हरामहै	उ०
(लङ्)	अहरत	अहरेताम्	अहरन्त	प्र०
	अहरथाः	अहरेथाम्	अहरध्वम्	म०
	अहरे	अहरावहि	अहरामहि	उ०

(वि. लि.)	हरेत	हरेयाताम्	हरेरन्	प्र०
	हरेथाः	हरेयाथाम्	हरेध्वम्	म०
	हरेय	हरेवहि	हरेमहि	उ०
(आ. लि.)	हृषीष्ट	हृषीयास्ताम्	हृषीरन्	प्र०
	हृषीष्ठाः	हृषीयास्थाम्	हृषीढ्वम्	म०
	हृषीय	हृषीवहि	हृषीमहि	उ०
(लुङ्)	अहृत	अहृषाताम्	अहृषत	प्र०
	अहृथाः	अहृषाथाम्	अहृढ्वम्	म०
	अहृषि	अहृष्वहि	अहृष्महि	उ०
(लृङ्)	अहरिष्यत	अहरिष्येताम्	अहरिष्यन्त	प्र०
	अहरिष्यथाः	अहरिष्येथाम्	अहरिष्यध्वम्	म०
	अहरिष्ये	अहरिष्यावहि	अहरिष्यामहि	उ०

(९९) हस्=हँसना (परस्मैपदी)

(लट्)	हसति	हसतः	हसन्ति	प्र०
	हससि	हसथः	हसथ	म०
	हसामि	हसावः	हसामः	उ०
(लिट्)	जहास	जहसतुः	जहसुः	प्र०
	जहसिथ	जहसथुः	जहस	म०
	जहास, जहस	जहसिव	जहसिम	उ०
(लुट्)	हसिता	हसितारौ	हसितारः	प्र०
	हसितासि	हसितास्थः	हसितास्थ	म०
	हसितास्मि	हसितास्वः	हसितास्मः	उ०

(लृट्)	हसिष्यति	हसिष्यतः	हसिष्यन्ति	प्र०
	हसिष्यसि	हसिष्यथः	हसिष्यथ	म०
	हसिष्यामि	हसिष्यावः	हसिष्यामः	उ०
(लोट्)	हसतु, तात्	हसताम्	हसन्तु	प्र०
	हस, तात्	हसतम्	हसत	म०
	हसानि	हसाव	हसाम	उ०
(लङ्)	अहसत्	अहसताम्	अहसन्	प्र०
	अहसः	अहसतम्	अहसत	म०
	अहसम्	अहसाव	अहसाम	उ०
(वि. लि.)	हसेत्	हसेताम्	हसेयुः	प्र०
	हसेः	हसेतम्	हसेत	म०
	हसेयम्	हसेव	हसेम	उ०
(आ. लि.)	हस्यात्	हस्यास्ताम्	हस्यासुः	प्र०
	हस्याः	हस्यास्तम्	हस्यास्त	म०
	हस्यासम्	हस्यास्व	हस्यास्म	उ०
(लुङ्)	अहासीत्	अहासिष्टाम्	अहासिषुः	प्र०
	अहासीः	अहासिष्टम्	अहासिष्ट	म०
	अहासिषम्	अहासिष्व	अहासिष्म	उ०
(लृङ्)	अहसिष्यत्	अहसिष्यताम्	अहसिष्यन्	प्र०
	अहसिष्यः	अहसिष्यतम्	अहसिष्यत	म०
	अहसिष्यम्	अहसिष्याव	अहसिष्याम	उ०

(१००) ह्लाद् =प्रसन्न होना (आत्मनेपदी)

(लट्)	ह्लादते	ह्लादेते	ह्लादन्ते
(लिट्)	जह्लादे	जह्लादाते	जह्लादिरे
(लुट्)	ह्लादिता	ह्लादितारौ	ह्लादितारः
(लृट्)	ह्लादिष्यते	ह्लादिष्येते	ह्लादिष्यन्ते
(आ. लि.)	ह्लादिषीष्ट	ह्लादिषीयास्ताम्	ह्लादिषीरन्
(लुङ्)	अह्लादिष्ट	अह्लादिषाताम्	अह्लादिषत
(लृङ्)	अह्लादिष्यत	अह्लादिष्यताम्	अह्लादिष्यन्त

(१०१) ह्वृ=कुटिलता करना (परस्मैपदी)

(लट्)	ह्वरति	ह्वरतः	ह्वरन्ति	प्र०
	ह्वरसि	ह्वरथः	ह्वरथ	म०
	ह्वरामि	ह्वरावः	ह्वरामः	उ०
(लिट्)	जह्वार	जह्वरतुः	जह्वरुः	प्र०
	जह्वर्थ	जह्वरथुः	जह्वर	म०
	जह्वार-जह्वर	जह्वरिव	जह्वरिम	उ०
(लुट्)	ह्वर्ता	ह्वर्तारौ	ह्वर्तारः	प्र०
	ह्वर्तासि	ह्वर्तास्थः	ह्वर्तास्थ	म०
	ह्वर्तास्मि	ह्वर्तास्वः	ह्वर्तास्मः	उ०
(लृट्)	ह्वरिष्यति	ह्वरिष्यतः	ह्वरिष्यन्ति	प्र०
	ह्वरिष्यसि	ह्वरिष्यथः	ह्वरिष्यथ	म०
	ह्वरिष्यामि	ह्वरिष्यावः	ह्वरिष्यामः	उ०

(लोट्)	ह्वरतु, तात्	ह्वरताम्	ह्वरन्तु	प्र०
	ह्वर, तात्	ह्वरतम्	ह्वरत	म०
	ह्वराणि	ह्वराव	ह्वराम	उ०
(लङ्)	अह्वरत्	अह्वरताम्	अह्वरन्	प्र०
	अह्वरः	अह्वरतम्	अह्वरत	म०
	अह्वरम्	अह्वराव	अह्वराम	उ०
(वि. लि)	ह्वरेत्	ह्वरेताम्	ह्वरेयुः	प्र०
	ह्वरेः	ह्वरेतम्	ह्वरेत	म०
	ह्वरेयम्	ह्वरेव	ह्वरेम	उ०
(आ. लि)	ह्वर्यात्	ह्वर्यास्ताम्	ह्वर्यासुः	प्र०
	ह्वर्याः	ह्वर्यास्तम्	ह्वर्यास्त	म०
	ह्वर्यासम्	ह्वर्यास्व	ह्वर्यास्म	उ०
(लुङ्)	अह्वार्षीत्	अह्वार्ष्टाम्	अह्वार्षुः	प्र०
	अह्वार्षीः	अह्वार्ष्टम्	अह्वार्ष्ट	म०
	अह्वार्षम्	अह्वार्ष्व	अह्वार्ष्म	उ०
(लृङ्)	अह्वरिष्यत्	अह्वरिष्यताम्	अह्वरिष्यन्	प्र०
	अह्वरिष्यः	अह्वरिष्यतम्	अह्वरिष्यत	म०
	अह्वरिष्यम्	अह्वरिष्याव	अह्वरिष्याम	उ०

इति भ्वादिप्रकरणम्

——— * ———

अथ अदादिप्रकरणम्

(१) अद=खाना (परस्मैपदी)

(लट्)	अत्ति	अत्तः	अदन्ति	प्र०
	अत्सि	अत्थः	अत्थ	म०
	अद्मि	अद्वः	अद्मः	उ०
(लिट्)	जघास	जक्षतुः	जक्षुः	प्र०
	जघसिथ	जक्षथुः	जक्ष	म०
	जघास, जघस	जक्षिव	जक्षिम	उ०
		अथवा		
	आद	आदतुः	आदुः	प्र०
	आदिथ	आदथुः	आद	म०
	आद	आदिव	आदिम	उ०
(लुट्)	अत्ता	अत्तारौ	अत्तारः	प्र०
	अत्तासि	अत्तास्थः	अत्तास्थ	म०
	अत्तास्मि	अत्तास्वः	अत्तास्मः	उ०
(लृट्)	अत्स्यति	अत्स्यतः	अत्स्यन्ति	प्र०
	अत्स्यसि	अत्स्यथः	अत्स्यथ	म०
	अत्स्यामि	अत्स्यावः	अत्स्यामः	उ०
(लोट्)	अत्तु, अत्तात्	अत्ताम्	अदन्तु	प्र०
	अद्धि, अत्तात्	अत्तम्	अत्त	म०
	अदानि	अदाव	अदाम	उ०

(लङ्)	आदत्	आत्ताम्	आदन्	प्र०
	आदः	आत्तम्	आत्त	म०
	आदम्	आद्व	आद्म	उ०
(वि. लि.)	अद्यात्	अद्याताम्	अद्युः	प्र०
	अद्याः	अद्यातम्	अद्यात	म०
	अद्याम्	अद्याव	अद्याम	उ०
(आ. लि)	अद्यात्	अद्यास्ताम्	अद्यासुः	प्र०
	अद्याः	अद्यास्तम्	अद्यास्त	म०
	अद्यासम्	अद्यास्व	अद्यास्म	उ०
(लुङ्)	अघसत्	अघसताम्	अघसन्	प्र०
	अघसः	अघसतम्	अघसत	म०
	अघसम्	अघसाव	अघसाम	उ०
(लृङ्)	आत्स्यत्	आत्स्यताम्	आत्स्यन्	प्र०
	आत्स्यः	आत्स्यतम्	आत्स्यत	म०
	आत्स्यम्	आत्स्याव	आत्स्याम	उ०

(२) अस् = वर्तमान रहना (परस्मैपदी)

(लट्)	अस्ति	स्तः	सन्ति	प्र०
	असि	स्थः	स्थ	म०
	अस्मि	स्वः	स्मः	उ०
(लिट्)	बभूव	बभूवतुः	बभूवुः	प्र०
	बभूविथ	बभूवथुः	बभूव	म०
	बभूव	बभूविव	बभूविम	उ०

(लुट्)	भविता	भवितारौ	भवितारः	प्र०
	भवितासि	भवितास्थः	भवितास्थ	म०
	भवितास्मि	भवितास्वः	भवितास्मः	उ०
(लृट्)	भविष्यति	भविष्यतः	भविष्यन्ति	प्र०
	भविष्यसि	भविष्यथः	भविष्यथ	म०
	भविष्यामि	भविष्यावः	भविष्यामः	उ०
(लोट्)	अस्तु, स्तात्	स्ताम्	सन्तु	प्र०
	एधि, स्तात्	स्तम्	स्त	म०
	असानि	असाव	असाम	उ०
(लङ्)	आसीत्	आस्ताम्	आसन्	प्र०
	आसीः	आस्तम्	आस्त	म०
	आसम्	आस्व	आस्म	उ०
(वि. लि)	स्यात्	स्याताम्	स्युः	प्र०
	स्याः	स्यातम्	स्यात	म०
	स्याम्	स्याव	स्याम	उ०
(आ. लि)	भूयात्	भूयास्ताम्	भूयासुः	प्र०
	भूयाः	भूयास्तम्	भूयास्त	उ०
	भूयासम्	भूयास्व	भूयास्म	म०
(लुङ्)	अभूत्	अभूताम्	अभूवन्	प्र०
	अभूः	अभूतम्	अभूत	म०
	अभूवम्	अभूव	अभूम	उ०

(लृङ्)	अभविष्यत्	अभविष्यताम्	अभविष्यन्	प्र०
	अभविष्यः	अभविष्यतम्	अभविष्यत	म०
	अभविष्यम्	अभविष्याव	अभविष्याम	उ०

(३) आस् = बैठना (आत्मनेपदी)

(लट्)	आस्ते	आसाते	आसते	प्र०
	आस्से	आसाथे	आध्वे	म०
	आसे	आस्वहे	आस्महे	उ०
(लिट्)	आसाञ्चक्रे	आसाञ्चक्राते	आसाञ्चक्रिरे	प्र०
	आसाञ्चकृषे	आसाञ्चक्राथे	आसाञ्चकृध्वे	म०
	आसाञ्चक्रे	आसाञ्चकृवहे	आसाञ्चकृमहे	उ०
(लुट्)	आसिता	आसितारौ	आसितारः	प्र०
	आसितासे	आसितासाथे	आसिताध्वे	म०
	आसिताहे	आसितास्वहे	आसितास्महे	उ०
(लृट्)	आसिष्यते	आसिष्येते	आसिष्यन्ते	प्र०
	आसिष्यसे	आसिष्येथे	आसिष्यध्वे	म०
	आसिष्ये	आसिष्यावहे	आसिष्यामहे	उ०
(लोट्)	आस्ताम्	आसाताम्	आसताम्	प्र०
	आस्स्व	आसाथाम्	आध्वम्	म०
	आसै	आसावहै	आसामहै	उ०
(लङ्)	आस्त	आसाताम्	आसत	प्र०
	आस्थाः	आसाथाम्	आध्वम्	म०
	आसि	आस्वहि	आस्महि	उ०

(वि.लि.)	आसीत	आसीयाताम्	आसीरन्	प्र०
	आसीथाः	आसीयाथाम्	आसीध्वम्	म०
	आसीय	आसीवहि	आसीमहि	उ०
(आ.लि.)	आसिषीष्ट	आसिषीयास्ताम्	आसिषीरन्	प्र०
	आसिषीष्ठाः	आसिषीयास्थाम्	आसिषीध्वम्	म०
	आसिषीय	आसिषीवहि	आसिषीमहि	उ०
(लुङ्)	आसिष्ट	आसिषाताम्	आसिषत	प्र०
	आसिष्ठाः	आसिषाथाम्	आसिध्वम्	म०
	आसिषि	आसिष्वहि	आसिष्महि	उ०
(लृङ्)	आसिष्यत	आसिष्येताम्	आसिष्यन्त	प्र०
	आसिष्यथाः	आसिष्येथाम्	आसिष्यध्वम्	म०
	आसिष्ये	आसिष्यावहि	आसिष्यामहि	उ०

(४) इङ् = पढ़ना (आत्मनेपदी)

(लट्)	अधीते	अधीयाते	अधीयते	प्र०
	अधीषे	अधीयाथे	अधीध्वे	म०
	अधीये	अधीवहे	अधीमहे	उ०
(लिट्)	अधिजगे	अधिजगाते	अधिजगिरे	प्र०
	अधिजगिषे	अधिजगाथे	अधिजगिध्वे	म०
	अधिजगे	अधिजगिवहे	अधिजगिमहे	उ०
(लुट्)	अध्येता	अध्येतारौ	अध्येतारः	प्र०
	अध्येतासे	अध्येतासाथे	अध्येताध्वे	म०
	अध्येताहे	अध्येतास्वहे	अध्येतास्महे	उ०

(लृट्)	अध्येष्यते	अध्येष्येते	अध्येष्यन्ते	प्र०
	अध्येष्यसे	अध्येष्येथे	अध्येष्यध्वे	म०
	अध्येष्ये	अध्येष्यावहे	अध्येष्यामहे	उ०
(लोट्)	अधीताम्	अधीयाताम्	अधीयताम्	प्र०
	अधीष्व	अधीयाथाम्	अधीध्वम्	म०
	अध्ययै	अध्ययावहै	अध्ययामहै	उ०
(लङ्)	अध्यैत	अध्यैयाताम्	अध्यैत	प्र०
	अध्यैथाः	अध्यैयाथाम्	अध्यैध्वम्	म०
	अध्यैयि	अध्यैवहि	अध्यैमहि	उ०
(वि.लि)	अधीयीत	अधीयीयाताम्	अधीयीरन्	प्र०
	अधीयीथाः	अधीयीयाथाम्	अधीयीध्वम्	म०
	अधीयीय	अधीयीवहि	अधीयीमहि	उ०
(आ.लि)	अध्येषीष्ट	अध्येषीयास्ताम्	अध्येषीरन्	प्र०
	अध्येषीष्ठाः	अध्येषीयास्थाम्	अध्येषीढ्वम्	म०
	अध्येषीय	अध्येषीवहि	अध्येषीमहि	उ०
(लुङ्)	अध्यगीष्ट	अध्यगीषाताम्	अध्यगीषत	प्र०
	अध्यगीष्ठाः	अध्यगीषाथाम्	अध्यगीढ्वम्	म०
	अध्यगीषि	अध्यगीष्वहि	अध्यगीष्महि	उ०

अथवा

	अध्यैष्ट	अध्यैषाताम्	अध्यैषत	प्र०
	अध्यैष्ठाः	अध्यैषाथाम्	अध्यैढ्वम्	म०
	अध्यैषि	अध्यैष्वहि	अध्यैष्महि	उ०

(लृङ्)	अध्यगीष्यत	अध्यगीष्येताम्	अध्यगीष्यन्त	प्र०
	अध्यगीष्यथाः	अध्यगीष्येथाम्	अध्यगीष्यध्वम्	म०
	अध्यगीष्ये	अध्यगीष्यावहि	अध्यगीष्यामहि	उ०

अथवा

	अध्यैष्यत	अध्यैष्येताम्	अध्यैष्यन्त	प्र०
	अध्यैष्यथाः	अध्यैष्येथाम्	अध्यैष्यध्वम्	म०
	अध्यैष्ये	अध्यैष्यावहि	अध्यैष्यामहि	उ०

(५) इण् = जाना (परस्मैपदी)

(लट्)	एति	इतः	यन्ति	प्र०
	एषि	इथः	इथ	म०
	एमि	इवः	इमः	उ०
(लिट्)	इयाय	ईयतुः	ईयुः	प्र०
	इययिथ, इयेथ	ईयथुः	ईय	म०
	इयाय, इयय	ईयिव	ईयिम	उ०
(लुट्)	एता	एतारौ	एतारः	प्र०
	एतासि	एतास्थः	एतास्थ	म०
	एतास्मि	एतास्वः	एतास्मः	उ०
(लृट्)	एष्यति	एष्यतः	एष्यन्ति	प्र०
	एष्यसि	एष्यथः	एष्यथ	म०
	एष्यामि	एष्यावः	एष्यामः	उ०
(लोट्)	एतु, इतात्	इताम्	यन्तु	प्र०
	इहि, इतात्	इतम्	इत	म०
	अयानि	अयाव	अयाम	उ०

(लङ्)	ऐत्	ऐताम्	आयन्	प्र०
	ऐः	ऐतम्	ऐत	म०
	आयम्	ऐव	ऐम	उ०
(वि. लि.)	इयात्	इयाताम्	इयुः	प्र०
	इयाः	इयातम्	इयात	म०
	इयाम्	इयाव	इयाम	उ०
(आ. लि.)	ईयात्	ईयास्ताम्	ईयासुः	प्र०
	ईयाः	ईयास्तम्	ईयास्त	म०
	ईयासम्	ईयास्व	ईयास्म	उ०
(लुङ्)	अगात्	अगाताम्	अगुः	प्र०
	अगाः	अगातम्	अगात	म०
	अगाम्	अगाव	अगाम	उ०
(लृङ्)	ऐष्यत्	ऐष्यताम्	ऐष्यन्	प्र०
	ऐष्यः	ऐष्यतम्	ऐष्यत	म०
	ऐष्यम्	ऐष्याव	ऐष्याम	उ०

(६) ऊर्णुञ् = ढकना (परस्मैपदी)

(लट्)	ऊर्णौति, ऊर्णोति	ऊर्णुतः	ऊर्णुवन्ति	प्र०
	ऊर्णौषि, ऊर्णोषि	ऊर्णुथः	ऊर्णुथ	म०
	ऊर्णौमि, ऊर्णोमि	ऊर्णुवः	ऊर्णुमः	उ०
(लिट्)	ऊर्णुनाव	ऊर्णुनुवतुः	ऊर्णुनुवुः	प्र०
	ऊर्णुनविथ, ऊर्णुनुविथ	ऊर्णुनुवथुः	ऊर्णुनुव	म०
	ऊर्णुनाव, ऊर्णुनव	ऊर्णुनुविव	ऊर्णुनुविम	उ०

(लुट्)	ऊर्णविता	ऊर्णवितारौ	ऊर्णवितारः	प्र०
	ऊर्णवितासि	ऊर्णवितास्थः	ऊर्णवितास्थ	म०
	ऊर्णवितास्मि	ऊर्णवितास्वः	ऊर्णवितास्मः	उ०

अथवा

	ऊर्णुविता	ऊर्णुवितारौ	ऊर्णुवितारः	प्र०
	ऊर्णुवितासि	ऊर्णुवितास्थः	ऊर्णुवितास्थ	म०
	ऊर्णुवितास्मि	ऊर्णुवितास्वः	ऊर्णुवितास्मः	उ०
(लृट्)	ऊर्णविष्यति	ऊर्णविष्यतः	ऊर्णविष्यन्ति	प्र०
	ऊर्णविष्यसि	ऊर्णविष्यथः	ऊर्णविष्यथ	म०
	ऊर्णविष्यामि	ऊर्णविष्यावः	ऊर्णविष्यामः	उ०

अथवा

	ऊर्णुविष्यति	ऊर्णुविष्यतः	ऊर्णुविष्यन्ति	प्र०
	ऊर्णुविष्यसि	ऊर्णुविष्यथः	ऊर्णुविष्यथ	म०
	ऊर्णुविष्यामि	ऊर्णुविष्यावः	ऊर्णुविष्यामः	उ०
(लोट्)	[ऊर्णौतु, ऊर्णोतु, ऊर्णुतात्	ऊर्णुताम्	ऊर्णुवन्तु	प्र०
	ऊर्णुहि, ऊर्णुतात्	ऊर्णुतम्	ऊर्णुत	म०
	ऊर्णवानि	ऊर्णवाव	ऊर्णवाम	उ०
(लङ्)	और्णोत्	और्णुताम्	और्णुवन्	प्र०
	और्णोः	और्णुतम्	और्णुत	म०
	और्णवम्	और्णुव	और्णुम	उ०

(वि. लि.)	ऊर्णुयात्	ऊर्णुयाताम्	ऊर्णुयुः	प्र०
	ऊर्णुयाः	ऊर्णुयातम्	ऊर्णुयात	म०
	ऊर्णुयाम्	ऊर्णुयाव	ऊर्णुयाम	उ०
(आ. लि.)	ऊर्णूयात्	ऊर्णूयास्ताम्	ऊर्णूयासुः	प्र०
	ऊर्णूयाः	ऊर्णूयास्तम्	ऊर्णूयास्त	म०
	ऊर्णूयासम्	ऊर्णूयास्व	ऊर्णूयास्म	उ०
(लुङ्)	और्णुवीत्	और्णुविष्टाम्	और्णुविषुः	प्र०
	और्णुवीः	और्णुविष्टम्	और्णुविष्ट	म०
	और्णुविषम्	और्णुविष्व	और्णुविष्म	उ०

अथवा

	और्णावीत्	और्णाविष्टाम्	और्णाविषुः	प्र०
	और्णावीः	और्णाविष्टम्	और्णाविष्ट	म०
	और्णाविषम्	और्णाविष्व	और्णाविष्म	उ०

अथवा

	और्णवीत्	और्णविष्टाम्	और्णविषुः	प्र०
	और्णवीः	और्णविष्टम्	और्णविष्ट	म०
	और्णविषम्	और्णविष्व	और्णविष्म	उ०
(लृङ्)	और्णविष्यत्	और्णविष्यताम्	और्णविष्यन्	प्र०
	और्णविष्यः	और्णविष्यतम्	और्णविष्यत	म०
	और्णविष्यम्	और्णविष्याव	और्णविष्याम	उ०

अथवा

	और्णुविष्यत्	और्णुविष्यताम्	और्णुविष्यन्	प्र०
	और्णुविष्यः	और्णुविष्यतम्	और्णुविष्यत	म०
	और्णुविष्यम्	और्णुविष्याव	और्णुविष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	ऊर्णुते	ऊर्णुवाते	ऊर्णुवते	प्र०
	ऊर्णुषे	ऊर्णुवाथे	ऊर्णुध्वे	म०
	ऊर्णुवे	ऊर्णुवहे	ऊर्णुमहे	उ०
(लिट्)	ऊर्णुनुवे	ऊर्णुनुवाते	ऊर्णुनुविरे	प्र०
	ऊर्णुनुविषे	ऊर्णुनुवाथे	ऊर्णुनुविध्वे	म०
	ऊर्णुनुवे	ऊर्णुनुविवहे	ऊर्णुनुविमहे	उ०
(लुट्)	ऊर्णविता	ऊर्णवितारौ	ऊर्णवितारः	प्र०
	ऊर्णवितासे	ऊर्णवितासाथे	ऊर्णविताध्वे	म०
	ऊर्णविताहे	ऊर्णवितास्वहे	ऊर्णवितास्महे	उ०

अथवा

	ऊर्णुविता	ऊर्णुवितारौ	ऊर्णुवितारः	प्र०
	ऊर्णुवितासे	ऊर्णुवितासाथे	ऊर्णुविताध्वे	म०
	ऊर्णुविताहे	ऊर्णुवितास्वहे	ऊर्णुवितास्महे	उ०
(लृट्)	ऊर्णविष्यते	ऊर्णविष्येते	ऊर्णविष्यन्ते	प्र०
	ऊर्णविष्यसे	ऊर्णविष्येथे	ऊर्णुविष्यध्वे	म०
	ऊर्णुविष्ये	ऊर्णुविष्यावहे	ऊर्णुविष्यामहे	उ०

अथवा

	ऊर्णुविष्यते	ऊर्णुविष्येते	ऊर्णुविष्यन्ते	प्र०
	ऊर्णुविष्यसे	ऊर्णुविष्येथे	ऊर्णुविष्यध्वे	म०
	ऊर्णुविष्ये	ऊर्णुविष्यावहे	ऊर्णुविष्यामहे	उ०
(लोट्)	ऊर्णुताम्	ऊर्णुवाताम्	ऊर्णुवताम्	प्र०
	ऊर्णुष्व	ऊर्णुवाथाम्	ऊर्णुध्वम्	म०
	ऊर्णवै	ऊर्णवावहै	ऊर्णवामहै	उ०
(लङ्)	और्णुत	और्णुवाताम्	और्णुवत	प्र०
	और्णुथाः	और्णुवाथाम्	और्णुध्वम्	म०
	और्णुवि	और्णुवहि	और्णुमहि	उ०
(वि. लि.)	ऊर्णुवीत	ऊर्णुवीयाताम्	ऊर्णुवीरन्	प्र०
	ऊर्णुवीथाः	ऊर्णुवीयाथाम्	ऊर्णुवीध्वम्	म०
	ऊर्णुवीय	ऊर्णुवीवहि	ऊर्णुवीमहि	उ०
(आ. लि.)	ऊर्णविषीष्ट	ऊर्णविषीयास्ताम्	ऊर्णविषीरन्	प्र०
	ऊर्णविषीष्ठाः	ऊर्णविषीयास्थाम्	ऊर्णविषीध्वं, ढ्वम्	म०
	ऊर्णविषीय	ऊर्णविषीवहि	ऊर्णविषीमहि	उ०

अथवा

	ऊर्णुविषीष्ट	ऊर्णुविषीयास्ताम्	ऊर्णुविषीरन्	प्र०
	ऊर्णुविषीष्ठाः	ऊर्णुविषीयास्थाम्	ऊर्णुविषीध्वं, ढ्वम्	म०
	ऊर्णुविषीय	ऊर्णुविषीवहि	ऊर्णुविषीमहि	उ०
(लुङ्)	और्णविष्ट	और्णविषाताम्	और्णविषत	प्र०
	और्णविष्ठाः	और्णविषाथाम्	और्णविध्वं, ढ्वम्	म०
	और्णविषि	और्णविष्वहि	और्णविष्महि	उ०

अथवा

	और्णुविष्ट	और्णुविषाताम्	और्णुविषत	प्र०
	और्णुविष्ठाः	और्णुविषाथाम्	और्णविढ्वं, ढ्वम्	म०
	और्णुविषि	और्णुविष्वहि	और्णुविष्महि	उ०
(लृङ्)	और्णविष्यत	और्णविष्येताम्	और्णविष्यन्त	प्र०
	और्णविष्यथाः	और्णविष्येथाम्	और्णविष्यध्वम्	म०
	और्णविष्ये	और्णविष्यावहि	और्णविष्यामहि	उ०

अथवा

	और्णुविष्यत	और्णुविष्येताम्	और्णुविष्यन्त	प्र०
	और्णुविष्यथाः	और्णुविष्येथाम्	और्णुविष्यध्वम्	म०
	और्णुविष्ये	और्णुविष्यावहि	और्णुविष्यामहि	उ०

(७) ख्या = बोलना (परस्मैपदी)

(लट्)	ख्याति	ख्यातः	ख्यान्ति	प्र०
	ख्यासि	ख्याथः	ख्याथ	म०
	ख्यामि	ख्यावः	ख्यामः	उ०
(लोट्)	ख्यातु, तात्	ख्याताम्	ख्यान्तु	प्र०
	ख्याहि, तात्	ख्यातम्	ख्यात	म०
	ख्यानि	ख्याव	ख्याम	उ०
(लङ्)	अख्यात्	अख्यातःम्	अख्युः, अख्यान्	प्र०
	अख्याः	अख्यातम्	अख्यात	म०
	अख्याम्	अख्याव	अख्याम	उ०

(वि. लि.)	ख्यायात्	ख्यायाताम्	ख्यायुः	प्र०
	ख्यायाः	ख्यायातम्	ख्यायात	म०
	ख्यायाम्	ख्यायाव	ख्यायाम	उ०

(८) दा = काटना (परस्मैपदी)

(लट्)	दाति	दातः	दान्ति	प्र०
	दासि	दाथः	दाथ	म०
	दामि	दावः	दामः	उ०
(लिट्)	ददौ	ददतुः	ददुः	प्र०
	ददिथ, ददाथ	ददथुः	दद	म०
	ददौ	ददिव	ददिम	उ०
(लुट्)	दाता	दातारौ	दातारः	प्र०
	दातासि	दातास्थः	दातास्थ	म०
	दातास्मि	दातास्वः	दातास्मः	उ०
(लृट्)	दास्यति	दास्यतः	दास्यन्ति	प्र०
	दास्यसि	दास्यथः	दास्यथ	म०
	दास्यामि	दास्यावः	दास्यामः	उ०
(लोट्)	दातु, दातात्	दाताम्	दान्तु	प्र०
	दाहि, दातात्	दातम्	दात	म०
	दानि	दाव	दाम	उ०
(लङ्)	अदात्	अदाताम्	अदुः, अदान्	प्र०
	अदाः	अदातम्	अदात	म०
	अदाम्	अदाव	अदाम	उ०

(वि.लि.)	दायात्	दायाताम्	दायुः	प्र०
	दायाः	दायातम्	दायात	म०
	दायाम्	दायाव	दायाम	उ०
(आ.लि.)	दायात्	दायास्ताम्	दायासुः	प्र०
	दायाः	दायास्तम्	दायास्त	म०
	दायासम्	दायास्व	दायास्म	उ०
(लुङ्)	अदासीत्	अदासिष्टाम्	अदासिषुः	प्र०
	अदासीः	अदासिष्टम्	अदासिष्ट	म०
	अदासिषम्	अदासिष्व	अदासिष्म	उ०
(लृङ्)	अदास्यत्	अदास्यताम्	अदास्यन्	प्र०
	अदास्यः	अदास्यतम्	अदास्यत	म०
	अदास्यम्	अदास्याव	अदास्याम	उ०

(९) दिह = बढ़ना (परस्मैपदी)

(लट्)	देग्धि	दिग्धः	दिहन्ति	प्र०
	धेक्षि	दिग्धः	दिग्ध	म०
	देह्मि	दिह्वः	दिह्मः	उ०
(लिट्)	दिदेह	दिदिहतुः	दिदिहुः	प्र०
	दिदेहिथ	दिदिहथुः	दिदिह	म०
	दिदेह	दिदिहिव	दिदिहिम	उ०
(लुट्)	देग्धा	देग्धारौ	देग्धारः	प्र०
	देग्धासि	देग्धास्थः	देग्धास्थ	म०
	देग्धास्मि	देग्धास्वः	देग्धास्मः	उ०

(लृट्)	धेक्ष्यति	धेक्ष्यतः	धेक्ष्यन्ति	प्र०
	धेक्ष्यसि	धेक्ष्यथः	धेक्ष्यथ	म०
	धेक्ष्यामि	धेक्ष्यावः	धेक्ष्यामः	उ०
(लोट्)	देग्धु, दिग्धात्	दिग्धाम्	दिहन्तु	प्र०
	दिग्धि, दिग्धात्	दिग्धम्	दिग्ध	म०
	देहानि	देहाव	देहाम	उ०
(लङ्)	अधेक्, ग्	अदिग्धाम्	अदिहन्	प्र०
	अधेक्, ग्	अदिग्धम्	अदिग्ध	म०
	अदेहम्	अदिह्व	अदिह्म	उ०
(वि.लि.)	दिह्यात्	दिह्याताम्	दिह्युः	प्र०
	दिह्याः	दिह्यातम्	दिह्यात	म०
	दिह्याम्	दिह्याव	दिह्याम	उ०
(आ.लि.)	दिह्यात्	दिह्यास्ताम्	दिह्यासुः	प्र०
	दिह्याः	दिह्यास्तम्	दिह्यास्त	म०
	दिह्यासम्	दिह्यास्व	दिह्यास्म	उ०
(लुङ्)	अधिक्षत्	अधिक्षताम्	अधिक्षन्	प्र०
	अधिक्षः	अधिक्षतम्	अधिक्षत	म०
	अधिक्षम्	अधिक्षाव	अधिक्षाम	उ०
(लृङ्)	अधेक्ष्यत्	अधेक्ष्यताम्	अधेक्ष्यन्	प्र०
	अधेक्ष्यः	अधेक्ष्यतम्	अधेक्ष्यत	म०
	अधेक्ष्यम्	अधेक्ष्याव	अधेक्ष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	दिग्धे	दिहाते	दिहते	प्र०
	धिक्षे	दिहाथे	धिग्ध्वे	म०
	दिहे	दिह्वहे	दिह्महे	उ०
(लिट्)	दिदिहे	दिदिहाते	दिदिहिरे	प्र०
	दिदिहिषे	दिदिहाथे	दिदिहिध्वे-ढ्वे	म०
	दिदिहे	दिदिहिवहे	दिदिहिमहे	उ०
(लुट्)	देग्धा	देग्धारौ	देग्धारः	प्र०
	देग्धासे	देग्धासाथे	देग्धाध्वे	म०
	देग्धाहे	देग्धास्वहे	देग्धास्महे	उ०
(लृट्)	धेक्ष्यते	धेक्ष्येते	धेक्ष्यन्ते	प्र०
	धेक्ष्यसे	धेक्ष्येथे	धेक्ष्यध्वे	म०
	धेक्ष्ये	धेक्ष्यावहे	धेक्ष्यामहे	उ०
(लोट्)	दिग्धाम्	दिहाताम्	दिहताम्	प्र०
	धिक्ष्व	दिहाथाम्	धिग्ध्वम्	म०
	देहै	देहावहै	देहामहै	उ०
(लङ्)	अदिग्ध	अदिहाताम्	अदिहत	प्र०
	अदिग्धाः	अदिहाथाम्	अधिग्ध्वम्	म०
	अदिहि	अदिह्वहि	अदिह्महि	उ०
(वि·लि·)	दिहीत	दिहीयाताम्	दिहीरन्	प्र०
	दिहीथाः	दिहीयाथाम्	दिहीध्वम्	म०
	दिहीय	दिहीवहि	दिहीमहि	उ०

(आ·लि·)	धिक्षीष्ट	धिक्षीयास्ताम्	धिक्षीरन्	प्र०
	धिक्षीष्ठाः	धिक्षीयास्थाम्	धिक्षीध्वम्	म०
	धिक्षीय	धिक्षीवहि	धिक्षीमहि	उ०
(लुङ्)	अदिग्ध, अधिक्षत	अधिक्षाताम्	अधिक्षन्त	प्र०
	अदिग्धाः, अधिक्षाताम्,	अधिक्षाथाम्	अदिग्ध्वम्	म०
	अधिक्षथाः		अधिक्षध्वम्	
	अधिक्षि	अदिह्वहि	अदिह्महि	उ०
	अधिक्षावहि	अधिक्षामहि		
(लृङ्)	अधेक्ष्यत	अधेक्ष्येताम्	अधेक्ष्यन्त	प्र०
	अधेक्ष्यथाः	अधेक्ष्येथाम्	अधेक्ष्यध्वम्	म०
	अधेक्ष्ये	अधेक्ष्यावहि	अधेक्ष्यामहि	उ०

(१०) दुह् = दुहना (परस्मैपदी)

(लट्)	दोग्धि	दुग्धः	दुहन्ति	प्र०
	धोक्षि	दुग्धः	दुग्ध	म०
	दोह्मि	दुह्वः	दुह्मः	उ०
(लिट्)	दुदोह	दुदुहतुः	दुदुहुः	प्र०
	दुदोहिथ	दुदुहथुः	दुदुह	म०
	दुदोह	दुदुहिव	दुदुहिम	उ०
(लुट्)	दोग्धा	दोग्धारौ	दोग्धारः	प्र०
	दोग्धासि	दोग्धास्थः	दोग्धास्थ	म०
	दोग्धास्मि	दोग्धास्वः	दोग्धास्मः	उ०

(लृट्)	धोक्ष्यति	धोक्ष्यतः	धोक्ष्यन्ति	प्र०
	धोक्ष्यसि	धोक्ष्यथः	धोक्ष्यथ	म०
	धोक्ष्यामि	धोक्ष्यावः	धोक्ष्यामः	उ०
(लोट्)	दोग्धु, दुग्धात्	दुग्धाम्	दुहन्तु	प्र०
	दुग्धि, दुग्धात्	दुग्धम्	दुग्ध	म०
	दोहानि	दोहाव	दोहाम	उ०
(लङ्)	अधोक्, अधोग्	अदुग्धाम्	अदुहन्	प्र०
	अधोक्, अधोग्	अदुग्धम्	अदुग्ध	म०
	अदोहम्	अदुह्व	अदुह्म	उ०
(वि. लि.)	दुह्यात्	दुह्याताम्	दुह्युः	प्र०
	दुह्याः	दुह्यातम्	दुह्यात	म०
	दुह्याम्	दुह्याव	दुह्याम	उ०
(आ. लि.)	दुह्यात्	दुह्यास्ताम्	दुह्यासुः	प्र०
	दुह्याः	दुह्यास्तम्	दुह्यास्त	म०
	दुह्यासम्	दुह्यास्व	दुह्यास्म	उ०
(लुङ्)	अधुक्षत्	अधुक्षताम्	अधुक्षन्	प्र०
	अधुक्षः	अधुक्षतम्	अधुक्षत	म०
	अधुक्षम्	अधुक्षाव	अधुक्षाम	उ०
(लृङ्)	अधोक्ष्यत्	अधोक्ष्यताम्	अधोक्ष्यन्	प्र०
	अधोक्ष्यः	अधोक्ष्यतम्	अधोक्ष्यत	म०
	अधोक्ष्यम्	अधोक्ष्याव	अधोक्ष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	दुग्धे	दुहाते	दुहते	प्र०
	धुक्षे	दुहाथे	धुग्ध्वे	म०
	दुहे	दुह्वहे	दुह्महे	उ०
(लिट्)	दुदुहे	दुदुहाते	दुदुहिरे	प्र०
	दुदुहिषे	दुदुहाथे	दुदुहिध्वे, ढ्वे	म०
	दुदुहे	दुदुहिवहे	दुदुहिमहे	उ०
(लुट्)	दोग्धा	दोग्धारौ	दोग्धारः	प्र०
	दोग्धासे	दोग्धासाथे	दोग्धाध्वे	म०
	दोग्धाहे	दोग्धास्वहे	दोग्धास्महे	उ०
(लृट्)	धोक्ष्यते	धोक्ष्येते	धोक्ष्यन्ते	प्र०
	धोक्ष्यसे	धोक्ष्येथे	धोक्ष्यध्वे	म०
	धोक्ष्ये	धोक्ष्यावहे	धोक्ष्यामहे	उ०
(लोट्)	दुग्धाम्	दुहाताम्	दुहताम्	प्र०
	धुक्ष्व	दुहाथाम्	धुग्ध्वम्	म०
	दोहै	दोहावहै	दोहामहै	उ०
(लङ्)	अदुग्ध	अदुहाताम्	अदुहत	प्र०
	अदुग्धाः	अदुहाथाम्	अधुग्ध्वम्	म०
	अदुहि	अदुह्वहि	अदुह्महि	उ०
(वि. लि.)	दुहीत	दुहीयाताम्	दुहीरन्	प्र०
	दुहीथाः	दुहीयाथाम्	दुहीध्वम्	म०
	दुहीय	दुहीवहि	दुहीमहि	उ०

(आ. लि.)	धुक्षीष्ट	धुक्षीयास्ताम्	धुक्षीरन्	प्र०
	धुक्षीष्ठाः	धुक्षीयास्थाम्	धुक्षीध्वम्	म०
	धुक्षीय	धुक्षीवहि	धुक्षीमहि	उ०
(लुङ्)	अदुग्ध, अधुक्षत	अधुक्षाताम्	अधुक्षन्त	प्र०
	[अदुग्धाः अधुक्षथाः	अधुक्षाथाम्	[अधुग्ध्वम् अदुक्षध्वम्	म०
	अधुक्षि, अदुह्वहि,	अधुक्षावहि अदुह्महि,	अधुक्षामहि	उ०
(लृङ्)	अधोक्ष्यत	अधोक्ष्येताम्	अधोक्ष्यन्त	प्र०
	अधोक्ष्यथाः	अधोक्ष्येथाम्	अधोक्ष्यध्वम्	म०
	अधोक्ष्ये	अधोक्ष्यावहि	अधोक्ष्यामहि	उ०

(११) द्रा = बुरी चाल चलना, भागना (परस्मैपदी)

(लट्)	द्राति	द्रातः	द्रान्ति	प्र०
	द्रासि	द्राथः	द्राथ	म०
	द्रामि	द्रावः	द्रामः	उ०
(लिट्)	दद्रौ	दद्रतुः	दद्रुः	प्र०
	दद्रिथ, दद्राथ	दद्रथुः	दद्र	म०
	दद्रौ	दद्रिव	दद्रिम	उ०
(लुट्)	द्राता	द्रातारौ	द्रातारः	प्र०
	द्रातासि	द्रातास्थः	द्रातास्थ	म०
	द्रातास्मि	द्रातास्वः	द्रातास्मः	उ०
(लृट्)	द्रास्यति	द्रास्यतः	द्रास्यन्ति	प्र०
	द्रास्यसि	द्रास्यथः	द्रास्यथ	म०
	द्रास्यामि	द्रास्यावः	द्रास्यामः	उ०

(लोट्)	द्रातु, द्रातात्	द्राताम्	द्रान्तु	प्र०
	द्राहि, द्रातात्	द्रातम्	द्रात	म०
	द्राणि	द्राव	द्राम	उ०
(लङ्)	अद्रात्	अद्राताम्	अद्रुः, अद्रान्	प्र०
	अद्राः	अद्रातम्	अद्रात	म०
	अद्राम्	अद्राव	अद्राम	उ०
(वि. लि)	द्रायात्	द्रायाताम्	द्रायुः	प्र०
	द्रायाः	द्रायास्तम्	द्रायास्त	म०
	द्रायासम्	द्रायास्व	द्रायास्म	उ०
(आ. लि)	द्रायात्	द्रायास्ताम्	द्रायासुः	प्र०
	द्रायाः	द्रायास्तम्	द्रायास्त	म०
	द्रायासम्	द्रायास्व	द्रायास्म	उ०
		अथवा		
	द्रेयात्	द्रेयास्ताम्	द्रेयासुः	प्र०
	द्रेयाः	द्रेयास्तम्	द्रेयास्त	म०
	द्रेयासम्	द्रेयास्व	द्रेयास्म	उ०
(लुङ्)	अद्रासीत्	अद्रासिष्टाम्	अद्रासिषुः	प्र०
	अद्रासीः	अद्रासिष्टम्	अद्रासिष्ट	म०
	अद्रासिषम्	अद्रासिष्व	अद्रासिष्म	उ०
(लृङ्)	अद्रास्यत्	अद्रास्यताम्	अद्रास्यन्	प्र०
	अद्रास्यः	अद्रास्यतम्	अद्रास्यत	म०
	अद्रास्यम्	अद्रास्याव	अद्रास्याम	उ०

(१२) पा = रक्षा करना (परस्मैपदी)

(लट्)	पाति	पातः	पान्ति	प्र०
	पासि	पाथः	पाथ	म०
	पामि	पावः	पामः	उ०
(लिट्)	पपौ	पपतुः	पपुः	प्र०
	पपिथ, पपाथ	पपथुः	पप	म०
	पपौ	पपिव	पपिम	उ०
(लुट्)	पाता	पातारौ	पातारः	प्र०
	पातासि	पातास्थः	पातास्थ	म०
	पातास्मि	पातास्वः	पातास्मः	उ०
(लृट्)	पास्यति	पास्यतः	पास्यन्ति	प्र०
	पास्यसि	पास्यथः	पास्यथ	म०
	पास्यामि	पास्यावः	पास्यामः	उ०
(लोट्)	पातु, पातात्	पाताम्	पान्तु	प्र०
	पाहि, पातात्	पातम्	पात	म०
	पानि	पाव	पाम	उ०
(लङ्)	अपात्	अपाताम्	अपुः, अपान्	प्र०
	अपाः	अपातम्	अपात	म०
	अपाम्	अपाव	अपाम	उ०
(वि. लि)	पायात्	पायाताम्	पायुः	प्र०
	पायाः	पायातम्	पायात	म०
	पायाम्	पायाव	पायाम	उ०

(आ. लि)	पायात्	पायास्ताम्	पायासुः	प्र०
	पायाः	पायास्तम्	पायास्त	म०
	पायासम्	पायास्व	पायास्म	उ०
(लुङ्)	अपासीत्	अपासिष्टाम्	अपासिषुः	प्र०
	अपासीः	अपासिष्टम्	अपासिष्ट	म०
	अपासिषम्	अपासिष्व	अपासिष्म	उ०
(लृङ्)	अपास्यत्	अपास्यताम्	अपास्यन्	प्र०
	अपास्यः	अपास्यतम्	अपास्यत	म०
	अपास्यम्	अपास्याव	अपास्याम	उ०

(१३) प्सा = खाना (परस्मैपदी)

(लट्)	प्साति	प्सातः	प्सान्ति	प्र०
	प्सासि	प्साथः	प्साथ	म०
	प्सामि	प्सावः	प्सामः	उ०
(लिट्)	पप्सौ	पप्सतुः	पप्सुः	प्र०
	पप्सिथ, पप्साथ	पप्सथुः	पप्स	म०
	पप्सौ	पप्सिव	पप्सिम	उ०
(लुट्)	प्साता	प्सातारौ	प्सातारः	प्र०
	प्सातासि	प्सातास्थः	प्सातास्थ	म०
	प्सातास्मि	प्सातास्वः	प्सातास्मः	उ०
(लृट्)	प्सास्यति	प्सास्यतः	प्सास्यन्ति	प्र०
	प्सास्यसि	प्सास्यथः	प्साप्स्यथ	म०
	प्सास्यामि	प्सास्यावः	प्सास्यामः	उ०

(लोट्)	प्सातु, प्सातात्	प्साताम्	प्सान्तु	प्र०
	प्साहि, प्सातात्	प्सातम्	प्सात	म०
	प्सानि	प्साव	प्साम	उ०
(लङ्)	अप्सात्	अप्साताम्	अप्सुः, अप्सान्	प्र०
	अप्साः	अप्सातम्	अप्सात	म०
	अप्साम्	अप्साव	अप्साम	उ०
(वि. लि)	प्सायात्	प्सायाताम्	प्सायुः	प्र०
	प्सायाः	प्सायातम्	प्सायात	म०
	प्सायाम्	प्सायाव	प्सायाम	उ०
(आ. लि)	प्सायात्	प्सायास्ताम्	प्सायासुः	प्र०
	प्सायाः	प्सायास्तम्	प्सायास्त	म०
	प्सायासम्	प्सायास्व	प्सायास्म	उ०
		अथवा		
	प्सेयात्	प्सेयास्ताम्	प्सेयासुः	प्र०
	प्सेयाः	प्सेयास्तम्	प्सेयास्त	म०
	प्सेयासम्	प्सेयास्व	प्सेयास्म	उ०
(लुङ्)	अप्सासीत्	अप्सासिष्टाम्	अप्सासिषुः	प्र०
	अप्सासीः	अप्सासिष्टम्	अप्सासिष्ट	म०
	अप्सासिषम्	अप्सासिष्व	अप्सासिष्म	उ०
(लृङ्)	अप्सास्यत्	अप्सास्यताम्	अप्सास्यन्	प्र०
	अप्सास्यः	अप्सास्यतम्	अप्सास्यत	म०
	अप्सास्यम्	अप्सास्याव	अप्सास्याम	उ०

(१४) ब्रूञ् = स्पष्ट बोलना (परस्मैपदी)

(लट्)	[ब्रवीति / आह	[ब्रूतः / आहतुः	[ब्रुवन्ति / आहुः	प्र०
	[ब्रवीषि / आत्थ	[ब्रूथः / आहथुः	ब्रूथ	म०
	ब्रवीमि	ब्रूवः	ब्रूमः	उ०
(लिट्)	उवाच	ऊचतुः	ऊचुः	प्र०
	उवचिथ, उवक्थ	ऊचथुः	ऊच	म०
	उवाच, उवच	ऊचिव	ऊचिम	उ०
(लुट्)	वक्ता	वक्तारौ	वक्तारः	प्र०
	वक्तासि	वक्तास्थः	वक्तास्थ	म०
	वक्तास्मि	वक्तास्वः	वक्तास्मः	उ०
(लृट्)	वक्ष्यति	वक्ष्यतः	वक्ष्यन्ति	प्र०
	वक्ष्यसि	वक्ष्यथः	वक्ष्यथ	म०
	वक्ष्यामि	वक्ष्यावः	वक्ष्यामः	उ०
(लोट्)	ब्रवीतु, ब्रूतात्	ब्रूताम्	ब्रुवन्तु	प्र०
	ब्रूहि, ब्रूतात्	ब्रूतम्	ब्रूत	म०
	ब्रवाणि	ब्रवाव	ब्रवाम	उ०
(लङ्)	अब्रवीत्	अब्रूताम्	अब्रुवन्	प्र०
	अब्रवीः	अब्रूतम्	अब्रूत	म०
	अब्रवम्	अब्रूव	अब्रूम	उ०

(वि. लि)	ब्रूयात्	ब्रूयाताम्	ब्रूयुः	प्र०
	ब्रूयाः	ब्रूयातम्	ब्रूयात	म०
	ब्रूयाम्	ब्रूयाव	ब्रूयाम	उ०
(आ. लि)	उच्यात्	उच्यास्ताम्	उच्यासुः	प्र०
	उच्याः	उच्यास्तम्	उच्यास्त	म०
	उच्यासम्	उच्यास्व	उच्यास्म	उ०
(लुङ्)	अवोचत्	अवोचताम्	अवोचन्	प्र०
	अवोचः	अवोचतम्	अवोचत	म०
	अवोचम्	अवोचाव	अवोचाम	उ०
(लृङ्)	अवक्ष्यत्	अवक्ष्यताम्	अवक्ष्यन्	प्र०
	अवक्ष्यः	अवक्ष्यतम्	अवक्ष्यत	म०
	अवक्ष्यम्	अवक्ष्याव	अवक्ष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	ब्रूते	ब्रुवाते	ब्रुवते	प्र०
	ब्रूषे	ब्रुवाथे	ब्रूध्वे	म०
	ब्रुवे	ब्रूवहे	ब्रूमहे	उ०
(लिट्)	ऊचे	ऊचाते	ऊचिरे	प्र०
	ऊचिषे	ऊचाथे	ऊचिध्वे	म०
	ऊचे	ऊचिवहे	ऊचिमहे	उ०
(लुट्)	वक्ता	वक्तारौ	वक्तारः	प्र०
	वक्तासे	वक्तासाथे	वक्ताध्वे	म०
	वक्ताहे	वक्तास्वहे	वक्तास्महे	उ०

(लृट्)	वक्ष्यते	वक्ष्येते	वक्ष्यन्ते	प्र०
	वक्ष्यसे	वक्ष्येथे	वक्ष्यध्वे	म०
	वक्ष्ये	वक्ष्यावहे	वक्ष्यामहे	उ०
(लोट्)	ब्रूताम्	ब्रुवाताम्	ब्रुवताम्	प्र०
	ब्रूष्व	ब्रुवाथाम्	ब्रूध्वम्	म०
	ब्रवै	ब्रवावहै	ब्रवामहै	उ०
(लङ्)	अब्रूत	अब्रुवाताम्	अब्रुवत	प्र०
	अब्रूथाः	अब्रुवाथाम्	अब्रूध्वम्	म०
	अब्रुवि	अब्रूवहि	अब्रूमहि	उ०
(वि. लि)	ब्रुवीत	ब्रुवीयाताम्	ब्रुवीरन्	प्र०
	ब्रुवीथाः	ब्रुवीयाथाम्	ब्रुवीध्वम्	म०
	ब्रुवीय	ब्रुवीवहि	ब्रुवीमहि	उ०
(आ. लि)	वक्षीष्ट	वक्षीयास्ताम्	वक्षीरन्	प्र०
	वक्षीष्ठाः	वक्षीयास्थाम्	वक्षीध्वम्	म०
	वक्षीय	वक्षीवहि	वक्षीमहि	उ०
(लुङ्)	अवोचत	अवोचेताम्	अवोचन्त	प्र०
	अवोचथाः	अवोचेथाम्	अवोचध्वम्	म०
	अवोचे	अवोचावहि	अवोचामहि	उ०
(लृङ्)	अवक्ष्यत	अवक्ष्येताम्	अवक्ष्यन्त	प्र०
	अवक्ष्यथाः	अवक्ष्येथाम्	अवक्ष्यध्वम्	म०
	अवक्ष्ये	अवक्ष्यावहि	अवक्ष्यामहि	उ०

(१५) भा = चमकना, (परस्मैपदी)

(लट्)	भाति	भातः	भान्ति	प्र०
	भासि	भाथः	भाथ	म०
	भामि	भावः	भामः	उ०
(लिट्)	बभौ	बभतुः	बभुः	प्र०
	बभिथ, बभाथ	बभथुः	बभ	म०
	बभौ	बभिव	बभिम	उ०
(लुट्)	भाता	भातारौ	भातारः	प्र०
	भातासि	भातास्थः	भातास्थ	म०
	भातास्मि	भातास्वः	भातास्मः	उ०
(लृट्)	भास्यति	भास्यतः	भास्यन्ति	प्र०
	भास्यसि	भास्यथः	भास्यथ	म०
	भास्यामि	भास्यावः	भास्यामः	उ०
(लोट्)	भातु, भातात्	भाताम्	भान्तु	प्र०
	भाहि, भातात्	भातम्	भात	म०
	भानि	भाव	भाम	उ०
(लङ्)	अभात्	अभाताम्	अभुः, अभान्	प्र०
	अभाः	अभातम्	अभात	म०
	अभाम्	अभाव	अभाम	उ०
(वि. लि.)	भायात्	भायाताम्	भायुः	प्र०
	भायाः	भायातम्	भायात	म०
	भायाम्	भायाव	भायाम	उ०

(आ. लि.)	भायात्	भायास्ताम्	भायासुः	प्र०
	भायाः	भायास्तम्	भायास्त	म०
	भायासम्	भायास्व	भायास्म	उ०
(लुङ्)	अभासीत्	अभासिष्टाम्	अभासिषुः	प्र०
	अभासीः	अभासिष्टम्	अभासिष्ट	म०
	अभासिषम्	अभासिष्व	अभासिष्म	उ०
(लृङ्)	अभास्यत्	अभास्यताम्	अभास्यन्	प्र०
	अभास्यः	अभास्यतम्	अभास्यत	म०
	अभास्यम्	अभास्याव	अभास्याम	उ०

(१६) या = प्राप्त करना, जाना (परस्मैपदी)

(लट्)	याति	यातः	यान्ति	प्र०
	यासि	याथः	याथ	म०
	यामि	यावः	यामः	उ०
(लिट्)	ययौ	ययतुः	ययुः	प्र०
	ययिथ, ययाथ	ययथुः	यय	म०
	ययौ	ययिव	ययिम	उ०
(लुट्)	याता	यातारौ	यातारः	प्र०
	यातासि	यातास्थः	यातास्थ	म०
	यातास्मि	यातास्वः	यातास्मः	उ०
(लृट्)	यास्यति	यास्यतः	यास्यन्ति	प्र०
	यास्यसि	यास्यथः	यास्यथ	म०
	यास्यामि	यास्यावः	यास्यामः	उ०

(लोट्)	यातु, यातात्	याताम्	यान्तु	प्र०
	याहि, यातात्	यातम्	यात	म०
	यानि	याव	याम	उ०
(लङ्)	अयात्	अयाताम्	अयुः, अयान्	प्र०
	अयाः	अयातम्	अयात	म०
	अयाम्	अयाव	अयाम	उ०
(वि. लि.)	यायात्	यायाताम्	यायुः	प्र०
	यायाः	यायातम्	यायात	म०
	यायाम्	यायाव	यायाम	उ०
(आ. लि.)	यायात्	यायास्ताम्	यायासुः	प्र०
	यायाः	यायास्तम्	यायास्त	म०
	यायासम्	यायास्व	यायास्म	उ०
(लुङ्)	अयासीत्	अयासिष्टाम्	अयासिषुः	प्र०
	अयासीः	अयासिष्टम्	अयासिष्ट	म०
	अयासिषम्	अयासिष्व	अयासिष्म	उ०
(लृङ्)	अयास्यत्	अयास्यताम्	अयास्यन्	प्र०
	अयास्यः	अयास्यतम्	अयास्यत	म०
	अयास्यम्	अयास्याव	अयास्याम	उ०

(१७) यु = मिलाना, पृथक् करना (परस्मैपदी)

(लट्)	यौति	युतः	युवन्ति	प्र०
	यौषि	युथः	युथ	म०
	यौमि	युवः	युमः	उ०

(लिट्)	युयाव	युयुवतुः	युयुवुः	प्र०
	युयविथ	युयुवथुः	युयुव	म०
	युयाव, युयव	युयुविव	युयुविम	उ०
(लुट्)	यविता	यवितारौ	यवितारः	प्र०
	यवितासि	यवितास्थः	यवितास्थ	म०
	यवितास्मि	यवितास्वः	यवितास्मः	उ०
(लृट्)	यविष्यति	यविष्यतः	यविष्यन्ति	प्र०
	यविष्यसि	यविष्यथः	यविष्यथ	म०
	यविष्यामि	यविष्यावः	यविष्यामः	उ०
(लोट्)	यौतु, युतात्	युताम्	युवन्तु	प्र०
	युहि, युतात्	युतम्	युत	म०
	यवानि	यवाव	यवाम	उ०
(लङ्)	अयौत्	अयुताम्	अयुवन्	प्र०
	अयौः	अयुतम्	अयुत	म०
	अयवम्	अयुव	अयुम	उ०
(वि. लि.)	युयात्	युयाताम्	युयुः	प्र०
	युयाः	युयातम्	युयात	म०
	युयाम्	युयाव	युयाम	उ०
(आ. लि.)	यूयात्	यूयास्ताम्	यूयासुः	प्र०
	यूयाः	यूयास्तम्	यूयास्त	म०
	यूयासम्	यूयास्व	यूयास्म	उ०

(लुङ्)	अयावीत्	अयाविष्टाम्	अयाविषुः	प्र०
	अयावीः	अयाविष्टम्	अयाविष्ट	म०
	अयाविषम्	अयाविष्व	अयाविष्म	उ०
(लृङ्)	अयविष्यत्	अयविष्यताम्	अयविष्यन्	प्र०
	अयविष्यः	अयविष्यतम्	अयविष्यत	म०
	अयविष्यम्	अयविष्याव	अयविष्याम	उ०

(१८) रा = देना (परस्मैपदी)

(लट्)	राति	रातः	रान्ति	प्र०
	रासि	राथः	राथ	म०
	रामि	रावः	रामः	उ०
(लिट्)	ररौ	ररतुः	ररुः	प्र०
	ररिथ, रराथ	ररथुः	रर	म०
	ररौ	ररिव	ररिम	उ०
(लुट्)	राता	रातारौ	रातारः	प्र०
	रातासि	रातास्थः	रातास्थ	म०
	रातास्मि	रातास्वः	रातास्मः	उ०
(लृट्)	रास्यति	रास्यतः	रास्यन्ति	प्र०
	रास्यसि	रास्यथः	रास्यथ	म०
	रास्यामि	रास्यावः	रास्यामः	उ०
(लोट्)	रातु, रातात्	राताम्	रान्तु	प्र०
	राहि, रातात्	रातम्	रात	म०
	राणि	राव	राम	उ०

(लङ्)	अरात्	अराताम्	अरुः, अरान्	प्र०
	अराः	अरातम्	अरात	म०
	अराम्	अराव	अराम	उ०
(वि·लि·)	रायात्	रायाताम्	रायुः	प्र०
	रायाः	रायातम्	रायात	म०
	रायाम्	रायाव	रायाम	उ०
(आ·लि·)	रायात्	रायास्ताम्	रायासुः	प्र०
	रायाः	रायास्तम्	रायास्त	म०
	रायासम्	रायास्व	रायास्म	उ०
(लुङ्)	अरासीत्	अरासिष्टाम्	अरासिषुः	प्र०
	अरासीः	अरासिष्टम्	अरासिष्ट	म०
	अरासिषम्	अरासिष्व	अरासिष्म	उ०
(लृङ्)	अरास्यत्	अरास्यताम्	अरास्यन्	प्र०
	अरास्यः	अरास्यतम्	अरास्यत	म०
	अरास्यम्	अरास्याव	अरास्याम	उ०

(१९) रुद् = रोना (परस्मैपदी)

(लट्)	रोदिति	रुदितः	रुदन्ति	प्र०
	रोदिषि	रुदिथः	रुदिथ	म०
	रोदिमि	रुदिवः	रुदिमः	उ०
(लिट्)	रुरोद	रुरुदतुः	रुरुदुः	प्र०
	रुरोदिथ	रुरुदथुः	रुरुद	म०
	रुरोद	रुरुदिव	रुरुदिम	उ०

(लुट्)	रोदिता	रोदितारौ	रोदितारः	प्र०
	रोदितासि	रोदितास्थः	रोदितास्थ	म०
	रोदितास्मि	रोदितास्वः	रोदितास्मः	उ०
(लृट्)	रोदिष्यति	रोदिष्यतः	रोदिष्यन्ति	प्र०
	रोदिष्यसि	रोदिष्यथः	रोदिष्यथ	म०
	रोदिष्यामि	रोदिष्यावः	रोदिष्यामः	उ०
(लोट्)	रोदितु	रुदिताम्	रुदन्तु	प्र०
	रुदिहि	रुदितम्	रुदित	म०
	रोदानि	रोदाव	रोदाम	उ०
(लङ्)	अरोदीत्, अरोदत्	अरुदिताम्	अरुदन्	प्र०
	अरोदीः, अरोदः	अरुदितम्	अरुदित	म०
	अरोदम्	अरुदिव	अरुदिम	उ०
(वि·लि·)	रुद्यात्	रुद्याताम्	रुद्युः	प्र०
	रुद्याः	रुद्यातम्	रुद्यात	म०
	रुद्याम्	रुद्याव	रुद्याम	उ०
(आ·लि·)	रुद्यात्	रुद्यास्ताम्	रुद्यासुः	प्र०
	रुद्याः	रुद्यास्तम्	रुद्यास्त	म०
	रुद्यासम्	रुद्यास्व	रुद्यास्म	उ०
(लुङ्)	अरोदीत्	अरोदिष्टाम्	अरोदिषुः	प्र०
	अरोदीः	अरोदिष्टम्	अरोदिष्ट	म०
	अरोदिषम्	अरोदिष्व	अरोदिष्म	उ०

अथवा

	अरुदत्	अरुदताम्	अरुदन्	प्र०
	अरुदः	अरुदतम्	अरुदत	म०
	अरुदम्	अरुदाव	अरुदाम	उ०
(लृङ्)	अरोदिष्यत्	अरोदिष्यताम्	अरोदिष्यन्	प्र०
	अरोदिष्यः	अरोदिष्यतम्	अरोदिष्यत	म०
	अरोदिष्यम्	अरोदिष्याव	अरोदिष्याम	उ०

(२०) ला = लेना (परस्मैपदी)

(लट्)	लाति	लातः	लान्ति	प्र०
	लासि	लाथः	लाथ	म०
	लामि	लावः	लामः	उ०
(लिट्)	ललौ	ललतुः	ललुः	प्र०
	ललिथ, ललाथ	ललथुः	लल	म०
	ललौ	ललिव	ललिम	उ०
(लुट्)	लाता	लातारौ	लातारः	प्र०
	लातासि	लातास्थः	लातास्थ	म०
	लातास्मि	लातास्वः	लातास्मः	उ०
(लृट्)	लास्यतः	लास्यतः	लास्यन्ति	प्र०
	लास्यसि	लास्यथः	लास्यथ	म०
	लास्यामि	लास्यावः	लास्यामः	उ०

(लोट्)	लातु, लातात्	लाताम्	लान्तु	प्र०
	लाहि, लातात्	लातम्	लात	म०
	लानि	लाव	लाम	उ०
(लङ्)	अलात्	अलाताम्	अलुः, अलान्	प्र०
	अलाः	अलातम्	अलात	म०
	अलाम्	अलाव	अलाम	उ०
(वि·लि·)	लायात्	लायाताम्	लायुः	प्र०
	लायाः	लायातम्	लायात	म०
	लायाम्	लायाव	लायाम	उ०
(आ·लि·)	लायात्	लायास्ताम्	लायासुः	प्र०
	लायाः	लायास्तम्	लायास्त	म०
	लायासम्	लायास्व	लायास्म	उ०
(लुङ्)	अलासीत्	अलासिष्टाम्	अलासिषुः	प्र०
	अलासीः	अलासिष्टम्	अलासिष्ट	म०
	अलासिषम्	अलासिष्व	अलासिष्म	उ०
(लृङ्)	अलास्यत्	अलास्यताम्	अलास्यन्	प्र०
	अलास्यः	अलास्यतम्	अलास्यत	म०
	अलास्यम्	अलास्याव	अलास्याम	उ०

(२१) लिह् = चाटना (परस्मैपदी)

(लट्)	लेढि	लीढः	लिहन्ति	प्र०
	लेक्षि	लीढः	लीढ	म०
	लेह्मि	लिह्वः	लिह्मः	उ०

(लिट्)	लिलेह	लिलिहतुः	लिलिहुः	प्र०
	लिलेहिथ	लिलिहथुः	लिलिह	म०
	लिलेह	लिलिहिव	लिलिहिम	उ०
(लुट्)	लेढा	लेढारौ	लेढारः	प्र०
	लेढासि	लेढास्थः	लेढास्थ	म०
	लेढास्मि	लेढास्वः	लेढास्मः	उ०
(लृट्)	लेक्ष्यति	लेक्ष्यतः	लेक्ष्यन्ति	प्र०
	लेक्ष्यसि	लेक्ष्यथः	लेक्ष्यथ	म०
	लेक्ष्यामि	लेक्ष्यावः	लेक्ष्यामः	उ०
(लोट्)	लेढु, लीढात्	लीढाम्	लिहन्तु	प्र०
	लीढि, लीढात्	लीढम्	लीढ	म०
	लेहानि	लेहाव	लेहाम	उ०
(लङ्)	अलेट्, ड्	अलीढाम्	अलिहन्	प्र०
	अलेट्, ड्	अलीढम्	अलीढ	म०
	अलेहम्	अलिह्व	अलिह्म	उ०
(वि·लि)	लिह्यात्	लिह्याताम्	लिह्युः	प्र०
	लिह्याः	लिह्यातम्	लिह्यात	म०
	लिह्याम्	लिह्याव	लिह्याम	उ०
(आ·लि·)	लिह्यात्	लिह्यास्ताम्	लिह्यासुः	प्र०
	लिह्याः	लिह्यास्तम्	लिह्यास्त	म०
	लिह्यासम्	लिह्यास्व	लिह्यास्म	उ०

(लुङ्)	अलिक्षत्	अलिक्षताम्	अलिक्षन्	प्र०
	अलिक्षः	अलिक्षतम्	अलिक्षत	म०
	अलिक्षम्	अलिक्षाव	अलिक्षाम	उ०
(लृङ्)	अलेक्ष्यत्	अलेक्ष्यताम्	अलेक्ष्यन्	प्र०
	अलेक्ष्यः	अलेक्ष्यतम्	अलेक्ष्यत	म०
	अलेक्ष्यम्	अलेक्ष्याव	अलेक्ष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	लीढे	लिहाते	लिहते	प्र०
	लिक्षे	लिहाथे	लीढ्वे	म०
	लिहे	लिह्वहे	लिह्महे	उ०
(लिट्)	लिलिहे	लिलिहाते	लिलिहिरे	प्र०
	लिलिहिषे	लिलिहाथे	लिलिहिध्वे, ढ्वे	म०
	लिलिहे	लिलिहिवहे	लिलिहिमहे	उ०
(लुट्)	लेढा	लेढारौ	लेढारः	प्र०
	लेढासे	लेढासाथे	लेढाध्वे	म०
	लेढाहे	लेढास्वहे	लेढास्महे	उ०
(लृट्)	लेक्ष्यते	लेक्ष्येते	लेक्ष्यन्ते	प्र०
	लेक्ष्यसे	लेक्ष्येथे	लेक्ष्यध्वे	म०
	लेक्ष्ये	लेक्ष्यावहे	लेक्ष्यामहे	उ०
(लोट्)	लीढाम्	लिहाताम्	लिहताम्	प्र०
	लिक्ष्व	लिहाथाम्	लीढ्वम्	म०
	लेहै	लेहावहै	लेहामहै	उ०

(लङ्)	अलीढ	अलिहाताम्	अलिहत	प्र०
	अलीढाः	अलिहाथाम्	अलीढ्वम्	म०
	अलिहि	अलिह्वहि	अलिह्महि	उ०
(वि. लि.)	लिहीत	लिहीयाताम्	लिहीरन्	प्र०
	लिहीथाः	लिहीयाथाम्	लिहीध्वम्	म०
	लिहीय	लिहीवहि	लिहीमहि	उ०
(आ. लि.)	लिक्षीष्ट	लिक्षीयास्ताम्	लिक्षीरन्	प्र०
	लिक्षीष्ठाः	लिक्षीयास्थाम्	लिक्षीध्वम्	म०
	लिक्षीय	लिक्षीवहि	लिक्षीमहि	उ०
(लुङ्)	अलीढ, अलिक्षत	अलिक्षाताम्	अलिक्षन्त	प्र०
	[अलीढाः अलिक्षथाः	अलिक्षाथाम्	[अलीढ्वम् अलिक्षध्वम्	म०
	अलिक्षि	[अलिह्वहि अलिक्षावहि	[अलिह्महि अलिक्षामहि	उ०
(लृङ्)	अलेक्ष्यत	अलेक्ष्येताम्	अलेक्ष्यन्त	प्र०
	अलेक्ष्यथाः	अलेक्ष्येथाम्	अलेक्ष्यध्वम्	म०
	अलेक्ष्ये	अलेक्ष्यावहि	अलेक्ष्यामहि	उ०

(२२) वा = जाना, महकना (परस्मैपदी)

(लट्)	वाति	वातः	वान्ति	प्र०
	वासि	वाथः	वाथ	म०
	वामि	वावः	वामः	उ०

(लिट्)	ववौ	ववतुः	ववुः	प्र०
	वविथ, ववाथ	ववथुः	वव	म०
	ववौ	वविव	वविम	उ०
(लुट्)	वाता	वातारौ	वातारः	प्र०
	वातासि	वातास्थः	वातास्थ	म०
	वातास्मि	वातास्वः	वातास्मः	उ०
(लृट्)	वास्यति	वास्यतः	वास्यन्ति	प्र०
	वास्यसि	वास्यथः	वास्यथ	म०
	वास्यामि	वास्यावः	वास्यामः	उ०
(लोट्)	वातु, वातात्	वाताम्	वान्तु	प्र०
	वाहि, वातात्	वातम्	वात	म०
	वानि	वाव	वाम	उ०
(लङ्)	अवात्	अवाताम्	अवुः, अवान्	प्र०
	अवाः	अवातम्	अवात	म०
	अवाम्	अवाव	अवाम	उ०
(वि. लि.)	वायात्	वायाताम्	वायुः	प्र०
	वायाः	वायातम्	वायात	म०
	वायाम्	वायाव	वायाम	उ०
(आ. लि.)	वायात्	वायास्ताम्	वायासुः	प्र०
	वायाः	वायास्तम्	वायास्त	म०
	वायासम्	वायास्व	वायास्म	उ०

(लुङ्)	अवासीत्	अवासिष्टाम्	अवासिषुः	प्र०
	अवासीः	अवासिष्टम्	अवासिष्ट	म०
	अवासिषम्	अवासिष्व	अवासिष्म	उ०
(लृङ्)	अवास्यत्	अवास्यताम्	अवास्यन्	प्र०
	अवास्यः	अवास्यतम्	अवास्यत	म०
	अवास्यम्	अवास्याव	अवास्याम	उ०

(२३) विद = समझना (परस्मैपदी)

(लट्)	वेद	विदतुः	विदुः	प्र०
	वेत्थ	विदथुः	विद	म०
	वेद	विद्व	विद्म	उ०
		अथवा		
	वेत्ति	वित्तः	विदन्ति	प्र०
	वेत्सि	वित्थः	वित्थ	म०
	वेद्मि	विद्वः	विद्मः	उ०
(लिट्)	विदाञ्चकार	विदाञ्चक्रतुः	विदाञ्चक्रुः	प्र०
	विदाञ्चकर्थ	विदाञ्चक्रथुः	विदाञ्चक्र	म०
	[विदाञ्चकार, विदाञ्चकर	विदाञ्चकृव	विदाञ्चकृम	उ०
		अथवा		
	विवेद	विविदतुः	विविदुः	प्र०
	विवेदिथ	विविदथुः	विविद	म०
	विवेद	विविदिव	विविदिम	उ०

(लुट्)	वेदिता	वेदितारौ	वेदितारः	प्र०
	वेदितासि	वेदितास्थः	वेदितास्थ	म०
	वेदितास्मि	वेदितास्वः	वेदितास्मः	उ०
(लृट्)	वेदिष्यति	वेदिष्यतः	वेदिष्यन्ति	प्र०
	वेदिष्यसि	वेदिष्यथः	वेदिष्यथ	म०
	वेदिष्यामि	वेदिष्यावः	वेदिष्यामः	उ०
(लोट्)	[विदाङ्करोतु, विदाङ्कुरुतात्	विदाङ्कुरुताम्	विदाङ्कुर्वन्तु	प्र०
	[विदाङ्कुरु, विदाङ्कुरुतात्	विदाङ्कुरुतम्	विदाङ्कुरुत	म०
	विदाङ्करवाणि	विदाङ्करवाव	विदाङ्करवाम	उ०
(लङ्)	अवेत्	अवित्ताम्	अविदुः	प्र०
	अवेः, अवेत्	अवित्तम्	अवित्त	म०
	अवेदम्	अविद्व	अविद्म	उ०
(वि. लि.)	विद्यात्	विद्याताम्	विद्युः	प्र०
	विद्याः	विद्यातम्	विद्यात	म०
	विद्याम्	विद्याव	विद्याम	उ०
(आ. लि.)	विद्यात्	विद्यास्ताम्	विद्यासुः	प्र०
	विद्याः	विद्यास्तम्	विद्यास्त	म०
	विद्यासम्	विद्यास्व	विद्यास्म	उ०

(लुङ्)	अवेदीत्	अवेदिष्टाम्	अवेदिषुः	प्र०
	अवेदीः	अवेदिष्टम्	अवेदिष्ट	म०
	अवेदिषम्	अवेदिष्व	अवेदिष्म	उ०
(लृङ्)	अवेदिष्यत्	अवेदिष्यताम्	अवेदिष्यन्	प्र०
	अवेदिष्यः	अवेदिष्यतम्	अवेदिष्यत	म०
	अवेदिष्यम्	अवेदिष्याव	अवेदिष्याम	उ०

(२४) शास्=शासन करना (परस्मैपदी)

(लट्)	शास्ति	शिष्टः	शासति	प्र०
	शास्सि	शिष्ठः	शिष्ठ	म०
	शास्मि	शिष्वः	शिष्मः	उ०
(लिट्)	शशास	शशासतुः	शशासुः	प्र०
	शशासिथ	शशासथुः	शशास	म०
	शशास	शशासिव	शशासिम	उ०
(लुट्)	शासिता	शासितारौ	शासितारः	प्र०
	शासितासि	शासितास्थः	शासितास्थ	म०
	शासितास्मि	शासितास्वः	शासितास्मः	उ०
(लृट्)	शासिष्यति	शासिष्यतः	शासिष्यन्ति	प्र०
	शासिष्यसि	शासिष्यथः	शासिष्यथ	म०
	शासिष्यामि	शासिष्यावः	शासिष्यामः	उ०
(लोट्)	शास्तु	शिष्टाम्	शासतु	प्र०
	शाधि	शिष्टम्	शिष्ट	म०
	शासानि	शासाव	शासाम	उ०

(लङ्)	अशात्	अशिष्टाम्	अशासुः	प्र०
	अशाः, अशात्	अशिष्टम्	अशिष्ट	म०
	अशासम्	अशिष्व	अशिष्म	उ०
(वि. लि.)	शिष्यात्	शिष्याताम्	शिष्युः	प्र०
	शिष्याः	शिष्यातम्	शिष्यात	म०
	शिष्यास्म	शिष्याव	शिष्याम	उ०
(आ. लि.)	शिष्यात्	शिष्यास्ताम्	शिष्यासुः	प्र०
	शिष्याः	शिष्यास्तम्	शिष्यास्त	म०
	शिष्याम्	शिष्यास्व	शिष्यास्म	उ०
(लुङ्)	अशिषत्	अशिषताम्	अशिषन्	प्र०
	अशिषः	अशिषतम्	अशिषत	म०
	अशिषम्	अशिषाव	अशिषाम	उ०
(लृङ्)	अशासिष्यत्	अशासिष्यताम्	अशासिष्यन्	प्र०
	अशासिष्यः	अशासिष्यतम्	अशासिष्यत	म०
	अशासिष्यम्	अशासिष्याव	अशासिष्याम	उ०

(२५) शी=सोना (आत्मनेपदी)

(लट्)	शेते	शयाते	शेरते	प्र०
	शेषे	शयाथे	शेध्वे	म०
	शये	शेवहे	शेमहे	उ०
(लिट्)	शिश्ये	शिश्याते	शिश्यिरे	प्र०
	शिश्यिषे	शिश्याथे	शिश्यध्वे, ढ्वे	म०
	शिश्ये	शिश्यिवहे	शिश्यिमहे	उ०

(लुट्)	शयिता	शयितारौ	शयितारः	प्र०
	शयितासे	शयितासाथे	शयिताध्वे	म०
	शयिताहे	शयितास्वहे	शयितास्महे	उ०
(लृट्)	शयिष्यते	शयिष्येते	शयिष्यन्ते	प्र०
	शयिष्यसे	शयिष्येथे	शयिष्यध्वे	म०
	शयिष्ये	शयिष्यावहे	शयिष्यामहे	उ०
(लोट्)	शेताम्	शयाताम्	शेरताम्	प्र०
	शेष्व	शयाथाम्	शेध्वम्	म०
	शयै	शयावहै	शयामहै	उ०
(लङ्)	अशेत	अशेयाताम्	अशेरत	प्र०
	अशेथाः	अशेयाथाम्	अशेध्वम्	म०
	अशेयि	अशेवहि	अशेमहि	उ०
(वि. लि.)	शयीत	शयीयाताम्	शयीरन्	प्र०
	शयीथाः	शयीयाथाम्	शयीध्वम्	म०
	शयीय	शयीवहि	शयीमहि	उ०
(आ. लि.)	शयिषीष्ट	शयिषीयास्ताम्	शयिसीरन्	प्र०
	शयिषीष्ठाः	शयिषीयास्थाम्	शयिषीध्वम्, ढ्वम्	म०
	शयिषीय	शयिषीवहि	शयिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अशयिष्ट	अशयिषाताम्	अशयिषत	प्र०
	अशयिष्ठाः	अशयिषाथाम्	अशयिध्वम्, ढ्वम्	म०
	अशयिषि	अशयिष्वहि	अशयिष्महि	उ०

(लृङ्)	अशयिष्यत	अशयिष्येताम्	अशयिष्यन्त	प्र०
	अशयिष्यथाः	अशयिष्येथाम्	अशयिष्यध्वम्	म०
	अशयिष्ये	अशयिष्यावहि	अशयिष्यामहि	उ०

(२६) श्रा = पकाना (परस्मैपदी)

(लट्)	श्राति	श्रातः	श्रान्ति	प्र०
	श्रासि	श्राथः	श्राथ	म०
	श्रामि	श्रावः	श्रामः	उ०
(लिट्)	शश्रौ	शश्रतुः	शश्रुः	प्र०
	शश्रिथ, शश्राथ	शश्रथुः	शश्र	म०
	शश्रौ	शश्रिव	शश्रिम	उ०
(लुट्)	श्राता	श्रातारौ	श्रातारः	प्र०
	श्रातासि	श्रातास्थः	श्रातास्थ	म०
	श्रातास्मि	श्रातास्वः	श्रातास्मः	उ०
(लृट्)	श्रास्यति	श्रास्यतः	श्रास्यन्ति	प्र०
	श्रास्यसि	श्रास्यथः	श्रास्यथ	म०
	श्रास्यामि	श्रास्यावः	श्रास्यामः	उ०
(लोट्)	श्रातु, श्रातात्	श्राताम्	श्रान्तु	प्र०
	श्राहि, श्रातात्	श्रातम्	श्रात	म०
	श्राणि	श्राव	श्राम	उ०
(लङ्)	अश्रात्	अश्राताम्	अश्रुः, अश्रान्	प्र०
	अश्राः	अश्रातम्	अश्रात	म०
	अश्राम्	अश्राव	अश्राम	उ०

(वि. लि.)	श्रायात्	श्रायाताम्	श्रायुः	प्र०
	श्रायाः	श्रायातम्	श्रायात	म०
	श्रायाम्	श्रायाव	श्रायाम	उ०
(आ. लि.)	श्रायात्	श्रायास्ताम्	श्रायासुः	प्र०
	श्रायाः	श्रायास्तम्	श्रायास्त	म०
	श्रायासम्	श्रायास्व	श्रायास्म	उ०
		अथवा		
	श्रेयात्	श्रेयास्ताम्	श्रेयासुः	प्र०
	श्रेयाः	श्रेयास्तम्	श्रेयास्त	म०
	श्रेयासम्	श्रेयास्व	श्रेयास्म	उ०
(लुङ्)	अश्रासीत्	अश्रासिष्टाम्	अश्रासिषुः	प्र०
	अश्रासीः	अश्रासिष्टम्	अश्रासिष्ट	म०
	अश्रासिषम्	अश्रासिष्व	अश्रासिष्म	उ०
(लृङ्)	अश्रास्यत्	अश्रास्यताम्	अश्रास्यन्	प्र०
	अश्रास्यः	अश्रास्यतम्	अश्रास्यत	म०
	अश्रास्यम्	अश्रास्याव	अश्रास्याम	उ०

(२७) स्ना = नहाना (परस्मैपदी)

(लट्)	स्नाति	स्नातः	स्नान्ति	प्र०
	स्नासि	स्नाथः	स्नाथ	म०
	स्नामि	स्नावः	स्नामः	उ०
(लिट्)	सस्नौ	सस्नतुः	सस्नुः	प्र०
	सस्निथ, सस्नाथ	सस्नथुः	सस्न	म०
	सस्नौ	सस्निव	सस्निम	उ०

(लुट्)	स्नाता	स्नातारौ	स्नातारः	प्र०
	स्नातासि	स्नातास्थः	स्नातास्थ	म०
	स्नातास्मि	स्नातास्वः	स्नातास्मः	उ०
(लृट्)	स्नास्यति	स्नास्यतः	स्नास्यन्ति	प्र०
	स्नास्यसि	स्नास्यथः	स्नास्यथ	म०
	स्नास्यामि	स्नास्यावः	स्नास्यामः	उ०
(लोट्)	स्नातु, स्नातात्	स्नाताम्	स्नान्तु	प्र०
	स्नाहि, स्नातात्	स्नातम्	स्नात	म०
	स्नानि	स्नाव	स्नाम	उ०
(लङ्)	अस्नात्	अस्नाताम्	अस्नुः, अस्नान्	प्र०
	अस्नाः	अस्नातम्	अस्नात	म०
	अस्नाम्	अस्नाव	अस्नाम	उ०
(वि·लि·)	स्नायात्	स्नायाताम्	स्नायुः	प्र०
	स्नायाः	स्नायातम्	स्नायात	म०
	स्नायाम्	स्नायाव	स्नायाम	उ०
(आ·लि·)	स्नेयात्	स्नेयास्ताम्	स्नेयासुः	प्र०
	स्नेयाः	स्नेयास्तम्	स्नेयास्त	म०
	स्नेयासम्	स्नेयास्व	स्नेयास्म	उ०
		अथवा		
	स्नायात्	स्नायास्ताम्	स्नायासुः	प्र०
	स्नायाः	स्नायास्तम्	स्नायास्त	म०
	स्नायासम्	स्नायास्व	स्नायास्म	उ०

(लुङ्)	अस्नासीत्	अस्नासिष्टाम्	अस्नासिषुः	प्र०
	अस्नासीः	अस्नासिष्टम्	अस्नासिष्ट	म०
	अस्नासिषम्	अस्नासिष्व	अस्नासिष्म	उ०
(लृङ्)	अस्नास्यत्	अस्नास्यताम्	अस्नास्यन्	प्र०
	अस्नास्यः	अस्नास्यतम्	अस्नास्यत	म०
	अस्नास्यम्	अस्नास्याव	अस्नास्याम	उ०

(२८) स्वप् = सोना (परस्मैपदी)

(लट्)	स्वपिति	स्वपितः	स्वपन्ति	प्र०
	स्वपिषि	स्वपिथः	स्वपिथ	म०
	स्वपिमि	स्वपिवः	स्वपिमः	उ०
(लिट्)	सुष्वाप	सुषुपतुः	सुषुपुः	प्र०
	सुष्वपिथ, सुष्वप्थ	सुषुपथुः	सुषुप	म०
	सुष्वाप, सुष्वप	सुषुपिव	सुषुपिम	उ०
(लुट्)	स्वप्ता	स्वप्तारौ	स्वप्तारः	प्र०
	स्वप्तासि	स्वप्तास्थः	स्वप्तास्थ	म०
	स्वप्तास्मि	स्वप्तास्वः	स्वप्तास्मः	उ०
(लृट्)	स्वप्स्यति	स्वप्स्यतः	स्वप्स्यन्ति	प्र०
	स्वप्स्यसि	स्वप्स्यथः	स्वप्स्यथ	म०
	स्वप्स्यामि	स्वप्स्यावः	स्वप्स्यामः	उ०
(लोट्)	स्वपितु	स्वपिताम्	स्वपन्तु	प्र०
	स्वपिहि	स्वपितम्	स्वपित	म०
	स्वपानि	स्वपाव	स्वपाम	उ०

(लङ्)	अस्वपीत्, अस्वपत्	अस्वपिताम्	अस्वपन्	प्र०
	अस्वपीः, अस्वपः	अस्वपितम्	अस्वपित	म०
	अस्वपम्	अस्वपिव	अस्वपिम	उ०
(वि·लि·)	स्वप्यात्	स्वप्याताम्	स्वप्युः	प्र०
	स्वप्याः	स्वप्यातम्	स्वप्यात	म०
	स्वप्याम्	स्वप्याव	स्वप्याम	उ०
(आ·लि·)	सुप्यात्	सुप्यास्ताम्	सुप्यासुः	प्र०
	सुप्याः	सुप्यास्तम्	सुप्यास्त	म०
	सुप्यासम्	सुप्यास्व	सुप्यास्म	उ०
(लुङ्)	अस्वाप्सीत्	अस्वाप्ताम्	अस्वाप्सुः	प्र०
	अस्वाप्सीः	अस्वाप्तम्	अस्वाप्त	म०
	अस्वाप्सम्	अस्वाप्स्व	अस्वाप्स्म	उ०
(लृङ्)	अस्वप्स्यत्	अस्वप्स्यताम्	अस्वप्स्यन्	प्र०
	अस्वप्स्यः	अस्वप्स्यतम्	अस्वप्स्यत	म०
	अस्वप्स्यम्	अस्वप्स्याव	अस्वप्स्याम	उ०

(२९) हन् = वध करना, जाना (परस्मैपदी)

(लट्)	हन्ति	हतः	घ्नन्ति	प्र०
	हंसि	हथः	हथ	म०
	हन्मि	हन्वः	हन्मः	उ०
(लिट्)	जघान	जघ्नतुः	जघ्नुः	प्र०
	जघनिथ, जघन्थ	जघ्नथुः	जघ्न	म०
	जघान, जघन	जघ्निव	जघ्निम	उ०

(लुट्)	हन्ता	हन्तारौ	हन्तारः	प्र०
	हन्तासि	हन्तास्थः	हन्तास्थ	म०
	हन्तास्मि	हन्तास्वः	हन्तास्मः	उ०
(लृट्)	हनिष्यति	हनिष्यतः	हनिष्यन्ति	प्र०
	हनिष्यसि	हनिष्यथः	हनिष्यथ	म०
	हनिष्यामि	हनिष्यावः	हनिष्यामः	उ०
(लोट्)	हन्तु, हतात्	हताम्	घ्नन्तु	प्र०
	जहि, हतात्	हतम्	हत	म०
	हनानि	हनाव	हनाम	उ०
(लङ्)	अहन्	अहताम्	अघ्नन्	प्र०
	अहन्	अहतम्	अहत	म०
	अहनम्	अहन्व	अहन्म	उ०
(वि·लि·)	हन्यात्	हन्याताम्	हन्युः	प्र०
	हन्याः	हन्यातम्	हन्यात	म०
	हन्याम्	हन्याव	हन्याम	उ०
(आ·लि·)	वध्यात्	वध्यास्ताम्	वध्यासुः	प्र०
	वध्याः	वध्यास्तम्	वध्यास्त	म०
	वध्यासम्	वध्यास्व	वध्यास्म	उ०
(लुङ्)	अवधीत्	अवधिष्टाम्	अवधिषुः	प्र०
	अवधीः	अवधिष्टम्	अवधिष्ट	म०
	अवधिषम्	अवधिष्व	अवधिष्म	उ०
(लृङ्)	अहनिष्यत्	अहनिष्यताम्	अहनिष्यन्	प्र०
	अहनिष्यः	अहनिष्यतम्	अहनिष्यत	म०
	अहनिष्यम्	अहनिष्याव	अहनिष्याम	उ०

इति अदादिप्रकरणम्

अथ जुहोत्यादिप्रकरणम्

(१) हु = हवन करना (परस्मैपदी)

(लट्)	जुहोति	जुहुतः	जुह्वति	प्र०
	जुहोषि	जुहुथः	जुहुथ	म०
	जुहोमि	जुहुवः	जुहुमः	उ०
(लिट्)	जुहवाञ्चकार	जुहवाञ्चक्रतुः	जुहवाञ्चक्रुः	प्र०
	जुहवाञ्चकर्थ	जुहवाञ्चक्रथुः	जुहवाञ्चक्र	म०
	जुहवाञ्चकार, कर	जुहवाञ्चकृव	जुहवाञ्चकृम	उ०

अथवा

	जुहाव	जुहुवतुः	जुहुवुः	प्र०
	जुहुविथ, जुहोथ	जुहुवथुः	जुहुव	म०
	जुहाव, जुहव	जुहुविव	जुहुविम	उ०
(लुट्)	होता	होतारौ	होतारः	प्र०
	होतासि	होतास्थः	होतास्थ	म०
	होतास्मि	होतास्वः	होतास्मः	उ०
(लृट्)	होष्यति	होष्यतः	होष्यन्ति	प्र०
	होष्यसि	होष्यथः	होष्यथ	म०
	होष्यामि	होष्यावः	होष्यामः	उ०
(लोट्)	जुहोतु, जुहुतात्	जुहुताम्	जुह्वतु	प्र०
	जुहुधि, जुहुतात्	जुहुताम्	जुहुत	म०
	जुहवानि	जुहवाव	जुहवाम	उ०

(लङ्)	अजुहोत्	अजुहुताम्	अजुहवुः	प्र०
	अजुहोः	अजुहुतम्	अजुहुत	म०
	अजुहवम्	अजुहुव	अजुहुम	उ०
(वि. लि.)	जुहुयात्	जुहुयाताम्	जुहुयुः	प्र०
	जुहुयाः	जुहुयातम्	जुहुयात	म०
	जुहुयाम्	जुहुयाव	जुहुयाम	उ०
(आ. लि.)	हूयात्	हूयास्ताम्	हूयासुः	प्र०
	हूयाः	हूयास्तम्	हूयास्त	म०
	हूयासम्	हूयास्व	हूयास्म	उ०
(लुङ्)	अहौषीत्	अहौष्टाम्	अहौषुः	प्र०
	अहौषीः	अहौष्टम्	अहौष्ट	म०
	अहौषम्	अहौष्व	अहौष्म	उ०
(लृङ्)	अहोष्यत्	अहोष्यताम्	अहोष्यन्	प्र०
	अहोष्यः	अहोष्यतम्	अहोष्यत	म०
	अहोष्यम्	अहोष्याव	अहोष्याम	उ०

(२) दा = देना (परस्मैपदी)

(लट्)	ददाति	दत्तः	ददति	प्र०
	ददासि	दत्थः	दत्थ	म०
	ददामि	दद्वः	दद्मः	उ०
(लिट्)	ददौ	ददतुः	ददुः	प्र०
	ददिथ, ददाथ	ददथुः	दद	म०
	ददौ	ददिव	ददिम	उ०

(लुट्)	दाता	दातारौ	दातारः	प्र०
	दातासि	दातास्थः	दातास्थ	म०
	दातास्मि	दातास्वः	दातास्मः	उ०
(लृट्)	दास्यति	दास्यतः	दास्यन्ति	प्र०
	दास्यसि	दास्यतः	दास्यथ	म०
	दास्यामि	दास्यावः	दास्यामः	उ०
(लोट्)	ददातु, दत्तात्	दत्ताम्	ददतु	प्र०
	देहि, दत्तात्	दत्तम्	दत्त	म०
	ददानि	ददाव	ददाम	उ०
(लङ्)	अददात्	अदत्ताम्	अददुः	प्र०
	अददाः	अदत्तम्	अदत्त	म०
	अददाम्	अदद्व	अदद्म	उ०
(वि·लि·)	दद्यात्	दद्याताम्	दद्युः	प्र०
	दद्याः	दद्यातम्	दद्यात	म०
	दद्याम्	दद्याव	दद्याम	उ०
(आ·लि·)	देयात्	देयास्ताम्	देयासुः	प्र०
	देयाः	देयास्तम्	देयास्त	म०
	देयासम्	देयास्व	देयास्म	उ०
(लुङ्)	अदात्	अदाताम्	अदुः	प्र०
	अदाः	अदातम्	अदात	म०
	अदाम्	अदाव	अदाम	उ०

(लृङ्)	अदास्यत्	अदास्यताम्	अदास्यन्	प्र०
	अदास्यः	अदास्यतम्	अदास्यत	म०
	अदास्यम्	अदास्याव	अदास्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	दत्ते	ददाते	ददते	प्र०
	दत्से	ददाथे	दद्ध्वे	म०
	ददे	दद्वहे	दद्महे	उ०
(लिट्)	ददे	ददाते	ददिरे	प्र०
	ददिषे	ददाथे	ददिध्वे	म०
	ददे	ददिवहे	ददिमहे	उ०
(लुट्)	दाता	दातारौ	दातारः	प्र०
	दातासे	दातासाथे	दाताध्वे	म०
	दाताहे	दातास्वहे	दातास्महे	उ०
(लृट्)	दास्यते	दास्येते	दास्यन्ते	प्र०
	दास्यसे	दास्येथे	दास्यध्वे	म०
	दास्ये	दास्यावहे	दास्यामहे	उ०
(लोट्)	दत्ताम्	ददाताम्	ददताम्	प्र०
	दत्स्व	ददाथाम्	दद्ध्वम्	म०
	ददै	ददावहै	ददामहै	उ०
(लङ्)	अदत्त	अददाताम्	अददत	प्र०
	अदत्थाः	अददाथाम्	अदद्ध्वम्	म०
	अददि	अदद्वहि	अदद्महि	उ०

(वि·लि·)	ददीत	ददीयाताम्	ददीरन्	प्र०
	ददीथाः	ददीयाथाम्	ददीध्वम्	म०
	ददीय	ददीवहि	ददीमहि	उ०
(आ·लि·)	दासीष्ट	दासीयास्ताम्	दासीरन्	प्र०
	दासीष्ठाः	दासीयास्थाम्	दासीध्वम्	म०
	दासीय	दासीवहि	दासीमहि	उ०
(लुङ्)	अदित	अदिषाताम्	अदिषत	प्र०
	अदिथाः	अदिषाथाम्	अदिढ्वम्	म०
	अदिषि	अदिष्वहि	अदिष्महि	उ०
(लृङ्)	अदास्यत	अदास्येताम्	अदास्यन्त	प्र०
	अदास्यथाः	अदास्येथाम्	अदास्यध्वम्	म०
	अदास्ये	अदास्यावहि	अदास्यामहि	उ०

(३) धा = धारण, पोषण करना, (परस्मैपदी)।

(लट्)	दधाति	धत्तः	दधति	प्र०
	दधासि	धत्थः	धत्थ	म०
	दधामि	दध्वः	दध्मः	उ०
(लिट्)	दधौ	दधतुः	दधुः	प्र०
	दधिथ, दधाथ	दधतुः	दध	म०
	दधौ	दधिव	दधिम	उ०
(लुट्)	धाता	धातारौ	धातारः	प्र०
	धातासि	धातास्थः	धातास्थ	म०
	धातास्मि	धातास्वः	धातास्मः	उ०

(लृट्)	धास्यति	धास्यतः	धास्यन्ति	प्र०
	धास्यसि	धास्यथः	धास्यथ	म०
	धास्यामि	धास्यावः	धास्यामः	उ०
(लोट्)	दधातु, धत्तात्	धत्ताम्	दधतु	प्र०
	धेहि, धत्तात्	धत्तम्	धत्त	म०
	दधानि	दधाव	दधाम	उ०
(लङ्)	अदधात्	अधत्ताम्	अदधुः	प्र०
	अदधाः	अधत्तम्	अधत्त	म०
	अदधाम्	अदध्व	अदध्म	उ०
(वि·लि·)	दध्यात्	दध्याताम्	दध्युः	प्र०
	दध्याः	दध्यातम्	दध्यात	म०
	दध्याम्	दध्याव	दध्याम	उ०
(आ·लि·)	धेयात्	धेयास्ताम्	धेयासुः	प्र०
	धेयाः	धेयास्तम्	धेयास्त	म०
	धेयासम्	धेयास्व	धेयास्म	उ०
(लुङ्)	अधात्	अधाताम्	अधुः	प्र०
	अधाः	अधातम्	अधात	म०
	अधाम्	अधाव	अधाम	उ०
(लृङ्)	अधास्यत्	अधास्यताम्	अधास्यन्	प्र०
	अधास्यः	अधास्यतम्	अधास्यत	म०
	अधास्यम्	अधास्याव	अधास्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	धत्ते	दधाते	दधते	प्र०
	धत्से	दधाथे	धद्ध्वे	म०
	दधे	दध्वहे	दध्महे	उ०
(लिट्)	दधे	दधाते	दधिरे	प्र०
	दधिषे	दधाथे	दधिध्वे	म०
	दधे	दधिवहे	दधिमहे	उ०
(लुट्)	धाता	धातारौ	धातारः	प्र०
	धातासे	धातासाथे	धाताध्वे	म०
	धाताहे	धातास्वहे	धातास्महे	उ०
(लृट्)	धास्यते	धास्येते	धास्यन्ते	प्र०
	धास्यसे	धास्येथे	धास्यध्वे	म०
	धास्ये	धास्यावहे	धास्यामहे	उ०
(लोट्)	धत्ताम्	दधाताम्	दधताम्	प्र०
	धत्स्व	दधाथाम्	धद्ध्वम्	म०
	दधै	दधावहै	दधामहै	उ०
(लङ्)	अधत्त	अदधाताम्	अदधत	प्र०
	अधत्थाः	अदधाथाम्	अधद्ध्वम्	म०
	अदधि	अदध्वहि	अदध्महि	उ०
(वि. लि.)	दधीत	दधीयाताम्	दधीरन्	प्र०
	दधीथाः	दधीयाथाम्	दधीध्वम्	म०
	दधीय	दधीवहि	दधीमहि	उ०

(आ. लि.)	धासीष्ट	धासीयास्ताम्	धासीरन्	प्र०
	धासीष्ठाः	धासीयास्थाम्	धासीध्वम्	म०
	धासीय	धासीवहि	धासीमहि	उ०
(लुङ्)	अधित	अधिषाताम्	अधिषत	प्र०
	अधिथाः	अधिषाथाम्	अधिढ्वम्	म०
	अधिषि	अधिष्वहि	अधिष्महि	उ०
(लृङ्)	अधास्यत	अधास्येताम्	अधास्यन्त	प्र०
	अधास्यथाः	अधास्येथाम्	अधास्यध्वम्	म०
	अधास्ये	अधास्यावहि	अधास्यामहि	उ०

(४) निजिर् = धोना, पोषण करना (परस्मैपदी)

(लट्)	नेनेक्ति	नेनिक्तः	नेनिजति	प्र०
	नेनेक्षि	नेनिक्थः	नेनिक्थ	म०
	नेनेज्मि	नेनिज्वः	नेनिज्मः	उ०
(लिट्)	निनेज	निनिजतुः	निनिजुः	प्र०
	निनेजिथ	निनिजथुः	निनिज	म०
	निनेज	निनिजिव	निनिजिम	उ०
(लुट्)	नेक्ता	नेक्तारौ	नेक्तारः	प्र०
	नेक्तासि	नेक्तास्थः	नेक्तास्थ	म०
	नेक्तास्मि	नेक्तास्वः	नेक्तास्मः	उ०
(लृट्)	नेक्ष्यति	नेक्ष्यतः	नेक्ष्यन्ति	प्र०
	नेक्ष्यसि	नेक्ष्यथः	नेक्ष्यथ	म०
	नेक्ष्यामि	नेक्ष्यावः	नेक्ष्यामः	उ०

(लोट्)	नेनेक्तु, नेनिक्तात्	नेनिक्ताम्	नेनिजतु:	प्र०
	नेनिग्धि, क्तात्	नेनिक्तम्	नेनिक्त	म०
	नेनिजानि	नेनिजाव	नेनिजाम	उ०
(लङ्)	अनेनेक्, ग्	अनेनिक्ताम्	अनेनिजु:	प्र०
	अनेनेक्, ग्	अनेनिक्तम्	अनेनिक्त	म०
	अनेनिजम्	अनेनिज्व	अनेनिज्म	उ०
(वि॰लि॰)	नेनिज्यात्	नेनिज्याताम्	नेनिज्यु:	प्र०
	नेनिज्या:	नेनिज्यातम्	नेनिज्यात	म०
	नेनिज्याम्	नेनिज्याव	नेनिज्याम	उ०
(आ॰लि॰)	निज्यात्	निज्यास्ताम्	निज्यासु:	प्र०
	निज्या:	निज्यास्तम्	निज्यास्त	म०
	निज्यासम्	निज्यास्व	निज्यास्म	उ०
(लुङ्)	अनिजत्	अनिजताम्	अनिजन्	प्र०
	अनिज:	अनिजतम्	अनिजत	म०
	अनिजम्	अनिजाव	अनिजाम	उ०
		अथवा		
	अनैक्षीत्	अनैक्ताम्	अनैक्षु:	प्र०
	अनैक्षी:	अनैक्तम्	अनैक्त	म०
	अनैक्षम्	अनैक्ष्व	अनैक्ष्म	उ०
(लृङ्)	अनेक्ष्यत्	अनेक्ष्यताम्	अनेक्ष्यन्	प्र०
	अनेक्ष्य:	अनेक्ष्यतम्	अनेक्ष्यत	म०
	अनेक्ष्यम्	अनेक्ष्याव	अनेक्ष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	नेनिक्ते	नेनिजाते	नेनिजते	प्र०
	नेनिक्षे	नेनिजाथे	नेनिग्ध्वे	म०
	नेनिजे	नेनिज्वहे	नेनिज्महे	उ०
(लिट्)	निनिजे	निनिजाते	निनिजिरे	प्र०
	निनिजिषे	निनिजाथे	निनिजिध्वे	म०
	निनिजे	निनिजिवहे	निनिजिमहे	उ०
(लुट्)	नेक्ता	नेक्तारौ	नेक्तार:	प्र०
	नेक्तासे	नेक्तासाथे	नेक्ताध्वे	म०
	नेक्ताहे	नेक्तास्वहे	नेक्तास्महे	उ०
(लृट्)	नेक्ष्यते	नेक्ष्येते	नेक्ष्यन्ते	प्र०
	नेक्ष्यसे	नेक्ष्येथे	नेक्ष्यध्वे	म०
	नेक्ष्ये	नेक्ष्यावहे	नेक्ष्यामहे	उ०
(लोट्)	नेनिक्ताम्	नेनिजाताम्	नेनिजताम्	प्र०
	नेनिक्ष्व	नेनिजाथाम्	नेनिग्ध्वम्	म०
	नेनिजै	नेनिजावहै	नेनिजामहै	उ०
(लङ्)	अनेनिक्त	अनेनिजाताम्	अनेनिजत	प्र०
	अनेनिक्था:	अनेनिजाथाम्	अनेनिग्ध्वम्	म०
	अनेनिजि	अनेनिज्वहि	अनेनिज्महि	उ०
(वि॰लि॰)	नेनिजीत	नेनीजीयाताम्	नेनिजीरन्	प्र०
	नेनिजीथा:	नेनिजीयाथाम्	नेनिजीध्वम्	म०
	नेनिजीय	नेनिजीवहि	नेनिजीमहि	उ०

(आ·लि·)	निक्षीष्ट	निक्षीयास्ताम्	निक्षीरन्	प्र०
	निक्षीष्ठाः	निक्षीयास्थाम्	निक्षीध्वम्	म०
	निक्षीय	निक्षीवहि	निक्षीमहि	उ०
(लुङ्)	अनिक्त	अनिक्षाताम्	अनिक्षत	प्र०
	अनिक्थाः	अनिक्षाथाम्	अनिग्ध्वम्	म०
	अनिक्षि	अनिक्ष्वहि	अनिक्ष्महि	उ०
(लृङ्)	अनेक्ष्यत	अनेक्ष्येताम्	अनेक्ष्यन्त	प्र०
	अनेक्ष्यथाः	अनेक्ष्येथाम्	अनेक्ष्यध्वम्	म०
	अनेक्ष्ये	अनेक्ष्यावहि	अनेक्ष्यामहि	उ०

(५) पॄ = पालन और पूर्ति करना (परस्मैपदी)

(लट्)	पिपर्ति	पिपूर्तः	पिपुरति	प्र०
	पिपर्षि	पिपूर्थः	पिपूर्थ	म०
	पिपर्मि	पिपूर्वः	पिपूर्मः	उ०
(लिट्)	पपार	पप्रतुः, पपरतुः	पप्रुः, पपरुः	प्र०
	पपरिथ	पप्रथुः, पपरथुः	पप्र, पपर	म०
	पपार, पपर	पप्रिव, पपरिव	पप्रिम, पपरिम	उ०
(लुट्)	परीता	परीतारौ	परीतारः	प्र०
	परीतासि	परीतास्थः	परीतास्थ	म०
	परीतास्मि	परीतास्वः	परीतास्मः	उ०

अथवा

	परिता	परितारौ	परितारः	प्र०
	परितासि	परितास्थः	परितास्थ	म०
	परितास्मि	परितास्वः	परितास्मः	उ०

(लृट्)	परिष्यति	परिष्यतः	परिष्यन्ति	प्र०
	परिष्यसि	परिष्यथः	परिष्यथ	म०
	परिष्यामि	परिष्यावः	परिष्यामः	उ०

अथवा

	परीष्यति	परीष्यतः	परीष्यन्ति	प्र०
	परीष्यसि	परीष्यथः	परीष्यथ	म०
	परीष्यामि	परीष्यावः	परीष्यामः	उ०
(लोट्)	पिपर्तु, पिपूर्तात्	पिपूर्ताम्	पिपुरतु	प्र०
	पिपूर्हि, पिपूर्तात्	पिपूर्तम्	पिपूर्त	म०
	पिपराणि	पिपराव	पिपराम	उ०
(लङ्)	अपिपः	अपिपूर्ताम्	अपिपरुः	प्र०
	अपिपः	अपिपूर्तम्	अपिपूर्त	म०
	अपिपरम्	अपिपूर्व	अपिपूर्म	उ०
(वि·लि·)	पिपूर्यात्	पिपूर्याताम्	पिपूर्युः	प्र०
	पिपूर्याः	पिपूर्यातम्	पिपूर्यात	म०
	पिपूर्याम्	पिपूर्याव	पिपूर्याम	उ०
(आ·लि·)	पूर्यात्	पूर्यास्ताम्	पूर्यासुः	प्र०
	पूर्याः	पूर्यास्तम्	पूर्यास्त	म०
	पूर्यासम्	पूर्यास्व	पूर्यास्म	उ०
(लुङ्)	अपारीत्	अपारिष्टाम्	अपारिषुः	प्र०
	अपारीः	अपारिष्टम्	अपारिष्ट	म०
	अपारिषम्	अपारिष्व	अपारिष्म	उ०

(लृङ्)	अपरीष्यत्	अपरीष्यताम्	अपरीष्यन्	प्र०
	अपरीष्यः	अपरीष्यतम्	अपरीष्यत	म०
	अपरीष्यम्	अपरीष्याव	अपरीष्याम	उ०

अथवा

	अपरिष्यत्	अपरिष्यताम्	अपरिष्यन्	प्र०
	अपरिष्यः	अपरिष्यतम्	अपरिष्यत	म०
	अपरिष्यम्	अपरिष्याव	अपरिष्याम	उ०

(६) भी = डरना (परस्मैपदी)

(लट्)	बिभेति	[बिभितः बिभीतः	बिभ्यति	प्र0
	बिभेषि	[बिभिथः बिभीथः	[बिभिथ बिभीथ	म०
	बिभेमि	[बिभिवः बिभीव	[बिभिमः बिभीमः	उ०
लिट्)	बिभयाञ्चकार	बिभयाञ्चक्रतुः	बिभयाञ्चक्रुः	प्र०
	बिभयाञ्चकर्थ	बिभयाञ्चक्रथुः	बिभयाञ्चक्र	म०
	बिभयाञ्चकार, कर	बिभयाञ्चकृव	बिभयाञ्चकृम	उ०

अथवा

	बिभाय	बिभ्यतुः	बिभ्युः	प्र०
	बिभयिथ, बिभेथ	बिभ्यथुः	बिभ्य	म०
	बिभाय, बिभय	बिभ्यिव	बिभ्यिम	उ०

(लुट्)	भेता	भेतारौ	भेतारः	प्र०
	भेतासि	भेतास्थः	भेतास्थ	म०
	भेतास्मि	भेतास्वः	भेतास्मः	उ०
(लृट्)	भेष्यति	भेष्यतः	भेष्यन्ति	प्र०
	भेष्यसि	भेष्यथः	भेष्यथ	म०
	भेष्यामि	भेष्यावः	भेष्यामः	उ०
(लोट्)	[बिभेतु, बिभितात् बिभीतात्	[बिभिताम् बिभीताम्	बिभ्यतु	प्र०
	[बिभिहि, बिभितात् बिभीतात्	[बिभितम् बिभीतम्	[बिभित बिभीत	म०
	बिभयानि	बिभयाव	बिभयाम	उ०
(लङ्)	अबिभेत्	अबिभिताम्, अबिभीताम्	अबिभयुः	प्र०
	अबिभेः	[अबिभितम् अबिभीतम्	[अबिभित अबिभीत	म०
	अबिभयम्	[अबिभिव अबिभीव	[अबिभिम अबिभीम	उ०
(वि॰ लि॰)	बिभियात्	बिभियाताम्	बिभियुः	प्र०
	बिभियाः	बिभियातम्	बिभियात	म०
	बिभियाम्	बिभियाव	बिभियाम	उ०

अथवा

	बिभीयात्	बिभीयाताम्	बिभीयुः	प्र०
	बिभीयाः	बिभीयातम्	बिभीयात	म०
	बिभीयाम्	बिभीयाव	बिभीयाम	उ०

(आ·लि·)	भीयात्	भीयास्ताम्	भीयासुः	प्र०
	भीयाः	भीयास्तम्	भीयास्त	म०
	भीयासम्	भीयास्व	भीयास्म	उ०
(लुङ्)	अभैषीत्	अभैष्टाम्	अभैषुः	प्र०
	अभैषीः	अभैष्टम्	अभैष्ट	म०
	अभैषम्	अभैष्व	अभैष्म	उ०
(लृङ्)	अभेष्यत्	अभेष्यताम्	अभेष्यन्	प्र०
	अभेष्यः	अभेष्यतम्	अभेष्यत	म०
	अभेष्यम्	अभेष्याव	अभेष्याम	उ०

(७) भृञ् = धारण, पोषण करना (परस्मैपदी)

(लट्)	बिभर्ति	बिभृतः	बिभ्रति	प्र०
	बिभर्षि	बिभृथः	बिभृथ	म०
	बिभर्मि	बिभृवः	बिभृमः	उ०
(लिट्)	बिभराञ्चकार	बिभराञ्चक्रतुः	बिभराञ्चक्रु	प्र०
	बिभराञ्चकर्थ	बिभराञ्चक्रथुः	बिभराञ्चक्र	म०
	बिभराञ्चकार, कर	बिभराञ्चकृव	बिभराञ्चकृम	उ०

अथवा

बभार	बभ्रतुः	बभ्रुः	प्र०
बभर्थ	बभ्रथुः	बभ्र	म०
बभार, बभर	बभृव	बभृम	उ०

(लुट्)	भर्ता	भर्तारौ	भर्तारः	प्र०
	भर्तासि	भर्तास्थः	भर्तास्थ	म०
	भर्तास्मि	भर्तास्वः	भर्तास्मः	उ०
(लृट्)	भरिष्यति	भरिष्यतः	भरिष्यन्ति	प्र०
	भरिष्यसि	भरिष्यथः	भरिष्यथ	म०
	भरिष्यामि	भरिष्यावः	भरिष्यामः	उ०
(लोट्)	बिभर्तु, बिभृतात्	बिभृताम्	बिभ्रतु	प्र०
	बिभृहि, बिभृतात्	बिभृतम्	बिभृत	म०
	बिभराणि	बिभराव	बिभराम	उ०
(लङ्)	अबिभः	अबिभृताम्	अबिभरुः	प्र०
	अबिभः	अबिभृतम्	अबिभृत	म०
	अबिभरम्	अबिभृव	अबिभृम	उ०
(वि·लि·)	बिभृयात्	बिभृयाताम्	बिभृयुः	प्र०
	बिभृयाः	बिभृयातम्	बिभृयात	म०
	बिभृयाम्	बिभृयाव	बिभृयाम	उ०
(आ·लि·)	भ्रियात्	भ्रियास्ताम्	भ्रियासुः	प्र०
	भ्रियाः	भ्रियास्तम्	भ्रियास्त	म०
	भ्रियासम्	भ्रियास्व	भ्रियास्म	उ०
(लुङ्)	अभार्षीत्	अभार्ष्टाम्	अभार्षुः	प्र०
	अभार्षीः	अभार्ष्टम्	अभार्ष्ट	म०
	अभार्षम्	अभार्ष्व	अभार्ष्म	उ०

(लृङ्)	अभरिष्यत्	अभरिष्यताम्	अभरिष्यन्	प्र०
	अभरिष्यः	अभरिष्यतम्	अभरिष्यत	म०
	अभरिष्यम्	अभरिष्याव	अभरिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	बिभृते	बिभ्राते	बिभ्रते	प्र०
	बिभृषे	बिभ्राथे	बिभृध्वे	म०
	बिभ्रे	बिभृवहे	बिभृमहे	उ०
(लिट्)	बिभराञ्चक्रे	बिभराञ्चक्राते	बिभराञ्चक्रिरे	प्र०
	बिभराञ्चकृषे	बिभराञ्चक्राथे	बिभराञ्चकृढ्वे	म०
	बिभराञ्चक्रे	बिभराञ्चकृवहे	बिभराञ्चकृमहे	उ०

अथवा

	बभ्रे	बभ्राते	बभ्रिरे	प्र०
	बभृषे	बभ्राथे	बभृध्वे, ढ्वे	म०
	बभ्रे	बभृवहे	बभृमहे	उ०
(लुट्)	भर्ता	भर्तारौ	भर्तारः	प्र०
	भर्तासे	भर्तासाथे	भर्ताध्वे	म०
	भर्ताहे	भर्तास्वहे	भर्तास्महे	उ०
(लृट्)	भरिष्यते	भरिष्येते	भरिष्यन्ते	प्र०
	भरिष्यसे	भरिष्येथे	भरिष्यध्वे	म०
	भरिष्ये	भरिष्यावहे	भरिष्यामहे	उ०
(लोट्)	बिभृताम्	बिभ्राताम्	बिभ्रताम्	प्र०
	बिभृष्व	बिभ्राथाम्	बिभृध्वम्	म०
	बिभरै	बिभरावहै	बिभरामहै	उ०

(लङ्)	अबिभृत	अबिभ्राताम्	अबिभ्रत	प्र०
	अबिभृथाः	अबिभ्राथाम्	अबिभृध्वम्	म०
	अबिभ्रि	अबिभृवहि	अबिभृमहि	उ०
(वि·लि·)	बिभ्रीत	बिभ्रीयाताम्	बिभ्रीरन्	प्र०
	बिभ्रीथाः	बिभ्रीयाथाम्	बिभ्रीध्वम्	म०
	बिभ्रीय	बिभ्रीवहि	बिभ्रीमहि	उ०
(आ·लि·)	भृषीष्ट	भृषीयास्ताम्	भृषीरन्	प्र०
	भृषीष्ठाः	भृषीयास्थाम्	भृषीध्वम्	म०
	भृषीय	भृषीवहि	भृषीमहि	उ०
(लुङ्)	अभृत	अभृषाताम्	अभृषत	प्र०
	अभृथाः	अभृषाथाम्	अभृढ्वम्	म०
	अभृषि	अभृष्वहि	अभृष्महि	उ०
(लृङ्)	अभरिष्यत	अभरिष्येताम्	अभरिष्यन्त	प्र०
	अभरिष्यथाः	अभरिष्येथाम्	अभरिष्यध्वम्	म०
	अभरिष्ये	अभरिष्यावहि	अभरिष्यामहि	उ०

(८) मा = नापना, मिमियाना (आत्मनेपदी)

(लट्)	मिमीते	मिमाते	मिमते	प्र०
	मिमीषे	मिमाथे	मिमीध्वे	म०
	मिमे	मिमीवहे	मिमीमहे	उ०
(लिट्)	ममे	ममाते	ममिरे	प्र०
	ममिषे	ममाथे	ममिध्वे	म०
	ममे	ममिवहे	ममिमहे	उ०

(लुट्)	माता	मातारौ	मातारः	प्र०
	मातासे	मातासाथे	माताध्वे	म०
	माताहे	मातास्वहे	मातास्महे	उ०
(लृट्)	मास्यते	मास्येते	मास्यन्ते	प्र०
	मास्यसे	मास्येथे	मास्यध्वे	म०
	मास्ये	मास्यावहे	मास्यामहे	उ०
(लोट्)	मिमीताम्	मिमाताम्	मिमताम्	प्र०
	मिमीष्व	मिमाथाम्	मिमीध्वम्	म०
	मिमै	मिमावहै	मिमामहै	उ०
(लङ्)	अमिमीत	अमिमाताम्	अमिमत	प्र०
	अमिमीथाः	अमिमाथाम्	अमिमीध्वम्	म०
	अमिमि	अमिमीवहि	अमिमीमहि	उ०
(वि·लि·)	मिमीत	मिमीयाताम्	मिमीरन्	प्र०
	मिमीथाः	मिमीयाथाम्	मिमीध्वम्	म०
	मिमीय	मिमीवहि	मिमीमहि	उ०
(आ·लि·)	मासीष्ट	मासीयास्ताम्	मासीरन्	प्र०
	मासीष्ठाः	मासीयास्थाम्	मासीध्वम्	म०
	मासीय	मासीवहि	मासीमहि	उ०
(लुङ्)	अमास्त	अमासाताम्	अमासत	प्र०
	अमास्थाः	अमासाथाम्	अमाध्वम्	म०
	अमासि	अमास्वहि	अमास्महि	उ०

(लृङ्)	अमास्यत	अमास्येताम्	अमास्यन्त	प्र०
	अमास्यथाः	अमास्येथाम्	अमास्यध्वम्	म०
	अमास्ये	अमास्यावहि	अमास्यामहि	उ०

(९) हा = छोड़ना (परस्मैपदी)

(लट्)	जहाति	जहितः, जहीतः	जहति	प्र०
	जहासि	जहिथः, जहीथः	जहिथ, जहीथ	म०
	जहामि	जहिवः, जहीवः	जहिमः, जहीमः	उ०
(लिट्)	जहौ	जहतुः	जहुः	प्र०
	जहिथ, जहाथ	जहथुः	जह	म०
	जहौ	जहिव	जहिम	उ०
(लुट्)	हाता	हातारौ	हातारः	प्र०
	हातासि	हातास्थः	हातास्थ	म०
	हातास्मि	हातास्वः	हातास्मः	उ०
(लृट्)	हास्यति	हास्यतः	हास्यन्ति	प्र०
	हास्यसि	हास्यथः	हास्यथ	म०
	हास्यामि	हास्यावः	हास्यामः	उ०
(लोट्)	[जहातु, जहितात् जहीतात्,	जहिताम् जहीताम्	जहतु:	प्र०
	[जहाहि, जहिहि जहीहि, जहितात् जहीतात्	जहितम् जहीतम्	जहित जहीत	म०
	जहानि	जहाव	जहाम	उ०

(लङ्)	अजहात्	[अजहिताम् अजहीताम्	अजहुः	प्र०
	अजहाः	[अजहितम् अजहीतम्	[अजहित अजहीत	म०
	अजहाम्	[अजहिव अजहीव	[अजहिम अजहीम	उ०
(वि॰लि॰)	जह्यात्	जह्याताम्	जह्युः	प्र०
	जह्याः	जह्यातम्	जह्यात	म०
	जह्याम्	जह्याव	जह्याम	उ०
(आ॰लि॰)	हेयात्	हेयास्ताम्	हेयासुः	प्र०
	हेयाः	हेयास्तम्	हेयास्त	म०
	हेयासम्	हेयास्व	हेयास्म	उ०
(लुङ्)	अहासीत्	अहासिष्टाम्	अहासिषुः	प्र०
	अहासीः	अहासिष्टम्	अहासिष्ट	म०
	अहासिषम्	अहासिष्व	अहासिष्म	उ०
(लृङ्)	अहास्यत्	अहास्यताम्	अहास्यन्	प्र०
	अहास्यः	अहास्यताम्	अहास्यत	म०
	अहास्यम्	अहास्याव	अहास्याम	उ०

(१०) हा = जाना (आत्मनेपदी)

(लट्)	जिहीते	जिहाते	जिहते	प्र०
	जिहीषे	जिहाथे	जिहीध्वे	म०
	जिहे	जिहीवहे	जिहीमहे	उ०

(लिट्)	जहे	जहाते	जहिरे	प्र०
	जहिषे	जहाथे	जहिध्वे, ढ्वे	म०
	जहे	जहिवहे	जहिमहे	उ०
(लुट्)	हाता	हातारौ	हातारः	प्र०
	हातासे	हातासाथे	हाताध्वे	म०
	हाताहे	हातास्वहे	हातास्महे	उ०
(लृट्)	हास्यते	हास्येते	हास्यन्ते	प्र०
	हास्यसे	हास्येथे	हास्यध्वे	म०
	हास्ये	हास्यावहे	हास्यामहे	उ०
(लोट्)	जिहीताम्	जिहाताम्	जिहताम्	प्र०
	जिहीष्व	जिहाथाम्	जिहीध्वम्	म०
	जिहै	जिहावहै	जिहामहै	उ०
(लङ्)	अजिहीत	अजिहाताम्	अजिहत	प्र०
	अजिहीथाः	अजिहाथाम्	अजिहीध्वम्	म०
	अजिहि	अजिहीवहि	अजिहीमहि	उ०
(वि॰लि॰)	जिहीत	जिहीयाताम्	जिहीरन्	प्र०
	जिहीथाः	जिहीयाथाम्	जिहीध्वम्	म०
	जिहीय	जिहीवहि	जिहीमहि	उ०
(आ॰लि॰)	ड़ासीष्ट	हासीयास्ताम्	हासीरन्	प्र०
	हासीष्ठाः	हासीयास्थाम्	हासीध्वम्	म०
	हासीय	हासीवहि	हासीमहि	उ०

(लुङ्)	अहास्त	अहासाताम्	अहासत	प्र०
	अहास्थाः	अहासाथाम्	अहाध्वम्	म०
	अहासि	अहास्वहि	अहास्महि	उ०
(लृङ्)	अहास्यत	अहास्येताम्	अहास्यन्त	प्र०
	अहास्यथाः	अहास्येथाम्	अहास्यध्वम्	म०
	अहास्ये	अहास्यावहि	अहास्यामहि	उ०

(११) ह्री = लज्जित होना (परस्मैपदी)

(लट्)	जिह्रेति	जिह्रीतः	जिह्रियति	प्र०
	जिह्रेषि	जिह्रीथः	जिह्रीथ	म०
	जिह्रेमि	जिह्रीवः	जिह्रीमः	उ०
(लिट्)	जिह्रयाञ्चकार	जिह्रयाञ्चक्रतुः	जिह्रयाञ्चक्रुः	प्र०
	जिह्रयाञ्चकर्थ	जिह्रयाञ्चक्रथुः	जिह्रयाञ्चक्र	म०
	जिह्रयाञ्चकार, कर	जिह्रयाञ्चकृव	जिह्रयाञ्चकृम	उ०

अथवा

	जिह्राय	जिह्रियतुः	जिह्रियुः	प्र०
	जिह्रयिथ, जिह्रेथ	जिह्रियथुः	जिह्रिय	म०
	जिह्राय, जिह्रय	जिह्रियिव	जिह्रियिम	उ०
(लुट्)	ह्रेता	ह्रेतारौ	ह्रेतारः	प्र०
	ह्रेतासि	ह्रेतास्थः	ह्रेतास्थ	म०
	ह्रेतास्मि	ह्रेतास्वः	ह्रेतास्मः	उ०

(लृट्)	ह्रेष्यति	ह्रेष्यतः	ह्रेष्यन्ति	प्र०
	ह्रेष्यसि	ह्रेष्यथः	ह्रेष्यथ	म०
	ह्रेष्यामि	ह्रेष्यावः	ह्रेष्यामः	उ०
(लोट्)	जिह्रेतु, जिह्रीतात्	जिह्रीताम्	जिह्रियतु	प्र०
	जिह्रीहि, तात्	जिह्रीतम्	जिह्रीत	म०
	जिह्रयाणि	जिह्रयाव	जिह्रयाम	उ०
(लङ्)	अजिह्रेत्	अजिह्रीताम्	अजिह्रियुः	प्र०
	अजिह्रेः	अजिह्रीतम्	अजिह्रीत	म०
	अजिह्रियम्	अजिह्रीव	अजिह्रीम	उ०
(वि॰लि॰)	जिह्रीयात्	जिह्रीयाताम्	जिह्रीयुः	प्र०
	जिह्रीयाः	जिह्रीयातम्	जिह्रीयात	म०
	जिह्रीयाम्	जिह्रीयाव	जिह्रीयाम	उ०
(आ॰लि॰)	ह्रीयात्	ह्रीयास्ताम्	ह्रीयासुः	प्र०
	ह्रीयाः	ह्रीयास्तम्	ह्रीयास्त	म०
	ह्रीयासम्	ह्रीयास्व	ह्रीयास्म	उ०
(लुङ्)	अह्रैषीत्	अह्रैष्टाम्	अह्रैषुः	प्र०
	अह्रैषीः	अह्रैष्टम्	अह्रैष्ट	म०
	अह्रैषम्	अह्रैष्व	अह्रैष्म	उ०
(लृङ्)	अह्रेष्यत्	अह्रेष्यताम्	अह्रेष्यन्	प्र०
	अह्रेष्यः	अह्रेष्यतम्	अह्रेष्यत	म०
	अह्रेष्यम्	अह्रेष्याव	अह्रेष्याम	उ०

इति जुहोत्यादिप्रकरणम्।

अथ दिवादिप्रकरणम्

(१) दिव् = खेल करना (परस्मैपदी)

(लट्)	दीव्यति	दीव्यतः	दीव्यन्ति	प्र०
	दीव्यसि	दीव्यथः	दीव्यथ	म०
	दीव्यामि	दीव्यावः	दीव्यामः	उ०
(लिट्)	दिदेव	दिदिवतुः	दिदिवुः	प्र०
	दिदेविथ	दिदिवथुः	दिदिव	म०
	दिदेव	दिदिविव	दिदिविम	उ०
(लुट्)	देविता	देवितारौ	देवितारः	प्र०
	देवितासि	देवितास्थः	देवितास्थ	म०
	देवितास्मि	देवितास्वः	देवितास्मः	उ०
(लृट्)	देविष्यति	देविष्यतः	देविष्यन्ति	प्र0
	देविष्यसि	देविष्यथः	देविष्यथ	म०
	देविष्यामि	देविष्यावः	देविष्यामः	उ०
(लोट्)	दीव्यतु, तात्	दीव्यताम्	दीव्यन्तु	प्र०
	दीव्य, तात्	दीव्यतम्	दीव्यत	म०
	दीव्यानि	दीव्याव	दीव्याम	उ०
(लङ्)	अदीव्यत्	अदीव्यताम्	अदीव्यन्	प्र०
	अदीव्यः	अदीव्यतम्	अदीव्यत	म०
	अदीव्यम्	अदीव्याव	अदीव्याम	उ०

(वि. लि)	दीव्येत्	दीव्येताम्	दीव्येयुः	प्र०
	दीव्येः	दीव्येतम्	दीव्येत	म०
	दीव्येयम्	दीव्येव	दीव्येम	उ०
(आ. लि)	दीव्यात्	दीव्यास्ताम्	दीव्यासुः	प्र०
	दीव्याः	दीव्यास्तम्	दीव्यास्त	म०
	दीव्यासम्	दीव्यास्व	दीव्यास्म	उ०
(लुङ्)	अदेवीत्	अदेविष्टाम्	अदेविषुः	प्र०
	अदेवीः	अदेविष्टम्	अदेविष्ट	म०
	अदेविषम्	अदेविष्व	अदेविष्म	उ०
(लृङ्)	अदेविष्यत्	अदेविष्यताम्	अदेविष्यन्	प्र०
	अदेविष्यः	अदेविष्यतम्	अदेविष्यत	म०
	अदेविष्यम्	अदेविष्याव	अदेविष्याम	उ०

(२) कुप् = क्रोध करना (परस्मैपदी)

(लट्)	कुप्यति	कुप्यतः	कुप्यन्ति	प्र०
	कुप्यसि	कुप्यथः	कुप्यथ	म०
	कुप्यामि	कुप्यावः	कुप्यामः	उ०
(लिट्)	चुकोप	चुकुपतुः	चुकुपुः	प्र०
	चुकोपिथ	चुकुपथुः	चुकुप	म०
	चुकोप	चुकुपिव	चुकुपिम	उ०
(लुट्)	कोपिता	कोपितारौ	कोपितारः	प्र०
	कोपितासि	कोपितास्थः	कोपितास्थ	म०
	कोपितास्मि	कोपितास्वः	कोपितास्मः	उ०

(लृट्)	कोपिष्यति	कोपिष्यतः	कोपिष्यन्ति	प्र०
	कोपिष्यसि	कोपिष्यथः	कोपिष्यथ	म०
	कोपिष्यामि	कोपिष्यावः	कोपिष्यामः	उ०
(लोट्)	कुप्यतु, तात्	कुप्यताम्	कुप्यन्तु	प्र०
	कुप्य, तात्	कुप्यतम्	कुप्यत	म०
	कुप्यानि	कुप्याव	कुप्याम	उ०
(लङ्)	अकुप्यत्	अकुप्यताम्	अकुप्यन्	प्र०
	अकुप्यः	अकुप्यतम्	अकुप्यत	म०
	अकुप्यम्	अकुप्याव	अकुप्याम	उ०
(वि. लि.)	कुप्येत्	कुप्येताम्	कुप्येयुः	प्र०
	कुप्येः	कुप्येतम्	कुप्येत	म०
	कुप्येयम्	कुप्येव	कुप्येम	उ०
(आ. लि.)	कुप्यात्	कुप्यास्ताम्	कुप्यासुः	प्र०
	कुप्याः	कुप्यास्तम्	कुप्यास्त	म०
	कुप्यासम्	कुप्यास्व	कुप्यास्म	उ०
(लुङ्)	अकुपत्	अकुपताम्	अकुपन्	प्र०
	अकुपः	अकुपतम्	अकुपत	म०
	अकुपम्	अकुपाव	अकुपाम	उ०
(लृङ्)	अकोपिष्यत्	अकोपिष्यताम्	अकोपिष्यन्	प्र०
	अकोपिष्यः	अकोपिष्यतम्	अकोपिष्यत	म०
	अकोपिष्यम्	अकोपिष्याव	अकोपिष्याम	उ०

(३) क्रुध् = क्रोध करना (परस्मैपदी)

(लट्)	क्रुध्यति	क्रुध्यतः	क्रुध्यन्ति
(लिट्)	चुक्रोध	चुक्रुधतुः	चुक्रुधुः
(लृट्)	क्रोत्स्यति	क्रोत्स्यतः	क्रोत्स्यन्ति
(आ. लि.)	क्रुध्यात्	क्रुध्यास्ताम्	क्रुध्यासुः
(लुङ्)	अक्रुधत्	अक्रुधताम्	अक्रुधन्
(लृङ्)	अक्रोत्स्यत्	अक्रोत्स्यताम्	अक्रोत्स्यन्

(४) क्लम् = थकना (परस्मैपदी)

(लट्)	क्लामति	क्लामतः	क्लामन्ति	
(लिट्)	चक्लाम	चक्लमतुः	चक्लमुः	प्र०
	चक्लमिथ	चक्लमथुः	चक्लम	म०
	चक्लाम, चक्लम	चक्लमिव	चक्लमिम	उ०
(लृट्)	क्लमिष्यति	क्लमिष्यतः	क्लमिष्यन्ति	
(आ. लि.)	क्लम्यात्	क्लम्यास्ताम्	क्लम्यासुः	
(लुङ्)	अक्लमत्	अक्लमताम्	अक्लमन्	
(लृङ्)	अक्लमिष्यत्	अक्लमिष्यताम्	अक्लमिष्यन्	

(५) क्षुध् = भूखा होना (परस्मैपदी)

(लट्)	क्षुध्यति	क्षुध्यतः	क्षुध्यन्ति
(लिट्)	चुक्षोध	चुक्षुधथुः	चुक्षुधुः
(लुट्)	क्षोद्धा	क्षोद्धारौ	क्षोद्धारः
(लृट्)	क्षोत्स्यति	क्षोत्स्यतः	क्षोत्स्यन्ति
(लङ्)	अक्षुध्यत्	अक्षुध्यताम्	अक्षुध्यन्

(आ. लि.)	क्षुध्यात्	क्षुध्यास्ताम्	क्षुध्यासुः	
(लुङ्)	अक्षुधत्	अक्षुधताम्	अक्षुधन्	
(लृङ्)	अक्षोत्स्यत्	अक्षोत्स्यताम्	अक्षोत्स्यन्	

(६) जन् = पैदा होना (आत्मनेपदी)

(लट्)	जायते	जायेते	जायन्ते	प्र०
	जायसे	जायेथे	जायध्वे	म०
	जाये	जायावहे	जायामहे	उ०
(लिट्)	जज्ञे	जज्ञाते	जज्ञिरे	प्र०
	जज्ञिषे	जज्ञाथे	जज्ञिध्वे	म०
	जज्ञे	जज्ञिवहे	जज्ञिमहे	उ०
(लुट्)	जनिता	जनितारौ	जनितारः	प्र०
	जनितासे	जनितासाथे	जनिताध्वे	म०
	जनिताहे	जनितास्वहे	जनितास्महे	उ०
(लृट्)	जनिष्यते	जनिष्येते	जनिष्यन्ते	प्र०
	जनिष्यसे	जनिष्येथे	जनिष्यध्वे	म०
	जनिष्ये	जनिष्यावहे	जनिष्यामहे	उ०
(लोट्)	जायताम्	जायेताम्	जायन्ताम्	प्र०
	जायस्व	जायेथाम्	जायध्वम्	म०
	जायै	जायावहै	जायामहै	उ०
(लङ्)	अजायत	अजायेताम्	अजायन्त	प्र०
	अजायथाः	अजायेथाम्	अजायध्वम्	म०
	अजाये	अजायावहि	अजायामहि	उ०

(वि. लि.)	जायेत	जायेयाताम्	जायेरन्	प्र०
	जायेथाः	जायेयाथाम्	जायेध्वम्	म०
	जायेय	जायेवहि	जायेमहि	उ०
(आ. लि.)	जनिषीष्ट	जनिषीयास्ताम्	जनिषीरन्	प्र०
	जनिषीष्ठाः	जनिषीयास्थाम्	जनिषीध्वम्	म०
	जनिषीय	जनिषीवहि	जनिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अजनि, अजनिष्ट	अजनिषाताम्	अजनिषत	प्र०
	अजनिष्ठाः	अजनिषाथाम्	अजनिढ्वम्	म०
	अजनिषि	अजनिष्वहि	अजनिष्महि	उ०
(लृङ्)	अजनिष्यत	अजनिष्येताम्	अजनिष्यन्त	प्र०
	अजनिष्यथाः	अजनिष्येथाम्	अजनिष्यध्वम्	म०
	अजनिष्ये	अजनिष्यावहि	अजनिष्यामहि	उ०

(७) डी = उड़ना (आत्मनेपदी)

(लट्)	डीयते	डीयेते	डीयन्ते	प्र०
	डीयसे	डीयेथे	डीयध्वे	म०
	डीये	डीयावहे	डीयामहे	उ०
(लिट्)	डिड्ये	डिड्याते	डिड्यिरे	प्र०
	डिड्यिषे	डिड्याथे	डिड्यढ्वे, ध्वे	म०
	डिड्ये	डिड्यिवहे	डिड्यिमहे	उ०
(लुट्)	डयिता	डयितारौ	डयितारः	प्र०
	डयितासे	डयितासाथे	डयिताध्वे	म०
	डयिताहे	डयितास्वहे	डयितास्महे	उ०

(लृट्)	डयिष्यते	डयिष्येते	डयिष्यन्ते	प्र०
	डयिष्यसे	डयिष्येथे	डयिष्यध्वे	म०
	डयिष्ये	डयिष्यावहे	डयिष्यामहे	उ०
(लोट्)	डीयताम्	डीयेताम्	डीयन्ताम्	प्र०
	डीयस्व	डीयेथाम्	डीयध्वम्	म०
	डीयै	डीयावहै	डीयामहै	उ०
(लङ्)	अडीयत	अडीयेताम्	अडीयन्त	प्र०
	अडीयथाः	अडीयेथाम्	अडीयध्वम्	म०
	अडीये	अडीयावहि	अडीयामहि	उ०
(वि. लि.)	डीयेत	डीयेयाताम्	डीयेरन्	प्र०
	डीयेथाः	डीयेयाथाम्	डीयेध्वम्	म०
	डीयेय	डीयेवहि	डीयेमहि	उ०
(आ. लि.)	डयिषीष्ट	डयिषीयास्ताम्	डयिषीरन्	प्र०
	डयिषीष्ठाः	डयिषीयास्थाम्	डयिषीढ्वं, ध्वम्	म०
	डयिषीय	डयिषीवहि	डयिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अडयिष्ट	अडयिषाताम्	अडयिषत	प्र०
	अडयिष्ठाः	अडयिषाथाम्	अडयिढ्वं, ध्वम्	म०
	अडयिषि	अडयिष्वहि	अडयिष्महि	उ०
(लृङ्)	अडयिष्यत	अडयिष्येताम्	अडयिष्यन्त	प्र०
	अडयिष्यथाः	अडयिष्येथाम्	अडयिष्यध्वम्	म०
	अडयिष्ये	अडयिष्यावहि	अडयिष्यामहि	उ०

(८) तुष् = प्रसन्न होना (परस्मैपदी)

(लट्)	तुष्यति	तुष्यतः	तुष्यन्ति
(लिट्)	तुतोष	तुतुषतुः	तुतुषुः
(लुट्)	तोष्टा	तोष्टारौ	तोष्टारः
(लृट्)	तोक्ष्यति	तोक्ष्यतः	तोक्ष्यन्ति
(आ. लि.)	तुष्यात्	तुष्यास्ताम्	तुष्यासुः
(लुङ्)	अतुषत्	अतुषताम्	अतुषन्
(लृङ्)	अतोक्ष्यत्	अतोक्ष्यताम्	अतोक्ष्यन्

(९) त्रस् = घबड़ाना (परस्मैपदी)

(लट्)	त्रस्यति	त्रस्यतः	त्रस्यन्ति	प्र०
	त्रस्यसि	त्रस्यथः	त्रस्यथ	म०
	त्रस्यामि	त्रस्यावः	त्रस्यामः	उ०
		अथवा		
	त्रसति	त्रसतः	त्रसन्ति	प्र०
	त्रससि	त्रसथः	त्रसथ	म०
	त्रसामि	त्रसावः	त्रसामः	उ०
(लिट्)	तत्रास	त्रेसतुः, तत्रसतुः	त्रेसुः, तत्रसुः	प्र०
	त्रेसिथ, तत्रसिथ	त्रेसथुः, तत्रसथुः	त्रेस, तत्रस	म०
	तत्रास, तत्रस	त्रेसिव, तत्रसिव	त्रेसिम, तत्रसिम	उ०
(लुट्)	त्रसिता	त्रसितारौ	त्रसितारः	प्र०
	त्रसितासि	त्रसितास्थः	त्रसितास्थ	म०
	त्रसितास्मि	त्रसितास्वः	त्रसितास्मः	उ०

(लृट्)	त्रसिष्यति	त्रसिष्यतः	त्रसिष्यन्ति	प्र०
	त्रसिष्यसि	त्रसिष्यथः	त्रसिष्यथ	म०
	त्रसिष्यामि	त्रसिष्यावः	त्रसिष्यामः	उ०
(लोट्)	त्रस्यतु, तात्	त्रस्यताम्	त्रस्यन्तु	प्र०
	त्रस्य, तात्	त्रस्यतम्	त्रस्यत	म०
	त्रस्यानि	त्रस्याव	त्रस्याम	उ०
		अथवा		
	त्रसतु, तात्	त्रसताम्	त्रसन्तु	प्र०
	त्रस, तात्	त्रसतम्	त्रसत	म०
	त्रसानि	त्रसाव	त्रसाम	उ०
(लङ्)	अत्रस्यत्	अत्रस्यताम्	अत्रस्यन्	प्र०
	अत्रस्यः	अत्रस्यतम्	अत्रस्यत	म०
	अत्रस्यम्	अत्रस्याव	अत्रस्याम	उ०
		अथवा		
	अत्रसत्	अत्रसताम्	अत्रसन्	प्र०
	अत्रसः	अत्रसतम्	अत्रसत	म०
	अत्रसम्	अत्रसाव	अत्रसाम	उ०
(वि. लि.)	त्रस्येत्	त्रस्येताम्	त्रस्येयुः	प्र०
	त्रस्येः	त्रस्येतम्	त्रस्येत	म०
	त्रस्येयम्	त्रस्येव	त्रस्येम	उ०
		अथवा		
	त्रसेत्	त्रसेताम्	त्रसेयुः	प्र०
	त्रसेः	त्रसेतम्	त्रसेत	म०
	त्रसेयम्	त्रसेव	त्रसेम	उ०

(आ. लि.)	त्रस्यात्	त्रस्यास्ताम्	त्रस्यासुः	प्र०
	त्रस्याः	त्रस्यास्तम्	त्रस्यास्त	म०
	त्रस्यासम्	त्रस्यास्व	त्रस्यास्म	उ०
(लुङ्)	अत्रसीत्	अत्रसिष्टाम्	अत्रसिषुः	प्र०
	अत्रसीः	अत्रसिष्टम्	अत्रसिष्ट	म०
	अत्रसिषम्	अत्रसिष्व	अत्रसिष्म	उ०
(लृङ्)	अत्रसिष्यत्	अत्रसिष्यताम्	अत्रसिष्यन्	प्र०
	अत्रसिष्यः	अत्रसिष्यतम्	अत्रसिष्यत	म०
	अत्रसिष्यम्	अत्रसिष्याव	अत्रसिष्याम	उ०

(१०) दम् = दबाना (परस्मैपदी)

(लट्)	दाम्यति	दाम्यतः	दाम्यन्ति
(लिट्)	ददाम	ददमतुः	ददमुः
(लुट्)	दमिता	दमितारौ	दमितारः
(लृट्)	दमिष्यति	दमिष्यतः	दमिष्यन्ति
(आ. लि.)	दम्यात्	दम्यास्ताम्	दम्यासुः
(लुङ्)	अदमत्	अदमताम्	अदमन्
(लृङ्)	अदमिष्यत्	अदमिष्यताम्	अदमिष्यन्

(११) दीङ् = नाश होना (आत्मनेपदी)

(लट्)	दीयते	दीयेते	दीयन्ते	प्र
	दीयसे	दीयेथे	दीयध्वे	म
	दीये	दीयावहे	दीयामहे	उ

(लिट्)	दिदीये	दिदीयाते	दिदीयिरे	प्र०
	दिदीयिषे	दिदीयाथे	दिदीयिढ्वे, ध्वे	म०
	दिदीये	दिदीयिवहे	दिदीयिमहे	उ०
(लुट्)	दाता	दातारौ	दातारः	प्र०
	दातासे	दातासाथे	दाताध्वे	म०
	दाताहे	दातास्वहे	दातास्महे	उ०
(लृट्)	दास्यते	दास्येते	दास्यन्ते	प्र०
	दास्यसे	दास्येथे	दास्यध्वे	म०
	दास्ये	दास्यावहे	दास्यामहे	उ०
(लोट्)	दीयताम्	दीयेताम्	दीयन्ताम्	प्र०
	दीयस्व	दीयेथाम्	दीयध्वम्	म०
	दीयै	दीयावहै	दीयामहै	उ०
(लङ्)	अदीयत	अदीयेताम्	अदीयन्त	प्र०
	अदीयथाः	अदीयेथाम्	अदीयध्वम्	म०
	अदीये	अदीयावहि	अदीयामहि	उ०
(वि. लि.)	दीयेत	दीयेयाताम्	दीयेरन्	प्र०
	दीयेथाः	दीयेयाथाम्	दीयेध्वम्	म०
	दीयेय	दीयेवहि	दीयेमहि	उ०
(आ. लि.)	दासीष्ट	दासीयास्ताम्	दासीरन्	प्र०
	दासीष्ठाः	दासीयास्थाम्	दासीध्वम्	म०
	दासीय	दासीवहि	दासीमहि	उ०

(लुङ्)	अदास्त	अदासाताम्	अदासत	प्र
	अदास्थाः	अदासाथाम्	अदाध्वम्	म
	अदासि	अदास्वहि	अदास्महि	उ
(लृङ्)	अदास्यत	अदास्येताम्	अदास्यन्त	प्र
	अदास्यथाः	अदास्येथाम्	अदास्यध्वम्	म
	अदास्ये	अदास्यावहि	अदास्यामहि	उ

(१२) दीप् = चमकना (आत्मनेपदी)

(लट्)	दीप्यते	दीप्येते	दीप्यन्ते	प्र
	दीप्यसे	दीप्येथे	दीप्यध्वे	म
	दीप्ये	दीप्यावहे	दीप्यामहे	उ
(लिट्)	दिदीपे	दिदीपाते	दिदीपिरे	प्र
	दिदीपिषे	दिदीपाथे	दिदीपिध्वे	म
	दिदीपे	दिदीपिवहे	दिदीपिमहे	उ
(लुट्)	दीपिता	दीपितारौ	दीपितारः	प्र
	दीपितासे	दीपितासाथे	दीपिताध्वे	म
	दीपिताहे	दीपितास्वहे	दीपितास्महे	उ
(लृट्)	दीपिष्यते	दीपिष्येते	दीपिष्यन्ते	प्र
	दीपिष्यसे	दीपिष्येथे	दीपिष्यध्वे	म
	दीपिष्ये	दीपिष्यावहे	दीपिष्यामहे	उ
(लोट्)	दीप्यताम्	दीप्येताम्	दीप्यन्ताम्	प्र
	दीप्यस्व	दीप्येथाम्	दीप्यध्वम्	म
	दीप्यै	दीप्यावहै	दीप्यामहै	उ

(लङ्)	अदीप्यत	अदीप्येताम्	अदीप्यन्त	प्र०
	अदीप्यथाः	अदीप्येथाम्	अदीप्यध्वम्	म०
	अदीप्ये	अदीप्यावहि	अदीप्यामहि	उ०
(वि.लि.)	दीप्येत	दीप्येयाताम्	दीप्येरन्	प्र०
	दीप्येथाः	दीप्येयाथाम्	दीप्येध्वम्	म०
	दीप्येय	दीप्येवहि	दीप्येमहि	उ०
(आ.लि.)	दीपिषीष्ट	दीपिषीयास्ताम्	दीपिषीरन्	प्र०
	दीपिषीष्ठाः	दीपिषीयास्थाम्	दीपिषीध्वम्	म०
	दीपिषीय	दीपिषीवहि	दीपिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अदीपि, अदीपिष्ट	अदीपिषाताम्	अदीपिषत	प्र०
	अदीपिष्ठाः	अदीपिषाथाम्	अदीपिढ्वम्	म०
	अदीपिषि	अदीपिष्वहि	अदीपिष्महि	उ०
(लृङ्)	अदीपिष्यत	अदीपिष्येताम्	अदीपिष्यन्त	प्र०
	अदीपिष्यथाः	अदीपिष्येथाम्	अदीपिष्यध्वम्	म०
	अदीपिष्ये	अदीपिष्यावहि	अदीपिष्यामहि	उ०

(१३) दुष् = बिगड़ना (परस्मैपदी)

(लट्)	दुष्यति	दुष्यतः	दुष्यन्ति
(लिट्)	दुदोष	दुदुषतुः	दुदुषुः
(लुट्)	दोष्टा	दोष्टारौ	दोष्टारः
(लृट्)	दोक्ष्यति	दोक्ष्यतः	दोक्ष्यन्ति
(आ.लि.)	दुष्यात्	दुष्यास्ताम्	दुष्यासुः

(लुङ्)	अदुषत्	अदुषताम्	अदुषन्
(लृङ्)	अदोक्ष्यत्	अदोक्ष्यताम्	अदोक्ष्यन्

(१४) दूङ् = दुःखी होना (आत्मनेपदी)

(लट्)	दूयते	दूयेते	दूयन्ते	प्र
	दूयसे	दूयेथे	दूयद्ध्वे	म
	दूये	दूयावहे	दूयामहे	उ
(लिट्)	दुदुवे	दुदुवाते	दुदुविरे	प्र
	दुदुविषे	दुदुवाथे	दुदुविढ्वे ध्वे	म
	दुदुवे	दुदुविवहे	दुदुविमहे	उ
(लुट्)	दविता	दवितारौ	दवितारः	प्र
	दवितासे	दवितासाथे	दविताध्वे	म
	दविताहे	दवितास्वहे	दवितास्महे	उ
(लृट्)	दविष्यते	दविष्येते	दविष्यन्ते	प्र
	दविष्यसे	दविष्येथे	दविष्यध्वे	म
	दविष्ये	दविष्यावहे	दविष्यामहे	उ
(लोट्)	दूयताम्	दूयेताम्	दूयन्ताम्	प्र
	दूयस्व	दूयेथाम्	दूयध्वम्	म
	दूयै	दूयावहै	दूयामहै	उ
(लङ्)	अदूयत	अदूयेताम्	अदूयन्त	प्र
	अदूयथाः	अदूयेथाम्	अदूयध्वम्	म
	अदूये	अदूयावहि	अदूयामहि	उ

(वि. लि)	दूयेत	दूयेयाताम्	दूयेरन्	प्र०
	दूयेथाः	दूयेयाथाम्	दूयेध्वम्	म०
	दूयेय	दूयेवहि	दूयेमहि	उ०
(आ. लि)	दविषीष्ट	दविषीयास्ताम्	दविषीरन्	प्र०
	दविषीष्ठाः	दविषीयास्थाम्	दविषीढ्वं, ध्वम्	म०
	दविषीय	दविषीवहि	दविषीमहि	उ०
(लुङ्)	अदविष्ट	अदविषाताम्	अदविषत	प्र०
	अदविष्ठाः	अदविषाथाम्	अदविढ्वं, ध्वम्	म०
	अदविषि	अदविष्वहि	अदविष्महि	उ०
(लृङ्)	अदविष्यत	अदविष्येताम्	अदविष्यन्त	प्र०
	अदविष्यथाः	अदविष्येथाम्	अदविष्यध्वम्	म०
	अदविष्ये	अदविष्यावहि	अदविष्यामहि	उ०

(१५) द्रुह = द्रोह करना (परस्मैपदी)

(लट्)	द्रुह्यति	द्रुह्यतः	द्रुह्यन्ति
(लिट्)	दुद्रोह	दुद्रुहतुः	दुद्रुहुः
	दुद्रोहिथ, दुद्रोढ	दुद्रुहथुः	दुद्रुह
	दुद्रोह		
	दुद्रोग्ध	दुद्रुहिव, दुद्रुह्व	दुद्रुहिम, दुद्रुह्म
(लुट्)	द्रोहिता	द्रोहितारौ	द्रोहितारः
	द्रोढा	द्रोढारौ	द्रोढारः
	द्रोग्धा	द्रोग्धारौ	द्रोग्धारः

(लृट्)	द्रोहिष्यति	द्रोहिष्यतः	द्रोहिष्यन्ति
	ध्रोक्ष्यति	ध्रोक्ष्यतः	ध्रोक्ष्यन्ति
(लुङ्)	अद्रुहत्	अद्रुहताम्	अद्रुहन्
(लृङ्)	अद्रोहिष्यत्	अद्रोहिष्यताम्	अद्रोहिष्यन्
	अध्रोक्ष्यत्	अध्रोक्ष्यताम्	अध्रोक्ष्यन्

(१६) नश् = अदृष्ट होना (परस्मैपदी)

(लट्)	नश्यति	नश्यतः	नश्यन्ति	प्र०
	नश्यसि	नश्यथः	नश्यथ	म०
	नश्यामि	नश्यावः	नश्यामः	उ०
(लिट्)	ननाश	नेशतुः	नेशुः	प्र०
	नेशिथ, ननंष्ठ	नेशथुः	नेश	म०
	ननाश, ननश	नेशिव, नेश्व	नेशिम, नेश्म	उ०
(लुट्)	नशिता	नशितारौ	नशितारः	प्र०
	नशितासि	नशितास्थः	नशितास्थ	म०
	नशितास्मि	नशितास्वः	नशितास्मः	उ०
		अथवा		
	नंष्टा	नंष्टारौ	नंष्टारः	प्र०
	नंष्टासि	नंष्टास्थः	नंष्टास्थ	म०
	नंष्टास्मि	नंष्टास्वः	नंष्टास्मः	उ०
(लृट्)	नशिष्यति	नशिष्यतः	नशिष्यन्ति	प्र०
	नशिष्यसि	नशिष्यथः	नशिष्यथ	म०
	नशिष्यामि	नशिष्यावः	नशिष्यामः	उ०

अथवा

	नंक्ष्यति	नंक्ष्यतः	नंक्ष्यन्ति	प्र०
	नंक्ष्यसि	नंक्ष्यथः	नंक्ष्यथ	म०
	नंक्ष्यामि	नंक्ष्यावः	नंक्ष्यामः	उ०
(लोट्)	नश्यतु, तात	नश्यताम्	नश्यन्तु	प्र०
	नश्य, तात्	नश्यतम्	नश्यत	म०
	नश्यानि	नश्याव	नश्याम	उ०
(लङ्)	अनश्यत्	अनश्यताम्	अनश्यन्	प्र०
	अनश्यः	अनश्यतम्	अनश्यत	म०
	अनश्यम्	अनश्याव	अनश्याम	उ०
(वि. लि.)	नश्येत्	नश्येताम्	नश्येयुः	प्र०
	नश्येः	नश्येतम्	नश्येत	म०
	नश्येयम्	नश्येव	नश्येम	उ०
(आ. लि.)	नश्यात्	नश्यास्ताम्	नश्यासुः	प्र०
	नश्याः	नश्यास्तम्	नश्यास्त	म०
	नश्यासम्	नश्यास्व	नश्यास्म	उ०
(लुङ्)	अनशत्	अनशताम्	अनशन्	प्र०
	अनशः	अनशतम्	अनशत	म०
	अनशम्	अनशाव	अनशाम	उ०
(लृङ्)	अनशिष्यत्	अनशिष्यताम्	अनशिष्यन्	प्र०
	अनशिष्यः	अनशिष्यतम्	अनशिष्यत	म०
	अनशिष्यम्	अनशिष्याव	अनशिष्याम	उ०

(१७) नह् = बाँधना (परस्मैपदी)

(लट्)	नह्यति	नह्यतः	नह्यन्ति	प्र०
	नह्यसि	नह्यथः	नह्यथ	म०
	नह्यामि	नह्यावः	नह्यामः	उ०
(लिट्)	ननाह	नेहतुः	नेहुः	प्र०
	नेहिथ, ननद्ध	नेहथुः	नेह	म०
	ननाह, ननह	नेहिव	नेहिम	उ०
(लुट्)	नद्धा	नद्धारौ	नद्धारः	प्र०
	नद्धासि	नद्धास्थः	नद्धास्थ	म०
	नद्धास्मि	नद्धास्वः	नद्धास्मः	उ०
(लृट्)	नत्स्यति	नत्स्यतः	नत्स्यन्ति	प्र०
	नत्स्यसि	नत्स्यथः	नत्स्यथ	म०
	नत्स्यामि	नत्स्यावः	नत्स्यामः	उ०
(लोट्)	नह्यतु, तात्	नह्यताम्	नह्यन्तु	प्र०
	नह्य, तात्	नह्यतम्	नह्यत	म०
	नह्यानि	नह्याव	नह्याम	उ०
(लङ्)	अनह्यत्	अनह्यताम्	अनह्यन्	प्र०
	अनह्यः	अनह्यतम्	अनह्यत	म०
	अनह्यम्	अनह्याव	अनह्याम	उ०
(वि. लि.)	नह्येत्	नह्येताम्	नह्येयुः	प्र०
	नह्येः	नह्येतम्	नह्येत	म०
	नह्येयम्	नह्येव	नह्येम	उ०

(आ. लि.)	नह्यात्	नह्यास्ताम्	नह्यासुः	प्र०
	नह्याः	नह्यास्तम्	नह्यास्त	म०
	नह्यासम्	नह्यास्व	नह्यास्म	उ०
(लुङ्)	अनात्सीत्	अनाद्धाम्	अनात्सुः	प्र०
	अनात्सीः	अनाद्धम्	अनाद्ध	म०
	अनात्सम्	अनात्स्व	अनात्स्म	उ०
(लृङ्)	अनत्स्यत्	अनत्स्यताम्	अनत्स्यन्	प्र०
	अनत्स्यः	अनत्स्यतम्	अनत्स्यत	म०
	अनत्स्यम्	अनत्स्याव	अनत्स्याम	उ०

आत्मनेपदी

(लट्)	नह्यते	नह्येते	नह्यन्ते	प्र०
	नह्यसे	नह्येथे	नह्यध्वे	म०
	नह्ये	नह्यावहे	नह्यामहे	उ०
(लिट्)	नेहे	नेहाते	नेहिरे	प्र०
	नेहिषे	नेहाथे	नेहिढ्वे, ध्वे	म०
	नेहे	नेहिवहे	नेहिमहे	उ०
(लुट्)	नद्धा	नद्धारौ	नद्धारः	प्र०
	नद्धासे	नद्धासाथे	नद्धाध्वे	म०
	नद्धाहे	नद्धास्वहे	नद्धास्महे	उ०
(लृट्)	नत्स्यते	नत्स्येते	नत्स्यन्ते	प्र०
	नत्स्यसे	नत्स्येथे	नत्स्यध्वे	म०
	नत्स्ये	नत्स्यावहे	नत्स्यामहे	उ०

(लोट्)	नह्यताम्	नह्येताम्	नह्यन्ताम्	प्र०
	नह्यस्व	नह्येथाम्	नह्यध्वम्	म०
	नह्यै	नह्यावहै	नह्यामहै	उ०
(लङ्)	अनह्यत	अनह्येताम्	अनह्यन्त	प्र०
	अनह्यथाः	अनह्येथाम्	अनह्यध्वम्	म०
	अनह्ये	अनह्यावहि	अनह्यामहि	उ०
(वि. लि.)	नह्येत	नह्येयाताम्	नह्येरन्	प्र०
	नह्येथाः	नह्येयाथाम्	नह्येध्वम्	म०
	नह्येय	नह्येवहि	नह्येमहि	उ०
(आ. लि.)	नत्सीष्ट	नत्सीयास्ताम्	नत्सीरन्	प्र०
	नत्सीष्ठाः	नत्सीयास्थाम्	नत्सीध्वम्	म०
	नत्सीय	नत्सीवहि	नत्सीमहि	उ०
(लुङ्)	अनद्ध	अनत्साताम्	अनत्सत	प्र०
	अनद्धाः	अनत्साथाम्	अनद्ध्वम्	म०
	अनत्सि	अनत्स्वहि	अनत्स्महि	उ०
(लृङ्)	अनत्स्यत	अनत्स्येताम्	अनत्स्यन्त	प्र०
	अनत्स्यथाः	अनत्स्येथाम्	अनत्स्यध्वम्	म०
	अनत्स्ये	अनत्स्यावहि	अनत्स्यामहि	उ०

(१८) नृत् = नाचना (परस्मैपदी)

(लट्)	नृत्यति	नृत्यतः	नृत्यन्ति	प्र०
	नृत्यसि	नृत्यथः	नृत्यथ	म०
	नृत्यामि	नृत्यावः	नृत्यामः	उ०

(लिट्)	ननर्त्त	ननृततुः	ननृतुः	प्र०
	ननर्तिथ	ननृतथुः	ननृत	म०
	ननर्त	ननृतिव	ननृतिम	उ०
(लुट्)	नर्तिता	नर्तितारौ	नर्तितारः	प्र०
	नर्तितासि	नर्तितास्थः	नर्तितास्थ	म०
	नर्तितास्मि	नर्तितास्वः	नर्तितास्मः	उ०
(लृट्)	नर्तिष्यति	नर्तिष्यतः	नर्तिष्यन्ति	प्र०
	नर्तिष्यसि	नर्तिष्यथः	नर्तिष्यथ	म०
	नर्तिष्यामि	नर्तिष्यावः	नर्तिष्यामः	उ०
		अथवा		
	नर्त्स्यति	नर्त्स्यतः	नर्त्स्यन्ति	प्र०
	नर्त्स्यसि	नर्त्स्यथः	नर्त्स्यथ	म०
	नर्त्स्यामि	नर्त्स्यावः	नर्त्स्यामः	उ०
(लोट्)	नृत्यतु, तात्	नृत्यताम्	नृत्यन्तु	प्र०
	नृत्य, तात्	नृत्यतम्	नृत्यत	म०
	नृत्यानि	नृत्याव	नृत्याम	उ०
(लङ्)	अनृत्यत्	अनृत्यताम्	अनृत्यन्	प्र०
	अनृत्यः	अनृत्यतम्	अनृत्यत	म०
	अनृत्यम्	अनृत्याव	अनृत्याम	उ०
(वि. लि.)	नृत्येत्	नृत्येताम्	नृत्येयुः	प्र०
	नृत्येः	नृत्येतम्	नृत्येत	म०
	नृत्येयम्	नृत्येव	नृत्येम	उ०

(आ. लि.)	नृत्यात्	नृत्यास्ताम्	नृत्यासुः	प्र०
	नृत्याः	नृत्यास्तम्	नृत्यास्त	म०
	नृत्यासम्	नृत्यास्व	नृत्यास्म	उ०
(लुङ्)	अनर्तीत्	अनर्तिष्टाम्	अनर्तिषुः	प्र०
	अनर्तीः	अनर्तिष्टम्	अनर्तिष्ट	म०
	अनर्तिषम्	अनर्तिष्व	अनर्तिष्म	उ०
(लृङ्)	अनर्तिष्यत्	अनर्तिष्यताम्	अनर्तिष्यन्	प्र०
	अनर्तिष्यः	अनर्तिष्यतम्	अनर्तिष्यत	म०
	अनर्तिष्यम्	अनर्तिष्याव	अनर्तिष्याम	उ०
(पक्षे)	अनर्त्स्यत्	अनर्त्स्यताम्	अनर्त्स्यन्	प्र०
	अनर्त्स्यः	अनर्त्स्यतम्	अनर्त्स्यत	म०
	अनर्त्स्यम्	अनर्त्स्याव	अनर्त्स्याम	उ०

(१९) पद् = चलना (आत्मनेपदी)

(लट्)	पद्यते	पद्येते	पद्यन्ते	प्र०
	पद्यसे	पद्येथे	पद्यध्वे	म०
	पद्ये	पद्यावहे	पद्यामहे	उ०
(लिट्)	पेदे	पेदाते	पेदिरे	प्र०
	पेदिषे	पेदाथे	पेदिध्वे	म०
	पेदे	पेदिवहे	पेदिमहे	उ०
(लुट्)	पत्ता	पत्तारौ	पत्तारः	प्र०
	पत्तासे	पत्तासाथे	पत्ताध्वे	म०
	पत्ताहे	पत्तास्वहे	पत्तास्महे	उ०

(लृट्)	पत्स्यते	पत्स्येते	पत्स्यन्ते	प्र०
	पत्स्यसे	पत्स्येथे	पत्स्यध्वे	म०
	पत्स्ये	पत्स्यावहे	पत्स्यामहे	उ०
(लोट्)	पद्यताम्	पद्येताम्	पद्यन्ताम्	प्र०
	पद्यस्व	पद्येथाम्	पद्यध्वम्	म०
	पद्यै	पद्यावहै	पद्यामहै	उ०
(लङ्)	अपद्यत	अपद्येताम्	अपद्यन्त	प्र०
	अपद्यथाः	अपद्येथाम्	अपद्यध्वम्	म०
	अपद्ये	अपद्यावहि	अपद्यामहि	उ०
(वि. लि.)	पद्येत	पद्येयाताम्	पद्येरन्	प्र०
	पद्येथाः	पद्येयाथाम्	पद्येध्वम्	म०
	पद्येय	पद्येवहि	पद्येमहि	उ०
(आ. लि.)	पत्सीष्ट	पत्सीयास्ताम्	पत्सीरन्	प्र०
	पत्सीष्ठाः	पत्सीयास्थाम्	पत्सीध्वम्	म०
	पत्सीय	पत्सीवहि	पत्सीमहि	उ०
(लुङ्)	अपादि	अपत्साताम्	अपत्सत	प्र०
	अपत्थाः	अपत्साथाम्	अपद्ध्वम्	म०
	अपत्सि	अपत्स्वहि	अपत्स्महि	उ०
(लृङ्)	अपत्स्यत	अपत्स्येताम्	अपत्स्यन्त	प्र०
	अपत्स्यथाः	अपत्स्येथाम्	अपत्स्यध्वम	म०
	अपत्स्ये	अपत्स्यावहि	अपत्स्यामहि	उ०

(२०) पीङ् = पीना (आत्मनेपदी)

(लट्)	पीयते	पीयेते	पीयन्ते	प्र०
	पीयसे	पीयेथे	पीयध्वे	म०
	पीये	पीयावहे	पीयामहे	उ०
(लिट्)	पिप्ये	पिप्याते	पिप्यिरे	प्र०
	पिप्यिषे	पिप्याथे	पिप्यिढ्वे, ध्वे	म०
	पिप्ये	पिप्यिवहे	पिप्यिमहे	उ०
(लुट्)	पेता	पेतारौ	पेतारः	प्र०
	पेतासे	पेतासाथे	पेताध्वे	म०
	पेताहे	पेतास्वहे	पेतास्महे	उ०
(लृट्)	पेष्यते	पेष्येते	पेष्यन्ते	प्र०
	पेष्यसे	पेष्येथे	पेष्यध्वे	म०
	पेष्ये	पेष्यावहे	पेष्यामहे	उ०
(लोट्)	पीयताम्	पीयेताम्	पीयन्ताम्	प्र०
	पीयस्व	पीयेथाम्	पीयध्वम्	म०
	पीयै	पीयावहै	पीयामहै	उ०
(लङ्)	अपीयत	अपीयेताम्	अपीयध्वम्	प्र०
	अपीयथाः	अपीयेथाम्	अपीयध्वम्	म०
	अपीये	अपीयावहि	अपीयामहि	उ०
(वि. लि.)	पीयेत	पीयेयाताम्	पीयेरन्	प्र०
	पीयेथाः	पीयेयाथाम्	पीयेध्वम्	म०
	पीयेय	पीयेवहि	पीयेमहि	उ०

(आ. लि.)	पेषीष्ट	पेषीयास्ताम्	पेषीरन्	प्र०
	पेषीष्ठाः	पेषीयास्थाम्	पेषीढ्वम्	म०
	पेषीय	पेषीवहि	पेषीमहि	उ०
(लुङ्)	अपेष्ट	अपेषाताम्	अपेषत	प्र०
	अपेष्ठाः	अपेषाथाम्	अपेढ्वम्	म०
	अपेषि	अपेष्वहि	अपेष्महि	उ०
(लृङ्)	अपेष्यत	अपेष्येताम्	अपेष्यन्त	प्र०
	अपेष्यथाः	अपेष्येथाम्	अपेष्यध्वम्	म०
	अपेष्ये	अपेष्यावहि	अपेष्यामहि	उ०

(२१) पुष = पुष्ट होना, बढ़ाना (परस्मैपदी)

(लट्)	पुष्यति	पुष्यतः	पुष्यन्ति	प्र०
	पुष्यसि	पुष्यथः	पुष्यथ	म०
	पुष्यामि	पुष्यावः	पुष्यामः	उ०
(लिट्)	पुपोष	पुपुषतुः	पुपुषुः	प्र०
	पुपोषिथ	पुपुषथुः	पुपुष	म०
	पुपोष	पुपुषिव	पुपुषिम	उ०
(लुट्)	पोष्टा	पोष्टारौ	पोष्टारः	प्र०
	पोष्टासि	पोष्टास्थः	पोष्टास्थ	म०
	पोष्टास्मि	पोष्टास्वः	पोष्टास्मः	उ०
(लृट्)	पोक्ष्यति	पोक्ष्यतः	पोक्ष्यन्ति	प्र०
	पोक्ष्यसि	पोक्ष्यथः	पोक्ष्यथ	म०
	पोक्ष्यामि	पोक्ष्यावः	पोक्ष्यामः	उ०

(लोट्)	पुष्यतु, तात्	पुष्यताम्	पुष्यन्तु	प्र०
	पुष्य, तात्	पुष्यतम्	पुष्यत	म०
	पुष्याणि	पुष्याव	पुष्याम	उ०
(लङ्)	अपुष्यत्	अपुष्यताम्	अपुष्यन्	प्र०
	अपुष्यः	अपुष्यतम्	अपुष्यत	म०
	अपुष्यम्	अपुष्याव	अपुष्याम	उ०
(वि. लि)	पुष्येत्	पुष्येताम्	पुष्येयुः	प्र०
	पुष्येः	पुष्येतम्	पुष्येत	म०
	पुष्येयम्	पुष्येव	पुष्येम	उ०
(आ. लि)	पुष्यात्	पुष्यास्ताम्	पुष्यासुः	प्र०
	पुष्याः	पुष्यास्तम्	पुष्यास्त	म०
	पुष्यासम्	पुष्यास्व	पुष्यास्म	उ०
(लुङ्)	अपुषत्	अपुषताम्	अपुषन्	प्र०
	अपुषः	अपुषतम्	अपुषत	म०
	अपुषम्	अपुषाव	अपुषाम	उ०
(लृङ्)	अपोक्ष्यत्	अपोक्ष्यताम्	अपोक्ष्यन्	प्र०
	अपोक्ष्यः	अपोक्ष्यतम्	अपोक्ष्यत	म०
	अपोक्ष्यम्	अपोक्ष्याव	अपोक्ष्याम	उ०

(२२) बुध् = समझना (आत्मनेपदी)

(लट्)	बुध्यते	बुध्येते	बुध्यन्ते	प्र०
	बुध्यसे	बुध्येथे	बुध्यध्वे	म०
	बुध्ये	बुध्यावहे	बुध्यामहे	उ०

(लिट्)	बुबुधे	बुबुधाते	बुबुधिरे	प्र०
	बुबुधिषे	बुबुधाथे	बुबुधिध्वे	म०
	बुबुधे	बुबुधिवहे	बुबुधिमहे	उ०
(लुट्)	बोद्धा	बोद्धारौ	बोद्धारः	प्र०
	बोद्धासे	बोद्धासाथे	बोद्धाध्वे	म०
	बोद्धाहे	बोद्धास्वहे	बोद्धास्महे	उ०
(लृङ्)	भोत्स्यते	भोत्स्येते	भोत्स्यन्ते	प्र०
	भोत्स्यसे	भोत्स्येथे	भोत्स्यध्वे	म०
	भोत्स्ये	भोत्स्यावहे	भोत्स्यामहे	उ०
(लोट्)	बुध्यताम्	बुध्येताम्	बुध्यन्ताम्	प्र०
	बुध्यस्व	बुध्येथाम्	बुध्यध्वम्	म०
	बुध्यै	बुध्यावहै	बुध्यामहै	उ०
(लङ्)	अबुध्यत	अबुध्येताम्	अबुध्यन्त	प्र०
	अबुध्यथाः	अबुध्येथाम्	अबुध्यध्वम्	म०
	अबुध्ये	अबुध्यावहि	अबुध्यामहि	उ०
(वि.लि)	बुध्येत	बुध्येयाताम्	बुध्येरन्	प्र०
	बुध्येथाः	बुध्येयाथाम्	बुध्येध्वम्	म०
	बुध्येय	बुध्येवहि	बुध्येमहि	उ०
(आ.लि)	भुत्सीष्ट	भुत्सीयास्ताम्	भुत्सीरन्	प्र०
	भुत्सीष्ठाः	भुत्सीयास्थाम्	भुत्सीध्वम्	म०
	भुत्सीय	भुत्सीवहि	भुत्सीमहि	उ०

(लुङ्)	अबोधि, अबुद्ध	अभुत्साताम्	अभुत्सत	प्र०
	अबुद्धाः	अभुत्साथाम्	अभुद्ध्वम्	म०
	अभुत्सि	अभुत्स्वहि	अभुत्स्महि	उ०
(लृट्)	अभोत्स्यत	अभोत्स्येताम्	अभोत्स्यन्त	प्र०
	अभोत्स्यथाः	अभोत्स्येथाम्	अभोत्स्यध्वम्	म०
	अभोत्स्ये	अभोत्स्यावहि	अभोत्स्यामहि	उ०

(२३) भ्रम् = घूमना (परस्मैपदी)

(लट्)	भ्राम्यति	भ्राम्यतः	भ्राम्यन्ति	प्र०
	भ्राम्यसि	भ्राम्यथः	भ्राम्यथ	म०
	भ्राम्यामि	भ्राम्यावः	भ्राम्यामः	उ०
(लिट्)	बभ्राम	बभ्रमतुः भ्रेमतुः	बभ्रमुः भ्रेमुः	प्र०
	बभ्रमिथ भ्रेमिथ	बभ्रमथुः भ्रेमथुः	बभ्रम भ्रेम	म०
	बभ्राम बभ्रम	बभ्रमिव भ्रेमिव	बभ्रमिम भ्रेमिम	उ०
(लुट्)	भ्रमिता	भ्रमितारौ	भ्रमितारः	प्र०
	भ्रमितासि	भ्रमितास्थः	भ्रमितास्थ	म०
	भ्रमितास्मि	भ्रमितास्वः	भ्रमितास्मः	उ०
(लृट्)	भ्रमिष्यति	भ्रमिष्यतः	भ्रमिष्यन्ति	प्र०
	भ्रमिष्यसि	भ्रमिष्यथः	भ्रमिष्यथ	म०
	भ्रमिष्यामि	भ्रमिष्यावः	भ्रमिष्यामः	उ०

(लोट्)	भ्राम्यतु	भ्राम्यताम्	भ्राम्यन्तु	प्र०
	भ्राम्य	भ्राम्यतम्	भ्राम्यत	म०
	भ्राम्याणि	भ्राम्याव	भ्राम्याम	उ०
(लङ्)	अभ्राम्यत्	अभ्राम्यताम्	अभ्राम्यन्	प्र०
	अभ्राम्यः	अभ्राम्यतम्	अभ्राम्यत	म०
	अभ्राम्यम्	अभ्राम्याव	अभ्राम्याम	उ०
(वि. लि.)	भ्राम्येत्	भ्राम्येताम्	भ्राम्येयुः	प्र०
	भ्राम्येः	भ्राम्येतम्	भ्राम्येत	म०
	भ्राम्येयम्	भ्राम्येव	भ्राम्येम	उ०
(आ. लि.)	भ्रम्यात्	भ्रम्यास्ताम्	भ्रम्यासुः	प्र०
	भ्रम्याः	भ्रम्यास्तम्	भ्रम्यास्त	म०
	भ्रम्यासम्	भ्रम्यास्व	भ्रम्यास्म	उ०
(लुङ्)	अभ्रमत्	अभ्रमताम्	अभ्रमन्	प्र०
	अभ्रमः	अभ्रमतम्	अभ्रमत	म०
	अभ्रमम्	अभ्रमाव	अभ्रमाम	उ०
(लृङ्)	अभ्रमिष्यत्	अभ्रमिष्यताम्	अभ्रमिष्यन्	प्र०
	अभ्रमिष्यः	अभ्रमिष्यतम्	अभ्रमिष्यत	म०
	अभ्रमिष्यम्	अभ्रमिष्याव	अभ्रमिष्याम	उ०

(२४) मन् = समझना (आत्मनेपदी)

(लट्)	मन्यते	मन्येते	मन्यन्ते	
(लिट्)	मेने	मेनाते	मेनिरे	

(लुट्)	मन्ता	मन्तारौ	मन्तारः	
(लृट्)	मंस्यते	मंस्येते	मंस्यन्ते	
(आ. लि.)	मंसीष्ट	मंसीयास्ताम्	मंसीरन्	
(लुङ्)	अमंस्त	अमंसाताम्	अमंसत	प्र०
	अमंस्थाः	अमंसाथाम्	अमंध्वम्	म०
	अमंसि	अमंस्वहि	अमंस्महि	उ०

(२५) माङ् = नापना (आत्मनेपदी)

(लट्)	मायते	मायेते	मायन्ते	प्र०
	मायसे	मायेथे	मायध्वे	म०
	माये	मायावहे	मायामहे	उ०
(लिट्)	ममे	ममाते	ममिरे	प्र०
	ममिषे	ममाथे	ममिध्वे	म०
	ममे	ममिवहे	ममिमहे	उ०
(लुट्)	माता	मातारौ	मातारः	प्र०
	मातासे	मातासाथे	माताध्वे	म०
	माताहे	मातास्वहे	मातास्महे	उ०
(लृट्)	मास्यते	मास्येते	मास्यन्ते	प्र०
	मास्यसे	मास्येथे	मास्यध्वे	म०
	मास्ये	मास्यावहे	मास्यामहे	उ०
(लोट्)	मायताम्	मायेताम्	मायन्ताम्	प्र०
	मायस्व	मायेथाम्	मायध्वम्	म०
	मायै	मायावहै	मायामहै	उ०

(लङ्)	अमायत	अमायेताम्	अमायन्त	प्र०
	अमायथाः	अमायेथाम्	अमायध्वम्	म०
	अमाये	अमायावहि	अमायामहि	उ०
(वि.लि.)	मायेत	मायेयाताम्	मायेरन्	प्र०
	मायेथाः	मायेयाथाम्	मायेध्वम्	म०
	मायेय	मायेवहि	मायेमहि	उ०
(आ.लि.)	मासीष्ट	मासीयास्ताम्	मासीरन्	प्र०
	मासीष्ठाः	मासीयास्थाम्	मासीध्वम्	म०
	मासीय	मासीवहि	मासीमहि	उ०
(लुङ्)	अमास्त	अमासाताम्	अमासत	प्र०
	अमास्थाः	अमासाथाम्	अमाध्वम्	म०
	अमासि	अमास्वहि	अमास्महि	उ०
(लृङ्)	अमास्यत	अमास्येताम्	अमास्यन्त	प्र०
	अमास्याः	अमास्येथाम्	अमास्यध्वम्	म०
	अमास्ये	अमास्यावहि	अमास्यामहि	उ०

(२६) मृष् = क्षमा करना (परस्मैपदी)

(लट्)	मृष्यति	मृष्यतः	मृष्यन्ति	प्र०
	मृष्यसि	मृष्यथः	मृष्यथ	म०
	मृष्यामि	मृष्यावः	मृष्यामः	उ०
(लिट्)	ममर्ष	ममृषतुः	ममृषुः	प्र०
	ममर्षिथ	ममृषथुः	ममृष	म०
	ममर्ष	ममृषिव	ममृषिम	उ०

(लुट्)	मर्षिता	मर्षितारौ	मर्षितारः	प्र०
	मर्षितासि	मर्षितास्थः	मर्षितास्थ	म०
	मर्षितास्मि	मर्षितास्वः	मर्षितास्मः	उ०
(लृट्)	मर्षिष्यति	मर्षिष्यतः	मर्षिष्यन्ति	प्र०
	मर्षिष्यसि	मर्षिष्यथः	मर्षिष्यथ	म०
	मर्षिष्यामि	मर्षिष्यावः	मर्षिष्यामः	उ०
(लोट्)	मृष्यतु, तात्	मृष्यताम्	मृष्यन्तु	प्र०
	मृष्य, तात्	मृष्यतम्	मृष्यत	म०
	मृष्याणि	मृष्याव	मृष्याम	उ०
(लङ्)	अमृष्यत्	अमृष्यताम्	अमृष्यन्	प्र०
	अमृष्यः	अमृष्यतम्	अमृष्यत	म०
	अमृष्यम्	अमृष्याव	अमृष्याम	उ०
(वि.लि.)	मृष्येत्	मृष्येताम्	मृष्येयुः	प्र०
	मृष्येः	मृष्येतम्	मृष्येत	म०
	मृष्येयम्	मृष्येव	मृष्येम	उ०
(आ.लि.)	मृष्यात्	मृष्यास्ताम्	मृष्यासुः	प्र०
	मृष्याः	मृष्यास्तम्	मृष्यास्त	म०
	मृष्यासम्	मृष्यास्व	मृष्यास्म	उ०
(लुङ्)	अमर्षीत्	अमर्षिष्टाम्	अमर्षिषुः	प्र०
	अमर्षीः	अमर्षिष्टम्	अमर्षिष्ट	म०
	अमर्षिषम्	अमर्षिष्व	अमर्षिष्म	उ०

(लृङ्)	अमर्षिष्यत्	अमर्षिष्यताम्	अमर्षिष्यन्	प्र०
	अमर्षिष्यः	अमर्षिष्यतम्	अमर्षिष्यत	म०
	अमर्षिष्यम्	अमर्षिष्याव	अमर्षिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	मृष्यते	मृष्येते	मृष्यन्ते	प्र०
	मृष्यसे	मृष्येथे	मृष्यध्वे	म०
	मृष्ये	मृष्यावहे	मृष्यामहे	उ०
(लिट्)	ममृषे	ममृषाते	ममृषिरे	प्र०
	ममृषिषे	ममृषाथे	ममृषिध्वे	म०
	ममृषे	ममृषिवहे	ममृषिमहे	उ०
(लुट्)	मर्षिता	मर्षितारौ	मर्षितारः	प्र०
	मर्षितासे	मर्षितासाथे	मर्षिताध्वे	म०
	मर्षिताहे	मर्षितास्वहे	मर्षितास्महे	उ०
(लृट्)	मर्षिष्यते	मर्षिष्येते	मर्षिष्यन्ते	प्र०
	मर्षिष्यसे	मर्षिष्येथे	मर्षिष्यध्वे	म०
	मर्षिष्ये	मर्षिष्यावहे	मर्षिष्यामहे	उ०
(लोट्)	मृष्यताम्	मृष्येताम्	मृष्यन्ताम्	प्र०
	मृष्यस्व	मृष्येथाम्	मृष्यध्वम्	म०
	मृष्यै	मृष्यावहै	मृष्यामहै	उ०
(लङ्)	अमृष्यत	अमृष्येताम्	अमृष्यन्त	प्र०
	अमृष्यथाः	अमृष्येथाम्	अमृष्यध्वम्	म०
	अमृष्ये	अमृष्यावहि	अमृष्यामहि	उ०

(वि.लि.)	मृष्येत	मृष्येयाताम्	मृष्येरन्	प्र०
	मृष्येथाः	मृष्येयाथाम्	मृष्येध्वम्	म०
	मृष्येय	मृष्येवहि	मृष्येमहि	उ०
(आ.लि.)	मर्षिषीष्ट	मर्षिषीयास्ताम्	मर्षिषीरन्	प्र०
	मर्षिषीष्ठाः	मर्षिषीयास्थाम्	मर्षिषीध्वम्	म०
	मर्षिषीय	मर्षिषीवहि	मर्षिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अमर्षिष्ट	अमर्षिषाताम्	अमर्षिषत	प्र०
	अमर्षिष्ठाः	अमर्षिषाथाम्	अमर्षिढ्वम्	म०
	अमर्षिषि	अमर्षिष्वहि	अमर्षिष्महि	उ०
(लृङ्)	अमर्षिष्यत	अमर्षिष्येताम्	अमर्षिष्यन्त	प्र०
	अमर्षिष्यथाः	अमर्षिष्येथाम्	अमर्षिष्यध्वम्	म०
	अमर्षिष्ये	अमर्षिष्यावहि	अमर्षिष्यामहि	उ०

(२७) युध् = लड़ाई करना (आत्मनेपदी)

(लट्)	युध्यते	युध्येते	युध्यन्ते	प्र०
	युध्यसे	युध्येथे	युध्यध्वे	म०
	युध्ये	युध्यावहे	युध्यामहे	उ०
(लिट्)	युयुधे	युयुधाते	युयुधिरे	प्र०
	युयुधिषे	युयुधाथे	युयुधिध्वे	म०
	युयुधे	युयुधिवहे	युयुधिमहे	उ०
(लुट्)	योद्धा	योद्धारौ	योद्धारः	प्र०
	योद्धासे	योद्धासाथे	योद्धाध्वे	म०
	योद्धाहे	योद्धास्वहे	योद्धास्महे	उ०

(लृट्)	योत्स्यते	योत्स्येते	योत्स्यन्ते	प्र०
	योत्स्यसे	योत्स्येथे	योत्स्यध्वे	म०
	योत्स्ये	योत्स्यावहे	योत्स्यामहे	उ०
(लोट्)	युध्यताम्	युध्येताम्	युध्यन्ताम्	प्र०
	युध्यस्व	युध्येथाम्	युध्यध्वम्	म०
	युध्यै	युध्यावहै	युध्यामहै	उ०
(लङ्)	अयुध्यत	अयुध्येताम्	अयुध्यन्त	प्र०
	अयुध्यथाः	अयुध्येथाम्	अयुध्यध्वम्	म०
	अयुध्ये	अयुध्यावहि	अयुध्यामहि	उ०
(वि.लि.)	युध्येत	युध्येयाताम्	युध्येरन्	प्र०
	युध्येथाः	युध्येयाथाम्	युध्येध्वम्	म०
	युध्येय	युध्येवहि	युध्येमहि	उ०
(आ.लि.)	युत्सीष्ट	युत्सीयास्ताम्	युत्सीरन्	प्र०
	युत्सीष्ठाः	युत्सीयास्थाम्	युत्सीध्वम्	म०
	युत्सीय	युत्सीवहि	युत्सीमहि	उ०
(लुङ्)	अयुद्ध	अयुत्साताम्	अयुत्सत	प्र०
	अयुद्धाः	अयुत्साथाम्	अयुद्ध्वम्	म०
	अयुत्सि	अयुत्स्वहि	अयुत्स्महि	उ०
(लृङ्)	अयोत्स्यत	अयोत्स्येताम्	अयोत्स्यन्त	प्र०
	अयोत्स्यथाः	अयोत्स्येथाम्	अयोत्स्यध्वम्	म०
	अयोत्स्ये	अयोत्स्यावहि	अयोत्स्यामहि	उ०

(२८) विद् = रहना (आत्मनेपदी)

(लट्)	विद्यते	विद्येते	विद्यन्ते	प्र०
	विद्यसे	विद्येथे	विद्यध्वे	म०
	विद्ये	विद्यावहे	विद्यामहे	उ०
(लिट्)	विविदे	विविदाते	विविदिरे	प्र०
	विविदिषे	विविदाथे	विविदिध्वे	म०
	विविदे	विविदिवहे	विविदिमहे	उ०
(लुट्)	वेत्ता	वेत्तारौ	वेत्तारः	प्र०
	वेत्तासे	वेत्तासाथे	वेत्ताध्वे	म०
	वेत्ताहे	वेत्तास्वहे	वेत्तास्महे	उ०
(लृट्)	वेत्स्यते	वेत्स्येते	वेत्स्यन्ते	प्र०
	वेत्स्यसे	वेत्स्येथे	वेत्स्यध्वे	म०
	वेत्स्ये	वेत्स्यावहे	वेत्स्यामहे	उ०
(लोट्)	विद्यताम्	विद्येताम्	विद्यन्ताम्	प्र०
	विद्यस्व	विद्येथाम्	विद्यध्वम्	म०
	विद्यै	विद्यावहै	विद्यामहै	उ०
(लङ्)	अविद्यत	अविद्येताम्	अविद्यन्त	प्र०
	अविद्यथाः	अविद्येथाम्	अविद्यध्वम्	म०
	अविद्ये	अविद्यावहि	अविद्यामहि	उ०
(वि.लि.)	विद्येत	विद्येयाताम्	विद्येरन्	प्र०
	विद्येथाः	विद्येयाथाम्	विद्येध्वम्	म०
	विद्येय	विद्येवहि	विद्येमहि	उ०

(आ. लि.)	वित्सीष्ट	वित्सीयास्ताम्	वित्सीरन्	प्र०
	वित्सीष्ठाः	वित्सीयास्थाम्	वित्सीध्वम्	म०
	वित्सीय	वित्सीवहि	वित्सीमहि	उ०
(लुङ्)	अवित्त	अवित्साताम्	अवित्सत	प्र०
	अवित्थाः	अवित्साथाम्	अविद्ध्वम्	म०
	अवित्सि	अवित्स्वहि	अवित्स्महि	उ०
(लृङ्)	अवित्स्यत	अवित्स्येताम्	अवित्स्यन्त	प्र०
	अवित्स्यथाः	अवित्स्येथाम्	अवित्स्यध्वम्	म०
	अवित्स्ये	अवित्स्यावहि	अवित्स्यामहि	उ०

(२९) व्यध = चुभाना, छेदना (परस्मैपदी)

(लट्)	विध्यति	विध्यतः	विध्यन्ति	प्र०
	विध्यसि	विध्यथः	विध्यथ	म०
	विध्यामि	विध्यावः	विध्यामः	उ०
(लिट्)	विव्याध	विविधतुः	विविधुः	प्र०
	विव्यधिथ, विव्यद्ध	विविधथुः	विविध	म०
	विव्याध, विव्यध	विविधिव	विविधिम	उ०
(लुट्)	व्यद्धा	व्यद्धारौ	व्यद्धारः	प्र०
	व्यद्धासि	व्यद्धास्थः	व्यद्धास्थ	म०
	व्यद्धास्मि	व्यद्धास्वः	व्यद्धास्मः	उ०
(लृट्)	व्यत्स्यति	व्यत्स्यतः	व्यत्स्यन्ति	प्र०
	व्यत्स्यसि	व्यत्स्यथः	व्यत्स्यथ	म०
	व्यत्स्यामि	व्यत्स्यावः	व्यत्स्यामः	उ०

(लोट्)	विध्यतु, तात्	विध्यताम्	विध्यन्तु	प्र०
	विध्य, तात्	विध्यतम्	विध्यत	म०
	विध्यानि	विध्याव	विध्याम	उ०
(लङ्)	अविध्यत्	अविध्यताम्	अविध्यन्	प्र०
	अविध्यः	अविध्यतम्	अविध्यत	म०
	अविध्यम्	अविध्याव	अविध्याम	उ०
(वि. लि.)	विध्येत्	विध्येताम्	विध्येयुः	प्र०
	विध्येः	विध्येतम्	विध्येत	म०
	विध्येयम्	विध्येव	विध्येम	उ०
(आ. लि.)	विध्यात्	विध्यास्ताम्	विध्यासुः	प्र०
	विध्याः	विध्यास्तम्	विध्यास्त	म०
	विध्यासम्	विध्यास्व	विध्यास्म	उ०
(लुङ्)	अव्यात्सीत्	अव्याद्धाम्	अव्यात्सुः	प्र०
	अव्यात्सीः	अव्याद्धम्	अव्याद्ध	म०
	अव्यात्सम्	अव्यात्स्व	अव्यात्स्म	उ०
(लृङ्)	अव्यत्स्यत्	अव्यत्स्यताम्	अव्यत्स्यन्	प्र०
	अव्यत्स्यः	अव्यत्स्यतम्	अव्यत्स्यत	म०
	अव्यत्स्यम्	अव्यत्स्याव	अव्यत्स्याम	उ०

(३०) शुष् = सूखना (परस्मैपदी)

(लट्)	शुष्यति	शुष्यतः	शुष्यन्ति	प्र०
	शुष्यसि	शुष्यथः	शुष्यथ	म०
	शुष्यामि	शुष्यावः	शुष्यामः	उ०

(लिट्)	शुशोष	शुशुषतुः	शुशुषुः	प्र०
	शुशोषिथ	शुशुषथुः	शुशुष	म०
	शुशोष	शुशुषिव	शुशुषिम	उ०
(लुट्)	शोष्टा	शोष्टारौ	शोष्टारः	प्र०
	शोष्टासि	शोष्टास्थः	शोष्टास्थ	म०
	शोष्टास्मि	शोष्टास्वः	शोष्टास्मः	उ०
(लृट्)	शोक्ष्यति	शोक्ष्यतः	शोक्ष्यन्ति	प्र०
	शोक्ष्यसि	शोक्ष्यथः	शोक्ष्यथ	म०
	शोक्ष्यामि	शोक्ष्यावः	शोक्ष्यामः	उ०
(लोट्)	शुष्यतु, तात्	शुष्यताम्	शुष्यन्तु	प्र०
	शुष्य, तात्	शुष्यतम्	शुष्यत	म०
	शुष्याणि	शुष्याव	शुष्याम	उ०
(लङ्)	अशुष्यत्	अशुष्यताम्	अशुष्यन्	प्र०
	अशुष्यः	अशुष्यतम्	अशुष्यत	म०
	अशुष्यम्	अशुष्याव	अशुष्याम	उ०
(वि·लि·)	शुष्येत्	शुष्येताम्	शुष्येयुः	प्र०
	शुष्येः	शुष्येतम्	शुष्येत	म०
	शुष्येयम्	शुष्येव	शुष्येम	उ०
(आ·लि·)	शुष्यात्	शुष्यास्ताम्	शुष्यासुः	प्र०
	शुष्याः	शुष्यास्तम्	शुष्यास्त	म०
	शुष्यासम्	शुष्यास्व	शुष्यास्म	उ०

(लुङ्)	अशुषत्	अशुषताम्	अशुषन्	प्र०
	अशुषः	अशुषतम्	अशुषत	म०
	अशुषम्	अशुषाव	अशुषाम	उ०
(लृङ्)	अशोक्ष्यत्	अशोक्ष्यताम्	अशोक्ष्यन्	प्र०
	अशोक्ष्यः	अशोक्ष्यतम्	अशोक्ष्यत	म०
	अशोक्ष्यम्	अशोक्ष्याव	अशोक्ष्याम	उ०

(३१) शो = पतला करना (परस्मैपदी)

(लट्)	श्यति	श्यतः	श्यन्ति	प्र०
	श्यसि	श्यथः	श्यथ	म०
	श्यामि	श्यावः	श्यामः	उ०
(लिट्)	शशौ	शशतुः	शशुः	प्र०
	शशिथ, शशाथ	शशथुः	शश	म०
	शशौ	शशिव	शशिम	उ०
(लुट्)	शाता	शातारौ	शातारः	प्र०
	शातासि	शातास्थः	शातास्थ	म०
	शातास्मि	शातास्वः	शातास्मः	उ०
(लृट्)	शास्यति	शास्यतः	शास्यन्ति	प्र०
	शास्यसि	शास्यथः	शास्यथ	म०
	शास्यामि	शास्यावः	शास्यामः	उ०
(लोट्)	श्यतु, तात्	श्यतात्	श्यन्तु	प्र०
	श्य, तात्	श्यतम्	श्यत	म०
	श्यानि	श्याव	श्याम	उ०

(लङ्)	अश्यत्	अश्यताम्	अश्यन्	प्र०
	अश्यः	अश्यतम्	अश्यत	म०
	अश्यम्	अश्याव	अश्याम	उ०
(वि·लि·)	श्येत्	श्येताम्	श्येयुः	प्र०
	श्येः	श्येतम्	श्येत	म०
	श्येयम्	श्येव	श्येम	उ०
(आ·लि·)	शायात्	शायास्ताम्	शायासुः	प्र०
	शायाः	शायास्तम्	शायास्त	म०
	शायासम्	शायास्व	शायास्म	उ०
(लुङ्)	अशात्	अशाताम्	अशुः	प्र०
	अशाः	अशातम्	अशात	म०
	अशाम्	अशाव	अशाम	उ०
		अथवा		
	अशासीत्	अशासिष्टाम्	अशासिषुः	प्र०
	अशासीः	अशासिष्टम्	अशासिष्ट	म०
	अशासिषम्	अशासिष्व	अशासिष्म	उ०
(लृङ्)	अशास्यत्	अशास्यताम्	अशास्यन्	प्र०
	अशास्यः	अशास्यतम्	अशास्यत	म०
	अशास्यम्	अशास्याव	अशास्याम	उ०

सूचना – शो धातु की भांति छो = काटना, षो = नष्ट करना तथा दो = टुकड़ा करना ; इन धातुओं के रूप भी चलेंगे।

(३२) सिध् = सिद्ध होना (परस्मैपदी)

(लट्)	सिध्यति	सिध्यतः	सिध्यन्ति
(लिट्)	सिषेध	सिषिधतुः	सिषिधुः
(लुट्)	सेद्धा	सेद्धारौ	सेद्धारः
(लृट्)	सेत्स्यति	सेत्स्यतः	सेत्स्यन्ति
(आ·लि·)	सिध्यात्	सिध्यास्ताम्	सिध्यासुः
(लुङ्)	असिधत्	असिधिष्टाम्	असिधिषुः
(लृङ्)	असेत्स्यत्	असेत्स्यताम्	असेत्स्यन्

(३३) सिव् = कपड़ा सीना (परस्मैपदी)

(लट्)	सीव्यति	सीव्यतः	सीव्यन्ति	प्र०
	सीव्यसि	सीव्यथः	सीव्यथ	म०
	सीव्यामि	सीव्यावः	सीव्यामः	उ०
(लिट्)	सिषेव	सिषिवतुः	सिषिवुः	प्र०
	सिषेविथ	सिषिवथुः	सिषिव	म०
	सिषेव	सिषिविव	सिषिविम	उ०
(लुट्)	सेविता	सेवितारौ	सेवितारः	प्र०
	सेवितासि	सेवितास्थः	सेवितास्थ	म०
	सेवितास्मि	सेवितास्वः	सेवितास्मः	उ०
(लृट्)	सेविष्यति	सेविष्यतः	सेविष्यन्ति	प्र०
	सेविष्यसि	सेविष्यथः	सेविष्यथ	म०
	सेविष्यामि	सेविष्यावः	सेविष्यामः	उ०

(लोट्)	सीव्यतु, तात्	सीव्यताम्	सीव्यन्तु	प्र०
	सीव्य, तात्	सीव्यतम्	सीव्यत	म०
	सीव्यानि	सीव्याव	सीव्याम	उ०
(लङ्)	असीव्यत्	असीव्यताम्	असीव्यन्	प्र०
	असीव्यः	असीव्यतम्	असीव्यत	म०
	असीव्यम्	असीव्याव	असीव्याम	उ०
(वि·लि·)	सीव्येत्	सीव्येताम्	सीव्येयुः	प्र०
	सीव्येः	सीव्येतम्	सीव्येत	म०
	सीव्येतम्	सीव्येव	सीव्येम	उ०
(आ·लि·)	सीव्यात्	सीव्यास्ताम्	सीव्यासुः	प्र०
	सीव्याः	सीव्यास्तम्	सीव्यास्त	म०
	सीव्यासम्	सीव्यास्व	सीव्यास्म	उ०
(लुङ्)	असेवीत्	असेविष्टाम्	असेविषुः	प्र०
	असेवीः	असेविष्टम्	असेविष्ट	म०
	असेविषम्	असेविष्व	असेविष्म	उ०
(लृङ्)	असेविष्यत्	असेविष्यताम्	असेविष्यन्	प्र०
	असेविष्यः	असेविष्यतम्	असेविष्यत	म०
	असेविष्यम्	असेविष्याव	असेविष्याम	उ०

(३४) सू = प्रसव करना (आत्मनेपदी)

(लट्)	सूयते	सूयेते	सूयन्ते	प्र०
	सूयसे	सूयेथे	सूयध्वे	म०
	सूये	सूयावहे	सूयामहे	उ०

(लिट्)	सुषुवे	सुषुवाते	सुषुविरे	प्र०
	सुषुविषे	सुषुवाथे	सुषुविध्वे, ढ्वे	म०
	सुषुवे	सुषुविवहे	सुषुविमहे	उ०
(लुट्)	सविता	सवितारौ	सवितारः	प्र०
	सवितासे	सवितासाथे	सविताध्वे	म०
	सविताहे	सवितास्वहे	सवितास्महे	उ०
		अथवा		
	सोता	सोतारौ	सोतारः	प्र०
	सोतासे	सोतासाथे	सोताध्वे	म०
	सोताहे	सोतास्वहे	सोतास्महे	उ०
(लृट्)	सविष्यते	सविष्येते	सविष्यन्ते	प्र०
	सविष्यसे	सविष्येथे	सविष्यध्वे	म०
	सविष्ये	सविष्यावहे	सविष्यामहे	उ०
		अथवा		
	सोष्यते	सोष्येते	सोष्यन्ते	प्र०
	सोष्यसे	सोष्येथे	सोष्यध्वे	म०
	सोष्ये	सोष्यावहे	सोष्यामहे	उ०
(लोट्)	सूयताम्	सूयेताम्	सूयन्ताम्	प्र०
	सूयस्व	सूयेथाम्	सूयध्वम्	म०
	सूयै	सूयावहै	सूयामहै	उ०
(लङ्)	असूयत	असूयेताम्	असूयन्त	प्र०
	असूयथाः	असूयेथाम्	असूयध्वम्	म०

(वि.लि.)	सूयेत	सूयेयाताम्	सूयेरन्	प्र०
	सूयेथाः	सूयेयाथाम्	सूयेध्वम्	म०
	सूयेय	सूयेवहि	सूयेमहि	उ०
(आ.लि.)	सविसीष्ट	सविषीयास्ताम्	सविषीरन्	प्र०
	सविषीष्ठाः	सविषीयास्थाम्	सविषीढ्वं, ध्वम्	म०
	सविषीय	सविषीवहि	सविषीमहि	उ०
		अथवा		
	सोषीष्ट	सोषीयास्ताम्	सोषीरन्	प्र०
	सोषीष्ठाः	सोषीयास्थाम्	सोषीढ्वम्	म०
	सोषीय	सोषीवहि	सोषीमहि	उ०
(लुङ्)	असोष्ट	असोषाताम्	असोषत	प्र०
	असोष्ठाः	असोषाथाम्	असोढ्वम्	म०
	असोषि	असोष्वहि	असोष्महि	उ०
		अथवा		
	असविष्ट	असविषाताम्	असविषत	प्र०
	असविष्ठाः	असविषाथाम्	असविढ्वं, ध्वम्	म०
	असविषि	असविष्वहि	असविष्महि	उ०
(लृङ्)	असोष्यत	असोष्येताम्	असोष्यन्त	प्र०
	असोष्यथाः	असोष्येथाम्	असोष्यध्वम्	म०
	असोष्ये	असोष्यावहि	असोष्यामहि	उ०
		अथवा		
	असविष्यत	असविष्येताम्	असविष्यन्त	प्र०
	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

(३५) सृज् = त्यागना (आत्मनेपदी)

(लट्)	सृज्यते	सृज्येते	सृज्यन्ते	प्र०
	सृज्यसे	सृज्येथे	सृज्यध्वे	म०
	सृज्ये	सृज्यावहे	सृज्यामहे	उ०
(लिट्)	ससृजे	ससृजाते	ससृजिरे	प्र०
	ससृजिषे	ससृजाथे	ससृजिध्वे	म०
	ससृजे	ससृजिवहे	ससृजिमहे	उ०
(लुट)	स्रष्टा	स्रष्टारौ	स्रष्टारः	प्र०
	स्रष्टासे	स्रष्टासाथे	स्रष्टाध्वे	म०
	स्रष्टाहे	स्रष्टास्वहे	स्रष्टास्महे	उ०
(लृट्)	स्रक्ष्यते	स्रक्ष्येते	स्रक्ष्यन्ते	प्र०
	स्रक्ष्यसे	स्रक्ष्येथे	स्रक्ष्यध्वे	म०
	स्रक्ष्ये	स्रक्ष्यावहे	स्रक्ष्यामहे	उ०
(लोट्)	सृज्यताम्	सृज्येताम्	सृज्यन्ताम्	प्र०
	सृज्यस्व	सृज्येथाम्	सृज्यध्वम्	म०
	सृज्यै	सृज्यावहै	सृज्यामहै	उ०
(लङ्)	असृज्यत	असृज्येताम्	असृज्यन्त	प्र०
	असृज्यथाः	असृज्येथाम्	असृज्यध्वम्	म०
	असृज्ये	असृज्यावहि	असृज्यामहि	उ०
(वि.लि.)	सृज्येत	सृज्येयाताम्	सृज्येरन्	प्र०
	सृज्येथाः	सृज्येयाथाम्	सृज्येध्वम्	म०
	सृज्येय	सृज्येवहि	सृज्येमहि	उ०

(आ. लि.)	सृक्षीष्ट	सृक्षीयास्ताम्	सृक्षीरन्	प्र०
	सृक्षीष्ठाः	सृक्षीयास्थाम्	सृक्षीध्वम्	म०
	सृक्षीय	सृक्षीवहि	सृक्षीमहि	उ०
(लुङ्)	असृष्ट	असृक्षाताम्	असृक्षत	प्र०
	असृष्ठाः	असृक्षाथाम्	असृढ्वम्	म०
	असृक्षि	असृक्ष्वहि	असृक्ष्महि	उ०
(लृङ्)	अस्रक्ष्यत	अस्रक्ष्येताम्	अस्रक्ष्यन्त	प्र०
	अस्रक्ष्यथाः	अस्रक्ष्येथाम्	अस्रक्ष्यध्वम्	म०
	अस्रक्ष्ये	अस्रक्ष्यावहि	अस्रक्ष्यामहि	उ०

(३६) हृष् = हर्षित होना (परस्मैपदी)

(लट्)	हृष्यति	हृष्यतः	हृष्यन्ति
(लिट्)	जहर्ष	जहर्षतुः	जहर्षुः
(लुट्)	हर्षिता	हर्षितारौ	हर्षितारः
(लृट्)	हर्षिष्यति	हर्षिष्यतः	हर्षिष्यन्ति
(आ. लिङ्)	हृष्यात्	हृष्यास्ताम्	हृष्यासुः
(लुङ्)	अहृषत्	अहृष्टाम्	अहृषुः
(लृङ्)	अहर्षिष्यत्	अहर्षिष्यताम्	अहर्षिष्यन्

इति दिवादिप्रकरणम्

*

अथ स्वादिप्रकरणम्

(१) सु=स्नान, मद्य चुआना, सोमलता आदि को निचोड़ना, मथना, नहाना (परस्मैपदी)

(लट्)	सुनोति	सुनुतः	सुन्वन्ति	प्र०
	सुनोषि	सुनुथः	सुनुथ	म०
	सुनोमि	सुनुवः, सुन्वः	सुनुमः, सुन्मः	उ०
(लिट्)	सुषाव	सुषुवतुः	सुषुवुः	प्र०
	सुषविथ	सुषुवथुः	सुषुव	म०
	सुषाव, सुषव	सुषुविव	सुषुविम	उ०
(लुट्)	सोता	सोतारौ	सोतारः	प्र०
	सोतासि	सोतास्थः	सोतास्थ	म०
	सोतास्मि	सोतास्वः	सोतास्मः	उ०
(लृट्)	सोष्यति	सोष्यतः	सोष्यन्ति	प्र०
	सोष्यसि	सोष्यथः	सोष्यथ	म०
	सोष्यामि	सोष्यावः	सोष्यामः	उ०
(लोट्)	सुनोतु, सुनुतात्	सुनुताम्	सुन्वन्तु	प्र०
	सुनु, सुनुतात्	सुनुतम्	सुनुत	म०
	सुनवानि	सुनवाव	सुनवाम	उ०
(लङ्)	असुनोत्	असुनुताम्	असुन्वन्	प्र०
	असुनोः	असुनुतम्	असुनुत	म०
	असुनवम्	असुनुव, असुन्व	असुनुम, असुन्म	उ०

(वि.लि.)	सुनुयात्	सुनुयाताम्	सुनुयुः	प्र०
	सुनुयाः	सुनुयातम्	सुनुयात	म०
	सुनुयाम्	सुनुयाव	सुनुयाम	उ०
(आ.लि.)	सूयात्	सूयास्ताम्	सूयासुः	प्र०
	सूयाः	सूयास्तम्	सूयास्त	म०
	सूयासम्	सूयास्व	सूयास्म	उ०
(लुङ्)	असावीत्	असाविष्टाम्	असाविषुः	प्र०
	असावीः	असाविष्टम्	असाविष्ट	म०
	असाविषम्	असाविष्व	असाविष्म	उ०
(लृङ्)	असोष्यत्	असोष्यताम्	असोष्यन्	प्र०
	असोष्यः	असोष्यतम्	असोष्यत	म०
	असोष्यम्	असोष्याव	असोष्याम	उ०

आत्मनेपदी

(लट्)	सुनुते	सुन्वाते	सुन्वते	प्र०
	सुनुषे	सुन्वाथे	सुनुध्वे	म०
	सुन्वे	सुनुवहे, सुन्वहे	सुनुमहे, सुन्महे	उ०
(लिट्)	सुषुवे	सुषुवाते	सुषुविरे	प्र०
	सुषुविषे	सुषुवाथे	सुषुविढ्वे, ध्वे	म०
	सुषुवे	सुषुविवहे	सुषुविमहे	उ०
(लुट्)	सोता	सोतारौ	सोतारः	प्र०
	सोतासे	सोतासाथे	सोताध्वे	म०
	सोताहे	सोतास्वहे	सोतास्महे	उ०

(लृट्)	सोष्यते	सोष्येते	सोष्यन्ते	प्र०
	सोष्यसे	सोष्येथे	सोष्यध्वे	म०
	सोष्ये	सोष्यावहे	सोष्यामहे	उ०
(लोट्)	सुनुताम्	सुन्वाताम्	सुन्वताम्	प्र०
	सुनुष्व	सुन्वाथाम्	सुनुध्वम्	म०
	सुनवै	सुनवावहै	सुनवामहै	उ०
(लङ्)	असुनुत	असुन्वाताम्	असुन्वत	प्र०
	असुनुथाः	असुन्वाथाम्	असुनुध्वम्	म०
	असुन्वि	[असुनुवहि, असुन्वहि	[असुनुमहि, असुन्महि	उ०
(वि.लि.)	सुन्वीत	सुन्वीयाताम्	सुन्वीरन्	प्र०
	सुन्वीथाः	सुन्वीयाथाम्	सुन्वीध्वम्	म०
	सुन्वीय	सुन्वीवहि	सुन्वीमहि	उ०
(आ.लि.)	सोषीष्ट	सोषीयास्ताम्	सोषीरन्	प्र०
	सोषीष्ठाः	सोषीयास्थाम्	सोषीध्वम्	म०
	सोषीय	सोषीवहि	सोषीमहि	उ०
(लुङ्)	असोष्ट	असोषाताम्	असोषत	प्र०
	असोष्ठाः	असोषाथाम्	असोढ्वम्	म०
	असोषि	असोष्वहि	असोष्महि	उ०
(लृङ्)	असोष्यत	असोष्येताम्	असोष्यन्त	प्र०
	असोष्यथाः	असोष्येथाम्	असोष्यध्वम्	म०
	असोष्ये	असोष्यावहि	असोष्यामहि	उ०

(२) आप् = प्राप्त करना (परस्मैपदी)

(लट्)	आप्नोति	आप्नुतः	आप्नुवन्ति	प्र०
	आप्नोषि	आप्नुथः	आप्नुथ	म०
	आप्नोमि	आप्नुवः	आप्नुमः	उ०
(लिट्)	आप	आपतुः	आपुः	प्र०
	आपिथ	आपथुः	आप	म०
	आप	आपिव	आपिम	उ०
(लुट्)	आप्ता	आप्तारौ	आप्तारः	प्र०
	आप्तासि	आप्तास्थः	आप्तास्थ	म०
	आप्तास्मि	आप्तास्वः	आप्तास्मः	उ०
(लृट्)	आप्स्यति	आप्स्यतः	आप्स्यन्ति	प्र०
	आप्स्यसि	आप्स्यथः	आप्स्यथ	म०
	आप्स्यामि	आप्स्यावः	आप्स्यामः	उ०
(लोट्)	आप्नोतु	आप्नुताम्	आप्नुवन्तु	प्र०
	आप्नुहि	आप्नुतम्	आप्नुत	म०
	आप्नवानि	आप्नवाव	आप्नवाम	उ०
(लङ्)	आप्नोत्	आप्नुताम्	आप्नुवन्	प्र०
	आप्नोः	आप्नुतम्	आप्नुत	म०
	आप्नवम्	आप्नुव	आप्नुम	उ०
(वि·लि·)	आप्नुयात्	आप्नुयाताम्	आप्नुयुः	प्र०
	आप्नुयाः	आप्नुयातम्	आप्नुयात	म०
	आप्नुयाम्	आप्नुयाव	आप्नुयाम	उ०

(आ·लि·)	आप्यात्	आप्यास्ताम्	आप्यासुः	प्र०
	आप्याः	आप्यास्तम्	आप्यास्त	म०
	आप्यासम्	आप्यास्व	आप्यास्म	उ०
(लुङ्)	आपत्	आपताम्	आपन्	प्र०
	आपः	आपतम्	आपत	म०
	आपम्	आपाव	आपाम	उ०
(लृङ्)	आप्स्यत्	आप्स्यताम्	आप्स्यन्	प्र०
	आप्स्यः	आप्स्यतम्	आप्स्यत	म०
	आप्स्यम्	आप्स्याव	आप्स्याम	उ०

(३) चिञ् = चुनना (उभयपदी)

(लट्)	चिनोति	चिनुतः	चिन्वन्ति	प्र०
	चिनोषि	चिनुथः	चिनुथ	म०
	चिनोमि	चिनुवः, चिन्वः	चिनुमः, चिन्मः	उ०
(लिट्)	चिकाय	चिक्यतुः	चिक्युः	प्र०
	चिकयिथ, चिकेथ	चिक्यथुः	चिक्य	म०
	चिकाय, चिकय	चिक्यिव	चिक्यिम	उ०
		अथवा		
	चिचाय	चिच्यतुः	चिच्युः	प्र०
	चिचयिथ, चिचेथ	चिच्यथुः	चिच्य	म०
	चिचाय, चिचय	चिच्यिव	चिच्यिम	उ०
(लुट्)	चेता	चेतारौ	चेतारः	प्र०
	चेतासि	चेतास्थः	चेतास्थ	म०
	चेतास्मि	चेतास्वः	चेतास्मः	उ०

(लृट्)	चेष्यति	चेष्यतः	चेष्यन्ति	प्र०
	चेष्यसि	चेष्यथः	चेष्यथ	म०
	चेष्यामि	चेष्यावः	चेष्यामः	उ०
(लोट्)	चिनोतु, तात्	चिनुताम्	चिन्वन्तु	प्र०
	चिनु, तात्	चिनुतम्	चिनुत	म०
	चिनवानि	चिनवाव	चिनवाम	उ०
(लङ्)	अचिनोत्	अचिनुताम्	अचिन्वन्	प्र०
	अचिनोः	अचिनुतम्	अचिनुत	म०
	अचिनवम्	[अचिनुव, अचिन्व	[अचिनुम, अचिन्म	उ०
(वि.लि.)	चिनुयात्	चिनुयाताम्	चिनुयुः	प्र०
	चिनुयाः	चिनुयातम्	चिनुयात	म०
	चिनुयाम्	चिनुयाव	चिनुयाम	उ०
(आ.लि.)	चीयात्	चीयास्ताम्	चीयासुः	प्र०
	चीयाः	चीयास्तम्	चीयास्त	म०
	चीयासम्	चीयास्व	चीयास्म	उ०
(लुङ्)	अचैषीत्	अचैष्टाम्	अचैषुः	प्र०
	अचैषीः	अचैष्टम्	अचैष्ट	म०
	अचैषम्	अचैष्व	अचैष्म	उ०
(लृङ्)	अचेष्यत्	अचेष्यताम्	अचेष्यन्	प्र०
	अचेष्यः	अचेष्यतम्	अचेष्यत	म०
	अचेष्यम्	अचेष्याव	अचेष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	चिनुते	चिन्वाते	चिन्वते	प्र०
	चिनुषे	चिन्वाथे	चिनुध्वे	म०
	चिन्वे	चिनुवहे, न्वहे	चिनुमहे, न्महे	उ०
(लिट्)	चिक्ये	चिक्याते	चिक्यिरे	प्र०
	चिक्यिषे	चिक्याथे	चिक्यिढ्वे, ध्वे	म०
	चिक्ये	चिक्यिवहे	चिक्यिमहे	उ०
		अथवा		
	चिच्ये	चिच्याते	चिच्यिरे	प्र०
	चिच्यिषे	चिच्याथे	चिच्यिढ्वे, ध्वे	म०
	चिच्ये	चिच्यिवहे	चिच्यिमहे	उ०
(लुट्)	चेता	चेतारौ	चेतारः	प्र०
	चेतासे	चेतासाथे	चेताध्वे	म०
	चेताहे	चेतास्वहे	चेतास्महे	उ०
(लृट्)	चेष्यते	चेष्येते	चेष्यन्ते	प्र०
	चेष्यसे	चेष्येथे	चेष्यध्वे	म०
	चेष्ये	चेष्यावहे	चेष्यामहे	उ०
(लोट्)	चिनुताम्	चिन्वाताम्	चिन्वताम्	प्र०
	चिनुष्व	चिन्वाथाम्	चिनुध्वम्	म०
	चिनवै	चिनवावहै	चिनवामहै	उ०
(लङ्)	अचिनुत	अचिन्वाताम्	अचिन्वत	प्र०
	अचिनुथाः	अचिन्वाथाम्	अचिनुध्वम्	म०
	अचिन्वि	अचिनुवहि, अचिन्वहि	अचिनुमहि, अचिन्महि	उ०

(वि. लि.)	चिन्वीत	चिन्वीयाताम्	चिन्वीरन्	प्र०
	चिन्वीथाः	चिन्वीयाथाम्	चिन्वीध्वम्	म०
	चिन्वीय	चिन्वीवहि	चिन्वीमहि	उ०
(आ. लि.)	चेषीष्ट	चेषीयास्ताम्	चेषीरन्	प्र०
	चेषीष्ठाः	चेषीयास्थाम्	चेषीढ्वम्	म०
	चेषीय	चेषीवहि	चेषीमहि	उ०
(लुङ्)	अचेष्ट	अचेषाताम्	अचेषत	प्र०
	अचेष्ठाः	अचेषाथाम्	अचेढ्वम्	म०
	अचेषि	अचेष्वहि	अचेष्महि	उ०
(लृङ्)	अचेष्यत	अचेष्येताम्	अचेष्यन्त	प्र०
	अचेष्यथाः	अचेष्येथाम्	अचेष्यध्वम्	म०
	अचेष्ये	अचेष्यावहि	अचेष्यामहि	उ०

(४) धूञ् = हिलाना (परस्मैपदी)

(लट्)	धूनोति	धूनुतः	धून्वन्ति	प्र०
	धूनोषि	धूनुथः	धूनुथ	म०
	धूनोमि	धूनुवः, धून्वः	धूनुमः, धून्मः	उ०
(लिट्)	दुधाव	दुधुवतुः	दुधुवुः	प्र०
	दुधविथ, दुधोथ	दुधुवथुः	दुधुव	म०
	दुधाव, दुधव	दुधुविव	दुधुविम	उ०
(लुट्)	धविता	धवितारौ	धवितारः	प्र०
	धवितासि	धवितास्थः	धवितास्थ	म०
	धवितास्मि	धवितास्वः	धवितास्मः	उ०

अथवा

	धोता	धोतारौ	धोतारः	प्र०
	धोतासि	धोतास्थः	धोतास्थ	म०
	धोतास्मि	धोतास्वः	धोतास्मः	उ०
(लृट्)	धविष्यति	धविष्यतः	धविष्यन्ति	प्र०
	धविष्यसि	धविष्यथः	धविष्यथ	म०
	धविष्यामि	धविष्यावः	धविष्यामः	उ०

अथवा

	धोष्यति	धोष्यतः	धोष्यन्ति	प्र०
	धोष्यसि	धोष्यथः	धोष्यथ	म०
	धोष्यामि	धोष्यावः	धोष्यामः	उ०
(लोट्)	धूनोतु, तात्	धूनुताम्	धून्वन्तु	प्र०
	धूनु, तात्	धूनुतम्	धूनुत	म०
	धूनवानि	धूनवाव	धूनवाम	उ०
(लङ्)	अधूनोत्	अधूनुताम्	अधून्वन्	प्र०
	अधूनोः	अधूनुतम्	अधूनुत	म०
	अधूनवम्	अधूनुव, अधून्व	अधूनुम, अधून्म	उ०
(वि. लि.)	धूनुयात्	धूनुयाताम्	धूनुयुः	प्र०
	धूनुयाः	धूनुयातम्	धूनुयात	म०
	धूनुयाम्	धूनुयाव	धूनुयाम	उ०
(आ. लि.)	धूयात्	धूयास्ताम्	धूयासुः	प्र०
	धूयाः	धूयास्तम्	धूयास्त	म०
	धूयासम्	धूयास्व	धूयास्म	उ०

(लुङ्)	अधावीत्	अधाविष्टाम्	अधाविषुः	प्र०
	अधावीः	अधाविष्टम्	अधाविष्ट	म०
	अधाविषम्	अधाविष्व	अधाविष्म	उ०
(लृङ्)	अधविष्यत्	अधविष्यताम्	अधविष्यन्	प्र०
	अधविष्यः	अधविष्यतम्	अधविष्यत	म०
	अधविष्यम्	अधविष्याव	अधविष्याम	उ०
		अथवा		
	अधोष्यत्	अधोष्यताम्	अधोष्यन्	प्र०
	अधोष्यः	अधोष्यतम्	अधोष्यत	म०
	अधोष्यम्	अधोष्याव	अधोष्याम	उ०
		(आत्मनेपदी)		
(लट्)	धूनुते	धून्वाते	धून्वते	प्र०
	धूनुषे	धून्वाथे	धूनुध्वे	म०
	धून्वे	धूनुवहे, धून्वहे	धूनुमहे, धून्महे	उ०
(लिट्)	दुधुवे	दुधुवाते	दुधुविरे	प्र०
	दुधुविषे	दुधुवाथे	दुधुविढ्वे, ध्वे	म०
	दुधुवे	दुधुविवहे	दुधुविमहे	उ०
(लुट्)	धविता	धवितारौ	धवितारः	प्र०
	धवितासे	धवितासाथे	धविताध्वे	म०
	धविताहे	धवितास्वहे	धवितास्महे	उ०
		अथवा		
	धोता	धोतारौ	धोतारः	प्र०
	धोतासे	धोतासाथे	धोताध्वे	म०
	धोताहे	धोतास्वहे	धोतास्महे	उ०

(लृट्)	धविष्यते	धविष्येते	धविष्यन्ते	प्र०
	धविष्यसे	धविष्येथे	धविष्यध्वे	म०
	धविष्ये	धविष्यावहे	धविष्यामहे	उ०
		अथवा		
	धोष्यते	धोष्येते	धोष्यन्ते	प्र०
	धोष्यसे	धोष्येथे	धोष्यध्वे	म०
	धोष्ये	धोष्यावहे	धोष्यामहे	उ०
(लोट्)	धूनुताम्	धून्वाताम्	धून्वताम्	प्र०
	धूनुष्व	धून्वाथाम्	धूनुध्वम्	म०
	धूनवै	धूनवावहै	धूनवामहै	उ०
(लङ्)	अधूनुत	अधून्वाताम्	अधून्वत	प्र०
	अधूनुथाः	अधून्वाथाम्	अधूनुध्वम्	म०
	अधून्वि	अधूनुवहि, अधून्वहि	अधूनुमहि, अधून्महि	उ०
(वि. लि.)	धून्वीत	धून्वीयाताम्	धून्वीरन्	प्र०
	धून्वीथाः	धून्वीयाथाम्	धून्वीध्वम्	म०
	धून्वीय	धून्वीवहि	धून्वीमहि	उ०
(आ. लि.)	धविषीष्ट	धविषीयास्ताम्	धविषीरन्	प्र०
	धविषीष्ठाः	धविषीयास्थाम्	धविषीढ्वं, ध्वम्	म०
	धविषीय	धविषीवहि	धविषीमहि	उ०
		अथवा		
	धोषीष्ट	धोषीयास्ताम्	धोषीरन्	प्र०
	धोषीष्ठाः	धोषीयास्थाम्	धोषीढ्वम्	म०
	धोषीय	धोषीवहि	धोषीमहि	उ०

(लुङ्)	अधविष्ट	अधविषाताम्	अधविषत	प्र०
	अधविष्ठाः	अधविषाथाम्	अधविढ्वं, ध्वम्	म०
	अधविषि	अधविष्वहि	अधविष्महि	उ०
		अथवा		
	अधोष्ट	अधोषाताम्	अधोषत	प्र०
	अधोष्ठाः	अधोषाथाम्	अधोढ्वम्	म०
	अधोषि	अधोष्वहि	अधोष्महि	उ०
(लृङ्)	अधविष्यत	अधविष्येताम्	अधविष्यन्त	प्र०
	अधविष्यथाः	अधविष्येथाम्	अधविष्यध्वम्	म०
	अधविष्ये	अधविष्यावहि	अधविष्यामहि	उ०
		अथवा		
	अधोष्यत	अधोष्येताम्	अधोष्यन्त	प्र०
	अधोष्यथाः	अधोष्येथाम्	अधोष्यध्वम्	म०
	अधोष्ये	अधोष्यावहि	अधोष्यामहि	उ०

(५) शक् = सकना (परस्मैपदी)

(लट्)	शक्नोति	शक्नुतः	शक्नुवन्ति	प्र०
	शक्नोषि	शक्नुथः	शक्नुथ	म०
	शक्नोमि	शक्नुवः	शक्नुमः	उ०
(लिट्)	शशाक	शेकतुः	शेकुः	प्र०
	शेकिथ	शेकथुः	शेक	म०
	शशाक, शशक	शेकिव	शेकिम	उ०
(लुट्)	शक्ता	शक्तारौ	शक्तारः	प्र०
	शक्तासि	शक्तास्थः	शक्तास्थ	म०
	शक्तास्मि	शक्तास्वः	शक्तास्मः	उ०

(लृट्)	शक्ष्यति	शक्ष्यतः	शक्ष्यन्ति	प्र०
	शक्ष्यसि	शक्ष्यथः	शक्ष्यथ	म०
	शक्ष्यामि	शक्ष्यावः	शक्ष्यामः	उ०
(लोट्)	शक्नोतु, तात्	शक्नुताम्	शक्नुवन्तु	प्र०
	शक्नुहि, तात्	शक्नुतम्	शक्नुत	म०
	शक्नवानि	शक्नवाव	शक्नवाम	उ०
(लङ्)	अशक्नोत्	अशक्नुताम्	अशक्नुवन्	प्र०
	अशक्नोः	अशक्नुतम्	अशक्नुत	म०
	अशक्नवम्	अशक्नुव	अशक्नुम	उ०
(वि. लि.)	शक्नुयात्	शक्नुयाताम्	शक्नुयुः	प्र०
	शक्नुयाः	शक्नुयातम्	शक्नुयात	म०
	शक्नुयाम्	शक्नुयाव	शक्नुयाम	उ०
(आ. लि.)	शक्यात्	शक्यास्ताम्	शक्यासुः	प्र०
	शक्याः	शक्यास्तम्	शक्यास्त	म०
	शक्यासम्	शक्यास्व	शक्यास्म	उ०
(लुङ्)	अशकत्	अशकताम्	अशकन्	प्र०
	अशकः	अशकतम्	अशकत	म०
	अशकम्	अशकाव	अशकाम	उ०
(लृङ्)	अशक्ष्यत्	अशक्ष्याताम्	अशक्ष्यन्	प्र०
	अशक्ष्यः	अशक्ष्यतम्	अशक्ष्यत	म०
	अशक्ष्यम्	अशक्ष्याव	अशक्ष्याम	उ०

(६) स्तृञ् = ढाँकना, बिछाना (परस्मैपदी)

(लट्)	स्तृणोति	स्तृणुतः	स्तृण्वन्ति	प्र०
	स्तृणोषि	स्तृणुथः	स्तृणुथ	म०
	स्तृणोमि	स्तृणुवः, स्तृण्वः	स्तृणुमः, स्तृण्मः	उ०
(लिट्)	तस्तार	तस्तरतुः	तस्तरुः	प्र०
	तस्तर्थ	तस्तरथुः	तस्तर	म०
	तस्तार, तस्तर	तस्तरिव	तस्तरिम	उ०
(लुट्)	स्तर्ता	स्तर्तारौ	स्तर्तारः	प्र०
	स्तर्तासि	स्तर्तास्थः	स्तर्तास्थ	म०
	स्तर्तास्मि	स्तर्तास्वः	स्तर्तास्मः	उ०
(लृट्)	स्तरिष्यति	स्तरिष्यतः	स्तरिष्यन्ति	प्र०
	स्तरिष्यसि	स्तरिष्यथः	स्तरिष्यथ	म०
	स्तरिष्यामि	स्तरिष्यावः	स्तरिष्यामः	उ०
(लोट्)	स्तृणोतु, स्तृणुतात्	स्तृणुताम्	स्तृण्वन्तु	प्र०
	स्तृणु, स्तृणुतात्	स्तृणुतम्	स्तृणुत	म०
	स्तृणवानि	स्तृणवाव	स्तृणवाम	उ०
(लङ्)	अस्तृणोत्	अस्तृणुताम्	अस्तृण्वन्	प्र०
	अस्तृणोः	अस्तृणुतम्	अस्तृणुत	म०
	अस्तृणवम्	अस्तृणुव, अस्तृण्व	अस्तृणुम, अस्तृण्म	उ०
(वि॰लि॰)	स्तृणुयात्	स्तृणुयाताम्	स्तृणुयुः	प्र०
	स्तृणुयाः	स्तृणुयातम्	स्तृणुयात	म०
	स्तृणुयाम्	स्तृणुयाव	स्तृणुयाम	उ०

(आ॰लि॰)	स्तर्यात्	स्तर्यास्ताम्	स्तर्यासुः	प्र०
	स्तर्याः	स्तर्यास्तम्	स्तर्यास्त	म०
	स्तर्यासम्	स्तर्यास्व	स्तर्यास्म	उ०
(लुङ्)	अस्तार्षीत्	अस्तार्ष्टाम्	अस्तार्षुः	प्र०
	अस्तार्षीः	अस्तार्ष्टम्	अस्तार्ष्ट	म०
	अस्तार्षम्	अस्तार्ष्व	अस्तार्ष्म	उ०
(लृङ्)	अस्तरिष्यत्	अस्तरिष्यताम्	अस्तरिष्यन्	प्र०
	अस्तरिष्यः	अस्तरिष्यतम्	अस्तरिष्यत	म०
	अस्तरिष्यम्	अस्तरिष्याव	अस्तरिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	स्तृणुते	स्तृण्वाते	स्तृण्वते	प्र०
	स्तृणुषे	स्तृण्वाथे	स्तृणुध्वे	म०
	स्तृण्वे	स्तृणुवहे, स्तृण्वहे	स्तृणुमहे, स्तृण्महे	उ०
(लिट्)	तस्तरे	तस्तराते	तस्तरिरे	प्र०
	तस्तरिषे	तस्तराथे	तस्तरिध्वे, ढ्वे	म०
	तस्तरे	तस्तरिवहे	तस्तरिमहे	उ०
(लुट्)	स्तर्ता	स्तर्तारौ	स्तर्तारः	प्र०
	स्तर्तासे	स्तर्तासाथे	स्तर्ताध्वे	म०
	स्तर्ताहे	स्तर्तास्वहे	स्तर्तास्महे	उ०
(लृट्)	स्तरिष्यते	स्तरिष्येते	स्तरिष्यन्ते	प्र०
	स्तरिष्यसे	स्तरिष्येथे	स्तरिष्यध्वे	म०
	स्तरिष्ये	स्तरिष्यावहे	स्तरिष्यामहे	उ०

(लोट्)	स्तृणुताम्	स्तृण्वाताम्	स्तृण्वताम्	प्र०
	स्तृणुष्व	स्तृण्वाथाम्	स्तृणुध्वम्	म०
	स्तृणवै	स्तृणवावहै	स्तृणवामहै	उ०
(लङ्)	अस्तृणुत	अस्तृण्वाताम्	अस्तृण्वत	प्र०
	अस्तृणुथाः	अस्तृण्वाथाम्	अस्तृणुध्वम्	म०
	अस्तृण्वि	अस्तृण्वहि, णुवहि	अस्तृण्महि, णुमहि	उ०
(वि·लि·)	स्तृण्वीत	स्तृण्वीयाताम्	स्तृण्वीरन्	प्र०
	स्तृण्वीथाः	स्तृण्वीयाथाम्	स्तृण्वीध्वम्	म०
	स्तृण्वीय	स्तृण्वीवहि	स्तृण्वीमहि	उ०
(आ·लि·)	स्तरिषीष्ट	स्तरिषीयास्ताम्	स्तरिषीरन्	प्र०
	स्तरिषीष्ठाः	स्तरिषीयास्थाम्	स्तरिषीढ्वं, ध्वम्	म०
	स्तरिषीय	स्तरिषीवहि	स्तरिषीमहि	उ०

अथवा

	स्तृषीष्ट	स्तृषीयास्ताम्	स्तृषीरन्	प्र०
	स्तृषीष्ठाः	स्तृषीयास्थाम्	स्तृषीढ्वम्	म०
	स्तृषीय	स्तृषीवहि	स्तृषीमहि	उ०
(लुङ्)	अस्तरिष्ट	अस्तरिषाताम्	अस्तरिषत	प्र०
	अस्तरिष्ठाः	अस्तरिषाथाम्	अस्तरिढ्वं, ध्वम्	म०
	अस्तरिषि	अस्तरिष्वहि	अस्तरिष्महि	उ०

अथवा

	अस्तृत	अस्तृषाताम्	अस्तृषत	प्र०
	अस्तृथाः	अस्तृषाथाम्	अस्तृढ्वम्	म०
	अस्तृषि	अस्तृष्वहि	अस्तृष्महि	उ०

(लृङ्)	अस्तरिष्यत	अस्तरिष्येताम्	अस्तरिष्यन्त	प्र०
	अस्तरिष्यथाः	अस्तरिष्येथाम्	अस्तरिष्यध्वम्	म०
	अस्तरिष्ये	अस्तरिष्यावहि	अस्तरिष्यामहि	उ०

इति स्वादिप्रकरणम् ।

*

अथ तुदादिप्रकरणम्

(१) तुद = दुःख देना (परस्मैपदी)

(लट्)	तुदति	तुदतः	तुदन्ति	प्र०
	तुदसि	तुदथः	तुदथ	म०
	तुदामि	तुदावः	तुदामः	उ०
(लिट्)	तुतोद	तुतुदतुः	तुतुदुः	प्र०
	तुतोदिथ	तुतुदथुः	तुतुद	म०
	तुतोद	तुतुदिव	तुतुदिम	उ०
(लुट्)	तोत्ता	तोत्तारौ	तोत्तारः	प्र०
	तोत्तासि	तोत्तास्थः	तोत्तास्थ	म०
	तोत्तास्मि	तोत्तास्वः	तोत्तास्मः	उ०
(लृट्)	तोत्स्यति	तोत्स्यतः	तोत्स्यन्ति	प्र०
	तोत्स्यसि	तोत्स्यथः	तोत्स्यथ	म०
	तोत्स्यामि	तोत्स्यावः	तोत्स्यामः	उ०
(लोट्)	तुदतु, तात्	तुदताम्	तुदन्तु	प्र०
	तुद, तात्	तुदतम्	तुदत	म०
	तुदानि	तुदाव	तुदाम	उ०
(लङ्)	अतुदत्	अतुदताम्	अतुदन्	प्र०
	अतुदः	अतुदतम्	अतुदत	म०
	अतुदम्	अतुदाव	अतुदाम	उ०

(वि॰ लि)	तुदेत्	तुदेताम्	तुदेयुः	प्र०
	तुदेः	तुदेतम्	तुदेत	म०
	तुदेयम्	तुदेव	तुदेम	उ०
(आ॰ लि)	तुद्यात्	तुद्यास्ताम्	तुद्यासुः	प्र०
	तुद्याः	तुद्यास्तम्	तुद्यास्त	म०
	तुद्यासम्	तुद्यास्व	तुद्यास्म	उ०
(लुङ्)	अतौत्सीत्	अतौत्ताम्	अतौत्सुः	प्र०
	अतौत्सीः	अतौत्तम्	अतौत्त	म०
	अतौत्सम्	अतौत्स्व	अतौत्स्म	उ०
(लृङ्)	अतोत्स्यत्	अतोत्स्यताम्	अतोत्स्यन्	प्र०
	अतोत्स्यः	अतोत्स्यतम्	अतोत्स्यत	म०
	अतोत्स्यम्	अतोत्स्याव	अतोत्स्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	तुदते	तुदेते	तुदन्ते	प्र०
	तुदसे	तुदेथे	तुदध्वे	म०
	तुदे	तुदावहे	तुदामहे	उ०
(लिट्)	तुतुदे	तुतुदाते	तुतुदिरे	प्र०
	तुतुदिषे	तुतुदाथे	तुतुदिध्वे	म०
	तुतुदे	तुतुदिवहे	तुतुदिमहे	उ०
(लुट्)	तोत्ता	तोत्तारौ	तोत्तारः	प्र०
	तोत्तासे	तोत्तासाथे	तोत्ताध्वे	म०
	तोत्ताहे	तोत्तास्वहे	तोत्तास्महे	उ०

(लृट्)	तोत्स्यते	तोत्स्येते	तोत्स्यन्ते	प्र०
	तोत्स्यसे	तोत्स्येथे	तोत्स्यध्वे	म०
	तोत्स्ये	तोत्स्यावहे	तोत्स्यामहे	उ०
(लोट्)	तुदताम्	तुदेताम्	तुदन्ताम्	प्र०
	तुदस्व	तुदेथाम्	तुदध्वम्	म०
	तुदै	तुदावहै	तुदामहै	उ०
(लङ्)	अतुदत	अतुदेताम्	अतुदन्त	प्र०
	अतुदथाः	अतुदेथाम्	अतुदध्वम्	म०
	अतुदे	अतुदावहि	अतुदामहि	उ०
(वि॰लि)	तुदेत	तुदेयाताम्	तुदेरन्	प्र०
	तुदेथाः	तुदेयाथाम्	तुदेध्वम्	म०
	तुदेय	तुदेवहि	तुदेमहि	उ०
(आ॰लि)	तुत्सीष्ट	तुत्सीयास्ताम्	तुत्सीरन्	प्र०
	तुत्सीष्ठाः	तुत्सीयास्थाम्	तुत्सीध्वम्	म०
	तुत्सीय	तुत्सीवहि	तुत्सीमहि	उ०
(लुङ्)	अतुत्त	अतुत्साताम्	अतुत्सत	प्र०
	अतुत्थाः	अतुत्साथाम्	अतुद्ध्वम्	म०
	अतुत्सि	अतुत्स्वहि	अतुत्स्महि	उ०
(लृङ्)	अतोत्स्यत	अतोत्स्येताम्	अतोत्स्यन्त	प्र०
	अतोत्स्यथाः	अतोत्स्येथाम्	अतोत्स्यध्वम्	म०
	अतोत्स्ये	अतोत्स्यावहि	अतोत्स्यामहि	उ०

(२) इष् = चाहना (परस्मैपदी)

(लट्)	इच्छति	इच्छतः	इच्छन्ति	प्र०
	इच्छसि	इच्छथः	इच्छथ	म०
	इच्छामि	इच्छावः	इच्छामः	उ०
(लिट्)	इयेष	ईषतुः	ईषुः	प्र०
	इयेषिथ	ईषथुः	ईष	म०
	इयेष	ईषिव	ईषिम	उ०
(लुट्)	एषिता	एषितारौ	एषितारः	प्र०
	एषितासि	एषितास्थः	एषितास्थ	म०
	एषितास्मि	एषितास्वः	एषितास्मः	उ०
(लृट्)	एषिष्यति	एषिष्यतः	एषिष्यन्ति	प्र०
	एषिष्यसि	एषिष्यथः	एषिष्यथ	म०
	एषिष्यामि	एषिष्यावः	एषिष्यामः	उ०
		अथवा		
	एष्टा	एष्टारौ	एष्टारः	प्र०
	एष्टासि	एष्टास्थः	एष्टास्थ	म०
	एष्टास्मि	एष्टास्वः	एष्टास्मः	उ०
(लोट्)	इच्छतु, तात्	इच्छताम्	इच्छन्तु	प्र०
	इच्छ, तात्	इच्छतम्	इच्छत	म०
	इच्छानि	इच्छाव	इच्छाम	उ०
(लङ्)	ऐच्छत्	ऐच्छताम्	ऐच्छन्	प्र०
	ऐच्छः	ऐच्छतम्	ऐच्छत	म०
	ऐच्छम्	ऐच्छाव	ऐच्छाम	उ०

(वि. लि.)	इच्छेत्	इच्छेताम्	इच्छेयुः	प्र०
	इच्छेः	इच्छेतम्	इच्छेत	म०
	इच्छेयम्	इच्छेव	इच्छेम	उ०
(आ. लि.)	इष्यात्	इष्यास्ताम्	इष्यासुः	प्र०
	इष्याः	इष्यास्तम्	इष्यास्त	म०
	इष्यासम्	इष्यास्व	इष्यास्म	उ०
(लुङ्)	ऐषीत्	ऐषिष्टाम्	ऐषिषुः	प्र०
	ऐषीः	ऐषिष्टम्	ऐषिष्ट	म०
	ऐषिषम्	ऐषिष्व	ऐषिष्म	उ०
(लृङ्)	ऐषिष्यत्	ऐषिष्यताम्	ऐषिष्यन्	प्र०
	ऐषिष्यः	ऐषिष्यतम्	ऐषिष्यत	म०
	ऐषिष्यम्	ऐषिष्याव	ऐषिष्याम	उ०

(३) उञ्छ = चुनना (परस्मैपदी)

(लट्)	उञ्छति	उञ्छतः	उञ्छन्ति	प्र०
	उञ्छसि	उञ्छथः	उञ्छथ	म०
	उञ्छामि	उञ्छावः	उञ्छामः	उ०
(लिट्)	उच्छाञ्चकार	उच्छाञ्चक्रतुः	उच्छाञ्चक्रुः	प्र०
	उच्छाञ्चकर्थ	उच्छाञ्चक्रथुः	उच्छाञ्चक्र	म०
	उच्छाञ्चकार, कर	उच्छाञ्चकृव	उच्छाञ्चकृम	उ०
(लुट्)	उञ्छिता	उञ्छितारौ	उञ्छितारः	प्र०
	उञ्छितासि	उञ्छितास्थः	उञ्छितास्थ	म०
	उञ्छितास्मि	उञ्छितास्वः	उञ्छितास्मः	उ०

(लृट्)	उञ्छिष्यति	उञ्छिष्यतः	उञ्छिष्यन्ति	प्र०
	उञ्छिष्यसि	उञ्छिष्यथः	उञ्छिष्यथ	म०
	उञ्छिष्यामि	उञ्छिष्यावः	उञ्छिष्यामः	उ०
(लोट्)	उञ्छतु, तात्	उञ्छताम्	उञ्छन्तु	प्र०
	उञ्छ , तात्	उञ्छतम्	उञ्छत	म०
	उञ्छानि	उञ्छाव	उञ्छाम	उ०
(लङ्)	औञ्छत्	औञ्छताम्	औञ्छन्	प्र०
	औञ्छः	औञ्छतम्	औञ्छत	म०
	औञ्छम्	औञ्छाव	औञ्छाम	उ०
(वि. लि.)	उञ्छेत्	उञ्छेताम्	उञ्छेयुः	प्र०
	उञ्छेः	उञ्छेतम्	उञ्छेत	म०
	उञ्छेयम्	उञ्छेव	उञ्छेम	उ०
(आ. लि.)	उञ्छ्यात्	उञ्छ्यास्ताम्	उञ्छ्यासुः	प्र०
	उञ्छ्याः	उञ्छ्यास्तम्	उञ्छ्यास्त	म०
	उञ्छ्यासम्	उञ्छ्यास्व	उञ्छ्यास्म	उ०
(लुङ्)	औञ्छीत्	औञ्छिष्टाम्	औञ्छिषुः	प्र०
	औञ्छीः	औञ्छष्टम्	औञ्छिष्ट	म०
	औञ्छिषम्	औञ्छिष्व	औञ्छिष्म	उ०
(लृङ्)	औञ्छिष्यत्	औञ्छिष्यताम्	औञ्छिष्यन्	प्र०
	औञ्छिष्यः	औञ्छिष्यतम्	औञ्छिष्यत	म०
	औञ्छिष्यम्	औञ्छिष्याव	औञ्छिष्याम	उ०

(४) ऋच्छ = जाना, विरक्त होना (परस्मैपदी)

(लट्)	ऋच्छति	ऋच्छतः	ऋच्छन्ति	प्र०
	ऋच्छसि	ऋच्छथः	ऋच्छथ	म०
	ऋच्छामि	ऋच्छावः	ऋच्छामः	उ०
(लिट्)	आनर्च्छ	आनर्च्छतुः	आनर्च्छुः	प्र०
	आनर्च्छिथ	आनर्च्छथुः	आनर्च्छ	म०
	आनर्च्छ	आनर्च्छिव	आनर्च्छिम	उ०
(लुट्)	ऋच्छिता	ऋच्छितारौ	ऋच्छितारः	प्र०
	ऋच्छितासि	ऋच्छितास्थः	ऋच्छितास्थ	म०
	ऋच्छितास्मि	ऋच्छितास्वः	ऋच्छितास्मः	उ०
(लृट्)	ऋच्छिष्यति	ऋच्छिष्यतः	ऋच्छिष्यन्ति	प्र०
	ऋच्छिष्यसि	ऋच्छिष्यथः	ऋच्छिष्यथ	म०
	ऋच्छिष्यामि	ऋच्छिष्यावः	ऋच्छिष्यामः	उ०
(लोट्)	ऋच्छतु, तात्	ऋच्छताम्	ऋच्छन्तु	प्र०
	ऋच्छ, तात्	ऋच्छतम्	ऋच्छत	म०
	ऋच्छानि	ऋच्छाव	ऋच्छाम	उ०
(लङ्)	आर्च्छत्	आर्च्छताम्	आर्च्छन्	प्र०
	आर्च्छः	आर्च्छतम्	आर्च्छत	म०
	आर्च्छम्	आर्च्छाव	आर्च्छाम	उ०
(वि. लि.)	ऋच्छेत्	ऋच्छेताम्	ऋच्छेयुः	प्र०
	ऋच्छेः	ऋच्छेतम्	ऋच्छेत	म०
	ऋच्छेयम्	ऋच्छेव	ऋच्छेम	उ०

(आ. लि.)	ऋच्छ्यात्	ऋच्छ्यास्ताम्	ऋच्छ्यासुः	प्र०
	ऋच्छ्याः	ऋच्छ्यास्तम्	ऋच्छ्यास्त	म०
	ऋच्छ्यासम्	ऋच्छ्यास्व	ऋच्छ्यास्म	उ०
(लुङ्)	आर्च्छीत्	आर्च्छिष्टाम्	आर्च्छिषुः	प्र०
	आर्च्छीः	आर्च्छिष्टम्	आर्च्छिष्ट	म०
	आर्च्छिषम्	आर्च्छिष्व	आर्च्छिष्म	उ०
(लृङ्)	आर्च्छिष्यत्	आर्च्छिष्यताम्	आर्च्छिष्यन्	प्र०
	आर्च्छिष्यः	आर्च्छिष्यतम्	आर्च्छिष्यत	म०
	आर्च्छिष्यम्	आर्च्छिष्याव	आर्च्छिष्याम	उ०

(५) कुट = कुटिलता करना (परस्मैपदी)

(लट्)	कुटति	कुटतः	कुटन्ति	प्र०
	कुटसि	कुटथः	कुटथ	म०
	कुटामि	कुटावः	कुटामः	उ०
(लिट्)	चुकोट	चुकुटतुः	चुकुटुः	प्र०
	चुकुटिथ	चुकुटथुः	चुकुट	म०
	चुकोट, चुकुट	चुकुटिव	चुकुटिम	उ०
(लुट्)	कुटिता	कुटितारौ	कुटितारः	प्र०
	कुटितासि	कुटितास्थः	कुटितास्थ	म०
	कुटितास्मि	कुटितास्वः	कुटितास्मः	उ०
(लृट्)	कुटिष्यति	कुटिष्यतः	कुटिष्यन्ति	प्र०
	कुटिष्यसि	कुटिष्यथः	कुटिष्यथ	म०
	कुटिष्यामि	कुटिष्यावः	कुटिष्यामः	उ०

(लोट्)	कुटतु, तात्	कुटताम्	कुटन्तु	प्र०
	कुट, तात्	कुटतम्	कुटत	म०
	कुटानि	कुटाव	कुटाम	उ०
(लङ्)	अकुटत्	अकुटताम्	अकुटन्	प्र०
	अकुटः	अकुटतम्	अकुटत	म०
	अकुटम्	अकुटाव	अकुटाम	उ०
(वि. लि.)	कुटेत्	कुटेताम्	कुटेयुः	प्र०
	कुटेः	कुटेतम्	कुटेत	म०
	कुटेयम्	कुटेव	कुटेम	उ०
(आ. लि.)	कुट्यात्	कुट्यास्ताम्	कुट्यासुः	प्र०
	कुट्याः	कुट्यास्तम्	कुट्यास्त	म०
	कुट्यासम्	कुट्यास्व	कुट्यास्म	उ०
(लुङ्)	अकुटीत्	अकुटिष्टाम्	अकुटिषुः	प्र०
	अकुटीः	अकुटिष्टम्	अकुटिष्ट	म०
	अकुटिषम्	अकुटिष्व	अकुटिष्म	उ०
(लृङ्)	अकुटिष्यत्	अकुटिष्यताम्	अकुटिष्यन्	प्र०
	अकुटिष्यः	अकुटिष्यतम्	अकुटिष्यत	म०
	अकुटिष्यम्	अकुटिष्याव	अकुटिष्याम	उ०

सूचना–इसी प्रकार पुट=चिपकाना, स्फुट=विकसित होना, स्फुर तथा स्फुट = चलना – ये चार धातुएँ 'कुट' की चलेंगी ।

(६) कृत् = काटना (परस्मैपदी)

(लट्)	कृन्तति	कृन्ततः	कृन्तन्ति	प्र०
	कृन्तसि	कृन्तथः	कृन्तथ	म०
	कृन्तामि	कृन्तावः	कृन्तामः	उ०
(लिट्)	चकर्त	चकृततुः	चकृतुः	प्र०
	चकर्तिथ	चकृतथुः	चकृत	म०
	चकर्त	चकृतिव	चकृतिम	उ०
(लुट्)	कर्तिता	कर्तितारौ	कर्तितारः	प्र०
	कर्तितासि	कर्तितास्थः	कर्तितास्थ	म०
	कर्तितास्मि	कर्तितास्वः	कर्तितास्मः	उ०
(लृट्)	कर्तिष्यति	कर्तिष्यतः	कर्तिष्यन्ति	प्र०
	कर्तिष्यसि	कर्तिष्यथः	कर्तिष्यथ	म०
	कर्तिष्यामि	कर्तिष्यावः	कर्तिष्यामः	उ०
		अथवा		
	कर्त्स्यति	कर्त्स्यतः	कर्त्स्यन्ति	प्र०
	कर्त्स्यसि	कर्त्स्यथः	कर्त्स्यथ	म०
	कर्त्स्यामि	कर्त्स्यावः	कर्त्स्यामः	उ०
(लोट्)	कृन्ततु, तात्	कृन्तताम्	कृन्तन्तु	प्र०
	कृन्त, तात्	कृन्ततम्	कृन्तत	म०
	कृन्तानि	कृन्ताव	कृन्ताम	उ०
(लङ्)	अकृन्तत्	अकृन्तताम्	अकृन्तन्	प्र०
	अकृन्तः	अकृन्ततम्	अकृन्तत	म०
	अकृन्तम्	अकृन्ताव	अकृन्ताम	उ०

(वि.लि.)	कृन्तेत्	कृन्तेताम्	कृन्तेयुः	प्र०
	कृन्तेः	कृन्तेतम्	कृन्तेत	म०
	कृन्तेयम्	कृन्तेव	कृन्तेम	उ०
(आ.लि.)	कृत्यात्	कृत्यास्ताम्	कृत्यासुः	प्र०
	कृत्याः	कृत्यास्तम्	कृत्यास्त	म०
	कृत्यासम्	कृत्यास्व	कृत्यास्म	उ०
(लुङ्)	अकर्तीत्	अकर्तिष्टाम्	अकर्तिषुः	प्र०
	अकर्तीः	अकर्तिष्टम्	अकर्तिष्ट	म०
	अकर्तिषम्	अकर्तिष्व	अकर्तिष्म	उ०
(लृङ्)	अकर्तिष्यत्	अकर्तिष्यताम्	अकर्तिष्यन्	प्र०
	अकर्तिष्यः	अकर्तिष्यतम्	अकर्तिष्यत	म०
	अकर्तिष्यम्	अकर्तिष्याव	अकर्तिष्याम	उ०
		अथवा		
	अकर्त्स्यत्	अकर्त्स्यताम्	अकर्त्स्यन्	प्र०
	अकर्त्स्यः	अकर्त्स्यतम्	अकर्त्स्यत	म०
	अकर्त्स्यम्	अकर्त्स्याव	अकर्त्स्याम	उ०

(७) कृष = जोतना (परस्मैपदी)

(लट्)	कृषति	कृषतः	कृषन्ति	प्र०
	कृषसि	कृषथः	कृषथ	म०
	कृषामि	कृषावः	कृषामः	उ०
(लिट्)	चकर्ष	चकृषतुः	चकृषुः	प्र०
	चकर्षिथ	चकृषथुः	चकृष	म०
	चकर्ष	चकृषिव	चकृषिम	उ०

(लुट्)	क्रष्टा	क्रष्टारौ	क्रष्टारः	प्र०
	क्रष्टासि	क्रष्टास्थः	क्रष्टास्थ	म०
	क्रष्टास्मि	क्रष्टास्वः	क्रष्टास्मः	उ०
		अथवा		
	कर्ष्टा	कर्ष्टारौ	कर्ष्टारः	प्र०
	कर्ष्टासि	कर्ष्टास्थः	कर्ष्टास्थ	म०
	कर्ष्टास्मि	कर्ष्टास्वः	कर्ष्टास्मः	उ०
(लृट्)	क्रक्ष्यति	क्रक्ष्यतः	क्रक्ष्यन्ति	प्र०
	क्रक्ष्यसि	क्रक्ष्यथः	क्रस्यथ	म०
	क्रक्ष्यामि	क्रक्ष्यावः	क्रक्ष्यामः	उ०
		अथवा		
	कर्क्ष्यति	कर्क्ष्यतः	कर्क्ष्यन्ति	प्र०
	कर्क्ष्यसि	कर्क्ष्यथः	कर्क्ष्यथ	म०
	कर्क्ष्यामि	कर्क्ष्यावः	कर्क्ष्यामः	उ०
(लोट्)	कृषतु, तात्	कृषताम्	कृषन्तु	प्र०
	कृष, तात्	कृषतम्	कृषत	म०
	कृषाणि	कृषाव	कृषाम	उ०
(लङ्)	अकृषत्	अकृषताम्	अकृषन्	प्र०
	अकृषः	अकृषतम्	अकृषत	म०
	अकृषम्	अकृषाव	अकृषाम	उ०
(वि.लि.)	कृषेत्	कृषेताम्	कृषेयुः	प्र०
	कृषेः	कृषेतम्	कृषेत	म०
	कृषेयम्	कृषेव	कृषेम	उ०

(आ.लि.)	कृष्यात्	कृष्यास्ताम्	कृष्यासुः	प्र०
	कृष्याः	कृष्यास्तम्	कृष्यास्त	म०
	कृष्यासम्	कृष्यास्व	कृष्यास्म	उ०
(लुङ्)	अक्राक्षीत्	अक्राष्टाम्	अक्राक्षुः	प्र०
	अक्राक्षीः	अक्राष्टम्	अक्राष्ट	म०
	अक्राक्षम्	अक्राक्ष्व	अक्राक्ष्म	उ०
(आ.लि.)	अकार्क्षीत्	अकार्ष्टाम्	अकार्क्षुः	प्र०
	अकार्क्षीः	अकार्ष्टम्	अकार्ष्ट	म०
	अकार्क्षम्	अकार्क्ष्व	अकार्क्ष्म	उ०
		अथवा		
	अकृक्षत्	अकृक्षताम्	अकृक्षन्	प्र०
	अकृक्षः	अकृक्षतम्	अकृक्षत	म०
	अकृक्षम्	अकृक्षाव	अकृक्षाम	उ०
(लृङ्)	अक्रक्ष्यत्	अक्रक्ष्यताम्	अक्रक्ष्यन्	प्र०
	अक्रक्ष्यः	अक्रक्ष्यतम्	अक्रक्ष्यत	म०
	अक्रक्ष्यम्	अक्रक्ष्याव	अक्रक्ष्याम	उ०
		अथवा		
	अकर्क्ष्यत्	अकर्क्ष्यताम्	अकर्क्ष्यन्	प्र०
	अकर्क्ष्यः	अकर्क्ष्यतम्	अकर्क्ष्यत	म०
	अकर्क्ष्यम्	अकर्क्ष्याव	अकर्क्ष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	कृषते	कृषेते	कृषन्ते	प्र०
	कृषसे	कृषेथे	कृषध्वे	म०
	कृषे	कृषावहे	कृषामहे	उ०
(लिट्)	चकृषे	चकृषाते	चकृषिरे	प्र०
	चकृषिषे	चकृषाथे	चकृषिढ्वे	म०
	चकृषे	चकृषिवहे	चकृषिमहे	उ०
(लुट्)	क्रष्टा	क्रष्टारौ	क्रष्टारः	प्र०
	क्रष्टासे	क्रष्टासाथे	क्रष्टाध्वे	म०
	क्रष्टाहे	क्रष्टास्वहे	क्रष्टास्महे	उ०
		अथवा		
	कर्ष्टा	कर्ष्टारौ	कर्ष्टारः	प्र०
	कर्ष्टासे	कर्ष्टासाथे	कर्ष्टाध्वे	म०
	कर्ष्टाहे	कर्ष्टास्वहे	कर्ष्टास्महे	उ०
(लृट्)	क्रक्ष्यते	क्रक्ष्येते	क्रक्ष्यन्ते	प्र०
	क्रक्ष्यसे	क्रक्ष्येथे	क्रक्ष्यध्वे	म०
	क्रक्ष्ये	क्रक्ष्यावहे	क्रक्ष्यामहे	उ०
		अथवा		
	कर्क्ष्यते	कर्क्ष्येते	कर्क्ष्यन्ते	प्र०
	कर्क्ष्यसे	कर्क्ष्येथे	कर्क्ष्यध्वे	म०
	कर्क्ष्ये	कर्क्ष्यावहे	कर्क्ष्यामहे	उ०

(लोट्)	कृषताम्	कृषेताम्	कृषन्ताम्	प्र०
	कृषस्व	कृषेथाम्	कृषध्वम्	म०
	कृषै	कृषावहै	कृषामहै	उ०
(लङ्)	अकृषत	अकृषेताम्	अकृषन्त	प्र०
	अकृषथाः	अकृषेथाम्	अकृषध्वम्	म०
	अकृषे	अकृषावहि	अकृषामहि	उ०
(वि.लि.)	कृषेत	कृषेयाताम्	कृषेरन्	प्र०
	कृषेथाः	कृषेयाथाम्	कृषेध्वम्	म०
	कृषेय	कृषेवहि	कृषेमहि	उ०
(आ.लि.)	कृक्षीष्ट	कृक्षीयास्ताम्	कृक्षीरन्	प्र०
	कृक्षीष्ठाः	कृक्षीयास्थाम्	कृक्षीध्वम्	म०
	कृक्षीय	कृक्षीवहि	कृक्षीमहि	उ०
(लुङ्)	अकृष्ट	अकृक्षाताम्	अकृक्षत	प्र०
	अकृष्ठाः	अकृक्षाथाम्	अकृढ्वम्	म०
	अकृक्षि	अकृक्ष्वहि	अकृक्ष्महि	उ०

अथवा

	अकृक्षत	अकृक्षाताम्	अकृक्षन्त	प्र०
	अकृक्षथाः	अकृक्षाथाम्	अकृक्षध्वम्	म०
	अकृक्षि	अकृक्षावहि	अकृक्षामहि	उ०
(लृङ्)	अक्रक्ष्यत	अक्रक्ष्येताम्	अक्रक्ष्यन्त	प्र०
	अक्रक्ष्यथाः	अक्रक्ष्येथाम्	अक्रक्ष्यध्वम्	म०
	अक्रक्ष्ये	अक्रक्ष्यावहि	अक्रक्ष्यामहि	उ०

अथवा

	अकर्क्ष्यत	अकर्क्ष्येताम्	अकर्क्ष्यन्त	प्र०
	अकर्क्ष्यथाः	अकर्क्ष्येथाम्	अकर्क्ष्यध्वम्	म०
	अकर्क्ष्ये	अकर्क्ष्यावहि	अकर्क्ष्यामहि	उ०

(८) खिद = दुःखी होना (परस्मैपदी)

(लट्)	खिन्दति	खिन्दतः	खिन्दन्ति	प्र०
	खिन्दसि	खिन्दथः	खिन्दथ	म०
	खिन्दामि	खिन्दावः	खिन्दामः	उ०
(लिट्)	चिखेद	चिखिदतुः	चिखिदुः	प्र०
	चिखेदिथ	चिखिदथुः	चिखिद	म०
	चिखेद	चिखिदिव	चिखिदिम	उ०
(लुट्)	खेत्ता	खेत्तारौ	खेत्तारः	प्र०
	खेत्तासि	खेत्तास्थः	खेत्तास्थ	म०
	खेत्तास्मि	खेत्तास्वः	खेत्तास्मः	उ०
(लृट्)	खेत्स्यति	खेत्स्यतः	खेत्स्यन्ति	प्र०
	खेत्स्यसि	खेत्स्यथः	खेत्स्यथ	म०
	खेत्स्यामि	खेत्स्यावः	खेत्स्यामः	उ०
(लोट्)	खिन्दतु, तात्	खिन्दताम्	खिन्दन्तु	प्र०
	खिन्द, तात्	खिन्दतम्	खिन्दत	म०
	खिन्दानि	खिन्दाव	खिन्दाम	उ०
(लङ्)	अखिन्दत्	अखिन्दताम्	अखिन्दन्	प्र०
	अखिन्दः	अखिन्दतम्	अखिन्दत	म०
	अखिन्दम्	अखिन्दाव	अखिन्दाम	उ०

(वि.लि.)	खिन्देत्	खिन्देताम्	खिन्देयुः	प्र०
	खिन्देः	खिन्देतम्	खिन्देत	म०
	खिन्देयम्	खिन्देव	खिन्देम	उ०
(आ.लि.)	खिद्यात्	खिद्यास्ताम्	खिद्यासुः	प्र०
	खिद्याः	खिद्यास्तम्	खिद्यास्त	म०
	खिद्यासम्	खिद्यास्व	खिद्यास्म	उ०
(लुङ्)	अखैत्सीत्	अखैत्ताम्	अखैत्सुः	प्र०
	अखैत्सीः	अखैत्तम्	अखैत्त	म०
	अखैत्सम्	अखैत्स्व	अखैत्स्म	उ०
(लृङ्)	अखेत्स्यत्	अखेत्स्यताम्	अखेत्स्यन्	प्र०
	अखेत्स्यः	अखेत्स्यतम्	अखेत्स्यत	म०
	अखेत्स्यम्	अखेत्स्याव	अखेत्स्याम	उ०

(९) क्षिप् = फेंकना (परस्मैपदी)

(लट्)	क्षिपति	क्षिपतः	क्षिपन्ति	प्र०
	क्षिपसि	क्षिपथः	क्षिपथ	म०
	क्षिपामि	क्षिपावः	क्षिपामः	उ०
(लिट्)	चिक्षेप	चिक्षिपतुः	चिक्षिपुः	प्र०
	चिक्षेपिथ	चिक्षिपथुः	चिक्षिप	म०
	चिक्षेप	चिक्षिपिव	चिक्षिपिम	उ०
(लुट्)	क्षेप्ता	क्षेप्तारौ	क्षेप्तारः	प्र०
	क्षेप्तासि	क्षेप्तास्थः	क्षेप्तास्थ	म०
	क्षेप्तास्मि	क्षेप्तास्वः	क्षेप्तास्मः	उ०

(लृट्)	क्षेप्स्यति	क्षेप्स्यतः	क्षेप्स्यन्ति	प्र०
	क्षेप्स्यसि	क्षेप्स्यथः	क्षेप्स्यथ	म०
	क्षेप्स्यामि	क्षेप्स्यावः	क्षेप्स्यामः	उ०
(लोट्)	क्षिपतु, तात्	क्षिपताम्	क्षिपन्तु	प्र०
	क्षिप, तात्	क्षिपतम्	क्षिपत	म०
	क्षिपानि	क्षिपाव	क्षिपाम	उ०
(लङ्)	अक्षिपत्	अक्षिपताम्	अक्षिपन्	प्र०
	अक्षिपः	अक्षिपतम्	अक्षिपत	म०
	अक्षिपम्	अक्षिपाव	अक्षिपाम	उ०
(वि.लि.)	क्षिपेत्	क्षिपेताम्	क्षिपेयुः	प्र०
	क्षिपेः	क्षिपेतम्	क्षिपेत	म०
	क्षिपेयम्	क्षिपेव	क्षिपेम	उ०
(आ.लि.)	क्षिप्यात्	क्षिप्यास्ताम्	क्षिप्यासुः	प्र०
	क्षिप्याः	क्षिप्यास्तम्	क्षिप्यास्त	म०
	क्षिप्यासम्	क्षिप्यास्व	क्षिप्यास्म	उ०
(लुङ्)	अक्षैप्सीत्	अक्षैप्ताम्	अक्षैप्सुः	प्र०
	अक्षैप्सीः	अक्षैप्तम्	अक्षैप्त	म०
	अक्षैप्सम्	अक्षैप्स्व	अक्षैप्स्म	उ०
(लृङ्)	अक्षेप्स्यत्	अक्षेप्स्यताम्	अक्षेप्स्यन्	प्र०
	अक्षेप्स्यः	अक्षेप्स्यतम्	अक्षेप्स्यत	म०
	अक्षेप्स्यम्	अक्षेप्स्याव	अक्षेप्स्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	क्षिपते	क्षिपेते	क्षिपन्ते	प्र०
	क्षिपसे	क्षिपेथे	क्षिपध्वे	म०
	क्षिपे	क्षिपावहे	क्षिपामहे	उ०
(लिट्)	चिक्षिपे	चिक्षिपाते	चिक्षिपिरे	प्र०
	चिक्षिपिषे	चिक्षिपाथे	चिक्षिपिध्वे	म०
	चिक्षिपे	चिक्षिपिवहे	चिक्षिपिमहे	उ०
(लुट्)	क्षेप्ता	क्षेप्तारौ	क्षेप्तारः	प्र०
	क्षेप्तासे	क्षेप्तासाथे	क्षेप्ताध्वे	म०
	क्षेप्ताहे	क्षेप्तास्वहे	क्षेप्तास्महे	उ०
(लृट्)	क्षेप्स्यते	क्षेप्स्येते	क्षेप्स्यन्ते	प्र०
	क्षेप्स्यसे	क्षेप्स्येथे	क्षेप्स्यध्वे	म०
	क्षेप्स्ये	क्षेप्स्यावहे	क्षेप्स्यामहे	उ०
(लोट्)	क्षिपताम्	क्षिपेताम्	क्षिपन्ताम्	प्र०
	क्षिपस्व	क्षिपेथाम्	क्षिपध्वम्	म०
	क्षिपेय	क्षिपेवहि	क्षिपेमहि	उ०
'लङ्)	अक्षिपत	अक्षिपेताम्	अक्षिपन्त	प्र०
	अक्षिपथाः	अक्षिपेथाम्	अक्षिपध्वम्	म०
	अक्षिपे	अक्षिपावहि	अक्षिपामहि	उ०
(वि. लि.)	क्षिपेत	क्षिपेयाताम्	क्षिपेरन्	प्र०
	क्षिपेथाः	क्षिपेयाथाम्	क्षिपेध्वम्	म०
	क्षिपेय	क्षिपेवहि	क्षिपेमहि	उ०

(आ. लि.)	क्षिप्सीष्ट	क्षिप्सीयास्ताम्	क्षिप्सीरन्	प्र०
	क्षिप्सीष्ठाः	क्षिप्सीयास्थाम्	क्षिप्सीध्वम्	म०
	क्षिप्सीय	क्षिप्सीवहि	क्षिप्सीमहि	उ०
(लुङ्)	अक्षिप्त	अक्षिप्साताम्	अक्षिप्सत	प्र०
	अक्षिप्थाः	अक्षिप्साथाम्	अक्षिप्ध्वम्	म०
	अक्षिप्सि	अक्षिप्ष्वहि	अक्षिप्ष्महि	उ०
(लृङ्)	अक्षेप्स्यत	अक्षेप्स्येताम्	अक्षेप्स्यन्त	प्र०
	अक्षेप्स्यथाः	अक्षेप्स्येथाम्	अक्षेप्स्यध्वम्	म०
	अक्षेप्स्ये	अक्षेप्स्यावहि	अक्षेप्स्यामहि	उ०

(१०) गॄ = निगलना (परस्मैपदी)

(लट्)	गिरति	गिरतः	गिरन्ति	प्र०
	गिरसि	गिरथः	गिरथ	म०
	गिरामि	गिरावः	गिरामः	उ०

अथवा

	गिलति	गिलतः	गिलन्ति	प्र०
	गिलसि	गिलथः	गिलथ	म०
	गिलामि	गिलावः	गिलामः	उ०
(लिट्)	जगार	जगरतुः	जगरुः	प्र०
	जगरिथ	जगरथुः	जगर	म०
	जगार, जगर	जगरिव	जगरिम	उ०

अथवा

	जगाल	जगलतु:	जगलु:	प्र०
	जगलिथ	जगलथु:	जगल	म०
	जगाल, जगल	जगलिव	जगलिम	उ०
(लुट्)	गरीता	गरीतारौ	गरीतार:	प्र०
	गरीतासि	गरीतास्थ:	गरीतास्थ	म०
	गरीतास्मि	गरीतास्व:	गरीतास्म:	उ०

अथवा

	गरिता	गरितारौ	गरितार:	प्र०
	गरितासि	गरितास्थ:	गरितास्थ	म०
	गरितास्मि	गरितास्व:	गरितास्म:	उ०

अथवा

	गलीता	गलीतारौ	गलीतार:	प्र०
	गलीतासि	गलीतास्थ:	गलीतास्थ	म०
	गलीतास्मि	गलीतास्व:	गलीतास्म:	उ०

अथवा

	गलिता	गलितारौ	गलितार:	प्र०
	गलितासि	गलितास्थ:	गलितास्थ	म०
	गलितास्मि	गलितास्व:	गलितास्म:	उ०
(लृट्)	गरीष्यति	गरीष्यत:	गरीष्यन्ति	प्र०
	गरीष्यसि	गरीष्यथ:	गरीष्यथ	म०
	गरीष्यामि	गरीष्याव:	गरीष्याम:	उ०

अथवा

	गरिष्यति	गरिष्यत:	गरिष्यन्ति	प्र०
	गरिष्यसि	गरिष्यथ:	गरिष्यथ	म०
	गरिष्यामि	गरिष्याव:	गरिष्याम:	उ०

अथवा

	गलीष्यति	गलीष्यत:	गलीष्यन्ति	प्र०
	गलीष्यसि	गलीष्यथ:	गलीष्यथ	म०
	गलीष्यामि	गलीष्याव:	गलीष्याम:	उ०

अथवा

	गलिष्यति	गलिष्यत:	गलिष्यन्ति	प्र०
	गलिष्यसि	गलिष्यथ:	गलिष्यथ	म०
	गलिष्यामि	गलिष्याव:	गलिष्याम:	उ०
(लोट्)	गिरतु, तात्	गिरताम्	गिरन्तु	प्र०
	गिर, तात्	गिरतम्	गिरत	म०
	गिराणि	गिराव	गिराम	उ०

अथवा

	गिलतु, तात्	गिलताम्	गिलन्तु	प्र०
	गिल, तात्	गिलतम्	गिलत	म०
	गिलानि	गिलाव	गिलाम	उ०
(लङ्)	अगिरत्	अगिरताम्	अगिरन्	प्र०
	अगिर:	अगिरतम्	अगिरत	म०
	अगिरम्	अगिराव	अगिराम	उ०

		अथवा		
	अगिलत्	अगिलताम्	अगिलन्	प्र०
	अगिलः	अगिलतम्	अगिलत	म०
	अगिलम्	अगिलाव	अगिलाम	उ०
(वि. लि.)	गिरेत्	गिरेताम्	गिरेयुः	प्र०
	गिरेः	गिरेतम्	गिरेत	म०
	गिरेयम्	गिरेव	गिरेम	उ०
		अथवा		
	गिलेत्	गिलेताम्	गिलेयुः	प्र०
	गिलेः	गिलेतम्	गिलेत	म०
	गिलेयम्	गिलेव	गिलेम	उ०
(आ. लि.)	गीर्यात्	गीर्यास्ताम्	गीर्यासुः	प्र०
	गीर्याः	गीर्यास्तम्	गीर्यास्त	म०
	गीर्यासम्	गीर्यास्व	गीर्यास्म	उ०
(लुङ्)	अगारीत्	अगारिष्टाम्	अगारिषुः	प्र०
	अगारीः	अगारिष्टम्	अगारिष्ट	म०
	अगारिषम्	अगारिष्व	अगारिष्म	उ०
		अथवा		
	अगालीत्	अगालिष्टाम्	अगालिषुः	प्र०
	अगालीः	अगालिष्टम्	अगालिष्ट	म०
	अगालिषम्	अगालिष्व	अगालिष्म	उ०

(लृङ्)	अगरीष्यत्	अगरीष्यताम्	अगरीष्यन्	प्र०
	अगरीष्यः	अगरीष्यतम्	अगरीष्यत	म०
	अगरीष्यम्	अगरीष्याव	अगरीष्याम	उ०
		अथवा		
	अगरिष्यत्	अगरिष्यताम्	अगरिष्यन्	प्र०
	अगरिष्यः	अगरिष्यतम्	अगरिष्यत	म०
	अगरिष्यम्	अगरिष्याव	अगरिष्याम	उ०
		अथवा		
	अगलीष्यत्	अगंलीष्यताम्	अगलीष्यन्	प्र०
	अगलीष्यः	अगलीष्यतम्	अगलीष्यत	म०
	अगलीष्यम्	अगलीष्याव	अगलीष्याम	उ०
		अथवा		
	अगलिष्यत्	अगलिष्यताम्	अगलिष्यन्	प्र०
	अगलिष्यः	अगलिष्यतम्	अगलिष्यत	म०
	अगलिष्यम्	अगलिष्याव	अगलिष्याम	उ०

(११) जुष् = सेवन करना, आनन्दित होना (आत्मनेपदी)

(लट्)	जुषते	जुषेते	जुषन्ते	प्र०
	जुषसे	जुषेथे	जुषध्वे	म०
	जुषे	जुषावहे	जुषामहे	उ०
(लिट्)	जुजुषे	जुजुषाते	जुजुषिरे	प्र०
	जुजुषिषे	जुजुषाथे	जुजुषिध्वे	म०
	जुजुषे	जुजुषिवहे	जुजुषिमहे	उ०

(लुट्)	जुषिता	जुषितारौ	जुषितारः	प्र०
	जुषितासे	जुषितासाथे	जुषिताध्वे	म०
	जुषिताहे	जुषितास्वहे	जुषितास्महे	उ०
(लृट्)	जुषिष्यते	जुषिष्येते	जुषिष्यन्ते	प्र०
	जुषिष्यसे	जुषिष्येथे	जुषिष्यध्वे	म०
	जुषिष्ये	जुषिष्यावहे	जुषिष्यामहे	उ०
(लोट्)	जुषताम्	जुषेताम्	जुषन्ताम्	प्र०
	जुषस्व	जुषेथाम्	जुषध्वम्	म०
	जुषै	जुषावहै	जुषामहै	उ०
(लङ्)	अजुषत	अजुषेताम्	अजुषन्त	प्र०
	अजुषथाः	अजुषेथाम्	अजुषध्वम्	म०
	अजुषे	अजुषावहि	अजुषामहि	उ०
(वि. लि.)	जुषेत	जुषेयाताम्	जुषेरन्	प्र०
	जुषेथाः	जुषेयाथाम्	जुषेध्वम्	म०
	जुषेय	जुषेवहि	जुषेमहि	उ०
(आ. लि.)	जुषिषीष्ट	जुषिषीयास्ताम्	जुषिषीरन्	प्र०
	जुषिषीष्ठाः	जुषिषीयास्थाम्	जुषिषीध्वम्	म०
	जुषिषीय	जुषिषीवहि	जुषिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अजुषिष्ट	अजुषिषाताम्	अजुषिषत	प्र०
	अजुषिष्ठाः	अजुषिषाथाम्	अजुषिढ्वम्	म०
	अजुषि	अजुषिष्वहि	अजुषिष्महि	उ०

(लृङ्)	अजुषिष्यत	अजुषिष्येताम्	अजुषिष्यन्त	प्र०
	अजुषिष्यथाः	अजुषिष्येथाम्	अजुषिष्यध्वम्	म०
	अजुषिष्ये	अजुषिष्यावहि	अजुषिष्यामहि	उ०

(१२) तृप् = तृप्त होना (परस्मैपदी)

(लट्)	तृपति	तृपतः	तृपन्ति	प्र०
	तृपसि	तृपथः	तृपथ	म०
	तृपामि	तृपावः	तृपामः	उ०
(लिट्)	ततर्प	ततृपतुः	ततृपुः	प्र०
	ततर्पिथ	ततृपथुः	ततृप	म०
	ततर्प	ततृपिव	ततृपिम	उ०
(लुट्)	तर्पिता	तर्पितारौ	तर्पितारः	प्र०
	तर्पितासि	तर्पितास्थः	तर्पितास्थ	म०
	तर्पितास्मि	तर्पितास्वः	तर्पितास्मः	उ०
(लृट्)	तर्पिष्यति	तर्पिष्यतः	तर्पिष्यन्ति	प्र०
	तर्पिष्यसि	तर्पिष्यथः	तर्पिष्यथ	म०
	तर्पिष्यामि	तर्पिष्यावः	तर्पिष्यामः	उ०
(लोट्)	तृपतु, तात्	तृपताम्	तृपन्तु	प्र०
	तृप, तात्	तृपतम्	तृपत	म०
	तृपाणि	तृपाव	तृपाम	उ०
(लङ्)	अतृपत्	अतृपताम्	अतृपन्	प्र०
	अतृपः	अतृपतम्	अतृपत	म०
	अतृपम्	अतृपाव	अतृपाम	उ०

(वि.लि.)	तृपेत्	तृपेताम्	तृपेयुः	प्र०
	तृपेः	तृपेतम्	तृपेत	म०
	तृपेयम्	तृपेव	तृपेम	उ०
(आ.लि.)	तृप्यात्	तृप्यास्ताम्	तृप्यासुः	प्र०
	तृप्याः	तृप्यास्तम्	तृप्यास्त	म०
	तृप्यासम्	तृप्यास्व	तृप्यास्म	उ०
(लुङ्)	अतर्पीत्	अतर्पिष्टाम्	अतर्पिषुः	प्र०
	अतर्पीः	अतर्पिष्टम्	अतर्पिष्ट	म०
	अतर्पिषम्	अतर्पिष्व	अतर्पिष्म	उ०
(लृङ्)	अतर्पिष्यत्	अतर्पिष्यताम्	अतर्पिष्यन्	प्र०
	अतर्पिष्यः	अतर्पिष्यतम्	अतर्पिष्यत	म०
	अतर्पिष्यम्	अतर्पिष्याव	अतर्पिष्याम	उ०

(१३) तृम्फ = तृप्त होना (परस्मैपदी)

लट्–तृम्फति। लिट्–ततृम्फ।
लुट्–तृम्फिता। लृट्–तृम्फिष्यति।
लोट्–तृम्फतु–तृम्फतात्। लङ्–अतृम्फत्।
वि.लि.–तृम्फेत्। आ.लि.–तृम्फ्यात्।
लुङ्–अतृम्फीत्। लृङ्–अतृम्फिष्यत्।

(१४) कॄ = बिखेरना (परस्मैपदी)

(लट्)	किरति	किरतः	किरन्ति	प्र०
	किरसि	किरथः	किरथ	म०
	किरामि	किरावः	किरामः	उ०

(लिट्)	चकार	चकरतुः	चकरुः	प्र०
	चकरिथ	चकरथुः	चकर	म०
	चकार, कर	चकरिव	चकरिम	उ०
(लुट्)	करीता	करीतारौ	करीतारः	प्र०
	करीतासि	करीतास्थः	करीतास्थ	म०
	करीतास्मि	करीतास्वः	करीतास्मः	उ०
		अथवा		
	करिता	करितारौ	करितारः	प्र०
	करितासि	करितास्थः	करितास्थ	म०
	करितास्मि	करितास्वः	करितास्मः	उ०
(लृट्)	करीष्यति	करीष्यतः	करीष्यन्ति	प्र०
	करीष्यसि	करीष्यथः	करीष्यथ	म०
	करीष्यामि	करीष्यावः	करीष्यामः	उ०
		अथवा		
	करिष्यति	करिष्यतः	करिष्यन्ति	प्र०
	करिष्यसि	करिष्यथः	करिष्यथ	म०
	करिष्यामि	करिष्यावः	करिष्यामः	उ०
(लोट्)	किरतु, तात्	किरताम्	किरन्तु	प्र०
	किर, तात्	किरतम्	किरत	म०
	किराणि	किराव	किराम	उ०
(लङ्)	अकिरत्	अकिरताम्	अकिरन्	प्र०
	अकिरः	अकिरतम्	अकिरत	म०
	अकिरम्	अकिराव	अकिराम	उ०

(वि. लि.)	किरेत्	किरेताम्	किरेयुः	प्र०
	किरेः	किरेतम्	किरेत	म०
	किरेयम्	किरेव	किरेम	उ०
(आ. लि.)	कीर्यात्	कीर्यास्ताम्	कीर्यासुः	प्र०
	कीर्याः	कीर्यास्तम्	कीर्यास्त	म०
	कीर्यासम्	कीर्यास्व	कीर्यास्म	उ०
(लुङ्)	अकारीत्	अकारिष्टाम्	अकारिषुः	प्र०
	अकारीः	अकारिष्टम्	अकारिष्ट	म०
	अकारिषम्	अकारिष्व	अकारिष्म	उ०
(लृङ्)	अकरीष्यत्	अकरीष्यताम्	अकरीष्यन्	प्र०
	अकरीष्यः	अकरीष्यतम्	अकरीष्यत	म०
	अकरीष्यम्	अकरीष्याव	अकरीष्याम	उ०

अथवा

	अकरिष्यत्	अकरिष्यताम्	अकरिष्यन्	प्र०
	अकरिष्यः	अकरिष्यतम्	अकरिष्यत	म०
	अकरिष्यम्	अकरिष्याव	अकरिष्याम	उ०

(१५) त्रुट् = टूट जाना (परस्मैपदी)

(लट्)	त्रुटति	त्रुटतः	त्रुटन्ति	
(लिट्)	तुत्रोट	तुत्रुटतुः	तुत्रुटुः	प्र०
	तुत्रुटिथ	तुत्रुटथुः	तुत्रुट	म०
	तुत्रोट	तुत्रुटिव	तुत्रुटिम	उ०

(लुट्)	त्रुटिता	त्रुटितारौ	त्रुटितारः
(लृट्)	त्रुटिष्यति	त्रुटिष्यतः	त्रुटिष्यन्ति
(आ. लि.)	त्रुट्यात्	त्रुट्यास्ताम्	त्रुट्यासुः
(लुङ्)	अत्रुटीत्	अत्रुटिष्टाम्	अत्रुटिषुः
(लृङ्)	अत्रुटिष्यत्	अत्रुटिष्यताम्	अत्रुटिष्यन्

(१६) नुद = प्रेरणा देना (परस्मैपदी)

(लट्)	नुदति	नुदतः	नुदन्ति	प्र०
	नुदसि	नुदथः	नुदथ	म०
	नुदामि	नुदावः	नुदामः	उ०
(लिट्)	नुनोद	नुनुदतुः	नुनुदुः	प्र०
	नुनोदिथ	नुनुदथुः	नुनुद	म०
	नुनोद	नुनुदिव	नुनुदिम	उ०
(लुट्)	नोत्ता	नोत्तारौ	नोत्तारः	प्र०
	नोत्तासि	नोत्तास्थः	नोत्तास्थ	म०
	नोत्तास्मि	नोत्तास्वः	नोत्तास्मः	उ०
(लृट्)	नोत्स्यति	नोत्स्यतः	नोत्स्यन्ति	प्र०
	नोत्स्यसि	नोत्स्यथः	नोत्स्यथ	म०
	नोत्स्यामि	नोत्स्यावः	नोत्स्यामः	उ०
(लोट्)	नुदतु, तात्	नुदताम्	नुदन्तु	प्र०
	नुद, तात्	नुदतम्	नुदत	म०
	नुदानि	नुदाव	नुदाम	उ०

(लुङ्)	अनुदत्	अनुदताम्	अनुदन्	प्र०
	अनुदः	अनुदतम्	अनुदत	म०
	अनुदम्	अनुदाव	अनुदाम	उ०
(वि. लि.)	नुदेत्	नुदेताम्	नुदेयुः	प्र०
	नुदेः	नुदेतम्	नुदेत	म०
	नुदेयम्	नुदेव	नुदेम	उ०
(आ. लि.)	नुद्यात्	नुद्यास्ताम्	नुद्यासुः	प्र०
	नुद्याः	नुद्यास्तम्	नुद्यास्त	म०
	नुद्यासम्	नुद्यास्व	नुद्यास्म	उ०
(लुङ्)	अनौत्सीत्	अनौत्ताम्	अनौत्सुः	प्र०
	अनौत्सीः	अनौत्तम्	अनौत्त	म०
	अनौत्सम्	अनौत्स्व	अनौत्स्म	उ०
(लृङ्)	अनोत्स्यत्	अनोत्स्यताम्	अनोत्स्यन्	प्र०
	अनोत्स्यः	अनोत्स्यतम्	अनोत्स्यत	म०
	अनोत्स्यम्	अनोत्स्याव	अनोत्स्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	नुदते	नुदेते	नुदन्ते	प्र०
	नुदसे	नुदेथे	नुदध्वे	म०
	नुदे	नुदावहे	नुदामहे	उ०
(लिट्)	नुनुदे	नुनुदाते	नुनुदिरे	प्र०
	नुनुदिषे	नुनुदाथे	नुनुदिध्वे	म०
	नुनुदे	नुनुदिवहे	नुनुदिमहे	उ०

(लुट्)	नोत्ता	नोत्तारौ	नोत्तारः	प्र०
	नोत्तासे	नोत्तासाथे	नोत्ताध्वे	म०
	नोत्ताहे	नोत्तास्वहे	नोत्तास्महे	उ०
(लृट्)	नोत्स्यते	नोत्स्येते	नोत्स्यन्ते	प्र०
	नोत्स्यसे	नोत्स्येथे	नोत्स्यध्वे	म०
	नोत्स्ये	नोत्स्यावहे	नोत्स्यावहे	उ०
(लोट्)	नुदताम्	नुदेताम्	नुदन्ताम्	प्र०
	नुदस्व	नुदेथाम्	नुदध्वम्	म०
	नुदै	नुदावहै	नुदामहै	उ०
(लङ्)	अनुदत	अनुदेताम्	अनुदन्त	प्र०
	अनुदथाः	अनुदेथाम्	अनुदध्वम्	म०
	अनुदे	अनुदावहि	अनुदामहि	उ०
(वि. लि.)	नुदेत	नुदेयाताम्	नुदेरन्	प्र०
	नुदेथाः	नुदेयाथाम्	नुदेध्वम्	म०
	नुदेय	नुदेवहि	नुदेमहि	उ०
(आ. लि.)	नुत्सीष्ट	नुत्सीयास्ताम्	नुत्सीरन्	प्र०
	नुत्सीष्ठाः	नुत्सीयाथाम्	नुत्सीध्वम्	म०
	नुत्सीय	नुत्सीवहि	नुत्सीमहि	उ०
(लुङ्)	अनुत्त	अनुत्साताम्	अनुत्सत	प्र०
	अनुत्थाः	अनुत्साथाम्	अनुदध्वम्	म०
	अनुत्सि	अनुत्स्वहि	अनुत्स्महि	उ०

(लृङ्)	अनोत्स्यत	अनोत्स्येताम्	अनोत्स्यन्त	प्र०
	अनोत्स्यथाः	अनोत्स्येथाम्	अनोत्स्यध्वम्	म०
	अनोत्स्ये	अनोत्स्यावहि	अनोत्स्यामहि	उ०

(१७) नू = स्तुति करना (परस्मैपदी)

(लट्)	नुवति	नुवतः	नुवन्ति	प्र०
	नुवसि	नुवथः	नुवथ	म०
	नुवामि	नुवावः	नुवामः	उ०
(लिट्)	नुनाव	नुनुवतुः	नुनुवुः	प्र०
	नुनुविथ	नुनुवथुः	नुनुव	म०
	नुनाव, नुनव	नुनुविव	नुनुविम	उ०
(लुट्)	नुविता	नुवितारौ	नुवितारः	प्र०
	नुवितासि	नुवितास्थः	नुवितास्थ	म०
	नुवितास्मि	नुवितास्वः	नुवितास्मः	उ०
(लृट्)	नुविष्यति	नुविष्यतः	नुविष्यन्ति	प्र०
	नुविष्यसि	नुविष्यथः	नुविष्यथ	म०
	नुविष्यामि	नुविष्यावः	नुविष्यामः	उ०
(लोट्)	नुवतु, तात्	नुवताम्	नुवन्तु	प्र०
	नुव, तात्	नुवतम्	नुवत	म०
	नुवानि	नुवाव	नुवाम	उ०
(लङ्)	अनुवत्	अनुवताम्	अनुवन्	प्र०
	अनुवः	अनुवतम्	अनुवत	म०
	अनुवम्	अनुवाव	अनुवाम	उ०

(वि. लि.)	नुवेत्	नुवेताम्	नुवेयुः	प्र०
	नुवेः	नुवेतम्	नुवेत	म०
	नुवेयम्	नुवेव	नुवेम	उ०
(आ. लि.)	नूयात्	नूयास्ताम्	नूयासुः	प्र०
	नूयाः	नूयास्तम्	नूयास्त	म०
	नूयासम्	नूयास्व	नूयास्म	उ०
(लुङ्)	अनुवीत्	अनुविष्टाम्	अनुविषुः	प्र०
	अनुवीः	अनुविष्टम्	अनुविष्ट	म०
	अनुविषम्	अनुविष्व	अनुविष्म	उ०
(लृङ्)	अनुविष्यत्	अनुविष्यताम्	अनुविष्यन्	प्र०
	अनुविष्यः	अनुविष्यतम्	अनुविष्यत	म०
	अनुविष्यम्	अनुविष्याव	अनुविष्याम	उ०

(१८) पिश् = पीसना (परस्मैपदी)

(लट्)	पिंशति	पिंशतः	पिंशन्ति	प्र०
	पिंशसि	पिंशथः	पिंशथ	म०
	पिंशामि	पिंशावः	पिंशामः	उ०
(लिट्)	पिपेश	पिपिशतुः	पिपिशुः	प्र०
	पिपेशिथ	पिपिशथुः	पिपिश	म०
	पिपेश	पिपिशिव	पिपिशिम	उ०
(लुट्)	पेशिता	पेशितारौ	पेशितारः	प्र०
	पेशितासि	पेशितास्थः	पेशितास्थ	म०
	पेशितास्मि	पेशितास्वः	पेशितास्मः	उ०

(लृट्)	पेशिष्यति	पेशिष्यतः	पेशिष्यन्ति	प्र०
	पेशिष्यसि	पेशिष्यथः	पेशिष्यथ	म०
	पेशिष्यामि	पेशिष्यावः	पेशिष्यामः	उ०
(लोट्)	पिंशतु, तात्	पिंशताम्	पिंशन्तु	प्र०
	पिंश , तात्	पिंशतम्	पिंशत	म०
	पिंशानि	पिंशाव	पिंशाम	उ०
(लङ्)	अपिंशत्	अपिंशताम्	अपिंशन्	प्र०
	अपिंशः	अपिंशतम्	अपिंशत	म०
	अपिंशम्	अपिंशाव	अपिंशाम	उ०
(वि. लि.)	पिंशेत्	पिंशेताम्	पिंशेयुः	प्र०
	पिंशेः	पिंशेतम्	पिंशेत	म०
	पिंशेयम्	पिंशेव	पिंशेम	उ०
(आ. लि.)	पिश्यात्	पिश्यास्ताम्	पिश्यासुः	प्र०
	पिश्याः	पिश्यास्तम्	पिश्यास्त	म०
	पिश्यासम्	पिश्यास्व	पिश्यास्म	उ०
(लुङ्)	अपेशीत्	अपेशिष्टाम्	अपेशिषुः	प्र०
	अपेशीः	अपेशिष्टम्	अपेशिष्ट	म०
	अपेशिषम्	अपेशिष्व	अपेशिष्म	उ०
(लृङ्)	अपेशिष्यत्	अपेशिष्यताम्	अपेशिष्यन्	प्र०
	अपेशिष्यः	अपेशिष्यतम्	अपेशिष्यत	म०
	अपेशिष्यम्	अपेशिष्याव	अपेशिष्याम	उ०

(१९) पृङ् = व्यापार में लगना (आत्मनेपदी)

(लट्)	व्याप्रियते	व्याप्रियेते	व्याप्रियन्ते	प्र०
	व्याप्रियसे	व्याप्रियेथे	व्याप्रियध्वे	म०
	व्याप्रिये	व्याप्रियावहे	व्याप्रियामहे	उ०
(लिट्)	व्यापप्रे	व्यापप्राते	व्यापप्रिरे	प्र०
	व्यापपृषे	व्यापप्राथे	व्यापपृढ्वे, ध्वे	म०
	व्यापप्रे	व्यापपृवहे	व्यापपृमहे	उ०
(लुट्)	व्यापर्ता	व्यापर्तारौ	व्यापर्तारः	प्र०
	व्यापर्तासे	व्यापर्तासाथे	व्यापर्ताध्वे	म०
	व्यापर्ताहे	व्यापर्तास्वहे	व्यापर्तास्महे	उ०
(लृट्)	व्यापरिष्यते	व्यापरिष्येते	व्यापरिष्यन्ते	प्र०
	व्यापरिष्यसे	व्यापरिष्येथे	व्यापरिष्यध्वे	म०
	व्यापरिष्ये	व्यापरिष्यावहे	व्यापरिष्यामहे	उ०
(लोट्)	व्याप्रियताम्	व्याप्रियेताम्	व्याप्रियन्ताम्	प्र०
	व्याप्रियस्व	व्याप्रियेथाम्	व्याप्रियध्वम्	म०
	व्याप्रियै	व्याप्रियावहै	व्याप्रियामहै	उ०
(लङ्)	व्याप्रियत	व्याप्रियेताम्	व्याप्रियन्त	प्र०
	व्याप्रियथाः	व्याप्रियेथाम्	व्याप्रियध्वम्	म०
	व्याप्रिये	व्याप्रियावहि	व्याप्रियामहि	उ०
(वि. लि.)	व्याप्रियेत	व्याप्रियेताम्	व्याप्रियेरन्	प्र०
	व्याप्रियेथाः	व्यांप्रियेथाम्	व्याप्रियेध्वम्	म०
	व्याप्रियेय	व्याप्रियेवहि	व्याप्रियेमहि	उ०

(आ. लि.)	व्यापृषीष्ट	व्यापृषीयास्ताम्	व्यापृषीरन्	प्र०
	व्यापृषीष्ठाः	व्यापृषीयास्थाम्	व्यापृषीढ्वम्	म०
	व्यापृषीय	व्यापृषीवहि	व्यापृषीमहि	उ०
(लुङ्)	व्यापृत	व्यापृषाताम्	व्यापृषत	प्र०
	व्यापृथाः	व्यापृषाथाम्	व्यापृढ्वम्	म०
	व्यापृषि	व्यापृष्वहि	व्यापृष्महि	उ०
(लृङ्)	व्यापरिष्यत	व्यापरिष्येताम्	व्यापरिष्यन्त	प्र०
	व्यापरिष्यथाः	व्यापरिष्येथाम्	व्यापरिष्यध्वम्	म०
	व्यापरिष्ये	व्यापरिष्यावहि	व्यापरिष्यामहि	उ०

(२०) प्रच्छ = पूछना (परस्मैपदी)

(लट्)	पृच्छति	पृच्छतः	पृच्छन्ति	प्र०
	पृच्छसि	पृच्छथः	पृच्छथ	म०
	पृच्छामि	पृच्छावः	पृच्छामः	उ०
(लिट्)	पप्रच्छ	पप्रच्छतुः	पप्रच्छुः	प्र०
	पप्रच्छिथ, पप्रष्ठ	पप्रच्छथुः	पप्रच्छ	म०
	पप्रच्छ	पप्रच्छिव	पप्रच्छिम	उ०
(लुट्)	प्रष्टा	प्रष्टारौ	प्रष्टारः	प्र०
	प्रष्टासि	प्रष्टास्थः	प्रष्टास्थ	म०
	प्रष्टास्मि	प्रष्टास्वः	प्रष्टास्मः	उ०
(लृट्)	प्रक्ष्यति	प्रक्ष्यतः	प्रक्ष्यन्ति	प्र०
	प्रक्ष्यसि	प्रक्ष्यथः	प्रक्ष्यथ	म०
	प्रक्ष्यामि	प्रक्ष्यावः	प्रक्ष्यामः	उ०

(लोट्)	पृच्छतु, तात्	पृच्छताम्	पृच्छन्तु	प्र०
	पृच्छ, तात्	पृच्छतम्	पृच्छत	म०
	पृच्छानि	पृच्छाव	पृच्छाम	उ०
(लङ्)	अपृच्छत्	अपृच्छताम्	अपृच्छन्	प्र०
	अपृच्छः	अपृच्छतम्	अपृच्छत	म०
	अपृच्छम्	अपृच्छाव	अपृच्छाम	उ०
(वि. लि.)	पृच्छेत्	पृच्छेताम्	पृच्छेयुः	प्र०
	पृच्छेः	पृच्छेतम्	पृच्छेत	म०
	पृच्छेयम्	पृच्छेव	पृच्छेम	उ०
(आ. लि.)	पृच्छ्यात्	पृच्छ्यास्ताम्	पृच्छ्यासुः	प्र०
	पृच्छ्याः	पृच्छ्यास्तम्	पृच्छ्यास्त	म०
	पृच्छ्यासम्	पृच्छ्यास्व	पृच्छ्यास्म	उ०
(लुङ्)	अप्राक्षीत्	अप्राष्टाम्	अप्राक्षुः	प्र०
	अप्राक्षीः	अप्राष्टम्	अप्राष्ट	म०
	अप्राक्षम्	अप्राक्ष्व	अप्राक्ष्म	उ०
(लृङ्)	अप्रक्ष्यत्	अप्रक्ष्यताम्	अप्रक्ष्यन्	प्र०
	अप्रक्ष्यः	अप्रक्ष्यतम्	अप्रक्ष्यत	म०
	अप्रक्ष्यम्	अप्रक्ष्याव	अप्रक्ष्याम	उ०

(२१) भ्रस्ज = भूनना (परस्मैपदी)

(लट्)	भृज्जति	भृज्जतः	भृज्जन्ति	प्र०
	भृज्जसि	भृज्जथः	भृज्जथ	म०
	भृज्जामि	भृज्जावः	भृज्जामः	उ०

(लिट्)	बभर्ज	बभर्जतुः	बभर्जुः	प्र०
	बभर्जिथ, बभर्ष्ठ	बभर्जथुः	बभर्ज	म०
	बभर्ज	बभर्जिव	बभर्जिम	उ०
		अथवा		
	बभ्रज्ज	बभ्रज्जतुः	बभ्रज्जुः	प्र०
	बभ्रजिथ, बभ्रष्ठ	बभ्रज्जथुः	बभ्रज्ज	म०
	बभ्रज्ज	बभ्रज्जिव	बभ्रज्जिम	उ०
(लुट्)	भर्ष्टा	भर्ष्टारौ	भर्ष्टारः	प्र०
	भर्ष्टासि	भर्ष्टास्थः	भर्ष्टास्थ	म०
	भर्ष्टास्मि	भर्ष्टास्वः	भर्ष्टास्मः	उ०
		अथवा		
	भ्रष्टा	भ्रष्टारौ	भ्रष्टारः	प्र०
	भ्रष्टासि	भ्रष्टास्थः	भ्रष्टास्थ	म०
	भ्रष्टास्मि	भ्रष्टास्वः	भ्रष्टास्मः	उ०
(लृट्)	भर्क्ष्यति	भर्क्ष्यतः	भर्क्ष्यन्ति	प्र०
	भर्क्ष्यसि	भर्क्ष्यथः	भर्क्ष्यथ	म०
	भर्क्ष्यामि	भर्क्ष्यावः	भर्क्ष्यामः	उ०
		अथवा		
	भ्रक्ष्यति	भ्रक्ष्यतः	भ्रक्ष्यन्ति	प्र०
	भ्रक्ष्यसि	भ्रक्ष्यथः	भ्रक्ष्यथ	म०
	भ्रक्ष्यामि	भ्रक्ष्यावः	भ्रक्ष्यामः	उ०

(लोट्)	भृज्जतु, तात्	भृज्जताम्	भृज्जन्तु	प्र०
	भृज्ज, तात्	भृज्जतम्	भृज्जत	म०
	भृज्जानि	भृज्जाव	भृज्जाम	उ०
(लङ्)	अभृज्जत्	अभृज्जताम्	अभृज्जन्	प्र०
	अभृज्जः	अभृज्जतम्	अभृज्जत	म०
	अभृज्जम्	अभृज्जाव	अभृज्जाम	उ०
(वि. लि.)	भृज्जेत्	भृज्जेताम्	भृज्जेयुः	प्र०
	भृज्जेः	भृज्जेतम्	भृज्जेत	म०
	भृज्जेयम्	भृज्जेव	भृज्जेम	उ०
(आ. लि.)	भृज्ज्यात्	भृज्ज्यास्ताम्	भृज्ज्यासुः	प्र०
	भृज्ज्याः	भृज्ज्यास्तम्	भृज्ज्यास्त	म०
	भृज्ज्यासम्	भृज्ज्यास्व	भृज्ज्यास्म	उ०
(लुङ्)	अभार्क्षीत्	अभार्ष्टाम्	अभार्क्षुः	प्र०
	अभार्क्षीः	अभार्ष्टम्	अभार्ष्ट	म०
	अभार्क्षम्	अभार्क्ष्व	अभार्क्ष्म	उ०
		अथवा		
	अभ्राक्षीत्	अभ्राष्टाम्	अभ्राक्षुः	प्र०
	अभ्राक्षीः	अभ्राष्टम्	अभ्राष्ट	म०
	अभ्राक्षम्	अभ्राक्ष्व	अभ्राक्ष्म	उ०
(लृङ्)	अभर्क्ष्यत्	अभर्क्ष्यताम्	अभर्क्ष्यन्	प्र०
	अभर्क्ष्यः	अभर्क्ष्यतम्	अभर्क्ष्यत	म०
	अभर्क्ष्यम्	अभर्क्ष्याव	अभर्क्ष्याम	उ०

अथवा

	अभ्रक्ष्यत्	अभ्रक्ष्यताम्	अभ्रक्ष्यन्	प्र०
	अभ्रक्ष्यः	अभ्रक्ष्यतम्	अभ्रक्ष्यत	म०
	अभ्रक्ष्यम्	अभ्रक्ष्याव	अभ्रक्ष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	भृज्जते	भृज्जेते	भृज्जन्ते	प्र०
	भृज्जसे	भृज्जेथे	भृज्जध्वे	म०
	भृज्जे	भृज्जावहे	भृज्जामहे	उ०
(लिट्)	बभर्जे	बभर्जाते	बभर्जिरे	प्र०
	बभर्जिषे	बभर्जाथे	बभर्जिध्वे	म०
	बभर्जे	बभर्जिवहे	बभर्जिमहे	उ०

अथवा

	बभ्रज्जे	बभ्रज्जाते	बभ्रज्जिरे	प्र०
	बभ्रज्जिषे	बभ्रज्जाथे	बभ्रज्जिध्वे	म०
	बभ्रज्जे	बभ्रज्जिवहे	बभ्रज्जिमहे	उ०
(लुट्)	भर्ष्टा	भर्ष्टारौ	भर्ष्टारः	प्र०
	भर्ष्टासे	भर्ष्टासाथे	भर्ष्टाध्वे	म०
	भर्ष्टाहे	भर्ष्टास्वहे	भर्ष्टास्महे	उ०

अथवा

	भ्रष्टा	भ्रष्टारौ	भ्रष्टारः	प्र०
	भ्रष्टासे	भ्रष्टासाथे	भ्रष्टाध्वे	म०
	भ्रष्टाहे	भ्रष्टास्वहे	भ्रष्टास्महे	उ०

(लृट्)	भर्क्ष्यते	भर्क्ष्येते	भर्क्ष्यन्ते	प्र०
	भर्क्ष्यसे	भर्क्ष्येथे	भर्क्ष्यध्वे	म०
	भर्क्ष्ये	भर्क्ष्यावहे	भर्क्ष्यामहे	उ०

अथवा

	भ्रक्ष्यते	भ्रक्ष्येते	भ्रक्ष्यन्ते	प्र०
	भ्रक्ष्यसे	भ्रक्ष्येथे	भ्रक्ष्यध्वे	म०
	भ्रक्ष्ये	भ्रक्ष्यावहे	भ्रक्ष्यामहे	उ०
(लोट्)	भृज्जताम्	भृज्जेताम्	भृज्जन्ताम्	प्र०
	भृज्जस्व	भृज्जेथाम्	भृज्जध्वम्	म०
	भृज्जै	भृज्जावहै	भृज्जामहै	उ०
(लङ्)	अभृज्जत	अभृज्जेताम्	अभृज्जन्त	प्र०
	अभृज्जथाः	अभृज्जेथाम्	अभृज्जध्वम्	म०
	अभृज्जे	अभृज्जावहि	अभृज्जामहि	उ०
(वि. लि.)	भृज्जेत	भृज्जेयाताम्	भृज्जेरन्	प्र०
	भृज्जेथाः	भृज्जेयाथाम्	भृज्जेध्वम्	म०
	भृज्जेय	भृज्जेवहि	भृज्जेमहि	उ०
(आ. लि.)	भर्क्षीष्ट	भर्क्षीयास्ताम्	भर्क्षीरन्	प्र०
	भर्क्षीष्ठाः	भर्क्षीयास्थाम्	भर्क्षीध्वम्	म०
	भर्क्षीय	भर्क्षीवहि	भर्क्षीमहि	उ०

अथवा

	भ्रक्षीष्ट	भ्रक्षीयास्ताम्	भ्रक्षीरन्	प्र०
	भ्रक्षीष्ठाः	भ्रक्षीयास्थाम्	भ्रक्षीध्वम्	म०
	भ्रक्षीय	भ्रक्षीवहि	भ्रक्षीमहि	उ०

(लुङ्)	अभर्ष्ट	अभर्क्षाताम्	अभर्क्षत	प्र०
	अभर्ष्ठाः	अभर्क्षाथाम्	अभर्ढ्वम्	म०
	अभर्क्षि	अभर्क्ष्वहि	अभर्क्ष्महि	उ०
		अथवा		
	अभ्रष्ट	अभ्रक्षाताम्	अभ्रक्षत	प्र०
	अभ्रष्ठाः	अभ्रक्षाथाम्	अभ्रढ्वम्	म०
	अभ्रक्षि	अभ्रक्ष्वहि	अभ्रक्ष्महि	उ०
(लृङ्)	अभर्क्ष्यत	अभर्क्ष्येताम्	अभर्क्ष्यन्त	प्र०
	अभर्क्ष्यथाः	अभर्क्ष्येथाम्	अभर्क्ष्यध्वम्	म०
	अभर्क्ष्ये	अभर्क्ष्यावहि	अभर्क्ष्यामहि	उ०
		अथवा		
	अभ्रक्ष्यत	अभ्रक्ष्येताम्	अभ्रक्ष्यन्त	प्र०
	अभ्रक्ष्यथाः	अभ्रक्ष्येथाम्	अभ्रक्ष्यध्वम्	म०
	अभ्रक्ष्ये	अभ्रक्ष्यावहि	अभ्रक्ष्यामहि	उ०

(२२) मस्ज् = नहाना, माँजना (परस्मैपदी)

(लट्)	मज्जति	मज्जतः	मज्जन्ति	प्र०
	मज्जसि	मज्जथः	मज्जथ	म०
	मज्जामि	मज्जावः	मज्जामः	उ०
(लिट्)	ममज्ज	ममज्जतुः	ममज्जुः	प्र०
	ममज्जिथ, ङ्क्थ	ममज्जथुः	ममज्ज	म०
	ममज्ज	ममज्जिव	ममज्जिम	उ०

(लुट्)	मङ्क्ता	मङ्क्तारौ	मङ्क्तारः	प्र०
	मङ्क्तासि	मङ्क्तास्थः	मङ्क्तास्थ	म०
	मङ्क्तास्मि	मङ्क्तास्वः	मङ्क्तास्मः	उ०
(लृट्)	मङ्क्ष्यति	मङ्क्ष्यतः	मङ्क्ष्यन्ति	प्र०
	मङ्क्ष्यसि	मङ्क्ष्यथः	मङ्क्ष्यथ	म०
	मङ्क्ष्यामि	मङ्क्ष्यावः	मङ्क्ष्यामः	उ०
(लोट्)	मज्जतु, तात्	मज्जताम्	मज्जन्तु	प्र०
	मज्ज, तात्	मज्जतम्	मज्जत	म०
	मज्जानि	मज्जाव	मज्जाम	उ०
(लङ्)	अमज्जत्	अमज्जताम्	अमज्जन्	प्र०
	अमज्जः	अमज्जतम्	अमज्जत	म०
	अमज्जम्	अमज्जाव	अमज्जाम	उ०
(वि. लि.)	मज्जेत्	मज्जेताम्	मज्जेयुः	प्र०
	मज्जेः	मज्जेतम्	मज्जेत	म०
	मज्जेयम्	मज्जेव	मज्जेम	उ०
(आ. लि.)	मज्ज्यात्	मज्ज्यास्ताम्	मज्ज्यासुः	प्र०
	मज्ज्याः	मज्ज्यास्तम्	मज्ज्यास्त	म०
	मज्ज्यासम्	मज्ज्यास्व	मज्ज्यास्म	उ०
(लुङ्)	अमाङ्क्षीत्	अमाङ्क्ताम्	अमाङ्क्षुः	प्र०
	अमाङ्क्षीः	अमाङ्क्तम्	अमाङ्क्त	म०
	अमाङ्क्षम्	अमाङ्क्ष्व	अमाङ्क्ष्म	उ०

(लृङ्)	अमङ्क्ष्यत्	अमङ्क्ष्यताम्	अमङ्क्ष्यन्	प्र०
	अमङ्क्ष्यः	अमङ्क्ष्यतम्	अमङ्क्ष्यत	म०
	अमङ्क्ष्यम्	अमङ्क्ष्याव	अमङ्क्ष्याम	उ०

(२३) मिल = मिलना (परस्मैपदी)

(लट्)	मिलति	मिलतः	मिलन्ति	प्र०
	मिलसि	मिलथः	मिलथ	म०
	मिलामि	मिलावः	मिलामः	उ०
(लिट्)	मिमेल	मिमिलतुः	मिमिलुः	प्र०
	मिमेलिथ	मिमिलथुः	मिमिल	म०
	मिमेल	मिमिलिव	मिमिलिम	उ०
(लुट्)	मेलिता	मेलितारौ	मेलितारः	प्र०
	मेलितासि	मेलितास्थः	मेलितास्थ	म०
	मेलितास्मि	मेलितास्वः	मेलितास्मः	उ०
(लृट्)	मेलिष्यति	मेलिष्यतः	मेलिष्यन्ति	प्र०
	मेलिष्यसि	मेलिष्यथः	मेलिष्यथ	म०
	मेलिष्यामि	मेलिष्यावः	मेलिष्यामः	उ०
(लोट्)	मिलतु, तात्	मिलताम्	मिलन्तु	प्र०
	मिल, तात्	मिलतम्	मिलत	म०
	मिलानि	मिलाव	मिलाम	उ०
(लङ्)	अमिलत्	अमिलताम्	अमिलन्	प्र०
	अमिलः	अमिलतम्	अमिलत	म०
	अमिलम्	अमिलाव	अमिलाम	उ०

(वि. लि.)	मिलेत्	मिलेताम्	मिलेयुः	प्र०
	मिलेः	मिलेतम्	मिलेत	म०
	मिलेयम्	मिलेव	मिलेम	उ०
(आ. लि.)	मिल्यात्	मिल्यास्ताम्	मिल्यासुः	प्र०
	मिल्याः	मिल्यास्तम्	मिल्यास्त	म०
	मिल्यासम्	मिल्यास्व	मिल्यास्म	उ०
(लुङ्)	अमेलीत्	अमेलिष्टाम्	अमेलिषुः	प्र०
	अमेलीः	अमेलिष्टम्	अमेलिष्ट	म०
	अमेलिषम्	अमेलिष्व	अमेलिष्म	उ०
(लृङ्)	अमेलिष्यत्	अमेलिष्यताम्	अमेलिष्यन्	प्र०
	अमेलिष्यः	अमेलिष्यतम्	अमेलिष्यत	म०
	अमेलिष्यम्	अमेलिष्याव	अमेलिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	मिलते	मिलेते	मिलन्ते	प्र०
	मिलसे	मिलेथे	मिलध्वे	म०
	मिले	मिलावहे	मिलामहे	उ०
(लिट्)	मिमिले	मिमिलाते	मिमिलिरे	प्र०
	मिमिलिषे	मिमिलाथे	मिमिलिढ्वे, ध्वे	म०
	मिमिले	मिमिलिवहे	मिमिलिमहे	उ०
(लुट्)	मेलिता	मेलितारौ	मेलितारः	प्र०
	मेलितासे	मेलितासाथे	मेलिताध्वे	म०
	मेलिताहे	मेलितास्वहे	मेलितास्महे	उ०

(लृट्)	मेलिष्यते	मेलिष्येते	मेलिष्यन्ते	प्र०
	मेलिष्यसे	मेलिष्येथे	मेलिष्यध्वे	म०
	मेलिष्ये	मेलिष्यावहे	मेलिष्यामहे	उ०
(लोट्)	मिलताम्	मिलेताम्	मिलन्ताम्	प्र०
	मिलस्व	मिलेथाम्	मिलध्वम्	म०
	मिलै	मिलावहै	मिलामहै	उ०
(लङ्)	अमिलत	अमिलेताम्	अमिलन्त	प्र०
	अमिलथाः	अमिलेथाम्	अमिलध्वम्	म०
	अमिले	अमिलावहि	अमिलामहि	उ०
(वि. लि.)	मिलेत	मिलेयाताम्	मिलेरन्	प्र०
	मिलेथाः	मिलेयाथाम्	मिलेध्वम्	म०
	मिलेय	मिलेवहि	मिलेमहि	उ०
(आ. लि.)	मेलिषीष्ट	मेलिषीयास्ताम्	मेलिषीरन्	प्र०
	मेलिषीष्ठाः	मेलिषीयास्थाम्	मेलिषीढ्वं, ध्वम्	म०
	मेलिषीय	मेलिषीवहि	मेलिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अमेलिष्ट	अमेलिषाताम्	अमेलिषत	प्र०
	अमेलिष्ठाः	अमेलिषाथाम्	अमेलिढ्वं, ध्वम्	म०
	अमेलिषि	अमेलिष्वहि	अमेलिष्महि	उ०
(लृङ्)	अमेलिष्यत	अमेलिष्येताम्	अमेलिष्यन्त	प्र०
	अमेलिष्यथाः	अमेलिष्येथाम्	अमेलिष्यध्वम्	म०
	अमेलिष्ये	अमेलिष्यावहि	अमेलिष्यामहि	उ०

(२४) मुञ्च = छोड़ना (परस्मैपदी)

(लट्)	मुञ्चति	मुञ्चतः	मुञ्चन्ति	प्र०
	मुञ्चसि	मुञ्चथः	मुञ्चथ	म०
	मुञ्चामि	मुञ्चावः	मुञ्चामः	उ०
(लिट्)	मुमोच	मुमुचतुः	मुमुचुः	प्र०
	मुमोचिथ	मुमुचथुः	मुमुच	म०
	मुमोच	मुमुचिव	मुमुचिम	उ०
(लुट्)	मोक्ता	मोक्तारौ	मोक्तारः	प्र०
	मोक्तासि	मोक्तास्थः	मोक्तास्थ	म०
	मोक्तास्मि	मोक्तास्वः	मोक्तास्मः	उ०
(लृट्)	मोक्ष्यति	मोक्ष्यतः	मोक्ष्यन्ति	प्र०
	मोक्ष्यसि	मोक्ष्यथः	मोक्ष्यथ	म०
	मोक्ष्यामि	मोक्ष्यावः	मोक्ष्यामः	उ०
(लोट्)	मुञ्चतु, तात्	मुञ्चताम्	मुञ्चन्तु	प्र०
	मुञ्च, तात्	मुञ्चतम्	मुञ्चत	म०
	मुञ्चानि	मुञ्चाव	मुञ्चाम	उ०
(लङ्)	अमुञ्चत्	अमुञ्चताम्	अमुञ्चन्	प्र०
	अमुञ्चः	अमुञ्चतम्	अमुञ्चत	म०
	अमुञ्चम्	अमुञ्चाव	अमुञ्चाम	उ०
(वि. लि.)	मुञ्चेत्	मुञ्चेताम्	मुञ्चेयुः	प्र०
	मुञ्चेः	मुञ्चेतम्	मुञ्चेत	म०
	मुञ्चेयम्	मुञ्चेव	मुञ्चेम	उ०

(आ. लि.)	मुच्यात्	मुच्यास्ताम्	मुच्यासुः	प्र०
	मुच्याः	मुच्यास्तम्	मुच्यास्त	म०
	मुच्यासम्	मुच्यास्व	मुच्यास्म	उ०
(लुङ्)	अमुचत्	अमुचताम्	अमुचन्	प्र०
	अमुचः	अमुचतम्	अमुचत	म०
	अमुचम्	अमुचाव	अमुचाम	उ०
(लृङ्)	अमोक्ष्यत्	अमोक्ष्यताम्	अमोक्ष्यन्	प्र०
	अमोक्ष्यः	अमोक्ष्यतम्	अमोक्ष्यत	म०
	अमोक्ष्यम्	अमोक्ष्याव	अमोक्ष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	मुञ्चते	मुञ्चेते	मुञ्चन्ते	प्र०
	मुञ्चसे	मुञ्चेथे	मुञ्चध्वे	म०
	मुञ्चे	मुञ्चावहे	मुञ्चामहे	उ०
(लिट्)	मुमुचे	मुमुचाते	मुमुचिरे	प्र०
	मुमुचिषे	मुमुचाथे	मुमुचिढ्वे	म०
	मुमुचे	मुमुचिवहे	मुमुचिमहे	उ०
(लुट्)	मोक्ता	मोक्तारौ	मोक्तारः	प्र०
	मोक्तासे	मोक्तासाथे	मोक्ताध्वे	म०
	मोक्ताहे	मोक्तास्वहे	मोक्तास्महे	उ०
(लृट्)	मोक्ष्यते	मोक्ष्येते	मोक्ष्यन्ते	प्र०
	मोक्ष्यसे	मोक्ष्येथे	मोक्ष्यध्वे	म०
	मोक्ष्ये	मोक्ष्यावहे	मोक्ष्यामहे	उ०

(लोट्)	मुञ्चताम्	मुञ्चेताम्	मुञ्चन्ताम्	प्र०
	मुञ्चस्व	मुञ्चेथाम्	मुञ्चध्वम्	म०
	मुञ्चै	मुञ्चावहै	मुञ्चामहै	उ०
(लङ्)	अमुञ्चत	अमुञ्चेताम्	अमुञ्चन्त	प्र०
	अमुञ्चथाः	अमुञ्चेथाम्	अमुञ्चध्वम्	म०
	अमुञ्चे	अमुञ्चावहि	अमुञ्चामहि	उ०
(वि. लि.)	मुञ्चेत	मुञ्चेयाताम्	मुञ्चेरन्	प्र०
	मुञ्चेथाः	मुञ्चेयाथाम्	मुञ्चेध्वम्	म०
	मुञ्चेय	मुञ्चेवहि	मुञ्चेमहि	उ०
(आ. लि.)	मुक्षीष्ट	मुक्षीयास्ताम्	मुक्षीरन्	प्र०
	मुक्षीष्ठाः	मुक्षीयास्थाम्	मुक्षीध्वम्	म०
	मुक्षीय	मुक्षीवहि	मुक्षीमहि	उ०
(लुङ्)	अमुक्त	अमुक्षाताम्	अमुक्षत	प्र०
	अमुक्थाः	अमुक्षाथाम्	अमुग्ध्वम्	म०
	अमुक्षि	अमुक्ष्वहि	अमुक्ष्महि	उ०
(लृङ्)	अमोक्ष्यत	अमोक्ष्येताम्	अमोक्ष्यन्त	प्र०
	अमोक्ष्यथाः	अमोक्ष्येथाम्	अमोक्ष्यध्वम्	म०
	अमोक्ष्ये	अमोक्ष्यावहि	अमोक्ष्यामहि	उ०

(२५) मृङ् = मरना (आत्मनेपदी)

(लट्)	म्रियते	म्रियेते	म्रियन्ते	प्र०
	म्रियसे	म्रियेथे	म्रियध्वे	म०
	म्रिये	म्रियावहे	म्रियामहे	उ०

(लिट्)	ममार	मम्रतुः	मम्रुः	प्र०
	ममर्थ	मम्रथुः	मम्र	म०
	ममार, ममर	मम्रिव	मम्रिम	उ०
(लुट्)	मर्ता	मर्तारौ	मर्तारः	प्र०
	मर्तासि	मर्तास्थः	मर्तास्थ	म०
	मर्तास्मि	मर्तास्वः	मर्तास्मः	उ०
(लृट्)	मरिष्यति	मरिष्यतः	मरिष्यन्ति	प्र०
	मरिष्यसि	मरिष्यथः	मरिष्यथ	म०
	मरिष्यामि	मरिष्यावः	मरिष्यामः	उ०
(लोट्)	म्रियताम्	म्रियेताम्	म्रियन्ताम्	प्र०
	म्रियस्व	म्रियेथाम्	म्रियध्वम्	म०
	म्रियै	म्रियावहै	म्रियामहै	उ०
(लङ्)	अम्रियत	अम्रियेताम्	अम्रियन्त	प्र०
	अम्रियथाः	अम्रियेथाम्	अम्रियध्वम्	म०
	अम्रिये	अम्रियावहि	अम्रियामहि	उ०
(वि.लि.)	म्रियेत	म्रियेयाताम्	म्रियेरन्	प्र०
	म्रियेथाः	म्रियेयाथाम्	म्रियेध्वम्	म०
	म्रियेय	म्रियेवहि	म्रियेमहि	उ०
(आ.लि.)	मृषीष्ट	मृषीयास्ताम्	मृषीरन्	प्र०
	मृषीष्ठाः	मृषीयास्थाम्	मृषीढ्वम्	म०
	मृषीय	मृषीवहि	मृषीमहि	उ०

(लुङ्)	अमृत	अमृषाताम्	अमृषत	प्र०
	अमृथाः	अमृषाथाम्	अमृढ्वम्	म०
	अमृषि	अमृष्वहि	अमृष्महि	उ०
(लृङ्)	अमरिष्यत्	अमरिष्यताम्	अमरिष्यन्	प्र०
	अमरिष्यः	अमरिष्यतम्	अमरिष्यत	म०
	अमरिष्यम्	अमरिष्याव	अमरिष्याम	उ०

(२६) मृड = सुखी होना (परस्मैपदी)

(लट्)	मृडति	मृडतः	मृडन्ति	प्र०
	मृडसि	मृडथः	मृडथ	म०
	मृडामि	मृडावः	मृडामः	उ०
(लिट्)	ममर्ड	ममृडतुः	ममृडुः	प्र०
	ममर्डिथ	ममृडथुः	ममृड	म०
	ममर्ड	ममृडिव	ममृडिम	उ०
(लुट्)	मर्डिता	मर्डितारौ	मर्डितारः	प्र०
	मर्डितासि	मर्डितास्थः	मर्डितास्थ	म०
	मर्डितास्मि	मर्डितास्वः	मर्डितास्मः	उ०
(लृट्)	मर्डिष्यति	मर्डिष्यतः	मर्डिष्यन्ति	प्र०
	मर्डिष्यसि	मर्डिष्यथः	मर्डिष्यथ	म०
	मर्डिष्यामि	मर्डिष्यावः	मर्डिष्यामः	उ०
(लोट्)	मृडतु, तात्	मृडताम्	मृडन्तु	प्र०
	मृड, तात्	मृडतम्	मृडत	म०
	मृडानि	मृडाव	मृडाम	उ०

(लङ्)	अमृडत्	अमृडताम्	अमृडन्	प्र०
	अमृडः	अमृडतम्	अमृडत	म०
	अमृडम्	अमृडाव	अमृडाम	उ०
(वि. लि.)	मृडेत्	मृडेताम्	मृडेयुः	प्र०
	मृडेः	मृडेतम्	मृडेत	म०
	मृडेयम्	मृडेव	मृडेम	उ०
(आ. लि.)	मृड्यात्	मृड्यास्ताम्	मृड्यासुः	प्र०
	मृड्याः	मृड्यास्तम्	मृड्यास्त	म०
	मृड्यासम्	मृड्यास्व	मृड्यास्म	उ०
(लुङ्)	अमर्डीत्	अमर्डिष्टाम्	अमर्डिषुः	प्र०
	अमर्डीः	अमर्डिष्टम्	अमर्डिष्ट	म०
	अमर्डिषम्	अमर्डिष्व	अमर्डिष्म	उ०
(लृङ्)	अमर्डिष्यत्	अमर्डिष्यताम्	अमर्डिष्यन्	प्र०
	अमर्डिष्यः	अमर्डिष्यतम्	अमर्डिष्यत	म०
	अमर्डिष्यम्	अमर्डिष्याव	अमर्डिष्याम	उ०

(२७) मृश = स्पर्श करना (परस्मैपदी)

(लट्)	मृशति	मृशतः	मृशन्ति	प्र०
	मृशसि	मृशथः	मृशथ	म०
	मृशामि	मृशावः	मृशामः	उ०
(लिट्)	ममर्श	ममृशतुः	ममृशुः	प्र०
	ममर्शिथ	ममृशथुः	ममृश	म०
	ममर्श	ममृशिव	ममृशिम	उ०

(लुट्)	म्रष्टा	म्रष्टारौ	म्रष्टारः	प्र०
	म्रष्टासि	म्रष्टास्थः	म्रष्टास्थ	म०
	म्रष्टास्मि	म्रष्टास्वः	म्रष्टास्मः	उ०
		अथवा		
	मर्ष्टा	मर्ष्टारौ	मर्ष्टारः	प्र०
	मर्ष्टासि	मर्ष्टास्थः	मर्ष्टास्थ	म०
	मर्ष्टास्मि	मर्ष्टास्वः	मर्ष्टास्मः	उ०
(लृट्)	म्रक्ष्यति	म्रक्ष्यतः	म्रक्ष्यन्ति	प्र०
	म्रक्ष्यसि	म्रक्ष्यथः	म्रक्ष्यथ	म०
	म्रक्ष्यामि	म्रक्ष्यावः	म्रक्ष्यामः	उ०
		अथवा		
	मर्क्ष्यति	मर्क्ष्यतः	मर्क्ष्यन्ति	प्र०
	मर्क्ष्यसि	मर्क्ष्यथः	मर्क्ष्यथ	म०
	मर्क्ष्यामि	मर्क्ष्यावः	मर्क्ष्यामः	उ०
(लोट्)	मृशतु, तात्	मृशताम्	मृशन्तु	प्र०
	मृश, तात्	मृशतम्	मृशत	म०
	मृशानि	मृशाव	मृशाम	उ०
(लङ्)	अमृशत्	अमृशताम्	अमृशन्	प्र०
	अमृशः	अमृशतम्	अमृशत	म०
	अमृशम्	अमृशाव	अमृशाम	उ०
(वि. लि.)	मृशेत्	मृशेताम्	मृशेयुः	प्र०
	मृशेः	मृशेतम्	मृशेत	म०
	मृशेयम्	मृशेव	मृशेम	उ०

(आ. लि.)	मृश्यात्	मृश्यास्ताम्	मृश्यासुः	प्र०
	मृश्याः	मृश्यास्तम्	मृश्यास्त	म०
	मृश्यासम्	मृश्यास्व	मृश्यास्म	उ०
(लुङ्)	अम्राक्षीत्	अम्राष्टाम्	अम्राक्षुः	प्र०
	अम्राक्षीः	अम्राष्टम्	अम्राष्ट	म०
	अम्राक्षम्	अम्राक्ष्व	अम्राक्ष्म	उ०
		अथवा		
	अमार्क्षीत्	अमार्ष्टाम्	अमार्क्षुः	प्र०
	अमार्क्षीः	अमार्ष्टम्	अमार्ष्ट	म०
	अमार्क्षम्	अमार्क्ष्व	अमार्क्ष्म	उ०
		अथवा		
	अमृक्षत्	अमृक्षताम्	अमृक्षन्	प्र०
	अमृक्षः	अमृक्षतम्	अमृक्षत	म०
	अमृक्षम्	अमृक्षाव	अमृक्षाम	उ०
(लृङ्)	अम्रक्ष्यत्	अम्रक्ष्यताम्	अम्रक्ष्यन्	प्र०
	अम्रक्ष्यः	अम्रक्ष्यतम्	अम्रक्ष्यत	म०
	अम्रक्ष्यम्	अम्रक्ष्याव	अम्रक्ष्याम	उ०
		अथवा		
	अमर्क्ष्यत्	अमर्क्ष्यताम्	अमर्क्ष्यन्	प्र०
	अमर्क्ष्यः	अमर्क्ष्यतम्	अमर्क्ष्यत	म०
	अमर्क्ष्यम्	अमर्क्ष्याव	अमर्क्ष्याम	उ०

(२८) रुज् = तोड़ना, पीड़ित होना (परस्मैपदी)

(लट्)	रुजति	रुजतः	रुजन्ति	प्र०
	रुजसि	रुजथः	रुजथ	म०
	रुजामि	रुजावः	रुजामः	उ०
(लिट्)	रुरोज	रुरुजतुः	रुरुजुः	प्र०
	रुरोजिथ	रुरुजथुः	रुरुज	म०
	रुरोज	रुरुजिव	रुरुजिम	उ०
(लुट्)	रोक्ता	रोक्तारौ	रोक्तारः	प्र०
	रोक्तासि	रोक्तास्थः	रोक्तास्थ	म०
	रोक्तास्मि	रोक्तास्वः	रोक्तास्मः	उ०
(लृट्)	रोक्ष्यति	रोक्ष्यतः	रोक्ष्यन्ति	प्र०
	रोक्ष्यसि	रोक्ष्यथः	रोक्ष्यथ	म०
	रोक्ष्यामि	रोक्ष्यावः	रोक्ष्यामः	उ०
(लोट्)	रुजतु, तात्	रुजताम्	रुजन्तु	प्र०
	रुज, तात्	रुजतम्	रुजत	म०
	रुजानि	रुजाव	रुजाम	उ०
(लङ्)	अरुजत्	अरुजताम्	अरुजन्	प्र०
	अरुजः	अरुजतम्	अरुजत	म०
	अरुजम्	अरुजाव	अरुजाम	उ०
(वि. लि.)	रुजेत्	रुजेताम्	रुजेयुः	प्र०
	रुजेः	रुजेतम्	रुजेत	म०
	रुजेयम्	रुजेव	रुजेम	उ०

(आ. लि.)	रुज्यात्	रुज्यास्ताम्	रुज्यासुः	प्र०
	रुज्याः	रुज्यास्तम्	रुज्यास्त	म०
	रुज्यासम्	रुज्यास्व	रुज्यास्म	उ०
(लुङ्)	अरौक्षीत्	अरौक्ताम्	अरौक्षुः	प्र०
	अरौक्षीः	अरौक्तम्	अरौक्त	म०
	अरौक्षम्	अरौक्ष्व	अरौक्ष्म	उ०
(लृङ्)	अरोक्ष्यत्	अरोक्ष्यताम्	अरोक्ष्यन्	प्र०
	अरोक्ष्यः	अरोक्ष्यतम्	अरोक्ष्यत	म०
	अरोक्ष्यम्	अरोक्ष्याव	अरोक्ष्याम	उ०

(२९) लिख् = लिखना (परस्मैपदी)

(लट्)	लिखति	लिखतः	लिखन्ति	
(लिट्)	लिलेख	लिलिखतुः	लिलिखुः	प्र०
	लिलेखिथ	लिलिखथुः	लिलिख	म०
	लिलेख	लिलिखिव	लिलिखिम	उ०
(लृट्)	लेखिष्यति	लेखिष्यतः	लेखिष्यन्ति	
(आ. लि.)	लिख्यात्	लिख्यास्ताम्	लिख्यासुः	
(लुङ्)	अलेखीत्	अलेखिष्टाम्	अलेखिषुः	
(लृङ्)	अलेखिष्यत्	अलेखिष्यताम्	अलेखिष्यन्	

(३०) लिप् = लीपना (परस्मैपदी)

(लट्)	लिम्पति	लिम्पतः	लिम्पन्ति
(लिट्)	लिलेप	लिलिपतुः	लिलिपुः

(लुट्)	लेप्ता	लेप्तारौ	लेप्तारः
(लृट्)	लेप्स्यति	लेप्स्यतः	लेप्स्यन्ति
(आ. लि.)	लिप्यात्	लिप्यास्ताम्	लिप्यासुः
(लुङ्)	अलिपत्	अलिपताम्	अलिपन्
(लृङ्)	अलेप्स्यत्	अलेप्स्यताम्	अलेप्स्यन्

लिप् = लीपना (आत्मनेपदी)

(लट्)	लिम्पते	लिम्पेते	लिम्पन्ते
(लिट्)	लिलिपे	लिलिपाते	लिलिपिरे
(लुट्)	लेप्ता	लेप्तारौ	लेप्तारः
(लृट्)	लेप्स्यते	लेप्स्येते	लेप्स्यन्ते
(आ. लि.)	लिप्सीष्ट	लिप्सीयास्ताम्	लिप्सीरन्
(लुङ्)	अलिपत	अलिपेताम्	अलिपन्त
(लृङ्)	अलेप्स्यत	अलेप्स्यताम्	अलेप्स्यन्त

(३१) लुभ् = लालच करना (परस्मैपदी)

(लट्)	लुभति	लुभतः	लुभन्ति	प्र०
	लुभसि	लुभथः	लुभथ	म०
	लुभामि	लुभावः	लुभामः	उ०
(लिट्)	लुलोभ	लुलुभतुः	लुलुभुः	प्र०
	लुलोभिथ	लुलुभथुः	लुलुभ	म०
	लुलोभ	लुलुभिव	लुलुभिम	उ०
(लुट्)	लोभिता	लोभितारौ	लोभितारः	प्र०
	लोभितासि	लोभितास्थः	लोभितास्थ	म०
	लोभितास्मि	लोभितास्वः	लोभितास्मः	उ०

अथवा

	लोब्धा	लोब्धारौ	लोब्धारः	प्र०
	लोब्धासि	लोब्धास्थः	लोब्धास्थ	म०
	लोब्धास्मि	लोब्धास्वः	लोब्धास्मः	उ०
(लृट्)	लोभिष्यति	लोभिष्यतः	लोभिष्यन्ति	प्र०
	लोभिष्यसि	लोभिष्यथः	लोभिष्यथ	म०
	लोभिष्यामि	लोभिष्यावः	लोभिष्यामः	उ०
(लोट्)	लुभतु, तात्	लुभताम्	लुभन्तु	प्र०
	लुभ, तात्	लुभतम्	लुभत	म०
	लुभानि	लुभाव	लुभाम	उ०
(लङ्)	अलुभत्	अलुभताम्	अलुभन्	प्र०
	अलुभः	अलुभतम्	अलुभत	म०
	अलुभम्	अलुभाव	अलुभाम	उ०
(वि. लि.)	लुभेत्	लुभेताम्	लुभेयुः	प्र०
	लुभेः	लुभेतम्	लुभेत	म०
	लुभेयम्	लुभेव	लुभेम	उ०
(आ. लि.)	लुभ्यात्	लुभ्यास्ताम्	लुभ्यासुः	प्र०
	लुभ्याः	लुभ्यास्तम्	लुभ्यतास्त	म०
	लुभ्यासम्	लुभ्यास्व	लुभ्यास्म	उ०
(लुङ्)	अलोभीत्	अलोभिष्टाम्	अलोभिषुः	प्र०
	अलोभीः	अलोभिष्टम्	अलोभिष्ट	म०
	अलोभिषम्	अलोभिष्व	अलोभिष्म	उ०

(लृङ्)	अलोभिष्यत्	अलोभिष्यताम्	अलोभिष्यन्	प्र०
	अलोभिष्यः	अलोभिष्यतम्	अलोभिष्यत	म०
	अलोभिष्यम्	अलोभिष्याव	अलोभिष्याम	उ०

(३२) विज् = डरना, विचलित होना (आत्मनेपदी)

(लट्)	उद्विजते	उद्विजेते	उद्विजन्ते	प्र०
	उद्विजसे	उद्विजेथे	उद्विजध्वे	म०
	उद्विजे	उद्विजावहे	उद्विजामहे	उ०
(लिट्)	उद्विविजे	उद्विविजाते	उद्विविजिरे	प्र०
	उद्विविजिषे	उद्विविजाथे	उद्विविजिध्वे	म०
	उद्विविजे	उद्विविजिवहे	उद्विविजिमहे	उ०
(लुट्)	उद्विजिता	उद्विजितारौ	उद्विजितारः	प्र०
	उद्विजितासे	उद्विजितासाथे	उद्विजिताध्वे	म०
	उद्विजिताहे	उद्विजितास्वहे	उद्विजितास्महे	उ०
(लृट्)	उद्विजिष्यते	उद्विजिष्येते	उद्विजिष्यन्ते	प्र०
	उद्विजिष्यसे	उद्विजिष्येथे	उद्विजिष्यध्वे	म०
	उद्विजिष्ये	उद्विजिष्यावहे	उद्विजिष्यामहे	उ०
(लोट्)	उद्विजताम्	उद्विजेताम्	उद्विजन्ताम्	प्र०
	उद्विजस्व	उद्विजेथाम्	उद्विजध्वम्	म०
	उद्विजै	उद्विजावहै	उद्विजामहै	उ०
(लङ्)	उद्विजत	उद्विजेताम्	उद्विजन्त	प्र०
	उद्विजथाः	उद्विजेथाम्	उद्विजध्वम्	म०
	उद्विजे	उद्विजावहि	उद्विजामहि	उ०

(वि. लि.)	उद्विजेत	उद्विजेयाताम्	उद्विजेरन्	प्र०
	उद्विजेथाः	उद्विजेयाथाम्	उद्विजेध्वम्	म०
	उद्विजेय	उद्विजेवहि	उद्विजेमहि	उ०
(आ. लि.)	उद्विजिषीष्ट	उद्विजिषीयास्ताम्	उद्विजिषीरन्	प्र०
	उद्विजिषीष्ठाः	उद्विजिषीयास्थाम्	उद्विजिषीध्वम्	म०
	उद्विजिषीय	उद्विजिषीवहि	उद्विजिषीमहि	उ०
(लुङ्)	उद्विजिष्ट	उद्विजिषाताम्	उद्विजिषत	प्र०
	उद्विजिष्ठाः	उद्विजिषाथाम्	उद्विजिढ्वम्	म०
	उद्विजिषि	उद्विजिष्वहि	उद्विजिष्महि	उ०
(लृङ्)	उदविजिष्यत	उदविजिष्येताम्	उदविजिष्यन्त	प्र०
	उदविजिष्यथाः	उदविजिष्येथाम्	उदविजिष्यध्वम्	म०
	उदविजिष्ये	उदविजिष्यावहि	उदविजिष्यामहि	उ०

(३३) विद् = पाना (परस्मैपदी)

(लिट्)	विन्दति	विन्दतः	विन्दन्ति	प्र०
	विन्दसि	विन्दथः	विन्दथ	म०
	विन्दामि	विन्दावः	विन्दामः	उ०
(लिट्)	विवेद	विविदतुः	विविदुः	प्र०
	विवेदिथ	विविदथुः	विविद	म०
	विवेद	विविदिव	विविदिम	उ०
(लुट्)	वेत्ता	वेत्तारौ	वेत्तारः	प्र०
	वेत्तासि	वेत्तास्थः	वेत्तास्थ	म०
	वेत्तास्मि	वेत्तास्वः	वेत्तास्मः	उ०

अथवा

	वेदिता	वेदितारौ	वेदितारः	प्र०
	वेदितासि	वेदितास्थः	वेदितास्थ	म०
	वेदितास्मि	वेदितास्वः	वेदितास्मः	उ०
(लृट्)	वेत्स्यति	वेत्स्यतः	वेत्स्यन्ति	प्र०
	वेत्स्यसि	वेत्स्यथः	वेत्स्यथ	म०
	वेत्स्यामि	वेत्स्यावः	वेत्स्यामः	उ०

अथवा

	वेदिष्यति	वेदिष्यतः	वेदिष्यन्ति	प्र०
	वेदिष्यसि	वेदिष्यथः	वेदिष्यथ	म०
	वेदिष्यामि	वेदिष्यावः	वेदिष्यामः	उ०
(लोट्)	विन्दतु, तात्	विन्दताम्	विन्दन्तु	प्र०
	विन्द, तात्	विन्दतम्	विन्दत	म०
	विन्दानि	विन्दाव	विन्दाम	उ०
(लङ्)	अविन्दत्	अविन्दताम्	अविन्दन्	प्र०
	अविन्दः	अविन्दतम्	अविन्दत	म०
	अविन्दम्	अविन्दाव	अविन्दाम	उ०
(वि. लि.)	विन्देत्	विन्देताम्	विन्देयुः	प्र०
	विन्देः	विन्देतम्	विन्देत	म०
	विन्देयम्	विन्देव	विन्देम	उ०
(आ. लि.)	विद्यात्	विद्यास्ताम्	विद्यासुः	प्र०
	विद्याः	विद्यास्तम्	विद्यास्त	म०
	विद्यासम्	विद्यास्व	विद्यास्म	उ०

(लुङ्)	अविदत्	अविदताम्	अविदन्	प्र०
	अविदः	अविदतम्	अविदत	म०
	अविदम्	अविदाव	अविदाम	उ०
(लृङ्)	अवेत्स्यत्	अवेत्स्यताम्	अवेत्स्यन्	प्र०
	अवेत्स्यः	अवेत्स्यतम्	अवेत्स्यत	म०
	अवेत्स्यम्	अवेत्स्याव	अवेत्स्याम	उ०

अथवा

	अवेदिष्यत्	अवेदिष्यताम्	अवेदिष्यन्	प्र०
	अवेदिष्यः	अवेदिष्यतम्	अवेदिष्यत	म०
	अवेदिष्यम्	अवेदिष्याव	अवेदिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	विन्दते	विन्देते	विन्दन्ते	प्र०
	विन्दसे	विन्देथे	विन्दध्वे	म०
	विन्दे	विन्दावहे	विन्दामहे	उ०
(लिट्)	विविदे	विविदाते	विविदिरे	प्र०
	विविदिषे	विविदाथे	विविदिध्वे	म०
	विविदे	विविदिवहे	विविदिमहे	उ०
(लुट्)	वेत्ता	वेत्तारौ	वेत्तारः	प्र०
	वेत्तासे	वेत्तासाथे	वेत्ताध्वे	म०
	वेत्ताहे	वेत्तास्वहे	वेत्तास्महे	उ०

अथवा

	वेदिता	वेदितारौ	वेदितारः	प्र०
	वेदितासे	वेदितासाथे	वेदिताध्वे	म०
	वेदिताहे	वेदितास्वहे	वेदितास्महे	उ०
(लृट्)	वेत्स्यते	वेत्स्येते	वेत्स्यन्ते	प्र०
	वेत्स्यसे	वेत्स्येथे	वेत्स्यध्वे	म०
	वेत्स्ये	वेत्स्यावहे	वेत्स्यामहे	उ०

अथवा

	वेदिष्यते	वेदिष्येते	वेदिष्यन्ते	प्र०
	वेदिष्यसे	वेदिष्येथे	वेदिष्यध्वे	म०
	वेदिष्ये	वेदिष्यावहे	वेदिष्यामहे	उ०
(लोट्)	विन्दताम्	विन्देताम्	विन्दन्ताम्	प्र०
	विन्दस्व	विन्देथाम्	विन्दध्वम्	म०
	विन्दै	विन्दावहै	विन्दामहै	उ०
(लङ्)	अविन्दत	अविन्देताम्	अविन्दन्त	प्र०
	अविन्दथाः	अविन्देथाम्	अविन्दध्वम्	म०
	अविन्दे	अविन्दावहि	अविन्दामहि	उ०
(वि. लि.)	विन्देत	विन्देयाताम्	विन्देरन्	प्र०
	विन्देथाः	विन्देयाथाम्	विन्देध्वम्	म०
	विन्देय	विन्देवहि	विन्देमहि	उ०
(आ. लि.)	वित्सीष्ट	वित्सीयास्ताम्	वित्सीरन्	प्र०
	वित्सीष्ठाः	वित्सीयास्थाम्	वित्सीध्वम्	म०
	वित्सीय	वित्सीवहि	वित्सीमहि	उ०

अथवा

	वेदिषीष्ट	वेदिषीयास्ताम्	वेदिषीरन्	प्र०
	वेदिषीष्ठाः	वेदिषीयास्थाम्	वेदिषीध्वम्	म०
	वेदिषीय	वेदिषीवहि	वेदिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अवित्त	अवित्साताम्	अवित्सत	प्र०
	अवित्थाः	अवित्साथाम्	अविद्ध्वम्	म०
	अवित्सि	अवित्स्वहि	अवित्स्महि	उ०

अथवा

	अवेदिष्ट	अवेदिषाताम्	अवेदिषत	प्र०
	अवेदिष्ठाः	अवेदिषाथाम्	अवेदिढ्वम्	म०
	अवेदिषि	अवेदिष्वहि	अवेदिष्महि	उ०
(लृङ्)	अवेत्स्यत	अवेत्स्येताम्	अवेत्स्यन्त	प्र०
	अवेत्स्यथाः	अवेत्स्येथाम्	अवेत्स्यध्वम्	म०
	अवेत्स्ये	अवेत्स्यावहि	अवेत्स्यामहि	उ०

अथवा

	अवेदिष्यत	अवेदिष्येताम्	अवेदिष्यन्त	प्र०
	अवेदिष्यथाः	अवेदिष्येथाम्	अवेदिष्यध्वम्	म०
	अवेदिष्ये	अवेदिष्यावहि	अवेदिष्यामहि	उ०

(३४) विश् = घुसना (परस्मैपदी)

(लट्)	विशति	विशतः	विशन्ति	प्र०
	विशसि	विशथः	विशथ	म०
	विशामि	विशावः	विशामः	उ०

(लिट्)	विवेश	विविशतुः	विविशुः	प्र०
	विवेशिथ	विविशथुः	विविश	म०
	विवेश	विविशिव	विविशिम	उ०
(लुट्)	वेष्टा	वेष्टारौ	वेष्टारः	प्र०
	वेष्टासि	वेष्टास्थः	वेष्टास्थ	म०
	वेष्टास्मि	वेष्टास्वः	वेष्टास्मः	उ०
(लृट्)	वेक्ष्यति	वेक्ष्यतः	वेक्ष्यन्ति	प्र०
	वेक्ष्यसि	वेक्ष्यथः	वेक्ष्यथ	म०
	वेक्ष्यामि	वेक्ष्यावः	वेक्ष्यामः	उ०
(लोट्)	विशतु, तात्	विशताम्	विशन्तु	प्र०
	विश , तात्	विशतम्	विशत	म०
	विशानि	विशाव	विशाम	उ०
(लङ्)	अविशत्	अविशताम्	अविशन्	प्र०
	अविशः	अविशतम्	अविशत	म०
	अविशम्	अविशाव	अविशाम	उ०
(वि. लि.)	विशेत्	विशेताम्	विशेयुः	प्र०
	विशेः	विशेतम्	विशेत	म०
	विशेयम्	विशेव	विशेम	उ०
(आ. लि.)	विश्यात्	विश्यास्ताम्	विश्यासुः	प्र०
	विश्याः	विश्यास्तम्	विश्यास्त	म०
	विश्यासम्	विश्यास्व	विश्यास्म	उ०

(लुङ्)	अविक्षत्	अविक्षताम्	अविक्षन्	प्र०
	अविक्षः	अविक्षतम्	अविक्षत	म०
	अविक्षम्	अविक्षाव	अविक्षाम	उ०
(लृङ्)	अवेक्ष्यत्	अवेक्ष्याताम्	अवेक्ष्यन्	प्र०
	अवेक्ष्यः	अवेक्ष्यतम्	अवेक्ष्यत	म०
	अवेक्ष्यम्	अवेक्ष्याव	अवेक्ष्याम	उ०

(३५) व्यच = कपट करना (परस्मैपदी)

(लट्)	विचति	विचतः	विचन्ति	प्र०
	विचसि	विचथः	विचथ	म०
	विचामि	विचावः	विचामः	उ०
(लिट्)	विव्याच	विविचतुः	विविचुः	प्र०
	विव्यचिथ	विविचथुः	विविच	म०
	विव्याच, विव्यच	विविचिव	विविचिम	उ०
(लुट्)	व्यचिता	व्यचितारौ	व्यचितारः	प्र०
	व्यचितासि	व्यचितास्थः	व्यचितास्थ	म०
	व्यचितास्मि	व्यचितास्वः	व्यचितास्मः	उ०
(लृट्)	व्यचिष्यति	व्यचिष्यतः	व्यचिष्यन्ति	प्र०
	व्यचिष्यसि	व्यचिष्यथः	व्यचिष्यथ	म०
	व्यचिष्यामि	व्यचिष्यावः	व्यचिष्यामः	उ०
(लोट्)	विचतु, तात्	विचताम्	विचन्तु	प्र०
	विच, तात्	विचतम्	विचत	म०
	विचानि	विचाव	विचाम	उ०

(लङ्)	अविचत्	अविचताम्	आवेचन्	प्र०
	अविचः	अविचतम्	अविचत	म०
	अविचम्	अविचाव	अविचाम	उ०
(वि. लि.)	विचेत्	विचेताम्	विचेयुः	प्र०
	विचेः	विचेतम्	विचेत	म०
	विचेयम्	विचेव	विचेम	उ०
(आ. लि.)	विच्यात्	विच्यास्ताम्	विच्यासुः	प्र०
	विच्याः	विच्यास्तम्	विच्यास्त	म०
	विच्यासम्	विच्यास्व	विच्यास्म	उ०
(लुङ्)	अव्याचीत्	अव्याचिष्टाम्	अव्याचिषुः	प्र०
	अव्याचीः	अव्याचिष्टम्	अव्याचिष्ट	म०
	अव्याचिषम्	अव्याचिष्व	अव्याचिष्म	उ०
		अथवा		
	अव्यचीत्	अव्यचिष्टाम्	अव्यचिषुः	प्र०
	अव्यचीः	अव्यचिष्टम्	अव्यचिष्ट	म०
	अव्यचिषम्	अव्यचिष्व	अव्यचिष्म	उ०
(लृङ्)	अव्यचिष्यत्	अव्यचिष्यताम्	अव्यचिष्यन्	प्र०
	अव्यचिष्यः	अव्यचिष्यतम्	अव्यचिष्यत	म०
	अव्यचिष्यम्	अव्यचिष्याव	अव्यचिष्याम	उ०

(३६) व्रश्च् = काटना (परस्मैपदी)

(लट्)	वृश्चति	वृश्चतः	वृश्चन्ति	प्र०
	वृश्चसि	वृश्चथः	वृश्चथ	म०
	वृश्चामि	वृश्चावः	वृश्चामः	उ०

(लिट्)	वव्रश्च	वव्रश्चतुः	वव्रश्चुः	प्र०
	वव्रश्चिथ, वव्रष्ठ	वव्रश्चथुः	वव्रश्च	म०
	वव्रश्च	वव्रश्चिव	वव्रश्चिम	उ०
(लुट्)	व्रश्चिता	व्रश्चितारौ	व्रश्चितारः	प्र०
	व्रश्चितासि	व्रश्चितास्थः	व्रश्चितास्थ	म०
	व्रश्चितास्मि	व्रश्चितास्वः	व्रश्चितास्मः	उ०
		अथवा		
	व्रष्टा	व्रष्टारौ	व्रष्टारः	प्र०
	व्रष्टासि	व्रष्टास्थः	व्रष्टास्थ	म०
	व्रष्टास्मि	व्रष्टास्वः	व्रष्टास्मः	उ०
(लृट्)	व्रश्चिष्यति	व्रश्चिष्यतः	व्रश्चिष्यन्ति	प्र०
	व्रश्चिष्यसि	व्रश्चिष्यथः	व्रश्चिष्यथ	म०
	व्रश्चिष्यामि	व्रश्चिष्यावः	व्रश्चिष्यामः	उ०
		अथवा		
	व्रक्ष्यति	व्रक्ष्यतः	व्रक्ष्यन्ति	प्र०
	व्रक्ष्यसि	व्रक्ष्यथः	व्रक्ष्यथ	म०
	व्रक्ष्यामि	व्रक्ष्यावः	व्रक्ष्यामः	उ०
(लोट्)	वृश्चतु, तात्	वृश्चताम्	वृश्चन्तु	प्र०
	वृश्च, तात्	वृश्चतम्	वृश्चत	म०
	वृश्चानि	वृश्चाव	वृश्चाम	उ०
(लङ्)	अवृश्चत्	अवृश्चताम्	अवृश्चन्	प्र०
	अवृश्चः	अवृश्चतम्	अवृश्चत	म०
	अवृश्चम्	अवृश्चाव	अवृश्चाम	उ०

(वि॰लि.)	वृश्चेत्	वृश्चेताम्	वृश्चेयुः	प्र०
	वृश्चेः	वृश्चेतम्	वृश्चेत	म०
	वृश्चेयम्	वृश्चेव	वृश्चेम	उ०
(आ.लि.)	वृश्च्यात्	वृश्च्यास्ताम्	वृश्च्यासुः	प्र०
	वृश्च्याः	वृश्च्यास्तम्	वृश्च्यास्त	म०
	वृश्च्यासम्	वृश्च्यास्व	वृश्च्यास्म	उ०
(लुङ्)	अव्रश्चीत्	अव्रश्चिष्टाम्	अव्रश्चिषुः	प्र०
	अव्रश्चीः	अव्रश्चिष्टम्	अव्रश्चिष्ट	म०
	अव्रश्चिषम्	अव्रश्चिष्व	अव्रश्चिष्म	उ०
		अथवा		
	अव्राक्षीत्	अव्राष्टाम्	अव्राक्षुः	प्र०
	अव्राक्षीः	अव्राष्टम्	अव्राष्ट	म०
	अव्राक्षम्	अव्राक्ष्व	अव्राक्ष्म	उ०
(लृङ्)	अव्रश्चिष्यत्	अव्रश्चिष्यताम्	अव्रश्चिष्यन्	प्र०
	अव्रश्चिष्यः	अव्रश्चिष्यतम्	अव्रश्चिष्यत	म०
	अव्रश्चिष्यम्	अव्रश्चिष्याव	अव्रश्चिष्याम	उ०
		अथवा		
	अव्रक्ष्यत्	अव्रक्ष्यताम्	अव्रक्ष्यन्	प्र०
	अव्रक्ष्यः	अव्रक्ष्यतम्	अव्रक्ष्यत	म०
	अव्रक्ष्यम्	अव्रक्ष्याव	अव्रक्ष्याम	उ०

(३७) शद् = तेज करना (आत्मनेपदी)

(लट्)	शीयते	शीयेते	शीयन्ते	प्र०
	शीयसे	शीयेथे	शीयध्वे	म०
	शीये	शीयावहे	शीयामहे	उ०
(लिट्)	शशाद	शेदतुः	शेदुः	प्र०
	शेदिथ, शशत्थ	शेदथुः	शेद	म०
	शशाद, शशद	शेदिव	शेदिम	उ०
(लुट्)	शत्ता	शत्तारौ	शत्तारः	प्र०
	शत्तासि	शत्तास्थः	शत्तास्थ	म०
	शत्तास्मि	शत्तास्वः	शत्तास्मः	उ०
(लृट्)	शत्स्यति	शत्स्यतः	शत्स्यन्ति	प्र०
	शत्स्यसि	शत्स्यथः	शत्स्यथ	म०
	शत्स्यामि	शत्स्यावः	शत्स्यामः	उ०
(लोट्)	शीयताम्	शीयेताम्	शीयन्ताम्	प्र०
	शीयस्व	शीयेथाम्	शीयध्वम्	म०
	शीयै	शीयावहै	शीयामहै	उ०
(लङ्)	अशीयत	अशीयेताम्	अशीयन्त	प्र०
	अशीयथाः	अशीयेथाम्	अशीयध्वम्	म०
	अशीये	अशीयावहि	अशीयामहि	उ०
(वि. लि.)	शीयेत	शीयेयाताम्	शीयेरन्	प्र०
	शीयेथाः	शीयेयाथाम्	शीयेध्वम्	म०
	शीयेय	शीयेवहि	शीयेमहि	उ०

(आ. लि.)	शद्यात्	शद्यास्ताम्	शद्यासुः	प्र०
	शद्याः	शद्यास्तम्	शद्यास्त	म०
	शद्यासम्	शद्यास्व	शद्यास्म	उ०
(लुङ्)	अशदत्	अशदताम्	अशदन्	प्र०
	अशदः	अशदतम्	अशदत	म०
	अशदम्	अशदाव	अशदाम	उ०
(लृङ्)	अशत्स्यत्	अशत्स्यताम्	अशत्स्यन्	प्र०
	अशत्स्यः	अशत्स्यतम्	अशत्स्यत	म०
	अशत्स्यम्	अशत्स्याव	अशत्स्याम	उ०

(३८) शुन = चलना (परस्मैपदी)

(लट्)	शुनति	शुनतः	शुनन्ति	प्र०
	शुनसि	शुनथः	शुनथ	म०
	शुनामि	शुनावः	शुनामः	उ०
(लिट्)	शुशोन	शुशुनतुः	शुशुनुः	प्र०
	शुशोनिथ	शुशुनथुः	शुशुन	म०
	शुशोन	शुशुनिव	शुशुनिम	उ०
(लुट्)	शोनिता	शोनितारौ	शोनितारः	प्र०
	शोनितासि	शोनितास्थः	शोनितास्थ	म०
	शोनितास्मि	शोनितास्वः	शोनितास्मः	उ०
(लृट्)	शोनिष्यति	शोनिष्यतः	शोनिष्यन्ति	प्र०
	शोनिष्यसि	शोनिष्यथः	शोनिष्यथ	म०
	शोनिष्यामि	शोनिष्यावः	शोनिष्यामः	उ०

(लोट्)	शुनतु, तात्	शुनताम्	शुनन्तु	प्र०
	शुन, तात्	शुनतम्	शुनत	म०
	शुनानि	शुनाव	शुनाम	उ०
(लङ्)	अशुनत्	अशुनताम्	अशुनन्	प्र०
	अशुनः	अशुनतम्	अशुनत	म०
	अशुनम्	अशुनाव	अशुनाम	उ०
(वि. लि.)	शुनेत्	शुनेताम्	शुनेयुः	प्र०
	शुनेः	शुनेतम्	शुनेत	म०
	शुनेयम्	शुनेव	शुनेम	उ०
(आ. लि.)	शुन्यात्	शुन्यास्ताम्	शुन्यासुः	प्र०
	शुन्याः	शुन्यास्तम्	शुन्यास्त	म०
	शुन्यासम्	शुन्यास्व	शुन्यास्म	उ०
(लुङ्)	अशोनीत्	अशोनिष्टाम्	अशोनिषुः	प्र०
	अशोनीः	अशोनिष्टम्	अशोनिष्ट	म०
	अशोनिषम्	अशोनिष्व	अशोनिष्म	उ०
(लृङ्)	अशोनिष्यत्	अशोनिष्यताम्	अशोनिष्यन्	प्र०
	अशोनिष्यः	अशोनिष्यतम्	अशोनिष्यत	म०
	अशोनिष्यम्	अशोनिष्याव	अशोनिष्याम	उ०

(३९) सद् = उदास होना (परस्मैपदी)

(लट्)	सीदति	सीदतः	सीदन्ति	प्र०
	सीदसि	सीदथः	सीदथ	म०
	सीदामि	सीदावः	सीदामः	उ०

(लिट्)	ससाद	सेदतुः	सेदुः	प्र०
	सेदिथ, ससत्थ	सेदथुः	सेद	म०
	ससाद, ससद	सेदिव	सेदिम	उ०
(लुट्)	सत्ता	सत्तारौ	सत्तारः	प्र०
	सत्तासि	सत्तास्थः	सत्तास्थ	म०
	सत्तास्मि	सत्तास्वः	सत्तास्मः	उ०
(लृट्)	सत्स्यति	सत्स्यतः	सत्स्यन्ति	प्र०
	सत्स्यसि	सत्स्यथः	सत्स्यथ	म०
	सत्स्यामि	सत्स्यावः	सत्स्यामः	उ०
(लोट्)	सीदतु, तात्	सीदताम्	सीदन्तु	प्र०
	सीद, तात्	सीदतम्	सीदत	म०
	सीदानि	सीदाव	सीदाम	उ०
(लङ्)	असीदत्	असीदताम्	असीदन्	प्र०
	असीदः	असीदतम्	असीदत	म०
	असीदम्	असीदाव	असीदाम	उ०
(वि. लि.)	सीदेत्	सीदेताम्	सीदेयुः	प्र०
	सीदेः	सीदेतम्	सीदेत	म०
	सीदेयम्	सीदेव	सीदेम	उ०
(आ. लि.)	सद्यात्	सद्यास्ताम्	सद्यासुः	प्र०
	सद्याः	सद्यास्तम्	सद्यास्त	म०
	सद्यासम्	सद्यास्व	सद्यास्म	उ०

(लुङ्)	असदत्	असदताम्	असदन्	प्र०
	असदः	असदतम्	असदत	म०
	असदम्	असदाव	असदाम	उ०
(लृङ्)	असत्स्यत्	असत्स्यताम्	असत्स्यन्	प्र०
	असत्स्यः	असत्स्यतम्	असत्स्यत	म०
	असत्स्यम्	असत्स्याव	असत्स्याम	उ०

(४०) सिंच = सींचना (परस्मैपदी)

(लट्)	सिञ्चति	सिञ्चतः	सिञ्चन्ति	प्र०
	सिञ्चसि	सिञ्चथः	सिञ्चथ	म०
	सिञ्चामि	सिञ्चावः	सिञ्चामः	उ०
(लिट्)	सिषेच	सिषिचतुः	सिषिचुः	प्र०
	सिषेचिथ	सिषिचथुः	सिषिच	म०
	सिषेच	सिषिचिव	सिषिचिम	उ०
(लुट्)	सेक्ता	सेक्तारौ	सेक्तारः	प्र०
	सेक्तासि	सेक्तास्थः	सेक्तास्थ	म०
	सेक्तास्मि	सेक्तास्वः	सेक्तास्मः	उ०
(लृट्)	सेक्ष्यति	सेक्ष्यतः	सेक्ष्यन्ति	प्र०
	सेक्ष्यसि	सेक्ष्यथः	सेक्ष्यथ	म०
	सेक्ष्यामि	सेक्ष्यावः	सेक्ष्यामः	उ०
(लोट्)	सिञ्चतु, तात्	सिञ्चताम्	सिञ्चन्तु	प्र०
	सिञ्च, तात्	सिञ्चतम्	सिञ्चत	म०
	सिञ्चानि	सिञ्चाव	सिञ्चाम	उ०

(लङ्)	असिञ्चत्	असिञ्चताम्	असिञ्चन्	प्र०
	असिञ्चः	असिञ्चतम्	असिञ्चत	म०
	असिञ्चम्	असिञ्चाव	असिञ्चाम	उ०
(वि. लि.)	सिञ्चेत्	सिञ्चेताम्	सिञ्चेयुः	प्र०
	सिञ्चेः	सिञ्चेतम्	सिञ्चेत	म०
	सिञ्चेयम्	सिञ्चेव	सिञ्चेम	उ०
(आ. लि.)	सिच्यात्	सिच्यास्ताम्	सिच्यासुः	प्र०
	सिच्याः	सिच्यास्तम्	सिच्यास्त	म०
	सिच्यासम्	सिच्यास्व	सिच्यास्म	उ०
(लुङ्)	असिचत्	असिचताम्	असिचन्	प्र०
	असिचः	असिचतम्	असिचत	म०
	असिचम्	असिचाव	असिचाम	उ०
(लृङ्)	असेक्ष्यत्	असेक्ष्यताम्	असेक्ष्यन्	प्र०
	असेक्ष्यः	असेक्ष्यतम्	असेक्ष्यत	म०
	असेक्ष्यम्	असेक्ष्याव	असेक्ष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	सिञ्चते	सिञ्चेते	सिञ्चन्ते	प्र०
	सिञ्चसे	सिञ्चेथे	सिञ्चध्वे	म०
	सिञ्चे	सिञ्चावहे	सिञ्चामहे	उ०
(लिट्)	सिषिचे	सिषिचाते	सिषिचिरे	प्र०
	सिषिचिषे	सिषिचाथे	सिषिचिध्वे	म०
	सिषिचे	सिषिचिवहे	सिषिचिमहे	उ०

(लुट्)	सेक्ता	सेक्तारौ	सेक्तारः	प्र०
	सेक्तासे	सेक्तासाथे	सेक्ताध्वे	म०
	सेक्ताहे	सेक्तास्वहे	सेक्तास्महे	उ०
(लृट्)	सेक्ष्यते	सेक्ष्येते	सेक्ष्यन्ते	प्र०
	सेक्ष्यसे	सेक्ष्येथे	सेक्ष्यध्वे	म०
	सेक्ष्ये	सेक्ष्यावहे	सेक्ष्यामहे	उ०
(लोट्)	सिञ्चताम्	सिञ्चेताम्	सिञ्चन्ताम्	प्र०
	सिञ्चस्व	सिञ्चेथाम्	सिञ्चध्वम्	म०
	सिञ्चै	सिञ्चावहै	सिञ्चामहै	उ०
(लङ्)	असिञ्चत	असिञ्चेताम्	असिञ्चन्त	प्र०
	असिञ्चथाः	असिञ्चेथाम्	असिञ्चध्वम्	म०
	असिञ्चे	असिञ्चावहि	असिञ्चामहि	उ०
(वि.लि.)	सिञ्चेत	सिञ्चेयाताम्	सिञ्चेरन्	प्र०
	सिञ्चेथाः	सिञ्चेयाथाम्	सिञ्चेध्वम्	म०
	सिञ्चेय	सिञ्चेवहि	सिञ्चेमहि	उ०
(आ.लि.)	सिक्षीष्ट	सिक्षीयास्ताम्	सिक्षीरन्	प्र०
	सिक्षीष्ठाः	सिक्षीयास्थाम्	सिक्षीध्वम्	म०
	सिक्षीय	सिक्षीवहि	सिक्षीमहि	उ०
(लुङ्)	असिचत	असिचेताम्	असिचन्त	प्र०
	असिचथाः	असिचेथाम्	असिचध्वम्	म०
	असिचे	असिचावहि	असिचामहि	उ०

अथवा

	असिक्त	असिक्षाताम्	असिक्षत	प्र०
	असिक्थाः	असिक्षाथाम्	असिग्ध्वम्	म०
	असिक्षि	असिक्ष्वहि	असिक्ष्महि	उ०
(लृङ्)	असेक्ष्यत	असेक्ष्येताम्	असेक्ष्यन्त	प्र०
	असेक्ष्यथाः	असेक्ष्येथाम्	असेक्ष्यध्वम्	म०
	असेक्ष्ये	असेक्ष्यावहि	असेक्ष्यामहि	उ०

(४१) स्पृश् = छूना (परस्मैपदी)

(लट्)	स्पृशति	स्पृशतः	स्पृशन्ति	प्र०
	स्पृशसि	स्पृशथः	स्पृशथ	म०
	स्पृशामि	स्पृशावः	स्पृशामः	उ०
(लिट्)	पस्पर्श	पस्पृशतुः	पस्पृशुः	प्र०
	पस्पर्शिथ	पस्पृशथुः	पस्पृश	म०
	पस्पर्श	पस्पृशिव	पस्पृशिम	उ०
(लुट्)	स्प्रष्टा	स्प्रष्टारौ	स्प्रष्टारः	प्र०
	स्प्रष्टासि	स्प्रष्टास्थः	स्प्रष्टास्थ	म०
	स्प्रष्टास्मि	स्प्रष्टास्वः	स्प्रष्टास्मः	उ०

अथवा

	स्पर्ष्टा	स्पर्ष्टारौ	स्पर्ष्टारः	प्र०
	स्पर्ष्टासि	स्पर्ष्टास्थः	स्पर्ष्टास्थ	म०
	स्पर्ष्टास्मि	स्पर्ष्टास्वः	स्पर्ष्टास्मः	उ०

(लृट्)	स्प्रक्ष्यति	स्प्रक्ष्यतः	स्पर्क्ष्यन्ति	प्र०
	स्प्रक्ष्यसि	स्प्रक्ष्यथः	स्प्रक्ष्यथ	म०
	स्प्रक्ष्यामि	स्प्रक्ष्यावः	स्प्रक्ष्यामः	उ०

अथवा

	स्पर्क्ष्यति	स्पर्क्ष्यतः	स्पर्क्ष्यन्ति	प्र०
	स्पर्क्ष्यसि	स्पर्क्ष्यथः	स्पर्क्ष्यथ	म०
	स्पर्क्ष्यामि	स्पर्क्ष्यावः	स्पर्क्ष्यामः	उ०
(लोट्)	स्पृशतु, तात्	स्पृशताम्	स्पृशन्तु	प्र०
	स्पृश, तात्	स्पृशतम्	स्पृशत	म०
	स्पृशानि	स्पृशाव	स्पृशाम	उ०
(लङ्)	अस्पृशत्	अस्पृशताम्	अस्पृशन्	प्र०
	अस्पृशः	अस्पृशतम्	अस्पृशत	म०
	अस्पृशम्	अस्पृशाव	अस्पृशाम	उ०
(वि. लि.)	स्पृशेत्	स्पृशेताम्	स्पृशेयुः	प्र०
	स्पृशेः	स्पृशेतम्	स्पृशेत	म०
	स्पृशेयम्	स्पृशेव	स्पृशेम	उ०
(आ. लि.)	स्पृश्यात्	स्पृश्यास्ताम्	स्पृश्यासुः	प्र०
	स्पृश्याः	स्पृश्यास्तम्	स्पृश्यास्त	म०
	स्पृश्यासम्	स्पृश्यास्व	स्पृश्यास्म	उ०
(लुङ्)	अस्प्राक्षीत्	अस्प्राष्टाम्	अस्प्राक्षुः	प्र०
	अस्प्राक्षीः	अस्प्राष्टम्	अस्प्राष्ट	म०
	अस्प्राक्षम्	अस्प्राक्ष्व	अस्प्राक्ष्म	उ०

अथवा

	अस्पार्क्षीत्	अस्पार्ष्टाम्	अस्पार्क्षुः	प्र०
	अस्पार्क्षीः	अस्पार्ष्टम्	अस्पार्ष्ट	म०
	अस्पार्क्षम्	अस्पार्क्ष्व	अस्पार्क्ष्म	उ०

अथवा

	अस्पृक्षत्	अस्पृक्षताम्	अस्पृक्षन्	प्र०
	अस्पृक्षः	अस्पृक्षतम्	अस्पृक्षत	म०
	अस्पृक्षम्	अस्पृक्षाव	अस्पृक्षाम्	उ०
(लृङ्)	अस्प्रक्ष्यत्	अस्प्रक्ष्यताम्	अस्प्रक्ष्यन्	प्र०
	अस्प्रक्ष्यः	अस्प्रक्ष्यतम्	अस्प्रक्ष्यत	म०
	अस्प्रक्ष्यम्	अस्प्रक्ष्याव	अस्प्रक्ष्याम	उ०

अथवा

	अस्पर्क्ष्यत्	अस्पर्क्ष्यताम्	अस्पर्क्ष्यन्	प्र०
	अस्पर्क्ष्यः	अस्पर्क्ष्यतम्	अस्पर्क्ष्यत	म०
	अस्पर्क्ष्यम्	अस्पर्क्ष्याव	अस्पर्क्ष्याम	उ०

इति तुदादिप्रकरणम् ।

*

अथ रुधादिप्रकरणम्

(१) रुधिर् = रोकना (परस्मैपदी)

(लट्)	रुणद्धि	रुन्द्धः	रुन्धान्ति	प्र०
	रुणत्सि	रुन्द्धः	रुन्द्ध	म०
	रुणध्मि	रुन्ध्वः	रुन्ध्मः	उ०
(लिट्)	रुरोध	रुरुधतुः	रुरुधुः	प्र०
	रुरोधिथ	रुरुधथुः	रुरुध	म०
	रुरोध	रुरुधिव	रुरुधिम	उ०
(लुट्)	रोद्धा	रोद्धारौ	रोद्धारः	प्र०
	रोद्धासि	रोद्धास्थः	रोद्धास्थ	म०
	रोद्धास्मि	रोद्धास्वः	रोद्धास्मः	उ०
(लृट्)	रोत्स्यति	रोत्स्यतः	रोत्स्यन्ति	प्र०
	रोत्स्यसि	रोत्स्यथः	रोत्स्यथ	म०
	रोत्स्यामि	रोत्स्यावः	रोत्स्यामः	उ०
(लोट्)	रुणद्धु, रुन्द्धात्	रुन्द्धाम्	रुन्धन्तु	प्र०
	रुन्द्धि, रुन्द्धात्	रुन्द्धम्	रुन्द्ध	म०
	रुणधानि	रुणधाव	रुणधाम	उ०
(लङ्)	अरुणत्, द्	अरुन्द्धाम्	अरुन्धन्	प्र०
	अरुणः, अरुणत्, द्	अरुन्द्धम्	अरुन्द्ध	म०
	अरुणधम्	अरुन्ध्व	अरुन्ध्म	उ०

(वि.लि.)	रुन्ध्यात्	रुन्ध्याताम्	रुन्ध्युः	प्र०
	रुन्ध्याः	रुन्ध्यातम्	रुन्ध्यात	म०
	रुन्ध्याम्	रुन्ध्याव	रुन्ध्याम	उ०
(आ.लि.)	रुध्यात्	रुध्यास्ताम्	रुध्यासुः	प्र०
	रुध्याः	रुध्यास्तम्	रुध्यास्त	म०
	रुध्यासम्	रुध्यास्व	रुध्यास्म	उ०
(लुङ्)	अरुधत्	अरुधताम्	अरुधन्	प्र०
	अरुधः	अरुधतम्	अरुधत	म०
	अरुधम्	अरुधाव	अरुधाम	उ०
		अथवा		
	अरौत्सीत्	अरौद्धाम्	अरौत्सुः	प्र०
	अरौत्सीः	अरौद्धम्	अरौद्ध	म०
	अरौत्सम्	अरौत्स्व	अरौत्स्म	उ०
(लृङ्)	अरोत्स्यत्	अरोत्स्यताम्	अरोत्स्यन्	प्र०
	अरोत्स्यः	अरोत्स्यतम्	अरोत्स्यत्	म०
	अरोत्स्यम्	अरोत्स्याव	अरोत्स्याम	उ०
		(आत्मनेपदी)		
(लट्)	रुन्धे	रुन्धाते	रुन्धते	प्र०
	रुन्त्से	रुन्धाथे	रुन्द्ध्वे	म०
	रुन्धे	रुन्ध्वहे	रुन्ध्महे	उ०
(लिट्)	रुरुधे	रुरुधाते	रुरुधिरे	प्र०
	रुरुधिषे	रुरुधाथे	रुरुधिध्वे	म०
	रुरुधे	रुरुधिवहे	रुरुधिमहे	उ०

(लुट्)	रोद्धा	रोद्धारौ	रोद्धारः	प्र०
	रोद्धासे	रोद्धासाथे	रोद्धाध्वे	म०
	रोद्धाहे	रोद्धास्वहे	रोद्धास्महे	उ०
(लृट्)	रोत्स्यते	रोत्स्येते	रोत्स्यन्ते	प्र०
	रोत्स्यसे	रोत्स्येथे	रोत्स्यध्वे	म०
	रोत्स्ये	रोत्स्यावहे	रोत्स्यामहे	उ०
(लोट्)	रुन्द्धाम्	रुन्धाताम्	रुन्धताम्	प्र०
	रुन्त्स्व	रुन्धाथाम्	रुन्द्ध्वम्	म०
	रुणधै	रुणधावहै	रुणधामहै	उ०
(लङ्)	अरुन्द्ध	अरुन्धाताम्	अरुन्धत	प्र०
	अरुन्द्धाः	अरुन्धाथाम्	अरुन्द्ध्वम्	म०
	अरुन्धि	अरुन्ध्वहि	अरुन्ध्महि	उ०
(वि. लि.)	रुन्धीत	रुन्धीयाताम्	रुन्धीरन्	प्र०
	रुन्धीथाः	रुन्धीयाथाम्	रुन्धीध्वम्	म०
	रुन्धीय	रुन्धीवहि	रुन्धीमहि	उ०
(आ. लि.)	रुत्सीष्ट	रुत्सीयास्ताम	रुत्सीरन्	प्र०
	रुत्सीष्ठाः	रुत्सीयास्थाम्	रुत्सीध्वम्	म०
	रुत्सीय	रुत्सीवहि	रुत्सीमहि	उ०
(लुङ्)	अरुद्ध	अरुत्साताम्	अरुत्सत	प्र०
	अरुद्धाः	अरुत्साथाम्	अरुद्ध्वम्	म०
	अरुत्सि	अरुत्स्वहि	अरुत्स्महि	उ०

(लृङ्)	अरोत्स्यत	अरोत्स्येताम्	अरोत्स्यन्त	प्र०
	अरोत्स्यथाः	अरोत्स्येथाम्	अरोत्स्यध्वम्	म०
	अरोत्स्ये	अरोत्स्यावहि	अरोत्स्यामहि	उ०

(२) अञ्ज् = तेल लगाना, लेप करना, प्रकाशित करना, चलना (परस्मैपदी)

(लट्)	अनक्ति	अङ्क्तः	अञ्जन्ति	प्र०
	अनक्षि	अनङ्क्थः	अङ्क्थ	म०
	अनज्मि	अञ्ज्वः	अञ्ज्मः	उ०
(लिट्)	आनञ्ज	आनञ्जतुः	आनञ्जुः	प्र०
	आनञ्जिथ, आनङ्क्थ	आनञ्जथुः	आनञ्ज	म०
	आनञ्ज	आनञ्जिव	आनञ्जिम	उ०
(लुट्)	अञ्जिता	अञ्जितारौ	अञ्जितारः	प्र०
	अञ्जितासि	अञ्जितास्थः	अञ्जितास्थ	म०
	अञ्जितास्मि	अञ्जितास्वः	अञ्जितास्मः	उ०
		अथवा		
	अङ्क्ता	अङ्क्तारौ	अङ्क्तारः	प्र०
	अङ्क्तासि	अङ्क्तास्थः	अङ्क्तास्थ	म०
	अङ्क्तास्मि	अङ्क्तास्वः	अङ्क्तास्मः	उ०
(लृट्)	अञ्जिष्यति	अञ्जिष्यतः	अञ्जिष्यन्ति	प्र०
	अञ्जिष्यसि	अञ्जिष्यथः	अञ्जिष्यथ	म०
	अञ्जिष्यामि	अञ्जिष्यावः	अञ्जिष्यामः	उ०

अथवा

	अङ्क्ष्यति	अङ्क्ष्यतः	अङ्क्ष्यन्ति	प्र०
	अङ्क्ष्यसि	अङ्क्ष्यथः	अङ्क्ष्यथ	म०
	अङ्क्ष्यामि	अङ्क्ष्यावः	अङ्क्ष्यामः	उ०
(लोट्)	अनक्तु, अङ्क्तात्	अङ्क्ताम्	अञ्जन्तु	प्र०
	अङ्ग्धि, अङ्क्तात्	अङ्क्तम्	अङ्क्त	म०
	अनजानि	अनजाव	अनजाम	उ०
(लङ्)	अनक्, ग्	आङ्क्ताम्	आञ्जन्	प्र०
	अनक्, ग्	आङ्क्तम्	आङ्क्त	म०
	आनजम्	आञ्ज्व	आञ्ज्म	उ०
(वि. लि)	अञ्ज्यात्	अञ्ज्याताम्	अञ्ज्युः	प्र०
	अञ्ज्याः	अञ्ज्यातम्	अञ्ज्यात	म०
	अञ्ज्याम्	अञ्ज्याव	अञ्ज्याम	उ०
(आ. लि.)	अज्यात्	अज्यास्ताम्	अज्यासुः	प्र०
	अज्याः	अज्यास्तम्	अज्यास्त	म०
	अज्यासम्	अज्यास्व	अज्यास्म	उ०
(लुङ्)	आञ्जीत्	आञ्जिष्टाम्	आञ्जिषुः	प्र०
	आञ्जीः	आञ्जिष्टम्	आञ्जिष्ट	म०
	आञ्जिषम्	आञ्जिष्व	आञ्जिष्म	उ०
(लृङ्)	आञ्जिष्यत्	आञ्जिष्यताम्	आञ्जिष्यन्	प्र०
	आञ्जिष्यः	आञ्जिष्यतम्	आञ्जिष्यत	म०
	आञ्जिष्यम्	आञ्जिष्याव	आञ्जिष्याम	उ०

अथवा

	आङ्क्ष्यत्	आङ्क्ष्यताम्	आङ्क्ष्यन्	प्र०
	आङ्क्ष्यः	आङ्क्ष्यतम्	आङ्क्ष्यत	म०
	आङ्क्ष्यम्	आङ्क्ष्याव	आङ्क्ष्याम	उ०

(३) इन्ध् = चमकना (आत्मनेपदी)

(लट्)	इन्धे	इन्धाते	इन्धते	प्र०
	इन्त्से	इन्धाथे	इन्ध्वे	म०
	इन्धे	इन्ध्वहे	इन्ध्महे	उ०
(लिट्)	इन्धाञ्चक्रे	इन्धाञ्चक्राते	इन्धाञ्चक्रिरे	प्र०
	इन्धाञ्चकृषे	इन्धाञ्चक्राथे	इन्धाञ्चकृढ्वे	म०
	इन्धाञ्चक्रे	इन्धाञ्चकृवहे	इन्धाञ्चकृमहे	उ०
(लुट्)	इन्धिता	इन्धितारौ	इन्धितारः	प्र०
	इन्धितासे	इन्धितासाथे	इन्धिताध्वे	म०
	इन्धिताहे	इन्धितास्वहे	इन्धितास्महे	उ०
(लृट्)	इन्धिष्यते	इन्धिष्येते	इन्धिष्यन्ते	प्र०
	इन्धिष्यसे	इन्धिष्येथे	इन्धिष्यध्वे	म०
	इन्धिष्ये	इन्धिष्यावहे	इन्धिष्यामहे	उ०
(लोट्)	इन्द्धाम्	इन्धाताम्	इन्धताम्	प्र०
	इन्त्स्व	इन्धाथाम्	इन्ध्वम्	म०
	इनधै	इनधावहै	इनधामहै	उ०
(लङ्)	ऐन्ध	ऐन्धाताम्	ऐन्धत	प्र०
	ऐन्धाः	ऐन्धाथाम्	ऐन्धध्वम्	म०
	ऐन्धि	ऐन्ध्वहि	ऐन्ध्महि	उ०

(वि. लि.)	इन्धीत	इन्धीयाताम्	इन्धीरन्	प्र०
	इन्धीथाः	इन्धीयाथाम्	इन्धीध्वम्	म०
	इन्धीय	इन्धीवहि	इन्धीमहि	उ०
(आ. लि.)	इन्धिषीष्ट	इन्धिषीयास्ताम्	इन्धिषीरन्	प्र०
	इन्धिषीष्ठाः	इन्धिषीयास्थाम्	इन्धिषीध्वम्	म०
	इन्धिषीय	इन्धिषीवहि	इन्धिषीमहि	उ०
(लुङ्)	ऐन्धिष्ट	ऐन्धिषाताम्	ऐन्धिषत	प्र०
	ऐन्धिष्ठाः	ऐन्धिषाथाम्	ऐन्धिढ्वम्	म०
	ऐन्धिषि	ऐन्धिष्वहि	ऐन्धिष्महि	उ०
(लृङ्)	ऐन्धिष्यत	ऐन्धिष्येताम्	ऐन्धिष्यन्त	प्र०
	ऐन्धिष्यथाः	ऐन्धिष्येथाम्	ऐन्धिष्यध्वम्	म०
	ऐन्धिष्ये	ऐन्धिष्यावहि	ऐन्धिष्यामहि	उ०

(४) उन्द् = गीला करना (परस्मैपदी)

(लट्)	उनत्ति	उन्तः	उन्दन्ति	प्र०
	उनत्सि	उन्त्थः	उन्त्थ	म०
	उनद्मि	उन्द्वः	उन्द्मः	उ०
(लिट्)	उन्दाञ्चकार	उन्दाञ्चक्रतुः	उन्दाञ्चक्रुः	प्र०
	उन्दाञ्चकर्थ	उन्दाञ्चक्रथुः	उन्दाञ्चक्र	म०
	उन्दाञ्चकार, उन्दाञ्चकर	उन्दाञ्चकृव	उन्दाञ्चकृम	उ०
(लुट्)	उन्दिता	उन्दितारौ	उन्दितारः	प्र०
	उन्दितासि	उन्दितास्थः	उन्दितास्थ	म०
	उन्दितास्मि	उन्दितास्वः	उन्दितास्मः	उ०

(लृट्)	उन्दिष्यति	उन्दिष्यतः	उन्दिष्यन्ति	प्र०
	उन्दिष्यसि	उन्दिष्यथः	उन्दिष्यथ	म०
	उन्दिष्यामि	उन्दिष्यावः	उन्दिष्यामः	उ०
(लोट्)	उनत्तु, उन्तात्	उन्ताम्	उन्दन्तु	प्र०
	उन्द्धि, उन्तात्	उन्तम्	उन्त	म०
	उनदानि	उनदाव	उनदाम	उ०
(लङ्)	औनत्, द्	औन्ताम्	औन्दन्	प्र०
	औनः, औनत्, द्	औन्तम्	औन्त	म०
	औनदम्	औन्द्व	औन्द्म	उ०
(वि. लि.)	उन्द्यात्	उन्द्याताम्	उन्द्युः	प्र०
	उन्द्याः	उन्द्यातम्	उन्द्यात	म०
	उन्द्याम्	उन्द्याव	उन्द्याम	उ०
(आ. लि.)	उद्यात्	उद्यास्ताम्	उद्यासुः	प्र०
	उद्याः	उद्यास्तम्	उद्यास्त	म०
	उद्यासम्	उद्यास्व	उद्यास्म	उ०
(लुङ्)	औन्दीत्	औन्दिष्टाम्	औन्दिषुः	प्र०
	औन्दीः	औन्दिष्टम्	औन्दिष्ट	म०
	औन्दिषम्	औन्दिष्व	औन्दिष्म	उ०
(लृङ्)	औन्दिष्यत्	औन्दिष्यताम्	औन्दिष्यन्	प्र०
	औन्दिष्यः	औन्दिष्यतम्	औन्दिष्यत	म०
	औन्दिष्यम्	औन्दिष्याव	औन्दिष्याम	उ०

(५) कृत् = सूत कातना (परस्मैपदी)

(लट्)	कृणत्ति	कृन्तः	कृन्तन्ति	प्र०
	कृणत्सि	कृन्थः	कृन्थ	म०
	कृणद्मि	कृन्त्वः	कृन्त्मः	उ०
(लिट्)	चकर्त	चकृततुः	चकृतुः	प्र०
	चकर्तिथ	चकृतथुः	चकृत	म०
	चकर्त	चकृतिव	चकृतिम	उ०
(लुट्)	कर्तिता	कर्तितारौ	कर्तितारः	प्र०
	कर्तितासि	कर्तितास्थः	कर्तितास्थ	म०
	कर्तितास्मि	कर्तितास्वः	कर्तितास्मः	उ०
(लृट्)	कर्तिष्यति	कर्तिष्यतः	कर्तिष्यन्ति	प्र०
	कर्तिष्यसि	कर्तिष्यथः	कर्तिष्यथ	म०
	कर्तिष्यामि	कर्तिष्यावः	कर्तिष्यामः	उ०
		अथवा		
	कर्त्स्यति	कर्त्स्यतः	कर्त्स्यन्ति	प्र०
	कर्त्स्यसि	कर्त्स्यथः	कर्त्स्यथ	म०
	कर्त्स्यामि	कर्त्स्यावः	कर्त्स्यामः	उ०
(लोट्)	कृणत्तु, कृन्तात्	कृन्ताम्	कृन्तन्तु	प्र०
	कृन्धि, कृन्तात्	कृन्तम्	कृन्त	म०
	कृणतानि	कृणताव	कृणताम	उ०
(लङ्)	अकृणत्, द्	अकृन्ताम्	अकृन्तन्	प्र०
	अकृणः, अकृणत्, द्	अकृन्तम्	अकृन्त	म०
	अकृणतम्	अकृन्त्व	अकृन्त्म	उ०

(वि. लि.)	कृन्त्यात्	कृन्त्याताम्	कृन्त्युः	प्र०
	कृन्त्याः	कृन्त्यातम्	कृन्त्यात	म०
	कृन्त्याम्	कृन्त्याव	कृन्त्याम	उ०
(आ. लि.)	कृत्यात्	कृत्यास्ताम्	कृत्यासुः	प्र०
	कृत्याः	कृत्यास्तम्	कृत्यास्त	म०
	कृत्यासम्	कृत्यास्व	कृत्यास्म	उ०
(लुङ्)	अकर्तीत्	अकर्तिष्टाम्	अकर्तिषुः	प्र०
	अकर्तीः	अकर्तिष्टम्	अकर्तिष्ट	म०
	अकर्तिषम्	अकर्तिष्व	अकर्तिष्म	उ०
(लृङ्)	अकर्तिष्यत्	अकर्तिष्यताम्	अकर्तिष्यन्	प्र०
	अकर्तिष्यः	अकर्तिष्यतम्	अकर्तिष्यत	म०
	अकर्तिष्यम्	अकर्तिष्याव	अकर्तिष्याम	उ०
		अथवा		
	अकर्त्स्यत्	अकर्त्स्यताम्	अकर्त्स्यन्	प्र०
	अकर्त्स्यः	अकर्त्स्यतम्	अकर्त्स्यत	म०
	अकर्त्स्यम्	अकर्त्स्याव	अकर्त्स्याम	उ०

(६) क्षुद् = कूटना-पीसना (परस्मैपदी)

(लट्)	क्षुणत्ति	क्षुन्तः	क्षुन्दन्ति	प्र०
	क्षुणत्सि	क्षुन्त्थः	क्षुन्त्थ	म०
	क्षुणद्मि	क्षुन्द्वः	क्षुन्द्मः	उ०
(लिट्)	चुक्षोद	चुक्षुदतुः	चुक्षुदुः	प्र०
	चुक्षोदिथ	चुक्षुदथुः	चुक्षुद	म०
	चुक्षोद	चुक्षुदिव	चुक्षुदिम	उ०

(लुट्)	क्षोत्ता	क्षोत्तारौ	क्षोत्तारः	प्र०
	क्षोत्तासि	क्षोत्तास्थः	क्षोत्तास्थ	म०
	क्षोत्तास्मि	क्षोत्तास्वः	क्षोत्तास्मः	उ०
(लृट्)	क्षोत्स्यति	क्षोत्स्यतः	क्षोत्स्यन्ति	प्र०
	क्षोत्स्यसि	क्षोत्स्यथः	क्षोत्स्यथ	म०
	क्षोत्स्यामि	क्षोत्स्यावः	क्षोत्स्यामः	उ०
(लोट्)	क्षुणत्तु, क्षुन्तात्	क्षुन्ताम्	क्षुन्दन्तु	प्र०
	क्षुन्द्धि, क्षुन्तात्	क्षुन्तम्	क्षुन्त	म०
	क्षुणदानि	क्षुणदाव	क्षुणदाम	उ०
(लङ्)	अक्षुणत्	अक्षुन्ताम्	अक्षुन्दन्	प्र०
	अक्षुणः, अक्षुणत्, द्	अक्षुन्तम्	अक्षुन्त	म०
	अक्षुणदम्	अक्षुन्द्व	अक्षुन्द्म	उ०
(वि. लि.)	क्षुन्द्यात्	क्षुन्द्याताम्	क्षुन्द्युः	प्र०
	क्षुन्द्याः	क्षुन्द्यातम्	क्षुन्द्यात	म०
	क्षुन्द्याम्	क्षुन्द्याव	क्षुन्द्याम	उ०
(आ. लि.)	क्षुद्यात्	क्षुद्यास्ताम्	क्षुद्यासुः	प्र०
	क्षुद्याः	क्षुद्यास्तम्	क्षुद्यास्त	म०
	क्षुद्यासम्	क्षुद्यास्व	क्षुद्यास्म	उ०
(लुङ्)	अक्षुदत्	अक्षुदताम्	अक्षुदन्	प्र०
	अक्षुदः	अक्षुदतम्	अक्षुदत	म०
	अक्षुदम्	अक्षुदाव	अक्षुदाम	उ०

अथवा

	अक्षौत्सीत्	अक्षौत्ताम्	अक्षौत्सुः	प्र०
	अक्षौत्सीः	अक्षौत्तम्	अक्षौत्त	म०
	अक्षौत्सम्	अक्षौत्स्व	अक्षौत्स्म	उ०
(लृङ्)	अक्षोत्स्यत्	अक्षोत्स्यताम्	अक्षोत्स्यन्	प्र०
	अक्षोत्स्यः	अक्षोत्स्यतम्	अक्षोत्स्यत	म०
	अक्षोत्स्यम्	अक्षोत्स्याव	अक्षोत्स्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	क्षुन्ते	क्षुन्दाते	क्षुन्दते	प्र०
	क्षुन्त्से	क्षुन्दाथे	क्षुन्द्ध्वे	म०
	क्षुन्दे	क्षुन्द्वहे	क्षुन्द्महे	उ०
(लिट्)	चुक्षुदे	चुक्षुदाते	चुक्षुदिरे	प्र०
	चुक्षुदिषे	चुक्षुदाथे	चुक्षुदिध्वे	म०
	चुक्षुदे	चुक्षुदिवहे	चुक्षुदिमहे	उ०
(लुट्)	क्षोत्ता	क्षोत्तारौ	क्षोत्तारः	प्र०
	क्षोत्तासे	क्षोत्तासाथे	क्षोत्ताध्वे	म०
	क्षोत्ताहे	क्षोत्तास्वहे	क्षोत्तास्महे	उ०
(लृट्)	क्षोत्स्यते	क्षोत्स्येते	क्षोत्स्यन्ते	प्र०
	क्षोत्स्यसे	क्षोत्स्येथे	क्षोत्स्यध्वे	म०
	क्षोत्स्ये	क्षोत्स्यावहे	क्षोत्स्यामहे	उ०
(लोट्)	क्षुन्ताम्	क्षुन्दाताम्	क्षुन्दताम्	प्र०
	क्षुन्त्स्व	क्षुन्दाथाम्	क्षुन्द्ध्वम्	म०
	क्षुणदै	क्षुणदावहै	क्षुणदामहै	उ०

(लङ्)	अक्षुन्त	अक्षुन्दाताम्	अक्षुन्दत	प्र०
	अक्षुन्थाः	अक्षुन्दाथाम्	अक्षुन्द्ध्वम्	म०
	अक्षुन्दि	अक्षुन्द्वहि	अक्षुन्द्महि	उ०
(वि. लि.)	क्षुन्दीत	क्षुन्दीयाताम्	क्षुन्दीरन्	प्र०
	क्षुन्दीथाः	क्षुन्दीयाथाम्	क्षुन्दीध्वम्	म०
	क्षुन्दीय	क्षुन्दीवहि	क्षुन्दीमहि	उ०
(आ. लि.)	क्षुत्सीष्ट	क्षुत्सीयास्ताम्	क्षुत्सीरन्	प्र०
	क्षुत्सीष्ठाः	क्षुत्सीयास्थाम्	क्षुत्सीध्वम्	म०
	क्षुत्सीय	क्षुत्सीवहि	क्षुत्सीमहि	उ०
(लुङ्)	अक्षुत्त	अक्षुत्साताम्	अक्षुत्सत	प्र०
	अक्षुत्थाः	अक्षुत्साथाम्	अक्षुद्ध्वम्	म०
	अक्षुत्सि	अक्षुत्स्वहि	अक्षुत्स्महि	उ०
(लृङ्)	अक्षोत्स्यत	अक्षोत्स्येताम्	अक्षोत्स्यन्त	प्र०
	अक्षोत्स्यथाः	अक्षोत्स्येथाम्	अक्षोत्स्यध्वम्	म०
	अक्षोत्स्ये	अक्षोत्स्यावहि	अक्षोत्स्यामहि	उ०

(७) छिदिर् = काटना (परस्मैपदी)

(लट्)	छिनत्ति	छिन्तः	छिन्दन्ति	प्र०
	छिनत्सि	छिन्थः	छिन्थ	म०
	छिनद्मि	छिन्द्वः	छिन्द्मः	उ०
(लिट्)	चिच्छेद	चिच्छिदतुः	चिच्छिदुः	प्र०
	चिच्छेदिथ	चिच्छिदथुः	चिच्छिद	म०
	चिच्छेद	चिच्छिदिव	चिच्छिदिम	उ०

(लुट्)	छेत्ता	छेत्तारौ	छेत्तारः	प्र०
	छेत्तासि	छेत्तास्थः	छेत्तास्थ	म०
	छेत्तास्मि	छेत्तास्वः	छेत्तास्मः	उ०
(लृट्)	छेत्स्यति	छेत्स्यतः	छेत्स्यन्ति	प्र०
	छेत्स्यसि	छेत्स्यथः	छेत्स्यथ	म०
	छेत्स्यामि	छेत्स्यावः	छेत्स्यामः	उ०
(लोट्)	छिनत्तु, छिन्तात्	छिन्ताम्	छिन्दन्तु	प्र०
	छिन्धि, छिन्तात्	छिन्तम्	छिन्त	म०
	छिनदानि	छिनदाव	छिनदाम	उ०
(लङ्)	अच्छिनत्, द्	अच्छिन्ताम्	अच्छिन्दन्	प्र०
	अच्छिनः, अच्छिनत्, द्	अच्छिन्तम्	अच्छिन्त	म०
	अच्छिनदम्	अच्छिन्द्व	अच्छिन्द्म	उ०
(वि. लि.)	छिन्द्यात्	छिन्द्याताम्	छिन्द्युः	प्र०
	छिन्द्याः	छिन्द्यातम्	छिन्द्यात	म०
	छिन्द्याम्	छिन्द्याव	छिन्द्याम	उ०
(आ. लि.)	छिद्यात्	छिद्यास्ताम्	छिद्यासुः	प्र०
	छिद्याः	छिद्यास्तम्	छिद्यास्त	म०
	छिद्यासम्	छिद्यास्व	छिद्यास्म	उ०
(लुङ्)	अच्छिदत्	अच्छिदताम्	अच्छिदन्	प्र०
	अच्छिदः	अच्छिदतम्	अच्छिदत	म०
	अच्छिदम्	अच्छिदाव	अच्छिदाम	उ०

अथवा

	अच्छैत्सीत्	अच्छैत्ताम्	अच्छैत्सुः	प्र०
	अच्छैत्सीः	अच्छैत्तम्	अच्छैत्त	म०
	अच्छैत्सम्	अच्छैत्स्व	अच्छैत्स्म	उ०
(लृङ्)	अच्छेत्स्यत्	अच्छेत्स्यताम्	अच्छेत्स्यन्	प्र०
	अच्छेत्स्यः	अच्छेत्स्यतम्	अच्छेत्स्यत	म०
	अच्छेत्स्यम्	अच्छेत्स्याव	अच्छेत्स्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	छिन्ते	छिन्दाते	छिन्दते	प्र०
	छिन्त्से	छिन्दाथे	छिन्द्ध्वे	म०
	छिन्दे	छिन्द्वहे	छिन्द्महे	उ०
(लिट्)	चिच्छिदे	चिच्छिदाते	चिच्छिदिरे	प्र०
	चिच्छिदिषे	चिच्छिदाथे	चिच्छिदिध्वे	म०
	चिच्छिदे	चिच्छिदिवहे	चिच्छिदिमहे	उ०
(लुट्)	छेत्ता	छेत्तारौ	छेत्तारः	प्र०
	छेत्तासे	छेत्तासाथे	छेत्ताध्वे	म०
	छेत्ताहे	छेत्तास्वहे	छेत्तास्महे	उ०
(लृट्)	छेत्स्यते	छेत्स्येते	छेत्स्यन्ते	प्र०
	छेत्स्यसे	छेत्स्येथे	छेत्स्यध्वे	म०
	छेत्स्ये	छेत्स्यावहे	छेत्स्यामहे	उ०
(लोट्)	छिन्ताम्	छिन्दाताम्	छिन्दताम्	प्र०
	छिन्त्स्व	छिन्दाथाम्	छिन्द्ध्वम्	म०
	छिनदै	छिनदावहै	छिनदामहै	उ०

(लङ्)	अच्छिन्त्त	अच्छिन्दाताम्	अच्छिन्दत	प्र०
	अच्छिन्थाः	अच्छिन्दाथाम्	अच्छिन्द्ध्वम्	म०
	अच्छिन्दि	अच्छिन्द्वहि	अच्छिन्द्महि	उ०
(वि. लि.)	छिन्दीत	छिन्दीयाताम्	छिन्दीरन्	प्र०
	छिन्दीथाः	छिन्दीयाथाम्	छिन्दीध्वम्	म०
	छिन्दीय	छिन्दीवहि	छिन्दीमहि	उ०
(आ. लि.)	छित्सीष्ठ	छित्सीयास्ताम्	छित्सीरन्	प्र०
	छिंत्सीष्ठाः	छित्सीयास्थाम्	छित्सीध्वम्	म०
	छित्सीय	छित्सीवहि	छित्सीमहि	उ०
(लुङ्)	अच्छित्त	अच्छित्साताम्	अच्छित्सत	प्र०
	अच्छित्थाः	अच्छित्साथाम्	अच्छिद्ध्वम्	म०
	अच्छित्सि	अच्छित्स्वहि	अच्छित्स्महि	उ०
(लृङ्)	अच्छेत्स्यत	अच्छेत्स्येताम्	अच्छेत्स्यन्त	प्र०
	अच्छेत्स्यथाः	अच्छेत्स्येथाम्	अच्छेत्स्यध्वम्	म०
	अच्छेत्स्ये	अच्छेत्स्यावहि	अच्छेत्स्यामहि	उ०

(८) छृद् = दीप्त होना, खेलना (परस्मैपदी)

(लट्)	छृणत्ति	छृन्तः	छृन्दन्ति	प्र०
	छृणत्सि	छृन्थः	छृन्थ	म०
	छृणद्मि	छृन्द्वः	छृन्द्मः	उ०
(लिट्)	चच्छर्द	चच्छृदतुः	चच्छृदुः	प्र०
	चच्छर्दिथ	चच्छृदथुः	चच्छृद	म०
	चच्छर्द	चच्छृदिव	चच्छृदिम	उ०

(लुट्)	छर्दिता	छर्दितारौ	छर्दितारः	प्र०
	छर्दितासि	छर्दितास्थः	छर्दितास्थ	म०
	छर्दितास्मि	छर्दितास्वः	छर्दितास्मः	उ०
(लृट्)	छर्दिष्यति	छर्दिष्यतः	छर्दिष्यन्ति	प्र०
	छर्दिष्यसि	छर्दिष्यथः	छर्दिष्यथ	म०
	छर्दिष्यामि	छर्दिष्यावः	छर्दिष्यामः	उ०

अथवा

	छर्त्स्यति	छर्त्स्यतः	छर्त्स्यन्ति	प्र०
	छर्त्स्यसि	छर्त्स्यथः	छर्त्स्यथ	म०
	छर्त्स्यामि	छर्त्स्यावः	छर्त्स्यामः	उ०
(लोट्)	छृणत्तु, छृन्तात्	छृन्ताम्	छृन्दतु	प्र०
	छृन्धि, छृन्तात्	छृन्तम्	छृन्त	म०
	छृणदानि	छृणदाव	छृणदाम	उ०
(लङ्)	अच्छृणत्, द्	अच्छृन्ताम्	अच्छृन्दन्	प्र०
	अच्छृणः, अच्छृणत्, द्	अच्छृन्तम्	अच्छृन्त	म०
	अच्छृणदम्	अच्छृन्द्व	अच्छृन्द्म	उ०
(वि.लि.)	छृन्द्यात्	छृन्द्याताम्	छृन्द्युः	प्र०
	छृन्द्याः	छृन्द्यातम्	छृन्द्यात	म०
	न्छृद्याम्	छृन्द्याव	छृन्द्याम	उ०
(आ.लि.)	छृद्यात्	छृद्यास्ताम्	छृद्यासुः	प्र०
	छृद्याः	छृद्यास्तम्	छृद्यास्त	म०
	छृद्यासम्	छृद्यास्व	छृद्यास्म	उ०

(लुङ्)	अच्छृदत्	अच्छृदताम्	अच्छृदन्	प्र०
	अच्छृदः	अच्छृदतम्	अच्छृदत	म०
	अच्छृदम्	अच्छृदाव	अच्छृदाम	उ०

अथवा

	अच्छर्दीत्	अच्छर्दिष्टाम्	अच्छर्दिषुः	प्र०
	अच्छर्दीः	अच्छर्दिष्टम्	अच्छर्दिष्ट	म०
	अच्छर्दिषम्	अच्छर्दिष्व	अच्छर्दिष्म	उ०
(लृङ्)	अच्छर्दिष्यत्	अच्छर्दिष्यताम्	अच्छर्दिष्यन्	प्र०
	अच्छर्दिष्यः	अच्छर्दिष्यतम्	अच्छर्दिष्यत	म०
	अच्छर्दिष्यम्	अच्छर्दिष्याव	अच्छर्दिष्याम	उ०

अथवा

	अच्छर्त्स्यत्	अच्छर्त्स्यताम्	अच्छर्त्स्यन्	प्र०
	अच्छर्त्स्यः	अच्छर्त्स्यतम्	अच्छर्त्स्यत	म०
	अच्छर्त्स्यम्	अच्छर्त्स्याव	अच्छर्त्स्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	छृन्ते	छृन्दाते	छृन्दते	प्र०
	छृन्त्से	छृन्दाथे	छृन्दध्वे	म०
	छृन्दे	छृन्द्वहे	छृन्द्महे	उ०
(लिट्)	चच्छृदे	चच्छृदाते	चच्छृदिरे	प्र०
	चच्छृदिषे, चच्छृत्से	चच्छृदाथे	चच्छृदिध्वे	म०
	चच्छृदे	चच्छृदिवहे	चच्छृदिमहे	उ०

(लुट्)	छर्दिता	छर्दितारौ	छर्दितारः	प्र०
	छर्दितासे	छर्दितासाथे	छर्दिताध्वे	म०
	छर्दिताहे	छर्दितास्वहे	छर्दितास्महे	उ०
(लृट्)	छर्दिष्यते	छर्दिष्येते	छर्दिष्यन्ते	प्र०
	छर्दिष्यसे	छर्दिष्येथे	छर्दिष्यध्वे	म०
	छर्दिष्ये	छर्दिष्यावहे	छर्दिष्यामहे	उ०
		अथवा		
	छर्त्स्यते	छर्त्स्येते	छर्त्स्यन्ते	प्र०
	छर्त्स्यसे	छर्त्स्येथे	छर्त्स्यध्वे	म०
	छर्त्स्ये	छर्त्स्यावहे	छर्त्स्यामहे	उ०
(लोट्)	छृन्ताम्	छृन्दाताम्	छृन्दताम्	प्र०
	छृन्त्स्व	छृन्दाथाम्	छृन्दध्वम्	म०
	छृणदै	छृणदावहै	छृणदामहै	उ०
(लङ्)	अच्छृन्त	अच्छृन्दाताम्	अच्छृन्दत	प्र०
	अच्छृन्त्थाः	अच्छृन्दाथाम्	अच्छन्द्ध्वम्	म०
	अच्छृन्दि	अच्छृन्द्वहि	अच्छृन्द्महि	उ०
(वि.लि.)	छृन्दीत	छृन्दीयाताम्	छृन्दीरन्	प्र०
	छृन्दीथाः	छृन्दीयाथाम्	छृन्दीध्वम	म०
	छृन्दीय	छृन्दीवहि	छृन्दीमहि	उ०
(आ.लि.)	छृत्सीष्ट	छृत्सीयास्ताम्	छृत्सीरन्	प्र०
	छृत्सीष्ठाः	छृत्सीयास्थाम्	छृत्सीध्वम्	म०
	छृत्सीय	छृत्सीवहि	छृत्सीमहि	उ०

		अथवा		
	छर्दिषीष्ट	छर्दिषीयास्ताम्	छर्दिषीरन्	प्र०
	छर्दिषीष्ठाः	छर्दिषीयास्थाम्	छर्दिषीध्वम्	म०
	छर्दिषीय	छर्दिषीवहि	छर्दिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अच्छर्दिष्ट	अच्छर्दिषाताम्	अच्छर्दिषत	प्र०
	अच्छर्दिष्ठाः	अच्छर्दिषाथाम्	अच्छर्दिढ्वम्	म०
	अच्छर्दिषि	अच्छर्दिष्वहि	अच्छर्दिष्महि	उ०
(लृङ्)	अच्छर्दिष्यत	अच्छर्दिष्येताम्	अच्छर्दिष्यन्त	प्र०
	अच्छर्दिष्यथाः	अच्छर्दिष्येथाम्	अच्छर्दिष्यध्वम्	म०
	अच्छर्दिष्ये	अच्छर्दिष्यावहि	अच्छर्दिष्यामहि	उ०
		अथवा		
	अच्छर्त्स्यत	अच्छर्त्स्येताम्	अच्छर्त्स्यन्त	प्र०
	अच्छर्त्स्यथाः	अच्छर्स्येथाम्	अच्छर्त्स्यध्वम्	म०
	अच्छर्त्स्ये	अच्छर्त्स्यावहि	अच्छर्त्स्यामहि	उ०

(९) तृद् = हिंसा, तिरस्कार करना (परस्मैपदी)

(लट्)	तृणत्ति	तृन्तः	तृन्दन्ति	प्र०
	तृणत्सि	तृन्थः	तृन्थ	म०
	तृणद्मि	तृन्द्वः	तृन्द्मः	उ०
(लिट्)	ततर्द	ततृदतुः	ततृदुः	प्र०
	ततर्दिथ	ततृदथुः	ततृद	म०
	ततर्द	ततृदिव	ततृदिम	उ०

(लुट्)	तर्दिता	तर्दितारौ	तर्दितारः	प्र०
	तर्दितासि	तर्दितास्थः	तर्दितास्थ	म०
	तर्दितास्मि	तर्दितास्वः	तर्दितास्मः	उ०
(लृट्)	तर्दिष्यति	तर्दिष्यतः	तर्दिष्यन्ति	प्र०
	तर्दिष्यसि	तर्दिष्यथः	तर्दिष्यथ	म०
	तर्दिष्यामि	तर्दिष्यावः	तर्दिष्यामः	उ०

अथवा

	तर्त्स्यति	तर्त्स्यतः	तर्त्स्यन्ति	प्र०
	तर्त्स्यसि	तर्त्स्यथः	तर्त्स्यथ	म०
	तर्त्स्यामि	तर्त्स्यावः	तर्त्स्यामः	उ०
(लोट्)	तृणत्तु, तृन्तात्	तृन्ताम्	तृन्दन्तु	प्र०
	तृन्धि, तृन्तात्	तृन्तम्	तृन्त	म०
	तृणदानि	तृणदाव	तृणदाम	उ०
(लङ्)	अतृणत्, द्	अतृन्ताम्	अतृन्दन्	प्र०
	अतृणः अतृणत्, द्	अतृन्तम्	अतृन्त	म०
	अतृणदम्	अतृन्द्व	अतृन्द्म	उ०
(वि. लि.)	तृन्द्यात्	तृन्द्याताम्	तृन्द्युः	प्र०
	तृन्द्याः	तृन्द्यातम्	तृन्द्यात	म०
	तृन्द्याम्	तृन्द्याव	तृन्द्याम	उ०
(आ. लि.)	तृद्यात्	तृद्यास्ताम्	तृद्यासुः	प्र०
	तृद्याः	तृद्यास्तम्	तृद्यास्त	म०
	तृद्यासम्	तृद्यास्व	तृद्यास्म	उ०

(लुङ्)	अतृदत्	अतृदताम्	अतृदन्	प्र०
	अतृदः	अतृदतम्	अतृदत	म०
	अतृदम्	अतृदाव	अतृदाम	उ०

अथवा

	अतर्दीत्	अतर्दिष्टाम्	अतर्दिषुः	प्र०
	अतर्दीः	अतर्दिष्टम्	अतर्दिष्ट	म०
	अतर्दिषम्	अतर्दिष्व	अतिर्दिष्म	उ०
(लृङ्)	अतर्दिष्यत्	अतर्दिष्यताम्	अतर्दिष्यन्	प्र०
	अतर्दिष्यः	अतर्दिष्यतम्	अतर्दिष्यत	म०
	अतर्दिष्यम्	अतर्दिष्याव	अतर्दिष्याम	उ०

अथवा

	अतर्त्स्यत्	अतर्त्स्यताम्	अतर्त्स्यन्	प्र०
	अतर्त्स्यः	अतर्त्स्यतम्	अतर्त्स्यत	म०
	अतर्त्स्यम्	अतर्त्स्याव	अतर्त्स्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	तृन्ते	तृन्दाते	तृन्दते	प्र०
	तृन्त्से	तृन्दाथे	तृन्द्ध्वे	म०
	तृन्दे	तृन्द्वहे	तृन्द्महे	उ०
(लिट्)	ततृदे	ततृदाते	ततृदिरे	प्र०
	ततृदिषे, ततृत्से	ततृदाथे	ततृदिध्वे	म०
	ततृदे	ततृदिवहे	ततृदिमहे	उ०

(लुट्)	तर्दिता	तर्दितारौ	तर्दितारः	प्र०
	तर्दितासे	तर्दितासाथे	तर्दिताध्वे	म०
	तर्दिताहे	तर्दितास्वहे	तर्दितास्महे	उ०
(लृट्)	तर्दिष्यते	तर्दिष्येते	तर्दिष्यन्ते	प्र०
	तर्दिष्यसे	तर्दिष्येथे	तर्दिष्यध्वे	म०
	तर्दिष्ये	तर्दिष्यावहे	तर्दिष्यामहे	उ०

अथवा

	तर्त्स्यते	तर्त्स्येते	तर्त्स्यन्ते	प्र०
	तर्त्स्यसे	तर्त्स्येथे	तर्त्स्यध्वे	म०
	तर्त्स्ये	तर्त्स्यावहे	तर्त्स्यामहे	उ०
(लोट्)	तृन्ताम्	तृन्दाताम्	तृन्दताम्	प्र०
	तृन्त्स्व	तृन्दाथाम्	तृन्द्ध्वम्	म०
	तृणदै	तृणदावहै	तृणदामहै	उ०
(लङ्)	अतृन्त	अतृन्दाताम्	अतृन्दत	प्र०
	अतृन्त्थाः	अतृन्दाथाम्	अतृन्द्ध्वम्	म०
	अतृन्दि	अतृन्द्वहि	अतृन्द्महि	उ०
(वि. लि.)	तृन्दीत	तृन्दीयाताम्	तृन्दीरन्	प्र०
	तृन्दीथाः	तृन्दीयाथाम्	तृन्दीध्वम्	म०
	तृन्दीय	तृन्दीवहि	तृन्दीमहि	उ०
(आ. लि.)	तर्दिषीष्ट	तर्दिषीयास्ताम्	तर्दिषीरन्	प्र०
	तर्दिषीष्ठाः	तर्दिषीयास्थाम्	तर्दिषीध्वम्	म०
	तर्दिषीय	तर्दिषीवहि	तर्दिषीमहि	उ०

अथवा

	तृत्सीष्ट	तृत्सीयास्ताम्	तृत्सीरन्	प्र०
	तृत्सीष्ठाः	तृत्सीयास्थाम्	तृत्सीध्वम्	म०
	तृत्सीय	तृत्सीवहि	तृत्सीमहि	उ०
(लुङ्)	अतर्दिष्ट	अतर्दिषाताम्	अतर्दिषत	प्र०
	अतर्दिष्ठाः	अतर्दिषाथाम्	अतर्दिढ्वम्	म०
	अतर्दिषि	अतर्दिष्वहि	अतर्दिष्महि	उ०
(लृङ्)	अतर्दिष्यत	अतर्दिष्येताम्	अतर्दिष्यन्त	प्र०
	अतर्दिष्यथाः	अतर्दिष्येथाम्	अतर्दिष्यध्वम्	म०
	अतर्दिष्ये	अतर्दिष्यावहि	अतर्दिष्यामहि	उ०

अथवा

	अतर्त्स्यत	अतर्त्स्येताम्	अतर्त्स्यन्त	प्र०
	अतर्त्स्यथाः	अतर्त्स्येथाम्	अतर्त्स्यध्वम्	म०
	अतर्त्स्ये	अतर्त्स्यावहि	अतर्त्स्यामहि	उ०

(१०) तृह = वध करना (परस्मैपदी)

(लट्)	तृणेढि	तृण्ढः	तृंहन्ति	प्र०
	तृणेक्षि	तृण्ढः	तृण्ढ	म०
	तृणेह्मि	तृंह्वः	तृंह्मः	उ०
(लिट्)	ततर्ह	ततृहतुः	ततृहुः	प्र०
	ततर्हिथ	ततृहथुः	ततृह	म०
	ततर्ह	ततृहिव	ततृहिम	उ०

(लुट्)	तर्हिता	तर्हितारौ	तर्हितारः	प्र०
	तर्हितासि	तर्हितास्थः	तर्हितास्थ	म०
	तर्हितास्मि	तर्हितास्वः	तर्हितास्मः	उ०
(लृट्)	तर्हिष्यति	तर्हिष्यतः	तर्हिष्यन्ति	प्र०
	तर्हिष्यसि	तर्हिष्यथः	तर्हिष्यथ	म०
	तर्हिष्यामि	तर्हिष्यावः	तर्हिष्यामः	उ०
(लोट्)	तृणेढु, तृण्ढात्	तृण्ढाम्	तृंहन्तु	प्र०
	तृण्ढि, तृण्ढात्	तृण्ढम्	तृण्ढ	म०
	तृणहानि	तृणहाव	तृणहाम	उ०
(लङ्)	अतृणेट्, ड्	अतृण्ढाम्	अतृंहन्	प्र०
	अतृणेट्, ड्	अतृण्ढम्	अतृण्ढ	म०
	अतृणहम्	अतृंह्व	अतृंह्म	उ०
(वि.लि.)	तृंह्यात्	तृंह्याताम्	तृंह्युः	प्र०
	तृंह्याः	तृंह्यातम्	तृंह्यात	म०
	तृंह्याम्	तृंह्याव	तृंह्याम	उ०
(आ.लि.)	तृह्यात्	तृह्यास्ताम्	तृह्यासुः	प्र०
	तृह्याः	तृह्यास्तम्	तृह्यास्त	म०
	तृह्यासम्	तृह्यास्व	तृह्यास्म	उ०
(लुङ्)	अतर्हीत्	अतर्हिष्टाम्	अतर्हिषुः	प्र०
	अतर्हीः	अतर्हिष्टम्	अतर्हिष्ट	म०
	अतर्हिषम्	अतर्हिष्व	अतर्हिष्म	उ०

(लृङ्)	अतर्हिष्यत्	अतर्हिष्यताम्	अतर्हिष्यन्	प्र०
	अतर्हिष्यः	अतर्हिष्यतम्	अतर्हिष्यत	म०
	अतर्हिष्यम्	अतर्हिष्याव	अतर्हिष्याम	उ०

(११) भञ्ज् = तोड़ना (परस्मैपदी)

(लट्)	भनक्ति	भङ्क्तः	भञ्जन्ति	प्र०
	भनक्षि	भङ्क्थः	भङ्क्थ	म०
	भनज्मि	भञ्ज्वः	भञ्ज्मः	उ०
(लिट्)	बभञ्ज	बभञ्जतुः	बभञ्जुः	प्र०
	बभञ्जिथ, बभङ्क्थ	बभञ्जथुः	बभञ्ज	म०
	बभञ्ज	बभञ्जिव	बभञ्जिम	उ०
(लुट्)	भङ्क्ता	भङ्क्तारौ	भङ्क्तारः	प्र०
	भङ्क्तासि	भङ्क्तास्थः	भङ्क्तास्थ	म०
	भङ्क्तास्मि	भङ्क्तास्वः	भङ्क्तास्मः	उ०
(लृट्)	भङ्क्ष्यति	भङ्क्ष्यतः	भङ्क्ष्यन्ति	प्र०
	भङ्क्ष्यसि	भङ्क्ष्यथः	भङ्क्ष्यथ	म०
	भङ्क्ष्यामि	भङ्क्ष्यावः	भङ्क्ष्यामः	उ०
(लोट्)	भनक्तु, भङ्क्तात्	भङ्क्ताम्	भञ्जन्तु	प्र०
	भङ्ग्धि, भङ्क्तात्	भङ्क्तम्	भङ्क्त	म०
	भनजानि	भनजाव	भनजाम	उ०
(लङ्)	अभनक्, ग्	अभङ्क्ताम्	अभञ्जन्	प्र०
	अभनक्, ग्	अभङ्क्तम्	अभङ्क्त	म०
	अभञ्जम्	अभञ्ज्व	अभञ्ज्म	उ०

(वि.लि.)	भञ्ज्यात्	भञ्ज्याताम्	भञ्ज्युः	प्र०
	भञ्ज्याः	भञ्ज्यातम्	भञ्ज्यात	म०
	भञ्ज्याम्	भञ्ज्याव	भञ्ज्याम	उ०
(आ.लि.)	भज्यात्	भज्यास्ताम्	भज्यासुः	प्र०
	भज्याः	भज्यास्तम्	भज्यास्त	म०
	भज्यासम्	भज्यास्व	भज्यास्म	उ०
(लुङ्)	अभाङ्क्षीत्	अभाङ्क्ताम्	अभाङ्क्षुः	प्र०
	अभाङ्क्षीः	अभाङ्क्तम्	अभाङ्क्त	म०
	अभाङ्क्षम्	अभाङ्क्ष्व	अभाङ्क्ष्म	उ०
(लृङ्)	अभङ्क्ष्यत्	अभङ्क्ष्यताम्	अभङ्क्ष्यन्	प्र०
	अभङ्क्ष्यः	अभङ्क्ष्यतम्	अभङ्क्ष्यत	म०
	अभङ्क्ष्यम्	अभङ्क्ष्याव	अभङ्क्ष्याम	उ०

(१२) भिदिर् = भेदन करना (परस्मैपदी)

(लट्)	भिनत्ति	भिन्तः	भिन्दन्ति	प्र०
	भिनत्सि	भिन्त्थः	भिन्त्थ	म०
	भिनद्मि	भिन्द्वः	भिन्द्मः	उ०
(लिट्)	बिभेद	बिभिदतुः	बिभिदुः	प्र०
	बिभेदिथ	बिभिदथुः	बिभिद	म०
	बिभेद	बिभिदिव	बिभिदिम	उ०
(लुट्)	भेत्ता	भेत्तारौ	भेत्तारः	प्र०
	भेत्तासि	भेत्तास्थः	भेत्तास्थ	म०
	भेत्तास्मि	भेत्तास्वः	भेत्तास्मः	उ०

(लृट्)	भेत्स्यति	भेत्स्यतः	भेत्स्यन्ति	प्र०
	भेत्स्यसि	भेत्स्यथः	भेत्स्यथ	म०
	भेत्स्यामि	भेत्स्यावः	भेत्स्यामः	उ०
(लोट्)	भिनत्तु, भिन्तात्	भिन्ताम्	भिन्दन्तु	प्र०
	भिन्द्धि, भिन्तात्	भिन्तम्	भिन्त	म०
	भिनदानि	भिनदाव	भिनदाम	उ०
(लङ्)	अभिनत्, द्	अभिन्ताम्	अभिन्दन्	प्र०
	अभिनः, अभिनत्, द्	अभिन्तम्	अभिन्त	म०
	अभिनदम्	अभिन्द्व	अभिन्द्म	उ०
(वि.लि.)	भिन्द्यात्	भिन्द्याताम्	भिन्द्युः	प्र०
	भिन्द्याः	भिन्द्यातम्	भिन्द्यात	म०
	भिन्द्याम्	भिन्द्याव	भिन्द्याम	उ०
(आ.लि.)	भिद्यात्	भिद्यास्ताम्	भिद्यासुः	प्र०
	भिद्याः	भिद्यास्तम्	भिद्यास्त	म०
	भिद्यासम्	भिद्यास्व	भिद्यास्म	उ०
(लुङ्)	अभिदत्	अभिदताम्	अभिदन्	प्र०
	अभिदः	अभिदतम्	अभिदत	म०
	अभिदम्	अभिदाव	अभिदाम	उ०

अथवा

	अभैत्सीत्	अभैत्ताम्	अभैत्सुः	प्र०
	अभैत्सीः	अभैत्तम्	अभैत्त	म०
	अभैत्सम्	अभैत्स्व	अभैत्स्म	उ०

(लृङ्)	अभेत्स्यत्	अभेत्स्यताम्	अभेत्स्यन्	प्र०
	अभेत्स्यः	अभेत्स्यतम्	अभेत्स्यत	म०
	अभेत्स्यम्	अभेत्स्याव	अभेत्स्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	भिन्ते	भिन्दाते	भिन्दते	प्र०
	भिन्त्से	भिन्दाथे	भिन्द्ध्वे	म०
	भिन्दे	भिन्द्वहे	भिन्द्महे	उ०
(लिट्)	बिभिदे	बिभिदाते	बिभिदिरे	प्र०
	बिभिदिषे	बिभिदाथे	बिभिदिध्वे	म०
	बिभिदे	बिभिदिवहे	बिभिदिमहे	उ०
(लुट्)	भेत्ता	भेत्तारौ	भेत्तारः	प्र०
	भेत्तासे	भेत्तासाथे	भेत्ताध्वे	म०
	भेत्ताहे	भेत्तास्वहे	भेत्तास्महे	उ०
(लृट्)	भेत्स्यते	भेत्स्येते	भेत्स्यन्ते	प्र०
	भेत्स्यसे	भेत्स्येथे	भेत्स्यध्वे	म०
	भेत्स्ये	भेत्स्यावहे	भेत्स्यामहे	उ०
(लोट्)	भिन्ताम्	भिन्दाताम्	भिन्दताम्	प्र०
	भिन्त्स्व	भिन्दाथाम्	भिन्द्ध्वम्	म०
	भिनदै	भिनदावहै	भिनदामहै	उ०
(लङ्)	अभिन्त	अभिन्दाताम्	अभिन्दत	प्र०
	अभिन्त्थाः	अभिन्दाथाम्	अभिन्द्ध्वम्	म०
	अभिन्दि	अभिन्द्वहि	अभिन्द्महि	उ०

(वि. लि.)	भिन्दीत	भिन्दीयाताम्	भिन्दीरन्	प्र०
	भिन्दीथाः	भिन्दीयाथाम्	भिन्दीध्वम्	म०
	भिन्दीय	भिन्दीवहि	भिन्दीमहि	उ०
(आ. लि.)	भित्सीष्ट	भित्सीयास्ताम्	भित्सीरन्	प्र०
	भित्सीष्ठाः	भित्सीयास्थाम्	भित्सीध्वम्	म०
	भित्सीय	भित्सीवहि	भित्सीमहि	उ०
(लुङ्)	अभित्त	अभित्साताम्	अभित्सत	प्र०
	अभित्थाः	अभित्साथाम्	अभिद्ध्वम्	म०
	अभित्सि	अभित्स्वहि	अभित्स्महि	उ०
(लृङ्)	अभेत्स्यत	अभेत्स्येताम्	अभेत्स्यन्त	प्र०
	अभेत्स्यथाः	अभेत्स्येथाम्	अभेत्स्यध्वम्	म०
	अभेत्स्ये	अभेत्स्यावहि	अभेत्स्यामहि	उ०

(१३) भुज = पालन, भोजन करना (परस्मैपदी)

(लट्)	भुनक्ति	भुङ्क्तः	भुञ्जन्ति	प्र०
	भुनक्षि	भुङ्क्थः	भुङ्क्थ	म०
	भुनज्मि	भुञ्ज्वः	भुञ्ज्मः	उ०
(लिट्)	बुभोज	बुभुजतुः	बुभुजुः	प्र०
	बुभोजिथ	बुभुजथुः	बुभुज	म०
	बुभोज	बुभुजिव	बुभुजिम	उ०
(लुट्)	भोक्ता	भोक्तारौ	भोक्तारः	प्र०
	भोक्तासि	भोक्तास्थः	भोक्तास्थ	म०
	भोक्तास्मि	भोक्तास्वः	भोक्तास्मः	उ०

(लृट्)	भोक्ष्यति	भोक्ष्यतः	भोक्ष्यन्ति	प्र०
	भोक्ष्यसि	भोक्ष्यथः	भोक्ष्यथ	म०
	भोक्ष्यामि	भोक्ष्यावः	भोक्ष्यामः	उ०
(लोट्)	भुनक्तु, भुङ्क्तात्	भुङ्क्ताम्	भुञ्जन्तु	प्र०
	भुङ्ग्धि, भुङ्क्तात्	भुङ्क्तम्	भुङ्क्त	म०
	भुनजानि	भुनजाव	भुनजाम	उ०
(लङ्)	अभुनक्, ग्	अभुङ्क्ताम्	अभुञ्जन्	प्र०
	अभुनक्, ग्	अभुङ्क्तम्	अभुङ्क्त	म०
	अभुनजम्	अभुञ्ज्व	अभुञ्ज्म	उ०
(वि. लि.)	भुञ्ज्यात्	भुञ्ज्याताम्	भुञ्ज्युः	प्र०
	भुञ्ज्याः	भुञ्ज्यातम्	भुञ्ज्यात	म०
	भुञ्ज्याम्	भुञ्ज्याव	भुञ्ज्याम	उ०
(आ. लि.)	भुज्यात्	भुज्यास्ताम्	भुज्यासुः	प्र०
	भुज्याः	भुज्यास्तम्	भुज्यास्त	म०
	भुज्यासम्	भुज्यास्व	भुज्यास्म	उ०
(लुङ्)	अभौक्षीत्	अभौक्ताम्	अभौक्षुः	प्र०
	अभौक्षीः	अभौक्तम्	अभौक्त	म०
	अभौक्षम्	अभौक्ष्व	अभौक्ष्म	उ०
(लृङ्)	अभोक्ष्यत्	अभोक्ष्यताम्	अभोक्ष्यन्	प्र०
	अभोक्ष्यः	अभोक्ष्यतम्	अभोक्ष्यत	म०
	अभोक्ष्यम्	अभोक्ष्याव	अभोक्ष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	भुङ्क्ते	भुञ्जाते	भुञ्जते	प्र०
	भुङ्क्षे	भुञ्जाथे	भुङ्ग्ध्वे	म०
	भुञ्जे	भुञ्ज्वहे	भुञ्ज्महे	उ०
(लिट्)	बुभुजे	बुभुजाते	बुभुजिरे	प्र०
	बुभुजिषे	बुभुजाथे	बुभुजिध्वे	म०
	बुभुजे	बुभुजिवहे	बुभुजिमहे	उ०
(लुट्)	भोक्ता	भोक्तारौ	भोक्तारः	प्र०
	भोक्तासे	भोक्तासाथे	भोक्ताध्वे	म०
	भोक्ताहे	भोक्तास्वहे	भोक्तास्महे	उ०
(लृट्)	भोक्ष्यते	भोक्ष्येते	भोक्ष्यन्ते	प्र०
	भोक्ष्यसे	भोक्ष्येथे	भोक्ष्यध्वे	म०
	भोक्ष्ये	भोक्ष्यावहे	भोक्ष्यामहे	उ०
(लोट्)	भुङ्क्ताम्	भुञ्जाताम्	भुञ्जताम्	प्र०
	भुङ्क्ष्व	भुञ्जाथाम्	भुङ्ध्वम्	म०
	भुनजै	भुनजावहै	भुनजामहै	उ०
(लङ्)	अभुङ्क्त	अभुञ्जाताम्	अभुञ्जत	प्र०
	अभुङ्क्थाः	अभुञ्जाथाम्	अभुङ्ग्ध्वम्	म०
	अभुञ्जि	अभुञ्ज्वहि	अभुञ्ज्महि	उ०
(वि. लि.)	भुञ्जीत	भुञ्जीयाताम्	भुञ्जीरन्	प्र०
	भुञ्जीयाः	भुञ्जीयाथाम्	भुञ्जीध्वम्	म०
	भुञ्जीय	भुञ्जीवहि	भुञ्जीमहि	उ०

(आ.लि.)	भुक्षीष्ट	भुक्षीयास्ताम्	भुक्षीरन्	प्र०
	भुक्षीष्ठाः	भुक्षीयास्थाम्	भुक्षीध्वम्	म०
	भुक्षीय	भुक्षीवहि	भुक्षीमहि	उ०
(लुङ्)	अभुक्त	अभुक्षाताम्	अभुक्षत	प्र०
	अभुक्थाः	अभुक्षाथाम्	अभुग्ध्वम्	म०
	अभुक्षि	अभुक्ष्वहि	अभुक्ष्महि	उ०
(लृङ्)	अभोक्ष्यत	अभोक्ष्येताम्	अभोक्ष्यन्त	प्र०
	अभोक्ष्यथाः	अभोक्ष्येथाम्	अभोक्ष्यध्वम्	म०
	अभोक्ष्ये	अभोक्ष्यावहि	अभोक्ष्यामहि	उ०

(१४) युज् = मिलाना (परस्मैपदी)

(लट्) युनक्ति (लिट्) युयोज (लुट्) योक्ता (लृट्) योक्ष्यति (लोट्) युनक्तु (लङ्) अनयुक्,ग् (वि.लि.) युञ्ज्यात् (आ.लि.) युज्यात् (लुङ्) अयुजत् अथवा अयौक्षीत् (लृङ्) अयोक्ष्यत्।

आत्मनेपदी

(लट्) युङ्क्ते (लिट्) युयुजे (लुट्) योक्ता (लृट्) योक्ष्यते (लोट्) युङ्क्ताम् (लङ्) अयुङ्क्त (वि.लि.) युञ्जीत (आ.लि.) युक्षीष्ट (लुङ्) अयुक्त (लृङ्) अयोक्ष्यत।

(१५) रिच् = सूना करना (परस्मैपदी)

(लट्)	रिणक्ति	रिङ्क्तः	रिञ्चन्ति	प्र०
	रिणक्षि	रिङ्क्थः	रिङ्क्थ	म०
	रिणच्मि	रिञ्च्वः	रिञ्च्मः	उ०

(लिट्)	रिरेच	रिरिचतुः	रिरिचुः	प्र०
	रिरेचिथ	रिरिचथुः	रिरिच	म०
	रिरेच	रिरिचिव	रिरिचिम	उ०
(लुट्)	रेक्ता	रेक्तारौ	रेक्तारः	प्र०
	रेक्तासि	रेक्तास्थः	रेक्तास्थ	म०
	रेक्तास्मि	रेक्तास्वः	रेक्तास्मः	उ०
(लृट्)	रेक्ष्यति	रेक्ष्यतः	रेक्ष्यन्ति	प्र०
	रेक्ष्यसि	रेक्ष्यथः	रेक्ष्यथ	म०
	रेक्ष्यामि	रेक्ष्यावः	रेक्ष्यामः	उ०
(लोट्)	रिणक्तु, रिङ्क्तात्	रिङ्क्ताम्	रिञ्चन्तु	प्र०
	रिङ्ग्धि, रिङ्क्तात्	रिङ्क्तम्	रिङ्क्त	म०
	रिणचानि	रिणचाव	रिणचाम	उ०
(लङ्)	अरिणक्,ग्	अरिङ्क्ताम्	अरिञ्चन्	प्र०
	अरिणक्,ग्	अरिङ्क्तम्	अरिङ्क्त	म०
	अरिणचम्	अरिञ्च्व	अरिञ्च्म	उ०
(वि.लि.)	रिञ्च्यात्	रिञ्च्याताम्	रिञ्च्युः	प्र०
	रिञ्च्याः	रिञ्च्यातम्	रिञ्च्यात	म०
	रिञ्च्याम्	रिञ्च्याव	रिञ्च्याम	उ०
(आ.लि.)	रिच्यात्	रिच्यास्ताम्	रिच्यासुः	प्र०
	रिच्याः	रिच्यास्तम्	रिच्यास्त	म०
	रिच्यासम्	रिच्यास्व	रिच्यास्म	उ०

(लुङ्)	अरिचत्	अरिचताम्	अरिचन्	प्र०
	अरिचः	अरिचतम्	अरिचत	म०
	अरिचम्	अरिचाव	अरिचाम	उ०
		अथवा		
	अरैक्षीत्	अरैक्ताम्	अरैक्षुः	प्र०
	अरैक्षीः	अरैक्तम्	अरैक्त	म०
	अरैक्षम्	अरैक्ष्व	अरैक्ष्म	उ०
(लृङ्)	अरेक्ष्यत्	अरेक्ष्यताम्	अरेक्ष्यन्	प्र०
	अरेक्ष्यः	अरेक्ष्यतम्	अरेक्ष्यत	म०
	अरेक्ष्यम्	अरेक्ष्याव	अरेक्ष्याम	उ०
		(आत्मनेपदी)		
(लट्)	रिङ्क्ते	रिञ्चाते	रिञ्चते	प्र०
	रिङ्क्षे	रिञ्चाथे	रिङ्ग्ध्वे	म०
	रिञ्चे	रिञ्च्वहे	रिञ्च्महे	उ०
(लिट्)	रिरिचे	रिरिचाते	रिरिचिरे	प्र०
	रिरिचिषे	रिरिचाथे	रिरिचिध्वे	म०
	रिरिचे	रिरिचिवहे	रिरिचिमहे	उ०
(लुट्)	रेक्ता	रेक्तारौ	रेक्तारः	प्र०
	रेक्तासे	रेक्तासाथे	रेक्ताध्वे	म०
	रेक्ताहे	रेक्तास्वहे	रेक्तास्महे	उ०
(लृट्)	रेक्ष्यते	रेक्ष्येते	रेक्ष्यन्ते	प्र०
	रेक्ष्यसे	रेक्ष्येथे	रेक्ष्यध्वे	म०
	रेक्ष्ये	रेक्ष्यावहे	रेक्ष्यामहे	उ०

(लोट्)	रिङ्क्ताम्	रिञ्चाताम्	रिञ्चताम्	प्र०
	रिङ्क्ष्व	रिञ्चाथाम्	रिङ्ग्ध्वम्	म०
	रिणचै	रिणचावहै	रिणचामहै	उ०
(लङ्)	अरिङ्क्त	अरिञ्चाताम्	अरिञ्चत	प्र०
	अरिङ्क्थाः	अरिञ्चाथाम्	अरिङ्ग्ध्वम्	म०
	अरिञ्चि	अरिञ्च्वहि	अरिञ्च्महि	उ०
(वि.लि.)	रिञ्चीत	रिञ्चीयाताम्	रिञ्चीरन्	प्र०
	रिञ्चीथाः	रिञ्चीयाथाम्	रिञ्चीध्वम्	म०
	रिञ्चीय	रिञ्चीवहि	रिञ्चीमहि	उ०
(आ.लि.)	रिक्षीष्ट	रिक्षीयास्ताम्	रिक्षीरन्	प्र०
	रिक्षीष्ठाः	रिक्षीयास्थाम्	रिक्षीध्वम्	म०
	रिक्षीय	रिक्षीवहि	रिक्षीमहि	उ०
(लुङ्)	अरिक्त	अरिक्षाताम्	अरिक्षत	प्र०
	अरिक्थाः	अरिक्षाथाम्	अरिग्ध्वम्	म०
	अरिक्षि	अरिक्ष्वहि	अरिक्ष्महि	उ०
(लृङ्)	अरेक्ष्यत	अरेक्ष्येताम्	अरेक्ष्यन्त	प्र०
	अरेक्ष्यथाः	अरेक्ष्येथाम्	अरेक्ष्यध्वम्	म०
	अरेक्ष्ये	अरेक्ष्यावहि	अरेक्ष्यामहि	उ०

(१६) विच् = अलग होना (परस्मैपदी)

(लट्)	विनक्ति	विङ्क्तः	विञ्चन्ति	प्र०
	विनक्षि	विङ्क्थः	विङ्क्थ	म०
	विनच्मि	विञ्च्वः	विञ्च्मः	उ०

(लिट्)	विवेच	विविचतुः	विविचुः	प्र०
	विवेचिथ	विविचथुः	विविच	म०
	विवेच	वितिचिव	विविचिम	उ०
(लुट्)	वेक्ता	वेक्तारौ	वेक्तारः	प्र०
	वेक्तासि	वेक्तास्थः	वेक्तास्थ	म०
	वेक्तास्मि	वेक्तास्वः	वेक्तास्मः	उ०
(लृट्)	वेक्ष्यति	वेक्ष्यतः	वेक्ष्यन्ति	प्र०
	वेक्ष्यसि	वेक्ष्यथः	वेक्ष्यथ	म०
	वेक्ष्यामि	वेक्ष्यावः	वेक्ष्यामः	उ०
(लोट्)	विनक्तु, विङ्क्तात्	विङ्क्ताम्	विञ्चन्तु	प्र०
	विङ्ग्धि, विङ्क्तात्	विङ्क्तम्	विङ्क्त	म०
	विनचानि	विनचाव	विनचाम	उ०
(लङ्)	अविनक्, ग्	अविङ्क्ताम्	अविञ्चन्	प्र०
	अविनक्, ग्	अविङ्क्तम्	अविङ्क्त	म०
	अविनचम्	अविञ्च्व	अविञ्च्म	उ०
(वि. लि.)	विञ्च्यात्	विञ्च्याताम्	विञ्च्युः	प्र०
	विञ्च्याः	विञ्च्यातम्	विञ्च्यात	म०
	विञ्च्याम्	विञ्च्याव	विञ्च्याम	उ०
(आ. लि.)	विच्यात्	विच्यास्ताम्	विच्यासुः	प्र०
	विच्याः	विच्यास्तम्	विच्यास्त	म०
	विच्यासम्	विच्यास्व	विच्यास्म	उ०

(लुङ्)	अविचत्	अविचताम्	अविचन्	प्र०
	अविचः	अविचतम्	अविचत	म०
	अविचम्	अविचाव	अविचाम	उ०

अथवा

	अवैक्षीत्	अवैक्ताम्	अवैक्षुः	प्र०
	अवैक्षीः	अवैक्तम्	अवैक्त	म०
	अवैक्षम्	अवैक्ष्व	अवैक्ष्म	उ०
(लृङ्)	अवेक्ष्यत्	अवेक्ष्यताम्	अवेक्ष्यन्	प्र०
	अवेक्ष्यः	अवेक्ष्यतम्	अवेक्ष्यत	म०
	अवेक्ष्यम्	अवेक्ष्याव	अवेक्ष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	विङ्क्ते	विञ्चाते	विञ्चते	प्र०
	विङ्क्षे	विञ्चाथे	विङ्ग्ध्वे	म०
	विञ्चे	विञ्च्वहे	विञ्च्महे	उ०
(लिट्)	विविचे	विविचाते	विविचिरे	प्र०
	विविचिषे	विविचाथे	विविचिध्वे	म०
	विविचे	विविचिवहे	विविचिमहे	उ०
(लुट्)	वेक्ता	वेक्तारौ	वेक्तारः	प्र०
	वेक्तासे	वेक्तासाथे	वेक्ताध्वे	म०
	वेक्ताहे	वेक्तास्वहे	वेक्तास्महे	उ०
(लृट्)	वेक्ष्यते	वेक्ष्येते	वेक्ष्यन्ते	म०
	वेक्ष्यसे	वेक्ष्येथे	वेक्ष्यध्वे	म०
	वेक्ष्ये	वेक्ष्यावहे	वेक्ष्यामहे	उ०

(लोट्)	विङ्क्ताम्	विञ्चाताम्	विञ्चताम्	प्र०
	विङ्क्ष्व	विञ्चाथाम्	विङ्ग्ध्वम्	म०
	विनचै	विनचावहै	विनचामहै	उ०
(लङ्)	अविङ्क्त	अविञ्चाताम्	अविञ्चत	प्र०
	अविङ्क्थाः	अविञ्चाथाम्	अविङ्ग्ध्वम्	म०
	अविञ्चि	अविञ्चवहि	अविञ्चमहि	उ०
(वि. लि.)	विक्षीष्ट	विक्षीयास्ताम्	विक्षीरन्	प्र०
	विक्षीष्ठाः	विक्षीयास्थाम्	विक्षीध्वम्	म०
	विक्षीय	विक्षीवहि	विक्षीमहि	उ०
(लुङ्)	अविक्त	अविक्षाताम्	अविक्षत	प्र०
	अविक्थाः	अविक्षाथाम्	अविग्ध्वम्	म०
	अविक्षि	अविक्ष्वहि	अविक्ष्महि	उ०
(लृङ्)	अवेक्ष्यत	अवेक्ष्येताम्	अवेक्ष्यन्त	प्र०
	अवेक्ष्यथाः	अवेक्ष्येथाम्	अवेक्ष्यध्वम्	म०
	अवेक्ष्ये	अवेक्ष्यावहि	अवेक्ष्यामहि	उ०

(१७) विज् = डरना, जाना (परस्मैपदी)

(लट्)	विनक्ति	विङ्क्तः	विञ्जन्ति	प्र०
	विनक्षि	विङ्क्थः	विङ्क्थ	म०
	विनज्मि	विञ्ज्वः	विञ्ज्मः	उ०
(लिट्)	विवेज	विविजतुः	विविजुः	प्र०
	विविजिथ	विविजथुः	विविज	म०
	विवेज	विविजिव	विविजिम	उ०

(लुट्)	विजिता	विजितारौ	विजितारः	प्र०
	विजितासि	विजितास्थः	विजितास्थ	म०
	विजितास्मि	विजितास्वः	विजितास्मः	उ०
(लृट्)	विजिष्यति	विजिष्यतः	विजिष्यन्ति	प्र०
	विजिष्यसि	विजिष्यथः	विजिष्यथ	म०
	विजिष्यामि	विजिष्यावः	विजिष्यामः	उ०
(लोट्)	विनक्तु, विङ्क्तात्	विङ्क्ताम्	विञ्जन्तु	प्र०
	विङ्ग्धि, विङ्क्तात्	विङ्क्तम्	विङ्क्त	म०
	विनजानि	विनजाव	विनजाम	उ०
(लङ्)	अविनक्, ग्	अविङ्क्ताम्	अविञ्जन्	प्र०
	अविनक्, ग्	अविङ्क्तम्	अविङ्क्त	म०
	अविनजम्	अविञ्ज्व	अविञ्ज्म	उ०
(वि. लि.)	विञ्ज्यात्	विञ्ज्याताम्	विञ्ज्युः	प्र०
	विञ्ज्याः	विञ्ज्यातम्	विञ्ज्यात	म०
	विञ्ज्याम्	विञ्ज्याव	विञ्ज्याम	उ०
(आ. लि.)	विज्यात्	विज्यास्ताम्	विज्यासुः	प्र०
	विज्याः	विज्यास्तम्	विज्यास्त	म०
	विज्यासम्	विज्यास्व	विज्यास्म	उ०
(लुङ्)	अविजीत्	अविजिष्टाम्	अविजिषुः	प्र०
	अविजीः	अविजिष्टम्	अविजिष्ट	म०
	अविजिषम्	अविजिष्व	अविजिष्म	उ०

(लृङ्)	अविजिष्यत्	अविजिष्यताम्	अविजिष्यन्	प्र०
	अविजिष्यः	अविजिष्यतम्	अविजिष्यत	म०
	अविजिष्यम्	अविजिष्याव	अविजिष्याम	उ०

(१८) विद् = विचारना (आत्मनेपदी)

(लट्)	विन्ते	विन्दाते	विन्दते	प्र०
	विन्त्से	विन्दाथे	विन्द्ध्वे	म०
	विन्दे	विन्द्वहे	विन्द्महे	उ०
(लिट्)	विविदे	विविदाते	विविदिरे	प्र०
	विविदिषे	विविदाथे	विविदिध्वे	म०
	विविदे	विविदिवहे	विविदिमहे	उ०
(लुट्)	वेत्ता	वेत्तारौ	वेत्तारः	प्र०
	वेत्तासे	वेत्तासाथे	वेत्ताध्वे	म०
	वेत्ताहे	वेत्तास्वहे	वेत्तास्महे	उ०
(लृट्)	वेत्स्यते	वेत्स्येते	वेत्स्यन्ते	प्र०
	वेत्स्यसे	वेत्स्येथे	वेत्स्यध्वे	म०
	वेत्स्ये	वेत्स्यावहे	वेत्स्यामहे	उ०
(लोट्)	विन्ताम्	विन्दाताम्	विन्दताम्	प्र०
	विन्त्स्व	विन्दाथाम्	विन्द्ध्वम्	म०
	विनदै	विनदावहै	विनदामहै	उ०
(लङ्)	अविन्त	अविन्दाताम्	अविन्दत	प्र०
	अविन्त्थाः	अविन्दाथाम्	अविन्द्ध्वम्	म०
	अविन्दि	अविन्द्वहि	अविन्द्महि	उ०

(वि. लि.)	विन्दीत	विन्दीयाताम्	विन्दीरन्	प्र०
	विन्दीथाः	विन्दीयाथाम्	विन्दीध्वम्	म०
	विन्दीय	विन्दीवहि	विन्दीमहि	उ०
(आ. लि.)	वित्सीष्ट	वित्सीयास्ताम्	वित्सीरन्	प्र०
	वित्सीष्ठाः	वित्सीयास्थाम्	वित्सीध्वम्	म०
	वित्सीय	वित्सीवहि	वित्सीमहि	उ०
(लुङ्)	अवित्त	अवित्साताम्	अवित्सत	प्र०
	अवित्थाः	अवित्साथाम्	अविद्ध्वम्	म०
	अवित्सि	अवित्स्वहि	अवित्स्महि	उ०
(लृङ्)	अवेत्स्यत	अवेत्स्येताम्	अवेत्स्यन्त	प्र०
	अवेत्स्यथाः	अवेत्स्येथाम्	अवेत्स्यध्वम्	म०
	अवेत्स्ये	अवेत्स्यावहि	अवेत्स्यामहि	उ०

(१९) शिष् = विशेषित करना (परस्मैपदी)

(लट्)	शिनष्टि	शिंष्टः	शिंषन्ति	प्र०
	शिनक्षि	शिंष्ठः	शिंष्ठ	म०
	शिनष्मि	शिंष्वः	शिंष्मः	उ०
(लिट्)	शिशेष	शिशिषतुः	शिशिषुः	प्र०
	शिशेषिथ	शिशिषथुः	शिशिष	म०
	शिशेष	शिशिषिव	शिशिषिम	उ०
(लुट्)	शेष्टा	शेष्टारौ	शेष्टारः	प्र०
	शेष्टासि	शेष्टास्थः	शेष्टास्थ	म०
	शेष्टास्मि	शेष्टास्वः	शेष्टास्मः	उ०

(लृट्)	शेक्ष्यति	शेक्ष्यतः	शेक्ष्यन्ति	प्र०
	शेक्ष्यसि	शेक्ष्यथः	शेक्ष्यथ	म०
	शेक्ष्यामि	शेक्ष्यावः	शेक्ष्यामः	उ०
(लोट्)	शिनष्टु, शिंष्टात्	शिंष्टाम्	शिंषन्तु	प्र०
	शिण्ढि, शिण्ड्ढि, शिंष्टात्	शिंष्टम्	शिंष्ट	म०
	शिनषाणि	शिनषाव	शिनषाम	उ०
(लङ्)	अशिनट्, ड्	अशिंष्टाम्	अशिंषन्	प्र०
	अशिनट्, ड्	अशिंष्टम्	अशिंष्ट	म०
	अशिनषम्	अशिंष्व	अशिंष्म	उ०
(वि. लि.)	शिंष्यात्	शिंष्याताम्	शिंष्युः	प्र०
	शिंष्याः	शिंष्यातम्	शिंष्यात	म०
	शिंष्याम्	शिंष्याव	शिंष्याम	उ०
(आ. लि.)	शिष्यात्	शिष्यास्ताम्	शिष्यासुः	प्र०
	शिष्याः	शिष्यास्तम्	शिष्यास्त	म०
	शिष्यासम्	शिष्यास्व	शिष्यास्म	उ०
(लुङ्)	अशिषत्	अशिषताम्	अशिषन्	प्र०
	अशिषः	अशिषतम्	अशिषत	म०
	अशिषम्	अशिषाव	अशिषाम	उ०
(लृङ्)	अशेक्ष्यत्	अशेक्ष्यताम्	अशेक्ष्यन्	प्र०
	अशेक्ष्यः	अशेक्ष्यतम्	अशेक्ष्यत	म०
	अशेक्ष्यम्	अशेक्ष्याव	अशेक्ष्याम	उ०

(२०) हिंस = मार डालना, नष्ट करना (परस्मैपदी)

(लट्)	हिनस्ति	हिंस्तः	हिंसन्ति	प्र०
	हिनस्ति	हिंस्थः	हिंस्थ	म०
	हिनस्मि	हिंस्वः	हिंस्मः	उ०
(लिट्)	जिहिंस	जिहिंसतुः	जिहिंसुः	प्र०
	जिहिंसिथ	जिहिंसथुः	जिहिंस	म०
	जिहिंस	जिहिंसिव	जिहिंसिम	उ०
(लुट्)	हिंसिता	हिंसितारौ	हिंसितारः	प्र०
	हिंसितासि	हिंसितास्थः	हिंसितास्थ	म०
	हिंसितास्मि	हिंसितास्वः	हिंसितास्मः	उ०
(लृट्)	हिंसिष्यति	हिंसिष्यतः	हिंसिष्यन्ति	प्र०
	हिंसिष्यसि	हिंसिष्यथः	हिंसिष्यथ	म०
	हिंसिष्यामि	हिंसिष्यावः	हिंसिष्यामः	उ०
(लोट्)	हिनस्तु, हिंस्तात्	हिंस्ताम्	हिंसन्तु	प्र०
	हिंसि, हिंस्तात्	हिंस्तम्	हिंस्त	म०
	हिनसानि	हिनसाव	हिनसाम	उ०
(लङ्)	अहिनत्, द्	अहिंस्ताम्	अहिंसन्	प्र०
	अहिनः, अहिनत्, द्	अहिंस्तम्	अहिंस्त	म०
	अहिनसम्	अहिंस्व	अहिंस्म	उ०
(वि. लि.)	हिंस्यात्	हिंस्याताम्	हिंस्युः	प्र०
	हिंस्याः	हिंस्यातम्	हिंस्यात	म०
	हिंस्याम्	हिंस्याव	हिंस्याम	उ०

(आ. लि.)	हिंस्यात्	हिंस्यास्ताम्	हिंस्यासुः	प्र०
	हिंस्याः	हिंस्यास्तम्	हिंस्यास्त	म०
	हिंस्यासम्	हिंस्यास्व	हिंस्यास्म	उ०
(लुङ्)	अहिंसीत्	अहिंसिष्टाम्	अहिंसिषुः	प्र०
	अहिंसीः	अहिंसिष्टम्	अहिंसिष्ट	म०
	अहिंसिषम्	अहिंसिष्व	अहिंसिष्म	उ०
(लृङ्)	अहिंसिष्यत्	अहिंसिष्यताम्	अहिंसिष्यन्	प्र०
	अहिंसिष्यः	अहिंसिष्यतम्	अहिंसिष्यत	म०
	अहिंसिष्यम्	अहिंसिष्याव	अहिंसिष्याम	उ०

इति रुधादिप्रकरणम् ।

*

अथ तनादिप्रकरणम्

(१) तन् = तानना, फैलाना (परस्मैपदी)

(लट्)	तनोति	तनुतः	तन्वन्ति	प्र०
	तनोषि	तनुथः	तनुथ	म०
	तनोमि	तनुवः, तन्वः	तनुमः, तन्मः	उ०
(लिट्)	ततान	तेनतुः	तेनुः	प्र०
	तेनिथ	तेनथुः	तेन	म०
	ततान, ततन	तेनिव	तेनिम	उ०
(लुट्)	तनिता	तनितारौ	तनितारः	प्र०
	तनितासि	तनितास्थः	तनितास्थ	म०
	तनितास्मि	तनितास्वः	तनितास्मः	उ०
(लृट्)	तनिष्यति	तनिष्यतः	तनिष्यन्ति	प्र०
	तनिष्यसि	तनिष्यथः	तनिष्यथ	म०
	तनिष्यामि	तनिष्यावः	तनिष्यामः	उ०
(लोट्)	तनोतु, तनुतात्	तनुताम्	तन्वन्तु	प्र०
	तनु, तनुतात्	तनुतम्	तनुत	म०
	तनवानि	तनवाव	तनवाम	उ०
(लङ्)	अतनोत्	अतनुताम्	अतन्वन्	प्र०
	अतनोः	अतनुतम्	अतनुत	म०
	अतनवम्	अतनुव, अतन्व	अतनुम, अतन्म	उ०

(वि. लि.)	तनुयात्	तनुयाताम्	तनुयुः	प्र०
	तनुयाः	तनुयातम्	तनुयात	म०
	तनुयाम्	तनुयाव	तनुयाम	उ०
(आ. लि.)	तन्यात्	तन्यास्ताम्	तन्यासुः	प्र०
	तन्याः	तन्यास्तम्	तन्यास्त	म०
	तन्यासम्	तन्यास्व	तन्यास्म	उ०
(लुङ्)	अतानीत्	अतानिष्टाम्	अतानिषुः	प्र०
	अतानीः	अतानिष्टम्	अतानिष्ट	म०
	अतानिषम्	अतानिष्व	अतानिष्म	उ०
		अथवा		
	अतनीत्	अतनिष्टाम्	अतनिषुः	प्र०
	अतनीः	अतनिष्टम्	अतनिष्ट	म०
	अतनिषम्	अतनिष्व	अतनिष्म	उ०
(लृङ्)	अतनिष्यत्	अतनिष्यताम्	अतनिष्यन्	प्र०
	अतनिष्यः	अतनिष्यतम्	अतनिष्यत	म०
	अतनिष्यम्	अतनिष्याव	अतनिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	तनुते	तन्वाते	तन्वते	प्र०
	तनुषे	तन्वाथे	तनुध्वे	म०
	तन्वे	तनुवहे, तन्वहे	तनुमहे, तन्महे	उ०
(लिट्)	तेने	तेनाते	तेनिरे	प्र०
	तेनिषे	तेनाथे	तेनिध्वे	म०
	तेने	तेनिवहे	तेनिमहे	उ०

(लुट्)	तनिता	तनितारौ	तनितारः	प्र०
	तनितासे	तनितासाथे	तनिताध्वे	म०
	तनिताहे	तनितास्वहे	तनितास्महे	उ०
(लृट्)	तनिष्यते	तनिष्येते	तनिष्यन्ते	प्र०
	तनिष्यसे	तनिष्येथे	तनिष्यध्वे	म०
	तनिष्ये	तनिष्यावहे	तनिष्यामहे	उ०
(लोट्)	तनुताम्	तन्वाताम्	तन्वताम्	प्र०
	तनुष्व	तन्वाथाम्	तनुध्वम्	म०
	तनवै	तनवावहै	तनवामहै	उ०
(लङ्)	अतनुत	अतन्वाताम्	अतन्वत	प्र०
	अतनुथाः	अतन्वाथाम्	अतनुध्वम्	म०
	अतन्वि	अतनुवहि, अतन्वहि,	अतनुमहि, अतन्महि	उ०
(वि. लि.)	तन्वीत	तन्वीयाताम्	तन्वीरन्	प्र०
	तन्वीथाः	तन्वीयाथाम्	तन्वीध्वम्	म०
	तन्वीय	तन्वीवहि	तन्वीमहि	उ०
(आ. लि.)	तनिषीष्ट	तनिषीयास्ताम्	तनिषीरन्	प्र०
	तनिषीष्ठाः	तनिषीयास्थाम्	तनिषीध्वम्	म०
	तनिषीय	तनिषीवहि	तनिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अतत, अतनिष्ट	अतनिषाताम्	अतनिषत	प्र०
	अतथाः, अतनिष्ठाः	अतनिषाथाम्	अतनिढ्वम्	म०
	अतनिषि	अतनिष्वहि	अतनिष्महि	उ०

(लृङ्)	अतनिष्यत	अतनिष्येताम्	अतनिष्यन्त	प्र०
	अतनिष्यथाः	अतनिष्येथाम्	अतनिष्यध्वम्	म०
	अतनिष्ये	अतनिष्यावहि	अतनिष्यामहि	उ०

(२) कृ = करना (परस्मैपदी)

(लट्)	करोति	कुरुतः	कुर्वन्ति	प्र०
	करोषि	कुरुथः	कुरुथ	म०
	करोमि	कुर्वः	कुर्मः	उ०
(लिट्)	चकार	चक्रतुः	चक्रुः	प्र०
	चकर्थ	चक्रथुः	चक्र	म०
	चकार, चकर	चकृव	चकृम	उ०
(लुट्)	कर्ता	कर्तारौ	कर्तारः	प्र०
	कर्तासि	कर्तास्थः	कर्तास्थ	म०
	कर्तास्मि	कर्तास्वः	कर्तास्मः	उ०
(लृट्)	करिष्यति	करिष्यतः	करिष्यन्ति	प्र०
	करिष्यसि	करिष्यथः	करिष्यथ	म०
	करिष्यामि	करिष्यावः	करिष्यामः	उ०
(लोट्)	करोतु, कुरुतात्	कुरुताम्	कुर्वन्तु	प्र०
	कुरु, कुरुतात्	कुरुतम्	कुरुत	म०
	करवाणि	करवाव	करवाम	उ०
(लङ्)	अकरोत्	अकुरुताम्	अकुर्वन्	प्र०
	अकरोः	अकुरुतम्	अकुरुत	म०
	अकरवम्	अकुर्व	अकुर्म	उ०

(वि. लि.)	कुर्यात्	कुर्याताम्	कुर्युः	प्र०
	कुर्याः	कुर्यातम्	कुर्यात	म०
	कुर्याम्	कुर्याव	कुर्याम	उ०
(आ. लि.)	क्रियात्	क्रियास्ताम्	क्रियासुः	प्र०
	क्रियाः	क्रियास्तम्	क्रियास्त	म०
	क्रियासम्	क्रियास्व	क्रियास्म	उ०
(लुङ्)	अकार्षीत्	अकार्ष्टाम्	अकार्षुः	प्र०
	अकार्षीः	अकार्ष्टम्	अकार्ष्ट	म०
	अकार्षम्	अकार्ष्व	अकार्ष्म	उ०
(लृङ्)	अकरिष्यत्	अकरिष्यताम्	अकरिष्यन्	प्र०
	अकरिष्यः	अकरिष्यतम्	अकरिष्यत	म०
	अकरिष्यम्	अकरिष्याव	अकरिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	कुरुते	कुर्वाते	कुर्वते	प्र०
	कुरुषे	कुर्वाथे	कुरुध्वे	म०
	कुर्वे	कुर्वहे	कुर्महे	उ०
(लिट्)	चक्रे	चक्राते	चक्रिरे	प्र०
	चकृषे	चक्राथे	चकृढ्वे	म०
	चक्रे	चकृवहे	चकृमहे	उ०
(लुट्)	कर्ता	कर्तारौ	कर्तारः	प्र०
	कर्तासे	कर्तासाथे	कर्ताध्वे	म०
	कर्ताहे	कर्तास्वहे	कर्तास्महे	उ०

(लृट्)	करिष्यते	करिष्येते	करिष्यन्ते	प्र०
	करिष्यसे	करिष्येथे	करिष्यध्वे	म०
	करिष्ये	करिष्यावहे	करिष्यामहे	उ०
(लोट्)	कुरुताम्	कुर्वाताम्	कुर्वताम्	प्र०
	कुरुष्व	कुर्वाथाम्	कुरुध्वम्	म०
	करवै	करवावहै	करवामहै	उ०
(लङ्)	अकुरुत	अकुर्वाताम्	अकुर्वत	प्र०
	अकुरुथाः	अकुर्वाथाम्	अकुरुध्वम्	म०
	अकुर्वि	अकुर्वहि	अकुर्महि	उ०
(वि. लि.)	कुर्वीत	कुर्वीयाताम्	कुर्वीरन्	प्र०
	कुर्वीथाः	कुर्वीयाथाम्	कुर्वीध्वम्	म०
	कुर्वीय	कुर्वीवहि	कुर्वीमहि	उ०
(आ. लि.)	कृषीष्ट	कृषीयास्ताम्	कृषीरन्	प्र०
	कृषीष्ठाः	कृषीयास्थाम्	कृषीढ्वम्	म०
	कृषीय	कृषीवहि	कृषीमहि	उ०
(लुङ्)	अकृत	अकृषाताम्	अकृषत	प्र०
	अकृथाः	अकृषाथाम्	अकृढ्वम्	म०
	अकृषि	अकृष्वहि	अकृष्महि	उ०
(लृङ्)	अकरिष्यत	अकरिष्येताम्	अकरिष्यन्त	प्र०
	अकरिष्यथाः	अकरिष्येथाम्	अकरिष्यध्वम्	म०
	अकरिष्ये	अकरिष्यावहि	अकरिष्यामहि	उ०

(३) क्षणु = वध करना (परस्मैपदी)

(लट्)	क्षणोति	क्षणुतः	क्षण्वन्ति	प्र०
	क्षणोषि	क्षणुथः	क्षणुथ	म०
	क्षणोमि	क्षणुवः, क्षण्वः	क्षणुमः, क्षण्मः	उ०
(लिट्)	चक्षाण	चक्षणतुः	चक्षणुः	प्र०
	चक्षणिथ	चक्षणथुः	चक्षण	म०
	चक्षाण, चक्षण	चक्षणिव	चक्षणिम	उ०
(लुट्)	क्षणिता	क्षणितारौ	क्षणितारः	प्र०
	क्षणितासि	क्षणितास्थः	क्षणितास्थ	म०
	क्षणितास्मि	क्षणितास्वः	क्षणितास्मः	उ०
(लृट्)	क्षणिष्यति	क्षणिष्यतः	क्षणिष्यन्ति	प्र०
	क्षणिष्यसि	क्षणिष्यथः	क्षणिष्यथ	म०
	क्षणिष्यामि	क्षणिष्यावः	क्षणिष्यामः	उ०
(लोट्)	क्षणोतु, क्षणुतात्	क्षणुताम्	क्षण्वन्तु	प्र०
	क्षणु, क्षणुतात्	क्षणुतम्	क्षणुत	म०
	क्षणवानि	क्षणवाव	क्षणवाम	उ०
(लङ्)	अक्षणोत्	अक्षणुताम्	अक्षण्वन्	प्र०
	अक्षणोः	अक्षणुतम्	अक्षणुत	म०
	अक्षणवम्	अक्षणुव, अक्षण्व	अक्षणुम, अक्षण्म	उ०
(वि. लि.)	क्षणुयात्	क्षणुयाताम्	क्षणुयुः	प्र०
	क्षणुयाः	क्षणुयातम्	क्षणुयात	म०
	क्षणुयाम्	क्षणुयाव	क्षणुयाम	उ०

(आ. लि.)	क्षण्यात्	क्षण्यास्ताम्	क्षण्यासुः	प्र०
	क्षण्याः	क्षण्यास्तम्	क्षण्यास्त	म०
	क्षण्यासम्	क्षण्यास्व	क्षण्यास्म	उ०
(लुङ्)	अक्षणीत्	अक्षणिष्टाम्	अक्षणिषुः	प्र०
	अक्षणीः	अक्षणिष्टम्	अक्षणिष्ट	म०
	अक्षणिषम्	अक्षणिष्व	अक्षणिष्म	उ०
(लृङ्)	अक्षणिष्यत्	अक्षणिष्यताम्	अक्षणिष्यन्	प्र०
	अक्षणिष्यः	अक्षणिष्यतम्	अक्षणिष्यत	म०
	अक्षणिष्यम्	अक्षणिष्याव	अक्षणिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	क्षणुते	क्षण्वाते	क्षण्वते	प्र०
	क्षणुषे	क्षण्वाथे	क्षणुध्वे	म०
	क्षण्वे	क्षणुवहे, क्षण्वहे	क्षणुमहे, क्षण्महे	उ०
(लिट्)	चक्षणे	चक्षणाते	चक्षणिरे	प्र०
	चक्षणिषे	चक्षणाथे	चक्षणिध्वे	म०
	चक्षणे	चक्षणिवहे	चक्षणिमहे	उ०
(लुट्)	क्षणिता	क्षणितारौ	क्षणितारः	प्र०
	क्षणितासे	क्षणितासाथे	क्षणिताध्वे	म०
	क्षणिताहे	क्षणितास्वहे	क्षणितास्महे	उ०
(लृट्)	क्षणिष्यते	क्षणिष्येते	क्षणिष्यन्ते	प्र०
	क्षणिष्यसे	क्षणिष्येथे	क्षणिष्यध्वे	म०
	क्षणिष्ये	क्षणिष्यावहे	क्षणिष्यामहे	उ०

(लोट्)	क्षणुताम्	क्षण्वाताम्	क्षण्वताम्	प्र०
	क्षणुष्व	क्षण्वाथाम्	क्षणुध्वम्	म०
	क्षणवै	क्षणवावहै	क्षणवामहै	उ०
(लङ्)	अक्षणुत	अक्षण्वाताम्	अक्षण्वत	प्र०
	अक्षणुथाः	अक्षण्वाथाम्	अक्षणुध्वम्	म०
	अक्षण्वि	अक्षणुवहि, अक्षण्वहि	अक्षणुमहि, अक्षण्महि	उ०
(वि. लि.)	क्षण्वीत	क्षण्वीयाताम्	क्षण्वीरन्	प्र०
	क्षण्वीथाः	क्षण्वीयाथाम्	क्षण्वीध्वम्	म०
	क्षण्वीय	क्षण्वीवहि	क्षण्वीमहि	उ०
(आ. लि.)	क्षणिषीष्ट	क्षणिषीयास्ताम्	क्षणिषीरन्	प्र०
	क्षणिषीष्ठाः	क्षणिषीयास्थाम्	क्षणिषीध्वम्	म०
	क्षणिषीय	क्षणिषीवहि	क्षणिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अक्षणिष्ट, अक्षत	अक्षणिषाताम्	अक्षणिषत	प्र०
	अक्षणिष्ठाः, अक्षथाः	अक्षणिषाथाम्	अक्षणिढ्वम्	म०
	अक्षणिषि	अक्षणिष्वहि	अक्षणिष्महि	उ०
(लृङ्)	अक्षणिष्यत	अक्षणिष्येताम्	अक्षणिष्यन्त	प्र०
	अक्षणिष्यथाः	अक्षणिष्येथाम्	अक्षणिष्यध्वम्	म०
	अक्षणिष्ये	अक्षणिष्यावहि	अक्षणिष्यामहि	उ०

(४) तृणु = भोजन करना (परस्मैपदी)

(लट्)	तृणोति	तृणुतः	तृण्वन्ति	प्र०
	तृणोषि	तृणुथः	तृणुथ	म०
	तृणोमि	तृणुवः, तृण्वः	तृणुमः, तृण्मः	उ०

अथवा

	तर्णोति	तर्णुतः	तर्णुवन्ति	प्र०
	तर्णोषि	तर्णुथः	तर्णुथ	म०
	तर्णोमि	तर्णुवः	तर्णुमः	उ०
(लिट्)	ततर्ण	ततृणतुः	ततृणुः	प्र०
	ततर्णिथ	ततृणथुः	ततृण	म०
	ततर्ण	ततृणिव	ततृणिम	उ०
(लुट्)	तर्णिता	तर्णितारौ	तर्णितारः	प्र०
	तर्णितासि	तर्णितास्थः	तर्णितास्थ	म०
	तर्णितास्मि	तर्णितास्वः	तर्णितास्मः	उ०
(लृट्)	तर्णिष्यति	तर्णिष्यतः	तर्णिष्यन्ति	प्र०
	तर्णिष्यसि	तर्णिष्यथः	तर्णिष्यथ	म०
	तर्णिष्यामि	तर्णिष्यावः	तर्णिष्यामः	उ०
(लोट्)	तृणोतु, तृणुतात्	तृणुताम्	तृण्वन्तु	प्र०
	तृणु, तृणुतात्	तृणुतम्	तृणुत	म०
	तृणवानि	तृणवाव	तृणवाम	उ०

अथवा

	तर्णोतु, तर्णुतात्	तर्णुताम्	तर्णुवन्तु	प्र०
	तर्णुहि, तर्णुतात्	तर्णुतम्	तर्णुत	म०
	तर्णवानि	तर्णवाव	तर्णवाम	उ०
(लङ्)	अतृणोत्	अतृणुताम्	अतृण्वन्	प्र०
	अतृणोः	अतृणुतम्	अतृणुत	म०
	अतृणवम्	अतृणुव, अतृण्व	अतृणुम, अतृण्म	उ०

अथवा

	अतर्णोत्	अतर्णुताम्	अतर्णुवन्	प्र०
	अतर्णोः	अतर्णुतम्	अतर्णुत	म०
	अतर्णवम्	अतर्णुव	अतर्णुम	उ०
(वि. लि.)	तृणुयात्	तृणुयाताम्	तृणुयुः	प्र०
	तृणुयाः	तृणुयातम्	तृणुयात	म०
	तृणुयाम्	तृणुयाव	तृणुयाम	उ०

अथवा

	तर्णुयात्	तर्णुयाताम्	तर्णुयुः	प्र०
	तर्णुयाः	तर्णुयातम्	तर्णुयात	म०
	तर्णुयाम्	तर्णुयाव	तर्णुयाम	उ०
(आ. लि.)	तृण्यात्	तृण्यास्ताम्	तृण्यासुः	प्र०
	तृण्याः	तृण्यास्तम्	तण्यास्त	म०
	तृण्यासम्	तृण्यास्व	तृण्यास्म	उ०
(लुङ्)	अतर्णीत्	अतर्णिष्टाम्	अतर्णिषुः	प्र०
	अतर्णीः	अतर्णिष्टम्	अतर्णिष्ट	म०
	अतर्णिषम्	अतर्णिष्व	अतर्णिष्म	उ०
(लृङ्)	अतर्णिष्यत्	अतर्णिष्यताम्	अतर्णिष्यन्	प्र०
	अतर्णिष्यः	अतर्णिष्यतम्	अतर्णिष्यत	म०
	अतर्णिष्यम्	अतर्णिष्याव	अतर्णिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	तृणुते	तृण्वाते	तृण्वते	प्र०
	तृणुषे	तृण्वाथे	तृणुध्वे	म०
	तृण्वे	तृण्वहे, तृणुवहे	तृण्महे, तृणुमहे	उ०

अथवा

	तर्णुते	तर्णुवाते	तर्णुवते	प्र०
	तर्णुषे	तर्णुवाथे	तर्णुध्वे	म०
	तर्णुवे	तर्णुवहे	तर्णुमहे	उ०
(लिट्)	ततृणे	ततृणाते	ततृणिरे	प्र०
	ततृणिषे	ततृणाथे	ततृणिध्वे	म०
	ततृणे	ततृणिवहे	ततृणिमहे	उ०
(लुट्)	तर्णिता	तर्णितारौ	तर्णितारः	प्र०
	तर्णितासे	तर्णितासाथे	तर्णिताध्वे	म०
	तर्णिताहे	तर्णितास्वहे	तर्णितास्महे	उ०
(लृट्)	तर्णिष्यते	तर्णिष्येते	तर्णिष्यन्ते	प्र०
	तर्णिष्यसे	तर्णिष्येथे	तर्णिष्यध्वे	म०
	तर्णिष्ये	तर्णिष्यावहे	तर्णिष्यामहे	उ०
(लोट्)	तृणुताम्	तृण्वाताम्	तृण्वताम्	प्र०
	तृणुष्व	तृण्वाथाम्	तृणुध्वम्	म०
	तृणवै	तृणवावहै	तृणवामहै	उ०

अथवा

	तर्णुताम्	तर्णुवाताम्	तर्णुवताम्	प्र०
	तर्णुष्व	तर्णुवाथाम्	तर्णुध्वम्	म०
	तर्णवै	तर्णवावहै	तर्णवामहै	उ०
(लङ्)	अतृणुत	अतृण्वाताम्	अतृण्वत	प्र०
	अतृणुथाः	अतृण्वाथाम्	अतृणुध्वम्	म०
	अतृण्वि	अतृण्वहि, अतृणुवहि	अतृण्महि, अतृणुमहि	उ०

अथवा

	अतर्णुत	अतर्णुयाताम्	अतर्णुवत	प्र०
	अतर्णुथाः	अतर्णुवाथाम्	अतर्णुध्वम्	म०
	अतर्णुवि	अतर्णुवहि	अतर्णुमहि	उ०
(वि.लि.)	तृण्वीत	तृण्वीयाताम्	तृण्वीरन्	प्र०
	तृण्वीथाः	तृण्वीयाथाम्	तृण्वीध्वम्	म०
	तृण्वीय	तृण्वीवहि	तृण्वीमहि	उ०

अथवा

	तर्णुवीत	तर्णुवीयाताम्	तर्णुवीरन्	प्र०
	तर्णुवीथाः	तर्णुवीयाथाम्	तर्णुवीध्वम्	म०
	तर्णुवीय	तर्णुवीवहि	तर्णुवीमहि	उ०
(आ.लि.)	तर्णिषीष्ट	तर्णिषीयास्ताम्	तर्णिषीरन्	प्र०
	तर्णिषीष्ठाः	तर्णिषीयास्थाम्	तर्णिषीध्वम्	म०
	तर्णिषीय	तर्णिषीवहि	तर्णिषीमहि	उ०

(लुङ्)	अतर्णिष्ट, अतृत	अतर्णिषाताम्	अतर्णिषत	प्र०
	अतर्णिष्ठाः, अतृथाः	अतर्णिषाथाम्	अतर्णिढ्वम्	म०
	अतर्णिषि	अतर्णिष्वहि	अतर्णिष्महि	उ०
(लृङ्)	अतर्णिष्यत	अतर्णिष्येताम्	अतर्णिष्यन्त	प्र०
	अतर्णिष्यथाः	अतर्णिष्येथाम्	अतर्णिष्यध्वम्	म०
	अतर्णिष्ये	अतर्णिष्यावहि	अतर्णिष्यामहि	उ०

(५) मनु = स्वीकार करना (आत्मनेपदी)

(लट्)	मनुते	मन्वाते	मन्वते	प्र०
	मनुषे	मन्वाथे	मनुध्वे	म०
	मन्वे	मन्वहे, मनुवहे	मन्महे, मनुमहे	उ०
(लिट्)	मेने	मेनाते	मेनिरे	प्र०
	मेनिषे	मेनाथे	मेनिध्वे	म०
	मेने	मेनिवहे	मेनिमहे	उ०
(लुट्)	मनिता	मनितारौ	मनितारः	प्र०
	मनितासे	मनितासाथे	मनिताध्वे	म०
	मनिताहे	मनितास्वहे	मनितास्महे	उ०
(लृट्)	मनिष्यते	मनिष्येते	मनिष्यन्ते	प्र०
	मनिष्यसे	मनिष्येथे	मनिष्यध्वे	म०
	मनिष्ये	मनिष्यावहे	मनिष्यामहे	उ०
(लोट्)	मनुताम्	मन्वाताम्	मन्वताम्	प्र०
	मनुष्व	मन्वाथाम्	मनुध्वम्	म०
	मनवै	मनवावहै	मनवामहै	उ०

(लङ्)	अमनुत	अमन्वाताम्	अमन्वत	प्र०
	अमनुथाः	अमन्वाथाम्	अमनुध्वम्	म०
	अमन्वि	अमन्वहि, अमनुवहि	अमन्महि, अमनुमहि	उ०
(वि.लि.)	मन्वीत	मन्वीयाताम्	मन्वीरन्	प्र०
	मन्वीथाः	मन्वीयाथाम्	मन्वीध्वम्	म०
	मन्वीय	मन्वीवहि	मन्वीमहि	उ०
(आ.लि.)	मनिषीष्ट	मनिषीयास्ताम्	मनिषीरन्	प्र०
	मनिषीष्ठाः	मनिषीयास्थाम्	मनिषीध्वम्	म०
	मनिषीय	मनिषीवहि	मनिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अमनिष्ट, अमत	अमनिषाताम्	अमनिषत	प्र०
	अमनिष्ठाः, अमथाः	अमनिषाथाम्	अमनिढ्वम्	म०
	अमनिषि	अमनिष्वहि	अमनिष्महि	उ०
(लृङ्)	अमनिष्यत	अमनिष्येताम्	अमनिष्यन्त	प्र०
	अमनिष्यथाः	अमनिष्येथाम्	अमनिष्यध्वम्	म०
	अमनिष्ये	अमनिष्यावहि	अमनिष्यामहि	उ०

(६) वनु = माँगना (आत्मनेपदी)

(लट्)	वनुते	वन्वाते	वन्वते	प्र०
	वनुषे	वन्वाथे	वनुध्वे	म०
	वन्वे	वन्वहे, वनुवहे	वन्महे, वनुमहे	उ०
(लिट्)	ववने	ववनाते	ववनिरे	प्र०
	ववनिषे	ववनाथे	ववनिध्वे	म०
	ववने	ववनिवहे	ववनिमहे	उ०

(लुट्)	वनिता	वनितारौ	वनितारः	प्र०
	वनितासे	वनितासाथे	वनिताध्वे	म०
	वनिताहे	वनितास्वहे	वनितास्महे	उ०
(लृट्)	वनिष्यते	वनिष्येते	वनिष्यन्ते	प्र०
	वनिष्यसे	वनिष्येथे	वनिष्यध्वे	म०
	वनिष्ये	वनिष्यावहे	वनिष्यामहे	उ०
(लोट्)	वनुताम्	वन्वाताम्	वन्वताम्	प्र०
	वनुष्व	वन्वाथाम्	वनुध्वम्	म०
	वनवै	वनवावहै	वनवामहै	उ०
(लङ्)	अवनुत	अवन्वाताम्	अवन्वत	प्र०
	अवनुथाः	अवन्वाथाम्	अवनुध्वम्	म०
	अवन्वि	अवन्वहि, अवनुवहि	अवन्महि, अवनुमहि	उ०
(वि. लि.)	वन्वीत	वन्वीयाताम्	वन्वीरन्	प्र०
	वन्वीथाः	वन्वीयाथाम्	वन्वीध्वम्	म०
	वन्वीय	वन्वीवहि	वन्वीमहि	उ०
(आ. लि.)	वनिषीष्ट	वनिषीयास्ताम्	वनिषीरन्	प्र०
	वनिषीष्ठाः	वनिषीयास्थाम्	वनिषीध्वम्	म०
	वनिषीय	वनिषीवहि	वनिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अवनिष्ट, अवत	अवनिषाताम्	अवनिषत	प्र०
	अवनिष्ठाः, अवथाः	अवनिषाथाम्	अवनिढ्वम्	म०
	अवनिषि	अवनिष्वहि	अवनिष्महि	उ०

(लृङ्)	अवनिष्यत	अवनिष्येताम्	अवनिष्यन्त	प्र०
	अवनिष्यथाः	अवनिष्येथाम्	अवनिष्यध्वम्	म०
	अवनिष्ये	अवनिष्यावहि	अवनिष्यामहि	उ०

(७) सनु = देना (परस्मैपदी)

(लट्)	सनोति	सनुतः	सन्वन्ति	प्र०
	सनोषि	सनुथः	सनुथ	म०
	सनोमि	सनुवः, सन्वः	सनुमः, सन्मः	उ०
(लिट्)	ससान	सेनतुः	सेनुः	प्र०
	सेनिथ	सेनथुः	सेन	म०
	ससान, ससन	सेनिव	सेनिम	उ०
(लुट्)	सनिता	सनितारौ	सनितारः	प्र०
	सनितासि	सनितास्थः	सनितास्थ	म०
	सनितास्मि	सनितास्वः	सनितास्मः	उ०
(लृट्)	सनिष्यति	सनिष्यतः	सनिष्यन्ति	प्र०
	सनिष्यसि	सनिष्यथः	सनिष्यथ	म०
	सनिष्यामि	सनिष्यावः	सनिष्यामः	उ०
(लोट्)	सनोतु, सनुतात्	सनुताम्	सन्वन्तु	प्र०
	सनु, सनुतात्	सनुतम्	सनुत	म०
	सनवानि	सनवाव	सनवाम	उ०
(लङ्)	असनोत्	असनुताम्	असन्वन्	प्र०
	असनोः	असनुतम्	असनुत	म०
	असनवम्	असनुव, असन्व	असनुम, असन्म	उ०

(वि. लि.)	सनुयात्	सनुयाताम्	सनुयुः	प्र०
	सनुयाः	सनुयातम्	सनुयात	म०
	सनुयाम्	सनुयाव	सनुयाम	उ०
(आ. लि.)	सायात्	सायास्ताम्	सायासुः	प्र०
	सायाः	सायास्तम्	सायास्त	म०
	सायासम्	सायास्व	सायास्म	उ०

अथवा

	सन्यात्	सन्यास्ताम्	सन्यासुः	प्र०
	सन्याः	सन्यास्तम्	सन्यास्त	म०
	सन्यासम्	सन्यास्व	सन्यास्म	उ०
(लुङ्)	असानीत्	असानिष्टाम्	असानिषुः	प्र०
	असानीः	असानिष्टम्	असानिष्ट	म०
	असानिषम्	असानिष्व	असानिष्म	उ०

अथवा

	असनीत्	असनिष्टाम्	असनिषुः	प्र०
	असनीः	असनिष्टम्	असनिष्ट	म०
	असनिषम्	असनिष्व	असनिष्म	उ०
(लृङ्)	असनिष्यत्	असनिष्यताम्	असनिष्यन्	प्र०
	असनिष्यः	असनिष्यतम्	असनिष्यत	म०
	असनिष्यम्	असनिष्याव	असनिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	सनुते	सन्वाते	सन्वते	प्र०
	सनुषे	सन्वाथे	सनुध्वे	म०
	सन्वे	सन्वहे, सनुवहे	सन्महे, सनुमहे	उ०
(लिट्)	सेने	सेनाते	सेनिरे	प्र०
	सेनिषे	सेनाथे	सेनिध्वे	म०
	सेने	सेनिवहे	सेनिमहे	उ०
(लुट्)	सनिता	सनितारौ	सनितारः	प्र०
	सनितासे	सनितासाथे	सनिताध्वे	म०
	सनिताहे	सनितास्वहे	सनितास्महे	उ०
(लृट)	सनिष्यते	सनिष्येते	सनिष्यन्ते	प्र०
	सनिष्यसे	सनिष्येथे	सनिष्यध्वे	म०
	सनिष्ये	सनिष्यावहे	सनिष्यामहे	उ०
(लोट्)	सनुताम्	सन्वाताम्	सन्वताम्	प्र०
	सनुष्व	सन्वाथाम्	सनुध्वम्	म०
	सनवै	सनवावहै	सनवामहै	उ०
(लङ्)	असनुत	असन्वाताम्	असन्वत	प्र०
	असनुथाः	असन्वाथाम्	असनुध्वम्	म०
	असन्वि	असनुवहि, असन्वहि	असनुमहि, असन्महि	उ०
(वि. लि.)	सन्वीत	सन्वीयाताम्	सन्वीरन्	प्र०
	सन्वीथाः	सन्वीयाथाम्	सन्वीध्वम्	म०
	सन्वीय	सन्वीवहि	सन्वीमहि	उ०

(आ. लि.)	सनिषीष्ट	सनिषीयास्ताम्	सनिषीरन्	प्र०
	सनिषीष्ठाः	सनिषीयास्थाम्	सनिषीध्वम्	म०
	सनिषीय	सनिषीवहि	सनिषीमहि	उ०
(लुङ्)	असनिष्ट, असात	असनिषाताम्	असनिषत	प्र०
	असनिष्ठाः, असाथाः	असनिषाथाम्	असनिढ्वम्	म०
	असनिषि	असनिष्वहि	असनिष्महि	उ०
(लृङ्)	असनिष्यत	असनिष्येताम्	असनिष्यन्त	प्र०
	असनिष्यथाः	असनिष्येथाम्	असनिष्यध्वम्	म०
	असनिष्ये	असनिष्यावहि	असनिष्यामहि	उ०

इति तनादिप्रकरणम् ।

*

अथ क्र्यादिप्रकरणम्

(१) क्रीञ् = खरीदना, बेचना (परस्मैपदी)

(लट्)	क्रीणाति	क्रीणीतः	क्रीणन्ति	प्र०
	क्रीणासि	क्रीणीथः	क्रीणीथ	म०
	क्रीणामि	क्रीणीवः	क्रीणीमः	उ०
(लिट्)	चिक्राय	चिक्रियतुः	चिक्रियुः	प्र०
	चिक्रयिथ, चिक्रेथ	चिक्रियथुः	चिक्रिय	म०
	चिक्राय, चिक्रय	चिक्रियिव	चिक्रियिम	उ०
(लुट्)	क्रेता	क्रेतारौ	क्रेतारः	प्र०
	क्रेतासि	क्रेतास्थः	क्रेतास्थ	म०
	क्रेतास्मि	क्रेतास्वः	क्रेतास्मः	उ०
(लृट्)	क्रेष्यति	क्रेष्यतः	क्रेष्यन्ति	प्र०
	क्रेष्यसि	क्रेष्यथः	क्रेष्यथ	म०
	क्रेष्यामि	क्रेष्यावः	क्रेष्यामः	उ०
(लोट्)	क्रीणातु, क्रीणीतात्	क्रीणीताम्	क्रीणन्तु	प्र०
	क्रीणीहि, क्रीणीतात्	क्रीणीतम्	क्रीणीत	म०
	क्रीणानि	क्रीणाव	क्रीणाम	उ०
(लङ्)	अक्रीणात्	अक्रीणीताम्	अक्रीणन्	प्र०
	अक्रीणाः	अक्रीणीतम्	अक्रीणीत	म०
	अक्रीणाम्	अक्रीणीव	अक्रीणीम	उ०

(वि·लि·)	क्रीणीयात्	क्रीणीयाताम्	क्रीणीयुः	प्र०
	क्रीणीयाः	क्रीणीयातम्	क्रीणीयात	म०
	क्रीणीयाम्	क्रीणीयाव	क्रीणीयाम	उ०
(आ·लि·)	क्रीयात्	क्रीयास्ताम्	क्रीयासुः	प्र०
	क्रीयाः	क्रीयास्तम्	क्रीयास्त	म०
	क्रीयासम्	क्रीयास्व	क्रीयास्म	उ०
(लुङ्)	अक्रैषीत्	अक्रैष्टाम्	अक्रैषुः	प्र०
	अक्रैषीः	अक्रैष्टम्	अक्रैष्ट	म०
	अक्रैषम्	अक्रैष्व	अक्रैष्म	उ०
(लृङ्)	अक्रेष्यत्	अक्रेष्यताम्	अक्रेष्यन्	प्र०
	अक्रेष्यः	अक्रेष्यतम्	अक्रेष्यत	म०
	अक्रेष्यम्	अक्रेष्याव	अक्रेष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	क्रीणीते	क्रीणाते	क्रीणते	प्र०
	क्रीणीषे	क्रीणाथे	क्रीणीध्वे	म०
	क्रीणे	क्रीणीवहे	क्रीणीमहे	उ०
(लिट्)	चिक्रिये	चिक्रियाते	चिक्रियिरे	प्र०
	चिक्रियिषे	चिक्रियाथे	चिक्रियिध्वे	म०
	चिक्रिये	चिक्रियिवहे	चिक्रियिमहे	उ०
(लुट्)	क्रेता	क्रेतारौ	क्रेतारः	प्र०
	क्रेतासे	क्रेतासाथे	क्रेताध्वे	म०
	क्रेताहे	क्रेतास्वहे	क्रेतास्महे	उ०

(लृट्)	क्रेष्यते	क्रेष्येते	क्रेष्यन्ते	प्र०
	क्रेष्यसे	क्रेष्येथे	क्रेष्यध्वे	म०
	क्रेष्ये	क्रेष्यावहे	क्रेष्यामहे	उ०
(लोट्)	क्रीणीताम्	क्रीणाताम्	क्रीणताम्	प्र०
	क्रीणीष्व	क्रीणाथाम्	क्रीणीध्वम्	म०
	क्रीणै	क्रीणावहै	क्रीणामहै	उ०
(लङ्)	अक्रीणीत	अक्रीणाताम्	अक्रीणत	प्र०
	अक्रीणीथाः	अक्रीणाथाम्	अक्रीणीध्वम्	म०
	अक्रीणि	अक्रीणीवहि	अक्रीणीमहि	उ०
(वि·लि·)	क्रीणीत	क्रीणीयाताम्	क्रीणीरन्	प्र०
	क्रीणीथाः	क्रीणीयाथाम्	क्रीणीध्वम्	म०
	क्रीणीय	क्रीणीवहि	क्रीणीमहि	उ०
(आ·लि·)	क्रेषीष्ट	क्रेषीयास्ताम्	क्रेषीरन्	प्र०
	क्रेषीष्ठाः	क्रेषीयास्थाम्	क्रेषीढ्वम्	म०
	क्रेषीय	क्रेषीवहि	क्रेषीमहि	उ०
(लुङ्)	अक्रेष्ट	अक्रेषाताम्	अक्रेषत	प्र०
	अक्रेष्ठाः	अक्रेषाथाम्	अक्रेढ्वम्	म०
	अक्रेषि	अक्रेष्वहि	अक्रेष्महि	उ०
(लृङ्)	अक्रेष्यत	अक्रेष्येताम्	अक्रेष्यन्त	प्र०
	अक्रेष्यथाः	अक्रेष्येथाम्	अक्रेष्यध्वम्	म०
	अक्रेष्ये	अक्रेष्यावहि	अक्रेष्यामहि	उ०

(२) अश् = भोजन करना (परस्मैपदी)

(लट्)	अश्नाति	अश्नीतः	अश्नन्ति	प्र०
	अश्नासि	अश्नीथः	अश्नीथ	म०
	अश्नामि	अश्नीवः	अश्नीमः	उ०
(लिट्)	आश	आशतुः	आशुः	प्र०
	आशिथ	आशथुः	आश	म०
	आश	आशिव	आशिम	उ०
(लुट्)	अशिता	अशितारौ	अशितारः	इत्यादि
(लृट्)	अशिष्यति	अशिष्यतः	अशिष्यन्ति	इत्यादि
(लोट्)	अश्नातु, अश्नीतात्	अश्नीताम्	अश्नन्तु	प्र०
	अशान, अश्नीतात्	अश्नीतम्	अश्नीत	म०
	अश्नानि	अश्नाव	अश्नाम	उ०
(लङ्)	आश्नात्	आश्नीताम्	आश्नन्	प्र०
	आश्नाः	आश्नीतम्	आश्नीत	म०
	आश्नाम्	आश्नीव	आश्नीम	उ०
(वि·लि·)	अश्नीयात्	अश्नीयाताम्	अश्नीयुः	प्र०
	अश्नीयाः	अश्नीयातम्	अश्नीयात	म०
	अश्नीयाम्	अश्नीयाव	अश्नीयाम	उ०
(आ·लि·)	अश्यात्	अश्यास्ताम्	अश्यासुः	प्र०
	अश्याः	अश्यास्तम्	अश्यास्त	म०
	अश्यासम्	अश्यास्व	अश्यास्म	उ०

(लुङ्)	आशीत्	आशिष्टाम्	आशिषुः	प्र०
	आशीः	आशिष्टम्	आशिष्ट	म०
	आशिषम्	आशिष्व	आशिष्म	उ०
(लृङ्)	आशिष्यत्	आशिष्यताम्	आशिष्यन्	इ०

(३) कुष = बाहर करना (परस्मैपदी)

(लट्)	कुष्णाति	कुष्णीतः	कुष्णन्ति	प्र०
	कुष्णासि	कुष्णीथः	कुष्णीथ	म०
	कुष्णामि	कुष्णीवः	कुष्णीमः	उ०
(लिट्)	चुकोष	चुकुषतुः	चुकुषुः	प्र०
	चुकोषिथ	चुकुषथुः	चुकुष	म०
	चुकोष	चुकुषिव	चुकुषिम	उ०
(लुट्)	कोषिता	कोषितारौ	कोषितारः	इ०
(लृट्)	कोषिष्यति	कोषिष्यतः	कोषिष्यन्ति	इ०
(लोट्)	कुष्णातु, कुष्णीतात्	कुष्णीताम्	कुष्णन्तु	प्र०
	कुषाण, कुष्णीतात्	कुष्णीतम्	कुष्णीत	म०
	कुष्णानि	कुष्णाव	कुष्णाम	उ०
(लङ्)	अकुष्णात्	अकुष्णीताम्	अकुष्णन्	प्र०
	अकुष्णाः	अकुष्णीतम्	अकुष्णीत	म०
	अकुष्णाम्	अकुष्णीव	अकुष्णीम	उ०
(वि·लि·)	कुष्णीयात्	कुष्णीयाताम्	कुष्णीयुः	प्र०
	कुष्णीयाः	कुष्णीयातम्	कुष्णीयात	म०
	कुष्णीयाम्	कुष्णीयाव	कुष्णीयाम	उ०

(आ·लि·)	कुष्यात्	कुष्यास्ताम्	कुष्यासुः	प्र०
	कुष्याः	कुष्यास्तम्	कुष्यास्त	म०
	कुष्यासम्	कुष्यास्व	कुष्यास्म	उ०
(लुङ्)	अकोषीत्	अकोषिष्टाम्	अकोषिषुः	प्र०
	अकोषीः	अकोषिष्टम्	अकोषिष्ट	म०
	अकोषिषम्	अकोषिष्व	अकोषिष्म	उ०
(लृङ्)	अकोषिष्यत्	अकोषिष्यताम्	अकोषिष्यन्	प्र०
	अकोषिष्यः	अकोषिष्यतम्	अकोषिष्यत	म०
	अकोषिष्यम्	अकोषिष्याव	अकोषिष्याम	उ०

(४) कृ = हिंसा करना (परस्मैपदी)

(लट्)	कृणाति	कृणीतः	कृणन्ति	प्र०
	कृणासि	कृणीथः	कृणीथ	म०
	कृणामि	कृणीवः	कृणीमः	उ०
(लिट्)	चकार	चकरतुः	चकरुः	प्र०
	चकरिथ	चकरथुः	चकर	म०
	चकार, चकर	चकरिव	चकरिम	उ०
(लुट्)	करीता	करीतारौ	करीतारः	इ०
		अथवा		
	करिता	करितारौ	करितारः	इ०
(लृट्)	करीष्यति	करीष्यतः	करीष्यन्ति	इ०

		अथवा		
	करिष्यति	करिष्यतः	करिष्यन्ति	इ०
(लोट्)	कृणातु, कृणीतात्	कृणीताम्	कृणन्तु	प्र०
	कृणीहि, कृणीतात्	कृणीतम्	कृणीत	म०
	कृणानि	कृणाव	कृणाम	उ०
(लङ्)	अकृणात्	अकृणीताम्	अकृणन्	प्र०
	अकृणाः	अकृणीतम्	अकृणीत	म०
	अकृणाम्	अकृणीव	अकृणीम	उ०
(वि·लि·)	कृणीयात्	कृणीयाताम्	कृणीयुः	प्र०
	कृणीयाः	कृणीयातम्	कृणीयात	म०
	कृणीयाम्	कृणीयाव	कृणीयाम	उ०
(आ·लि·)	कीर्यात्	कीर्यास्ताम्	कीर्यासुः	प्र०
	कीर्याः	कीर्यास्तम्	कीर्यास्त	म०
	कीर्यासम्	कीर्यास्व	कीर्यास्म	उ०
(लुङ्)	अकारीत्	अकारिष्टाम्	अकारिषुः	प्र०
	अकारीः	अकारिष्टम्	अकारिष्ट	म०
	अकारिषम्	अकारिष्व	अकारिष्म	उ०
(लृङ्)	अकरीष्यत्	अकरीष्यताम्	अकरीष्यन्	इ०
		अथवा		
	अकरिष्यत्	अकरिष्यताम्	अकरिष्यन्	इ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	कृणीते	कृणाते	कृणते	प्र०
	कृणीषे	कृणाथे	कृणीध्वे	म०
	कृणे	कृणीवहे	कृणीमहे	उ०
(लिट्)	चकरे	चकराते	चकरिरे	प्र०
	चकरिषे	चकराथे	चकरिढ्वे, ध्वे	म०
	चकरे	चकरिवहे	चकरिमहे	उ०
(लुट्)	करीता, करिता		इत्यादि	
(लृट्)	करीष्यते, करिष्यते		इत्यादि	
(लोट्)	कृणीताम्	कृणाताम्	कृणताम्	प्र०
	कृणीष्व	कृणाथाम्	कृणीध्वम्	म०
	कृणै	कृणावहै	कृणामहै	उ०
(लङ्)	अकृणीत	अकृणाताम्	अकृणत	प्र०
	अकृणीथाः	अकृणाथाम्	अकृणीध्वम्	म०
	अकृणि	अकृणीवहि	अकृणीमहि	उ०
(वि·लि·)	कृणीत	कृणीयाताम्	कृणीरन्	प्र०
	कृणीथाः	कृणीयाथाम्	कृणीध्वम्	म०
	कृणीय	कृणीवहि	कृणीमहि	उ०
(आ·लि·)	करिषीष्ट	करिषीयास्ताम्	करिषीरन्	प्र०
	करिषीष्ठाः	करिषीयास्थाम्	करिषीढ्वम्	म०
	करिषीय	करिषीवहि	करिषीमहि	उ०

अथवा

	कीर्षीष्ट	कीर्षीयास्ताम्	कीर्षीरन्	प्र०
	कीर्षीष्ठाः	कीर्षीयास्थाम्	कीर्षीढ्वं, ध्वम्	म०
	कीर्षीय	कीर्षीवहि	कीर्षीमहि	उ०
(लुङ्)	अकरीष्ट	अकरीषाताम्	अकरीषत	प्र०
	अकरीष्ठाः	अकरीषाथाम्	अकरीढ्वं, ध्वम्	म०
	अकरीषि	अकरीष्वहि	अकरीष्महि	उ०

अथवा

	अकरिष्ट	अकरिषाताम्	अकरिषत	प्र०
	अकरिष्ठाः	अकरिषाथाम्	अकरिढ्वं, ध्वम्	म०
	अकरिषि	अकरिष्वहि	अकरिष्महि	उ०

अथवा

	अकीर्ष्ट	अकीर्षाताम्	अकीर्षत	प्र०
	अकीर्ष्ठाः	अकीर्षाथाम्	अकीर्ढ्वम्	म०
	अकीर्षि	अकीर्ष्वहि	अकीर्ष्महि	उ०
(लृङ्)	अकरीष्यत, अकरिष्यत		इत्यादि	

(५) क्रू = चिल्लाना (परस्मैपदी)

(लट्)	क्रूनाति	क्रूनीतः	क्रूनन्ति	प्र०
	क्रूनासि	क्रूनीथः	क्रूनीथ	म०
	क्रूनामि	क्रूनीवः	क्रूनीमः	उ०
(लिट्)	चुक्राव	चुक्रुवतुः	चुक्रुवुः	प्र०
	चुक्रविथ	चुक्रुवथुः	चुक्रुव	म०
	चुक्राव, चुक्रव	चुक्रुविव	चुक्रुविम	उ०

(लुट्)	क्रविता	क्रवितारौ	क्रवितारः	इ०
(लृट्)	क्रविष्यति	क्रविष्यतः	क्रविष्यन्ति	इ०
(लोट्)	क्रूनातु, क्रूनीतात्	क्रूनीताम्	क्रूनन्तु	प्र०
	क्रूनीहि, क्रूनीतात्	क्रूनीतम्	क्रूनीत	म०
	क्रूनानि	क्रूनाव	क्रूनाम	उ०
(लङ्)	अक्रूनात्	अक्रूनीताम्	अक्रूनन्	प्र०
	अक्रूनाः	अक्रूनीतम्	अक्रूनीत	म०
	अक्रूनाम्	अक्रूनीव	अक्रूनीम	उ०
(वि·लि·)	क्रूनीयात्	क्रूनीयाताम्	क्रूनीयुः	प्र०
	क्रूनीयाः	क्रूनीयातम्	क्रूनीयात	म०
	क्रूनीयाम्	क्रूनीयाव	क्रूनीयाम	उ०
(आ·लि·)	क्रूयात्	क्रूयास्ताम्	क्रूयासुः	प्र०
	क्रूयाः	क्रूयास्तम्	क्रूयास्त	म०
	क्रूयासम्	क्रूयास्व	क्रूयास्म	उ०
(लुङ्)	अक्रवीत्	अक्रविष्टाम्	अक्रविषुः	प्र०
	अक्रवीः	अक्रविष्टम्	अक्रविष्ट	म०
	अक्रविषम्	अक्रविष्व	अक्रविष्म	उ०
(लृङ्)	अक्रविष्यत्	अक्रविष्यताम्	अक्रविष्यन्	इ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	क्रूनीते	क्रूनाते	क्रूनते	प्र०
	क्रूनीषे	क्रूनाथे	क्रूनीध्वे	म०
	क्रूने	क्रूनीवहे	क्रूनीमहे	उ०

(लिट्)	चुक्रुवे	चुक्रुवाते	चुक्रुविरे	प्र०
	चुक्रुविषे	चुक्रुवाथे	चुक्रुविढ्वे, ध्वे	म०
	चुक्रुवे	चुक्रुविवहे	चुक्रुविमहे	उ०
(लुट्)	क्रविता	क्रवितारौ	क्रवितारः	इ०
(लृट्)	क्रविष्यते	क्रविष्येते	क्रविष्यन्ते	इ०
(लोट्)	क्रूनीताम्	क्रूनाताम्	क्रूनताम्	प्र०
	क्रूनीष्व	क्रूनाथाम्	क्रूनीध्वम्	म०
	क्रूनै	क्रूनावहै	क्रूनामहै	उ०
(लङ्)	अक्रूनीत	अक्रूनाताम्	अक्रूनत	प्र०
	अक्रूनीथाः	अक्रूनाथाम्	अक्रूनीध्वम्	म०
	अक्रूनि	अक्रूनीवहि	अक्रूनीमहि	उ०
(वि·लि·)	क्रूनीत	क्रूनीयाताम्	क्रूनीरन्	प्र०
	क्रूनीथाः	क्रूनीयाथाम्	क्रूनीध्वम्	म०
	क्रूनीय	क्रूनीवहि	क्रूनीमहि	उ०
(आ·लि·)	क्रविषीष्ट	क्रविषीयास्ताम्	क्रविषीरन्	प्र०
	क्रविषीष्ठाः	क्रविषीयास्थाम्	क्रविषीढ्वं, ध्वं	म०
	क्रविषीय	क्रविषीवहि	क्रविषीमहि	उ०
(लुङ्)	अक्रविष्ट	अक्रविषाताम्	अक्रविषत	प्र०
	अक्रविष्ठाः	अक्रविषाथाम्	अक्रविढ्वं, ध्वं	म०
	अक्रविषि	अक्रविष्वहि	अक्रविष्महि	उ०
(लृङ्)	अक्रविष्यत	अक्रविष्येताम्	अक्रविष्यन्त	इ०

(६) ग्रह = लेना (परस्मैपदी)

(लट्)	गृह्णाति	गृह्णीतः	गृह्णन्ति	प्र०
	गृह्णासि	गृह्णीथः	गृह्णीथ	म०
	गृह्णामि	गृह्णीवः	गृह्णीमः	उ०
(लिट्)	जग्राह	जगृहतुः	जगृहुः	प्र०
	जग्रहिथ	जगृहथुः	जगृह	म०
	जग्राह, जग्रह	जगृहिव	जगृहिम	उ०
(लुट्)	ग्रहीता	ग्रहीतारौ	ग्रहीतारः	इ०
(लृट्)	ग्रहीष्यति	ग्रहीष्यतः	ग्रहीष्यन्ति	इ०
(लोट्)	गृह्णातु, गृह्णीतात्	गृह्णीताम्	गृह्णन्तु	प्र०
	गृहाण, गृह्णीतात्	गृह्णीतम्	गृह्णीत	म०
	गृह्णानि	गृह्णाव	गृह्णाम	उ०
(लङ्)	अगृह्णात्	अगृह्णीताम्	अगृह्णन्	प्र०
	अगृह्णाः	अगृह्णीतम्	अगृह्णीत	म०
	अगृह्णाम्	अगृह्णीव	अगृह्णीम	उ०
(वि.लि.)	गृह्णीयात्	गृह्णीयाताम्	गृह्णीयुः	प्र०
	गृह्णीयाः	गृह्णीयातम्	गृह्णीयात	म०
	गृह्णीयाम्	गृह्णीयाव	गृह्णीयाम	उ०
(आ.लि)	गृह्यात्	गृह्यास्ताम्	गृह्यासुः	प्र०
	गृह्याः	गृह्यास्तम्	गृह्यास्त	म०
	गृह्यासम्	गृह्यास्व	गृह्यास्म	उ०

(लुङ्)	अग्रहीत्	अग्रहीष्टाम्	अग्रहीषुः	प्र०
	अग्रहीः	अग्रहीष्टम्	अग्रहीष्ट	म०
	अग्रहीषम्	अग्रहीष्व	अग्रहीष्म	उ०
(लृङ्)	अग्रहीष्यत्	अग्रहीष्यताम्	अग्रहीष्यन्	इ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	गृह्णीते	गृह्णाते	गृह्णते	प्र०
	गृह्णीषे	गृह्णाथे	गृह्णीध्वे	म०
	गृह्णे	गृह्णीवहे	गृह्णीमहे	उ०
(लिट्)	जगृहे	जगृहाते	जगृहिरे	प्र०
	जगृहिषे	जगृहाथे	जगृहिढ्वे, ध्वे	म०
	जगृहे	जगृहिवहे	जगृहिमहे	उ०
(लुट्)	ग्रहीता	ग्रहीतारौ	ग्रहीतारः	इ०
(लृट्)	ग्रहीष्यते	ग्रहीष्येते	ग्रहीष्यन्ते	इ०
(लोट्)	गृह्णीताम्	गृह्णीताम्	गृह्णताम्	प्र०
	गृह्णीष्व	गृह्णाथाम्	गृह्णीध्वम्	म०
	गृह्णै	गृह्णावहै	गृह्णामहै	उ०
(लङ्)	अगृह्णीत	अगृह्णाताम्	अगृह्णत	प्र०
	अगृह्णीथाः	अगृह्णाथाम्	अगृह्णीध्वम्	म०
	अगृह्णि	अगृह्णीवहि	अगृह्णीमहि	उ०
(वि.लि.)	गृह्णीत	गृह्णीयाताम्	गृह्णीरन्	प्र०
	गृह्णीथाः	गृह्णीयाथाम्	गृह्णीध्वम्	म०
	गृह्णीय	गृह्णीवहि	गृह्णीमहि	उ०

(आ·लि)	ग्रहीषीष्ट	ग्रहीषीयास्ताम्	ग्रहीषीरन्	प्र०
	ग्रहीषीष्ठाः	ग्रहीषीयास्थाम्	ग्रहीषीढ्वं, ध्वम्	म०
	ग्रहीषीय	ग्रहीषीवहि	ग्रहीषीमहि	उ०
(लुङ्)	अग्रहीष्ट	अग्रहीषाताम्	अग्रहीषत	प्र०
	अग्रहीष्ठाः	अग्रहीषाथाम्	अग्रहीढ्वं, ध्वम्	म०
	अग्रहीषि	अग्रहीष्वहि	अग्रहीष्महि	उ०
(लृङ्)	अग्रहीष्यत	अग्रहीष्येताम्	अग्रहीष्यन्त इत्यादि	

(७) ज्ञा = जानना (परस्मैपदी)

(लट्)	जानाति	जानीतः	जानन्ति	प्र०
	जानासि	जानीथः	जानीथ	म०
	जानामि	जानीवः	जानीमः	उ०
(लिट्)	जज्ञौ	जज्ञतुः	जज्ञुः	प्र०
	जज्ञिथ, जज्ञाथ	जज्ञथुः	जज्ञ	म०
	जज्ञौ	जज्ञिव	जज्ञिम	उ०
(लुट्)	ज्ञाता	ज्ञातारौ	ज्ञातारः	प्र०
	ज्ञातासि	ज्ञातास्थः	ज्ञातास्थ	म०
	ज्ञातास्मि	ज्ञातास्वः	ज्ञातास्मः	उ०
(लृट्)	ज्ञास्यति	ज्ञास्यतः	ज्ञास्यन्ति	प्र०
	ज्ञास्यसि	ज्ञास्यथः	ज्ञास्यथ	म०
	ज्ञास्यामि	ज्ञास्यावः	ज्ञास्यामः	उ०
(लोट्)	जानातु, जानीतात्	जानीताम्	जानन्तु	प्र०
	जानीहि, जानीतात्	जानीतम्	जानीत	म०
	जानानि	जानाव	जानाम	उ०

(लङ्)	अजानात्	अजानीताम्	अजानन्	प्र०
	अजानाः	अजानीतम्	अजानीत	म०
	अजानाम्	अजानीव	अजानीम	उ०
(वि·लि)	जानीयात्	जानीयाताम्	जानीयुः	प्र०
	जानीयाः	जानीयातम्	जानीयात	म०
	जानीयाम्	जानीयाव	जानीयाम	उ०
(आ·लि·)	ज्ञायात्	ज्ञायास्ताम्	ज्ञायासुः	इ०

अथवा

	ज्ञेयात्	ज्ञेयास्ताम्	ज्ञेयासुः	प्र०
	ज्ञेयाः	ज्ञेयास्तम्	ज्ञेयास्त	म०
	ज्ञेयासम्	ज्ञेयास्व	ज्ञेयास्म	उ०
(लुङ्)	अज्ञासीत्	अज्ञासिष्टाम्	अज्ञासिषुः	प्र०
	अज्ञासीः	अज्ञासिष्टम्	अज्ञासिष्ट	म०
	अज्ञासिसम्	अज्ञासिष्व	अज्ञासिष्म	उ०
(लृङ्)	अज्ञास्यत्	अज्ञास्यताम्	अज्ञास्यन्	प्र०
	अज्ञास्यः	अज्ञास्यतम्	अज्ञास्यत	म०
	अज्ञास्यम्	अज्ञास्याव	अज्ञास्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	जानीते	जानाते	जानते	प्र०
	जानीषे	जानाथे	जानीध्वे	म०
	जाने	जानीवहे	जानीमहे	उ०

(लिट्)	जज्ञे	जज्ञाते	जज्ञिरे	प्र०
	जज्ञिषे	जज्ञाथे	जज्ञिध्वे	म०
	जज्ञे	जज्ञिवहे	जज्ञिमहे	उ०
(लुट्)	ज्ञाता	ज्ञातारौ	ज्ञातारः	प्र०
	ज्ञातासे	ज्ञातासाथे	ज्ञाताध्वे	म०
	ज्ञाताहे	ज्ञातास्वहे	ज्ञातास्महे	उ०
(लृट्)	ज्ञास्यते	ज्ञास्येते	ज्ञास्यन्ते	प्र०
	ज्ञास्यसे	ज्ञास्येथे	ज्ञास्यध्वे	म०
	ज्ञास्ये	ज्ञास्यावहे	ज्ञास्यामहे	उ०
(लोट्)	जानीताम्	जानाताम्	जानताम्	प्र०
	जानीष्व	जानाथाम्	जानीध्वम्	म०
	जानै	जानावहै	जानामहै	उ०
(लङ्)	अजानीत	अजानाताम्	अजानत	प्र०
	अजानीथाः	अजानाथाम्	अजानीध्वम्	म०
	अजानि	अजानीवहि	अजानीमहि	उ०
(वि. लि.)	जानीत	जानीयाताम्	जानीरन्	प्र०
	जानीथाः	जानीयाथाम्	जानीध्वम्	म०
	जानीय	जानीवहि	जानीमहि	उ०
(आ. लि.)	ज्ञासीष्ट	ज्ञासीयास्ताम्	ज्ञासीरन्	प्र०
	ज्ञासीष्ठाः	ज्ञासीयास्थाम्	ज्ञासीध्वम्	म०
	ज्ञासीय	ज्ञासीवहि	ज्ञासीमहि	उ०

(लुङ्)	अज्ञास्त	अज्ञासाताम्	अज्ञासत	प्र०
	अज्ञास्थाः	अज्ञासाथाम्	अज्ञाध्वम्	म०
	अज्ञासि	अज्ञास्वहि	अज्ञास्महि	उ०
(लृङ्)	अज्ञास्यत	अज्ञास्येताम्	अज्ञास्यन्त	प्र०
	अज्ञास्यथाः	अज्ञास्येथाम्	अज्ञास्यध्वम्	म०
	अज्ञास्ये	अज्ञास्यावहि	अज्ञास्यामहि	उ०

(८) धूञ् = काँपना (परस्मैपदी)

(लट्)	धुनाति	धुनीतः	धुनन्ति	प्र०
	धुनासि	धुनीथः	धुनीथ	म०
	धुनामि	धुनीवः	धुनीमः	उ०
(लिट्)	दुधाव	दुधुवतुः	दुधुवुः	प्र०
	दुधविथ, दुधोथ	दुधुवथुः	दुधुव	म०
	दुधाव, दुधव	दुधुविव	दुधुविम	उ०
(लुट्)	धोता	धोतारौ	धोतारः	प्र०
	धोतासि	धोतास्थः	धोतास्थ	म०
	धोतास्मि	धोतास्वः	धोतास्मः	उ०
		अथवा		
	धविता	धवितारौ	धवितारः	इ०
(लृट्)	धोष्यति	धोष्यतः	धोष्यन्ति	प्र०
	धोष्यसि	धोष्यथः	धोष्यथ	म०
	धोष्यामि	धोष्यावः	धोष्यामः	उ०
		अथवा		
	धविष्यति	धविष्यतः	धविष्यन्ति	इ०

(लोट्)	धुनातु, धुनीतात्	धुनीताम्	धुनन्तु	प्र०
	धुनीहि, धुनीतात्	धुनीतम्	धुनीत	म०
	धुनानि	धुनाव	धुनाम	उ०
(लङ्)	अधुनात्	अधुनीताम्	अधुनन्	प्र०
	अधुनाः	अधुनीतम्	अधुनीत	म०
	अधुनाम्	अधुनीव	अधुनीम	उ०
(वि. लि.)	धुनीयात्	धुनीयाताम्	धुनीयुः	प्र०
	धुनीयाः	धुनीयातम्	धुनीयात	म०
	धुनीयाम्	धुनीयाव	धुनीयाम	उ०
(आ. लि)	धूयात्	धूयास्ताम्	धूयासुः	प्र०
	धूयाः	धूयास्तम्	धूयास्त	म०
	धूयासम्	धूयास्व	धूयास्म	उ०
(लुङ्)	अधावीत्	अधाविष्टाम्	अधाविषुः	प्र०
	अधावीः	अधाविष्टम्	अधाविष्ट	म०
	अधाविषम्	अधाविष्व	अधाविष्म	उ०
(लृङ्)	अधविष्यत्	अधविष्यताम्	अधविष्यन्	प्र०
	अधविष्यः	अधविष्यतम्	अधविष्यत	म०
	अधविष्यम्	अधविष्याव	अधविष्याम	उ०
		अथवा		
	अधोष्यत्	अधोष्यताम्	अधोष्यन्	इ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	धुनीते	धुनाते	धुनते	प्र०
	धुनीषे	धुनाथे	धुनीध्वे	म०
	धुने	धुनीवहे	धुनीमहे	उ०
(लिट्)	दुधुवे	दुधुवाते	दुधुविरे	प्र०
	दुधुविषे	दुधुवाथे	दुधुविढ्वे, ध्वे	म०
	दुधुवे	दुधुविवहे	दुधुविमहे	उ०
(लुट्)	धविता, धोता		इत्यादि	
(लृट्)	धविष्यते, धोष्यते		इत्यादि	
(लोट्)	धुनीताम्	धुनाताम्	धुनताम्	प्र०
	धुनीष्व	धुनाथाम्	धुनीध्वम्	म०
	धुनै	धुनावहै	धुनामहै	उ०
(लङ्)	अधुनीत	अधुनाताम्	अधुनत	प्र०
	अधुनीथाः	अधुनाथाम्	अधुनीध्वम्	म०
	अधुनि	अधुनीवहि	अधुनीमहि	उ०
(वि. लि)	धुनीत	धुनीयाताम्	धुनीरन्	प्र०
	धुनीथाः	धुनीयाथाम्	धुनीध्वम्	म०
	धुनीय	धुनीवहि	धुनीमहि	उ०
(आ. लि)	धविषीष्ट	धविषीयास्ताम्	धविषीरन्	प्र०
	धविषीष्ठाः	धविषीयास्थाम्	धविषीढ्वं, ध्वम्	म०
	धविषीय	धविषीवहि	धविषीमहि	उ०

अथवा

	धोषीष्ट	धोषीयास्ताम्	धोषीरन्	प्र०
	धोषीष्ठाः	धोषीयास्थाम्	धोषीढ्वम्	म०
	धोषीय	धोषीवहि	धोषीमहि	उ०
(लुङ्)	अधविष्ट	अधविषाताम्	अधविषत	प्र०
	अधविष्ठाः	अधविषाथाम्	अधविढ्वं, ध्वम्	म०
	अधविषि	अधविष्वहि	अधविष्महि	उ०

अथवा

	अधोष्ट	अधोषाताम्	अधोषत्	प्र०
	अधोष्ठाः	अधोषाथाम्	अधोढ्वम्	म०
	अधोषि	अधोष्वहि	अधोष्महि	उ०
(लृङ्)	अधविष्यत अथवा अधोष्यत।		इत्यादि	

(९) पूञ् = पवित्र करना (परस्मैपदी)

(लट्)	पुनाति	पुनीतः	पुनन्ति	प्र०
	पुनासि	पुनीथः	पुनीथ	म०
	पुनामि	पुनीवः	पुनीमः	उ०
(लिट्)	पुपाव	पुपुवतुः	पुपुवुः	प्र०
	पुपुविथ	पुपुवथुः	पुपुव	म०
	पुपाव, पुपव	पुपुविव	पुपुविम	उ०
(लुट्)	पविता	पवितारौ	पवितारः	इ०
(लृट्)	पविष्यति	पविष्यतः	पविष्यन्ति	इ०

(लोट्)	पुनातु, पुनीतात्	पुनीताम्	पुनन्तु	प्र०
	पुनीहि, पुनीतात्	पुनीतम्	पुनीत	म०
	पुनानि	पुनाव	पुनाम	उ०
(लङ्)	अपुनात्	अपुनीताम्	अपुनन्	प्र०
	अपुनाः	अपुनीतम्	अपुनीत	म०
	अपुनाम्	अपुनीव	अपुनीम	उ०
(वि. लि)	पुनीयात्	पुनीयाताम्	पुनीयुः	प्र०
	पुनीयाः	पुनीयातम्	पुनीयात	म०
	पुनीयाम्	पुनीयाव	पुनीयाम	उ०
(आ. लि)	पूयात्	पूयास्ताम्	पूयासुः	प्र०
	पूयाः	पूयास्तम्	पूयास्त	म०
	पूयासम्	पूयास्व	पूयास्म	उ०
(लुङ्)	अपावीत्	अपाविष्टाम्	अपाविषुः	प्र०
	अपावीः	अपाविष्टम्	अपाविष्ट	म०
	अपाविषम्	अपाविष्व	अपाविष्म	उ०
(लृङ्)	अपविष्यत्	अपविष्यताम्	अपविष्यन्	इ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	पुनीते	पुनाते	पुनते	प्र०
	पुनीषे	पुनाथे	पुनीध्वे	म०
	पुने	पुनीवहे	पुनीमहे	उ०
(लिट्)	पुपुवे	पुपुवाते	पुपुविरे	प्र०
	पुपुविषे	पुपुवाथे	पुपुविढ्वे, ध्वे	म०
	पुपुवे	पुपुविवहे	पुपुविमहे	उ०

(लुट्)	पविता	पवितारौ	पवितारः	इ०
(लृट्)	पविष्यते	पविष्येते	पविष्यन्ते	इ०
(लोट्)	पुनीताम्	पुनाताम्	पुनताम्	प्र०
	पुनीष्व	पुनाथाम्	पुनीध्वम्	म०
	पुनै	पुनावहै	पुनामहै	उ०
(लङ्)	अपुनीत	अपुनाताम्	अपुनत	प्र०
	अपुनीथाः	अपुनाथाम्	अपुनीध्वम्	म०
	अपुनि	अपुनीवहि	अपुनीमहि	उ०
(वि·लि)	पुनीत	पुनीयाताम्	पुनीरन्	प्र०
	पुनीथाः	पुनीयाथाम्	पुनीध्वम्	म०
	पुनीय	पुनीवहि	पुनीमहि	उ०
(आ·लि)	पविषीष्ट	पविषीयास्ताम्	पविषीरन्	प्र०
	पविषीष्ठाः	पविषीयास्थाम्	पविषीढ्वं, ध्वम्	म०
	पविषीय	पविषीवहि	पविषीमहि	उ०
(लुङ्)	अपविष्ट	अपविषाताम्	अपविषत	प्र०
	अपविष्ठाः	अपविषाथाम्	अपविढ्वं, ध्वम्	म०
	अपविषि	अपविष्वहि	अपविष्महि	उ०

(१०) प्री = खुश करना, इच्छा करना (परस्मैपदी)

(लट्)	प्रीणाति	प्रीणीतः	प्रीणन्ति	प्र०
	प्रीणासि	प्रीणीथः	प्रीणीथ	म०
	प्रीणामि	प्रीणीवः	प्रीणीमः	उ०

(लिट्)	पिप्राय	पिप्रियतुः	पिप्रियुः	प्र०
	पिप्रयिथ, पिप्रेथ	पिप्रियथुः	पिप्रिय	म०
	पिप्राय, पिप्रिय	पिप्रियिव	पिप्रियिम	उ०
(लुट्)	प्रेता	प्रेतारौ	प्रेतारः	प्र०
	प्रेतासि	प्रेतास्थः	प्रेतास्थ	म०
	प्रेतास्मि	प्रेतास्वः	प्रेतास्मः	उ०
(लृट्)	प्रेष्यति	प्रेष्यतः	प्रेष्यन्ति	प्र०
	प्रेष्यसि	प्रेष्यथः	प्रेष्यथ	म०
	प्रेष्यामि	प्रेष्यावः	प्रेष्यामः	उ०
(लोट्)	प्रीणातु, प्रीणीतात्	प्रीणीताम्	प्रीणन्तु	प्र०
	प्रीणीहि, प्रीणीतात्	प्रीणीतम्	प्रीणीत	म०
	प्रीणानि	प्रीणाव	प्रीणाम	उ०
(लङ्)	अप्रीणात्	अप्रीणीताम्	अप्रीणन्	प्र०
	अप्रीणाः	अप्रीणीतम्	अप्रीणीत	म०
	अप्रीणाम्	अप्रीणीव	अप्रीणीम	उ०
(वि·लि)	प्रीणीयात्	प्रीणीयाताम्	प्रीणीयुः	प्र०
	प्रीणीयाः	प्रीणीयातम्	प्रीणीयात	म०
	प्रीणीयाम्	प्रीणीयाव	प्रीणीयाम	उ०
(आ·लि·)	प्रीयात्	प्रीयास्ताम्	प्रीयासुः	प्र०
	प्रीयाः	प्रीयास्तम्	प्रीयास्त	म०
	प्रीयासम्	प्रीयास्व	प्रीयास्म	उ०

(लुङ्)	अप्रैषीत्	अप्रैष्टाम्	अप्रैषुः	प्र०
	अप्रैषीः	अप्रैष्टम्	अप्रैष्ट	म०
	अप्रैषम्	अप्रैष्व	अप्रैष्म	उ०
(लृङ्)	अप्रेष्यत्	अप्रेष्यताम्	अप्रेष्यन्	प्र०
	अप्रेष्यः	अप्रेष्यतम्	अप्रेष्यत	म०
	अप्रेष्यम्	अप्रेष्याव	अप्रेष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	प्रीणीते	प्रीणाते	प्रीणते	प्र०
	प्रीणीषे	प्रीणाथे	प्रीणीध्वे	म०
	प्रीणे	प्रीणीवहे	प्रीणीमहे	उ०
(लिट्)	पिप्रिये	पिप्रियाते	पिप्रियिरे	प्र०
	पिप्रियिषे	पिप्रियाथे	पिप्रियिढ्वे, ध्वे	म०
	पिप्रिये	पिप्रियिवहे	पिप्रियिमहे	उ०
(लुट्)	प्रेता	प्रेतारौ	प्रेतारः	प्र०
	प्रेतासे	प्रेतासाथे	प्रेताध्वे	म०
	प्रेताहे	प्रेतास्वहे	प्रेतास्महे	उ०
(लृट्)	प्रेष्यते	प्रेष्येते	प्रेष्यन्ते	प्र०
	प्रेष्यसे	प्रेष्येथे	प्रेष्यध्वे	म०
	प्रेष्ये	प्रेष्यावहे	प्रेष्यामहे	उ०
(लोट्)	प्रीणीताम्	प्रीणाताम्	प्रीणताम्	प्र०
	प्रीणीष्व	प्रीणाथाम्	प्रीणीध्वम्	म०
	प्रीणै	प्रीणावहै	प्रीणामहै	उ०

(लङ्)	अप्रीणीत	अप्रीणाताम्	अप्रीणत	प्र०
	अप्रीणीथाः	अप्रीणाथाम्	अप्रीणीध्वम्	म०
	अप्रीणि	अप्रीणीवहि	अप्रीणीमहि	उ०
(वि॰ लि)	प्रीणीत	प्रीणीयाताम्	प्रीणीरन्	प्र०
	प्रीणीथाः	प्रीणीयाथाम्	प्रीणीध्वम्	म०
	प्रीणीय	प्रीणीवहि	प्रीणीमहि	उ०
(आ॰ लि)	प्रेषीष्ट	प्रेषीयास्ताम्	प्रेषीरन्	प्र०
	प्रेषीष्ठाः	प्रेषीयास्थाम्	प्रेषीढ्वम्	म०
	प्रेषीय	प्रेषीवहि	प्रेषीमहि	उ०
(लुङ्)	अप्रेष्ट	अप्रेषाताम्	अप्रेषत	प्र०
	अप्रेष्ठाः	अप्रेषाथाम्	अप्रेढ्वम्	म०
	अप्रेषि	अप्रेष्वहि	अप्रेष्महि	उ०
(लृङ्)	अप्रेष्यत	अप्रेष्येताम्	अप्रेष्यन्त	प्र०
	अप्रेष्यथाः	अप्रेष्येथाम्	अप्रेष्यध्वम्	म०
	अप्रेष्ये	अप्रेष्यावहि	अप्रेष्यामहि	उ०

(११) बन्ध् = बाँधना (परस्मैपदी)

(लट्)	बध्नाति	बध्नीतः	बध्नन्ति	प्र०
	बध्नासि	बध्नीथः	बध्नीथ	म०
	बध्नामि	बध्नीवः	बध्नीमः	उ०
(लिट्)	बबन्ध	बबन्धतुः	बबन्धुः	प्र०
	बबन्धिथ, बबन्ध	बबन्धथुः	बबन्ध	म०
	बबन्ध	बबन्धिव	बबन्धिम	उ०

(लुट्)	बन्धा	बन्धारौ	बन्धारः	प्र०
	बन्धासि	बन्धास्थः	बन्धास्थ	म०
	बन्धास्मि	बन्धास्वः	बन्धास्मः	उ०
(लृट्)	भन्त्स्यति	भन्त्स्यतः	भन्त्स्यन्ति	प्र०
	भन्त्स्यसि	भन्त्स्यथः	भन्त्स्यथ	म०
	भन्त्स्यामि	भन्त्स्यावः	भन्त्स्यामः	उ०
(लोट्)	बध्नातु, बध्नीतात्	बध्नीताम्	बध्नन्तु	प्र०
	बधान, बध्नीतात्	बध्नीतम्	बध्नीत	म०
	बध्नानि	बध्नाव	बध्नाम	उ०
(लङ्)	अबध्नात्	अबध्नीताम्	अबध्नन्	प्र०
	अबध्नाः	अबध्नीतम्	अबध्नीत	म०
	अबध्नाम्	अबध्नीव	अबध्नीम	उ०
(वि·लि·)	बध्नीयात्	बध्नीयाताम्	बध्नीयुः	प्र०
	बध्नीयाः	बध्नीयातम्	बध्नीयात	म०
	बध्नीयाम्	बध्नीयाव	बध्नीयाम	उ०
(आ·लि·)	बध्यात्	बध्यास्ताम्	बध्यासुः	प्र०
	बध्याः	बध्यास्तम्	बध्यास्त	म०
	बध्यासम्	बध्यास्व	बध्यास्म	उ०
(लुङ्)	अभान्त्सीत्	अबान्द्धाम्	अभान्त्सुः	प्र०
	अभान्त्सीः	अबान्द्धम्	अबान्द्ध	म०
	अभान्त्सम्	अभान्त्स्व	अभान्त्स्म	उ०

(लृङ्)	अभन्त्स्यत्	अभन्त्स्यताम्	अभन्त्स्यन्	प्र०
	अभन्त्स्यः	अभन्त्स्यतम्	अभन्त्स्यत	म०
	अभन्त्स्यम्	अभन्त्स्याव	अभन्त्स्याम	उ०

(१२) मी = मारना (परस्मैपदी)

(लट्)	मीनाति	मीनीतः	मीनन्ति	प्र०
	मीनासि	मीनीथः	मीनीथ	म०
	मीनामि	मीनीवः	मीनीमः	उ०
(लिट्)	ममौ	मिम्यतुः	मिम्युः	प्र०
	ममिथ, ममाथ	मिम्यथुः	मिम्य	म०
	ममौ	मिम्यिव	मिम्यिम	उ०
(लुट्)	माता	मातारौ	मातारः	प्र०
	मातासि	मातास्थः	मातास्थ	म०
	मातास्मि	मातास्वः	मातास्मः	उ०
(लृट्)	मास्यति	मास्यतः	मास्यन्ति	प्र०
	मास्यसि	मास्यथः	मास्यथ	म०
	मास्यामि	मास्यावः	मास्यामः	उ०
(लोट्)	मीनातु, मीनीतात्	मीनीताम्	मीनन्तु	प्र०
	मीनीहि, मीनीतात्	मीनीतम्	मीनीत	म०
	मीनानि	मीनाव	मीनाम	उ०
(लङ्)	अमीनात्	अमीनीताम्	अमीनन्	प्र०
	अमीनाः	अमीनीतम्	अमीनीत	म०
	अमीनाम्	अमीनीव	अमीनीम	उ०

(वि·लि·)	मीनीयात्	मीनीयाताम्	मीनीयुः	प्र०
	मीनीयाः	मीनीयातम्	मीनीयात	म०
	मीनीयाम्	मीनीयाव	मीनीयाम	उ०
(आ·लि)	मीयात्	मीयास्ताम्	मीयासुः	प्र०
	मीयाः	मीयास्तम्	मीयास्त	म०
	मीयासम्	मीयास्व	मीयास्म	उ०
(लुङ्)	अमासीत्	अमासिष्टाम्	अमासिषुः	प्र०
	अमासीः	अमासिष्टम्	अमासिष्ट	म०
	अमासिषम्	अमासिष्व	अमासिष्म	उ०
(लृङ्)	अमास्यत्	अमास्यताम्	अमास्यन्	प्र०
	अमास्यः	अमास्यतम्	अमास्यत	म०
	अमास्यम्	अमास्याव	अमास्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	मीनीते	मीनाते	मीनते	प्र०
	मीनीषे	मीनाथे	मीनीध्वे	म०
	मीने	मीनीवहे	मीनीमहे	उ०
(लिट्)	मिम्ये	मिम्याते	मिम्यिरे	प्र०
	मिम्यिषे	मिम्याथे	मिम्यिढ्वे, ध्वे	म०
	मिम्ये	मिम्यिवहे	मिम्यिमहे	उ०
(लुट्)	माता	मातारौ	मातारः	प्र०
	मातासे	मातासाथे	माताध्वे	म०
	माताहे	मातास्वहे	मातास्महे	उ०

(लृट्)	मास्यते	मास्येते	मास्यन्ते	प्र०
	मास्यसे	मास्येथे	मास्यध्वे	म०
	मास्ये	मास्यावहे	मास्यामहे	उ०
(लोट्)	मीनीताम्	मीनाताम्	मीनताम्	प्र०
	मीनीष्व	मीनाथाम्	मीनीध्वम्	म०
	मीनै	मीनावहै	मीनामहै	उ०
(लङ्)	अमीनीत्	अमीनाताम्	अमीनत	प्र०
	अमीनीथाः	अमीनाथाम्	अमीनीध्वम्	म०
	अमीनि	अमीनीवहि	अमीनीमहि	उ०
(वि·लि)	मीनीत	मीनीयाताम्	मीनीरन्	प्र०
	मीनीथाः	मीनीयाथाम्	मीनीध्वम्	म०
	मीनीय	मीनीवहि	मीनीमहि	उ०
(आ·लि)	मासीष्ट	मासीयास्ताम्	मासीरन्	प्र०
	मासीष्ठाः	मासीयास्थाम्	मासीध्वम्	म०
	मासीय	मासीवहि	मासीमहि	उ०
(लुङ्)	अमास्त	अमासाताम्	अमासत	प्र०
	अमास्थाः	अमासाथाम्	अमाध्वम्	म०
	अमासि	अमास्वहि	अमास्महि	उ०
(लृङ्)	अमास्यत	अमास्येताम्	अमास्यन्त	प्र०
	अमास्यथाः	अमास्येथाम्	अमास्यध्वम्	म०
	अमास्ये	अमास्यावहि	अमास्यामहि	उ०

(१३) मुष् = चोरी करना (परस्मैपदी)

(लट्)	मुष्णाति	मुष्णीतः	मुष्णन्ति	प्र०
	मुष्णासि	मुष्णीथः	मुष्णीथ	म०
	मुष्णामि	मुष्णीवः	मुष्णीमः	उ०
(लिट्)	मुमोष	मुमुषतुः	मुमुषुः	प्र०
	मुमोषिथ	मुमुषथुः	मुमुष	म०
	मुमोष	मुमुषिव	मुमुषिम	उ०
(लुट्)	मोषिता	मोषितारौ	मोषितारः	इ०
(लृट्)	मोषिष्यति	मोषिष्यतः	मोषिष्यन्ति	इ०
(लोट्)	मुष्णातु, मुष्णीतात्	मुष्णीतम्	मुष्णन्तु	प्र०
	मुषाण, मुष्णीतात्	मुष्णीतम्	मुष्णीत	म०
	मुष्णानि	मुष्णाव	मुष्णाम	उ०
(लङ्)	अमुष्णात्	अमुष्णीताम्	अमुष्णन्	प्र०
	अमुष्णाः	अमुष्णीतम्	अमुष्णीत	म०
	अमुष्णाम्	अमुष्णीव	अमुष्णीम	उ०
(वि॰लि)	मुष्णीयात्	मुष्णीयाताम्	मुष्णीयुः	प्र०
	मुष्णीयाः	मुष्णीयातम्	मुष्णीयात	म०
	मुष्णीयाम्	मुष्णीयाव	मुष्णीयाम	उ०
(आ॰लि)	मुष्यात्	मुष्यास्ताम्	मुष्यासुः	प्र०
	मुष्याः	मुष्यास्तम्	मुष्यास्त	म०
	मुष्यासम्	मुष्यास्व	मुष्यास्म	उ०

(लुङ्)	अमोषीत्	अमोषिष्टाम्	अमोषिषुः	प्र०
	अमोषीः	अमोषिष्टम्	अमोषिष्ट	म०
	अमोषिषम्	अमोषिष्व	अमोषिष्म	उ०
(लृङ्)	अमोषिष्यत्	अमोषिष्यताम्	अमोषिष्यन्	इ०

(१४) यु = बाँधना (परस्मैपदी)

(लट्)	युनाति	युनीतः	युनन्ति	प्र०
	युनासि	युनीथः	युनीथ	म०
	युनामि	युनीवः	युनीमः	उ०
(लिट्)	युयाव	युयुवतुः	युयुवुः	प्र०
	युयविथ, युयोथ	युयुवथुः	युयुव	म०
	युयाव, युयव	युयुविव	युयुविम	उ०
(लुट्)	योता	योतारौ	योतारः	इ०
(लृट्)	योष्यति	योष्यतः	योष्यन्ति	इ०
(लोट्)	युनातु, युनीतात्	युनीताम्	युनन्तु	प्र०
	युनीहि, युनीतात्	युनीतम्	युनीत	म०
	युनानि	युनाव	युनाम	उ०
(लङ्)	अयुनात्	अयुनीताम्	अयुनन्	प्र०
	अयुनाः	अयुनीतम्	अयुनीत	म०
	अयुनाम्	अयुनीव	अयुनीम	उ०
(वि॰लि)	युनीयात्	युनीयाताम्	युनीयुः	प्र०
	युनीयाः	युनीयातम्	युनीयात	म०
	युनीयाम्	युनीयाव	युनीयाम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लुट्)	युनीते	युनाते	युनते	प्र०
	युनीषे	युनाथे	युनीध्वे	म०
	युने	युनीवहे	युनीमहे	उ०
(लिट्)	युयुवे	युयुवाते	युयुविरे	प्र०
	युयुविषे	युयुवाथे	युयुविढ्वे, ध्वे	म०
	युयुवे	युयुविवहे	युयुविमहे	उ०
(लुट्)	योता	योतारौ	योतारः	इ०
(लृट्)	योष्यते	योष्येते	योष्यन्ते	इ०
(लोट्)	युनीताम्	युनाताम्	युनताम्	प्र०
	युनीष्व	युनाथाम्	युनीध्वम्	म०
	युनै	युनावहै	युनामहै	उ०
(लङ्)	अयुनीत	अयुनाताम्	अयुनत	प्र०
	अयुनीथाः	अयुनाथाम्	अयुनीध्वम्	म०
	अयुनि	अयुनीवहि	अयुनीमहि	उ०
(वि॰लि)	युनीत	युनीयाताम्	युनीरन्	प्र०
	युनीथाः	युनीयाथाम्	युनीध्वम्	म०
	युनीय	युनीवहि	युनीमहि	उ०
(आ॰लि)	योषीष्ट	योषीयास्ताम्	योषीरन्	प्र०
	योषीष्ठाः	योषीयास्थाम्	योषीढ्वम्	म०
	योषीय	योषीवहि	योषीमहि	उ०

(लङ्)	अयोष्ट	अयोषाताम्	अयोषत	प्र
	अयोष्ठाः	अयोषाथाम्	अयोढ्वम्	म
	अयोषि	अयोष्वहि	अयोष्महि	उ
(लृङ्)	अयोष्यत	अयोष्येताम्	अयोष्यन्त	इत्यादि

(१५) लू = काटना (परस्मैपदी)

(लट्)	लुनाति	लुनीतः	लुनन्ति	प्र
	लुनासि	लुनीथः	लुनीथ	म
	लुनामि	लुनीवः	लुनीमः	उ
(लिट्)	लुलाव	लुलुवतुः	लुलुवुः	प्र
	लुलुविथ	लुलुवथुः	लुलुव	म
	लुलाव, लुलव	लुलुविव	लुलुविम	उ
(लुट्)	लविता	लवितारौ	लवितारः	इ
(लृट्)	लविष्यति	लविष्यतः	लविष्यन्ति	इ
(लोट्)	लुनातु, लुनीतात्	लुनीताम्	लुनन्तु	प्र
	लुनीहि, लुनीतात्	लुनीतम्	लुनीत	म
	लुनानि	लुनाव	लुनाम	उ
(लङ्)	अलुनात्	अलुनीताम्	अलुनन्	प्र
	अलुनाः	अलुनीतम्	अलुनीत	म
	अलुनाम्	अलुनीव	अलुनीम	उ
(वि॰लि)	लुनीयात्	लुनीयाताम्	लुनीयुः	प्र
	लुनीयाः	लुनीयातम्	लुनीयात	म
	लुनीयाम्	लुनीयाव	लुनीयाम	उ

(आ·लि)	लूयात्	लूयास्ताम्	लूयासुः	प्र०
	लूयाः	लूयास्तम्	लूयास्त	म०
	लूयासम्	लूयास्व	लूयास्म	उ०
(लुङ्)	अलावीत्	अलाविष्टाम्	अलाविषुः	प्र०
	अलावीः	अलाविष्टम्	अलाविष्ट	म०
	अलाविषम्	अलाविष्व	अलाविष्म	उ०
(लृङ्)	अलविष्यत्	अलविष्यताम्	अलविष्यन्	इ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	लुनीते	लुनाते	लुनते	प्र०
	लुनीषे	लुनाथे	लुनीध्वे	म०
	लुने	लुनीवहे	लुनीमहे	उ०
(लिट्)	लुलुवे	लुलुवाते	लुलुविरे	प्र०
	लुलुविषे	लुलुवाथे	लुलुविढ्वे, ध्वे	म०
	लुलुवे	लुलुविवहे	लुलुविमहे	उ०
(लुट्)	लविता	लवितारौ	लवितारः	इ०
(लृट्)	लविष्यते	लविष्येते	लविष्यन्ते	इ०
(लोट्)	लुनीताम्	लुनाताम्	लुनताम्	प्र०
	लुनीष्व	लुनाथाम्	लुनीध्वम्	म०
	लुनै	लुनावहै	लुनामहै	उ०
(लङ्)	अलुनीत	अलुनाताम्	अलुनत	प्र०
	अलुनीथाः	अलुनाथाम्	अलुनीध्वम्	म०
	अलुनि	अलुनीवहि	अलुनीमहि	उ०

(वि·लि·)	लुनीत	लुनीयाताम्	लुनीरन्	प्र०
	लुनीथाः	लुनीयाथाम्	लुनीध्वम्	म०
	लुनीय	लुनीवहि	लुनीमहि	उ०
(आ·लि·)	लविषीष्ट	लविषीयास्ताम्	लविषीरन्	प्र०
	लविषीष्ठाः	लविषीयास्थाम्	लविषीढ्वं, ध्वम्	म०
	लविषीय	लविषीवहि	लविषीमहि	उ०
(लुङ्)	अलविष्ट	अलविषाताम्	अलविषत	प्र०
	अलविष्ठाः	अलविषाथाम्	अलविढ्वं, ध्वम्	म०
	अलविषि	अलविष्वहि	अलविष्महि	उ०
(लृङ्)	अलविष्यत	अलविष्येताम्	अलविष्यन्त	इ०

(१६) वृ = वरण करना (परस्मैपदी)

(लट्)	वृणाति	वृणीतः	वृणन्ति	प्र०
	वृणासि	वृणीथः	वृणीथ	म०
	वृणामि	वृणीवः	वृणीमः	उ०
(लिट्)	ववार	ववरतुः	ववरुः	प्र०
	ववरिथ	ववरथुः	ववर	म०
	ववार, ववर	ववरिव	ववरिम	उ०
(लुट्)	वरीता	वरीतारौ	वरीतारः	इ०
		अथवा		
	वरिता	वरितारौ	वरितारः	इ०
(लृट्)	वरीष्यति	वरीष्यतः	वरीष्यन्ति	इ०

अथवा

	वरिष्यति	वरिष्यतः	वरिष्यन्ति	इ०
(लोट्)	वृणातु, वृणीतात्	वृणीताम्	वृणन्तु	प्र०
	वृणीहि, वृणीतात्	वृणीतम्	वृणीत	म०
	वृणानि	वृणाव	वृणाम	उ०
(लङ्)	अवृणात्	अवृणीताम्	अवृणन्	प्र०
	अवृणाः	अवृणीतम्	अवृणीत	म०
	अवृणाम्	अवृणीव	अवृणीम	उ०
(वि॰लि॰)	वृणीयात्	वृणीयाताम्	वृणीयुः	प्र०
	वृणीयाः	वृणीयातम्	वृणीयात	म०
	वृणीयाम्	वृणीयाव	वृणीयाम	उ०
(आ॰लि॰)	वूर्यात्	वूर्यास्ताम्	वूर्यासुः	प्र०
	वूर्याः	वूर्यास्तम्	वूर्यास्त	म०
	वूर्यासम्	वूर्यास्व	वूर्यास्म	उ०
(लुङ्)	अवारीत्	अवारिष्टाम्	अवारिषुः	प्र०
	अवारीः	अवारिष्टम्	अवारिष्ट	म०
	अवारिषम्	अवारिष्व	अवारिष्म	उ०
(लृङ्)	अवरीष्यत् अथवा अवरिष्यत्		इत्यादि	

(आत्मनेपदी)

(लट्)	वृणीते	वृणाते	वृणते	प्र०
	वृणीषे	वृणाथे	वृणीध्वे	म०
	वृणे	वृणीवहे	वृणीमहे	उ०

(लिट्)	ववरे	ववराते	ववरिरे	प्र०
	ववरिषे	ववराथे	ववरिढ्वे, ध्वे	म०
	ववरे	ववरिवहे	ववरिमहे	उ०
(लुट्)	वरीता अथवा वरिता		इत्यादि	
(लृट्)	वरीष्यते अथवा वरिष्यते		इत्यादि	
(लोट्)	वृणीताम्	वृणाताम्	वृणताम्	प्र०
	वृणीष्व	वृणाथाम्	वृणीध्वम्	म०
	वृणै	वृणावहै	वृणामहै	उ०
(लङ्)	अवृणीत	अवृणाताम्	अवृणत	प्र०
	अवृणीथाः	अवृणाथाम्	अवृणीध्वम्	म०
	अवृणि	अवृणीवहि	अवृणीमहि	उ०
(वि॰लि॰)	वृणीत	वृणीयाताम्	वृणीरन्	प्र०
	वृणीथाः	वृणीयाथाम्	वृणीध्वम्	म०
	वृणीय	वृणीवहि	वृणीमहि	उ०
(आ॰लि॰)	वरिषीष्ट	वरिषीयास्ताम्	वरिषीरन्	प्र०
	वरिषीष्ठाः	वरिषीयास्थाम्	वरिषीढ्वं, ध्वम्	म०
	वरिषीय	वरिषीवहि	वरिषीमहि	उ०

अथवा

	वूर्षीष्ट	वूर्षीयास्ताम्	वूर्षीरन्	प्र०
	वूर्षीष्ठाः	वूर्षीयास्थाम्	वूर्षीढ्वम्	म०
	वूर्षीय	वूर्षीवहि	वूर्षीमहि	उ०

(लुङ्)	अवरीष्ट	अवरीषाताम्	अवरीषत	प्र०
	अवरीष्ठाः	अवरीषाथाम्	अवरीढ्वम्	म०
	अवरीषि	अवरीष्वहि	अवरीष्महि	उ०
		अथवा		
	अवरिष्ट	अवरिषाताम्	अवरिषत	प्र०
	अवरिष्ठाः	अवरिषाथाम्	अवरिढ्वं, ध्वम्	म०
	अवरिषि	अवरिष्वहि	अवरिष्महि	उ०
		अथवा		
	अवूर्ष्ट	अवूर्षाताम्	अवूर्षत	प्र०
	अवूर्ष्ठाः	अवूर्षाथाम्	अवूर्ढ्वम्	म०
	अवूर्षि	अवूर्ष्वहि	अवूर्ष्महि	उ०
(लृङ्)	अवरीष्यत अथवा अवरिष्यत		इत्यादि	

(१७) वृ = स्वीकार करना (आत्मनेपदी)

(लट्)	वृणीते	वृणाते	वृणते	प्र०
	वृणीषे	वृणाथे	वृणीध्वे	म०
	वृणे	वृणीवहे	वृणीमहे	उ०
(लिट्)	वव्रे	वव्राते	वव्रिरे	इ०
(लुट्)	वरीता	वरीतारौ	वरीतारः	इ०
		अथवा		
	वरिता	वरितारौ	वरितारः	इ०
(लृट्)	वरीष्यते	वरीष्येते	वरीष्यन्ते	इ०
		अथवा		
	वरिष्यते	वरिष्येते	वरिष्यन्ते	इ०
(लोट्)	वृणीताम्	वृणाताम्	वृणताम्	प्र०
	वृणीष्व	वृणाथाम्	वृणीध्वम्	म०
	वृणै	वृणावहै	वृणामहै	उ०
(लङ्)	अवृणीत	अवृणाताम्	अवृणत	प्र०
	अवृणीथाः	अवृणाथाम्	अवृणीध्वम्	म०
	अवृणि	अवृणीवहि	अवृणीमहि	उ०
(वि॰ लि)	वृणीत	वृणीयाताम्	वृणीरन्	इ०
(आ॰ लि)	वरिषीष्ट	वरिषीयास्ताम्	वरिषीरन्	इ०
(लुङ्)	अवरिष्ट	अवरिषाताम्	अवरिषत	इ०
		अथवा		
	अवरीष्ट	अवरीषाताम्	अवरीषत	इ०
		अथवा		
	अवृत	अवृषाताम्	अवृषत	इ०
(लृङ्)	अवरीष्यत	अवरीष्येताम्	अवरीष्यन्त	इ०
		अथवा		
	अवरिष्यत	अवरिष्येताम्	अवरिष्यन्त	इ०

(१८) श्रीञ् = पकाना (परस्मैपदी)

(लट्)	श्रीणाति	श्रीणीतः	श्रीणन्ति	प्र०
	श्रीणासि	श्रीणीथः	श्रीणीथ	म०
	श्रीणामि	श्रीणीवः	श्रीणीमः	उ०

(लिट्)	शिश्राय	शिश्रियतुः	शिश्रियुः	प्र०
	शिश्रयिथ, शिश्रेथ	शिश्रियथुः	शिश्रिय	म०
	शिश्राय, शिश्रय	शिश्रियिव	शिश्रियिम	उ०
(लुट्)	श्रेता	श्रेतारौ	श्रेतारः	प्र०
	श्रेतासि	श्रेतास्थः	श्रेतास्थ	म०
	श्रेतास्मि	श्रेतास्वः	श्रेतास्मः	उ०
(लृट्)	श्रेष्यति	श्रेष्यतः	श्रेष्यन्ति	प्र०
	श्रेष्यसि	श्रेष्यथः	श्रेष्यथ	म०
	श्रेष्यामि	श्रेष्यावः	श्रेष्यामः	उ०
(लोट्)	श्रीणातु, श्रीणीतात्	श्रीणीताम्	श्रीणन्तु	प्र०
	श्रीणीहि, श्रीणीतात्	श्रीणीतम्	श्रीणीत	म०
	श्रीणामि	श्रीणाव	श्रीणाम	उ०
(लङ्)	अश्रीणात्	अश्रीणीताम्	अश्रीणन्	प्र०
	अश्रीणाः	अश्रीणीतम्	अश्रीणीत	म०
	अश्रीणाम्	अश्रीणीव	अश्रीणीम	उ०
(वि॰लि)	श्रीणीयात्	श्रीणीयाताम्	श्रीणीयुः	प्र०
	श्रीणीयाः	श्रीणीयातम्	श्रीणीयात	म०
	श्रीणीयाम्	श्रीणीयाव	श्रीणीयाम	उ०
(आ॰लि)	श्रीयात्	श्रीयास्ताम्	श्रीयासुः	प्र०
	श्रीयाः	श्रीयास्तम्	श्रीयास्त	म०
	श्रीयासम्	श्रीयास्व	श्रीयास्म	उ०

(लुङ्)	अश्रैषीत्	अश्रैष्टाम्	अश्रैषुः	प्र०
	अश्रैषीः	अश्रैष्टम्	अश्रैष्ट	म०
	अश्रैषम्	अश्रैष्व	अश्रैष्म	उ०
(लृङ्)	अश्रेष्यत्	अश्रेष्यताम्	अश्रेष्यन्	प्र०
	अश्रेष्यः	अश्रेष्यतम्	अश्रेष्यत	म०
	अश्रेष्यम्	अश्रेष्याव	अश्रेष्याम	उ०

(१८) (आत्मनेपदी)

(लट्)	श्रीणीते	श्रीणाते	श्रीणते	प्र०
	श्रीणीषे	श्रीणाथे	श्रीणीध्वे	म०
	श्रीणे	श्रीणीवहे	श्रीणीमहे	उ०
(लिट्)	शिश्रिये	शिश्रियाते	शिश्रियिरे	प्र०
	शिश्रियिषे	शिश्रियाथे	शिश्रियिढ्वे, ध्वे	म०
	शिश्रिये	शिश्रियिवहे	शिश्रियिमहे	उ०
(लुट्)	श्रेता	श्रेतारौ	श्रेतारः	प्र०
	श्रेतासे	श्रेतासाथे	श्रेताध्वे	म०
	श्रेताहे	श्रेतास्वहे	श्रेतास्महे	उ०
(लृट्)	श्रेष्यते	श्रेष्येते	श्रेष्यन्ते	प्र०
	श्रेष्यसे	श्रेष्येथे	श्रेष्यध्वे	म०
	श्रेष्ये	श्रेष्यावहे	श्रेष्यामहे	उ०
(लोट्)	श्रीणीताम्	श्रीणाताम्	श्रीणताम्	प्र०
	श्रीणीष्व	श्रीणाथाम्	श्रीणीध्वम्	म०
	श्रीणै	श्रीणावहै	श्रीणामहै	उ०

(लङ्)	अश्रीणीत	अश्रीणाताम्	अश्रीणत	प्र०
	अश्रीणीथाः	अश्रीणाथाम्	अश्रीणीध्वम्	म०
	अश्रीणि	अश्रीणीवहि	अश्रीणीमहि	उ०
(वि. लि)	श्रीणीत	श्रीणीयाताम्	श्रीणीरन्	प्र०
	श्रीणीथाः	श्रीणीयाथाम्	श्रीणीध्वम्	म०
	श्रीणीय	श्रीणीवहि	श्रीणीमहि	उ०
(आ. लि)	श्रेषीष्ट	श्रेषीयास्ताम्	श्रेषीरन्	म०
	श्रेषीष्ठाः	श्रेषीयास्थाम्	श्रेषीढ्वम्	म०
	श्रेषीय	श्रेषीवहि	श्रेषीमहि	उ०
(लुङ्)	अश्रेष्ट	अश्रेषाताम्	अश्रेषत	प्र०
	अश्रेष्टाः	अश्रेषाथाम्	अश्रेढ्वम्	म०
	अश्रेषि	अश्रेष्वहि	अश्रेष्महि	उ०
(लृङ्)	अश्रेष्यत	अश्रेष्येताम्	अश्रेष्यन्त	प्र०
	अश्रेष्यथाः	अश्रेष्येथाम्	अश्रेष्यध्वम्	म०
	अश्रेष्ये	अश्रेष्यावहि	अश्रेष्यामहि	उ०

(१९) सिञ् = बाँधना (परस्मैपदी)

(लट्)	सिनाति	सिनीतः	सिनन्ति	प्र०
	सिनासि	सिनीथः	सिनीथ	म०
	सिनामि	सिनीवः	सिनीमः	उ०
(लिट्)	सिषाय	सिष्यतुः	सिष्युः	प्र०
	सिषयिथ, सिषेथ	सिष्यथुः	सिष्य	म०
	सिषाय, सिषय	सिष्यिव	सिष्यिम	उ०

(लुट्)	सेता	सेतारौ	सेतारः	प्र०
	सेतासि	सेतास्थः	सेतास्थ	म०
	सेतास्मि	सेतास्वः	सेतास्मः	उ०
(लृट्)	सेष्यति	सेष्यतः	सेष्यन्ति	प्र०
	सेष्यसि	सेष्यथः	सेष्यथ	म०
	सेष्यामि	सेष्यावः	सेष्यामः	उ०
(लोट्)	सिनातु, सिनीतात्	सिनीताम्	सिनन्तु	प्र०
	सिनीहि, सिनीतात्	सिनीतम्	सिनीत	म०
	सिनानि	सिनाव	सिनाम	उ०
(लङ्)	असिनात्	असिनीताम्	असिनन्	प्र०
	असिनाः	असिनीतम्	असिनीत	म०
	असिनाम्	असिनीव	असिनीम	उ०
(वि. लि)	सिनीयात्	सिनीयाताम्	सिनीयुः	प्र०
	सिनीयाः	सिनीयातम्	सिनीयात	म०
	सिनीयाम्	सिनीयाव	सिनीयाम	उ०
(आ. लि)	सीयात्	सीयास्ताम्	सीयासुः	प्र०
	सीयाः	सीयास्तम्	सीयास्त	म०
	सीयासम्	सीयास्व	सीयास्म	उ०
(लुङ्)	असैषीत्	असैष्टाम्	असैषुः	प्र०
	असैषीः	असैष्टम्	असैष्ट	म०
	असैषम्	असैष्व	असैष्म	उ०

(लृङ्)	असेष्यत्	असेष्यताम्	असेष्यन्	प्र०
	असेष्यः	असेष्यतम्	असेष्यत	म०
	असेष्यम्	असेष्याव	असेष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	सिनीते	सिनाते	सिनते	प्र०
	सिनीषे	सिनाथे	सिनीध्वे	म०
	सिने	सिनीवहे	सिनीमहे	उ०
(लिट्)	सिष्ये	सिष्याते	सिष्यिरे	प्र०
	सिष्यिषे	सिष्याथे	सिष्यिढ्वे, ध्वे	म०
	सिष्ये	सिष्यिवहे	सिष्यिमहे	उ०
(लुट्)	सेता	सेतारौ	सेतारः	प्र०
	सेतासे	सेतासाथे	सेताध्वे	म०
	सेताहे	सेतास्वहे	सेतास्महे	उ०
(लृट्)	सेष्यते	सेष्येते	सेष्यन्ते	प्र०
	सेष्यसे	सेष्येथे	सेष्यध्वे	म०
	सेष्ये	सेष्यावहे	सेष्यामहे	उ०
(लोट्)	सिनीताम्	सिनाताम्	सिनताम्	प्र०
	सिनीष्व	सिनाथाम्	सिनीध्वम्	म०
	सिनै	सिनावहै	सिनामहै	उ०
(लङ्)	असिनीत	असिनाताम्	असिनत	प्र०
	असिनीथाः	असिनाथाम्	असिनीध्वम्	म०
	असिनि	असिनीवहि	असिनीमहि	उ०

(वि·लि)	सिनीत	सिनीयाताम्	सिनीरन्	प्र०
	सिनीथाः	सिनीयाथाम्	सिनीध्वम्	म०
	सिनीय	सिनीवहि	सिनीमहि	उ०
(आ·लि)	सेषीष्ट	सेषीयास्ताम्	सेषीरन्	प्र०
	सेषीष्ठाः	सेषीयास्थाम्	सेषीढ्वम्	म०
	सेषीय	सेषीवहि	सेषीमहि	उ०
(लुङ्)	असेष्ट	असेषाताम्	असेषत	प्र०
	असेष्ठाः	असेषाथाम्	असेढ्वम्	म०
	असेषि	असेष्वहि	असेष्महि	उ०
(लृङ्)	असेष्यत	असेष्येताम्	असेष्यन्त	प्र०
	असेष्यथाः	असेष्येथाम्	असेष्यध्वम्	म०
	असेष्ये	असेष्यावहि	असेष्यामहि	उ०

(२०) स्कु = कूदना (परस्मैपदी)

(लट्)	स्कुनोति	स्कुनुतः	स्कुन्वन्ति	प्र०
	स्कुनोषि	स्कुनुथः	स्कुनुथ	म०
	स्कुनोमि	स्कुन्वः, स्कुनुवः	स्कुन्मः, स्कुनुमः	उ०

अथवा

	स्कुनाति	स्कुनीतः	स्कुनन्ति	प्र०
	स्कुनासि	स्कुनीथः	स्कुनीथ	म०
	स्कुनामि	स्कुनीवः	स्कुनीमः	उ०
(लिट्)	चुस्काव	चुस्कुवतुः	चुस्कुवुः	प्र०
	चुस्कविथ, चुस्कोथ	चुस्कुवथुः	चुस्कुव	म०
	चुस्काव, चुस्कव	चुस्कुविव	चुस्कुविम	उ०

(लुट्)	स्कोता	स्कोतारौ	स्कोतारः	इ०
(लृट्)	स्कोष्यति	स्कोष्यतः	स्कोष्यन्ति	इ०
(लोट्)	स्कुनोतु, स्कुनुतात्	स्कुनुताम्	स्कुन्वन्तु	प्र०
	स्कुनु, स्कुनुतात्	स्कुनुतम्	स्कुनुत	म०
	स्कुनवानि	स्कुनवाव	स्कुनवाम	उ०

अथवा

	स्कुनातु, स्कुनीतात्	स्कुनीताम्	स्कुनन्तु	प्र०
	स्कुनीहि, स्कुनीतात्	स्कुनीतम्	स्कुनीत	म०
	स्कुनानि	स्कुनाव	स्कुनाम	उ०
(लङ्)	अस्कुनोत्	अस्कुनुताम्	अस्कुन्वन्	प्र०
	अस्कुनोः	अस्कुनुतम्	अस्कुनुत	म०
	अस्कुनवम्	अस्कुन्व, अस्कुनुव	अस्कुन्म, अस्कुनुम	उ०

अथवा

	अस्कुनात्	अस्कुनीताम्	अस्कुनन्	प्र०
	अस्कुनाः	अस्कुनीतम्	अस्कुनीत	म०
	अस्कुनाम्	अस्कुनीव	अस्कुनीम	उ०
(वि·लि)	स्कुनुयात्	स्कुनुयाताम्	स्कुनुयुः	प्र०
	स्कुनुयाः	स्कुनुयातम्	स्कुनुयात	म०
	स्कुनुयाम्	स्कुनुयाव	स्कुनुयाम	उ०

अथवा

	स्कुनीयात्	स्कुनीयाताम्	स्कुनीयुः	प्र०
	स्कुनीयाः	स्कुनीयातम्	स्कुनीयात	म०
	स्कुनीयाम्	स्कुनीयाव	स्कुनीयाम	उ०

(आ·लि)	स्कूयात्	स्कूयास्ताम्	स्कूयासुः	प्र०
	स्कूयाः	स्कूयास्तम्	स्कूयास्त	म०
	स्कूयासम्	स्कूयास्व	स्कूयास्म	उ०
(लुङ्)	अस्कौषीत्	अस्कौष्टाम्	अस्कौषुः	प्र०
	अस्कौषीः	अस्कौष्टम्	अस्कौष्ट	म०
	अस्कौषम्	अस्कौष्व	अस्कौष्म	उ०
(लृङ्)	अस्कोष्यत्	अस्कोष्यताम्	अस्कोष्यन्	इ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	स्कुनुते	स्कुन्वाते	स्कुन्वते	प्र०
	स्कुनुषे	स्कुन्वाथे	स्कुनुध्वे	म०
	स्कुन्वे	स्कुन्वहे, स्कुनुवहे	स्कुन्महे, स्कुनुमहे	उ०

अथवा

	स्कुनीते	स्कुनाते	स्कुनते	प्र०
	स्कुनीषे	स्कुनाथे	स्कुनीध्वे	म०
	स्कुने	स्कुनीवहे	स्कुनीमहे	उ०
(लिट्)	चुस्कुवे	चुस्कुवाते	चुस्कुविरे	प्र०
	चुस्कुविषे	चुस्कुवाथे	चुस्कुविढ्वे, ध्वे	म०
	चुस्कुवे	चुस्कुविवहे	चुस्कुविमहे	उ०
(लुट्)	स्कोता	स्कोतारौ	स्कोतारः	इ०
(लृट्)	स्कोष्यते	स्कोष्येते	स्कोष्यन्ते	इ०
(लोट्)	स्कुनुताम्	स्कुन्वाताम्	स्कुन्वताम्	प्र०
	स्कुनुष्व	स्कुन्वाथाम्	स्कुनुध्वम्	म०
	स्कुनवै	स्कुनवावहै	स्कुनवामहै	उ०

अथवा

	स्कुनीताम्	स्कुनाताम्	स्कुनताम्	प्र०
	स्कुनीष्व	स्कुनाथाम्	स्कुनीध्वम्	म०
	स्कुनै	स्कुनावहै	स्कुनामहै	उ०
(लङ्)	अस्कुनुत	अस्कुन्वाताम्	अस्कुन्वत	प्र०
	अस्कुनुथाः	अस्कुन्वाथाम्	अस्कुनुध्वम्	म०
	अस्कुन्वि	अस्कुन्वहि, नुवहि	अस्कुन्महि, नुमहि	उ०

अथवा

	अस्कुनीत	अस्कुनाताम्	अस्कुनत	प्र०
	अस्कुनीथाः	अस्कुनाथाम्	अस्कुनीध्वम्	म०
	अस्कुनि	अस्कुनीवहि	अस्कुनीमहि	उ०
(वि॰लि॰)	स्कुन्वीत	स्कुन्वीयाताम्	स्कुन्वीरन्	प्र०
	स्कुन्वीथाः	स्कुन्वीयाथाम्	स्कुन्वीध्वम्	म०
	स्कुन्वीय	स्कुन्वीवहि	स्कुन्वीमहि	उ०

अथवा

	स्कुनीत	स्कुनीयाताम्	स्कुनीरन्	प्र०
	स्कुनीथाः	स्कुनीयाथाम्	स्कुनीध्वम्	म०
	स्कुनीय	स्कुनीवहि	स्कुनीमहि	उ०
(आ॰लि॰)	स्कोषीष्ट	स्कोषीयास्ताम्	स्कोषीरन्	प्र०
	स्कोषीष्ठाः	स्कोषीयास्थाम्	स्कोषीढ्वम्	म०
	स्कोषीय	स्कोषीवहि	स्कोषीमहि	उ०

(लुङ्)	अस्कोष्ट	अस्कोषाताम्	अस्कोषत	प्र०
	अस्कोष्ठाः	अस्कोषाथाम्	अस्कोढ्वम्	म०
	अस्कोषि	अस्कोष्वहि	अस्कोष्महि	उ०
(लृङ्)	अस्कोष्यत	अस्कोष्येताम्	अस्कोष्यन्त इत्यादि	

(२१) स्तम्भ = रोकना (परस्मैपदी)

(लट्)	स्तभ्नाति	स्तभ्नीतः	स्तभ्नन्ति	प्र०
	स्तभ्नासि	स्तभ्नीथः	स्तभ्नीथ	म०
	स्तभ्नामि	स्तभ्नीवः	स्तभ्नीमः	उ०
(लुट्)	स्तम्भिता	स्तम्भितारौ	स्तम्भितारः	इ०
(लृट्)	स्तम्भिष्यति	स्तम्भिष्यतः	स्तम्भिष्यन्ति	इ०
(लोट्)	स्तभ्नातु, स्तभ्नीतात्	स्तभ्नीताम्	स्तभ्नन्तु	प्र०
	स्तभान, स्तभ्नीतात्	स्तभ्नीतम्	स्तभ्नीत	म०
	स्तभ्नानि	स्तभ्नाव	स्तभ्नाम	उ०
(लङ्)	अस्तभ्नात्	अस्तभ्नीताम्	अस्तभ्नन्	प्र०
	अस्तभ्नाः	अस्तभ्नीतम्	अस्तभ्नीत	म०
	अस्तभ्नाम्	अस्तभ्नीव	अस्तभ्नीम	उ०
(वि. लि.)	स्तभ्नीयात्	स्तभ्नीयाताम्	स्तभ्नीयुः	प्र०
	स्तभ्नीयाः	स्तभ्नीयातम्	स्तभ्नीयात	म०
	स्तभ्नीयाम्	स्तभ्नीयाव	स्तभ्नीयाम	उ०
(आ॰लि॰)	स्तभ्यात्	स्तभ्यास्ताम्	स्तभ्यासुः	प्र०
	स्तभ्याः	स्तभ्यास्तम्	स्तभ्यास्त	म०
	स्तभ्यासम्	स्तभ्यास्व	स्तभ्यास्म	उ०

(लुङ्)	व्यष्टभत्	व्यष्टभताम्	व्यष्टभन्	प्र०
	व्यष्टभः	व्यष्टभतम्	व्यष्टभत	म०
	व्यष्टभम्	व्यष्टभाव	व्यष्टभाम	उ०

अथवा

	अस्तम्भीत्	अस्तम्भिष्टाम्	अस्तम्भिषुः	प्र०
	अस्तम्भीः	अस्तम्भिष्टम्	अस्तम्भिष्ट	म०
	अस्तम्भिषम्	अस्तम्भिष्व	अस्तम्भिष्म	उ०
(लृङ्)	अस्तम्भिष्यत्	अस्तम्भिष्यताम्	अस्तम्भिष्यन्	प्र०
	अस्तम्भिष्यः	अस्तम्भिष्यतम्	अस्तम्भिष्यत	म०
	अस्तम्भिष्यम्	अस्तम्भिष्याव	अस्तम्भिष्याम	उ०

(२२) स्तृ = ढाँपना (परस्मैपदी)

(लट्)	स्तृणाति	स्तृणीतः	स्तृणन्ति	प्र०
	स्तृणासि	स्तृणीथः	स्तृणीथ	म०
	स्तृणामि	स्तृणीवः	स्तृणीमः	उ०
(लिट्)	तस्तार	तस्तरतुः	तस्तरुः	प्र०
	तस्तरिथ	तस्तरथुः	तस्तर	म०
	तस्तार, तस्तर	तस्तरिव	तस्तरिम	उ०
(लुट्)	स्तरीता	स्तरीतारौ	स्तरीतारः	इत्यादि

अथवा

	स्तरिता	स्तरितारौ	स्तरितारः	इ०
(लृट्)	स्तरीष्यति	स्तरीष्यतः	स्तरीष्यन्ति	इ०

अथवा

	स्तरिष्यति	स्तरिष्यतः	स्तरिष्यन्ति	इ०
(लोट्)	स्तृणातु, स्तृणीतात्	स्तृणीताम्	स्तृणन्तु	प्र०
	स्तृणीहि, स्तृणीतात्	स्तृणीतम्	स्तृणीत	म०
	स्तृणानि	स्तृणाव	स्तृणाम	उ०
(लङ्)	अस्तृणात्	अस्तृणीताम्	अस्तृणन्	प्र०
	अस्तृणाः	अस्तृणीतम्	अस्तृणीत	म०
	अस्तृणाम्	अस्तृणीव	अस्तृणीम	उ०
(वि॰ लि॰)	स्तृणीयात्	स्तृणीयाताम्	स्तृणीयुः	प्र०
	स्तृणीयाः	स्तृणीयातम्	स्तृणीयात	म०
	स्तृणीयाम्	स्तृणीयाव	स्तृणीयाम	उ०
(आ॰ लि॰)	स्तीर्यात्	स्तीर्यास्ताम्	स्तीर्यासुः	प्र०
	स्तीर्याः	स्तीर्यास्तम्	स्तीर्यास्त	म०
	स्तीर्यासम्	स्तीर्यास्व	स्तीर्यास्म	उ०
(लुङ्)	अस्तारीत्	अस्तारिष्टाम्	अस्तारिषुः	प्र०
	अस्तारीः	अस्तारिष्टम्	अस्तारिष्ट	म०
	अस्तारिषम्	अस्तारिष्व	अस्तारिष्म	उ०
(लृङ्)	अस्तरीष्यत्	अस्तरीष्यताम्	अस्तरीष्यन्	इ०

अथवा

	अस्तरिष्यत्	अस्तरिष्यतम्	अस्तरिष्यन्	इ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	स्तृणीते	स्तृणाते	स्तृणते	प्र०
	स्तृणीषे	स्तृणाथे	स्तृणीध्वे	म०
	स्तृणे	स्तृणीवहे	स्तृणीमहे	उ०
(लिट्)	तस्तरे	तस्तराते	तस्तरिरे	प्र०
	तस्तरिषे	तस्तराथे	तस्तरिढ्वे, ध्वे	म०
	तस्तरे	तस्तरिवहे	तस्तरिमहे	उ०
(लुट्)	स्तरीता अथवा स्तरिता			इ०
(लृट्)	स्तरीष्यते अथवा स्तरिष्यते			इ०
(लोट्)	स्तृणीताम्	स्तृणाताम्	स्तृणताम्	प्र०
	स्तृणीष्व	स्तृणाथाम्	स्तृणीध्वम्	म०
	स्तृणै	स्तृणावहै	स्तृणामहै	उ०
(लङ्)	अस्तृणीत	अस्तृणाताम्	अस्तृणत	प्र०
	अस्तृणीथाः	अस्तृणाथाम्	अस्तृणीध्वम्	म०
	अस्तृणि	अस्तृणीवहि	अस्तृणीमहि	उ०
(वि·लि·)	स्तृणीत	स्तृणीयाताम्	स्तृणीरन्	प्र०
	स्तृणीथाः	स्तृणीयाथाम्	स्तृणीध्वम्	म०
	स्तृणीय	स्तृणीवहि	स्तृणीमहि	उ०
(आ·लि·)	स्तरिषीष्ट	स्तरिषीयास्ताम्	स्तरिषीरन्	प्र०
	स्तरिषीष्ठाः	स्तरिषीयास्थाम्	स्तरिषीढ्वं, ध्वम्	म०
	स्तरिषीय	स्तरिषीवहि	स्तरिषीमहि	उ०

अथवा

	स्तीर्षीष्ट	स्तीर्षीयास्ताम्	स्तीर्षीरन्	प्र०
	स्तीर्षीष्ठाः	स्तीर्षीयास्थाम्	स्तीर्षीढ्वम्	म०
	स्तीर्षीय	स्तीर्षीवहि	स्तीर्षीमहि	उ०
(लुङ्)	अस्तरीष्ट	अस्तरीषाताम्	अस्तरीषत	प्र०
	अस्तरीष्ठाः	अस्तरीषाथाम्	अस्तरीढ्वं, ध्वम्	म०
	अस्तरीषि	अस्तरीष्वहि	अस्तरीष्महि	उ०

अथवा

	अस्तरिष्ट	अस्तरिषाताम्	अस्तरिषत	प्र०
	अस्तरिष्ठाः	अस्तरिषाथाम्	अस्तरिढ्वं, ध्वम्	म०
	अस्तरिषि	अस्तरिष्वहि	अस्तरिष्महि	उ०

अथवा

	अस्तीर्ष्ट	अस्तीर्षाताम्	अस्तीर्षत	प्र०
	अस्तीर्ष्ठाः	अस्तीर्षाथाम्	अस्तीर्ढ्वम्	म०
	अस्तीर्षि	अस्तीर्ष्वहि	अस्तीर्ष्महि	उ०
(लृङ्)	अस्तरिष्यत् अथवा अस्तरिष्यत			इ०

इति क्र्यादिप्रकरणम्।

---- * ----

अथ चुरादिप्रकरणम्

(१) चुर = चोरी करना (परस्मैपदी)

(लट्)	चोरयति	चोरयतः	चोरयन्ति	प्र०
	चोरयसि	चोरयथः	चोरयथ	म०
	चोरयामि	चोरयावः	चोरयामः	उ०
(लिट्)	चोरयामास	चोरयामासतुः	चोरयामासुः	प्र०
	चोरयामासिथ	चोरयामासथुः	चोरयामास	म०
	चोरयामास	चोरयामासिव	चोरयामासिम	उ०
(लुट्)	चोरयिता	चोरयितारौ	चोरयितारः	प्र०
	चोरयितासि	चोरयितास्थः	चोरयितास्थ	म०
	चोरयितास्मि	चोरयितास्वः	चोरयितास्मः	उ०
(लृट्)	चोरयिष्यति	चोरयिष्यतः	चोरयिष्यन्ति	प्र०
	चोरयिष्यसि	चोरयिष्यथः	चोरयिष्यथ	म०
	चोरयिष्यामि	चोरयिष्यावः	चोरयिष्यामः	उ०
(लोट्)	चोरयतु, चोरयतात्	चोरयताम्	चोरयन्तु	प्र०
	चोरय, चोरयतात्	चोरयतम्	चोरयत	म०
	चोरयाणि	चोरयाव	चोरयाम	उ०
(लङ्)	अचोरयत्	अचोरयताम्	अचोरयन्	प्र०
	अचोरयः	अचोरयतम्	अचोरयत	म०
	अचोरयम्	अचोरयाव	अचोरयाम	उ०

(वि. लि.)	चोरयेत्	चोरयेताम्	चोरयेयुः	प्र०
	चोरयेः	चोरयेतम्	चोरयेत	म०
	चोरयेयम्	चोरयेव	चोरयेम	उ०
(आ. लि.)	चोर्यात्	चोर्यास्ताम्	चोर्यासुः	प्र०
	चोर्याः	चोर्यास्तम्	चोर्यास्त	म०
	चोर्यासम्	चोर्यास्व	चोर्यास्म	उ०
(लुङ्)	अचूचुरत्	अचूचुरताम्	अचूचुरन्	प्र०
	अचूचुरः	अचूचुरतम्	अचूचुरत	म०
	अचूचुरम्	अचूचुराव	अचूचुराम	उ०
(लृङ्)	अचोरयिष्यत्	अचोरयिष्यताम्	अचोरयिष्यन्	प्र०
	अचोरयिष्यः	अचोरयिष्यतम्	अचोरयिष्यत	म०
	अचोरयिष्यम्	अचोरयिष्याव	अचोरयिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	चोरयते	चोरयेते	चोरयन्ते	प्र०
	चोरयसे	चोरयेथे	चोरयध्वे	म०
	चोरये	चोरयावहे	चोरयामहे	उ०
(लिट्)	चोरयाञ्चक्रे	चोरयाञ्चक्राते	चोरयाञ्चक्रिरे	प्र०
	चोरयाञ्चकृषे	चोरयाञ्चक्राथे	चोरयाञ्चकृढ्वे	म०
	चोरयाञ्चक्रे	चोरयाञ्चकृवहे	चोरयाञ्चकृमहे	उ०
(लुट्)	चोरयिता	चोरयितारौ	चोरयितारः	प्र०
	चोरयितासे	चोरयितासाथे	चोरयिताध्वे	म०
	चोरयिताहे	चोरयितास्वहे	चोरयितास्महे	उ०

(लृट्)	चोरयिष्यते	चोरयिष्येते	चोरयिष्यन्ते	प्र०
	चोरयिष्यसे	चोरयिष्येथे	चोरयिष्यध्वे	म०
	चोरयिष्ये	चोरयिष्यावहे	चोरयिष्यामहे	उ०
(लोट्)	चोरयताम्	चोरयेताम्	चोरयन्ताम्	प्र०
	चोरयस्व	चोरयेथाम्	चोरयध्वम्	म०
	चोरयै	चोरयावहै	चोरयामहै	उ०
(लङ्)	अचोरयत	अचोरयेताम्	अचोरयन्त	प्र०
	अचोरयथाः	अचोरयेथाम्	अचोरयध्वम्	म०
	अचोरये	अचोरयावहि	अचोरयामहि	उ०
(वि. लि.)	चोरयेत्	चोरयेयाताम्	चोरयेरन्	प्र०
	चोरयेथाः	चोरयेयाथाम्	चोरयेध्वम्	म०
	चोरयेय	चोरयेवहि	चोरयेमहि	उ०
(आ. लि.)	चोरयिषीष्ट	चोरयिषीयास्ताम्	चोरयिषीरन्	प्र०
	चोरयिषीष्ठाः	चोरयिषीयास्थाम्	चोरयिषीध्वम्	म०
	चोरयिषीय	चोरयिषीवहि	चोरयिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अचूचुरत	अचूचुरेताम्	अचूचुरन्त	प्र०
	अचूचुरथाः	अचूचुरेथाम्	अचूचुरध्वम्	म०
	अचूचुरे	अचूचुरावहि	अचूचुरामहि	उ०
(लृङ्)	अचोरयिष्यत	अचोरयिष्येताम्	अचोरयिष्यन्त	प्र०
	अचोरयिष्यथाः	अचोरयिष्येथाम्	अचोरयिष्यध्वम्	म०
	अचोरयिष्ये	अचोरयिष्यावहि	अचोरयिष्यामहि	उ०

(२) कथ = कहना (परस्मैपदी)

(लट्)	कथयति	कथयतः	कथयन्ति	प्र०
	कथयसि	कथयथः	कथयथ	म०
	कथयामि	कथयावः	कथयामः	उ०
(लिट्)	कथयामास	कथयामासतुः	कथयामासुः	प्र०
	कथयामासिथ	कथयामासथुः	कथयामास	म०
	कथयामास	कथयामासिव	कथयामासिम	उ०
(लुट्)	कथयिता	कथयितारौ	कथयितारः	प्र०
	कथयितासि	कथयितास्थः	कथयितास्थ	म०
	कथयितास्मि	कथयितास्वः	कथयितास्मः	उ०
(लृट्)	कथयिष्यति	कथयिष्यतः	कथयिष्यन्ति	प्र०
	कथयिष्यसि	कथयिष्यथः	कथयिष्यथ	म०
	कथयिष्यामि	कथयिष्यावः	कथयिष्यामः	उ०
(लोट्)	कथयतु, तात्	कथयताम्	कथयन्तु	प्र०
	कथय, तात्	कथयतम्	कथयत	म०
	कथयानि	कथयाव	कथयाम	उ०
(लङ्)	अकथयत्	अकथयताम्	अकथयन्	प्र०
	अकथयः	अकथयतम्	अकथयत	म०
	अकथयम्	अकथयाव	अकथयाम	उ०
(वि. लि.)	कथयेत्	कथयेताम्	कथयेयुः	प्र०
	कथयेः	कथयेतम्	कथयेत	म०
	कथयेयम्	कथयेव	कथयेम	उ०

(आ. लि.)	कथ्यात्	कथ्यास्ताम्	कथ्यासुः	प्र०
	कथ्याः	कथ्यास्तम्	कथ्यास्त	म०
	कथ्यासम्	कथ्यास्व	कथ्यास्म	उ०
(लुङ्)	अचकथत्	अचकथताम्	अचकथन्	प्र०
	अचकथः	अचकथतम्	अचकथत	म०
	अचकथम्	अचकथाव	अचकथाम	उ०
(लृङ्)	अकथयिष्यत्	अकथयिष्यताम्	अकथयिष्यन्	प्र०
	अकथयिष्यः	अकथयिष्यतम्	अकथयिष्यत	म०
	अकथयिष्यम्	अकथयिष्याव	अकथयिष्याम	उ०

(३) गण = गिनना (परस्मैपदी)

(लट्)	गणयति	गणयतः	गणयन्ति	प्र०
	गणयसि	गणयथः	गणयथ	म०
	गणयामि	गणयावः	गणयामः	उ०
(लिट्)	गणयामास	गणयामासतुः	गणयामासुः	इ०
(लुङ्)	गणयिता	गणयितारौ	गणयितारः	प्र०
	गणयितासि	गणयितास्थः	गणयितास्थ	म०
	गणयितास्मि	गणयितास्वः	गणयितास्मः	उ०
(लृट्)	गणयिष्यति	गणयिष्यतः	गणयिष्यन्ति	प्र०
	गणयिष्यसि	गणयिष्यथः	गणयिष्यथ	म०
	गणयिष्यामि	गणयिष्यावः	गणयिष्यामः	उ०
(लोट्)	गणयतु, तात्	गणयताम्	गणयन्तु	प्र०
	गणय, तात्	गणयतम्	गणयत	म०
	गणयानि	गणयाव	गणयाम	उ०

(लङ्)	अगणयत्	अगणयताम्	अगणयन्	प्र०
	अगणयः	अगणयतम्	अगणयत	म०
	अगणयम्	अगणयाव	अगणयाम	उ०
(वि. लि.)	गणयेत्	गणयेताम्	गणयेयुः	प्र०
	गणयेः	गणयेतम्	गणयेत	म०
	गणयेयम्	गणयेव	गणयेम	उ०
(आ. लि.)	गण्यात्	गण्यास्ताम्	गण्यासुः	प्र०
	गण्याः	गण्यास्तम्	गण्यास्त	म०
	गण्यासम्	गण्यास्व	गण्यास्म	उ०
(लुङ्)	अजीगणत्	अजीगणताम्	अजीगणन्	प्र०
	अजीगणः	अजीगणतम्	अजीगणत	म०
	अजीगणम्	अजीगणाव	अजीगणाम	उ०

अथवा

	अजगणत्	अजगणताम्	अजगणन्	प्र०
	अजगणः	अजगणतम्	अजगणत	म०
	अजगणम्	अजगणाव	अजगणाम	उ०
(लृङ्)	अगणयिष्यत्	अगणयिष्यताम्	अगणयिष्यन्	प्र०
	अगणयिष्यः	अगणयिष्यतम्	अगणयिष्यत	म०
	अगणयिष्यम्	अगणयिष्याव	अगणयिष्याम	उ०

(४) चिन्त = सोचना (परस्मैपदी)

(लट्)	चिन्तयति	चिन्तयतः	चिन्तयन्ति	प्र०
	चिन्तयसि	चिन्तयथः	चिन्तयथ	म०
	चिन्तयामि	चिन्तयावः	चिन्तयामः	उ०

(लिट्)	चिन्तयाञ्चकार	चिन्तयाञ्चक्रतुः	चिन्तयाञ्चक्रुः	प्र०
	चिन्तयाञ्चकर्थ	चिन्तयाञ्चक्रथुः	चिन्तयाञ्चक्र	म०
	चिन्तयाञ्चकार	चिन्तयाञ्चकृव	चिन्तयाञ्चकृम	उ०
(लुट्)	चिन्तयिता	चिन्तयितारौ	चिन्तयितारः	प्र०
	चिन्तयितासि	चिन्तयितास्थः	चिन्तयितास्थ	म०
	चिन्तयितास्मि	चिन्तयितास्वः	चिन्तयितास्मः	उ०
(लृट्)	चिन्तयिष्यति	चिन्तयिष्यतः	चिन्तयिष्यन्ति	प्र०
	चिन्तयिष्यसि	चिन्तयिष्यथः	चिन्तयिष्यथ	म०
	चिन्तयिष्यामि	चिन्तयिष्यावः	चिन्तयिष्यामः	उ०
(लोट्)	चिन्तयतु, तात्	चिन्तयताम्	चिन्तयन्तु	प्र०
	चिन्तय, तात्	चिन्तयतम्	चिन्तयत	म०
	चिन्तयानि	चिन्तयाव	चिन्तयाम	उ०
(लङ्)	अचिन्तयत्	अचिन्तयताम्	अचिन्तयन्	प्र०
	अचिन्तयः	अचिन्तयतम्	अचिन्तयत	म०
	अचिन्तयम्	अचिन्तयाव	अचिन्तयाम	उ०
(वि. लि.)	चिन्तयेत्	चिन्तयेताम्	चिन्तयेयुः	प्र०
	चिन्तयेः	चिन्तयेतम्	चिन्तयेत	म०
	चिन्तयेयम्	चिन्तयेव	चिन्तयेम	उ०
(आ लि.)	चिन्त्यात्	चिन्त्यास्ताम्	चिन्त्यासुः	प्र०
	चिन्त्याः	चिन्त्यास्तम्	चिन्त्यास्त	म०
	चिन्त्यासम्	चिन्त्यास्व	चिन्त्यास्म	उ०

(लुङ्)	अचिचिन्तत्	अचिचिन्तताम्	अचिचिन्तन्	प्र०
	अचिचिन्तः	अचिचिन्ततम्	अचिचिन्तत	म०
	अचिचिन्तम्	अचिचिन्ताव	अचिचिन्ताम	उ०
(लृङ्)	अचिन्तयिष्यत्	अचिन्तयिष्यताम्	अचिन्त्ययिष्यन्	प्र०
	अचिन्तयिष्यः	अचिन्तयिष्यतम्	अचिन्त्ययिष्यत	म०
	अचिन्तयिष्यम्	अचिन्तयिष्याव	अचिन्तयिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	चिन्तयते	चिन्तयेते	चिन्तयन्ते	प्र०
	चिन्तयसे	चिन्तयेथे	चिन्तयध्वे	म०
	चिन्तये	चिन्तयावहे	चिन्तयामहे	उ०
(लिट्)	चिन्तयाञ्चक्रे	चिन्तयाञ्चक्राते	चिन्तयाञ्चक्रिरे	प्र०
	चिन्तयाञ्चकृषे	चिन्तयाञ्चक्राथे	चिन्तयाञ्चकृध्वे	म०
	चिन्तयाञ्चक्रे	चिन्तयाञ्चकृवहे	चिन्तयाञ्चकृमहे	उ०
(लुट्)	चिन्तयिता	चिन्तयितारौ	चिन्तयितारः	प्र०
	चिन्तयितासे	चिन्तयितासाथे	चिन्तयिताध्वे	म०
	चिन्तयिताहे	चिन्तयितास्वहे	चिन्तयितास्महे	उ०
(लृट्)	चिन्तयिष्यते	चिन्तयिष्येते	चिन्तयिष्यन्ते	प्र०
	चिन्तयिष्यसे	चिन्तयिष्येथे	चिन्तयिष्यध्वे	म०
	चिन्तयिष्ये	चिन्तयिष्यावहे	चिन्तयिष्यामहे	उ०
(लोट्)	चिन्तयताम्	चिन्तयेताम्	चिन्तयन्ताम्	प्र०
	चिन्तयस्व	चिन्तयेथाम्	चिन्तयध्वम्	म०
	चिन्तयै	चिन्तयावहै	चिन्तयामहै	उ०

(लङ्)	अचिन्तयत्	अचिन्तयेताम्	अचिन्तयन्त	प्र०
	अचिन्तयथाः	अचिन्तयेथाम्	अचिन्तयध्वम्	म०
	अचिन्तये	अचिन्तयावहि	अचिन्तयामहि	उ०
(वि. लि.)	चिन्तयेत	चिन्तयेयाताम्	चिन्तयेरन्	प्र०
	चिन्तयेथाः	चिन्तयेयाथाम्	चिन्तयेध्वम्	म०
	चिन्तयेय	चिन्तयेवहि	चिन्तयेमहि	उ०
(आ. लि.)	चिन्तयिषीष्ट	चिन्तयिषीयास्ताम्	चिन्तयिषीरन्	प्र०
	चिन्तयिषीष्ठाः	चिन्तयिषीयास्थाम्	चिन्तयिषीध्वम्	म०
	चिन्तयिषीय	चिन्तयिषीवहि	चिन्तयिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अचिचिन्तत	अचिचिन्तेताम्	अचिचिन्तन्त	प्र०
	अचिचिन्तथाः	अचिचिन्तेथाम्	अचिचिन्तध्वम्	म०
	अचिचिन्ते	अचिचिन्तावहि	अचिचिन्तामहि	उ०
(लृङ्)	अचिन्तयिष्यत	अचिन्तयिष्येताम्	अचिन्तयिष्यन्त	प्र०
	अचिन्तयिष्यथाः	अचिन्तयिष्येथाम्	अचिन्तयिष्यध्वम्	म०
	अचिन्तयिष्ये	अचिन्तयिष्यावहि	अचिन्तयिष्यामहि	उ०

(५) भक्ष = खाना (परस्मैपदी)

(लट्)	भक्षयति	भक्षयतः	भक्षयन्ति	प्र०
	भक्षयसि	भक्षयथः	भक्षयथ	म०
	भक्षयामि	भक्षयावः	भक्षयामः	उ०
(लिट्)	भक्षयाञ्चकार	भक्षयाञ्चक्रतुः	भक्षयाञ्चक्रुः	प्र०
	भक्षयाञ्चकर्थ	भक्षयाञ्चक्रथुः	भक्षयाञ्चक्र	म०
	भक्षयाञ्चकार	भक्षयाञ्चकृव	भक्षयाञ्चकृम	उ०

(लुट्)	भक्षयिता	भक्षयितारौ	भक्षयितारः	प्र०
	भक्षयितासि	भक्षयितास्थः	भक्षयितास्थ	म०
	भक्षयितास्मि	भक्षयितास्वः	भक्षयितास्मः	उ०
(लृट्)	भक्षयिष्यति	भक्षयिष्यतः	भक्षयिष्यन्ति	प्र०
	भक्षयिष्यसि	भक्षयिष्यथः	भक्षयिष्यथ	म०
	भक्षयिष्यामि	भक्षयिष्यावः	भक्षयिष्यामः	उ०
(लोट्)	भक्षयतु	भक्षयताम्	भक्षयन्तु	प्र०
	भक्षय	भक्षयतम्	भक्षयत	म०
	भक्षयाणि	भक्षयाव	भक्षयाम	उ०
(लङ्)	अभक्षयत्	अभक्षयताम्	अभक्षयन्	प्र०
	अभक्षयः	अभक्षयतम्	अभक्षयत	म०
	अभक्षयम्	अभक्षयाव	अभक्षयाम	उ०
(वि. लि.)	भक्षयेत्	भक्षयेताम्	भक्षयेयुः	प्र०
	भक्षयेः	भक्षयेतम्	भक्षयेत	म०
	भक्षयेयम्	भक्षयेव	भक्षयेम	उ०
(आ. लि.)	भक्ष्यात्	भक्ष्यास्ताम्	भक्ष्यासुः	प्र०
	भक्ष्याः	भक्ष्यास्तम्	भक्ष्यास्त	म०
	भक्ष्यासम्	भक्ष्यास्व	भक्ष्यास्म	उ०
(लुङ्)	अबभक्षत्	अबभक्षताम्	अबभक्षन्	प्र०
	अबभक्षः	अबभक्षतम्	अबभक्षत	म०
	अबभक्षम्	अबभक्षाव	अबभक्षाम	उ०

(लृङ्)	अभक्षयिष्यत्	अभक्षयिष्यताम्	अभक्षयिष्यन्	प्र०
	अभक्षयिष्यः	अभक्षयिष्यतम्	अभक्षयिष्यत	म०
	अभक्षयिष्यम्	अभक्षयिष्याव	अभक्षयिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	भक्षयते	भक्षयेते	भक्षयन्ते	प्र०
	भक्षयसे	भक्षयेथे	भक्षयध्वे	म०
	भक्षये	भक्षयावहे	भक्षयामहे	उ०
(लिट्)	भक्षयाञ्चक्रे	भक्षयाञ्चक्राते	भक्षयाञ्चक्रिरे	प्र०
	भक्षयाञ्चकृषे	भक्षयाञ्चक्राथे	भक्षयाञ्चकृढ्वे	म०
	भक्षयाञ्चक्रे	भक्षयाञ्चकृवहे	भक्षयाञ्चकृमहे	उ०
(लुट्)	भक्षयिता	भक्षयितारौ	भक्षयितारः	प्र०
	भक्षयितासे	भक्षयितासाथे	भक्षयिताध्वे	म०
	भक्षयिताहे	भक्षयितास्वहे	भक्षयितास्महे	उ०
(लृट्)	भक्षयिष्यते	भक्षयिष्येते	भक्षयिष्यन्ते	प्र०
	भक्षयिष्यसे	भक्षयिष्येथे	भक्षयिष्यध्वे	म०
	भक्षयिष्ये	भक्षयिष्यावहे	भक्षयिष्यामहे	उ०
(लोट्)	भक्षयताम्	भक्षयेताम्	भक्षयन्ताम्	प्र०
	भक्षयस्व	भक्षयेथाम्	भक्षयध्वम्	म०
	भक्षयै	भक्षयावहै	भक्षयामहै	उ०
(लङ्)	अभक्षयत	अभक्षयेताम्	अभक्षयन्त	प्र०
	अभक्षयथाः	अभक्षयेथाम्	अभक्षयध्वम्	म०
	अभक्षये	अभक्षयावहि	अभक्षयामहि	उ०

(वि. लि.)	भक्षयेत	भक्षयेयाताम्	भक्षयेरन्	प्र०
	भक्षयेथाः	भक्षयेयाथाम्	भक्षयेध्वम्	म०
	भक्षयेय	भक्षयेवहि	भक्षयेमहि	उ०
(आ. लि.)	भक्षयिषीष्ट	भक्षयिषीयास्ताम्	भक्षयिषीरन्	प्र०
	भक्षयिषीष्ठाः	भक्षयिषीयास्थाम्	भक्षयिषीध्वम्	म०
	भक्षयिषीय	भक्षयिषीवहि	भक्षयिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अबभक्षत	अबभक्षेताम्	अबभक्षन्त	प्र०
	अबभक्षथाः	अबभक्षेथाम्	अबभक्षध्वम्	म०
	अबभक्षे	अबभक्षावहि	अबभक्षामहि	उ०
(लृङ्)	अभक्षयिष्यत	अभक्षयिष्येताम्	अभक्षयिष्यन्त	प्र०
	अभक्षयिष्यथाः	अभक्षयिष्येथाम्	अभक्षयिष्यध्वम्	म०
	अभक्षयिष्ये	अभक्षयिष्यावहि	अभक्षयिष्यामहि	उ०

इति चुरादिप्रकरणम् ।

*

अथ णिजन्तप्रकरणम्

(१) घट = चेष्टा करना (परस्मैपदी)

(लट्)	घटयति	घटयतः	घटयन्ति	प्र०
	घटयसि	घटयथः	घटयथ	म०
	घटयामि	घटयावः	घटयामः	उ०
(लिट्)	घटयाञ्चकार	घटयाञ्चक्रतुः	घटयाञ्चक्रुः	प्र०
	घटयाञ्चकर्थ	घटयाञ्चक्रथुः	घटयाञ्चक्र	म०
	घटयाञ्चकार	घटयाञ्चकृव	घटयाञ्चकृम	उ०
(लुट्)	घटयिता	घटयितारौ	घटयितारः	प्र०
	घटयितासि	घटयितास्थः	घटयितास्थ	म०
	घटयितास्मि	घटयितास्वः	घटयितास्मः	उ०
(लृट्)	घटयिष्यति	घटयिष्यतः	घटयिष्यन्ति	प्र०
	घटयिष्यसि	घटयिष्यथः	घटयिष्यथ	म०
	घटयिष्यामि	घटयिष्यावः	घटयिष्यामः	उ०
(लोट्)	घटयतु, तात्	घटयताम्	घटयन्तु	प्र०
	घटय, तात्	घटयतम्	घटयत	म०
	घटयानि	घटयाव	घटयाम	उ०
(लङ्)	अघटयत्	अघटयताम्	अघटयन्	प्र०
	अघटयः	अघटयतम्	अघटयत	म०
	अघटयम्	अघटयाव	अघटयाम	उ०

(वि. लि.)	घटयेत्	घटयेताम्	घटयेयुः	प्र०
	घटयेः	घटयेतम्	घटयेत	म०
	घटयेयम्	घटयेव	घटयेम	उ०
(आ. लि.)	घट्यात्	घट्यास्ताम्	घट्यासुः	प्र०
	घट्याः	घट्यास्तम्	घट्यास्त	म०
	घट्यासम्	घट्यास्व	घट्यास्म	उ०
(लुङ्)	अजीघटत्	अजीघटताम्	अजीघटन्	प्र०
	अजीघटः	अजीघटतम्	अजीघटत	म०
	अजीघटम्	अजीघटाव	अजीघटाम	उ०
(लृङ्)	अघटयिष्यत्	अघटयिष्यताम्	अघटयिष्यन्	प्र०
	अघटयिष्यः	अघटयिष्यतम्	अघटयिष्यत	म०
	अघटयिष्यम्	अघटयिष्याव	अघटयिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	घटयते	घटयेते	घटयन्ते
(लिट्)	घटयाञ्चक्रे	घटयाञ्चक्राते	घटयाञ्चक्रिरे
(लुट्)	घटयिता	घटयितारौ	घटयितारः
(लृट्)	घटयिष्यते	घटयिष्येते	घटयिष्यन्ते
(लोट्)	घटयताम्	घटयेताम्	घटयन्ताम्
(लङ्)	अघटयत	अघटयेताम्	अघटयन्त
(वि. लि.)	घटयेत	घटयेताम्	घटयेरन्
(आ. लि.)	घटयिषीष्ट	घटयिषीयास्ताम्	घटयिषीरन्

(लुङ्)	अजीघटत	अजीघटेताम्	अजीघटन्त	
(लृङ्)	अघटयिष्यत	अघटयिष्येताम्	अघटयिष्यन्त	

(२) ज्ञप = ज्ञान और ज्ञापन (परस्मैपदी)

(लट्)	ज्ञपयति	ज्ञपयतः	ज्ञपयन्ति	प्र०
	ज्ञपयसि	ज्ञपयथः	ज्ञपयथ	म०
	ज्ञपयामि	ज्ञपयावः	ज्ञपयामः	उ०
(लिट्)	ज्ञपयाञ्चकार	ज्ञपयाञ्चक्रतुः	ज्ञपयाञ्चक्रुः	प्र०
	ज्ञपयाञ्चकर्थ	ज्ञपयाञ्चक्रथुः	ज्ञपयाञ्चक्र	म०
	ज्ञपयाञ्चकार	ज्ञपयाञ्चकृव	ज्ञपयाञ्चकृम	उ०
(लुट्)	ज्ञपयिता	ज्ञपयितारौ	ज्ञपयितारः	प्र०
	ज्ञपयितासि	ज्ञपयितास्थः	ज्ञपयितास्थ	म०
	ज्ञपयितास्मि	ज्ञपयितास्वः	ज्ञपयितास्मः	उ०
(लृट्)	ज्ञपयिष्यति	ज्ञपयिष्यतः	ज्ञपयिष्यन्ति	प्र०
	ज्ञपयिष्यसि	ज्ञपयिष्यथः	ज्ञपयिष्यथ	म०
	ज्ञपयिष्यामि	ज्ञपयिष्यावः	ज्ञपयिष्यामः	उ०
(लोट)	ज्ञपयतु, तात्	ज्ञपयताम्	ज्ञपयन्तु	प्र०
	ज्ञपय, तात्	ज्ञपयतम्	ज्ञपयत	म०
	ज्ञपयानि	ज्ञपयाव	ज्ञपयाम	उ०
(लङ्)	अज्ञपयत्	अज्ञपयताम्	अज्ञपयन्	प्र०
	अज्ञपयः	अज्ञपयतम्	अज्ञपयत	म०
	अज्ञपयम्	अज्ञपयाव	अज्ञपयाम	उ०

(वि. लि.)	ज्ञपयेत्	ज्ञपयेताम्	ज्ञपयेयुः	प्र०
	ज्ञपयेः	ज्ञपयेतम्	ज्ञपयेत	म०
	ज्ञपयेयम्	ज्ञपयेव	ज्ञपयेम	उ०
(आ. लि.)	ज्ञप्यात्	ज्ञप्यास्ताम्	ज्ञप्यासुः	प्र०
	ज्ञप्याः	ज्ञप्यास्तम्	ज्ञप्यास्त	म०
	ज्ञप्यासम्	ज्ञप्यास्व	ज्ञप्यास्म	उ०
(लुङ्)	अजिज्ञपत्	अजिज्ञपताम्	अजिज्ञपन्	प्र०
	अजिज्ञपः	अजिज्ञपतम्	अजिज्ञपत	म०
	अजिज्ञपम्	अजिज्ञपाव	अजिज्ञपाम	उ०
(लृङ्)	अज्ञपयिष्यत्	अज्ञपयिष्यताम्	अज्ञपयिष्यन्	प्र०
	अज्ञपयिष्यः	अज्ञपयिष्यतम्	अज्ञपयिष्यत	म०
	अज्ञपयिष्यम्	अज्ञपयिष्याव	अज्ञपयिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	ज्ञपयते	ज्ञपयेते	ज्ञपयन्ते
(लिट्)	ज्ञपयाञ्चक्रे	ज्ञपयाञ्चक्राते	ज्ञपयाञ्चक्रिरे
(लुट्)	ज्ञपयिता	ज्ञपयितारौ	ज्ञपयितारः
(लृट्)	ज्ञपयिष्यते	ज्ञपयिष्येते	ज्ञपयिष्यन्ते
(लोट्)	ज्ञपयताम्	ज्ञपयेताम्	ज्ञपयन्ताम्
(लङ्)	अज्ञपयत	अज्ञपयेताम्	अज्ञपयन्त
(वि. लि.)	ज्ञपयेत	ज्ञपयेयाताम्	ज्ञपयेरन्
(आ. लि.)	ज्ञपयिषीष्ट	ज्ञपयिषीयास्ताम्	ज्ञपयिषीरन्
(लुङ्)	अजिज्ञपत	अजिज्ञपेताम्	अजिज्ञपन्त
(लृङ्)	अज्ञपयिष्यत	अज्ञपयिष्येताम्	अज्ञपयिष्यन्त

(३) भू = होना (परस्मैपदी)

(लट्)	भावयति	भावयतः	भावयन्ति	प्र०
	भावयसि	भावयथः	भावयथ	म०
	भावयामि	भावयावः	भावयामः	उ०
(लिट्)	भावयाञ्चकार	भावयाञ्चक्रतुः	भावयाञ्चक्रुः	प्र०
	भावयाञ्चकर्थ	भावयाञ्चक्रथुः	भावयाञ्चक्र	म०
	भावयाञ्चकार	भावयाञ्चकृव	भावयाञ्चकृम	उ०
	इसीप्रकार–भावयामास ।		भावयाम्बभूव ।	
(लुट्)	भावयिता	भावयितारौ	भावयितारः	प्र०
	भावयितासि	भावयितास्थः	भावयितास्थ	म०
	भावयितास्मि	भावयितास्वः	भावयितास्मः	उ०
(लृट्)	भावयिष्यति	भावयिष्यतः	भावयिष्यन्ति	प्र०
	भावयिष्यसि	भावयिष्यथः	भावयिष्यथ	म०
	भावयिष्यामि	भावयिष्यावः	भावयिष्यामः	उ०
(लोट्)	भावयतु, तात्	भावयताम्	भावयन्तु	प्र०
	भावय, तात्	भावयतम्	भावयत	म०
	भावयानि	भावयाव	भावयाम	उ०
(लङ्)	अभावयत्	अभावयताम्	अभावयन्	प्र०
	अभावयः	अभावयतम्	अभावयत	म०
	अभावयम्	अभावयाव	अभावयाम	उ०
(वि. लि.)	भावयेत्	भावयेताम्	भावयेयुः	प्र०
	भावयेः	भावयेतम्	भावयेत	म०
	भावयेयम्	भावयेव	भावयेम	उ०

(आ. लि.)	भाव्यात्	भाव्यास्ताम्	भाव्यासुः	प्र०
	भाव्याः	भाव्यास्तम्	भाव्यास्त	म०
	भाव्यासम्	भाव्यास्व	भाव्यास्म	उ०
(लुङ्)	अबीभवत्	अबीभवताम्	अबीभवन्	प्र०
	अबीभवः	अबीभवतम्	अबीभवत	म०
	अबीभवम्	अबीभवाव	अबीभवाम	उ०
(लृङ्)	अभावयिष्यत्	अभावयिष्यताम्	अभावयिष्यन्	प्र०
	अभावयिष्यः	अभावयिष्यतम्	अभावयिष्यत	म०
	अभावयिष्यम्	अभावयिष्याव	अभावयिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	भावयते	भावयेते	भावयन्ते	प्र०
	भावयसे	भावयेथे	भावयध्वे	म०
	भावये	भावयावहे	भावयामहे	उ०
(लिट्)	भावयाञ्चक्रे	भावयाञ्चक्राते	भावयाञ्चक्रिरे	प्र०
	भावयाञ्चकृषे	भावयाञ्चक्राथे	भावयाञ्चकृढ्वे	म०
	भावयाञ्चक्रे	भावयाञ्चकृवहे	भावयाञ्चकृमहे	उ०
(लुट्)	भावयिता	भावयितारौ	भावयितारः	प्र०
	भावयितासे	भावयितासाथे	भावयिताध्वे	म०
	भावयिताहे	भावयितास्वहे	भावयितास्महे	उ०
(लृट्)	भावयिष्यते	भावयिष्येते	भावयिष्यन्ते	प्र०
	भावयिष्यसे	भावयिष्येथे	भावयिष्यध्वे	म०
	भावयिष्ये	भावयिष्यावहे	भावयिष्यामहे	उ०

(लोट्)	भावयताम्	भावयेताम्	भावयन्ताम्	प्र०
	भावयस्व	भावयेथाम्	भावयध्वम्	म०
	भावयै	भावयावहै	भावयामहै	उ०
(लङ्)	अभावयत	अभावयेताम्	अभावयन्त	प्र०
	अभावयथाः	अभावयेथाम्	अभावयध्वम्	म०
	अभावये	अभावयावहि	अभावयामहि	उ०
(वि.लि.)	भावयेत	भावयेयाताम्	भावयेरन्	प्र०
	भावयेथाः	भावयेयाथाम्	भावयेध्वम्	म०
	भावयेय	भावयेवहि	भावयेमहि	उ०
(आ.लि.)	भावयिषीष्ट	भावयिषीयास्ताम्	भावयिषीरन्	प्र०
	भावयिषीष्ठाः	भावयिषीयास्थाम्	भावयिषीध्वम्	म०
	भावयिषीय	भावयिषीवहि	भावयिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अबीभवत्	अबीभवेताम्	अबीभवन्त	प्र०
	अबीभवथाः	अबीभवेथाम्	अबीभवध्वम्	म०
	अबीभवे	अबीभवावहि	अबीभवामहि	उ०
(लृङ्)	अभावयिष्यत	अभावयिष्येताम्	अभावयिष्यन्त	प्र०
	अभावयिष्यथाः	अभावयिष्येथाम्	अभावयिष्यध्वम्	म०
	अभावयिष्ये	अभावयिष्यावहि	अभावयिष्यामहि	उ०

(४) स्था = गति और निवृत्ति (परस्मैपदी)

(लट्)	स्थापयति	स्थापयतः	स्थापयन्ति	प्र०
	स्थापयसि	स्थापयथः	स्थापयथ	म०
	स्थापयामि	स्थापयावः	स्थापयामः	उ०

(लिट्)	स्थापयाञ्चकार	स्थापयाञ्चक्रतुः	स्थापयाञ्चक्रुः	प्र०
	स्थापयाञ्चकर्थ	स्थापयाञ्चक्रथुः	स्थापयाञ्चक्र	म०
	स्थापयाञ्चकार	स्थापयाञ्चकृव	स्थापयाञ्चकृम	उ०
(लुट्)	स्थापयिता	स्थापयितारौ	स्थापयितारः	प्र०
	स्थापयितासि	स्थापयितास्थः	स्थापयितास्थ	म०
	स्थापयितास्मि	स्थापयितास्वः	स्थापयितास्मः	उ०
(लृट्)	स्थापयिष्यति	स्थापयिष्यतः	स्थापयिष्यन्ति	प्र०
	स्थापयिष्यसि	स्थापयिष्यथः	स्थापयिष्यथ	म०
	स्थापयिष्यामि	स्थापयिष्यावः	स्थापयिष्यामः	उ०
(लोट्)	स्थापयतु, तात्	स्थापयताम्	स्थापयन्तु	प्र०
	स्थापय, तात्	स्थापयतम्	स्थापयत	म०
	स्थापयानि	स्थापयाव	स्थापयाम	उ०
(लङ्)	अस्थापयत्	अस्थापयताम्	अस्थापयन्	प्र०
	अस्थापयः	अस्थापयतम्	अस्थापयत	म०
	अस्थापयम्	अस्थापयाव	अस्थापयाम	उ०
(वि.लि.)	स्थापयेत्	स्थापयेताम्	स्थापयेयुः	प्र०
	स्थापयेः	स्थापयेतम्	स्थापयेत	म०
	स्थापयेयम्	स्थापयेव	स्थापयेम	उ०
(आ.लि.)	स्थाप्यात्	स्थाप्यास्ताम्	स्थाप्यासुः	प्र०
	स्थाप्याः	स्थाप्यास्तम्	स्थाप्यास्त	म०
	स्थाप्यासम्	स्थाप्यास्व	स्थाप्यास्म	उ०

(लुङ्)	अतिष्ठिपत्	अतिष्ठिपताम्	अतिष्ठिपन्	प्र०
	अतिष्ठिपः	अतिष्ठिपतम्	अतिष्ठिपत	म०
	अतिष्ठिपम्	अतिष्ठिपाव	अतिष्ठिपाम	उ०
(लृङ्)	अस्थापयिष्यत्,	अस्थापयिष्यताम्	अस्थापयिष्यन्	प्र०
	अस्थापयिष्यः	अस्थापयिष्यतम्	अस्थापयिष्यत	म०
	अस्थापयिष्यम्	अस्थापयिष्याव	अस्थापयिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	स्थापयते	स्थापयेते	स्थापयन्ते
(लिट्)	स्थापयाञ्चक्रे	स्थापयाञ्चक्राते	स्थापयाञ्चक्रिरे
(लुट्)	स्थापयिता	स्थापयितारौ	स्थापयितारः
(लृट्)	स्थापयिष्यते	स्थापयिष्येते	स्थापयिष्यन्ते
(लोट्)	स्थापयताम्	स्थापयेताम्	स्थापयन्ताम्
(लङ्)	अस्थापयेत	अस्थापयेताम्	अस्थापयन्त
(वि. लि.)	स्थापयेत	स्थापयेयाताम्	स्थापयेरन्
(आ. लि.)	स्थापयिषीष्ट	स्थापयिषीयास्ताम्	स्थापयिषीरन्
(लुङ्)	अतिष्ठिपत	अतिष्ठिपेताम्	अतिष्ठिपन्त
(लृङ्)	अस्थापयिष्यत	अस्थापयिष्येताम्	अस्थापयिष्यन्त

इति णिजन्तप्रकरणम् ।

—— * ——

अथ सन्नन्तप्रकरणम्

(१) अद् = भोजन की इच्छा करना (परस्मैपदी)

(लट्)	जिघत्सति	जिघत्सतः	जिघत्सन्ति	प्र०
	जिघत्ससि	जिघत्सथः	जिघत्सथ	म०
	जिघत्सामि	जिघत्सावः	जिघत्सामः	उ०
(लिट्)	जिघत्साञ्चकार	जिघत्साञ्चक्रतुः	जिघत्साञ्चक्रुः	प्र०
	जिघत्साञ्चकर्थ	जिघत्साञ्चक्रथुः	जिघत्साञ्चक्र	म०
	जिघत्साञ्चकार	जिघत्साञ्चकृव	जिघत्साञ्चकृम	उ०
(लुट्)	जिघत्सिता	जिघत्सितारौ	जिघत्सितारः	प्र०
	जिघत्सितासि	जिघत्सितास्थः	जिघत्सितास्थ	म०
	जिघत्सितास्मि	जिघत्सितास्वः	जिघत्सितास्मः	उ०
(लृट्)	जिघत्सिष्यति	जिघत्सिष्यतः	जिघत्सिष्यन्ति	प्र०
	जिघत्सिष्यसि	जिघत्सिष्यथः	जिघत्सिष्यथ	म०
	जिघत्सिष्यामि	जिघत्सिष्यावः	जिघत्सिष्यामः	उ०
(लोट्)	जिघत्सतु, तात्	जिघत्सताम्	जिघत्सन्तु	प्र०
	जिघत्स, तात्	जिघत्सतम्	जिघत्सत	म०
	जिघत्सानि	जिघत्साव	जिघत्साम	उ०
(लङ्)	अजिघत्सत्	अजिघत्सताम्	अजिघत्सन्	प्र०
	अजिघत्सः	अजिघत्सतम्	अजिघत्सत	म०
	अजिघत्सम्	अजिघत्साव	अजिघत्साम	उ०

(वि.लि.)	जिघत्सेत्	जिघत्सेताम्	जिघत्सेयुः	प्र०
	जिघत्सेः	जिघत्सेतम्	जिघत्सेत	म०
	जिघत्सेयम्	जिघत्सेव	जिघत्सेम	उ०
(आ.लि.)	जिघत्स्यात्	जिघत्स्यास्ताम्	जिघत्स्यासुः	प्र०
	जिघत्स्याः	जिघत्स्यास्तम्	जिघत्स्यास्त	म०
	जिघत्स्यासम्	जिघत्स्यास्व	जिघत्स्यास्म	उ०
(लुङ्)	अजिघत्सीत्	अजिघत्सिष्टाम्	अजिघत्सिषुः	प्र०
	अजिघत्सीः	अजिघत्सिष्टम्	अजिघत्सिष्ट	म०
	अजिघत्सिषम्	अजिघत्सिष्व	अजिघत्सिष्म	उ०
(लृङ्)	अजिघत्सिष्यत्	अजिघत्सिष्यताम्	अजिघत्सिष्यन्	प्र०
	अजिघत्सिष्यः	अजिघत्सिष्यतम्	अजिघत्सिष्यत	म०
	अजिघत्सिष्यम्	अजिघत्सिष्याव	अजिघत्सिष्याम	उ०

(२) कृ = करने की इच्छा करना (परस्मैपदी)

(लट्)	चिकीर्षति	चिकीर्षतः	चिकीर्षन्ति	प्र०
	चिकीर्षसि	चिकीर्षथः	चिकीर्षथ	म०
	चिकीर्षामि	चिकीर्षावः	चिकीर्षामः	उ०
(लिट्)	चिकीर्षाञ्चकार	चिकीर्षाञ्चक्रतुः	चिकीर्षाञ्चक्रुः	प्र०
	चिकीर्षाञ्चकर्थ	चिकीर्षाञ्चक्रथुः	चिकीर्षाञ्चक्र	म०
	चिकीर्षाञ्चकार	चिकीर्षाञ्चकृव	चिकीर्षाञ्चकृम	उ०
(लुट्)	चिकीर्षिता	चिकीर्षितारौ	चिकीर्षितारः	प्र०
	चिकीर्षितासि	चिकीर्षितास्थः	चिकीर्षितास्थ	म०
	चिकीर्षितास्मि	चिकीर्षितास्वः	चिकीर्षितास्मः	उ०

(लृट्)	चिकीर्षिष्यति	चिकीर्षिष्यतः	चिकीर्षिष्यन्ति	प्र०
	चिकीर्षिष्यसि	चिकीर्षिष्यथः	चिकीर्षिष्यथ	म०
	चिकीर्षिष्यामि	चिकीर्षिष्यावः	चिकीर्षिष्यामः	उ०
(लोट्)	चिकीर्षतु, तात्	चिकीर्षताम्	चिकीर्षन्तु	प्र०
	चिकीर्ष, तात्	चिकीर्षतम्	चिकीर्षत	म०
	चिकीर्षाणि	चिकीर्षाव	चिकीर्षाम	उ०
(लङ्)	अचिकीर्षत्	अचिकीर्षताम्	अचिकीर्षन्	प्र०
	अचिकीर्षः	अचिकीर्षतम्	अचिकीर्षत	म०
	अचिकीर्षम्	अचिकीर्षाव	अचिकीर्षाम	उ०
(वि.लि.)	चिकीर्षेत्	चिकीर्षेताम्	चिकीर्षेयुः	प्र०
	चिकीर्षेः	चिकीर्षेतम्	चिकीर्षेत	म०
	चिकीर्षेयम्	चिकीर्षेव	चिकीर्षेम	उ०
(आ.लि.)	चिकीर्ष्यात्	चिकीर्ष्यास्ताम्	चिकीर्ष्यासुः	प्र०
	चिकीर्ष्याः	चिकीर्ष्यास्तम्	चिकीर्ष्यास्त	म०
	चिकीर्ष्यासम्	चिकीर्ष्यास्व	चिकीर्ष्यास्म	उ०
(लुङ्)	अचिकीर्षीत्	अचिकीर्षिष्टाम्	अचिकीर्षिषुः	प्र०
	अचिकीर्षीः	अचिकीर्षिष्टम्	अचिकीर्षिष्ट	म०
	अचिकीर्षिषम्	अचिकीर्षिष्व	अचिकीर्षिष्म	उ०
(लृङ्)	अचिकीर्षिष्यत्	अचिकीर्षिष्यताम्	अचिकीर्षिष्यन्	प्र०
	अचिकीर्षिष्यः	अचिकीर्षिष्यतम्	अचिकीर्षिष्यत	म०
	अचिकीर्षिष्यम्	अचिकीर्षिष्याव	अचिकीर्षिष्याम	उ०

आत्मनेपद में – चिकीर्षते इत्यादि ।

(३) पठ्=पढ़ने की इच्छा करना (परस्मैपदी)

(लट्)	पिपठिषति	पिपठिषतः	पिपठिषन्ति	प्र०
	पिपठिषसि	पिपठिषथः	पिपठिषथ	म०
	पिपठिषामि	पिपठिषावः	पिपठिषामः	उ०
(लिट्)	पिपठिषाञ्चकार	पिपठिषाञ्चक्रतुः	पिपठिषाञ्चक्रुः	प्र०
	पिपठिषाञ्चकर्थ	पिपठिषाञ्चक्रथुः	पिपठिषाञ्चक्र	म०
	पिपठिषाञ्चकार	पिपठिषाञ्चकृव	पिपठिषाञ्चकृम	उ०
(लुट्)	पिपठिषिता	पिपठिषितारौ	पिपठिषितारः	प्र०
	पिपठिषितासि	पिपठिषितास्थः	पिपठिषितास्थ	म०
	पिपठिषितास्मि	पिपठिषितास्वः	पिपठिषितास्मः	उ०
(लृट्)	पिपटिष्यति	पिपठिष्यतः	पिपठिष्यन्ति	प्र०
	पिपठिष्यसि	पिपठिष्यथः	पिपठिष्यथ	म०
	पिपठिष्यामि	पिपठिष्यावः	पिपठिष्यामः	उ०
(लोट्)	पिपठिषतु, तात्	पिपठिषताम्	पिपठिषन्तु	प्र०
	पिपठिष, तात्	पिपठिषतम्	पिपठिषत	म०
	पिपठिषानि	पिपठिषाव	पिपठिषाम	उ०
(लङ्)	अपिपठिषत्	अपिपठिषताम्	अपिपठिषन्	प्र०
	अपिपठिषः	अपिपठिषतम्	अपिपठिषत	म०
	अपिपठिषम्	अपिपठिषाव	अपिपठिषाम	उ०
(वि. लि.)	पिपठिषेत्	पिपठिषेताम्	पिपठिषेयुः	प्र०
	पिपठिषेः	पिपठिषेतम्	पिपठिषेत	म०
	पिपठिषेयम्	पिपठिषेव	पिपठिषेम	उ०

(आ. लि.)	पिपठिष्यात्	पिपठिष्यास्ताम्	पिपठिष्यासुः	प्र०
	पिपठिष्याः	पिपठिष्यास्तम्	पिपठिष्यास्त	म०
	पिपठिष्यासम्	पिपठिष्यास्व	पिपठिष्यास्म	उ०
(लुङ्)	अपिपठिषीत्	अपिपठिषिष्टाम्	अपिपठिषिषुः	प्र०
	अपिपठिषीः	अपिपठिषिष्टम्	अपिपठिषिष्ट	म०
	अपिपठिषिषम्	अपिपठिषिष्व	अपिपठिषिष्म	उ०
(लृङ्)	अपिपठिषिष्यत्	अपिपठिषिष्यताम्	अपिपठिषिष्यन्	प्र०
	अपिपठिषिष्यः	अपिपठिषिष्यतम्	अपिपठिषिष्यत	म०
	अपिपठिषिष्यम्	अपिपठिषिष्याव	अपिपठिषिष्याम	उ०

आत्मनेपद में— पिपठिषते। इत्यादि।

(४) भू=होने की इच्छा करना

(लट्)	बुभूषति	बुभूषतः	बुभूषन्ति	प्र०
	बुभूषसि	बुभूषथः	बुभूषथ	म०
	बुभूषामि	बुभूषावः	बुभूषामः	उ०
(लिट्)	बुभूषाञ्चकार	बुभूषाञ्चक्रतुः	बुभूषाञ्चक्रुः	प्र०
	बुभूषाञ्चकर्थ	बुभूषाञ्चक्रथुः	बुभूषाञ्चक्र	म०
	बुभूषाञ्चकार	बुभूषाञ्चकृव	बुभूषाञ्चकृम	उ०
	इसी प्रकार	बुभूषाम्बभूव।	बुभूषामास।	
(लुट्)	बुभूषिता	बुभूषितारौ	बुभूषितारः	प्र०
	बुभूषितासि	बुभूषितास्थः	बुभूषितास्थ	म०
	बुभूषितास्मि	बुभूषितास्वः	बुभूषितास्मः	उ०

(लृट्)	बुभूषिष्यति	बुभूषिष्यतः	बुभूषिष्यन्ति	प्र०
	बुभूषिष्यसि	बुभूषिष्यथः	बुभूषिष्यथ	म०
	बुभूषिष्यामि	बुभूषिष्यावः	बुभूषिष्यामः	उ०
(लोट्)	बुभूषतु, तात्	बुभूषताम्	बुभूषन्तु	प्र०
	बुभूष, तात्	बुभूषतम्	बुभूषत	म०
	बुभूषाणि	बुभूषाव	बुभूषाम	उ०
(लङ्)	अबुभूषत्	अबुभूषताम्	अबुभूषन्	प्र०
	अबुभूषः	अबुभूषतम्	अबुभूषत	म०
	अबुभूषम्	अबुभूषाव	अबुभूषाम	उ०
(वि.लि.)	बुभूषेत्	बुभूषेताम्	बुभूषेयुः	प्र०
	बुभूषेः	बुभूषेतम्	बुभूषेत	म०
	बुभूषेयम्	बुभूषेव	बुभूषेम	उ०
(आ.लि.)	बुभूष्यात्	बुभूष्यास्ताम्	बुभूष्यासुः	प्र०
	बुभूष्याः	बुभूष्यास्तम्	बुभूष्यास्त	म०
	बुभूष्यासम्	बुभूष्यास्व	बुभूष्यास्म	उ०
(लुङ्)	अबुभूषीत्	अबुभूषिष्टाम्	अबुभूषिषुः	प्र०
	अबुभूषीः	अबुभूषिष्टम्	अबुभूषिष्ट	म०
	अबुभूषिषम्	अबुभूषिष्व	अबुभूषिष्म	उ०
(लृङ्)	अबुभूषिष्यत्	अबुभूषिष्यताम्	अबुभूषिष्यन्	प्र०
	अबुभूषिष्यः	अबुभूषिष्यतम्	अबुभूषिष्यत	म०
	अबुभूषिष्यम्	अबुभूषिष्याव	अबुभूषिष्याम	उ०

आत्मनेपद में– बुभूषते। इत्यादि।

इति सन्नन्तप्रकरणम् ।

*

अथ यङन्तप्रकरणम्

(१) ग्रह = अधिक या बार–बार ग्रहण करना (आत्मनेपदी)

(लट्)	जरीगृह्यते	जरीगृह्येते	जरीगृह्यन्ते	प्र०
	जरीगृह्यसे	जरीगृह्येथे	जरीगृह्यध्वे	म०
	जरीगृह्ये	जरीगृह्यावहे	जरीगृह्यामहे	उ०
(लिट्)	जरीगृहाञ्चक्रे	जरीगृहाञ्चक्राते	जरीगृहाञ्चक्रिरे	प्र०
	जरीगृहाञ्चकृषे	जरीगृहाञ्चक्राथे	जरीगृहाञ्चकृढ्वे	म०
	जरीगृहाञ्चक्रे	जरीगृहाञ्चकृवहे	जरीगृहाञ्चकृमहे	उ०
इसी प्रकार–		जरीगृहामास।	जरीगृहाम्बभूव।	
(लुट्)	जरीगृहिता	जरीगृहितारौ	जरीगृहितारः	प्र०
	जरीगृहितासे	जरीगृहितासाथे	जरीगृहिताध्वे	म०
	जरीगृहिताहे	जरीगृहितास्वहे	जरीगृहितास्महे	उ०
(लृट्)	जरीगृहिष्यते	जरीगृहिष्येते	जरीगृहिष्यन्ते	प्र०
	जरीगृहिष्यसे	जरीगृहिष्येथे	जरीगृहिष्यध्वे	म०
	जरीगृहिष्ये	जरीगृहिष्यावहे	जरीगृहिष्यामहे	उ०
(लोट्)	जरीगृह्यताम्	जरीगृह्येताम्	जरीगृह्यन्ताम्	प्र०
	जरीगृह्यस्व	जरीगृह्येथाम्	जरीगृह्यध्वम्	म०
	जरीगृह्यै	जरीगृह्यावहै	जरीगृह्यामहै	उ०
(लङ्)	अजरीगृह्यत	अजरीगृह्येताम्	अजरीगृह्यन्त	प्र०
	अजरीगृह्यथाः	अजरीगृह्येथाम्	अजरीगृह्यध्वम्	म०
	अजरीगृह्ये	अजरीगृह्यावहि	अजरीगृह्यामहि	उ०

(वि. लि.)	जरीगृह्येत	जरीगृह्येयाताम्	जरीगृह्येरन्	प्र०
	जरीगृह्येथाः	जरीगृह्येयाथाम्	जरीगृह्येध्वम्	म०
	जरीगृह्ये	जरीगृह्येवहि	जरीगृह्येमहि	उ०
(आ. लि.)	जरीगृहिषीष्ट	जरीगृहिषीयास्ताम्	जरीगृहिषीरन्	प्र०
	जरीगृहिषीष्ठाः	जरीगृहिषीयास्थाम्	जरीगृहिषीध्वम्	म०
	जरीगृहिषीय	जरीगृहिषीवहि	जरीगृहिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अजरीगृहिष्ट	अजरीगृहिषाताम्	अजरीगृहिषत	प्र०
	अजरीगृहिष्ठाः	अजरीगृहिषाथाम्	अजरीगृहिढ्वम्	म०
	अजरीगृहिषि	अजरीगृहिष्वहि	अजरीगृहिष्महि	उ०
(लृङ्)	अजरीगृहिष्यत	अजरीगृहिष्येताम्	अजरीगृहिष्यन्त	प्र०
	अजरीगृहिष्यथाः	अजरीगृहिष्येथाम्	अजरीगृहिष्यध्वं	म०
	अजरीगृहिष्ये	अजरीगृहिष्यावहि	अजरीगृहिष्यामहि	उ०

(२) नृत् = अधिक या बार २ नाचना (आत्मनेपदी)

(लट्)	नरीनृत्यते	नरीनृत्येते	नरीनृत्यन्ते	प्र०
	नरीनृत्यसे	नरीनृत्येथे	नरीनृत्यध्वे	म०
	नरीनृत्ये	नरीनृत्यावहे	नरीनृत्यामहे	उ०
(लिट्)	नरीनृताञ्चक्रे	नरीनृताञ्चक्राते	नरीनृताञ्चक्रिरे	प्र०
	नरीनृताञ्चकृषे	नरीनृताञ्चक्राथे	नरीनृताञ्चकृढ्वे	म०
	नरीनृताञ्चक्रे	नरीनृताञ्चकृवहे	नरीनृताञ्चकृमहे	उ०
इसी प्रकार–		नरीनृतामास।	नरीनृताम्बभूव।	
(लुट्)	नरीनार्तता	नरीनर्तितारौ	नरीनर्तितारः	प्र०
	नरीनर्तितासे	नरीनर्तितासाथे	नरीनर्तिताध्वे	म०
	नरीनर्तिताहे	नरीनर्तितास्वहे	नरीनर्तितास्महे	उ०

(लृट्)	नरीनर्तिष्यते	नरीनर्तिष्येते	नरीनर्तिष्यन्ते	प्र०
	नरीनर्तिष्यसे	नरीनर्तिष्येथे	नरीनर्तिष्यध्वे	म०
	नरीनर्तिष्ये	नरीनर्तिष्यावहे	नरीनर्तिष्यामहे	उ०
(लोट्)	नरीनृत्यताम्	नरीनृत्येताम्	नरीनृत्यन्ताम्	प्र०
	नरीनृत्यस्व	नरीनृत्येथाम्	नरीनृत्यध्वम्	म०
	नरीनृत्यै	नरीनृत्यावहै	नरीनृत्यामहै	उ०
(लङ्)	अनरीनृत्यत	अनरीनृत्येताम्	अनरीनृत्यन्त	प्र०
	अनरीनृत्यथाः	अनरीनृत्येथाम्	अनरीनृत्यध्वम्	म०
	अनरीनृत्ये	अनरीनृत्यावहि	अनरीनृत्यामहि	उ०
(वि. लि.)	नरीनृत्येत	नरीनृत्येयाताम्	नरीनृत्येरन्	प्र०
	नरीनृत्येथाः	नरीनृत्येयाथाम्	नरीनृत्येध्वम्	म०
	नरीनृत्येय	नरीनृत्येवहि	नरीनृत्येमहि	उ०
(आ. लि.)	नरीनृतिषीष्ट	नरीनृतिषीयास्ताम्	नरीनृतिषीरन्	प्र०
	नरीनृतिषीष्ठाः	नरीनृतिषीयास्थाम्	नरीनृतिषीध्वम्	म०
	नरीनृतिषीय	नरीनृतिषीवहि	नरीनृतिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अनरीनृतिष्ट	अनरीनृतिषाताम्	अनरीनृतिषत	प्र०
	अनरीनृतिष्ठाः	अनरीनृतिषाथाम्	अनरीनृतिढ्वम्	म०
	अनरीनृतिषि	अनरीनृतिष्वहि	अनरीनृतिष्महि	उ०
(लृङ्)	अनरीनृतिष्यत	अनरीनृतिष्येताम्	अनरीनृतिष्यन्त	प्र०
	अनरीनृतिष्यथाः	अनरीनृतिष्येथाम्	अनरीनृतिष्यध्वम्	म०
	अनरीनृतिष्ये	अनरीनृतिष्यावहि	अनरीनृतिष्यामहि	उ०

(३) भू = अतिशय या बार बार होना (आत्मनेपदी)

(लट्)	बोभूयते	बोभूयेते	बोभूयन्ते	प्र०
	बोभूयसे	बोभूयेथे	बोभूयध्वे	म०
	बोभूये	बोभूयावहे	बोभूयामहे	उ०
(लिट्)	बोभूयाञ्चक्रे	बोभूयाञ्चक्राते	बोभूयाञ्चक्रिरे	प्र०
	बोभूयाञ्चकृषे	बोभूयाञ्चक्राथे	बोभूयाञ्चकृढ्वे	म०
	बोभूयाञ्चक्रे	बोभूयाञ्चकृवहे	बोभूयाञ्चकृमहे	उ०
इसी प्रकार–		बोभूयामास,	बोभूयाम्बभूव।	
(लुट्)	बोभूयिता	बोभूयितारौ	बोभूयितारः	प्र०
	बोभूयितासे	बोभूयितासाथे	बोभूयिताध्वे	म०
	बोभूयिताहे	बोभूयितास्वहे	बोभूयितास्महे	उ०
(लृट्)	बोभूयिष्यते	बोभूयिष्येते	बोभूयिष्यन्ते	प्र०
	बोभूयिष्यसे	बोभूयिष्येथे	बोभूयिष्यध्वे	म०
	बोभूयिष्ये	बोभूयिष्यावहे	बोभूयिष्यामहे	उ०
(लोट्)	बोभूयताम्	बोभूयेताम्	बोभूयन्ताम्	प्र०
	बोभूयस्व	बोभूयेथाम्	बोभूयध्वम्	म०
	बोभूयै	बोभूयावहै	बोभूयामहै	उ०
(लङ्)	अबोभूयत	अबोभूयेताम्	अबोभूयन्त	प्र०
	अबोभूयथाः	अबोभूयेथाम्	अबोभूयध्वम्	म०
	अबोभूये	अबोभूयावहि	अबोभूयामहि	उ०
(वि. लि.)	बोभूयेत	बोभूयेयाताम्	बोभूयेरन्	प्र०
	बोभूयेथाः	बोभूयेयाथाम्	बोभूयेध्वम्	म०
	बोभूयेय	बोभूयेवहि	बोभूयेमहि	उ०

(आ. लि.)	बोभूयिषीष्ट	बोभूयिषीयास्ताम्	बोभूयिषीरन्	प्र०
	बोभूयिषीष्ठाः	बोभूयिषीयास्थाम्	बोभूयिषीध्वम्	म०
	बोभूयिषीय	बोभूयिषीवहि	बोभूयिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अबोभूयिष्ट	अबोभूयिषाताम्	अबोभूयिषत	प्र०
	अबोभूयिष्ठाः	अबोभूयिषाथाम्	अबोभूयिढ्वम्	म०
	अबोभूयिषि	अबोभूयिष्वहि	अबोभूयिष्महि	उ०
(लृङ्)	अबोभूयिष्यत	अबोभूयिष्येताम्	अबोभूयिष्यन्त	प्र०
	अबोभूयिष्यथाः	अबोभूयिष्येथाम्	अबोभूयिष्यध्वम्	म०
	अबोभूयिष्ये	अबोभूयिष्यावहि	अबोभूयिष्यामहि	उ०

(४) वृतु = अधिक या पुनः २ बरतना (आत्मनेपदी)

(लट्)	वरीवृत्यते	वरीवृत्येते	वरीवृत्यन्ते	प्र०
	वरीवृत्यसे	वरीवृत्येथे	वरीवृत्यध्वे	म०
	वरीवृत्ये	वरीवृत्यावहे	वरीवृत्यामहे	उ०
(लिट्)	वरीवृताञ्चक्रे	वरीवृताञ्चक्राते	वरीवृताञ्चक्रिरे	प्र०
	वरीवृताञ्चकृषे	वरीवृताञ्चक्राथे	वरीवृताञ्चकृढ्वे	म०
	वरीवृताञ्चक्रे	वरीवृताञ्चकृवहे	वरीवृताञ्चकृमहे	उ०
इसी प्रकार–		वरीवृतामास,	वरीवृताम्बभूव।	
(लुट्)	वरीवर्त्तिता	वरीवर्त्तितारौ	वरीवर्त्तितारः	प्र०
	वरीवर्त्तितासे	वरीवर्त्तितासाथे	वरीवर्त्तिताध्वे	म०
	वरीवर्त्तिताहे	वरीवर्त्तितास्वहे	वरीवर्त्तितास्महे	उ०
(लृट्)	वरीवर्तिष्यते	वरीवर्तिष्येते	वरीवर्तिष्यन्ते	प्र०
	वरीवर्तिष्यसे	वरीवर्तिष्येथे	वरीवर्तिष्यध्वे	म०
	वरीवर्तिष्ये	वरीवर्तिष्यावहे	वरीतर्तिष्यामहे	उ०

(लोट्)	वरीवृत्यताम्	वरीवृत्येताम्	वरीवृत्यन्ताम्	प्र०
	वरीवृत्यस्व	वरीवृत्येथाम्	वरीवृत्यध्वम्	म०
	वरीवृत्यै	वरीवृत्यावहै	वरीवृत्यामहै	उ०
(लङ्)	अवरीवृत्यत	अवरीवृत्येताम्	अवरीवृत्यन्त	प्र०
	अवरीवृत्यथाः	अवरीवृत्येथाम्	अवरीवृत्यध्वम्	म०
	अवरीवृत्ये	अवरीवृत्यावहि	अवरीवृत्यामहि	उ०
(वि. लि.)	वरीवृत्येत	वरीवृत्येयाताम्	वरीवृत्येरन्	प्र०
	वरीवृत्येथाः	वरीवृत्येयाथाम्	वरीवृत्येध्वम्	म०
	वरीवृत्येय	वरीवृत्येवहि	वरीवृत्येमहि	उ०
(आ. लि.)	वरीवृतिषीष्ट	वरीवृतिषीयास्ताम्	वरीवृतिषीरन्	प्र०
	वरीवृतिषीष्ठाः	वरीवृतिषीयास्थाम्	वरीवृतिषीध्वम्	म०
	वरीवृतिषीय	वरीवृतिषीवहि	वरीवृतिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अवरीवृतिष्ट	अवरीवृतिषाताम्	अवरीवृतिषत	प्र०
	अवरीवृतिष्ठाः	अवरीवृतिषाथाम्	अवरीवृतिढ्वम्	म०
	अवरीवृतिषि	अवरीवृतिष्वहि	अवरीवृतिष्महि	उ०
(लृङ्)	अवरीवृतिष्यत	अवरीवृतिष्येताम्	अवरीवृतिष्यन्त	प्र०
	अवरीवृतिष्यथाः	अवरीवृतिष्येथाम्	अवरीवृतिष्यध्वम्	म०
	अवरीवृतिष्ये	अवरीवृतिष्यावहि	अवरीवृतिष्यामहि	उ०

(५) व्रज = टेढ़ी चाल चलना (आत्मनेपदी)

(लट्)	वाव्रज्यते	वाव्रज्येते	वाव्रज्यन्ते	प्र०
	वाव्रज्यसे	वाव्रज्येथे	वाव्रज्यध्वे	म०
	वाव्रज्ये	वाव्रज्यावहे	वाव्रज्यामहे	उ०

(लिट्)	वाव्रजाञ्चक्रे	वाव्रजाञ्चक्राते	वाव्रजाञ्चक्रिरे	प्र०
	वाव्रजाञ्चकृषे	वाव्रजाञ्चक्राथे	वाव्रजाञ्चकृढ्वे	म०
	वाव्रजाञ्चक्रे	वाव्रजाञ्चकृवहे	वाव्रजाञ्चकृमहे	उ०
इसी प्रकार–		वाव्रजामास।	वाव्रजाम्बभूव।	
(लुट्)	वाव्रजिता	वाव्रजितारौ	वाव्रजितारः	प्र०
	वाव्रजितासे	वाव्रजितासाथे	वाव्रजिताध्वे	म०
	वाव्रजिताहे	वाव्रजितास्वहे	वाव्रजितास्महे	उ०
(लृट्)	वाव्रजिष्यते	वाव्रजिष्येते	वाव्रजिष्यन्ते	प्र०
	वाव्रजिष्यसे	वाव्रजिष्येथे	वाव्रजिष्यध्वे	म०
	वाव्रजिष्ये	वाव्रजिष्यावहे	वाव्रजिष्यामहे	उ०
(लोट्)	वाव्रज्यताम्	वाव्रज्येताम्	वाव्रज्यन्ताम्	प्र०
	वाव्रज्यस्व	वाव्रज्येथाम्	वाव्रज्यध्वम्	म०
	वाव्रज्यै	वाव्रज्यावहै	वाव्रज्यामहै	उ०
(लङ्)	अवाव्रज्यत	अवाव्रज्येताम्	अवाव्रज्यन्त	प्र०
	अवाव्रज्यथाः	अवाव्रज्येथाम्	अवाव्रज्यध्वम्	म०
	अवाव्रज्ये	अवाव्रज्यावहि	अवाव्रज्यामहि	उ०
(वि. लि.)	वाव्रज्येत	वाव्रज्येयाताम्	वाव्रज्येरन्	प्र०
	वाव्रज्येथाः	वाव्रज्येयाथाम्	वाव्रज्येध्वम्	म०
	वाव्रज्येय	वाव्रज्येवहि	वाव्रज्येमहि	उ०
(आ. लि.)	वाव्रजिषीष्ट	वाव्रजिषीयास्ताम्	वाव्रजिषीरन्	प्र०
	वाव्रजिषीष्ठाः	वाव्रजिषीयास्थाम्	वाव्रजिषीध्वम्	म०
	वाव्रजिषीय	वाव्रजिषीवहि	वाव्रजिषीमहि	उ०

(लुङ्)	अवाव्रजिष्ट	अवाव्रजिषाताम्	अवाव्रजिषत	प्र०
	अवाव्रजिष्ठाः	अवाव्रजिषाथाम्	अवाव्रजिध्वम्	म०
	अवाव्रजिषि	अवाव्रजिष्वहिं	अवाव्रजिष्महि	उ०
(लृङ्)	अवाव्रजिष्यत	अवाव्रजिष्येताम्	अवाव्रजिष्यन्त	प्र०
	अवाव्रजिष्यथाः	अवाव्रजिष्येथाम्	अवाव्रजिष्यध्वम्	म०
	अवाव्रजिष्ये	अवाव्रजिष्यावहि	अवाव्रजिष्यामहि	उ०

इति यङन्तप्रकरणम् ।

*

अथ यङ्लुगन्तप्रकरणम्

(१) भू = अधिक या बार - बार होना

(लट्)	बोभवीति, बोभोति	बोभूतः	बोभुवति	प्र०
	बोभवीषि, बोभोषि	बोभूथः	बोभूथ	म०
	बोभवीमि, बोभोमि	बोभूवः	बोभूमः	उ०
(लिट्)	बोभवाञ्चकार	बोभवाञ्चक्रतुः	बोभवाञ्चक्रुः	प्र०
	बोभवाञ्चकर्थ	बोभवाञ्चक्रथुः	बोभवाञ्चक्र	म०
	बोभवाञ्चकार, कर	बोभवाञ्चकृव	बोभवाञ्चकृम	उ०
इसी प्रकार–		बोभवामास।	बोभवाम्बभूव।	
(लुट्)	बोभविता	बोभवितारौ	बोभवितारः	प्र०
	बोभवितासि	बोभवितास्थः	बोभवितास्थ	म०
	बोभवितास्मि	बोभवितास्वः	बोभवितास्मः	उ०
(लृट्)	बोभविष्यति	बोभविष्यतः	बोभविष्यन्ति	प्र०
	बोभविष्यसि	बोभविष्यथः	बोभविष्यथ	म०
	बोभविष्यामि	बोभविष्यावः	बोभविष्यामः	उ०
(लोट्)	बोभवीतु, बोभोतु बोभूतात्,	बोभूताम्	बोभुवतु	प्र०
	बोभोहि, बोभूतात्,	बोभूतम्	बोभूत	म०
	बोभवानि	बोभवाव	बोभवाम	उ०
(लङ्)	अबोभवीत्, अबोभोत्	अबोभूताम्	अबोभवुः	प्र०
	अबोभवीः, अबोभोः	अबोभूतम्	अबोभूत	म०
	अबोभवम्	अबोभूव	अबोभूम	उ०

(वि. लि.)	बोभूयात्	बोभूयाताम्	बोभूयुः	प्र०
	बोभूयाः	बोभूयातम्	बोभूयात	म०
	बोभूयाम्	बोभूयाव	बोभूयाम	उ०
(आ. लि.)	बोभूयात्	बोभूयास्ताम्	बोभूयासुः	प्र०
	बोभूयाः	बोभूयास्तम्	बोभूयास्त	म०
	बोभूयासम्	बोभूयास्व	बोभूयास्म	उ०
(लुङ्)	अबोभूवीत्, अबोभोत्	अबोभूताम्	अबोभवुः	प्र०
	अबोभूवीः, अबोभोः	अबोभूतम्	अबोभूत	म०
	अबोभूवम्	अबोभूव	अबोभूम	उ०
(लृङ्)	अबोभविष्यत्	अबोभविष्यताम्	अबोभविष्यन्	प्र०
	अबोभविष्यः	अबोभविष्यतम्	अबोभविष्यत	म०
	अबोभविष्यम्	अबोभविष्याव	अबोभविष्याम	उ०

इति यङ्लुगन्तप्रकरणम्।

अथ नामधातुप्रकरणम्

(१) इदम् = इसके समान आचरण करता है (परस्मैपदी)

(लट्)	इदामति	इदामतः	इदामन्ति	प्र
	इदामसि	इदामथः	इदामथ	म
	इदामामि	इदामावः	इदामामः	उ
(लिट्)	इदामाञ्चकार	इदामाञ्चक्रतुः	इदामाञ्चक्रुः	प्र
	इदामाञ्चकर्थ	इदामाञ्चक्रथुः	इदामाञ्चक्र	म
	इदामाञ्चकार	इदामाञ्चकृव	इदामाञ्चकृम	उ
इसी प्रकार–		इदामास।	इदाम्बभूव।	
(लुट्)	इदामिता	इदामितारौ	इदामितारः	प्र
	इदामितासि	इदामितास्थः	इदामितास्थ	म
	इदामितास्मि	इदामितास्वः	इदामितास्मः	उ
(लृट्)	इदामिष्यति	इदामिष्यतः	इदामिष्यन्ति	प्र
	इदामिष्यसि	इदामिष्यथः	इदामिष्यथ	म
	इदामिष्यामि	इदामिष्यावः	इदामिष्यामः	उ
(लोट्)	इदामतु, तात्	इदामताम्	इदामन्तु	प्र
	इदाम, तात्	इदामतम्	इदामत	म
	इदामानि	इदामाव	इदामाम	उ
(लङ्)	ऐदामत्	ऐदामताम्	ऐदामन्	प्र
	ऐदामः	ऐदामतम्	ऐदामत	म
	ऐदामम्	ऐदामाव	ऐदामाम	उ

(वि. लि.)	इदामेत्	इदामेताम्	इदामेयुः	प्र०
	इदामेः	इदामेतम्	इदामेत	म०
	इदामेयम्	इदामेव	इदामेम	उ०
(आ. लि.)	इदाम्यात्	इदाम्यास्ताम्	इदाम्यासुः	प्र०
	इदाम्याः	इदाम्यास्तम्	इदाम्यास्त	म०
	इदाम्यासम्	इदाम्यास्व	इदाम्यास्म	उ०
(लुङ्)	ऐदामीत	ऐदामिष्टाम्	ऐदामिषुः	प्र०
	ऐदामीः	ऐदामिष्टम्	ऐदामिष्ट	म०
	ऐदामिषम्	ऐदामिष्व	ऐदामिष्म	उ०
(लृङ्)	ऐदामिष्यत्	ऐदामिष्यताम्	ऐदामिष्यन्	प्र०
	ऐदामिष्यः	ऐदामिष्यतम्	ऐदामिष्यत	म०
	ऐदामिष्यम्	ऐदामिष्याव	ऐदामिष्याम	उ०

(२) कृष्ण धातु = कृष्ण के समान आचरण करता है। (परस्मैपदी)

(लट्)	कृष्णति	कृष्णतः	कृष्णन्ति	प्र०
	कृष्णसि	कृष्णथः	कृष्णथ	म०
	कृष्णामि	कृष्णावः	कृष्णामः	उ०
(लिट्)	कृष्णाञ्चकार	कृष्णाञ्चक्रतुः	कृष्णाञ्चक्रुः	प्र०
	कृष्णाञ्चकर्थ	कृष्णाञ्चक्रथुः	कृष्णाञ्चक्र	म०
	कृष्णाञ्चकार	कृष्णाञ्चकृव	कृष्णाञ्चकृम	उ०

इसी प्रकार– कृष्णामास। कृष्णाम्बभूव।

(लुट्)	कृष्णिता	कृष्णितारौ	कृष्णितारः	प्र०
	कृष्णितासि	कृष्णितास्थः	कृष्णितास्थ	म०
	कृष्णितास्मि	कृष्णितास्वः	कृष्णितास्मः	उ०
(लृट्)	कृष्णिष्यति	कृष्णिष्यतः	कृष्णिष्यन्ति	प्र०
	कृष्णिष्यसि	कृष्णिष्यथः	कृष्णिष्यथ	म०
	कृष्णिष्यामि	कृष्णिष्यावः	कृष्णिष्यामः	उ०
(लोट्)	कृष्णतु, तात्	कृष्णताम्	कृष्णन्तु	प्र०
	कृष्ण, तात्	कृष्णतम्	कृष्णत	म०
	कृष्णानि	कृष्णाव	कृष्णाम	उ०
(लङ्)	अकृष्णत्	अकृष्णताम्	अकृष्णन्	प्र०
	अकृष्णः	अकृष्णतम्	अकृष्णत	म०
	अकृष्णम्	अकृष्णाव	अकृष्णाम	उ०
(वि. लि.)	कृष्णेत्	कृष्णेताम्	कृष्णेयुः	प्र०
	कृष्णेः	कृष्णेतम्	कृष्णेत	म०
	कृष्णेयम्	कृष्णेव	कृष्णेम	उ०
(आ. लि.)	कृष्ण्यात्	कृष्ण्यास्ताम्	कृष्ण्यासुः	प्र०
	कृष्ण्याः	कृष्ण्यास्तम्	कृष्ण्यास्त	म०
	कृष्ण्यासम्	कृष्ण्यास्व	कृष्ण्यास्म	उ०
(लुङ्)	अकृष्णीत्	अकृष्णिष्टाम्	अकृष्णिषुः	प्र०
	अकृष्णीः	अकृष्णिष्टम्	अकृष्णिष्ट	म०
	अकृष्णिषम्	अकृष्णिष्व	अकृष्णिष्म	उ०

(लृङ्)	अकृष्णिष्यत्	अकृष्णिष्यताम्	अकृष्णिष्यन्	प्र०
	अकृष्णिष्यः	अकृष्णिष्यतम्	अकृष्णिष्यत	म०
	अकृष्णिष्यम्	अकृष्णिष्याव	अकृष्णिष्याम	उ०

(३) गीर्य = वाणी की इच्छा करना (परस्मैपदी)

(लट्)	गीर्यति	गीर्यतः	गीर्यन्ति	प्र०
	गीर्यसि	गीर्यथः	गीर्यथ	म०
	गीर्यामि	गीर्यावः	गीर्यामः	उ०
(लिट्)	गीर्याञ्चकार	गीर्याञ्चक्रतुः	गीर्याञ्चक्रुः	प्र०
	गीर्याञ्चकर्थ	गीर्याञ्चक्रथुः	गीर्याञ्चक्र	म०
	गीर्याञ्चकार	गीर्याञ्चकृव	गीर्याञ्चकृम	उ०
इसी प्रकार–		गीर्यामास।	गीर्याम्बभूव।	
(लुट्)	गीरिता	गीरितारौ	गीरितारः	प्र०
	गीरितासि	गीरितास्थः	गीरितास्थ	म०
	गीरितास्मि	गीरितास्वः	गीरितास्मः	उ०
(लृट्)	गीरिष्यति	गीरिष्यतः	गीरिष्यन्ति	प्र०
	गीरिष्यसि	गीरिष्यथः	गीरिष्यथ	म०
	गीरिष्यामि	गीरिष्यावः	गीरिष्यामः	उ०
(लोट्)	गीर्यतु, तात्	गीर्यताम्	गीर्यन्तु	प्र०
	गीर्य, तात्	गीर्यतम्	गीर्यत	म०
	गीर्याणि	गीर्याव	गीर्याम	उ०
(लङ्)	अगीर्यत्	अगीर्यताम्	अगीर्यन्	प्र०
	अगीर्यः	अगीर्यतम्	अगीर्यत	म०
	अगीर्यम्	अगीर्याव	अगीर्याम	उ०

(वि. लि.)	गीर्येत्	गीर्येताम्	गीर्येयुः	प्र०
	गीर्येः	गीर्येतम्	गीर्येत	म०
	गीर्येयम्	गीर्येव	गीर्येम	उ०
(आ. लि.)	गीर्यात्	गीर्यास्ताम्	गीर्यासुः	प्र०
	गीर्याः	गीर्यास्तम्	गीर्यास्त	म०
	गीर्यासम्	गीर्यास्व	गीर्यास्म	उ०
(लुङ्)	अगीरीत्	अगीरिष्टाम्	अगीरिषुः	प्र०
	अगीरीः	अगीरिष्टम्	अगीरिष्ट	म०
	अगीरिषम्	अगीरिष्व	अगीरिष्म	उ०
(लृङ्)	अगीरिष्यत्	अगीरिष्यताम्	अगीरिष्यन्	प्र०
	अगीरिष्यः	अगीरिष्यतम्	अगीरिष्यत	म०
	अगीरिष्यम्	अगीरिष्याव	अगीरिष्याम	उ०

(४) घटि = घट को बना रहा है। (परस्मैपदी)

(लट्)	घटयति	घटयतः	घटयन्ति	प्र०
	घटयसि	घटयथः	घटयथ	म०
	घटयामि	घटयावः	घटयामः	उ०
(लिट्)	घटयाञ्चकार	घटयाञ्चक्रतुः	घटयाञ्चक्रुः	प्र०
	घटयाञ्चकर्थ	घटयाञ्चक्रथुः	घटयाञ्चक्र	म०
	घटयाञ्चकार	घटयाञ्चकृव	घटयाञ्चकृम	उ०
इसी प्रकार–		घटयामास।	घटयाम्बभूव।	
(लुट्)	घटयिता	घटयितारौ	घटयितारः	प्र०
	घटयितासि	घटयितास्थः	घटयितास्थ	म०
	घटयितास्मि	घटयितास्वः	घटयितास्मः	उ०

(लृट्)	घटयिष्यति	घटयिष्यतः	घटयिष्यन्ति	प्र०
	घटयिष्यसि	घटयिष्यथः	घटयिष्यथ	म०
	घटयिष्यामि	घटयिष्यावः	घटयिष्यामः	उ०
(लोट्)	घटयतु, तात्	घटयताम्	घटयन्तु	प्र०
	घटय, तात्	घटयतम्	घटयत	म०
	घटयानि	घटयाव	घटयाम	उ०
(लङ्)	अघटयत्	अघटयताम्	अघटयन्	प्र०
	अघटयः	अघटयतम्	अघटयत	म०
	अघटयम्	अघटयाव	अघटयाम	उ०
(वि.लि.)	घटयेत्	घटयेताम्	घटयेयुः	प्र०
	घटयेः	घटयेतम्	घटयेत	म०
	घटयेयम्	घटयेव	घटयेम	उ०
(आ.लि.)	घट्यात्	घट्यास्ताम्	घट्यासुः	प्र०
	घट्याः	घट्यास्तम्	घट्यास्त	म०
	घट्यासम्	घट्यास्व	घट्यास्म	उ०
(लुङ्)	अजघटत्	अजघटताम्	अजघटन्	प्र०
	अजघटः	अजघटतम्	अजघटत	म०
	अजघटम्	अजघटाव	अजघटाम	उ०
(लृङ्)	अघटयिष्यत्	अघटयिष्यताम्	अघटयिष्यन्	प्र०
	अघटयिष्यः	अघटयिष्यतम्	अघटयिष्यत	म०
	अघटयिष्यम्	अघटयिष्याव	अघटयिष्याम	उ०

(५) दिव्य = स्वर्ग की इच्छा करनेवाला (परस्मैपदी)

(लट्)	दिव्यति	दिव्यतः	दिव्यन्ति	प्र०
	दिव्यसि	दिव्यथः	दिव्यथ	म०
	दिव्यामि	दिव्यावः	दिव्यामः	उ०
(लिट्)	दिव्याञ्चकार	दिव्याञ्चक्रतुः	दिव्याञ्चक्रुः	प्र०
	दिव्याञ्चकर्थ	दिव्याञ्चक्रथुः	दिव्याञ्चक्र	म०
	दिव्याञ्चकार	दिव्याञ्चकृव	दिव्याञ्चकृम	उ०
इसी प्रकार–		दिव्यामास।	दिव्याम्बभूव।	
(लुट्)	दिविता	दिवितारौ	दिवितारः	प्र०
	दिवितासि	दिवितास्थः	दिवितास्थ	म०
	दिवितास्मि	दिवितास्वः	दिवितास्मः	उ०
		अथवा		
	दिव्यिता,	दिव्यितारौ	दिव्यितारः	इ०
(लृट्)	दिविष्यति	दिविष्यतः	दिविष्यन्ति	प्र०
	दिविष्यसि	दिविष्यथः	दिविष्यथ	म०
	दिविष्यामि	दिविष्यावः	दिविष्यामः	उ०
		अथवा		
	दिव्यिष्यति,	दिव्यिष्यतः	दिव्यिष्यन्ति	इ०
(लोट्)	दिव्यतु, तात्	दिव्यताम्	दिव्यन्तु	प्र०
	दिव्य, तात्	दिव्यतम्	दिव्यत	म०
	दिव्यानि	दिव्याव	दिव्याम	उ०

(लङ्)	अदिव्यत्	अदिव्यताम्	अदिव्यन्	प्र०
	अदिव्यः	अदिव्यतम्	अदिव्यत	म०
	अदिव्यम्	अदिव्याव	अदिव्याम	उ०
(वि. लि.)	दिव्येत्	दिव्येताम्	दिव्येयुः	प्र०
	दिव्येः	दिव्येतम्	दिव्येत	म०
	दिव्येयम्	दिव्येव	दिव्येम	उ०
(आ. लि.)	दिव्यात्	दिव्यास्ताम्	दिव्यासुः	प्र०
	दिव्याः	दिव्यास्तम्	दिव्यास्त	म०
	दिव्यासम्	दिव्यास्व	दिव्यास्म	उ०
(लुङ्)	अदिवीत्	अदिविष्टाम्	अदिविषुः	प्र०
	अदिवीः	अदिविष्टम्	अदिविष्ट	म०
	अदिविषम्	अदिविष्व	अदिविष्म	उ०

अथवा

अदिव्यीत्, अदिव्यिष्टाम्, अदिव्यिषुः इ०

(लृङ्)	अदिविष्यत्	अदिविष्यताम्	अदिविष्यन्	प्र०
	अदिविष्यः	अदिविष्यतम्	अदिविष्यत	म०
	अदिविष्यम्	अदिविष्याव	अदिविष्याम	उ०

अथवा

अदिव्यिष्यत्, अदिव्यिष्यताम् इत्यादि

(६) पुत्रकाम्य = पुत्र की इच्छा करता है (परस्मैपदी)

(लट्)	पुत्रकाम्यति	पुत्रकाम्यतः	पुत्रकाम्यन्ति	प्र०
	पुत्रकाम्यसि	पुत्रकाम्यथः	पुत्रकाम्यथ	म०
	पुत्रकाम्यामि	पुत्रकाम्यावः	पुत्रकाम्यामः	उ०

(लिट्)	पुत्रकाम्याञ्चकार	पुत्रकाम्याञ्चक्रतुः	पुत्रकाम्याञ्चक्रुः	प्र०
	पुत्रकाम्याञ्चकर्थ	पुत्रकाम्याञ्चक्रथुः	पुत्रकाम्याञ्चक्र	म०
	पुत्रकाम्याञ्चकार	पुत्रकाम्याञ्चकृव	पुत्रकाम्याञ्चकृम	उ०

इसी प्रकार– पुत्रकाम्यामास। पुत्रकाम्याम्बभूव।

(लुट्)	पुत्रकाम्यिता	पुत्रकाम्यितारौ	पुत्रकाम्यितारः	प्र०
	पुत्रकाम्यितासि	पुत्रकाम्यितास्थः	पुत्रकाम्यितास्थ	म०
	पुत्रकाम्यितास्मि	पुत्रकाम्यितास्वः	पुत्रकाम्यितास्मः	उ०
(लृट्)	पुत्रकाम्यिष्यति	पुत्रकाम्यिष्यतः	पुत्रकाम्यिष्यन्ति	प्र०
	पुत्रकाम्यिष्यसि	पुत्रकाम्यिष्यथः	पुत्रकाम्यिष्यथ	म०
	पुत्रकाम्यिष्यामि	पुत्रकाम्यिष्यावः	पुत्रकाम्यिष्यामः	उ०
(लोट्)	पुत्रकाम्यतु, तात्	पुत्रकाम्यताम्	पुत्रकाम्यन्तु	प्र०
	पुत्रकाम्य, तात्	पुत्रकाम्यतम्	पुत्रकाम्यत	म०
	पुत्रकाम्यानि	पुत्रकाम्याव	पुत्रकाम्याम	उ०
(लङ्)	अपुत्रकाम्यत्	अपुत्रकाम्यताम्	अपुत्रकाम्यन्	प्र०
	अपुत्रकाम्यः	अपुत्रकाम्यतम्	अपुत्रकाम्यत	म०
	अपुत्रकाम्यम्	अपुत्रकाम्याव	अपुत्रकाम्याम	उ०
(वि. लि.)	पुत्रकाम्येत्	पुत्रकाम्येताम्	पुत्रकाम्येयुः	प्र०
	पुत्रकाम्येः	पुत्रकाम्येतम्	पुत्रकाम्येत	म०
	पुत्रकाम्येयम्	पुत्रकाम्येव	पुत्रकाम्येम	उ०
(आ. लि.)	पुत्रकाम्यात्	पुत्रकाम्यास्ताम्	पुत्रकाम्यासुः	प्र०
	पुत्रकाम्याः	पुत्रकाम्यास्तम्	पुत्रकाम्यास्त	म०
	पुत्रकाम्यासम्	पुत्रकाम्यास्व	पुत्रकाम्यास्म	उ०

(लुङ्)	अपुत्रकाम्यीत्	अपुत्रकाम्यिष्टाम्	अपुत्रकाम्यिषुः	प्र०
	अपुत्रकाम्यीः	अपुत्रकाम्यिष्टम्	अपुत्रकाम्यिष्ट	म०
	अपुत्रकाम्यिषम्	अपुत्रकाम्यिष्व	अपुत्रकाम्यिष्म	उ०
(लृङ्)	अपुत्रकाम्यिष्यत्	अपुत्रकाम्यिष्यताम्	अपुत्रकाम्यिष्यन्	प्र०
	अपुत्रकाम्यिष्यः	अपुत्रकाम्यिष्यतम्	अपुत्रकाम्यिष्यत	म०
	अपुत्रकाम्यिष्यम्	अपुत्रकाम्यिष्याव	अपुत्रकाम्यिष्याम	उ०

(७) पुत्रीय = पुत्र के समान मानता है (परस्मैपदी)

(लट्)	पुत्रीयति	पुत्रीयतः	पुत्रीयन्ति	प्र०
	पुत्रीयसि	पुत्रीयथः	पुत्रीयथ	म०
	पुत्रीयामि	पुत्रीयावः	पुत्रीयामः	उ०
(लिट्)	पुत्रीयाञ्चकार	पुत्रीयाञ्चक्रतुः	पुत्रीयाञ्चक्रुः	प्र०
	पुत्रीयाञ्चकर्थ	पुत्रीयाञ्चक्रथुः	पुत्रीयाञ्चक्र	म०
	पुत्रीयाञ्चकार	पुत्रीयाञ्चकृव	पुत्रीयाञ्चकृम	उ०
इसी प्रकार–		पुत्रीयामास।	पुत्रीयाम्बभूव।	
(लुट्)	पुत्रीयिता	पुत्रीयितारौ	पुत्रीयितारः	प्र०
	पुत्रीयितासि	पुत्रीयितास्थः	पुत्रीयितास्थ	म०
	पुत्रीयितास्मि	पुत्रीयितास्वः	पुत्रीयितास्मः	उ०
(लृट्)	पुत्रीयिष्यति	पुत्रीयिष्यतः	पुत्रीयिष्यन्ति	प्र०
	पुत्रीयिष्यसि	पुत्रीयिष्यथः	पुत्रीयिष्यथ	म०
	पुत्रीयिष्यामि	पुत्रीयिष्यावः	पुत्रीयिष्यामः	उ०
(लोट्)	पुत्रीयतु, तात्	पुत्रीयताम्	पुत्रीयन्तु	प्र०
	पुत्रीय, तात्	पुत्रीयतम्	पुत्रीयत	म०
	पुत्रीयानि	पुत्रीयाव	पुत्रीयाम	उ०

(लङ्)	अपुत्रीयत्	अपुत्रीयताम्	अपुत्रीयन्	प्र०
	अपुत्रीयः	अपुत्रीयतम्	अपुत्रीयत	म०
	अपुत्रीयम्	अपुत्रीयाव	अपुत्रीयाम	उ०
(वि.लि.)	पुत्रीयेत्	पुत्रीयेताम्	पुत्रीयेयुः	प्र०
	पुत्रीयेः	पुत्रीयेतम्	पुत्रीयेत	म०
	पुत्रीयेयम्	पुत्रीयेव	पुत्रीयेम	उ०
(आ.लि.)	पुत्रीय्यात्	पुत्रीय्यास्ताम्	पुत्रीय्यासुः	प्र०
	पुत्रीय्याः	पुत्रीय्यास्तम्	पुत्रीय्यास्त	म०
	पुत्रीय्यासम्	पुत्रीय्यास्व	पुत्रीय्यास्म	उ०
(लुङ्)	अपुत्रीयीत्	अपुत्रीयिष्टाम्	अपुत्रीयिषुः	प्र०
	अपुत्रीयीः	अपुत्रीयिष्टम्	अपुत्रीयिष्ट	म०
	अपुत्रीयिषम्	अपुत्रीयिष्व	अपुत्रीयिष्म	उ०
(लृङ्)	अपुत्रीयिष्यत्	अपुत्रीयिष्यताम्	अपुत्रीयिष्यन्	प्र०
	अपुत्रीयिष्यः	अपुत्रीयिष्यतम्	अपुत्रीयिष्यत	म०
	अपुत्रीयिष्यम्	अपुत्रीयिष्याव	अपुत्रीयिष्याम	उ०

(८) पुत्रीय = पुत्र की इच्छा करता है। (परस्मैपदी)

(लट्)	पुत्रीयति	पुत्रीयतः	पुत्रीयन्ति	प्र०
	पुत्रीयसि	पुत्रीयथः	पुत्रीयथ	म०
	पुत्रीयामि	पुत्रीयावः	पुत्रीयामः	उ०
(लिट्)	पुत्रीयाञ्चकार	पुत्रीयाञ्चक्रतुः	पुत्रीयाञ्चक्रुः	प्र०
	पुत्रीयाञ्चकर्थ	पुत्रीयाञ्चक्रथुः	पुत्रीयाञ्चक्र	म०
	पुत्रीयाञ्चकार	पुत्रीयाञ्चकृव	पुत्रीयाञ्चकृम	उ०
इसी प्रकार–		पुत्रीयामास।	पुत्रीयाम्बभूव।	

(लुट्)	पुत्रीयिता	पुत्रीयितारौ	पुत्रीयितारः	प्र०
	पुत्रीयितासि	पुत्रीयितास्थः	पुत्रीयितास्थ	म०
	पुत्रीयितास्मि	पुत्रीयितास्वः	पुत्रीयितास्मः	उ०
(लृट्)	पुत्रीयिष्यति	पुत्रीयिष्यतः	पुत्रीयिष्यन्ति	प्र०
	पुत्रीयिष्यसि	पुत्रीयिष्यथः	पुत्रीयिष्यथ	म०
	पुत्रीयिष्यामि	पुत्रीयिष्यावः	पुत्रीयिष्यामः	उ०
(लोट्)	पुत्रीयतु, तात्	पुत्रीयताम्	पुत्रीयन्तु	प्र०
	पुत्रीय, तात्	पुत्रीयतम्	पुत्रीयत	म०
	पुत्रीयानि	पुत्रीयाव	पुत्रीयाम	उ०
(लङ्)	अपुत्रीयत्	अपुत्रीयताम्	अपुत्रीयन्	प्र०
	अपुत्रीयः	अपुत्रीयतम्	अपुत्रीयत	म०
	अपुत्रीयम्	अपुत्रीयाव	अपुत्रीयाम	उ०
(वि. लि.)	पुत्रीयेत्	पुत्रीयेताम्	पुत्रीयेयुः	प्र०
	पुत्रीयेः	पुत्रीयेतम्	पुत्रीयेत	म०
	पुत्रीयेयम्	पुत्रीयेव	पुत्रीयेम	उ०
(आ. लि.)	पुत्रीय्यात्	पुत्रीय्यास्ताम्	पुत्रीय्यासुः	प्र०
	पुत्रीय्याः	पुत्रीय्यास्तम्	पुत्रीय्यास्त	म०
	पुत्रीय्यासम्	पुत्रीय्यास्व	पुत्रीय्यास्म	उ०
(लुङ्)	अपुत्रीयीत्	अपुत्रीयिष्टाम्	अपुत्रीयिषुः	प्र०
	अपुत्रीयीः	अपुत्रीयिष्टम्	अपुत्रीयिष्ट	म०
	अपुत्रीयिषम्	अपुत्रीयिष्व	अपुत्रीयिष्म	उ०

(लृङ्)	अपुत्रीयिष्यत्	अपुत्रीयिष्यताम्	अपुत्रीयिष्यन्	प्र०
	अपुत्रीयिष्यः	अपुत्रीयिष्यतम्	अपुत्रीयिष्यत	म०
	अपुत्रीयिष्यम्	अपुत्रीयिष्याव	अपुत्रीयिष्याम	उ०

(९) पूर्य = पुर की इच्छा करता है (परस्मैपदी)

(लट्)	पूर्यति	पूर्यतः	पूर्यन्ति	प्र०
	पूर्यसि	पूर्यथः	पूर्यथ	म०
	पूर्यामि	पूर्यावः	पूर्यामः	उ०
(लिट्)	पूर्याञ्चकार	पूर्याञ्चक्रतुः	पूर्याञ्चक्रुः	प्र०
	पूर्याञ्चकर्थ	पूर्याञ्चक्रथुः	पूर्याञ्चक्र	म०
	पूर्याञ्चकार	पूर्याञ्चकृव	पूर्याञ्चकृम	उ०
इसी प्रकार–		पूर्यामास।	पूर्याम्बभूव।	
(लुट्)	पूरिता	पूरितारौ	पूरितारः	प्र०
	पूरितासि	पूरितास्थः	पूरितास्थ	म०
	पूरितास्मि	पूरितास्वः	पूरितास्मः	उ०
(लृट्)	पूरिष्यति	पूरिष्यतः	पूरिष्यन्ति	प्र०
	पूरिष्यसि	पूरिष्यथः	पूरिष्यथ	म०
	पूरिष्यामि	पूरिष्यावः	पूरिष्यामः	उ०
(लोट्)	पूर्यतु, तात्	पूर्यताम्	पूर्यन्तु	प्र०
	पूर्य, तात्	पूर्यतम्	पूर्यत	म०
	पूर्याणि	पूर्याव	पूर्याम	उ०
(लङ्)	अपूर्यत्	अपूर्यताम्	अपूर्यन्	प्र०
	अपूर्यः	अपूर्यतम्	अपूर्यत	म०
	अपूर्यम्	अपूर्याव	अपूर्याम	उ०

(वि. लि.)	पूर्येत्	पूर्येताम्	पूर्येयुः	प्र०
	पूर्येः	पूर्येतम्	पूर्येत	म०
	पूर्येयम्	पूर्येव	पूर्येम	उ०
(आ. लि.)	पूर्यात्	पूर्यास्ताम्	पूर्यासुः	प्र०
	पूर्याः	पूर्यास्तम्	पूर्यास्त	म०
	पूर्यासम्	पूर्यास्व	पूर्यास्म	उ०
(लुङ्)	अपूरीत्	अपूरिष्टाम्	अपूरिषुः	प्र०
	अपूरीः	अपूरिष्टम्	अपूरिष्ट	म०
	अपूरिषम्	अपूरिष्व	अपूरिष्म	उ०
(लृङ्)	अपूरिष्यत्	अपूरिष्यताम्	अपूरिष्यन्	प्र०
	अपूरिष्यः	अपूरिष्यतम्	अपूरिष्यत	म०
	अपूरिष्यम्	अपूरिष्याव	अपूरिष्याम	उ०

(१०) राजन् = राजा के समान मानता है (परस्मैपदी)

(लट्)	राजानति	राजानतः	राजानन्ति	प्र०
	राजानसि	राजानथः	राजानथ	म०
	राजानामि	राजानावः	राजानामः	उ०
(लिट्)	राजानाञ्चकार	राजानाञ्चक्रतुः	राजानाञ्चक्रुः	प्र०
	राजानाञ्चकर्थ	राजानाञ्चक्रथुः	राजानाञ्चक्र	म०
	राजानाञ्चकार	राजानाञ्चकृव	राजानाञ्चकृम	उ०
इसी प्रकार–		राजानामास।	राजानाम्बभूव।	
(लुट्)	राजानिता	राजानितारौ	राजानितारः	प्र०
	राजानितासि	राजानितास्थः	राजानितास्थ	म०
	राजानितास्मि	राजानितास्वः	राजानितास्मः	उ०

(लृट्)	राजानिष्यति	राजानिष्यतः	राजानिष्यन्ति	प्र०
	राजानिष्यसि	राजानिष्यथः	राजानिष्यथ	म०
	राजानिष्यामि	राजानिष्यावः	राजानिष्यामः	उ०
(लोट्)	राजानतु, तात्	राजानताम्	राजानन्तु	प्र०
	राजान, तात्	राजानतम्	राजानत	म०
	राजानानि	राजानाव	राजानाम	उ०
(लङ्)	अराजानत्	अराजानताम्	अराजानन्	प्र०
	अराजानः	अराजानतम्	अराजानत	म०
	अराजानम्	अराजानाव	अराजानाम	उ०
(वि. लि.)	राजानेत्	राजानेताम्	राजानेयुः	प्र०
	राजानेः	राजानेतम्	राजानेत	म०
	राजानेयम्	राजानेव	राजानेम	उ०
(आ. लि.)	राजान्यात्	राजान्यास्ताम्	राजान्यासुः	प्र०
	राजान्याः	राजान्यास्तम्	राजान्यास्त	म०
	राजान्यासम्	राजान्यास्व	राजान्यास्म	उ०
(लुङ्)	अराजानीत्	अराजानिष्टाम्	अराजानिषुः	प्र०
	अराजानीः	अराजानिष्टम्	अराजानिष्ट	म०
	अराजानिषम्	अराजानिष्व	अराजानिष्म	उ०
(लृङ्)	अराजानिष्यत्	अराजानिष्यताम्	अराजानिष्यन्	प्र०
	अराजानिष्यः	अराजानिष्यतम्	अराजानिष्यत	म०
	अराजानिष्यम्	अराजानिष्याव	अराजानिष्याम	उ०

(११) राजीय = राजा होने की इच्छा करता है (परस्मैपदी)

(लट्)	राजीयति	राजीयतः	राजीयन्ति	प्र०
	राजीयसि	राजीयथः	राजीयथ	म०
	राजीयामि	राजीयावः	राजीयामः	उ०
(लिट्)	राजीयाञ्चकार	राजीयाञ्चक्रतुः	राजीयाञ्चक्रुः	प्र०
	राजीयाञ्चकर्थ	राजीयाञ्चक्रथुः	राजीयाञ्चक्र	म०
	राजीयाञ्चकार	राजीयाञ्चकृव	राजीयाञ्चकृम	उ०
इसी प्रकार–		राजीयामास।	राजीयाम्बभूव।	
(लुट्)	राजीयिता	राजीयितारौ	राजीयितारः	प्र०
	राजीयितासि	राजीयितास्थः	राजीयितास्थ	म०
	राजीयितास्मि	राजीयितास्वः	राजीयितास्मः	उ०
(लृट्)	राजीयिष्यति	राजीयिष्यतः	राजीयिष्यन्ति	प्र०
	राजीयिष्यसि	राजीयिष्यथः	राजीयिष्यथ	म०
	राजीयिष्यामि	राजीयिष्यावः	राजीयिष्यामः	उ०
(लोट्)	राजीयतु, तात्	राजीयताम्	राजीयन्तु	प्र०
	राजीय, तात्	राजीयतम्	राजीयत	म०
	राजीयानि	राजीयाव	राजीयाम	उ०
(लङ्)	अराजीयत्	अराजीयताम्	अराजीयन्	प्र०
	अराजीयः	अराजीयतम्	अराजीयत	म०
	अराजीयम्	अराजीयाव	अराजीयाम	उ०
(वि. लि.)	राजीयेत्	राजीयेताम्	राजीयेयुः	प्र०
	राजीयेः	राजीयेतम्	राजीयेत	म०
	राजीयेयम्	राजीयेव	राजीयेम	उ०

(आ. लि.)	राजीय्यात्	राजीय्यास्ताम्	राजीय्यासुः	प्र०
	राजीय्याः	राजीय्यास्तम्	राजीय्यास्त	म०
	राजीय्यासम्	राजीय्यास्व	राजीय्यास्म	उ०
(लुङ्)	अराजीयीत्	अराजीयिष्टाम्	अराजीयिषुः	प्र०
	अराजीयीः	अराजीयिष्टम्	अराजीयिष्ट	म०
	अराजीयिषम्	अराजीयिष्व	अराजीयिष्म	उ०
(लृङ्)	अराजीयिष्यत्	अराजीयिष्यताम्	अराजीयिष्यन्	प्र०
	अराजीयिष्यः	अराजीयिष्यतम	अराजीयिष्यत	म०
	अराजीयिष्यम्	अराजीयिष्याव	अराजीयिष्याम	उ०

(१२) विष्णूय = विष्णु के समान मानता है (परस्मैपदी)

(लट्)	विष्णूयति	विष्णूयतः	विष्णूयन्ति	प्र०
	विष्णूयसि	विष्णूयथः	विष्णूयथ	म०
	विष्णूयामि	विष्णूयावः	विष्णूयामः	उ०
(लिट्)	विष्णूयाञ्चकार	विष्णूयाञ्चक्रतुः	विष्णूयाञ्चक्रुः	प्र०
	विष्णूयाञ्चकर्थ	विष्णूयाञ्चक्रथुः	विष्णूयाञ्चक्र	म०
	विष्णूयाञ्चकार	विष्णूयाञ्चकृव	विष्णूयाञ्चकृम	उ०
इसी प्रकार–		विष्णूयामास।	विष्णूयाम्बभूव।	
(लुट्)	विष्णूयिता	विष्णूयितारौ	विष्णूयितारः	प्र०
	विष्णूयितासि	विष्णूयितास्थः	विष्णूयितास्थ	म०
	विष्णूयितास्मि	विष्णूयितास्वः	विष्णूयितास्मः	उ०

(लृट्)	विष्णूयिष्यति	विष्णूयिष्यतः	विष्णूयिष्यन्ति	प्र०
	विष्णूयिष्यसि	विष्णूयिष्यथः	विष्णूयिष्यथ	म०
	विष्णूयिष्यामि	विष्णूयिष्यावः	विष्णूयिष्यामः	उ०
(लोट्)	विष्णूयतु, तात्	विष्णूयताम्	विष्णूयन्तु	प्र०
	विष्णूय, तात्	विष्णूयतम्	विष्णूयत	म०
	विष्णूयानि	विष्णूयाव	विष्णूयाम	उ०
(लङ्)	अविष्णूयत्	अविष्णूयताम्	अविष्णूयन्	प्र०
	अविष्णूयः	अविष्णूयतम्	अविष्णूयत	म०
	अविष्णूयम्	अविष्णूयाव	अविष्णूयाम	उ०
(वि. लि.)	विष्णूयेत्	विष्णूयेताम्	विष्णूयेयुः	प्र०
	विष्णूयेः	विष्णूयेतम्	विष्णूयेत	म०
	विष्णूयेयम्	विष्णूयेव	विष्णूयेम	उ०
(आ. लि.)	विष्णूय्यात्	विष्णूय्यास्ताम्	विष्णूय्यासुः	प्र०
	विष्णूय्याः	विष्णूय्यास्तम्	विष्णूय्यास्त	म०
	विष्णूय्यासम्	विष्णूय्यास्व	विष्णूय्यास्म	उ०
(लुङ्)	अविष्णूयीत्	अविष्णूयिष्टाम्	अविष्णूयिषुः	प्र०
	अविष्णूयीः	अविष्णूयिष्टम्	अविष्णूयिष्ट	म०
	अविष्णूयिषम्	अविष्णूयिष्व	अविष्णूयिष्म	उ०
(लृङ्)	अविष्णूयिष्यत्	अविष्णूयिष्यताम्	अविष्णूयिष्यन्	प्र०
	अविष्णूयिष्यः	अविष्णूयिष्यतम्	अविष्णूयिष्यत	म०
	अविष्णूयिष्यम्	अविष्णूयिष्याव	अविष्णूयिष्याम	उ०

(१३) शब्दाय = शब्द करता है (आत्मनेपदी)

(लट्)	शब्दायते	शब्दायेते	शब्दायन्ते	प्र०
	शब्दायसे	शब्दायेथे	शब्दायध्वे	म०
	शब्दाये	शब्दायावहे	शब्दायामहे	उ०
(लिट्)	शब्दायाञ्चक्रे	शब्दायाञ्चक्राते	शब्दायाञ्चक्रिरे	प्र०
	शब्दायाञ्चकृषे	शब्दायाञ्चक्राथे	शब्दायाञ्चकृढ्वे	म०
	शब्दायाञ्चक्रे	शब्दायाञ्चकृवहे	शब्दायाञ्चकृमहे	उ०
इसी प्रकार–		शब्दायामास।	शब्दायाम्बभूव।	
(लुट्)	शब्दायिता	शब्दायितारौ	शब्दायितारः	प्र०
	शब्दायितासे	शब्दायितासाथे	शब्दायिताध्वे	म०
	शब्दायिताहे	शब्दायितास्वहे	शब्दायितास्महे	उ०
(लृट्)	शब्दायिष्यते	शब्दायिष्येते	शब्दायिष्यन्ते	प्र०
	शब्दायिष्यसे	शब्दायिष्येथे	शब्दायिष्यध्वे	म०
	शब्दायिष्ये	शब्दायिष्यावहे	शब्दायिष्यामहे	उ०
(लोट्)	शब्दायताम्	शब्दायेताम्	शब्दायन्ताम्	प्र०
	शब्दायस्व	शब्दायेथाम्	शब्दायध्वम्	म०
	शब्दायै	शब्दायावहै	शब्दायामहै	उ०
(लङ्)	अशब्दायत	अशब्दायेताम्	अशब्दायन्त	प्र०
	अशब्दायथाः	अशब्दायेथाम्	अशब्दायध्वम्	म०
	अशब्दाये	अशब्दायावहि	अशब्दायामहि	उ०
(वि. लि.)	शब्दायेय	शब्दायेयाताम्	शब्दायेरन्	प्र०
	शब्दायेथाः	शब्दायेयाथाम्	शब्दायेध्वम्	म०
	शब्दायेय	शब्दायेवहि	शब्दायेमहि	उ०

(आ. लि.)	शब्दायिषीष्ट	शब्दायिषीयास्ताम्	शब्दायिषीरन्	प्र०
	शब्दायिषीष्ठाः	शब्दायिषीयास्थाम्	शब्दायिषीध्वम्	म०
	शब्दायिषीय	शब्दायिषीवहि	शब्दायिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अशब्दायिष्ट	अशब्दायिषाताम्	अशब्दायिषत	प्र०
	अशब्दायिष्ठाः	अशब्दायिषाथाम्	अशब्दायिढ्वम्	म०
	अशब्दायिषि	अशब्दायिष्वहि	अशब्दायिष्महि	उ०
(लृङ्)	अशब्दायिष्यत	अशब्दायिष्येताम्	अशब्दायिष्यन्त	प्र०
	अशब्दायिष्यथाः	अशब्दायिष्येथाम्	अशब्दायिष्यध्वम्	म०
	अशब्दायिष्ये	अशब्दायिष्यावहि	अशब्दायिष्यामहि	उ०

(१४) समिध्य = हवनयोग्य इन्धन की इच्छा करता है

(परस्मैपदी)

(लट्)	समिध्यति	समिध्यतः	समिध्यन्ति	प्र०
	समिध्यसि	समिध्यथः	समिध्यथ	म०
	समिध्यामि	समिध्यावः	समिध्यामः	उ०
(लिट्)	समिध्याञ्चकार	समिध्याञ्चक्रथुः	समिध्याञ्चक्रुः	प्र०
	समिध्याञ्चकर्थ	समिध्याञ्चक्रथुः	समिध्याञ्चक्र	म०
	समिध्याञ्चकार	समिध्याञ्चकृव	समिध्याञ्चकृम	उ०
इसी प्रकार–		समिध्यामास।	समिध्याम्बभूव।	
(लुट्)	समिधिता	समिधितारौ	समिधितारः	प्र०
	समिधितासि	समिधितास्थः	समिधितास्थ	म०
	समिधितास्मि	समिधितास्वः	समिधितास्मः	उ०

अथवा

	समिध्यिता	समिध्यितारौ	समिध्यितारः।	इ०
(लृट्)	समिधिष्यति	समिधिष्यतः	समिधिष्यन्ति	प्र०
	समिधिष्यसि	समिधिष्यथः	समिधिष्यथ	म०
	समिधिष्यामि	समिधिष्यावः	समिधिष्यामः	उ०

अथवा

	समिध्यिष्यति	समिध्यिष्यतः	समिध्यिष्यन्ति	इ०
(लोट्)	समिध्यतु, तात्	समिध्यताम्	समिध्यन्तु	प्र०
	समिध्य, तात्	समिध्यतम्	समिध्यत	म०
	समिध्यानि	समिध्याव	समिध्याम	उ०
(लङ्)	असमिध्यत्	असमिध्यताम्	असमिध्यन्	प्र०
	असमिध्यः	असमिध्यतम्	असमिध्यत	म०
	असमिध्यम्	असमिध्याव	असमिध्याम	उ०
(वि. लि.)	समिध्येत्	समिध्येताम्	समिध्येयुः	प्र०
	समिध्येः	समिध्येतम्	समिध्येत	म०
	समिध्येयम्	समिध्येव	समिध्येम	उ०
(आ. लि.)	समिध्यात्	समिध्यास्ताम्	समिध्यासुः	प्र०
	समिध्याः	समिध्यास्तम्	समिध्यास्त	म०
	समिध्यासम्	समिध्यास्व	समिध्यास्म	उ०
(लुङ्)	असमिधीत्	असमिधिष्टाम्	असमिधिषुः	प्र०
	असमिधीः	असमिधिष्टम्	असमिधिष्ट	म०
	असमिधिषम्	असमिधिष्व	असमिधिष्म	उ०

अथवा

असमिध्यीत्, असमिध्यिष्टाम्, असमिध्यिषुः। इ०

(लृङ्)	असमिधिष्यत्	असमिधिष्यताम्	असमिधिष्यन्	प्र०
	असमिधिष्यः	असमिधिष्यतम्	असमिधिष्यत	म०
	असमिधिष्यम्	असमिधिष्याव	असमिधिष्याम	उ०

अथवा

असमिध्यिष्यत्, असमिध्यिष्यताम्, असमिध्यिष्यन्

(१५) स्व = अपने समान आचरण करता है (परस्मैपदी)

(लट्)	स्वति	स्वतः	स्वन्ति	प्र०
	स्वसि	स्वथः	स्वथ	म०
	स्वामि	स्वावः	स्वामः	उ०
(लिट्)	सस्वौ	सस्वतुः	सस्वुः	प्र०
	सस्विथ	सस्वथुः	सस्व	म०
	सस्वौ	सस्विव	सस्विम	उ०
(लुट्)	स्विता	स्वितारौ	स्वितारः	प्र०
	स्वितासि	स्वितास्थः	स्वितास्थ	म०
	स्वितास्मि	स्वितास्वः	स्वितास्मः	उ०
(लृट्)	स्विष्यति	स्विष्यतः	स्विष्यन्ति	प्र०
	स्विष्यसि	स्विष्यथः	स्विष्यथ	म०
	स्विष्यामि	स्विष्यावः	स्विष्यामः	उ०
(लोट्)	स्वतु, तात्	स्वताम्	स्वन्तु	प्र०
	स्व, तात्	स्वतम्	स्वत	म०
	स्वानि	स्वाव	स्वाम	उ०

(लङ्)	अस्वत्	अस्वताम्	अस्वन्	प्र०
	अस्वः	अस्वतम्	अस्वत	म०
	अस्वम्	अस्वाव	अस्वाम	उ०
(वि. लि.)	स्वेत्	स्वेताम्	स्वेयुः	प्र०
	स्वेः	स्वेतम्	स्वेत	म०
	स्वेयम्	स्वेव	स्वेम	उ०
(आ. लि.)	स्व्यात्	स्व्यास्ताम्	स्व्यासुः	प्र०
	स्व्याः	स्व्यास्तम्	स्व्यास्त	म०
	स्व्यासम्	स्व्यास्व	स्व्यास्म	उ०
(लुङ्)	अस्वीत्	अस्विष्टाम्	अस्विषुः	प्र०
	अस्वीः	अस्विष्टम्	अस्विष्ट	म०
	अस्विषम्	अस्विष्व	अस्विष्म	उ०
(लृङ्)	अस्विष्यत्	अस्विष्यताम्	अस्विष्यन्	प्र०
	अस्विष्यः	अस्विष्यतम्	अस्विष्यत	म०
	अस्विष्यम्	अस्विष्याव	अस्विष्याम	उ०

इति नामधातुप्रकरणम्।

*

अथ कण्ड्वादिप्रकरणम्

(१) कण्डूञ् = खुजलाना (परस्मैपदी)

(लट्)	कण्डूयति	कण्डूयतः	कण्डूयन्ति	प्र०
	कण्डूयसि	कण्डूयथः	कण्डूयथ	म०
	कण्डूयामि	कण्डूयावः	कण्डूयामः	उ०
(लिट्)	कण्डूयाञ्चकार	कण्डूयाञ्चक्रतुः	कण्डूयाञ्चक्रुः	प्र०
	कण्डूयाञ्चकर्थ	कण्डूयाञ्चक्रथुः	कण्डूयाञ्चक्र	म०
	कण्डूयाञ्चकार	कण्डूयाञ्चकृव	कण्डूयाञ्चकृम	उ०
इसी प्रकार–		कण्डूयामास,	कण्डूयाम्बभूव।	
(लुट्)	कण्डूयिता	कण्डूयितारौ	कण्डूयितारः	प्र०
	कण्डूयितासि	कण्डूयितास्थः	कण्डूयितास्थ	म०
	कण्डूयितास्मि	कण्डूयितास्वः	कण्डूयितास्मः	उ०
(लृट्)	कण्डूयिष्यति	कण्डूयिष्यतः	कण्डूयिष्यन्ति	प्र०
	कण्डूयिष्यसि	कण्डूयिष्यथः	कण्डूयिष्यथ	म०
	कण्डूयिष्यामि	कण्डूयिष्यावः	कण्डूयिष्यामः	उ०
(लोट्)	कण्डूयतु, तात्	कण्डूयताम्	कण्डूयन्तु	प्र०
	कण्डूय, तात्	कण्डूयतम्	कण्डूयत	म०
	कण्डूयानि	कण्डूयाव	कण्डूयाम	उ०
(लङ्)	अकण्डूयत्	अकण्डूयताम्	अकण्डूयन्	प्र०
	अकण्डूयः	अकण्डूयतम्	अकण्डूयत	म०
	अकण्डूयम्	अंकण्डूयाव	अकण्डूयाम	उ०

(वि. लि.)	कण्डूयेत्	कण्डूयेताम्	कण्डूयेयुः	प्र०
	कण्डूयेः	कण्डूयेतम्	कण्डूयेत	म०
	कण्डूयेयम्	कण्डूयेव	कण्डूयेम	उ०
(आ. लि.)	कण्डूय्यात्	कण्डूय्यास्ताम्	कण्डूय्यासुः	प्र०
	कण्डूय्याः	कण्डूय्यास्तम्	कण्डूय्यास्त	म०
	कण्डूय्यासम्	कण्डूय्यास्व	कण्डूय्यास्म	उ०
(लुङ्)	अकण्डूयीत्	अकण्डूयिष्टाम्	अकण्डूयिषुः	प्र०
	अकण्डूयीः	अकण्डूयिष्टम्	अकण्डूयिष्ट	म०
	अकण्डूयिषम्	अकण्डूयिष्व	अकण्डूयिष्म	उ०
(लृङ्)	अकण्डूयिष्यत्	अकण्डूयिष्यताम्	अकण्डूयिष्यन्	प्र०
	अकण्डूयिष्यः	अकण्डूयिष्यतम्	अकण्डूयिष्यत	म०
	अकण्डूयिष्यम्	अकण्डूयिष्याव	अकण्डूयिष्याम	उ०

(आत्मनेपदी)

(लट्)	कण्डूयते	कण्डूयेते	कण्डूयन्ते	प्र०
	कण्डूयसे	कण्डूयेथे	कण्डूयध्वे	म०
	कण्डूये	कण्डूयावहे	कण्डूयामहे	उ०
(लिट्)	कण्डूयाञ्चक्रे	कण्डूयाञ्चक्राते	कण्डूयाञ्चक्रिरे	प्र०
	कण्डूयाञ्चकृषे	कण्डूयाञ्चक्राथे	कण्डूयाञ्चकृढ्वे	म०
	कण्डूयाञ्चक्रे	कण्डूयाञ्चकृवहे	कण्डूयाञ्चकृमहे	उ०
(लुट्)	कण्डूयिता	कण्डूयितारौ	कण्डूयितारः	प्र०
	कण्डूयितासे	कण्डूयितासाथे	कण्डूयिताध्वे	म०
	कण्डूयिताहे	कण्डूयितास्वहे	कण्डूयितास्महे	उ०

(लृट्)	कण्डूयिष्यते	कण्डूयिष्येते	कण्डूयिष्यन्ते	प्र०
	कण्डूयिष्यसे	कण्डूयिष्येथे	कण्डूयिष्यध्वे	म०
	कण्डूयिष्ये	कण्डूयिष्यावहे	कण्डूयिष्यामहे	उ०
(लोट्)	कण्डूयताम्	कण्डूयेताम्	कण्डूयन्ताम्	प्र०
	कण्डूयस्व	कण्डूयेथाम्	कण्डूयध्वम्	म०
	कण्डूयै	कण्डूयावहै	कण्डूयामहै	उ०
(लङ्)	अकण्डूयत्	अकण्डूयेताम्	अकण्डूयन्त	प्र०
	अकण्डूयथाः	अकण्डूयेथाम्	अकण्डूयध्वम्	म०
	अकण्डूये	अकण्डूयावहि	अकण्डूयामहि	उ०
(वि.लि.)	कण्डूयेत	कण्डूयेयाताम्	कण्डूयेरन्	प्र०
	कण्डूयेथाः	कण्डूयेयाथाम्	कण्डूयेध्वम्	म०
	कण्डूयेय	कण्डूयेवहि	कण्डूयेमहि	उ०
(आ.लि.)	कण्डूयिषीष्ट	कण्डूयिषीयास्ताम्	कण्डूयिषीरन्	प्र०
	कण्डूयिषीष्ठाः	कण्डूयिषीयास्थाम्	कण्डूयिषीध्वम्	म०
	कण्डूयिषीय	कण्डूयिषीवहि	कण्डूयिषीमहि	उ०
(लुङ्)	अकण्डूयिष्ट	अकण्डूयिषाताम्	अकण्डूयिषत	प्र०
	अकण्डूयिष्ठाः	अकण्डूयिषाथाम्	अकण्डूयिढ्वम्	म०
	अकण्डूयिषि	अकण्डूयिष्वहि	अकण्डूयिष्महि	उ०
(लृङ्)	अकण्डूयिष्यत	अकण्डूयिष्येताम्	अकण्डूयिष्यन्त	प्र०
	अकण्डूयिष्यथाः	अकण्डूयिष्येथाम्	अकण्डूयिढ्वम्	म०
	अकण्डूयिष्ये	अकण्डूयिष्यावहि	अकण्डूयिष्यामहि	उ०

इति कण्ड्वादिप्रकरणम्।

*

अथ आत्मनेपदप्रकरणम्

(१) अप + ज्ञा = छिपाना (आत्मनेपदी)

(लट्)	अपजानीते	अपजानाते	अपजानते	प्र
	अपजानीषे	अपजानाथे	अपजानीध्वे	म
	अपजाने	अपजानीवहे	अपजानीमहे	उ
(लिट्)	अपजज्ञे	अपजज्ञाते	अपजज्ञिरे	प्र
	अपजज्ञिषे	अपजज्ञाथे	अपजज्ञिध्वे	म
	अपजज्ञे	अपजज्ञिवहे	अपजज्ञिमहे	उ
(लुट्)	अपज्ञाता	अपज्ञातारौ	अपज्ञातारः	प्र
	अपज्ञातासे	अपज्ञातासाथे	अपज्ञाताध्वे	म
	अपज्ञाताहे	अपज्ञातास्वहे	अपज्ञातास्महे	उ
(लृट्)	अपज्ञास्यते	अपज्ञास्येते	अपज्ञास्यन्ते	प्र
	अपज्ञास्यसे	अपज्ञास्येथे	अपज्ञास्यध्वे	म
	अपज्ञास्ये	अपज्ञास्यावहे	अपज्ञास्यामहे	उ
(लोट्)	अपजानीताम्	अपजानाताम्	अपजानताम्	प्र
	अपजानीध्व	अपजानाथाम्	अपजानीध्वम्	म
	अपजानै	अपजानावहै	अपजानामहै	उ
(लङ्)	अपाजानीत	अपाजानाताम्	अपाजानत	प्र
	अपाजानीथाः	अपाजानाथाम्	अपाजानीध्वम्	म
	अपाजानि	अपाजानीवहि	अपाजानीमहि	उ

(वि. लि.)	अपजानीत	अपजानीयाताम्	अपजानीरन्	प्र०
	अपजानीथाः	अपजानीयाथाम्	अपजानीध्वम्	म०
	अपजानीय	अपजानीवहि	अपजानीमहि	उ०
(आ. लि.)	अपज्ञासीष्ट	अपज्ञासीयास्ताम्	अपज्ञासीरन्	प्र०
	अपज्ञासीष्ठाः	अपज्ञासीयास्थाम्	अपज्ञासीध्वम्	म०
	अपज्ञासीय	अपज्ञासीवहि	अपज्ञासीमहि	उ०
(लुङ्)	अपाज्ञास्त	अपाज्ञासाताम्	अपाज्ञासत	प्र०
	अपाज्ञास्थाः	अपाज्ञासाथाम्	अपाज्ञाध्वम्	म०
	अपाज्ञासि	अपाज्ञास्वहि	अपाज्ञास्महि	उ०
(लृङ्)	अपाज्ञास्यत	अपाज्ञास्येताम्	अपाज्ञास्यन्त	प्र०
	अपाज्ञास्यथाः	अपाज्ञास्येथाम्	अपाज्ञास्यध्वम्	म०
	अपाज्ञास्ये	अपाज्ञास्यावहि	अपाज्ञास्यामहि	उ०

(२) अव + क्री = खरीदना (आत्मनेपदी)

(लट्)	अवक्रीणीते	अवक्रीणाते	अवक्रीणते	प्र०
	अवक्रीणीषे	अवक्रीणाथे	अवक्रीणीध्वे	म०
	अवक्रीणे	अवक्रीणीवहे	अवक्रीणीमहे	उ०
(लिट्)	अवचिक्रीये	अवचिक्रीयाते	अवचिक्रियिरे	प्र०
	अवचिक्रियिषे	अवचिक्रियाथे	अवचिक्रियिध्वे	म०
	अवचिक्रिये	अवचिक्रियिवहे	अवचिक्रियिमहे	उ०
(लुट्)	अवक्रेता	अवक्रेतारौ	अवक्रेतारः	प्र०
	अवक्रेतासे	अवक्रेतासाथे	अवक्रेताध्वे	म०
	अवक्रेताहे	अवक्रेतास्वहे	अवक्रेतास्महे	उ०

(लृट्)	अवक्रेष्यते	अवक्रेष्येते	अवक्रेष्यन्ते	प्र०
	अवक्रेष्यसे	अवक्रेष्येथे	अवक्रेष्यध्वे	म०
	अवक्रेष्ये	अवक्रेष्यावहे	अवक्रेष्यामहे	उ०
(लोट्)	अवक्रीणीताम्	अवक्रीणाताम्	अवक्रीणताम्	प्र०
	अवक्रीणीष्व	अवक्रीणाथाम्	अवक्रीणीध्वम्	म०
	अवक्रीणै	अवक्रीणावहै	अवक्रीणामहै	उ०
(लङ्)	अवक्रीणीत	अवक्रीणाताम्	अवक्रीणत	प्र०
	अवक्रीणीथाः	अवक्रीणाथाम्	अवक्रीणीध्वम्	म०
	अवक्रीणि	अवक्रीणीवहि	अवक्रीणीमहि	उ०
(वि. लि.)	अवक्रीणीत	अवक्रीणीयाताम्	अवक्रीणीरन्	प्र०
	अवक्रीणीथाः	अवक्रीणीयाथाम्	अवक्रीणीध्वम्	म०
	अवक्रीणीय	अवक्रीणीवहि	अवक्रीणीमहि	उ०
(आ. लि.)	अवक्रेषीष्ट	अवक्रेषीयास्ताम्	अवक्रेषीरन्	प्र०
	अवक्रेषीष्ठाः	अवक्रेषीयास्थाम्	अवक्रेषीढ्वम्	म०
	अवक्रेषीय	अवक्रेषीवहि	अवक्रेषीमहि	उ०
(लुङ्)	अवक्रेष्ट	अवक्रेषाताम्	अवक्रेषत	प्र०
	अवक्रेष्ठाः	अवक्रेषाथाम्	अवक्रेढ्वम्	म०
	अवक्रेषि	अवक्रेष्वहि	अवक्रेष्महि	उ०
(लृङ्)	अवक्रेष्यत	अवक्रेष्येताम्	अवक्रेष्यन्त	प्र०
	अवक्रेष्यथाः	अवक्रेष्येथाम्	अवक्रेष्यध्वम्	म०
	अवक्रेष्ये	अवक्रेष्यावहि	अवक्रेष्यामहि	उ०

(३) अव + स्था = खड़ा होना (आत्मनेपदी)

(लट्)	अवतिष्ठते	अवतिष्ठेते	अवतिष्ठन्ते	प्र०
	अवतिष्ठसे	अवतिष्ठेथे	अवतिष्ठध्वे	म०
	अवतिष्ठे	अवतिष्ठावहे	अवतिष्ठामहे	उ०
(लिट्)	अवतस्थे	अवतस्थाते	अवतस्थिरे	प्र०
	अवतस्थिषे	अवतस्थाथे	अवतस्थिध्वे	म०
	अवतस्थे	अवतस्थिवहे	अवतस्थिमहे	उ०
(लुट्)	अवस्थाता	अवस्थातारौ	अवस्थातारः	प्र०
	अवस्थातासे	अवस्थातासाथे	अवस्थाताध्वे	म०
	अवस्थाताहे	अवस्थातास्वहे	अवस्थातास्महे	उ०
(लृट्)	अवस्थास्यते	अवस्थास्येते	अवस्थास्यन्ते	प्र०
	अवस्थास्यसे	अवस्थास्येथे	अवस्थास्यध्वे	म०
	अवस्थास्ये	अवस्थास्यावहे	अवस्थास्यामहे	उ०
(लोट्)	अवतिष्ठताम्	अवतिष्ठेताम्	अवतिष्ठन्ताम्	प्र०
	अवतिष्ठस्व	अवतिष्ठेथाम्	अवतिष्ठध्वम्	म०
	अवतिष्ठै	अवतिष्ठावहै	अवतिष्ठामहै	उ०
(लङ्)	अवातिष्ठत	अवातिष्ठेताम्	अवातिष्ठन्त	प्र०
	अवातिष्ठथाः	अवातिष्ठेथाम्	अवातिष्ठध्वम्	म०
	अवातिष्ठे	अवातिष्ठावहि	अवातिष्ठामहि	उ०
(वि.लि.)	अवतिष्ठेत	अवतिष्ठेयाताम्	अवतिष्ठेरन्	प्र०
	अवतिष्ठेथाः	अवतिष्ठेयाथाम्	अवतिष्ठेध्वम्	म०
	अवतिष्ठेय	अवतिष्ठेवहि	अवतिष्ठेमहि	उ०

(आ.लि.)	अवस्थासीष्ट	अवस्थासीयास्ताम्	अवस्थासीरन्	प्र
	अवस्थासीष्ठाः	अवस्थासीयास्थाम्	अवस्थासीध्वम्	म
	अवस्थासीय	अवस्थासीवहि	अवस्थासीमहि	उ
(लुङ्)	अवास्थित	अवास्थिषाताम्	अवास्थिषत	प्र
	अवास्थिथाः	अवास्थिषाथाम्	अवास्थिढ्वम्	म
	अवास्थिषि	अवास्थिष्वहि	अवास्थिष्महि	उ
(लृङ्)	अवास्थास्यत	अवास्थास्येताम्	अवास्थास्यन्त	प्र
	अवास्थास्यथाः	अवास्थास्येथाम्	अवास्थास्यध्वम्	म
	अवास्थास्ये	अवास्थास्यावहि	अवास्थास्यामहि	उ

(४) उत् + कृ इस धातु का प्रयोग निम्न अर्थों में होता है–

(दूसरे के दोष को प्रकट करना , भय उत्पन्न करना सेवा , सहसा प्रवृत्ति , गुणग्रहण करना , कथा आदि कहना , धर्मार्थ व्यय करना)

(लट्)	उत्कुरुते	उत्कुर्वाते	उत्कुर्वते	प्र
	उत्कुरुषे	उत्कुर्वाथे	उत्कुरुध्वे	म
	उत्कुर्वे	उत्कुर्वहे	उत्कुर्महे	उ
(लिट्)	उच्चक्रे	उच्चक्राते	उच्चक्रिरे	प्र
	उच्चकृषे	उच्चक्राथे	उच्चकृध्वे	म
	उच्चक्रे	उच्चकृवहे	उच्चकृमहे	उ
(लुट्)	उत्कर्ता	उत्कर्तारौ	उत्कर्तारः	प्र
	उत्कर्तासे	उत्कर्तासाथे	उत्कर्ताध्वे	म
	उत्कर्ताहे	उत्कर्तास्वहे	उत्कर्तास्महे	उ

(लृट्)	उत्करिष्यते	उत्करिष्येते	उत्करिष्यन्ते	प्र०
	उत्करिष्यसे	उत्करिष्येथे	उत्करिष्यध्वे	म०
	उत्करिष्ये	उत्करिष्यावहे	उत्करिष्यामहे	उ०
(लोट्)	उत्कुरूताम्	उत्कुर्वाताम्	उत्कुर्वताम्	प्र०
	उत्कुरूष्व	उत्कुर्वाथाम्	उत्कुरूध्वम्	म०
	उत्करवै	उत्करवावहै	उत्करवामहै	उ०
(लङ्)	उदकुरूत	उदकुर्वाताम्	उदकुर्वत	प्र०
	उदकुरूथाः	उदकुर्वाथाम्	उदकुरूध्वम्	म०
	उदकुर्वि	उदकुर्वहि	उदकुर्महि	उ०
(वि. लि.)	उत्कुर्वीत	उत्कुर्वीयाताम्	उत्कुर्वीरन्	प्र०
	उत्कुर्वीथाः	उत्कुर्वीयाथाम्	उत्कुर्वीध्वम्	म०
	उत्कुर्वीय	उत्कुर्वीवहि	उत्कुर्वीमहि	उ०
(आ. लि.)	उत्कृषीष्ट	उत्कृषीयास्ताम्	उत्कृषीरन्	प्र०
	उत्कृषीष्ठाः	उत्कृषीयास्थाम्	उत्कृषीढ्वम्	म०
	उत्कृषीय	उत्कृषीवहि	उत्कृषीमहि	उ०
(लुङ्)	उदकृत	उदकृषाताम्	उदकृषत	प्र०
	उदकृथाः	उदकृषाथाम्	उदकृढ्वम्	म०
	उदकृषि	उदकृष्वहि	उदकृष्महि	उ०
(लृङ्)	उदकरिष्यत	उदकरिष्येताम्	उदकरिष्यन्त	प्र०
	उदकरिष्यथाः	उदकरिष्येथाम्	उदकरिष्यध्वम्	म०
	उदकरिष्ये	उदकरिष्यावहि	उदकरिष्यामहि	उ०

(५) उत् + चर = बोलना (आत्मनेपदी)

(लट्)	उच्चरते	उच्चरेते	उच्चरन्ते	प्र०
	उच्चरसे	उच्चरेथे	उच्चरध्वे	म०
	उच्चरे	उच्चरावहे	उच्चरामहे	उ०
(लिट्)	उच्चेरे	उच्चेराते	उच्चेरिरे	प्र०
	उच्चेरिषे	उच्चेराथे	उच्चेरिध्वे	म०
	उच्चेरे	उच्चेरिवहे	उच्चेरिमहे	उ०
(लुट्)	उच्चरिता	उच्चरितारौ	उच्चरितारः	प्र०
	उच्चरितासे	उच्चरितासाथे	उच्चरिताध्वे	म०
	उच्चरिताहे	उच्चरितास्वहे	उच्चरितास्महे	उ०
(लृट्)	उच्चरिष्यते	उच्चरिष्येते	उच्चरिष्यन्ते	प्र०
	उच्चरिष्यसे	उच्चरिष्येथे	उच्चरिष्यध्वे	म०
	उच्चरिष्ये	उच्चरिष्यावहे	उच्चरिष्यामहे	उ०
(लोट्)	उच्चरताम्	उच्चरेताम्	उच्चरन्ताम्	प्र
	उच्चरस्व	उच्चरेथाम्	उच्चरध्वम्	म
	उच्चरै	उच्चरावहै	उच्चरामहै	उ
(लङ्)	उदचरत	उदचरेताम्	उदचरन्त	प्र
	उदचरथाः	उदचरेथाम्	उदचरध्वम्	म
	उदचरे	उदचरावहि	उदचरामहि	उ
(वि. लि.)	उच्चरेत	उच्चरेयाताम्	उच्चरेरन्	प्र
	उच्चरेथाः	उच्चरेयाथाम्	उच्चरेध्वम्	म
	उच्चरेय	उच्चरेवहि	उच्चरेमहि	उ

(आ.लि.)	उच्चरिषीष्ट	उच्चरिषीयास्ताम्	उच्चरिषीरन्	प्र०
	उच्चरिषीष्ठाः	उच्चरिषीयास्थाम्	उच्चरिषीध्वम्	म०
	उच्चरिषीय	उच्चरिषीवहि	उच्चरिषीमहि	उ०
(लुङ्)	उदचरिष्ट	उदचरिषाताम्	उदचरिषत	प्र०
	उदचरिष्ठाः	उदचरिषाथाम्	उदचरिढ्वम्	म०
	उदचरिषि	उदचरिष्वहि	उदचरिष्महि	उ०
(लृङ्)	उदचरिष्यत	उदचरिष्येताम्	उदचरिष्यन्त	प्र०
	उदचरिष्यथाः	उदचरिष्येथाम्	उदचरिष्यध्वम्	म०
	उदचरिष्ये	उदचरिष्यावहि	उदचरिष्यामहि	उ०

(६) एदिधिष = बढ़ने की इच्छा अर्थ में (आत्मनेपदी)

(लट्)	एदिधिषते	एदिधिषेते	एदिधिषन्ते	प्र०
	एदिधिषसे	एदिधिषेथे	एदिधिषध्वे	म०
	एदिधिषे	एदिधिषावहे	एदिधिषामहे	उ०
(लिट्)	एदिधिषाञ्चक्रे	एदिधिषाञ्चक्राते	एदिधिषाञ्चक्रिरे	प्र०
	एदिधिषाञ्चकृषे	एदिधिषाञ्चक्राथे	एदिधिषाञ्चकृढ्वे	म०
	एदिधिषाञ्चक्रे	एदिधिषाञ्चकृवहे	एदिधिषाञ्चकृमहे	उ०
इसी प्रकार–		एदिधिषामास।	एदिधिषाम्बभूव।	
(लुट्)	एदिधिषिता	एदिधिषितारौ	एदिधिषितारः	प्र०
	एदिधिषितासे	एदिधिषितासाथे	एदिधिषिताध्वे	म०
	एदिधिषिताहे	एदिधिषितास्वहे	एदिधिषितास्महे	उ०

(लृट्)	एदिधिषिष्यते	एदिधिषिष्येते	एदिधिषिष्यन्ते	प्र०
	एदिधिषिष्यसे	एदिधिषिष्येथे	एदिधिषिष्यध्वे	म०
	एदिधिषिष्ये	एदिधिषिष्यावहे	एदिधिषिष्यामहे	उ०
(लोट्)	एदिधिषताम्	एदिधिषेताम्	एदिधिषन्ताम्	प्र०
	एदिधिषस्व	एदिधिषेथाम्	एदिधिषध्वम्	म०
	एदिधिषै	एदिधिषावहै	एदिधिषामहै	उ०
(लङ्)	ऐदिधिषत	ऐदिधिषेताम्	ऐदिधिषन्त	प्र०
	ऐदिधिषथाः	ऐदिधिषेथाम्	ऐदिधिषध्वम्	म०
	ऐदिधिषे	ऐदिधिषावहि	ऐदिधिषामहि	उ०
(वि.लि.)	एदिधिषेत	एदिधिषेयाताम्	एदिधिषेरन्	प्र०
	एदिधिषेथाः	एदिधिषेयाथाम्	एदिधिषेध्वम्	म०
	एदिधिषेय	एदिधिषेवहि	एदिधिषेमहि	उ०
(आ.लि.)	एदिधिषीष्ट	एदिधिषीयास्ताम्	एदिधिषीरन्	प्र०
	एदिधिषीष्ठाः	एदिधिषीयास्थाम्	एदिधिषीध्वम्	म०
	एदिधिषीय	एदिधिषीवहि	एदिधिषीमहि	उ०
(लुङ्)	ऐदिधिष्ट	ऐदिधिषाताम्	ऐदिधिषत	प्र०
	ऐदिधिष्ठाः	ऐदिधिषाथाम्	ऐदिधिढ्वम्	म०
	ऐदिधिषि	ऐदिधिष्वहि	ऐदिधिष्महि	उ०
(लृङ्)	ऐदिधिषिष्यत	ऐदिधिषिष्येताम्	ऐदिधिषिष्यन्त	प्र०
	ऐदिधिषिष्यथाः	ऐदिधिषिष्येथाम्	ऐदिधिषिष्यध्वम्	म०
	ऐदिधिषिष्ये	ऐदिधिषिष्यावहि	ऐदिधिषिष्यामहि	उ०

(७) नि + विविक्ष = निवेश करने की इच्छा (आत्मनेपदी)

(लट्) निविविक्षते निविविक्षेते निविविक्षन्ते प्र०
निविविक्षसे निविविक्षेथे निविविक्षध्वे म०
निविविक्षे निविविक्षावहे निविविक्षामहे उ०

(लिट्) निविविक्षाञ्चक्रे निविविक्षाञ्चक्राते निविविक्षाञ्चक्रिरे प्र०
निविविक्षाञ्चकृषे निविविक्षाञ्चक्राथे निविविक्षाञ्चकृढ्वे म०
निविविक्षाञ्चक्रे निविविक्षाञ्चकृवहे निविविक्षाञ्चकृमहे उ०
इसी प्रकार–निविविक्षामास। निविविक्षाम्बभूव।

(लुट्) निविविक्षिता निविविक्षितारौ निविविक्षितारः प्र०
निविविक्षितासे निविविक्षितासाथे निविविक्षिताध्वे म०
निविविक्षिताहे निविविक्षितास्वहे निविविक्षितास्महे उ०

(लृट्) निविविक्षिष्यते निविविक्षिष्येते निविविक्षिष्यन्ते प्र०
निविविक्षिष्यसे निविविक्षिष्येथे निविविक्षिष्यध्वे म०
निविविक्षिष्ये निविविक्षिष्यावहे निविविक्षिष्यामहे उ०

(लोट्) निविविक्षताम् निविविक्षेताम् निविविक्षन्ताम् प्र०
निविविक्षस्व निविविक्षेथाम् निविविक्षध्वम् म०
निविविक्षै निविविक्षावहै निविविक्षामहै उ०

(लङ्) न्यविविक्षत न्यविविक्षेताम् न्यविविक्षन्त प्र०
न्यविविक्षथाः न्यविविक्षेथाम् न्यविविक्षध्वम् म०
न्यविविक्षे न्यविविक्षावहि न्यविविक्षामहि उ०

(वि. लि.) निविविक्षेत निविविक्षेयाताम् निविविक्षेरन् प्र०
निविविक्षेथाः निविविक्षेयाथाम् निविविक्षेध्वम् म०
निविविक्षेय निविविक्षेवहि निविविक्षेमहि उ०

(आ. लि.) निविविक्षीष्ट निविविक्षीयास्ताम् निविविक्षीरन् प्र०
निविविक्षीष्ठाः निविविक्षीयास्थाम् निविविक्षीध्वम् म०
निविविक्षीय निविविक्षीवहि निविविक्षीमहि उ०

(लुङ्) न्यविविक्षिष्ट न्यविविक्षिषाताम् न्यविविक्षिषत प्र०
न्यविविक्षिष्ठाः न्यविविक्षिषाथाम् न्यविविक्षिढ्वम् म०
न्यविविक्षिषि न्यविविक्षिष्वहि न्यविविक्षिष्महि उ०

(लृङ्) न्यविविक्षिष्यत न्यविविक्षिष्येताम् न्यविविक्षिष्यन्त प्र०
न्यविविक्षिष्यथाः न्यविविक्षिष्येथाम् न्यविविक्षिष्यध्वम् म०
न्यविविक्षिष्ये न्यविविक्षिष्यावहि न्यविविक्षिष्यामहि उ०

(८) नि + विश् धातु प्रवेश करना (आत्मनेपदी)

(लट्) निविशते निविशेते निविशन्ते प्र०
निविशसे निविशेथे निविशध्वे म०
निविशे निविशावहे निविशामहे उ०

(लिट्) निविविशे निविविशाते निविविशिरे प्र०
निविविशिषे निविविशाथे निविविशिध्वे म०
निविविशे निविविशिवहे निविविशिमहे उ०

(लुट्) निवेष्टा निवेष्टारौ निवेष्टारः प्र०
निवेष्टासे निवेष्टासाथे निवेष्टाध्वे म०
निवेष्टाहे निवेष्टास्वहे निवेष्टास्महे उ०

(लृट्)	निवेक्ष्यते	निवेक्ष्येते	निवेक्ष्यन्ते	प्र०
	निवेक्ष्यसे	निवेक्ष्येथे	निवेक्ष्यध्वे	म०
	निवेक्ष्ये	निवेक्ष्यावहे	निवेक्ष्यामहे	उ०
(लोट्)	निविशताम्	निविशेताम्	निविशन्ताम्	प्र०
	निविशस्व	निविशेथाम्	निविशध्वम्	म०
	निविशै	निविशावहै	निविशामहै	उ०
(लङ्)	न्यविशत	न्यविशेताम्	न्यविशन्त	प्र०
	न्यविशथाः	न्यविशेथाम्	न्यविशध्वम्	म०
	न्यविशे	न्यविशावहि	न्यविशामहि	उ०
(वि. लि.)	निविशेत	निविशेयाताम्	निविशेरन्	प्र०
	निविशेथाः	निविशेयाथाम्	निविशेध्वम्	म०
	निविशेय	निविशेवहि	निविशेमहि	उ०
(आ. लि.)	निविक्षीष्ट	निविक्षीयास्ताम्	निविक्षीरन्	प्र०
	निविक्षीष्ठाः	निविक्षीयास्थाम्	निविक्षीध्वम्	म०
	निविक्षीय	निविक्षीवहि	निविक्षीमहि	उ०
(लुङ्)	न्यविक्षत	न्यविक्षाताम्	न्यविक्षत	प्र०
	न्यविक्षथाः	न्यविक्षाथाम्	न्यविक्षध्वम्	म०
	न्यविक्षि	न्यविक्ष्वहि	न्यविक्ष्महि	उ०
(लृङ्)	न्यवेक्ष्यत	न्यवेक्ष्येताम्	न्यवेक्ष्यन्त	प्र०
	न्यवेक्ष्यथाः	न्यवेक्ष्येथाम्	न्यवेक्ष्यध्वम्	म०
	न्यवेक्ष्ये	न्यवेक्ष्यावहि	न्यवेक्ष्यामहि	उ०

(९) परा + जि = पराजय अर्थ में (आत्मनेपदी)

(लट्)	पराजयते	पराजयेते	पराजयन्ते	प्र०
	पराजयसे	पराजयेथे	पराजयध्वे	म०
	पराजये	पराजयावहे	पराजयामहे	उ०
(लिट्)	पराजिग्ये	पराजिग्याते	पराजिग्यिरे	प्र०
	पराजिग्यिषे	पराजिग्याथे	पराजिग्यिध्वे	म०
	पराजिग्ये	पराजिग्यिवहे	पराजिग्यिमहे	उ०
(लुट्)	पराजेता	पराजेतारौ	पराजेतारः	प्र०
	पराजेतासे	पराजेतासाथे	पराजेताध्वे	म०
	पराजेताहे	पराजेतास्वहे	पराजेतास्महे	उ०
(लृट्)	पराजेष्यते	पराजेष्येते	पराजेष्यन्ते	प्र०
	पराजेष्यसे	पराजेष्येथे	पराजेष्यध्वे	म०
	पराजेष्ये	पराजेष्यावहे	पराजेष्यामहे	उ०
(लोट्)	पराजयताम्	पराजयेताम्	पराजन्ताम्	प्र०
	पराजयस्व	पराजयेथाम्	पराजयध्वम्	म०
	पराजयै	पराजयावहै	पराजयामहै	उ०
(लङ्)	पराजयत	पराजयेताम्	पराजयन्त	प्र०
	पराजयेथाः	पराजयेथाम्	पराजयध्वम्	म०
	पराजये	पराजयावहि	पराजयामहि	उ०
(वि. लि.)	पराजयेत	पराजयेयाताम्	पराजयेरन्	प्र०
	पराजयेथाः	पराजयेयाथाम्	पराजयेध्वम्	म०
	पराजयेय	पराजयेवहि	पराजयेमहि	उ०

(आ. लि.)	पराजेषीष्ट	पराजेषीयास्ताम्	पराजेषीरन्	प्र०
	पराजेषीष्ठाः	पराजेषीयास्थाम्	पराजेषीढ्वम्	म०
	पराजेषीय	पराजेषीवहि	पराजेषीमहि	उ०
(लुङ्)	पराजेष्ट	पराजेषाताम्	पराजेषत	प्र०
	पराजेष्ठाः	पराजेषाथाम्	पराजेढ्वम्	म०
	पराजेषि	पराजेष्वहि	पराजेष्महि	उ०
(लृङ्)	पराजेष्यत	पराजेष्येताम्	पराजेष्यन्त	प्र०
	पराजेष्यथाः	पराजेष्येथाम्	पराजेष्यध्वम्	म०
	पराजेष्ये	पराजेष्यावहि	पराजेष्यामहि	उ०

(१०) परि + क्री = खरीदना (आत्मनेपदी)

(लट्)	परिक्रीणीते	परिक्रीणाते	परिक्रीणते	प्र०
	परिक्रीणीषे	परिक्रीणाथे	परिक्रीणीध्वे	म०
	परिक्रीणे	परिक्रीणीवहे	परिक्रीणीमहे	उ०
(लिट्)	परिचिक्रिये	परिचिक्रियाते	परिचिक्रियिरे	प्र०
	परिचिक्रियिषे	परिचिक्रियाथे	परिचिक्रियिध्वे	म०
	परिचिक्रिये	परिचिक्रियिवहे	परिचिक्रियिमहे	उ०
(लुट्)	परिक्रेता	परिक्रेतारौ	परिक्रेतारः	प्र०
	परिक्रेतासे	परिक्रेतासाथे	परिक्रेताध्वे	म०
	परिक्रेताहे	परिक्रेतास्वहे	परिक्रेतास्महे	उ०
(लृट्)	परिक्रेष्यते	परिक्रेष्येते	परिक्रेष्यन्ते	प्र०
	परिक्रेष्यसे	परिक्रेष्येथे	परिक्रेष्यध्वे	म०
	परिक्रेष्ये	परिक्रेष्यावहे	परिक्रेष्यामहे	उ०

(लोट्)	परिक्रीणीताम्	परिक्रीणाताम्	परिक्रीणताम्	प्र०
	परिक्रीणीष्व	परिक्रीणाथाम्	परिक्रीणीध्वम्	म०
	परिक्रीणै	परिक्रीणावहै	परिक्रीणामहै	उ०
(लङ्)	पर्यक्रीणीत	पर्यक्रीणाताम्	पर्यक्रीणीरन्	प्र०
	पर्यक्रीणीथाः	पर्यक्रीणाथाम्	पर्यक्रीणीध्वम्	म०
	पर्यक्रीणि	पर्यक्रीणीवहि	पर्यक्रीणीमहि	उ०
(वि. लि.)	परिक्रीणीत	परिक्रीणीयाताम्	परिक्रीणीरन्	प्र०
	परिक्रीणीथाः	परिक्रीणीयाथाम्	परिक्रीणीध्वम्	म०
	परिक्रीणीय	परिक्रीणीवहि	परिक्रीणीमहि	उ०
(आ. लि.)	परिक्रेषीष्ट	परिक्रेषीयास्ताम्	परिक्रेषीरन्	प्र०
	परिक्रेषीष्ठाः	परिक्रेषीयास्थाम्	परिक्रेषीढ्वम्	म०
	परिक्रेषीय	परिक्रेषीवहि	परिक्रेषीमहि	उ०
(लुङ्)	पर्यक्रेष्ट	पर्यक्रेषाताम्	पर्यक्रेषत	प्र०
	पर्यक्रेष्ठाः	पर्यक्रेषाथाम्	पर्यक्रेढ्वम्	म०
	पर्यक्रेषि	पर्यक्रेष्वहि	पर्यक्रेष्महि	उ०
(लृङ्)	पर्यक्रेष्यत	पर्यक्रेष्येताम्	पर्यक्रेष्यन्त	प्र०
	पर्यक्रेष्यथाः	पर्यक्रेष्येथाम्	पर्यक्रेष्यध्वम्	म०
	पर्यक्रेष्ये	पर्यक्रेष्यावहि	पर्यक्रेष्यामहि	उ०

(११) प्र + स्था = प्रतिष्ठा या प्रस्थान करना (आत्मनेपदी)

(लट्)	प्रतिष्ठते	प्रतिष्ठेते	प्रतिष्ठन्ते	प्र०
	प्रतिष्ठसे	प्रतिष्ठेथे	प्रतिष्ठध्वे	म०
	प्रतिष्ठे	प्रतिष्ठावहे	प्रतिष्ठामहे	उ०

(लिट्)	प्रतस्थे	प्रतस्थाते	प्रतस्थिरे	प्र०
	प्रतस्थिषे	प्रतस्थाथे	प्रतस्थिध्वे	म०
	प्रतस्थे	प्रतस्थिवहे	प्रतस्थिमहे	उ०
(लुट्)	प्रस्थाता	प्रस्थातारौ	प्रस्थातारः	प्र०
	प्रस्थातासे	प्रस्थातासाथे	प्रस्थाताध्वे	म०
	प्रस्थाताहे	प्रस्थातास्वहे	प्रस्थातास्महे	उ०
(लृट्)	प्रस्थास्यते	प्रस्थास्येते	प्रस्थास्यन्ते	प्र०
	प्रस्थास्यसे	प्रस्थास्येथे	प्रस्थास्यध्वे	म०
	प्रस्थास्ये	प्रस्थास्यावहे	प्रस्थास्यामहे	उ०
(लोट्)	प्रतिष्ठताम्	प्रतिष्ठेताम्	प्रतिष्ठन्ताम्	प्र०
	प्रतिष्ठस्व	प्रतिष्ठेथाम्	प्रतिष्ठध्वम्	म०
	प्रतिष्ठे	प्रतिष्ठावहे	प्रतिष्ठामहे	उ०
(लङ्)	प्रातिष्ठत	प्रातिष्ठेताम्	प्रातिष्ठन्त	प्र०
	प्रातिष्ठथाः	प्रातिष्ठेथाम्	प्रातिष्ठध्वम्	म०
	प्रातिष्ठे	प्रातिष्ठावहि	प्रातिष्ठामहि	उ०
(वि. लि.)	प्रतिष्ठेत	प्रतिष्ठेयाताम्	प्रतिष्ठेरन्	प्र०
	प्रतिष्ठेथाः	प्रतिष्ठेयाथाम्	प्रतिष्ठेध्वम्	म०
	प्रतिष्ठेय	प्रतिष्ठेवहि	प्रतिष्ठेमहि	उ०
(आ. लि.)	प्रस्थासीष्ट	प्रस्थासीयास्ताम्	प्रस्थासीरन्	प्र०
	प्रस्थासीष्ठाः	प्रस्थासीयास्थाम्	प्रस्थासीध्वम्	म०
	प्रस्थासीय	प्रस्थासीवहि	प्रस्थासीमहि	उ०

(लुङ्)	प्रास्थित	प्रास्थिषाताम्	प्रास्थिषत	प्र०
	प्रास्थिष्ठाः	प्रास्थिषाथाम्	प्रास्थिढ्वम्	म०
	प्रास्थिषि	प्रास्थिष्वहि	प्रास्थिष्महि	उ०
(लृङ्)	प्रास्थास्यत	प्रास्थास्येताम्	प्रास्थास्यन्त	प्र०
	प्रास्थास्यथाः	प्रास्थास्येथाम्	प्रास्थास्यध्वम्	म०
	प्रास्थास्ये	प्रास्थास्यावहि	प्रास्थास्यामहि	उ०

(१२) वि + क्री = बेचना (आत्मनेपदी)

(लट्)	विक्रीणीते	विक्रीणाते	विक्रीणते	प्र०
	विक्रीणीषे	विक्रीणाथे	विक्रीणीध्वे	म०
	विक्रीणे	विक्रीणीवहे	विक्रीणीमहे	उ०
(लिट्)	विचिक्रिये	विचिक्रियाते	विचिक्रियिरे	प्र०
	विचिक्रियिषे	विचिक्रियाथे	विचिक्रियिध्वे	म०
	विचिक्रिये	विचिक्रियिवहे	विचिक्रियिमहे	उ०
(लुट्)	विक्रेता	विक्रेतारौ	विक्रेतारः	प्र०
	विक्रेतासे	विक्रेतासाथे	विक्रेताध्वे	म०
	विक्रेताहे	विक्रेतास्वहे	विक्रेतास्महे	उ०
(लृट्)	विक्रेष्यते	विक्रेष्येते	विकेष्यन्ते	प्र०
	विक्रेष्यसे	विक्रेष्येथे	विक्रेष्यध्वे	म०
	विक्रेष्ये	विक्रेष्यावहे	विक्रेष्यामहे	उ०
(लोट्)	विक्रीणीताम्	विक्रीणाताम्	विक्रीणताम्	प्र०
	विक्रीणीष्व	विक्रीणाथाम्	विक्रीणीध्वम्	म०
	विक्रीणै	विक्रीणावहै	विक्रीणामहै	उ०

(लङ्)	व्यक्रीणीत	व्यक्रीणाताम्	व्यक्रीणत	प्र०
	व्यक्रीणीथाः	व्यक्रीणाथाम्	व्यक्रीणीध्वम्	म०
	व्यक्रीणि	व्यक्रीणीवहि	व्यक्रीणीमहि	उ०
(वि. लि.)	विक्रीणीत	विक्रीणीयाताम्	विक्रीणीरन्	प्र०
	विक्रीणीथाः	विक्रीणीयाथाम्	विक्रीणीध्वम्	म०
	विक्रीणीय	विक्रीणीवहि	विक्रीणीमहि	उ०
(आ. लि.)	विक्रेषीष्ट	विक्रेषीयास्ताम्	विक्रेषीरन्	प्र०
	विक्रेषीष्ठाः	विक्रेषीयास्थाम्	विक्रेषीढ्वम्	म०
	विक्रेषीय	विक्रेषीवहि	विक्रेषीमहि	उ०
(लुङ्)	व्यक्रेष्ट	व्यक्रेषाताम्	व्यक्रेषत	प्र०
	व्यक्रेष्ठाः	व्यक्रेषाथाम्	व्यक्रेढ्वम्	म०
	व्यक्रेषि	व्यक्रेष्वहि	व्यक्रेष्महि	उ०
(लृङ्)	व्यक्रेष्यत	व्यक्रेष्येताम्	व्यक्रेष्यन्त	प्र०
	व्यक्रेष्यथाः	व्यक्रेष्येथाम्	व्यक्रेष्यध्वम्	म०
	व्यक्रेष्ये	व्यक्रेष्यावहि	व्यक्रेष्यामहि	उ०

(१३) वि + जि = विजय अर्थ में (आत्मनेपदी)

(लट्)	विजयते	विजयेते	विजयन्ते	प्र०
	विजयसे	विजयेथे	विजयध्वे	म०
	विजये	विजयावहे	विजयामहे	उ०
(लिट्)	विजिग्ये	विजिग्याते	विजिग्यिरे	प्र०
	विचिग्यिषे	विजिग्याथे	विजिग्यिध्वे	म०
	विजिग्ये	विजिग्यिवहे	विजिग्यिमहे	उ०

(लुट्)	विजेता	विजेतारौ	विजेतारः	प्र०
	विजेतासे	विजेतासाथे	विजेताध्वे	म०
	विजेताहे	विजेतास्वहे	विजेतास्महे	उ०
(लृट्)	विजेष्यते	विजेष्येते	विजेष्यन्ते	प्र०
	विजेष्यसे	विजेष्येथे	विजेष्यध्वे	म०
	विजेष्ये	विजेष्यावहे	विजेष्यामहे	उ०
(लोट्)	विजयताम्	विजयेताम्	विजयन्ताम्	प्र०
	विजयस्व	विजयेथाम्	विजयध्वम्	म०
	विजयै	विजयावहै	विजयामहै	उ०
(लङ्)	व्यजयत	व्यजयेताम्	व्यजयन्त	प्र०
	व्यजयथाः	व्यजयेथाम्	व्यजयध्वम्	म
	व्यजये	व्यजयावहि	व्यजयामहि	उ
(वि. लि.)	विजयेत	विजयेयाताम्	विजयेरन्	प्र
	विजयेथाः	वजयेयाथाम्	विजयेध्वम्	म
	विजयेय	विजयेवहि	विजयेमहि	उ
(आ. लि.)	विजेषीष्ट	विजेषीयास्ताम्	विजेषीरन्	प्र
	विजेषीष्ठाः	विजेषीयास्थाम्	विजेषीढ्वम्	म
	विजेषीय	विजेषीवहि	विजेषीमहि	उ
(लुङ्)	व्यजेष्ट	व्यजेषाताम्	व्यजेषत	प्र
	व्यजेष्ठाः	व्यजेषाथाम्	व्यजेढ्वम्	म
	व्यजेषि	व्यजेष्वहि	व्यजेष्महि	उ

(लृङ्)	व्यजेष्यत	व्यजेष्येताम्	व्यजेष्यन्त	प्र०
	व्यजेष्यथाः	व्यजेष्येथाम्	व्यजेष्यध्वम्	म०
	व्यजेष्ये	व्यजेष्यावहि	व्यजेष्यामहि	उ०

(१४) वि + स्था = विचलित होना (आत्मनेपदी)

(लट्)	वितिष्ठते	वितिष्ठेते	वितिष्ठन्ते	प्र०
	वितिष्ठसे	वितिष्ठेथे	वितिष्ठध्वे	म०
	वितिष्ठे	वितिष्ठावहे	वितिष्ठामहे	उ०
(लिट्)	वितस्थे	वितस्थाते	वितस्थिरे	प्र०
	वितस्थिषे	वितस्थाथे	वितस्थिध्वे	म०
	वितस्थे	वितस्थिवहे	वितस्थिमहे	उ०
(लुट्)	विष्ठाता	विष्ठातारौ	विष्ठातारः	प्र०
	विष्ठातासे	विष्ठातासाथे	विष्ठाताध्वे	म०
	विष्ठाताहे	विष्ठातास्वहे	विष्ठातास्महे	उ०
(लृट्)	विष्ठास्यते	विष्ठास्येते	विष्ठास्यन्ते	प्र०
	विष्ठास्यसे	विष्ठास्येथे	विष्ठास्यध्वे	म०
	विष्ठास्ये	विष्ठास्यावहे	विष्ठास्यामहे	उ०
(लोट्)	वितिष्ठताम्	वितिष्ठेताम्	वितिष्ठन्ताम्	प्र०
	वितिष्ठस्व	वितिष्ठेथाम्	वितिष्ठध्वम्	म०
	वितिष्ठै	वितिष्ठावहै	वितिष्ठामहै	उ०
(लङ्)	व्यतिष्ठत	व्यतिष्ठेताम्	व्यतिष्ठन्त	प्र०
	व्यतिष्ठथाः	व्यतिष्ठेथाम्	व्यतिष्ठध्वम्	म०
	व्यतिष्ठे	व्यतिष्ठावहि	व्यतिष्ठामहि	उ०

(वि. लि.)	वितिष्ठेत	वितिष्ठेयाताम्	वितिष्ठेरन्	प्र०
	वितिष्ठेथाः	वितिष्ठेयाथाम्	वितिष्ठेध्वम्	म०
	वितिष्ठेय	वितिष्ठेवहि	वितिष्ठेमहि	उ०
(आ. लि.)	विष्ठासीष्ट	विष्ठासीयास्ताम्	विष्ठासीरन्	प्र०
	विष्ठासीष्ठाः	विष्ठासीयास्थाम्	विष्ठासीध्वम्	म०
	विष्ठासीय	विष्ठासीवहि	विष्ठासीमहि	उ०
(लुङ्)	व्यस्थित	व्यस्थिषाताम्	व्यस्थिषत	प्र०
	व्यस्थिष्ठाः	व्यस्थिषाथाम्	व्यस्थिढ्वम्	म०
	व्यस्थिषि	व्यस्थिष्वहि	व्यस्थिष्महि	उ०
(लृङ्)	व्यस्थास्यत	व्यस्थास्येताम्	व्यस्थास्यन्त	प्र०
	व्यस्थास्यथाः	व्यस्थास्येथाम्	व्यस्थास्यध्वम्	म०
	व्यस्थास्ये	व्यस्थास्यावहि	व्यस्थास्यामहि	उ०

(१५) व्यति + लू = दूसरों के योग्य छेदन कर्म करता है (आत्मनेपदी)

(लट्)	व्यतिलुनीते	व्यतिलुनाते	व्यतिलुनते	प्र०
	व्यतिलुनीषे	व्यतिलुनाथे	व्यतिलुनीध्वे	म०
	व्यतिलुने	व्यतिलुनीवहे	व्यतिलुनीमहे	उ०
(लिट्)	व्यतिलुलुवे	व्यतिलुलुवाते	व्यतिलुलुविरे	प्र०
	व्यतिलुलुविषे	व्यतिलुलुवाथे	व्यतिलुलुविढ्वे	म०
	व्यतिलुलुवे	व्यतिलुलुविवहे	व्यतिलुलुविमहे	उ०
(लुट्)	व्यतिलविता	व्यतिलवितारौ	व्यतिलवितारः	प्र०
	व्यतिलवितासे	व्यतिलवितासाथे	व्यतिलविताध्वे	म०
	व्यतिलविताहे	व्यतिलवितास्वहे	व्यतिलवितास्महे	उ०

(लृट्)	व्यतिलविष्यते	व्यतिलविष्येते	व्यतिलविष्यन्ते	प्र०
	व्यतिलविष्यसे	व्यतिलविष्येथे	व्यतिलविष्यध्वे	म०
	व्यतिलविष्ये	व्यतिलविष्यावहे	व्यतिलविष्यामहे	उ०
(लोट्)	व्यतिलुनीताम्	व्यतिलुनाताम्	व्यतिलुनताम्	प्र०
	व्यतिलुनीष्व	व्यतिलुनाथाम्	व्यतिलुनीध्वम्	म०
	व्यतिलुनै	व्यतिलुनावहै	व्यतिलुनामहै	उ०
(लङ्)	व्यत्यलुनीत	व्यत्यलुनाताम्	व्यत्यलुनत	प्र०
	व्यत्यलुनीथाः	व्यत्यलुनाथाम्	व्यत्यलुनीध्वम्	म०
	व्यत्यलुने	व्यत्यलुनीवहि	व्यत्यलुनीमहि	उ०
(वि. लि.)	व्यतिलुनीत	व्यतिलुनीयाताम्	व्यतिलुनीरन्	प्र०
	व्यतिलुनीथाः	व्यतिलुनीयाथाम्	व्यतिलुनीध्वम्	म०
	व्यतिलुनीय	व्यतिलुनीवहि	व्यतिलुनीमहि	उ०
(आ. लि.)	व्यतिलविषीष्ट	व्यतिलविषीयास्ताम्	व्यतिलविषीरन्	प्र०
	व्यतिलविषीष्ठाः	व्यतिलविषीयास्थाम्	व्यतिलविषीध्वम्	म०
	व्यतिलविषीय	व्यतिलविषीवहि	व्यतिलविषीमहि	उ०
(लुङ्)	व्यत्यलविष्ट	व्यत्यलविषाताम्	व्यत्यलविषत	प्र०
	व्यत्यलविष्ठाः	व्यत्यलविषाथाम्	व्यत्यलविषध्वम्	म०
	व्यत्यलविषि	व्यत्यलविष्वहि	व्यत्यलविष्महि	उ०
(लृङ्)	व्यत्यलविष्यत	व्यत्यलविष्येताम्	व्यत्यलविष्यन्त	प्र०
	व्यत्यलविष्यथाः	व्यत्यलविष्येथाम्	व्यत्यलविष्यध्वम्	म०
	व्यत्यलविष्ये	व्यत्यलविष्यावहि	व्यत्यलविष्यामहि	उ०

(१६) सं + चर = वाहन से चलना (आत्मनेपदी)

(लट्)	सञ्चरते	सञ्चरेते	सञ्चरन्ते	प्र०
	सञ्चरसे	सञ्चरेथे	सञ्चरध्वे	म०
	सञ्चरे	सञ्चरावहे	सञ्चरामहे	उ०
(लिट्)	सञ्चरे	सञ्चेराते	सञ्चेरिरे	प्र०
	सञ्चेरिषे	सञ्चेराथे	सञ्चेरिध्वे	म०
	सञ्चेरे	सञ्चेरिवहे	सञ्चेरिमहे	उ०
(लुट्)	सञ्चरिता	सञ्चरितारौ	सञ्चरितारः	प्र०
	सञ्चरितासे	सञ्चरितासाथे	सञ्चरिताध्वे	म०
	सञ्चरिताहे	सञ्चरितास्वहे	सञ्चरितास्महे	उ०
(लृट्)	सञ्चरिष्यते	सञ्चरिष्येते	सञ्चरिष्यन्ते	प्र०
	सञ्चरिष्यसे	सञ्चरिष्येथे	सञ्चरिष्यध्वे	म
	सञ्चरिष्ये	सञ्चरिष्यावहे	सञ्चरिष्यामहे	उ
(लोट्)	सञ्चरताम्	सञ्चरेताम्	सञ्चरन्ताम्	प्र
	सञ्चरस्व	सञ्चरेथाम्	सञ्चरध्वम्	म
	सञ्चरै	सञ्चरावहै	सञ्चरामहै	उ
(लङ्)	समचरत	समचरेताम्	समचरन्त	प्र
	समचरथाः	समचरेथाम्	समचरध्वम्	म
	समचरे	समचरावहि	समचरामहि	उ
(वि. लि.)	सञ्चरेत	सञ्चरेयाताम्	सञ्चरेरन्	प्र
	सञ्चरेथाः	सञ्चरेयाथाम्	सञ्चरेध्वम्	म
	सञ्चरेय	सञ्चरेवहि	सञ्चरेमहि	उ

(आ. लि.)	सञ्चरिषीष्ट	सञ्चरिषीयास्ताम्	सञ्चरिषीरन्	प्र०
	सञ्चरिषीष्ठाः	सञ्चरिषीयास्थाम्	सञ्चरिषीध्वम्	म०
	सञ्चरिषीय	सञ्चरिषीवहि	सञ्चरिषीमहि	उ०
(लुङ्)	समचरिष्ट	समचरिषाताम्	समचरिषत	प्र०
	समचरिष्ठाः	समचरिषाथाम्	समचरिढ्वम्	म०
	समचरिषि	समचरिष्वहि	समचरिष्महि	उ०
(लृङ्)	समचरिष्यत	समचरिष्येताम्	समचरिष्यन्त	प्र०
	समचरिष्यथाः	समचरिष्येथाम्	समचरिष्यध्वम्	म०
	समचरिष्ये	समचरिष्यावहि	समचरिष्यामहि	उ०

(१७) सम् + दाण् = प्रदान करना (आत्मनेपदी)

(लट्)	संयच्छते	संयच्छेते	संयच्छन्ते	प्र०
	संयच्छसे	संयच्छेथे	संयच्छध्वे	म०
	संयच्छे	संयच्छावहे	संयच्छामहे	उ०
(लिट्)	सन्ददे	सन्ददाते	सन्ददिरे	प्र०
	सन्ददिषे	सन्ददाथे	सन्ददिध्वे	म०
	सन्ददे	सन्ददिवहे	सन्ददिमहे	उ०
(लुट्)	सन्दाता	सन्दातारौ	सन्दातारः	प्र०
	सन्दातासे	सन्दातासाथे	सन्दाताध्वे	म०
	सन्दाताहे	सन्दातास्वहे	सन्दातास्महे	उ०
(लृट्)	सन्दास्यते	सन्दास्येते	सन्दास्यन्ते	प्र०
	सन्दास्यसे	सन्दास्येथे	सन्दास्यध्वे	म०
	सन्दास्ये	सन्दास्यावहे	सन्दास्यामहे	उ०

(लोट्)	संयच्छताम्	संयच्छेताम्	संयच्छन्ताम्	प्र०
	संयच्छस्व	संयच्छेथाम्	संयच्छध्वम्	म०
	संयच्छै	संयच्छावहै	संयच्छामहै	उ०
(लङ्)	समयच्छत	समयच्छेताम्	समयच्छन्त	प्र
	समयच्छथाः	समयच्छेथाम्	समयच्छध्वम्	म
	समयच्छे	समयच्छावहि	समयच्छामहि	उ
(वि. लि.)	संयच्छेत	संयच्छेयाताम्	संयच्छेरन्	प्र
	संयच्छेथाः	संयच्छेयाथाम्	संयच्छेयध्वम्	म
	संयच्छेय	संयच्छेवहि	संयच्छेमहि	उ
(आ. लि.)	सन्दासीष्ट	सन्दासीयास्ताम्	सन्दासीरन्	प्र
	सन्दासीष्ठाः	सन्दासीयास्थाम्	सन्दासीध्वम्	म
	सन्दासीय	सन्दासीवहि	सन्दासीमहि	उ
(लुङ्)	समदित	समदिषाताम्	समदिषत	प्र
	समदिष्ठाः	समदिषाथाम्	समदिढ्वम्	म
	समदिषि	समदिष्वहि	समदिष्महि	उ
(लृङ्)	समदास्यत	समदास्येताम्	समदास्यन्त	प्र
	समदास्यथाः	समदास्येथाम्	समदास्यध्वम्	म
	समदास्ये	समदास्यावहि	समदास्यामहि	उ

(१८) सम् + स्था = भली भाँति खड़ा होना (आत्मनेपदी)

(लट्)	सन्तिष्ठते	सन्तिष्ठेते	सन्तिष्ठन्ते	प्र
	सन्तिष्ठसे	सन्तिष्ठेथे	सन्तिष्ठध्वे	म
	सन्तिष्ठे	सन्तिष्ठावहे	सन्तिष्ठामहे	उ

(लिट्)	सन्तस्थे	सन्तस्थाते	सन्तस्थिरे	प्र०
	सन्तस्थिषे	सन्तस्थाथे	सन्तस्थिध्वे	म०
	सन्तस्थे	सन्तस्थिवहे	सन्तस्थिमहे	उ०
(लुट्)	संस्थाता	संस्थातारौ	संस्थातारः	प्र०
	संस्थातासे	संस्थातासाथे	संस्थाताध्वे	म०
	संस्थाताहे	संस्थातास्वहे	संस्थातास्महे	उ०
(लृट्)	संस्थास्यते	संस्थास्येते	संस्थास्यन्ते	प्र०
	संस्थास्यसे	संस्थास्येथे	संस्थास्यध्वे	म०
	संस्थास्ये	संस्थास्यावहे	संस्थास्यामहे	उ०
(लोट्)	सन्तिष्ठताम्	सन्तिष्ठेताम्	सन्तिष्ठन्ताम्	प्र०
	सन्तिष्ठस्व	सन्तिष्ठेथाम्	सन्तिष्ठध्वम्	म०
	सन्तिष्ठै	सन्तिष्ठावहै	सन्तिष्ठामहै	उ०
(लङ्)	समतिष्ठत	समतिष्ठेताम्	समतिष्ठन्त	प्र०
	समतिष्ठथाः	समतिष्ठेथाम्	समतिष्ठध्वम्	म०
	समतिष्ठे	समतिष्ठावहि	समतिष्ठामहि	उ०
(वि.लि.)	सन्तिष्ठेत	सन्तिष्ठेयाताम्	सन्तिष्ठेरन्	प्र०
	सन्तिष्ठेथाः	सन्तिष्ठेयाथाम्	सन्तिष्ठेध्वम्	म०
	सन्तिष्ठेय	सन्तिष्ठेवहि	सन्तिष्ठेमहि	उ०
(आ.लि.)	संस्थासीष्ट	संस्थासीयास्ताम्	संस्थासीरन्	प्र०
	संस्थासीष्ठाः	संस्थासीयास्थाम्	संस्थासीध्वम्	म०
	संस्थासीय	संस्थासीवहि	संस्थासीमहि	उ०

(लुङ्)	समस्थित	समस्थिषाताम्	समस्थिषत	प्र०
	समस्थिष्ठाः	समस्थिषाथाम्	समस्थिढ्वम्	म०
	समस्थिषि	समस्थिष्वहि	समस्थिष्महि	उ०
(लृङ्)	समस्थास्यत	समस्थास्येताम्	समस्थास्यन्त	प्र०
	समस्थास्यथाः	समस्थास्येथाम्	समस्थास्यध्वम्	म०
	समस्थास्ये	समस्थास्यावहि	समस्थास्यामहि	उ०

इति आत्मनेपदप्रकरणम्

---

*

अथ परस्मैपदप्रकरणम्

(१) अनु + कृ = अनुकरण करता है (परस्मैपदी)

(लट्)	अनुकरोति	अनुकुरुतः	अनुकुर्वन्ति	प्र०
	अनुकरोषि	अनुकुरुथः	अनुकुरुथ	म०
	अनुकरोमि	अनुकुर्वः	अनुकुर्मः	उ०
(लिट्)	अनुचकार	अनुचक्रतुः	अनुचक्रुः	प्र०
	अनुचकर्थ	अनुचक्रथुः	अनुचक्र	म०
	अनुचकार, चकर	अनुचकृव	अनुचकृम	उ०
(लुट्)	अनुकर्ता	अनुकर्तारौ	अनुकर्तारः	प्र०
	अनुकर्तासि	अनुकर्तास्थः	अनुकर्तास्थ	म०
	अनुकर्तास्मि	अनुकर्तास्वः	अनुकर्तास्मः	उ०
(लृट्)	अनुकरिष्यति	अनुकरिष्यतः	अनुकरिष्यन्ति	प्र०
	अनुकरिष्यसि	अनुकरिष्यथः	अनुकरिष्यथ	म०
	अनुकरिष्यामि	अनुकरिष्यावः	अनुकरिष्यामः	उ०
(लोट्)	अनुकरोतु, कुरुतात्	अनुकुरुताम्	अनुकुर्वन्तु	प्र०
	अनुकुरु, कुरुतात्	अनुकुरुतम्	अनुकुरुत	म०
	अनुकरवाणि	अनुकरवाव	अनुकरवाम	उ०
(लङ्)	अन्वकरोत्	अन्वकुरुताम्	अन्वकुर्वन्	प्र०
	अन्वकरोः	अन्वकुरुतम्	अन्वकुरुत	म०
	अन्वकरवम्	अन्वकुर्व	अन्वकुर्म	उ०

(वि. लि.)	अनुकुर्यात्	अनुकुर्याताम्	अनुकुर्युः	प्र०
	अनुकुर्याः	अनुकुर्यातम्	अनुकुर्यात	म०
	अनुकुर्याम्	अनुकुर्याव	अनुकुर्याम	उ०
(आ. लि.)	अनुक्रियात्	अनुक्रियास्ताम्	अनुक्रियासुः	प्र०
	अनुक्रियाः	अनुक्रियास्तम्	अनुक्रियास्त	म०
	अनुक्रियासम्	अनुक्रियास्व	अनुक्रियास्म	उ०
(लुङ्)	अन्वकार्षीत्	अन्वकार्ष्टाम्	अन्वकार्षुः	प्र०
	अन्वकार्षीः	अन्वकार्ष्टम्	अन्वकार्ष्ट	म०
	अन्वकार्षम्	अन्वकार्ष्व	अन्वकार्ष्म	उ०
(लृङ्)	अन्वकरिष्यत्	अन्वकरिष्यताम्	अन्वकरिष्यन्	प्र०
	अन्वकरिष्यः	अन्वकरिष्यतम्	अन्वकरिष्यत	म०
	अन्वकरिष्यम्	अन्वकरिष्याव	अन्वकरिष्याम	उ०

इसी प्रकार–पराकरोति पराकुरुतः पराकुर्वन्ति इ०

(२) अभि + क्षिप = आक्षेप करता है (परस्मैपदी)

(लट्)	अभिक्षिपति	अभिक्षिपतः	अभिक्षिपन्ति	प्र०
	अभिक्षिपसि	अभिक्षिपथः	अभिक्षिपथ	म०
	अभिक्षिपामि	अभिक्षिपावः	अभिक्षिपामः	उ०
(लिट्)	अभिचिक्षेप	अभिचिक्षिपतुः	अभिचिक्षिपुः	प्र०
	अभिचिक्षेपिथ	अभिचिक्षिपथुः	अभिचिक्षिप	म०
	अभिचिक्षेप	अभिचिक्षिपिव	अभिचिक्षिपिम	उ०
(लुट्)	अभिक्षेप्ता	अभिक्षेप्तारौ	अभिक्षेप्तारः	प्र०
	अभिक्षेप्तासि	अभिक्षेप्तास्थः	अभिक्षेप्तास्थ	म०
	अभिक्षेप्तास्मि	अभिक्षेप्तास्वः	अभिक्षेप्तास्मः	उ०

(लृट्)	अभिक्षेप्स्यति	अभिक्षेप्स्यतः	अभिक्षेप्स्यन्ति	प्र०
	अभिक्षेप्स्यसि	अभिक्षेप्स्यथः	अभिक्षेप्स्यथ	म०
	अभिक्षेप्स्यामि	अभिक्षेप्स्यावः	अभिक्षेप्स्यामः	उ०
(लोट्)	अभिक्षिपतु, तात्	अभिक्षिपताम्	अभिक्षिपन्तु	प्र०
	अभिक्षिप, तात्	अभिक्षिपतम्	अभिक्षिपत	म०
	अभिक्षिपाणि	अभिक्षिपाव	अभिक्षिपाम	उ०
(लङ्)	अभ्यक्षिपत्	अभ्यक्षिपताम्	अभ्यक्षिपन्	प्र०
	अभ्यक्षिपः	अभ्यक्षिपतम्	अभ्यक्षिपत	म०
	अभ्यक्षिपम्	अभ्यक्षिपाव	अभ्यक्षिपाम	उ०
(वि. लि.)	अभिक्षिपेत्	अभिक्षिपेताम्	अभिक्षिपेयुः	प्र०
	अभिक्षिपेः	अभिक्षिपेतम्	अभिक्षिपेत	म०
	अभिक्षिपेयम्	अभिक्षिपेव	अभिक्षिपेम	उ०
(आ. लि.)	अभिक्षिप्यात्	अभिक्षिप्यास्ताम्	अभिक्षिप्यासुः	प्र०
	अभिक्षिप्याः	अभिक्षिप्यास्तम्	अभिक्षिप्यास्त	म०
	अभिक्षिप्यासम्	अभिक्षिप्यास्व	अभिक्षिप्यास्म	उ०
(लुङ्)	अभ्यक्षैप्सीत्	अभ्यक्षैप्ताम्	अभ्यक्षैप्सुः	प्र०
	अभ्यक्षैप्सीः	अभ्यक्षैप्तम्	अभ्यक्षैप्त	म०
	अभ्यक्षैप्सम्	अभ्यक्षैप्स्व	अभ्यक्षैप्स्म	उ०
(लृङ्)	अभ्यक्षेप्स्यत्	अभ्यक्षेप्स्यताम्	अभ्यक्षेप्स्यन्	प्र०
	अभ्यक्षेप्स्यः	अभ्यक्षेप्स्यतम्	अभ्यक्षेप्स्यत	म०
	अभ्यक्षेप्स्यम्	अभ्यक्षेप्स्याव	अभ्यक्षेप्स्याम	उ०

(३) आ + रम् = आराम करता है (परस्मैपदी)

(लट्)	आरमति	आरमतः	आरमन्ति
(लिट्)	आरराम	आरेमतुः	आरेमुः
(लुट्)	आरन्ता	आरन्तारौ	आरन्तारः
(लृट्)	आरंस्यति	आरंस्यतः	आरंस्यन्ति
(लोट्)	आरमतु	आरमताम्	आरमन्तु
(लङ्)	आरमत्	आरमताम्	आरमन्
(वि. लि.)	आरमेत्	आरमेताम्	आरमेयुः
(आ. लि.)	आरम्यात्	आरम्यास्ताम्	आरम्यासुः
(लुङ्)	आरंसीत्	आरंसिष्टाम्	आरंसिषुः
(लृङ्)	आरंस्यत्	आरंस्यताम्	आरंस्यन्

(४) उप + रम् = विरक्त होता है (परस्मैपदी)

(लट्)	उपरमति	उपरमतः	उपरमन्ति
(लिट्)	उपरराम	उपरेमतुः	उपरेमुः
(लुट्)	उपरन्ता	उपरन्तारौ	उपरन्तारः
(लृट्)	उपरंस्यति	उपरंस्यतः	उपरंस्यन्ति
(लोट्)	उपरमतु	उपरमताम्	उपरमन्तु
(लङ्)	उपारमत्	उपारमताम्	उपारमन्
(वि. लि.)	उपरमेत्	उपरमेताम्	उपरमेयुः
(आ. लि.)	उपरम्यात्	उपरम्यास्ताम्	उपरम्यासुः
(लुङ्)	उपारंसीत्	उपारंसिष्टाम्	उपारंसिषुः
(लृङ्)	उपारंस्यत	उपारंस्यताम्	उपारंस्यन्

(५) परि + मृष = परामर्श करता है (परस्मैपदी)

(लट्)	परिमृष्यति	परिमृष्यतः	परिमृष्यन्ति
(लिट्)	परिममर्ष	परिममृषतुः	परिममृषुः
(लुट्)	परिमर्षिता	परिमर्षितारौ	परिमर्षितारः
(लृट्)	परिमर्षिष्यति	परिमर्षिष्यतः	परिमर्षिष्यन्ति
(लोट्)	परिमृष्यतु	परिमृष्यताम्	परिमृष्यन्तु
(लङ्)	पर्यमृष्यत्	पर्यमृष्यताम्	पर्यमृष्यन्
(वि. लि.)	परिमृष्येत्	परिमृष्येताम्	परिमृष्येयुः
(आ. लि.)	परिमृष्यात्	परिमृष्यास्ताम्	परिमृष्यासुः
(लुङ्)	पर्यमर्षीत्	पर्यमार्ष्टाम्	पर्यमार्षुः
(लृङ्)	पर्यमर्षिष्यत्	पर्यमर्षिष्यताम्	पर्यमर्षिष्यन्

(६) परि + रम् = चारों ओर रमण करता है (परस्मैपदी)

(लट्)	परिरमति	परिरमतः	परिरमन्ति
(लिट्)	परिरराम	परिरेमतुः	परिरेमुः
(लुट्)	परिरन्ता	परिरन्तारौ	परिरन्तारः
(लृट्)	परिरंस्यति	परिरंस्यतः	परिरंस्यन्ति
(लोट्)	परिरमतु	परिरमताम्	परिरमन्तु
(लङ्)	पर्यरमत्	पर्यरमताम्	पर्यरमन्
(वि. लि.)	परिरमेत्	परिरमेताम्	परिरमेयुः
(आ. लि.)	परिरम्यात्	परिरम्यास्ताम्	परिरम्यासुः

(लुङ्)	पर्यरंसीत्	पर्यरंसिष्टाम्	पर्यरंसिषुः
(लृङ्)	पर्यरंस्यत्	पर्यरंस्यताम्	पर्यरंस्यन्

(७) प्र + वह = बहता है (परस्मैपदी)

(लट्)	प्रवहति	प्रवहतः	प्रवहन्ति
(लिट्)	प्रोवाह	प्रोवहतुः	प्रोहुः
(लुट्)	प्रोवोढा	प्रोवोढारौ	प्रोवोढारः
(लृट्)	प्रवक्ष्यति	प्रवक्ष्यतः	प्रवक्ष्यन्ति
(लोट्)	प्रवहतु	प्रवहताम्	प्रवहन्तु
(लङ्)	प्रावहत्	प्रावहताम्	प्रावहन्
(वि. लि.)	प्रवहेत्	प्रवहेताम्	प्रवहेरन्
(आ. लि.)	प्रोह्यात्	प्रोह्यास्ताम्	प्रोह्यासुः
(लुङ्)	प्रवाक्षीत्	प्रवोढाम्	प्रवाक्षुः
(लृङ्)	प्रावक्ष्यत्	प्रावक्ष्यताम्	प्रावक्षन्

(८) वि + रम् = रुकता है (परस्मैपदी)

(लट्)	विरमति	विरमतः	विरमन्ति
(लिट्)	विरराम	विरेमतुः	विरेमुः
(लुट्)	विरन्ता	विरन्तारौ	विरन्तारः
(लृट्)	विरंस्यति	विरंस्यतः	विरंस्यन्ति
(लोट्)	विरमतु	विरमताम्	विरमन्तु
(लङ्)	व्यरमत्	व्यरमताम्	व्यरमन्
(वि. लि.)	विरमेत्	विरमेताम्	विरमेयुः
(आ. लि.)	विरम्यात्	विरम्यास्ताम्	विरम्यासुः

(लुङ्)	व्यरंसीत्	व्यरंसिष्टाम्	व्यरंसिषुः
(लृङ्)	व्यरंस्यत्	व्यरंस्यताम्	व्यरंस्यन्

इति परस्मैपदप्रकरणम् ।

*

अथ भावकर्मप्रकरणम्

(१) अनु + भू = अनुभव करना

लट्–अनुभूयते० । लिट्–अनुबभूवे० ।
लुट्–अनुभाविता अथवा अनुभविता० ।
लृट्–अनुभाविष्यते अथवा अनुभविष्यते ० ।
लोट्–अनुभूयताम् ०।लङ्–अन्वभूयत ०।
वि०लि०–अनुभूयेत ०।
आ०लि०–अनुभाविषीष्ट अथवा अनुभविषीष्ट ०।
लुङ्–अन्वभावि ०।लृङ्–अन्वभाविष्यत अथवा अन्वभविष्यत ०

(२) ऋ = गति

लट्–अर्यते ०। लिट्–आरे०। लुट्–आरिता अथवा अर्ता ०।
लृट्–आरिष्यते अथवा अरिष्यते ०।लोट्–अर्यताम् ०।
लङ्–आर्यत ०। वि०लि०–अर्येत ०।
आ०लि०–आरिषीष्ट अथवा ऋषीष्ट ०।
लुङ्–आरित। लृङ् – आरिष्यत ०।

(३) दा = दान

लट्–दायते ०। लिट्–ददे ०।
लुट्–दायिता अथवा दाता ०।लृट्–दायिष्यते अथवा दास्यते ०।
लोट्–दीयताम् ०। लङ्–अदीयत ०।
वि०लि०–दीयते ०। आ०लि०–दायिषीष्ट अथवा दासीष्ट ०।
लुङ्–अदायि, अदायिषाताम् अथवा अदिषाताम् ०।
लृङ्–अदायिष्यत अथवा अदास्यत ०।

(४) सन्नन्त = बुभूष् धातु

लट्–बुभूष्यते ०। लिट्–बुभूषाञ्चक्रे ०।
लुट्–बुभूषिता ०। लृट्–बुभूषिष्यते ०।
लोट्–बुभूष्यताम् ०। लङ्–अबुभूष्यत ०।
वि ० लि ०–बुभूष्येत ०। आ ० लि ०–बुभूषिषीष्ट ०।
लुङ्–अबुभूषि ०। लृङ्–अबुभूषिष्यत ०।

(५) यङन्त = बोभूय धातु

लट्–बोभूयते ०। लिट्–बोभूयाञ्चक्रे ०।
लुट्–बोभाविता अथवा बोभविता ०।
लृट्–बोभाविष्यते अथवा बोभविष्यते ०।
लोट्–बोभूयताम् ०। लङ्–अबोभूयत ०।
वि ० लि ०–बोभूयेत ०।
आ ० लि ०–बोभाविषीष्ट अथवा बोभविषीष्ट ०।
लुङ्–अबोभावि ०। लृङ्–अबोभाविष्यत अथवा अबोभविष्यत ०।

(६) णिजन्त = भावि धातु

लट्–भाव्यते ०। लिट्–भावयाञ्चक्रे ०।
लुट्–भाविता अथवा भावयिता ०।
लृट्–भाविष्यते अथवा भावयिष्यते ०। लोट्–भाव्यताम् ०।
लङ्–अभाव्यत ०। वि ० लि ०–भाव्येत ०।
आ ० लि ०–भाविषीष्ट अथवा भावयिषीष्ट ०।
लुङ्–अभावि, अभाविषाताम् अथवा अभावयिषाताम् ०।
लृङ्–अभाविष्यत ० अथवा अभावयिष्यत ०।

(७) भू = होना

लट्–भूयते ०। लिट्–बभूवे ०।
लुट्–भाविता ० अथवा भविता ०।
लृट्–भाविष्यते अथवा भविष्यते ०। लोट्–भूयताम् ०।
लङ्–अभूयत ०। वि ० लि ०–भूयेत।
आ ० लि ०–भाविषीष्ट अथवा भविषीष्ट ०।
लुङ्–अभावि ०। लृङ्–अभाविष्यत अथवा अभविष्यत ०।

(८) स्तु = स्तुति

लट्–स्तूयते ०। लिट्–तुष्टवे ०।
लुट्–स्ताविता अथवा स्तोता ०। लृट्–स्ताविष्यते अथवा स्तोष्यते
लोट्–स्तूयताम् ०। लङ्–अस्तूयत ०। वि ० लि ०–स्तूयेत ०।
आ ० लि ०–स्ताविषीष्ट अथवा स्तविषीष्ट ०।
लुङ्–अस्तावि, अस्ताविषाताम् अथवा अस्तोषाताम् ०।
लृङ्–अस्ताविष्यत अथवा अस्तोष्यत ०।

(९) स्मृ = स्मरण

लट्–स्मर्यते ०। लिट्–सस्मरे ०।
लुट्–स्मारिता अथवा स्मर्ता ०।
लृट्–स्मारिष्यते अथवा स्मरिष्यते ०।
लोट्–स्मर्यताम् ०। लङ्–अस्मर्यत ०।
वि ० लि ०–स्मर्येत ०। आ ० लि ०–स्मारिषीष्ट अथवा स्मृषीष्ट ०।
लुङ्–अस्मारि ०। लृङ्–अस्मारिष्यत अथवा अस्मरिष्यत ०।

इति भावकर्मप्रकरणम् ।

*

संख्यावाचक शब्द

क्रम संख्या	संख्या
१.	एकः
२.	द्विः
२.	त्रिः
४.	चतुर्
५.	पञ्चन्
६.	षष्
७.	सप्तन्
८.	अष्टन्
९.	नवन्
१०.	दशन्
११.	एकादशन्
१२.	द्वादशन्
१३.	त्रयोदशन्
१४.	चतुर्दशन्
१५.	पञ्चदशन्
१६.	षोडषन्

१७.	सप्तदशन्
१८.	अष्टादशन्
१९.	नवदशन्, ऊनविंशतिः, एकोनविंशतिः
२०.	विंशतिः
२१.	एकविंशतिः
२२.	द्वाविंशतिः
२३.	त्रयोविंशतिः
२४.	चतुर्विंशतिः
२५.	पञ्चविंशतिः
२६.	षड्विंशतिः
२७.	सप्तविंशतिः
२८.	अष्टाविंशतिः
२९.	नवविंशतिः, एकोनत्रिंशतिः, ऊनत्रिंशतः
३०.	त्रिंशतिः
३१.	एकत्रिंशतिः
३२.	द्वात्रिंशतिः
३३.	त्रयस्त्रिंशत्

३४. चतुस्त्रिंशत्
३५. पञ्चत्रिंशत्
३६. षट्त्रिंशत्
३७. सप्तत्रिंशत्
३८. अष्टात्रिंशत्
३९. नवत्रिंशत्, एकोनचत्वारिंशत्, ऊनचत्वारिंशत्
४०. चत्वारिंशत्
४१. एकचत्वारिंशत्
४२. द्विचत्वारिंशत्, द्वाचत्वारिंशत्
४३. त्रिचत्वारिंशत्, त्रयश्चत्वारिंशत्
४४. चतुश्चत्वारिंशत्
४५. पञ्चचत्वारिंशत्
४६. षट्चत्वारिंशत्
४७. सप्तचत्वारिंशत्
४८. अष्टा-अष्टचत्वारिंशत्
४९. नवचत्वारिंशत्, एकोनपञ्चाशत्, ऊनपञ्चाशत्
५०. पञ्चाशत्

५१. एकपञ्चाशत्
५२. द्वा-द्विपञ्चाशत्
५३. त्रयः-त्रिपञ्चाशत्
५४. चतुःपञ्चाशत्
५५. पञ्चपञ्चाशत्
५६. षट्पञ्चाशत्
५७. सप्तपञ्चाशत्
५८. अष्टा-अष्टपञ्चाशत्
५९. नवपञ्चाशत्, एकोनषष्टिः, ऊनषष्टिः
६०. षष्टिः
६१. एकषष्टिः
६२. द्वा-द्विषष्टिः
६३. त्रयः-त्रिषष्टिः
६४ चतुष्षष्टिः,
६५. पञ्चषष्टिः
६६. षट्षष्टिः
६७. सप्तषष्टिः
६८. अष्टाषष्टिः-अष्टषष्टिः

६९. नवषष्टिः, एकोनसप्तति, ऊनसप्तति
७० सप्तति
७१. एकसप्तति
७२. द्वा-द्विसप्तति
७३. त्रयः-त्रिसप्तति
७४. चतुःसप्तति
७५. पञ्चसप्तति
७६. षट्सप्तति
७७. सप्तसप्तति
७८. अष्टासप्तति-अष्टसप्तति
७९. नवसप्तति, एकोनाशीति, ऊनाशीति
८०. अशीति
८१. एकाशीति
८२. द्व्यशीति
८३. त्र्यशीति
८४. चतुरशीति
८५. पञ्चाशीति

८६. षडशीति
८७. सप्ताशीति
८८. अष्टाशीति
८९. नवाशीति, एकोननवति, ऊननवति
९०. नवति
९१. एकनवति
९२. द्वा-द्विनवति
९३. त्रयो-त्रिनवति
९४. चतुर्नवति
९५. पञ्चनवति
९६. षण्णवति
९७. सप्तनवति
९८. अष्टानवति-अष्टनवति
९९. नवनवति, एकोनशतम्, ऊनशतम्
१००. शतम्
२००. द्विशतम्
३००. त्रिशतम्

४००	चतुश्शतम्
५००	पञ्चशतम्
१०००	सहस्रम्
दस हजार	अयुतम्
एक लाख	लक्षम्, लक्षा
दस लाख	प्रयुतम्
करोड़	कोटि
दस करोड़	अर्बुदम्
अरब	अब्जम्
दस अरब	खर्वः, खर्वम्
खरब	निखर्वः, निखर्वम्
दस खरब	महापद्मम्
नील	शङ्कुः
दस नील	जलधिः
पद्म	अन्त्यः
दस पद्म	मध्यम्
शंख	परार्धम्

———— * ————